ISSN– 2395-1699

निरयणं दृक्तुल्यञ्च केतकीपक्षसम्मतम्। नैसर्गिकं हि पञ्चाङ्गं भारते भासतां सदा॥

भारतीय शास्त्रसम्मत दृक्तुल्य निरयण चित्रापक्षीय

नैसर्गिक-पञ्चाङ्ग

संवत्सर-पिङ्गल

राजा-भौम

मन्त्री-शनि

विक्रम संवत् - २०८१

शक संवत् - १९४६

कलि संवत् - ५१२५

ईशवीय वर्ष - २०२४-२५

संरक्षक एवं प्रधानसम्पादक - प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय

सम्पादक - प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी

सह सम्पादक - प्रो. अशोक थपलियाल

प्रकाशक - नैसर्गिक शोध संस्था, दिल्ली इकाई, नई दिल्ली



ज्योति:शास्त्रविचारणाचरणभागध्यायबोधोल्लसत्
प्रज्ञाज्ञानसुशिष्यचक्रविकिरद्विज्ञानपारम्परी ।
स्वर्गङ्गामवगाहतेऽमलतनुर्हंसीव यस्य स्वतः
स्वर्यातः स सदा स्मृतामृतयशाः कल्याणदत्तो गुरुः॥

\- सम्पादक

पुण्य स्मृति में समर्पित

प्रातः स्मरणीय राष्ट्रपति सम्मानित गोलोकवासी महा महोपाध्याय पण्डित प्रवर श्रीकल्याणदत्त शर्मा जी का सम्पूर्ण जीवन केतकी ग्रहगणित के द्वारा पंचाग निर्माण और पंचांगों के परिमार्जन और शुद्धिकरण के लिए विभिन्न स्थानों में ज्योतिष के प्रत्यक्ष ज्ञान के निमित्त पाषाण वेधशालाओं के निर्माण में व्यतीत हुआ । आपने अपने जीवन का सर्वाधिक समय सभी भारतीय पंचांगों को दृक्सिद्ध बनाने में व्यतीत किया । आपके द्वारा अध्यापित और प्रशिक्षित ज्योतिष शास्त्र के अनेक अध्येता आज ज्योतिष जगत् में कार्यरत हैं। उत्तर भारत में एकमात्र शुद्ध केतकरीय पद्धति पर आधारित यह पंचाग भी मूल रूप में आपकी ही भावनाओं का प्रतिफल है। अतः इस पंचांग को कीर्तिशेष महा महोपाध्याय पण्डित प्रवर श्रीकल्याणदत्त शर्मा जी की पुण्यस्मृति में समर्पित करते हुए संस्था अपार हर्ष का अनुभव कर रही है।

उपहार

प्रकाशक नैसर्गिक शोध संस्था, दिल्ली इकाई, RZG-271, पालम कालोनी, नई दिल्ली
मुख्य कार्यालय - 38 मानस नगर कालोनी, वाराणसी-5

प्रकाशन वर्ष - 2024 ई., **पुष्प** -दशम **मूल्य** - रु. 80/-

पञ्चाङ्ग परिचय

अक्षांश 28°39° N, रेखांश 77°12°E, पलभा 06°33°

भारतवर्ष में सम्प्रति विभिन्न पद्धतियों से पञ्चाङ्ग निर्माण होता है। इनमें तिथ्यादि के मानों में विसंगति के कारण व्रत पर्वोत्सव में भी विसंगतियां दृष्टिगोचर होती हैं। इस विषय में ध्यातव्य है कि हमारे ऋषि-महर्षियों एवं आचार्यों ने सदैव ही दृक्तुल्य गणित का समर्थन किया है। ऋषि वसिष्ठ का कथन है कि -

यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यकम्।
दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादिनिर्णयम्।।

इसी प्रकार प्रसिद्ध आर्षग्रन्थ सूर्यसिद्धान्त कालभेदानुसार गणित में अन्तर को - **युगानां परिवर्तनेन कालभेदोऽत्र केवलः** कहकर दृक्तुल्यता का ही समर्थन करता है। यथा -

तत्तद्गतिवशान्नित्यं यथा दृक्तुल्यतां ग्रहाः।
प्रयान्ति तत्प्रवक्ष्यामि स्फुटीकरणमादरात्।।

एवमेव भास्कराचार्य द्वितीय, आचार्य गणेश दैवज्ञ आदि प्रायः सभी सिद्धान्त ज्योतिष के महान आचार्य दृक्तुल्य गणित को ही विवाहादि संस्कारों तथा व्रत-पर्वोत्सवादि कार्यों के लिए आवश्यक मानते हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए यह पञ्चाङ्ग दृक्तुल्य चित्रापक्षीय केतकीय ग्रहगणितीय पद्धति पर दिल्ली के अक्षांश एवं रेखांश के अनुसार निर्मित है।

इस पञ्चाङ्ग में तिथि, नक्षत्र, योग और करण के आगे निर्दिष्ट घटी व पल तत्सम्बन्धी तिथ्यादि के सूर्योदय के बाद की स्थिति को बताता है। इसी प्रकार तिथि व नक्षत्र के घटी पल के आगे निर्दिष्ट घण्टा मिनट उसके समाप्ति काल को प्रदर्शित करता है। इस पञ्चाङ्ग में प्रयुक्त घण्टा व मिनट मान भारतीय स्टैण्डर्ड समय अर्थात् रेडियो टाइम के अनुसार दिये गये हैं। अतः इस पञ्चाङ्ग के समय को भारत में अपनी घडी के अनुरूप मिलाकर समय का अनुपालन कर सकते हैं। इस पञ्चाङ्ग में दिए गए मान यथासम्भव विशुद्ध देने के प्रयास किए गए हैं। फिर भी यान्त्रिकीय एवं मानवीय त्रुटियाँ स्वाभाविक हैं। अतः पाठकों से नम्र निवेदन है कि वे त्रुटियों पर ध्यान न देते हुए पञ्चाङ्ग के उपयोगी तथ्यों को ग्रहण करेंगे। यतः -

गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समाददति सज्जनाः।। - सम्पादक

विषय सूची

विषय सूची

मङ्गलवाक्

सर्वविद्या की राजधानी के अधिष्ठाता एवं सभी विद्याओं के गुरु बाबा विश्वनाथ के अनुग्रह से नैसर्गिक शोध संस्था विगत छह वर्षो से नैसर्गिक-पञ्चाङ्ग का प्रकाशन करती आ रही है। इस वर्ष संस्था विक्रम संवत् 2078 के पञ्चाङ्ग का प्रकाशन वास्तुशास्त्र विभाग, श्रीलाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) नई दिल्ली के साथ संयुक्त तत्त्वावधान में कर रही है। इस महनीय अवसर पर मैं संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

भारतीय पद्धति से दृक्तुल्य पञ्चाङ्ग का निर्माण एवं प्रकाशन नैसर्गिक शोधसंस्था का मुख्य उद्देश्य रहा है। भारतीय दैवज्ञों के सिद्धान्तों का सदैव मैं आदर करता रहा हूँ। इसीलिए आचार्यो के निर्देशानुसार सूर्यसिद्धान्त में अपेक्षित परिष्कारों के साथ उसी सिद्धान्त के अनुसरण का पक्षपाती रहा हूँ। आचार्यों के वचन हमें नित्य नये परिष्कारों के लिए प्रेरित करते हैं-

सौरोऽर्कोऽपि विधूच्चमङ्ककलिको नाब्जस्तमस्तवार्यज-
स्तेभ्यः स्याद्ग्रहणादिदृगसममियं प्रोक्ता मया सा तिथिः।
ग्राह्या मङ्गलधर्मनिर्णयविधावेषा यतो दृक्समाऽ-
थापेक्षा यदि चालितोपकरणैस्तत्पक्षजा स्यात्तिथिः।।-तिथिचिन्तामणि18

मुझे प्रसन्नता है कि सूर्यसिद्धान्त के परिष्कार सम्बन्धी अनुसन्धान में कई युवा विद्वान कार्यरत हैं। इसी बीच भारतीय शुद्ध पञ्चाङ्गों की आवश्यकता को देखते हुए आचार्य गणेशदैवज्ञ एवं आचार्य केतकर के मार्गो का अनुसरण करते हुए दृक्तुल्य पञ्चाङ्ग का प्रयास किया गया। केतकीय ग्रहगणित सिद्धान्त पर आधारित नैसर्गिक पञ्चाङ्ग शास्त्रसम्मत एवं दृक्तुल्य है। संस्था किसी भी आर्थिक लाभ की दृष्टि से नही अपितु भारतीय विद्याओं के प्रसार एवं संवर्धन हेतु कार्य करती है। इस महनीय कार्य में प्रयास करने के बाद भी कुछ त्रुटियां सम्भव हैं। अतः प्रबुद्ध पाठकगण उनका मार्जन करते हुए अवगत कराने का कष्ट करेंगे ताकि अग्रिम अङ्कों में उनका समुचित समाधान किया जा सके। सहयोग हेतु संस्था सदैव आभारी रहेगी।

मैं इस श्रमसाध्य कार्य के लिए प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी को साधुवाद देता हूँ जिन्होंने संस्था के लिए निःस्वार्थभाव से अपने व्यस्त क्षणों से समय निकाल कर इस कार्य को पूर्णता तक पहुंचाया। वास्तुशास्त्रविभाग के प्राध्यापकगण के साथ ही संस्था के सभी सदस्यों एवं सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। अन्त में संस्था की ओर से आगामी भारतीय नववर्ष की हार्दिक शुभकामनायें। नववर्ष देश एवं देशवासियों के लिए सभी प्रकार से सुख एवं सम्मान में वृद्धिकारक हो। शुभमिति।

गीता जयन्ती, सं 2080
नैसर्गिक शोध संस्था, वाराणसी

प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय
संरक्षक एवं प्रधान सम्पादक

प्रास्ताविकम्

अथर्ववेद का उपवेद स्थापत्यवेद भवनादि निर्माण कला की अत्यन्त सुप्रसिद्ध प्राचीन विधा है, जो भारतीय वास्तुशास्त्र नाम से जानी जाती है। यह उत्तरवर्ती काल में वास्तुविद्या के नाम से सुविख्यात हुई। इस विद्या का उल्लेख वराहमिहिराचार्य ने बृहत्संहिता में किया है। महाराज भोजदेव ने वास्तुशास्त्र के अङ्ग के रूप में ज्योतिष को स्वीकार किया है-

सामुद्रं गणितञ्चैव ज्योतिषं छन्द एव च।
सिराज्ञानं तथा शिल्पं यन्त्रकर्मविधिस्तथा।।
एतान्यङ्गानि जानीयाद्वास्तुशास्त्रस्य बुद्धिमान्।- सं.सू. 44/3-4

वस्तुतः वास्तुशास्त्र एवं ज्योतिष अङ्ग-अङ्गी के रूप में परस्पर सम्बन्धित तथा एक दूसरे के बिना अपूर्ण हैं। अतः वास्तुशास्त्र के अध्येताओं के लिए भी ज्योतिष का अध्ययन आवश्यक है। इसी कारण वास्तुशास्त्र विभाग ने अपने पाठ्यक्रम में ज्योतिष के महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों को स्थान दिया है। वास्तुशास्त्र में ज्योतिष के मानविधान, मुहूर्त आदि अनेक भागों का उपयोग होता है।

ज्योतिषशास्त्र का मुख्य लक्ष्य घटनाओं का पूर्वानुमान करना है, जो ग्रहों की गति एवं स्थिति के सम्यक् ज्ञान के बिना सम्भव नहीं है -

ज्योतिःशास्त्रफलं पुराणगणकैरादेश इत्युच्यते।
नूनं लग्नबलाश्रितः पुनरयं तत्स्पष्टखेटाश्रयम्।।-सि.शि.गो.प्र.6

इसी ग्रहगणना के सदुद्देश्य से प्राचीन काल से ही पञ्चाङ्ग निर्माण करना ज्योतिर्विदों का प्रमुख कार्य रहा है। सम्प्रति भारतवर्ष में अनेक पद्धतियों के आधार पर पञ्चाङ्ग प्रचलित हैं, परन्तु इन पञ्चाङ्गों के तिथ्यादि मानों में विविधता के कारण व्रत, पर्वोत्सवों में भिन्नता परिलक्षित होती है। हमारे मनीषियों ने सदैव दृक्तुल्यता को व्रतपर्वोत्सवों के आचरण में प्रमाण माना है। आचार्य भास्कर कहते हैं -

यात्राविवाहोत्सवजातकादौ खेटैः स्फुटैरेव फलस्फुटत्वम्।
स्यात्प्रोच्यते तेन नभश्चराणां स्फुटक्रिया दृग्गणितैक्यकृद्या।।सि.शि.स्प.1

इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए शास्त्रसम्मत दृक्तुल्य चित्रापक्षीय केतकी ग्रहगणितीय पद्धति के आधार पर नैसर्गिक शोध संस्था द्वारा प्रख्यात ज्योतिर्विद प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय जी के मार्गनिर्देशन में नैसर्गिक-पञ्चाङ्ग प्रकाशित किया जाता रहा है। इस पञ्चाङ्ग के प्रकाशन से न केवल वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, वेद एवं पौरोहित्य के छात्र,अध्यापक एवं जिज्ञासुजन अपितु भारतीय संस्कृति में आस्था रखने वाले सामान्य लोग भी लाभान्वित होंगे। अतः मैं इस महनीय कार्य से जुडे सभी विद्वानों को साधुवाद देते हुए सुधीजनों के करकमलों में यह ज्ञानपुष्प समर्पित कर अत्यन्त हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ। शमिति।

मकरसङ्क्रान्ति, सं.2080
नई दिल्ली

प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी
सम्पादक

संवत्सरादिफलम् 2024-25 ई.

कलियुगाब्द	5125	ईसवी सन्	2024-25
फसली	1431-32	शालिवाहन शक	1946
हिजरी	1445-46	विक्रम संवत्	2081
सप्तर्षिसंवत	5100	महावीरजैननिर्वाणसंवत्	2549-50
श्रीबुद्धसंवत्	2647-48	भारतीय गणराज्यवर्ष	74-75

वर्षादिकृत्य -

अब्दादौ प्रातरुत्थाय दन्तधावनपूर्वकम् ।
स्नानं सन्ध्याविधिं कृत्वा वर्णाचारक्रमेण तु ॥
अब्दादौ मित्रसंयुक्तो मङ्लस्नानमाचरेत् ।
वस्त्रैराभरणैर्देहमलङ्कृत्य ततश्शुचिः ॥
अब्दादौ ग्रहपूजाञ्च पूजाञ्च चिरजीविनाम् ।
मिष्टान्नेन द्विजान् बन्धून् पितृन् सन्तर्पयेत्ततः ॥

वर्षारम्भ के दिन प्रातःकाल में दन्तधावनादि कार्योपरान्त मंगलस्नान करके सन्ध्यादि कृत्य पूरा करने के बाद नववस्त्र धारण करके ग्रहादि का पूजन करना चाहिए । साथ ही बन्धुजन, ब्राह्मण और पितरों को मिष्ठान्नादि से संतृप्त करना चाहिए।

प्राप्ते नूतनवत्सरे प्रतिगृहे कुर्याद् ध्वजारोपणम् ।
स्नानं मङ्लमाचरेद् द्विजवरैः सार्धं सुपूजोत्सवम् ॥
देवानां गुरुयोषिताञ्च विभवालङ्कारवस्त्रादिभिः ।
सम्पूज्यो गणकः फलञ्च श्रुणुयात्तस्माच्च लाभप्रदम् ॥
परिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषतः ।
सुपुष्पाणि समानीय चूर्णं कृत्वा विधानतः ॥
मरीचिर्लवणं हिंगुजीरकेण च संयुतम् ।
अजमोदयुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये ॥
यद् वर्षादौ निम्बसुमं शर्कराम्लघृतैर्युतम् ।
भक्षितं पूर्वयामे स्यात् तद्वर्षं सौख्यदायकम् ॥

संवत्सरादि फल श्रवण का माहात्म्य-

राज्यं स्यादचलं नृपश्रवणतो मन्त्रीश्रवात् कौशलम् ।
धान्येशात् कमला स्थिरा च सुरसा वाणी भवेन्मेघपात् ॥
धर्मे वुद्धिरधिष्ठिता रसपतेर्दीर्घायुपत्वं भवेत् ।
सस्येशाद् विमला मतिः शुभकरी वर्षावली श्रूयताम् ॥

वर्षारम्भ में संवत्सर के राजा का फल सुनने से राज्य स्थिर होता है । मंत्री का फल सुनने से कुशलता बढ़ती है। धान्येश का फल श्रवण से लक्ष्मी स्थिर होती है। मेघपति का फल सुनने से वाणी रम्या होती है। रसपति के फल श्रवण से दीर्घायु मिलती है। अतः शुभ एवं कल्याणकारी वत्सरावली का श्रवण करना चाहिए ।

संवत्सरादि फलश्रवणविधि-

उदङ्मुखः प्राङ्मुखो वा दैवज्ञस्य तु सन्निधौ ।
विघ्नेशं भारतीं खेटान् दैवज्ञं ब्राह्मणान् गुरून् ॥
सम्पूज्य वत्सरफलं साङ्गोपाङ्गं यथाक्रमम् ।
विकासवदनो भूत्वा ब्रह्मणो जन्मतः फलम् ॥
अब्दाधीशचमूनाथसस्यपानां बलाबले।
तत्कालग्रहचारांँश्च सम्यक् ज्ञात्वा फलं लभेत्।

दैवज्ञ के समीप में पूर्वमुख या उत्तरमुख होकर गणेश, सरस्वती, नवग्रह, गुरु, ब्राह्मण आदि का पूजन करके सांगोपांग वर्ष का फल सुनना चाहिए।

ब्रह्मायुर्निरूपणम् - श्रीमद्भगवतो विष्णोः नाभिकमलोद्भवस्य ब्रह्मणो ब्राह्ममानेन परमायुः १०० वर्षाणि । ३११०४०००००००००० सौरवर्षाणि ब्रह्मणः परमायुः। ब्रह्मणः जन्मादिगतसौरवर्षाणि १५५५२१९७२९४९१२५ कल्पादितः गतसौरवर्षाणि १९७२९४९१२५ सृष्टयादितः गतवर्षाणि १९५५८८५१२५ अथ ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे सप्तविंशतिमहायुगानि व्यतीतानि। अष्टाविंशमहायुगस्य च कृतत्रेताद्वापराख्ययुगचरणत्रयं व्यतीतम्।

कृतयुगवर्णनम्- कार्तिकशुक्लनवम्यां प्रथमयामे श्रवणनक्षत्रे वृद्धियोगे कृतयुगोत्पत्तिः। सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् १७२८००० सौरवर्षाणि। अस्मिन् युगे श्रीविष्णोः मत्स्यकच्छपवाराहनृसिंहाः चत्वारोऽवताराः। तत्र पापम् ० पुण्यम् २० ।

त्रेतायुगवर्णनम्- वैशाखशुक्लतृतीयायां द्वितीययामे रोहिणीनक्षत्रे शोभनयोगे त्रेतायुगोत्पत्तिः। सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् १२९६००० सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः वामनपरशुरामरामास्त्रयोवताराः। तत्र पापम् ५ पुण्यम् १५ ।

द्वापरयुगवर्णनम्- माघकृष्णामावस्यायां तृतीययामे धनिष्ठानक्षत्रे वरीयानयोगे द्वापरयुगोत्पत्तिः। सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् ८६४००० सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः श्रीकृष्णबलरामावतारौ, तत्र पापम् १० पुण्यम् १०।

कलियुगवर्णनम्- भाद्रपदकृष्णत्रयोदश्यां निशीथे कृत्तिकानक्षत्रे व्यतीपातयोगे कलियुगोत्पत्तिः, सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् ४,३२,००० सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः बुद्धाऽवतारोऽभवत्। कलियुगस्य ८२१ वर्षावशेषकाले कल्क्यवतारो भविष्यति। तत्र पापम् १५ पुण्यम् ५। सम्प्रति कलेः ५१२३ सौरवर्षाणि गतानि। भोग्यवर्षाणि ४२६८७७ कलिसम्वत् ५१२४।

बार्हस्पत्यवर्षफलम् ख तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये चौत्रशुक्लप्रतिपदि पिङ्गल नाम संवत्सरः। तस्य गतमासादयः 10/26/02/00, भोग्यमासादयः 01/03/58/00।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को पिङ्गल नाम का संवत्सर है । वर्षारम्भ में होने के कारण वर्षान्तपर्यन्त पिङ्गल संवत्सर का प्रयोग संकल्पादि में किया जाएगा । पिङ्गल संवत्सर का फल इस प्रकार है -

गावो हया विनश्यन्ति चान्ये च नटनर्तकाः।
मेघो न वर्षते तत्र पिङ्गले नात्र संशयः।।

अर्थात् पिङ्गल नामक संवत्सर में गाय-घोड़े तथा नट-नर्तकों का नाश होता है । भाव यह है कि यह संवत्सर पशुओं विशेषकर गाय-घोड़े आदि तथा मानवों में से नट-नर्तक आदि के लिए विशेष हानिकारक है, नाश से अभिप्राय है कि गाय-घोड़े आदि में रोग विशेष अथवा किसी प्रकार की महामारी हो सकती है तथा किसी प्रसिद्ध नट-नर्तक की मृत्यु अथवा अपख्याति हो सकती है । इस संवत्सर का स्वामी राहु है । नागपुर, मरुदेश तथा पूर्वी राज्यों में दुर्भिक्ष हो सकता है । सभी धातु तथा रसपदार्थ सस्ते रहेंगे। सर्वत्र लड़ाई -झगड़े की स्थिति, गुजरात प्रदेश में महंगाई में कुछ कमी, सिन्ध देश से अन्न का आगमन होने की संभावना है । चैत्र माह में अन्न महँगा, जनता को कष्ट, वैशाखादि 3 महीनों में अन्न सस्ता, आषाढ़ -श्रावण में थोड़ी वर्षा, अन्न के व्यापार में चौगुणा लाभ, भाद्रपद में खण्डवृष्टि, आश्विन में समता तथा कार्तिकादि 5 महीनों में अन्न महँगा रहेगा । यथोक्तम् -

पिङ्गलः, राहुः स्वामी, उच्चमुलताननागपुरमरुदिल्लीमंडलेषु मथुरायां पूर्वदेशेषु च दुर्भिक्षं, सर्वधातुसमर्घ, सर्वत्र विग्रहः, गुर्जरदेशे समर्घता, सिन्धुदेशाद्धान्यागमः, चैत्रे धान्यमहर्घता, प्रजापीडा, वैशाखादिमासत्रये अन्नसमर्घता, आषाढे श्रावणे अल्पमेघः, धान्ये चतुर्गुणो लाभः, भाद्रे खण्डवृष्टिः, आश्विने समता, कार्तिकादिमासपंचके अन्नमहर्घता ।।

वर्षेश मंगल का फल

चैत्र -शुक्ल प्रतिपदा को मंगलवार होने के कारण वर्ष का राजा मंगल है। यदि वर्ष का राजा मंगल हो तो मनुष्यों को अग्निभय रहता है । वर्ष भर चोरों का उत्पात होता है । राजाओं में विग्रह की स्थिति पैदा होती है । जनता को दुःख तथा रोग से पीड़ा होती है तथा मेघ स्वल्प मात्रा में वर्षा करते हैं । यथोक्तम्-

भौमे नृपे वह्निभयं नराणां चौराकुलं पार्थिवविग्रहश्च।
दुःखं प्रजाव्याधिवियोगपीड़ा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः।।

मंगल के वर्षेश होने के कारण समय का वाहन नौका है । अतः इस वर्ष में जनता भ्रमित रहती है । चौपायों को पीड़ा होती है तथा सम्पूर्ण पृथ्वी फलरहित होती है । यथोक्तम्-

जनता भ्रमिता सर्वाश्चतुष्पदाः प्रपीडिताः।
विफला सफला धात्री नौकावाहनवत्सरे।।

मन्त्री शनि का फल-

संवत् का मन्त्री शनि होने पर राजा लोग विनयरहित तथा जनता को दुःख देने वाले होते हैं । वर्षा की कमी से जनता को कष्ट रहता है । लोगों को धनसम्बन्धी सुख की प्राप्ति में कमी रहती है । यथोक्तम्-

रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनयसंरहिता बहुदुःखदाः।
न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं धनजं क्वचित् ।।

सस्येश मंगल का फल-

संवत् का सस्येश मंगल होने पर हाथी, घोड़े , गधे, ऊँट तथा गायों को अनेक प्रकार के रोग होते है। वर्षा की कमी रहती है तथा सौख्य का अभाव रहता है। भूसी वाले अन्नों का नाश होता है। यथोक्तम्-

प्रथमधान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंगखरोष्ट्रगवामपि।
ननु भवेद्बहुरोग घनो जलं, न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत् ।।

धान्येश सूर्य का फल-

संवत् का धान्येश सूर्य होने पर पृथ्वी पर वर्षा थोड़ी होती है। उड़द, मूँग तथा तिल के भाव में निश्चित ही महँगाई होती है । यथोक्तम्-

सूर्ये धान्याधिपे जाते अल्पतोयप्रदा घनाः।
माषमुद्गतिलानां च महर्घं जायते ध्रुवम्।।

रसेश गुरु का फल-

संवत् का रसेश गुरु होने जनता को सौख्य होता है। तालाबों में कमल सुशोभित होते हैं तथा तृण की उत्पत्ति होती है। जनपदों में विप्रों का सत्कार होता है। राजा लोग हाथी, घोड़े, ऊँट तथा रथों से सम्पन्न रहते हैं। यथोक्तम्-

यदि गुरौ रसपे जनसौख्यदे कमलवंति सरांसि तृणानि च ।
जनपदा द्विजपूजनतत्परा बहुगजवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः।।

नीरसेश मंगल का फल -

इस संवत् में नीरसेश मंगल है । यदि नीरसेश मंगल हो तो प्रतिदिन मूँगा, लाल वस्त्र, लाल चन्दन तथा ताँबा का भाव महँगा होता है । यथोक्तम्-

नीरसेशो यदा भौमः प्रवालं रक्तवाससम् ।
रक्तचन्दनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिने दिने।।

मेघेश शुक्र का फल -

इस वर्ष में मेघेश शुक्र है । मेघेश शुक्र होने पर जल से परिपूर्ण मेघ आकाश में सुशोभित होते हैं। द्विजपालक लोग धन-धान्य से सम्पन्न रहते है तथा शासक वर्ग जनता को सुख देने वाले होते है । यथोक्तम्-

भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलयुता जलदा दिवि शोभनः ।
धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनतासुखदायकाः।।

दुर्गेश शुक्र का फल -

इस संवत् में दुर्गेश शुक्र है। यदि दुर्गेश शुक्र हो तो शासक तथा जनता को अत्यधिक सुख की प्राप्ति होती है। सभी में विनम्रता रहती है। व्यापारी वर्ग तथा समस्त जनसमुदाय में भी समान प्रकार से सौख्य रहता है। यथोक्तम्-

नरवरेभुविदुर्गपतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्यकरो मतः ।
विनयवाणिजगेहसमः सुखो गतवनं निकटेऽपि च दूरतः ।।

धनेश चन्द्र का फल -

इस संवत् में धनेश चन्द्र है। चन्द्र के धनेश होने पर रसपदार्थों के क्रय-विक्रय से धन का लाभ होता है। वस्त्र, धान, सुगन्धित पदार्थों तथा तेल-घी के व्यापार से लाभ तथा राजाओं को

सौख्य प्राप्त होता है । यथोक्तम्-

धनपतिर्मृगलांछनको यदा रसचयात्क्रयविक्रयतो धनम् ।
वसनशालिसुगन्धनजं बहु द्रविणतैलघृतं नृपसौख्यकम्।।

फलेश शुक्र का फल -

इस संवत् में फलेश शुक्र है। यदि फलेश शुक्र हो तो उस वर्ष वृक्षों में सुन्दर फल-फूल आते है। राजा लोग बहुत भ्रमणशील होते हैं। जनता को सुख की प्राप्ति होती है तथा ब्राह्मण लोग वेद-पाठ करने में रत रहते है। यथोक्तम्-

यदि फलस्य पतौ भृगुजे धरा मृदुकुसुमा च महीरुहराशयः।
बहुपथा नरनाथसुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः।।

रोहिणी वास तथा संवत्सरवास -

वर्तमान संवत् में रोहिणी का वास समुद्र तट में है और संवत्सर का वास रजक के गृह में है। तटे वृष्टिः सुशोभना के अनुसार यदि रोहिणी का वास समुद्र तट पर हो तो उस वर्ष में सुवृष्टि होती है और संवत्सर का वास रजक के गृह में होने पर बावली, कुआँ, तालाब, नदी, नद तथा वन जल से भरपूर रहते है । यथोक्तम्-

जलपूर्णानि दृश्यन्ते वासो रजकवेश्मनि ।।

सूर्यस्यार्द्रानक्षत्रे प्रवेशकालविचारः-

प्रवेशकाले यदि रौद्रभस्य वृष्टिर्भवेदीतिरनर्घता च ।
शेषेषु पादत्रितयेषु भीतिरत्यल्पवृष्टिर्महती गदाश्च ।।

आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश करते समय यदि वर्षा होती है तो अनर्घता अर्थात् मंदी जानना चाहिए। आर्द्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष्टि होने पर भय, तृतीय चरण में अत्यल्प वृष्टि तथा चतुर्थ चरण में भयंकर रोगो की सम्भावना बनती है ।

आर्द्राप्रवेशे वृष्टिश्चेद्दिवा यदि वा निशि ।
स्तोकवृष्टिरनर्घत्वमवृष्टौ सस्यसम्पदः।।
आर्द्रायाः प्रथमे पादे यदि वर्षति वासवः।
तुषारमल्पवृष्टिः स्यादित्येव केचिदूचिरे ।।
सूर्ये मेषगते वृष्टिरार्द्रायाश्चाद्यपादके ।
एकादशसु ऋक्षेषु त्रिपक्षे वृष्टिनाशनम् ।।

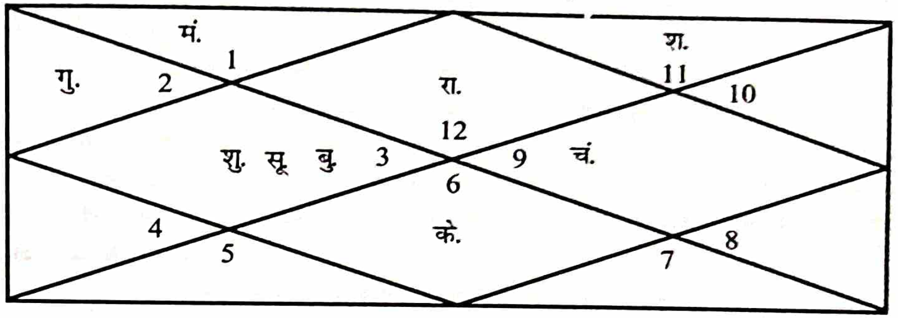
विक्रमसंवत् 2081 शाके 1946 ज्येष्ठमासे शुक्लपक्षे पूर्णिमायां शुभतिथौ शुक्रवासरे शुक्लयोगे चन्द्रस्य मूलनक्षत्रे बवकरणे मार्तण्डमण्डलोदयादिष्टकालः 46/40/00 मीनलग्ने सूर्यस्यार्द्रानक्षत्रे प्रवेशः।

अथ प्रवेशकालविचारः

पूर्णिमा-तिथिफलम्	-	पूर्णा पूर्णफलप्रदा।
शुक्रवासरफलम्	-	शुक्रे शान्तिकरं प्रोक्तम्।
मूलनक्षत्रफलम्	-	मूले सर्वभयावहः ।
शुक्लयोगफलम्	-	शुक्लः वृद्धिकरः ।

आर्द्राप्रवेशस्य फलम् -

॥ अथार्कस्यार्द्राप्रवेशकालिककुण्डली ॥



सूर्य का आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश का समय मध्यरात्रि 24 बजकर 08 मि. पर होगा, जिसके अनुसार आर्द्रा प्रवेश लग्न मीन है । अर्धरात्रि के समय सूर्य का आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश होने पर जनता का कल्याण होता है, सुभिक्ष की स्थिति रहती है तथा सभी वस्तुओं में स्थिरता रहती है। यथोक्तम्-

क्षेमं सुभिक्षं स्थिरं मध्यरात्रौ

आर्द्रा प्रवेश का लग्न मीन है, जो कि जलचर राशि है, अतः आर्द्रा प्रवेश कालिक लग्न जलचर राशि का होने के कारण अच्छी वर्षा का द्योतक है । लग्नेश बृहस्पति तृतीय भाव में वृष राशि में है, जो कि जलचर राशि नहीं है। शनि की स्थिति जलचर राशि कुम्भ में है तथा राहु भी जलचर राशि मीन में है । चन्द्रमा की स्थिति दशम भाव में धनु राशि में है तथा शुभ ग्रहों शुक्र तथा बुध की पूर्ण दृष्टि के साथ-साथ सूर्य की भी पूर्ण दृष्टि चन्द्रमा पर है । उपरोक्त ग्रहस्थिति के अनुसार वर्षा की मध्यम स्थिति की सम्भावना है क्योंकि लग्न जलचरराशि में है परन्तु लग्नेश की स्थिति जलचरराशि में नहीं है । पाप ग्रहों की स्थिति जलचर राशियों में होने के कारण वर्षा की न्यूनता द्योतित होती है। इसी प्रकार से यद्यपि चन्द्रमा केन्द्र में है परन्तु जलचरराशि में नहीं है तथा शुभ-पाप दोनों ही ग्रहों से दृष्ट हैं। अतः यह भी मध्यम वृष्टि का सूचक है । यथोक्तम्-

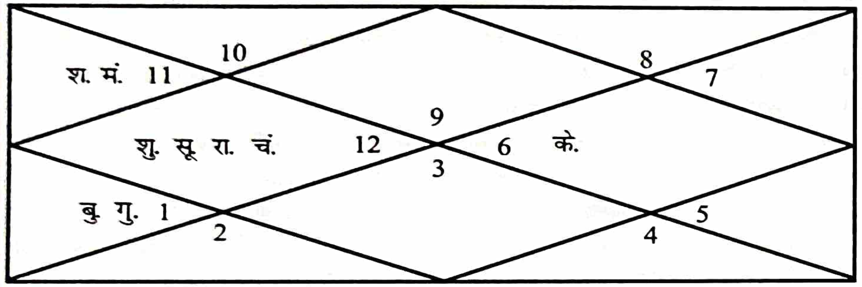
आर्द्राप्रवेशे यदि भास्करस्य चन्द्रे त्रिकोणे यदि केन्द्रगो वा ।
जलाश्रये सौम्यनिरीक्षिते वा सम्पूर्णसस्यं सुदुघा धरित्री ।।

नवमेघों में से इस वर्ष वरुण नाम का मेघ है। वरुणस्त्वर्णवाकारं के अनुसार भारी वर्षा की सम्भावना है । चतुर्मेघों में से आवर्त नाम का मेघ है और आवर्तो विनिवृष्टिः स्यात् के अनुसार आवर्त नामक मेघ में अनावृष्टि रहती है। द्वादश मेघों में से पृथुश्रवा नाम का मेघ है। पृथुश्रवासि जलं स्वल्पम् के अनुसार पृथुश्रवा मेघ होने पर वर्षा की न्यूनता रहती है। अतः पूर्ववर्णित मेघों और आर्द्रा प्रवेश कुण्डली की ग्रहस्थिति के अध्ययन के आधार पर वृष्टि के योगो की मिश्रित स्थिति है अर्थात् मध्यम वर्षा के योग है तथा मेघों के अध्ययन के उपरान्त यह ज्ञात होता है कि वर्ष में मध्यम वृष्टि की सम्भावना है । जिसके कारण यह कहा जा सकता है कि देश में कुछ स्थानों पर अतिवृष्टि तथा कुछ स्थानों पर वर्षा की न्यूनता रहेगी विशेष रूप से देश के उत्तर-पूर्वी भागों में

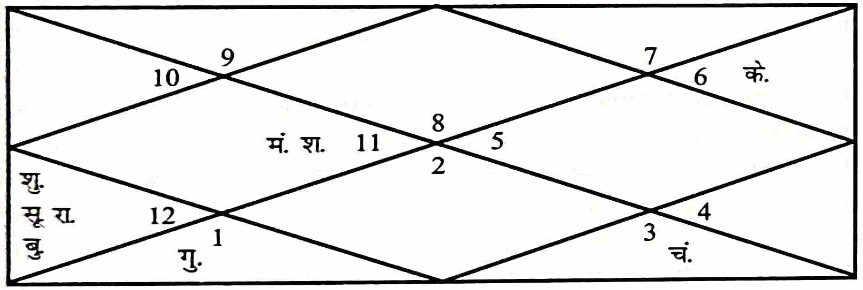
बाढ़ की स्थिति बन सकती है तथा पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाओं तथा भूस्खलन की सम्भावना है। जिसके कारण व्यापक जन-धन की हानि होने की प्रबल सम्भावना है । यद्यपि भारत के उत्तर-पश्चिम क्षेत्रों में वर्षा का अभाव रहेगा।

विक्रम संवत्सर 2081 का प्रवेश 08 अप्रैल 2024 ई. सोमवार को रात्रि 11:52 बजे पर नई दिल्ली के इष्टकालानुसार 44 घ. 25 प. पर रेवतीनक्षत्र, वेधृतियोग, नाग करण, और मीनस्थ चन्द्र के समय में धनु लग्न में होगा

॥ अथ वर्षप्रवेशकालिककुण्डली ॥



॥ अथ जगल्लग्नकुण्डली ॥



वसन्त नवरात्रारम्भ 09 अप्रैल 2024 ई. चौत्र मास 27 प्रविष्टे , मंगलवार को प्रातःकाल, रेवती नक्षत्र, वैधृति योग, किंस्तुघ्न करण में होगा । नवरात्र के प्रथम दिन किसी योग्य विद्वान द्वारा विधिपूर्वक घटस्थापन संवत्सरपूजन एवं श्रीगणेश, विष्णु, शिव व देवी दुर्गा के पूजन करने का शास्त्रों में विशेष माहात्म्य प्रतिपादित है । इस दिन सम्पूर्ण अग्रिम संवत्सर के मंगलमय यापन हेतु विद्वान ब्राह्मणों का विधिपूर्वक पूजन एवं सम्मान कर , उन्हे विविध प्रकार के दानों से सन्तुष्ट एवं प्रसन्न कर नानाविध फलों एवं मिठाईयों आदि का भोजन करवाकर , उनके मुखारविन्द से परिवार के समस्त सदस्यों को संवत् का नाम , संवत् का वास, राजा, मंत्री आदि का फल श्रवण करने का विधान भी शास्त्रों में उल्लिखित है । जो बुद्धिमान व्यक्ति चौत्र शुक्ल प्रतिपदा को संवत्सर का पवित्र फल सुनता है ,वह बहुत धन वाला होता है तथा वर्ष भर के लिए उसके शरीर की समस्त पीडाएं समाप्त हो जाती है। इस संवत्सर का राजा मंगल और मंत्री शनि है । वर्ष में सस्येश और नीरसेश का पद मंगल के पास है। धान्येश का दायित्व सूर्य के पास है और धनेश का दायित्व चन्द्रमा के पास है। रसेश बृहस्पति है। मेघेश, दुर्गेश और फलेश का दायित्व शुक्र के पास है। इस वर्ष के दायित्वों में से सर्वाधिक प्रमुख दायित्व राजा तथा मन्त्री दोनों ही मंगल तथा शनि के पास है। राजा मंगल तथा मन्त्री शनि दोनों ही पाप ग्रह हैं तथा शनि ग्रह मंगल का नैसर्गिक शत्रु है। यद्यपि इसके अतिरिक्त शुभ ग्रहों शुक्र, चन्द्र और बृहस्पति के पास पाँच दायित्व है। पाप ग्रह मंगल का राजा तथा पाप ग्रह शनि का मन्त्री होना इस वर्ष में विविध प्रकार के उपद्रवों का सूचक है। दोनों ही ग्रहों की स्थिति एक ही राशि कुम्भ में होना विश्व के कई राष्ट्रों में संघर्ष की द्योतक है। पृथ्वी पर विविध प्रकार के रक्त-पात की सम्भावना है। केवल मनुष्य ही नहीं अपितु पशुओं के भी नाश की सम्भावना है, जिसका मुख्य कारण विश्व के विविध राष्ट्रों में पारस्पिक संघर्ष होगा। विविध प्रकार के शस्त्रों के प्रयोग के कारण तथा विविध प्रकार के रोगों के कारण, अग्निकाण्ड, भूकम्प आदि की घटनाओं के कारण इस वर्ष पृथ्वी पर मनुष्यों तथा पशुओं के नाश की सम्भावना हैं। विश्व के विविध राष्ट्रों में पारस्परिक विश्वास में कमी रहेगी तथा विश्व के कई पड़ोसी राष्ट्रों में परस्पर युद्ध की स्थिति बनी रहेगी। शनि की कुम्भ राशि में स्थिति गोदावरी तीर पर दुर्भिक्षकारक है तथा पृथ्वी पर विविध रोगों की वृद्धि के कारण उत्पातकारक है। तद्यथा-

शनौ गते कुम्भराशौ दुर्भिक्षं गौतमीतटे।
उपद्रवो भवेद्भूमौ बहुरोगो महीतले।।

लग्न का स्वामी बृहस्पति पंचम भाव में मित्र राशि में बुध के साथ स्थित है तथा शनि को दृष्टि भी बृहस्पति पर है। स्वयं बृहस्पति की दृष्टि लग्नस्थ स्वराशि पर होने के कारण देश की प्रजा में वर्ष भर उत्साह की स्थिति रहेगी, राष्ट्र की उन्नति होगी तथा देश के नेताओं के द्वारा भारत के वर्चस्व विश्व भर में बढ़ेगा । बृहस्पति की मेष राशि में स्थिति वर्ष में सुभिक्ष, सुवृष्टि की द्योतक है तथा जनता वर्ष भर में सुख को प्राप्त करती है। तद्यथा-

मेषे गुरौ सुभिक्षं च सुवृष्टिश्च सुखी नरः।।

मीन राशि में राहु की स्थिति पशुओं के लिए अरिष्टकारक है। किसी रोग विशेष के कारण पशुओं का नाश सम्भावित है। इसी प्रकार से शुक्र की मीन राशि में स्थिति भी प्रजा के लिए अरिष्टकारी है। बुध की मेष राशि में स्थिति भी विविध प्रकार के धान्यों के मूल्य में महँगाई को सूचक है। शनि के स्वराशि में स्थिति देश की आर्थिक सुदृढता को सूचक है। राष्ट्रीय धन में वृद्धि की सम्भावना है। देश में यातायात के साधनों तथा सड़क, रेल, वायुयानादि के निर्माण में द्रुतगति से कार्यवृद्धि होगी। यद्यपि मंगल-शनि की तृतीय भाव में स्थिति वर्ष में किसी बड़ी वायुयान अथवा रेलादि यातायात के साधनों के सम्बन्ध में दुर्घटना की भी सूचक है। टिड्डी, चूहों आदि के द्वारा फसल की हानि की भी व्यापक सम्भावना है। विपक्षी पार्टियों में आपस में तात्कालिक गठबंधन की सम्भावना है, परन्तु राहु की चतुर्थ भाव में स्थिति इस गठबंधन में स्थायित्व में बाधक है। देश में खेल, सिनेमा ,शिक्षा के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित होंगे। भारत की प्रतिष्ठा विश्व भर में बढ़ेगी। देश में शिक्षा के क्षेत्र में नये-नये संस्थानों की स्थापना होगी तथा शोध के क्षेत्र में भारत नयी सफलताएं प्राप्त करेगा। भारत के विरोधी राष्ट्र भारत की बढ़ती शक्ति के आगे पस्त दृष्टिगोचर होंगे।

विश्व की विविध समस्याओं के समाधान में भारत की महत्त्वपूर्ण भूमिका रहेगी। भारत के शत्रु राष्ट्र भारत की शक्ति का लोहा मानेंगे। भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमन्त्री आदि की भूमिका विश्व में महत्त्वपूरण रहेगी। देश को एक सुदृढ सरकार की प्राप्ति होगी, जो विविध प्रकार के सशक्त निर्णय लेते हुए देश को अग्रणी राष्ट्रों की श्रेणी में लेकर आएगी। यद्यपि देश में कुछ वर्ग सरकार की कार्य प्रणाली से असंतुष्ट होकर आन्दोलन आदि भी करेंगे तथा कुछ पड़ोसी राष्ट्रों के साथ संघर्ष की स्थिति बनने की सम्भावनाएं भी इस वर्ष में रहेंगी। इस वर्ष में जनमानस में विविध प्रकार के मानसिक रोगों में वृद्धि हो सकती है। अवसाद, असंतोष आदि के कारण आत्महत्या अथवा विविध प्रकार के अपराधों में वृद्धि हो सकती है। बृहस्पति की प्रबलता वर्ष में ग्रन्थकार, लेखक, बुद्धिजीवी वर्ग, व्यापारी वर्ग, शिक्षक वर्ग, छात्र वर्ग, धर्मगुरुओं आदि के उन्नयन की सूचक है। आम जनमानस की धर्म में आस्था प्रबल होगी तथा देश में धार्मिक वातावरण की स्थिति रहेगी।

लोगों की संतो, सन्यासियों, साधुयों तथा विद्वजनों के प्रति आस्था तथा विश्वास में वृद्धि होगी। देश की राजनीति में धर्म तथा आध्यात्म का प्रभाव भी बढ़ेगा। शासक वर्ग तथा नेता लोग धर्म-गुरुओं के शरणागत रहेंगे। प्राचीन मन्दिरों के जीर्णोद्धार की ओर सरकार का विशेष ध्यान रहेगा तथा कुछ भव्य मन्दिरों के निर्माण में भी गति आएगी। संस्कृत भाषा तथा शास्त्रों के अध्ययन में आम जन की रुचि बढेगी। सर्वकार पक्ष से भी संस्कृत संरक्षण, शास्त्र संरक्षण तथा विविध प्रकार की कलाओं के संरक्षण तथा संवर्धन में विशेष प्रयास किये जाएंगे, जिससे विश्व भर में भारत की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

शनि का साढेसाती-ढैय्याविचार

अथ गोचरवशाच्छनेः पादविचारः -

जन्मांगरुद्रेषु(1,6,11) सुवर्णपादं द्विपंचनन्दैः (2,5,9) रजतस्य पादम्।

त्रिसप्तदिक्ताम्रपदं (3,7,10) वदन्ति वेदाष्टचार्कष्विह (4,8,12) लौहपादम्॥

शनेः पादफलम्-

लोहे वित्तविनाशःस्यात्सर्वसौख्यं च कांचने ।

ताम्रे च समता ज्ञेया सौभाग्यं रजते भवेत् ॥

इदानीं शनिः कुम्भराशौ संचरति, वर्षान्तं यावत् कुम्भराशावेव संचरिष्यति अतः येषां मकरकुम्भमीनराशिर्वा वर्तते ते जनाः पुनः शनेः सार्धसप्ताब्दतः (साढेसाती) प्रभाविताः भविष्यन्ति अथ च येषां कर्कराशिर्वृश्चिकराशिर्वा वर्तते ते जनाः सार्धद्वयाब्दतः (ढैया) प्रभाविताः भविष्यन्ति। पादविचारः - 19-01-2023 तमे दिनाङ्के शनेः प्रवेशः कुम्भराशौ अभवत्। तस्मिन् दिवसे चन्द्रस्य स्थितिः वृश्चिकराशौ आसीत् अतः तदा आरभ्य वर्षान्तं यावत् मेषस्य लौहपादः, वृषस्य ताम्रपादः,मिथुनस्य सुवर्णपादः,कर्कस्य रजतपादः,सिंहस्य लौहपादः, कन्यायाः ताम्रपादः, तुलायाः रजतपादः, वृश्चिकस्य सुवर्णपादः, धनोः लौहपादः, मकरस्य सुवर्णपादः, कुम्भस्य ताम्रपादः, मीनस्य रजतपादो भविष्यति। शनिशान्त्यर्थमुपायाः - शनेः बीजमन्त्रादीनां जपः, शनिस्तोत्रस्य पाठः,अश्वत्थवृक्षस्य मूले तिलमाषादिमिश्रितजलदानं सायंकाले च दीपदानं, महामृत्युंजयजपः, शिवोपासना, हनुमदुपासना, सुन्दरकाण्डादिकानां पाठः, पक्षिणां कृते अन्नादिदानं, सदक्षिणां लौहपात्रस्य दानं, दरिद्र-कुष्ठादिरोगार्तानां कृते भोजनवस्त्रादिदानम्,तुलादानं, माषादिवस्तूनां दानं, वृद्धजनानां परिचर्यादिकम्। भौतिकोपचारेषु शनिवासरे अमावस्यायां वा लौहमुद्रिकायाः धारणम्। शनेःदानपदार्थाः- नीलमणिः,सुवर्णः, लौहः, माषः, कुलथः, तैलं, कृष्णवस्त्रं, कस्तूरिका, कृष्णपुष्पम्, कृष्णांगमहिषः, उपानहौ च। दानसमयः- मध्याह्नकालः । जपमन्त्रः- ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः। जपसंख्या- 23000, बीजमन्त्रः- ऊँ शं शनैश्चराय नमः। हवनसमिधा- कुशा इति ज्ञेयम् शनिस्तुतिः- कोणस्थः पिंगलो बभ्रुः रुद्रः रौद्रान्तको यमः। सौरिःशनैश्चरो मन्दः पिप्लादेन संस्तुतः। एवं ध्यात्वा शनेः पीडा शमं याति न संशयः।

डॉ. देशबन्धुः
सहायकाचार्यः, वास्तुशास्त्रविभागः
श्री ला.ब.शा.रा.सं.विश्वविद्यालय,नई दिल्ली

वार्षिक राशिफल 2024-25

मेष राशि (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

अप्रैल

इस माह का प्रारम्भ ही आपके लिए अच्छा रहेगा। जीवन के सभी विषयों से सुख मिलेगा और यह समय अच्छे से बीतेगा। परिवार में अपने जीवनसाथी व बच्चों के साथ स्मरणीय समय बिताएंगे। वैवाहिक जिंदगी शांति, प्रेम व सौहार्द के साथ आगे बढ़ती रहेगी। इस माह आपको सफलता मिलेगी और आपके करियर में नई ऊंचाई देखने को मिलेगी। हालांकि इस बीच घर में पिता या बड़े भाई-बहन के साथ थोड़े बहुत विवाद हो सकते हैं, लेकिन बातचीत से ये सभी समस्याएं सुलझ जाएंगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप स्वयं को ज्यादा ऊर्जावान और पॉजीटिव महसूस करेंगे। जनवरी के महीने में आपको भाग्य का साथ मिलेगा और लॉटरी, शेयर आदि से अप्रत्याशित धन भी प्राप्त हो सकता है। जो जातक इस दौरान नौकरी परिवर्तित करने की योजना बना रहे हैं, उन्हें कई अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। इस मास 16, 17, 26, 27 दिनांक कुछ कष्टकारक रह सकती है।

मई

इस माह आपको ध्यान व योगा से जुड़ी गतिविधियों को करने में फायदा होगा। कार्य स्थल पर सफलता हासिल करने के लिए आपको बहुत ज्यादा प्रयास करने की आवश्यकता है लेकिन आप बार-बार अपने लक्ष्य से भटक जाएंगे। ऐसा कार्यालय में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कुछ कहा-सुनी होने के कारण हो सकता है। इसलिए अपने सारे विवादों को सुलझाने की कोशिश करें और उन सभी के साथ एक अच्छा रिश्ता कायम करें। इस दौरान अपने स्वभाव में अहंकार को न पनपने दें। फैसले लेते वक्त समझदारी दिखाएं और भावनाओं को बीच में न आने दें क्योंकि आपका गलत फैसला भविष्य में महंगा पड़ सकता है। आप में से कुछ जातक विदेश में अपना घर खरीद सकते हैं। इस मास आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। व्यय बढ़ सकता हैं और आप आय से ज्यादा खर्च करेंगे, इसलिए व्यर्थ के खर्चों

से बचें। इस बीच आपकी सकारात्मक सोच आपकी बहुत सहायता करेगी और आप अपने सभी कार्यों को पूरा करने में सक्षम होंगे। इस मास 5, 6, 13, 14, 15, 23, 24 दिनांक नेष्ट है।

जून

इस माह आपके सामाजिक जीवन से अलगाव की संभावनाएं हैं। आप सामाजिक गतिविधियों व भौतिक जीवन से जुड़ी चीजों में कम रुचि लेंगे। इस दौरान आपके जीवन साथी और संतान को समय नहीं दे पायेंगे और घरेलू जीवन भी अस्त-व्यस्त रहेगा। अध्यात्म में आपकी रुचि बढ़ने लग जाएगी। इस दौरान आपका मिलन कुछ आध्यात्मिक व धार्मिक लोगों से होगी जिनसे आपको आध्यात्मिक लाभ भी होगा। प्रारम्भ में आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन धीरे-धीरे सभी चीजें ठीक हो जाएंगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी परन्तु आप धन जमा करने में ज्यादा इच्छुक नहीं रहेंगे। किसी विशेष शुभ कार्य में व्यय हो सकता है। कुछ जातक अपने कार्य के कारण इस बीच विदेश में भी बस सकते हैं। अच्छा होगा कि इस दौरान आप अपनी सेहत का खय्याल रखें। स्वस्थ आहार व थोड़ा सा व्यायाम आपकी सभी समस्याओं को दूर कर सकता है। इस मास 1, 2, 9, 10, 11, 19, 20, 21, 28, 29 दिनांक नेष्ट हैं।

जुलाई

आपको इस माह आर्थिक रूप से कोई संघर्ष नहीं करना पड़ेगा। आय के कई नए स्रोत प्राप्त होंगे। मनोरंजन व विलासिता से जुड़ी वस्तुओं पर व्यय होगा। जीवनसाथी और सन्तति के सहयोग से भी आपको लाभ मिलेगा। इस मास आप अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। ये स्थिति किसी शुभ कार्य की तरफ संकेत दे रही है जिसके चलते परिवार में सब लोग एक-साथ एकत्र होंगे। परिवार के प्रति आप अपने सभी कर्तव्यों को बखूबी निभाएंगे। अपने लक्ष्यों को पाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे और उसमें सफलता प्राप्त करेंगे। इस दौरान कुछ लंबी अवधि की योजनाएं बना सकते हैं। आप इस बीच अपने व्यापार में विस्तार कर सकते हैं अथवा कोई नया उद्योग भी प्रारम्भ कर सकते हैं। बड़े भाई-बहनों से लाभ प्राप्त हो सकता है। स्वास्थ्य के संबंध में देखा जाए तो आपको छोटी-मोटी समस्याएं हो सकती हैं। अच्छी जीवनशैली व स्वस्थ आहार आपको स्वस्थ रखने में मदद करेगा। इस मास 7, 8, 17, 18, 25, 26 दिनांक नेष्ट है।

अगस्त

इस माह व्यापारी वर्ग को सफलता मिल सकती है। इस दौरान अच्छे लाभ की संभावना हैं। कुछ जातक इस मास व्यापार के संबंध में सात समुंद्र पार भी जा सकते हैं और अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप जॉब कर रहे हैं तो इस दौरान उच्च पद मिलने के आसार हैं। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा और आप सफलता प्राप्त करेंगे। अपनी सकारात्मक सोच व कार्यों के कारण आप अपने व्यावसायिक जीवन की हर दिशा में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही साथ आप ज्यादा ऊर्जावान व उत्सुक रहेंगे। पारिवारिक जीवन में कुछ तनाव देखने को मिल सकता है। बहस व लड़ाई-झगड़ों से रिश्तों पर प्रभाव पड़ेगा। इन पारिवारिक मुद्दों को जल्द ही सुलझाने की आवश्यकता है अन्यथा ये नियंत्रण से बाहर हो सकते हैं। कुछ समय अपने परिवार वालों के साथ भी बिताएं, ऐसा करने से संबंधों में मधुरता आएगी। इसके साथ ही अपने जीवन साथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आंखों से संबंधित कोई समस्या उन्हें इस महीने परेशान कर सकती है। इस मास 3, 4, 5,13, 14, 15, 22, 23, 30, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

यह माह आपके लिए उलझन भरा रहेगा। एकाग्रता में कमी आ जाने से आपको परेशानी हो सकती है। कई बार आपको चिड़चिड़ापन भी महसूस हो सकता है और आपका गुस्सा पारिवारिक समस्याओं को बढ़ा सकता है। इस दौरान आपको अपने बिजनेस व आर्थिक चीजों से जुड़े विषयों में सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि आपका अपना ही कोई करीबी आपके साथ धोखा कर सकता है। इस बीच आप आर्थिक तंगी से भी गुजर सकते हैं। बेहतर वित्तीय नियोजन की आवश्यकता है और खर्चों पर ध्यान देने की जरूरत है। नकारात्मक ऊर्जा को अपने ऊपर हावी न होने दें और सकारात्मक रहें। लगभग आधा माह बीत जाने के बाद आपका अच्छा समय प्रारम्भ हो जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए समय अनुकूल नहीं है क्योंकि इस दौरान वो अपने घरेलू जीवन व कार्यक्षेत्र में सामञ्जस्य नहीं बना पाएंगी। कार्यभार के चलते आपको तनाव हो सकता हैं। इस मास 1, 9, 10, 11, 18, 19, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

यह महीना आपके स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। इस दौरान स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं, इसलिए बिल्कुल भी लापरवाही न रखें और अपना ध्यान रखें। दवाइयों के व्यय बढ़ जाने से बजट बिगड़ सकता है। कुछ जातक इस दौरान ज्वर आदि से बीमार भी पड़ सकते हैं। इस दौरान पिता को आर्थिक रूप से बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसके साथ ही ये स्थिति कुछ और गंभीर पारिवारिक समस्याओं को इंगित कर रही है। परिवार के सदस्यों में आपस में न बनने से घर की सुख-शांति भंग हो सकती है। जल्द ही सभी जटिल समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। बच्चों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि इस दौरान वे गलत संगत के कारण किसी समस्या में फंस सकते हैं। उन्हें हर दिशा में आपके मार्गदर्शन, प्रेम और स्नेह की आवश्यकता होगी। इस अवधि के दौरान चिकित्सा अनुसंधान से जुड़े लोग अपने कार्य में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। इस मास 7, 8, 16, 17, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

इस माह आप अपनी नौकरी बदलने की योजना बना सकते हैं और इस बीच कुछ नये अवसर भी प्राप्त कर सकते हैं। किसी अच्छे मौके को ठुकराने की गलती न करें। व्यावसायिक जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव आएंगे जो आपको नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। इस मास आपको अपने जीवनसाथी के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना चाहिए अन्यथा आपकी उनके प्रति अनदेखी वैवाहिक जीवन में समस्या उत्पन्न कर सकती हैं। अपने जीवनसाथी के

साथ बाहर घूमने की योजना बनाये, ऐसा करने से भी आपके रिश्तों में मिठास आएगी। साथी की सेहत का ख्याल रखें, उसमें बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें। कार्यरत लोगों को अपने सहभागियों के साथ अच्छा संबंध बनाये रखने की सलाह दी जाती है। अनावश्यक बहस से बचें। उत्तम होगा यदि आप अपने साथी पर थोड़ा विश्वास दिखाएं। धन का आगमन होता रहेगा और आय के कई नए स्रोत प्राप्त होंगे। कंप्यूटर के व्यवसाय से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिलने की उम्मीद है। इस मास 3, 4, 12, 13, 20, 21, 22, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

इस माह आपके पिता को उनके सत्कर्मो के लिए सम्मानित किया जाएगा व समाज में उनकी प्रशंसा होगी। बच्चों के द्वारा अर्जित की गई सफलता आपको खुशी देगी व परिवार का नाम ऊंचा करेगी। अचानक से आपकी रुचि कलात्मक कार्यों और मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियों में बढ़ जाएगी। अपने रिश्तों के प्रति कोई लापरवाही न बरतें और गलत शब्दों के प्रयोग से बचें क्योंकि स्वभाव में कठोरता दूसरों, खासतौर पर आपके परिवार वालों का दिल दुखा सकती है। इस माह अपने गुस्से पर काबू पाने की कोशिश करें वरना विवादित बोल से स्थिति बिगड़ सकती है। परिवार के कुछ सदस्य चीजों को सुधारने व बदलने के लिए इस दौरान अलग रहना पसंद करेंगे। लेकिन निजी जिंदगी में तनाव बरकरार रहेगा जिसके चलते आप भी परेशान रहेंगे। इसलिए मुश्किल परिस्थितियों में अपने स्वभाव में विनम्रता लाएं व गुस्से पर कंट्रोल करें। इस दौरान आपकी तबियत बिगड़ भी सकती है। आंख, दांत, गले से संबंधित रोग हो सकता है। खान-पान की गलत आदतें अपच, गैस या एसिडिटी की समस्या उत्पन्न कर सकती हैं, इसलिए अपने भोजन का विशेष ध्यान रखें। इस मास 1, 2, 9, 10, 18, 19, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2025

इस मास आपके पिता को कई अवसर मिलेंगे जो उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को बढ़ाएंगे। विद्यार्थी वर्ग की ओर से अच्छी सूचना प्राप्ति की उम्मीद है। वे परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करेंगे और अच्छे अंक प्राप्त करेंगे। कुछ छात्रों को प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध अकादमिक संस्थानों में प्रवेश मिलेगा। रचनात्मक क्षेत्रों में कार्य कर रहे पेशेवरों के लिए अनुकूल समय है। इस दौरान बड़ी सफलता मिलने के आसार हैं। इस माह अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की अधिक आवश्यकता होगी। पेट में दर्द, अपच या जलन की शिकायत रह सकती है। सड़क किनारे मिलने वाले व तैलीय खाने से परहेज करें। इस माह आपको अपनी वैवाहिक जीवन के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। बहस और झगड़ों की स्थिति बन रही है जिसके चलते रिश्तों में तनाव हो सकता है। इस मास 6 ,7, 14, 15, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस माह आपको आर्थिक रूप से किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। देवी लक्ष्मी की कृपा आप पर पूरी तरह से बनी रहेगी और आप इस बीच सुख साधनों की प्राप्ति पर विशेष खर्च कर सकते हैं। वाहन चलाते समय सावधान रहें। इसके अलावा इसी दौरान आप अपने घर की मरम्मत या उसकी सजावट में भी रुपये खर्च कर सकते हैं। कुछ जातक इस बीच बचत के तौर पर या फिर खेती के लिए भी जमीन खरीद सकते हैं। लेकिन जमीन खरीदते वक्त थोड़ी सावधानी रखें खासतौर पर कागजात या फिर जमीन संबंधित पुराने कानूनी मामलों में ध्यान रखने की आवश्यकता होगी। इस मास जीवन साथी के साथ थोड़े बहुत झगड़े हो सकते हैं। एक-दूसरे के विचार से सहमत न हो पाने के कारण ये विवाद हो सकते हैं। स्वभाव में थोड़ा सा बदलाव जीवन में खुशी व शांति लेकर आ सकता है इसलिए अपने जीवनसाथी की बात को समझें और उनकी भावनाओं का सम्मान करें अन्यथा बात बढ़ सकती है। इस दौरान आप अपना समय घर की जिम्मेवारी में अधिक व्यस्त रहेंगे जिस कारण से व्यावसायिक जीवन में मुश्किल में कुछ समस्या आ सकती है। इस दौरान स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अतिरिक्त भार व थकान आदि से आप परेशान हो सकते हैं। काम का भार अपने ऊपर बहुत ज्यादा न डालें, ऐसा करने से सेहत कमजोर हो सकती है। इस मास 2, 3, 10, 11, 12, 20, 21, 22 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

इस माह आप अपने निजी व व्यावसायिक जीवन में संतुलन बनाकर चलें। कुछ बोलने से पहले सोच-विचार जरूर कर लें। कार्यस्थल व परिवार में कुछ गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती हैं। पारिवारिक आय में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है। वहीं दूसरी तरफ आपके व्यय भी बढ़ने वाले हैं। यदि बजट बनाकर नहीं चले तो भविष्य में आर्थिक तंगी देखने को मिल सकती है और संघर्ष करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में तेजी से कुछ महत्वपूर्ण बदलाव आएंगे जिससे भी लाभकारी परिणाम प्राप्त होंगे। ज्यादा लाभ कमाने के लिए आप व्यापार में भाई-बहनों का सहयोग भी प्राप्त कर सकते हैं। कार्यस्थल पर अपने बेहतर प्रदर्शन से आप लोगों को आश्चर्यचकित कर देंगे। सहभागियों को आपसे ईर्ष्या की भावना हो सकती है और वो आपके लिए समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। इसलिए सतर्क रहें और सावधानीपूर्वक कार्य करें। इस मास 1, 2, 10, 11, 20, 21, 29 दिनांक कुछ कष्टकारक हो सकती हैं।

वृषभ राशि (इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

अप्रैल

इस माह आप अपने अंदर आत्म-विश्वास की अनुभूति महसूस करेंगे और खुद को साहसी भी पाएंगे। अपनी मेहनत व सकारात्मक व्यवहार के जरिए आप सफलता प्राप्त करेंगे। कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे और यदि आपको पदोन्नति या वेतन बढ़ने की उम्मीद है तो आपकी इच्छा इस अवधि के दौरान पूरी हो सकती है। इन कुछ अच्छे परिणामों के साथ-साथ आप कुछ बुरे लोगों से भी मिल सकते हैं। मां के लिए ये समय थोड़ा कष्टदायी हो सकता है। इस दौरान उन्हें दु:ख का अनुभव हो सकता है या वे किसी बड़ी समस्या में भी पड़ सकती हैं। इसके अलावा घर में आपकी व्यंग्यपूर्ण भाषाशैली और कठोर व्यवहार गलतफहमी और असंतोष उत्पन्न कर सकता है। इसके अतिरिक्त इस बीच खर्चे बढ़ जाएंगे क्योंकि आप घर की आवश्यकताओं के कुछ सामान खरीदेंगे। बच्चों से संबंधित जो भी

परेशानियां आपको हैं, वो सभी दूर हो जाएंगी। शिक्षा के क्षेत्र में उनका प्रदर्शन संतोषजनक रहेगा। वाहन चलाते समय आपको सावधानी रखने की आवश्यकता है क्योंकि चोट लगने की संभावना दिखाई दे रही हैं। इस मास 9, 10, 18, 19, 20, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

व्यापार क्षेत्र से जुडे जातकों के लिए यह माह बहुत अच्छा रहने वाला है। व्यापार को बढ़ाने का विचार अच्छे परिणाम देगा और आपका व्यापार नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाएगा। जिन जातकों ने बैंक में लोन के लिए अर्जी लगा रखी है तो इस दौरान उसे स्वीकृति प्राप्त हो सकती है। कार्यस्थल में आपके द्वारा किए गए प्रयासों और संसाधनों में वृद्धि के संकेत दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान आपके आपके बच्चों के साथ कुछ विवाद हो सकते हैं। इस महीने के शुरू होते ही आपके स्वभाव में अहंकार आ सकता है जिस पर नियन्त्रण रखने की आवश्यकता है। अपने बच्चों को इतना भी लाड़-प्यार न करें कि वो इसका फायदा उठाने लगें। अपनी संवादशैली, बुद्धि आदि के लिए आपको दोस्तों, सहभागियों व पड़ोसियों से इस दौरान प्रशंसा प्राप्त हो सकती है। इसी माह आप अपने अंदर गुस्से का भाव महसूस करने लग जाएंगे। इस दौरान अपने ऊपर काबू पाएं और गुस्से से बचें, अन्यथा समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस बीच आपके खर्च्चे बढ़ेंगे। इस मास 7, 8, 16, 17, 25, 26, 27 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

इस महीने के प्रारम्भ में परिवार के कुछ सदस्यों का स्वास्थ्य खराब रहने से आप परेशान हो सकते हैं। डॉक्टर, दवाई आदि पर खर्च्चे जरूरत से ज्यादा हो सकते हैं। लेकिन ये अवधि बस थोड़े ही समय के लिए है अत: चिन्ता न करें। चीजें बहुत जल्दी संभल जाएंगी और आपकी सभी शीघ्र समाप्त हो जाएंगी। आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे और बचत भी ज्यादा होगी। आप अपने भीतर सकारात्मकता व मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। आपका मन अति सक्रिय हो जाएगा और आपका काम अच्छा होगा। लोग आपके व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे और इस दौरान आप प्रेम संबंधों में भी अपनी रुचि दिखाएंगे। जीवन साथी का सहयोग प्राप्त होगा। जमीन-जायदाद खरीदने से पहले सभी बातें अच्छे से साफ कर लें। यदि निवेश का ध्यान बना रहे हैं तो समय बिल्कुल अनुकूल है। बीते समय में किए गए सभी निवेश इस दौरान लाभदायक फल देंगे। इस मास 3, 4, 12, 13, 22, 23, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई

व्यापार क्षेत्र से जुड़े जातक इस माह अच्छा लाभ कमाएंगे। इस मास आपको किसी विदेशी कंपनी से भी सहयोग प्राप्त हो सकता है। लेकिन साझेदार के साथ काम करते वक्त आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है। अपने फैसलों व वित्तीय मामलों को पूरी तरह से सुलझाए रखें अन्यथा कोई समस्या हो सकती है। नौकरी करते हैं और अगर कुछ बदलाव करने की योजना बना रहे हैं तो यह समय इसके लिए ठीक नहीं है, थोड़ा और इंतजार करें। अगर आप नौकरी छोड़ भी देंगे तब भी वक्त वैसा ही रहेगा। तो बेहतर यही है कि अभी जिस नौकरी में हैं, उसी पर ध्यान केंद्रित करें। निजी जीवन में परेशानियां आ सकती हैं लेकिन शांति व खुशी फिर भी बनी रहेगी। इस माह आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी और आपको पैसों से संबंधित कोई परेशानी नहीं होगी। आपकी अपनी व पारिवारिक आय में बढ़ोत्तरी होगी। दूसरों के ऊपर हावी होने का आपका स्वभाव परेशानियों को उत्पन्न कर सकता है। इन्हें दूर करने के लिए संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। इस मास 1, 9, 10, 11, 19, 20, 27, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

आर्थिक रूप से समय अच्छा रहेगा। बड़े भाई-बहन जो विदेश में अथवा अन्यत्र कहीं दूर कार्यरत हैं, उनकी सहायता से पैसों का आगमन होगा जिससे आर्थिक स्थिति सुधरेगी। सामाजिक स्थिति में भी पहले से बढ़ोत्तरी होगी और लोग आपके व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे। आप जीवन साथी के साथ कोई नया व्यापार प्रारम्भ कर सकते हैं जो आपके लिए बहुत लाभदायक होगा। खुश रहें और नकारात्मक ऊर्जा व विचारों को अपने भीतर न आने दें। अपने ऊपर ध्यान दें और खुद को जीवन में आगे ले जाने के रास्ते निकालें। नव विवाहित जोड़ों के लिए ये माह चुनौतीपूर्ण रहेगा। लड़ाई, झगड़े व विवाद इस दौरान आपके जीवन में रहेंगे जिससे मानसिक शांति भी भंग होगी। यदि आप स्थिति को सुधारना चाहते हैं तो ध्यान व समझदारी के साथ काम लें। माह के लगभग पंद्रह दिन बाद चीजें सुधरने लग जाएंगी और भाग्य आपका साथ देगा। इस मास 6, 7, 16, 17, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

विदेश में काम करने वाले जातकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि ऐसी सम्भावनाएं हैं कि आप पर कोई बड़ा जैसे कागजात या पैसों की चोरी का आरोप लग सकता है। कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों से भी विवाद हो सकता है। माह की शुरुआत में आप लक्ष्यहीन होकर कार्य करेंगे लेकिन आधा माह बीत जाने पर आप अपनी एक नई शुरुआत करेंगे। ये समय आपके परिवार वालों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहेगा। माता-पिता के लिए समय उचित नहीं है। उन्हें किसी भी प्रकार की मानसिक अशांति या स्वास्थ्य संबंधी समस्या से गुजरना पड़ सकता है, इसलिए उन पर इस दौरान ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। पारिवारिक जीवन इस दौरान थोड़ा अस्त-व्यस्त रह सकता है। आपके परिवार वालों को आपसे कुछ समस्या हो सकती हैं और वो आपसे नाखुश हो सकते हैं। परिवार की ये समस्याएं कार्यक्षेत्र में भी देखने को मिल सकती हैं। इन सभी समस्याओं को जल्द से जल्द हल करें और पारिवारिक व व्यावसायिक जीवन में संतुलन बनाएं। इस मास 2, 3, 12, 13, 20, 21, 29, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

मल्टी नेशनल कंपनी में कार्यरत लोगों को इस दौरान करियर में सफलता मिलेगी और आगे की ट्रेनिंग के लिए विदेश जाने का मौका मिलेगा। निजी मामलों में आपकी जिंदगी में खुशी भरपूर रहेगी और आप परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। बड़े भाई-बहनों के लिए भी ये समय तरक्की लेकर आएगा। वो अपने जीवन में इस दौरान काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे और बड़ी सफलता हासिल करेंगे। लेकिन आपके पिता को इस दौरान कार्य से संबंधी कुछ

चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यस्थल पर कुछ समस्याएं हो सकती हैं या व्यापार में साथ काम करने वालों के साथ विवाद हो सकते हैं। इसलिए उन्हें संयम से कार्य करने की सलाह दी जाती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से इस माह आप मानसिक रूप से थोड़ा नीरस अनुभव करेंगे हालांकि शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। कार्यभार के कारण समय-समय पर दबाव अनुभव करेंगे। ऐसे में ध्यान करने से लाभ प्राप्त होगा। स्थानांतरण की भी संभावना है। सरकारी फंड के प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों को किसी समस्या से गुजरना पड़ सकता है। इस मास 1, 9, 10, 18, 19, 26, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

आपके पिता के लिए यह समय थोड़ा कष्टदायी हो सकता है। वो इस दौरान किसी समस्या में फँस सकते हैं। लेकिन अपने प्रयास के जरिए वो इस बड़ी मुसीबत से बाहर भी निकल जाएंगे। आपके व्यावसायिक जीवन में कोई बड़ा बदलाव आएगा। कुछ सकारात्मक बदलाव व उन्नति की संभावना है और आपके दर तक कुछ अच्छे अवसर भी प्राप्त होंगे। जून माह का भविष्यफल यह इशारा कर रहा है कि, बाहर की किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का अवसर भी प्राप्त हो सकता है। लेकिन सतर्क रहने की आवश्यकता है चाहें चीजें सही ही क्यों न जा रही हों। किसी गलतफहमी को अपने अंदर न पनपने दे और अगर यदि हो जाएं तो उन्हें सुलझाने की जल्द से जल्द कोशिश करें। कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार का वैरभाव न पनपने दें अन्यथा प्रॉब्लम्स खड़ी हो सकती हैं। इससे आपकी छवि भी बिगड़ सकती है। वित्तीय मामलों के लिए समय अनुकूल रहेगा और आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होगी। इस मास 5, 6, 7, 14, 15, 23, 24 दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

इस मास जातक के जीवनसाथी की सामाजिक प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी और वो अपने कार्यक्षेत्र में उत्तम प्रदर्शन करेंगे। उनकी सफलता आपको खुशी देगी । कुछ दम्पतियों के बीच अहंकार आ सकता है जिससे घर में असंतोष व विवाद बढ़ सकता है। वरिष्ठ जनों की सलाह आपकी समस्याओं को हल कर सकती है। आपकी माता को भावनात्मक व मानसिक रूप से देखभाल की आवश्यकता होगी, उनका विशेष ध्यान रखें। छात्रों के लिए समय अनुकूल है, उन्हें उनकी मेहनत का फल मिल सकता है। विदेश में पढ़ाई की इच्छा रखने वाले छात्रों को इस दौरान किसी बड़े संस्थान में प्रवेश मिल सकता है। स्वास्थ्य के संबंध से थोड़ी समस्याएं देखने को मिल सकती हैं, ध्यान रखे अन्यथा ये आपके लिए बड़ी समस्या भी खड़ी कर सकती हैं। वैवाहिक संबंधों के लिए भी समय अच्छा है। आप इस दौरान अपने साथी के साथ यादगार समय बिताएंगे। इस मास 3, 4, 11, 12, 13, 20, 21, 22, 30, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2025

विवाह योग्य जातकों को अपना जीवनसाथी मिल सकता है और जो पहले से ही प्रेम संबंध में है उन्हें शादी के लिए माता-पिता से अनुमति प्राप्त हो सकती है। कुछ जातक इस बीच नौकरी बदलने का विचार कर रहे हैं लेकिन थोड़े से संघर्ष के बाद माह के पंद्रह दिन बीत जाने के बाद अच्छे विकल्प प्राप्त होंगे। कार्य से संबंधित यात्राएं भी इस दौरान हो सकती हैं अथवा जातक ऐसी नौकरी का चयन कर सकते हैं जिसमें बहुत ज्यादा यात्रा करनी पड़ती हो। ये समय सफलता, संसाधनों के संचय व सकारात्मकता से भरा रहेगा। जो विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए पढ़ाई कर रहे हैं उन्हे अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए कड़ा परिश्रम करना होगा क्योंकि उनकी तैयारी संतोषजनक नहीं होगी। वैवाहिक युगलों को इस समय का लाभ मिलेगा। संबंधों में प्रेम बढ़ेगा और आप एक खुशहाल और शांतिपूर्वक जीवन बिताएंगे। स्वास्थ्य के संबंध में आपको ज्यादा चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। प्रतिदिन ध्यान व योग करने से आप स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं। इस मास 8, 9, 16, 17, 18, 26, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस मास धार्मिक व आध्यात्मिक विषयों में आपकी रुचि बढ़ेगी। इस दौरान आपकी महात्माओं व आध्यात्मिक गुरुओं से वार्ता हो सकती है। परिवार के सदस्यों के साथ कोई व्यापार प्रारम्भ कर सकते हैं, लेकिन ध्यान रहें कि किसी भी कार्य की शुरुआत से पहले अच्छे से विचार-विमर्श कर लें ताकि आगे चलकर कोई परेशानी न आए। व्यापार के विस्तार के लिए ये उचित समय है। परिश्रम ही सफलता की कुंजी है, इसी बात को ध्यान में रखकर मेहनत करते रहें और आगे बढ़ते रहें। शेयर बाजार या प्रॉपर्टी में निवेश आपके लिए लाभकारक साबित होगा। कुछ लोग विश्रान्त महसूस कर सकते हैं जिससे एकाग्रता में कमी आ सकती है। जबकि कुछ लोग अपने लक्ष्य से भटक सकते हैं और दोबारा कार्य की शुरुआत करने से पहले अपने लिए थोड़ा समय ले सकते हैं। इस समय के दौरान उधार लेने से बचें अन्यथा आप ऋण के जाल में फँस सकते हैं। आपको अपने जीवनसाथी का पूर्ण समर्थन मिलेगा और आप एक सुखी वैवाहिक जीवन बिताएंगे। लेकिन अपने जीवन साथी के स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखें। इस मास 4, 5, 13, 14, 23, 24 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

इस महीने में आपको परिवार की ओर ध्यान देने की आवश्यकता होगी। पारिवारिक विवादों को जल्द से जल्द सुलझाएं अन्यथा देर भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर किसी शुभ कार्य जैसे शादी, विवाह आदि के चलते परिवार में मेहमानों का आना-जाना हो सकता है। परिवार की आय इस दौरान बढ़ेगी लेकिन खर्चों पर नियन्त्रण नहीं रह पाएगा जिसके चलते बजट बिगड़ सकता है। काफी संघर्षों के बाद घर बैठकर काम करने वाले लोगों या उद्यमियों के लिए ये अच्छा समय है। इस दौरान आपको बड़े-बड़े प्रोजेक्ट भी मिल सकते हैं। लेखक, कवि, संपादकों को इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलेगी। व्यावसायिक लोगों को अपने से उच्च अधिकारियों व सहभागियों के साथ ऑफिस में अच्छा संबंध बनाए रखने की सलाह दी जाती है। जल्दबाजी में कार्यालय से जुड़े मामलों में कोई गलत फैसला न लें। इस माह आपको व्यवसाय में भी बड़ा लाभ मिलेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए ये समय अनुकूल है। गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य ठीक रहेगा व वो बच्चे को जन्म देते वक्त सुरक्षित रहेंगी। इस मास 3, 4, 12, 13, 22, 23 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मिथुन राशि(का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह)

अप्रैल

इस माह आप अपने धन व ऊर्जा को अनावश्यक मामलों में व्यय कर सकते हैं, जिससे आपको दु:ख भी हो सकता है। किसी भी फैसले को लेने या कार्य करने से पहले अच्छे से विचार-विमर्श अवश्य कर लें। स्वास्थ्य के संबंध में यह माह आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। एक समय के बाद आप थका हुआ महसूस कर सकते हैं और अपने काम में ध्यान नहीं लगा पाएंगे। कार्यभार या तनाव के कारण स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से व्यय बढ़ने लग जाएंगे जिसके चलते भी आर्थिक स्थिति कमजोर पड़ सकती है। आप अच्छा धन इस दौरान एकत्रित कर लेंगे लेकिन फिर भी उसे बचा कर नहीं रख पाएंगे। इस माह वैवाहिक जीवन में कुछ समस्या हो सकती है। इस दौरान जीवनसाथी से कुछ विवाद हो सकते हैं। निजी जिम्मेदारियों से जी चुराने की आदत जीवनसाथी के साथ आपका संबंध खराब कर सकती है। परिवार में वाद-विवाद की स्थिति हो सकती है इसलिए इन सभी मामलों को अपनी बुद्धि व समझदारी से हल करने का प्रयास करें। साहस व हिम्मत के साथ इस मुश्किल परिस्थिति से निकलने की कोशिश करें। इस मास 11, 12, 21, 22, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

यह माह आपके लिए उन्नति लेकर आएगा और आपके काम वैसे ही पूर्ण होंगे जैसे आप चाहते हैं। कार्यक्षेत्र पर आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे और उच्च पद भी प्राप्त करेंगे। आपके साझा संसाधनों में वृद्धि होगी और ये आपको तरक्की की ओर लेकर जाएंगी। इस दौरान आपको अच्छे लाभ की प्राप्ति होगी और आप ज्यादा से ज्यादा बचत कर सकेंगे। बड़े निवेशों से बड़ा लाभ मिलेगा। व्यापार में कोई नया साझेदार जुड़ सकता है जिसका आगमन व्यापार के लिए लाभदायक होगा। वैवाहिक जीवन खुशहाल व प्रेम से भरा रहेगा। आप एक-दूसरे को अपना सहयोग देंगे और आपका संबंध मजबूत होता जाएगा। विद्यार्थी अपने पढ़ाई के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और सफलता आपको खुशी देगी। विवाह योग्य जातक इस माह शादी के बंधन में बंध सकते हैं। प्रशासकों, योजनाकारों और सार्वजनिक कार्य से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल है। इस मास 1, 2, 9, 10, 18, 19, 20, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

आपके लिये यह माह बहुत ही अच्छा रहने वाला है। इस महीने में किए गए आपके सभी प्रयास सफल होंगे। शादीशुदा लोग इस समय का जम कर आनंद उठाएंगे। उनके जीवन में शांति, खुशी व सौहार्द बना रहेगा। महीने के पूर्वार्ध में ही कोई अच्छी सूचना प्राप्त हो सकती है। इस सूचना से आपके आत्म-विश्वास में वृद्धि होगी। इस दौरान आप स्वयं को अधिक ऊर्जावान व आशावादी अनुभव करेंगे। सभी कार्य योजनानुसार पूर्ण होंगे। परोपकार से जुड़े कार्यों में भाग लेने से आपकी छवि भी अच्छी होगी। घर व कार्यस्थल पर सुखद वातावरण रहेगा। इस माह परिवार के सभी सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे और आपके उनके साथ संबंध भी प्रगाढ होंगे। लोग आपका साथ पसंद करेंगे और आपकी लोकप्रियता भी बढ़ेगी। नए दोस्त बनेंगे और आपका सामाजिक दायरा भी बढ़ेगा। रियल-एस्टेट का बिजनेस कर रहे लोगों को इस माह सफलता मिलेगी। प्रॉपर्टी खरीदने व बेचने के लिए भी बिल्कुल उपयुक्त समय है। इस मास 5, 6, 14, 15, 16, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई

आपको इस दौरान कई संघर्षों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी निजी व व्यावसायिक जिंदगी में इस दौरान कुछ समस्याएं आ सकती हैं। इस दौरान आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है साथ ही अनिद्रा व एलर्जी की समस्या भी हो सकती है। अति सक्रिय और परेशान मन होने के कारण एकाग्रता में कमी आ सकती है। थका हुआ महसूस होने के कारण आपको परेशानियां हो सकती हैं। आप समय-समय पर बीमार भी पड़ सकते हैं। कुछ जातक अपनी वर्तमान नौकरी से संतुष्ट नहीं रहेंगे और नौकरी में परिवर्तन कर सकते हैं। अथवा वर्तमान कार्यक्षेत्र में भी बदलाव आ सकते हैं। घर में थोड़े बहुत विवाद संभव हैं। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। लेकिन इन सभी चीजों से परेशान व निराश न हों क्योंकि आपको खुशी जरूर मिलेगी। बस संयम रखें और हर मोड़ पर सकारात्मक रूप से सोचें। इस मास 2, 3, 4, 12, 13, 21, 22, 30, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

जातक जो व्यापार क्षेत्र से जुडे हैं, उनके लिए यह काफी अच्छा समय है। इस दौरान उन्हें सात समुंद्र पार से कोई अच्छी सूचना प्राप्त हो सकती है जो उनके लिए काफी लाभदायक होगी। आमदनी अच्छी हो जाएगी लेकिन साथ ही साथ खर्चे भी बढ़ जाएंगे। इस दौरान आप भौतिक सुखों से परिपूर्ण व विलासिता की जिंदगी जिएंगे। भूतकाल में किया निवेश इस दौरान आपको दोगुना मुनाफा देगा। इस माह शेयर बाजार में यदि निवेश किया है तो इससे भी अच्छे परिणाम हासिल होंगे। परिवार के सभी सदस्य आपसे खुश रहेंगे और आपको अपना प्यार व सहयोग प्रदान करेंगे। वैवाहिक जीवन आनंदपूर्वक बीतेगा और आप इस बीच पत्नी, बच्चों के साथ छुट्टियां बिताने दूर यात्रा पर या विदेश जा सकते हैं। महीने के मध्य में जाकर आपको कार्यक्षेत्र में भी इस समय का लाभ होगा। अच्छे वेतन के साथ-साथ पदोन्नति की भी संभावना दिखाई दे रही हैं। बड़े भाई-बहनों के लिए भी समय शुभ है। इस मास 8, 9, 10, 18, 19, 26, 27 दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

शादीशुदा जोड़ों के लिए यह माह थोड़ा चुनौती पूर्ण हो सकता है। एक-दूसरे के प्रति समय न दे पाने व गलतफहमियों की उत्पत्ति होने के कारण आपके वैवाहिक जीवन में तनाव रह सकता है। झगड़ों व वाद-विवादों के कारण घर-परिवार से खुशहाल वातावरण कम हो जायेगा। परिवार में वरिष्ठ जनों के साथ भी विचार सहमत न हो पाने के कारण बहस हो सकती है। शीघ्रता में लिए गए आपके निर्णय और दूसरों पर हावी होने का स्वभाव लोगों को दु:खी कर सकता है। विदेश जाने की इच्छा रखने वाले जातकों के लिए समय ठीक नहीं है। जो लोग अपने काम की वजह से पहले से ही विदेश में रह रहे हैं, उन्हें इस वक्त अपने पैसों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। बात करें अगर आपके बच्चों की तो अभी

उन पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होगी। यदि ऐसा नहीं हुआ तो वो भटक भी सकते हैं। आधा माह गुजर जाने के बाद आपके व्यावसायिक जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लग जाएंगे। इस मास 4, 5, 6, 14, 15, 22, 23 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

आपके जीवन साथी इस मास प्रगति की ओर बढ़ेंगे। इस दौरान उन्हें भाग्य को संवारने के लिए कई मौके प्राप्त होंगे। वो इन अवसरों का भली-भांति तरीके से उपयोग करेंगे और सफलता प्राप्त करेंगे। जीवन साथी को इस दौरान बड़ा पद व वेतन प्राप्त होगा। अपने स्वास्थ्य के प्रति आप थोड़ी लापरवाही कर सकते हैं। इस लापरवाही के कारण आप परेशानी में भी पड़ सकते हैं। जीवन में निराश रहने व अन्य गतिविधियों में रुझान न होने के कारण आप तनावग्रस्त हो सकते हैं। सड़क पर सावधानी से गाड़ी चलायें क्योंकि इस मास चोट लगने के आसार हैं। मां की तबियत अच्छी रहेगी लेकिन पिता की सेहत को नुकसान पहुंच सकता है इसलिए सावधान रहें। कार्यक्षेत्र पर वरिष्ठ जनों व सहभागियों के साथ विवाद हो सकते हैं जिससे आपका प्रदर्शन खराब हो सकता है। ऐसे में बहस से बचें और विवादों को समाप्त करने का प्रयास करें क्योंकि इससे आपकी छवि भी बिगड़ सकती है। प्रोफेशनल लाइफ में आपका करियर ग्राफ नीचे जा सकता है, इसलिए मेहनत करें व एकाग्रता के साथ अपना काम करें। इस मास 2, 3, 11, 12, 13, 20, 21, 29, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

आपके जीवन साथी को इस माह विदेश जाने का अवसर मिल सकता है। इस मास भाग्य उनका साथ देगा और वो सफलता प्राप्त करेंगे। कार्य संबंधी कुछ छोटी-बड़ी यात्राएं हो सकती हैं। जीवन साथी की सेहत माह की शुरुआत में चिंता का कारण हो सकती है इसलिए उनका ध्यान रखें। वहीं दूसरी तरफ जीवन साथी से आपके कुछ मतभेद भी हो सकते हैं। लेकिन चिंता की कोई बात नहीं ये सभी समस्याऐं आपके प्रयासों से दूर हो जाएंगी। यदि अगर आप अपना ज्यादा से ज्यादा समय अपने जीवन साथी के साथ बिताएं तो उत्तम रहेगा। व्यापार कर रहे जातकों के लिए समय अच्छा है। निर्यात में वृद्धि होगी और व्यापार में विदेशी सहयोग प्राप्त होने से लाभ होगा। साझेदारी में व्यापार करते समय सावधानी रखें। आपके अपने साथी के साथ कुछ विवाद हो सकते हैं जिसको जल्द सुलझाने की जरूरत है अन्यथा साझेदारी समाप्त भी हो सकती है और व्यापार में हानि हो सकती है। बढ़ते खर्चों के कारण परिवार में सौहार्द की भावना कम हो सकती है। इस मास 8, 9, 16, 17, 25, 26, 27 दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

यह माह शांति व खुशी से परिपूर्ण रहेगा। आत्म-विश्वास में बढ़ोत्तरी होगी। आप समय-समय पर आक्रामक रवैया भी अपना सकते हैं। अपने निजी व व्यावसायिक जीवन में अधिक प्रयास करेंगे और थोड़े समय बाद सफलता भी प्राप्त करेंगें। कार्य स्थल पर विरोधी आपके लिए समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं लेकिन चिंता की कोई बात नहीं क्योंकि उन्हें सफलता नहीं मिलेगी। आपके साथ काम करने वाले कुछ सहभागी आपसे ईर्ष्या का भाव भी रख सकते हैं जिससे ऑफिस का वातावरण अनुकूल नहीं रह पाएगा। लेकिन चिन्ता न करते हुए केवल अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें और आगे बढ़ते रहें। इस दौरान आप अच्छी रकम्म जुटा पाएंगे और सभी कर्ज से मुक्त हो जाएंगे। लेकिन जोखम्मि भरे निवेश से खुद को दूर ही रखें क्योंकि आर्थिक हानि होने की सम्भावना हो सकती है। स्वास्थ्य हेतु यह माह उत्तम रहेगा। आप अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने लग जाएंगे। व्यायाम, योग व ध्यान को अपने रोजाना के नियम में सम्मिलित कर लेंगे। इस मास 5, 6, 14, 15, 23, 24 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2025

इस मास आप शांति व सौहार्द की खोज में आध्यात्मिक व धार्मिक चीजों की ओर झुकने लग जाएंगे। अधिक आशावादी होने का प्रयास करें, इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नकारात्मक भाव जैसे डर, ईर्ष्या, जलन, नफरत व बदले की भावना से स्वयं को दूर रखें। आर्थिक रूप से यह माह सामान्य रहेगा। संघर्ष व मेहनत से ही आप इस दौरान पैसे कमा पाएंगे। अनावश्यक चीजों पर खर्च्च न करने की आपको सलाह दी जाती है। वहीं दूसरी तरफ सेहत संबंधी कुछ समस्याएं आपके जीवनसाथी को परेशान कर सकती हैं। तो ऐसे में दवा आदि में आपका खर्च्च होगा जिससे बजट बिगड़ जाएगा। इस माह निजी संबंधों में बहस व लड़ाई के कारण अशांति रह सकती है। परिवार के कुछ सदस्य आपके फैसले से ना खुश हो सकते हैं। विद्यार्थियों का शिक्षा में प्रदर्शन उत्तम रहेगा। कुछ लोग को आत्म-विश्वास में कमी भी महसूस हो सकती है। इन सबके अलावा आपकी गलत व खराब भाषा शैली से भी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इस मास 1, 2, 10, 11, 19, 20, 29, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस माह कलात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और इससे जुड़ी गतिविधियों में आप भाग लेंगें। जीवनसाथी से आपका रिश्ता इस दौरान और भी ज्यादा मजबूत होगा और आपके व आपके साथी के बीच प्यार बढ़ता जाएगा। नये स्थलों का भ्रमण भी हो सकता है। आपके जीवन साथी इस माह आपके जीवन में बडी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और आपकी सफलता में अपना योगदान देंगे। शादीशुदा जीवन शांति व खुशी के साथ आगे बढ़ता रहेगा और आप दोनों अपना समय आनंदपूर्वक साथ-साथ बिताएंगे। परन्तु परिवार में कुछ विवाद भी उत्पन्न हो सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ आपका रिश्ता गलतफहमियों के कारण बिगड़ सकता है। विद्यार्थियों को इस मास सफलता प्राप्त होगी। परिणाम का यदि इंतजार कर रहे हैं तो इस दौरान आपको काफी अच्छे अंक प्राप्त होंगे। लेखकों व कलाकारों के लिए समय अच्छा है। उनके रचनात्मक कार्यों की प्रशंसा की जाएगी। इस मास 6, 7, 15, 16, 17, 25, 26 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

आप अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को कुशल तरीके से सुलझाने का प्रयास करेंगे और इस कार्य के लिए आपकी अंदर ही अंदर तारीफ भी की जाएगी। इस दौरान आप एक नई दिनचर्या अपनाएगे और स्वस्थ रहना आपकी पहली जरूरत बन जाएगी। इस मास आप अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देंगे। इस बीच आप अपने भोजन में भी बदलाव करेंगे। निजी संबंधों में कुछ

सकारात्मक बदलाव नजर आएंगे। इस माह परिवार का साथ व प्यार आपको खुश व संपन्न रखेगा। वैवाहिक जिंदगी भी अच्छी रहेगी और आप अपने जीवनसाथी व बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। कुछ जातक अपनी वर्तमान नौकरी में बदलाव करने की योजना बना सकते हैं। कार्यस्थल पर कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं जो आपके निजी जीवन में भी पहुंचकर घर की शांति व सौहार्द को बिगाड़ सकती हैं। आर्थिक स्थिति इस बीच अच्छी रहेगी। कुछ अप्रत्याशित आर्थिक लाभ से आय में वृद्धि होगी। इस मास 5, 6, 14, 15, 16, 24, 25, 2 दिनांक नेष्ट रहेगी।

कर्क राशि (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

अप्रैल

आप इस महीने के पूर्वार्ध में स्वयं को उत्साहित और सक्रिय अनुभव करेंगे। वहीं माह के उत्तरार्ध में आप प्रभावी और सकारात्मक बातचीत करेंगे। इस माह आप अपने कार्यक्षेत्र में अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। किसी बड़े निवेश के लिए यह समय अच्छा है लेकिन कठिन परिश्रम करना होगा। व्यवसाय में भागीदारी को लेकर भाई-बहनों के साथ परेशानी आ सकती है। आप अच्छे प्रयास करेंगे लेकिन व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सुधार लाने के लिए आपको अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। इसके अलावा आपकी बेहतर कार्यशैली के कारण आपकी प्रशंसा होगी। बिना सोचे-समझे और गुस्से में आकर कोई भी निर्णय लेने से बचें अन्यथा इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। किसी की आलोचना या उसके साथ किसी भी तरह की राजनीति करने से बचें, क्योंकि ऐसा करने से आपके व्यक्तिगत संबंध प्रभावित हो सकते हैं। इस माह आपकी सेहत बिल्कुल अच्छी रहेगी। आप अपनी फिटनेस को लेकर ज्यादा रुचि दिखाएंगे। स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए खेल या व्यायाम जैसी गतिविधियों में शामिल होंगे। मास 13, 14, 15, 23, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

विवाहित जातकों के लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है लेकिन प्रेमी युगल को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस माह कार्यस्थल पर बड़ी सफलता मिलने की संभावना है, साथ ही वरिष्ट सहकर्मियों से भरपूर सहयोग मिलेगा। यह महीना उन जातकों के लिए उत्तम रहेगा, जो शेयर बाजार व मार्केट रिसर्च से जुड़ा व्यवसाय करते हैं। इस अवधि में शेयर मार्केट में उनके द्वारा व्यक्त की गई संभावना सही सावित होंगी। पारिवारिक और न्यायिक सलाहकारों के लिए भी यह महीना अच्छा रहेगा। इस माह आपके जीवन में धनागमन सुचारु रूप से होता रहेगा लेकिन महीने के उत्तरार्ध में व्यर्थ के खर्च करने से बचें। पारिवारिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा। आप व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में अच्छा तालमेल बनाकर चलेंगे। हालांकि परिवार के लोगों से छोटे-मोटे मतभेद भी हो सकते हैं लेकिन आपसी वातचीत से सभी मुद्दे सुलझ जाएंगे। इस मास 3, 4, 11, 12, 21, 22, 30, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

इस माह आपका पारिवारिक जीवन अच्छा रहने वाला है। घर की खुशियों में वृद्धि होगी और आप परिजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इस माह आप परिवार के साथ घूमने जा सकते हैं। घर में किसी शुभकार्य का आयोजन भी होने की संभावना है। इस महीने आपके जीवनसाथी को कार्यस्थल पर उन्नति मिलने की प्रबल संभावना है, साथ ही आर्थिक वृद्धि भी होगी। यदि आप कोई जमीन खरीदने या बेचने की योजना बना रहे हैं तो महीना का अंत इस काम के लिए अत्यंत शुभ है। इस माह आप पूरी तरह से स्वस्थ रहेंगे। आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे और अपनी बात साफ शब्दों में स्पष्टता के साथ कहेंगे। आपके स्पष्ट बोलने की यह क्षमता निश्चित रूप से आपके लिए लाभकारी रहेगी। आपकी कार्य कुशलता के कारण अधिकारी और सहकर्मी आपकी प्रशंसा करेंगे। यदि आप प्रबंधन या प्रशासनिक क्षेत्र में कार्यरत हैं तो आपको इस माह कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। 7, 8, 9, 17, 18, 26, 27 दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जुलाई

यह महीना आपके लिए अच्छे संकेत नहीं दे रहा है। महीने की शुरुआत में आपके मन में असमंजस की स्थिति बनी रहेगी। इस वजह से आप विवेकपूर्ण निर्णय लेने में असमर्थ रहेंगे। आर्थिक विषयों पर पर भी इस महीने आपको संभलकर चलना होगा। व्यर्थ खर्च करने से बचें और पैसों के लेनदेन पर विशेष ध्यान रखें अन्यथा धोखाधड़ी होने की संभावना है। यह महीना पारिवारिक जीवन के लिए भी शुभ संकेत नहीं दे रहा है। तनाव बढ़ने से परिवार में शांति और सद्भाव का अभाव रहेगा, इसलिए हर परिस्थिति में संयम व समझदारी से काम लें और मधुर रिश्ते बनाकर चलें। कम्प्यूटर के उपकरण से संबंधित व्यवसाय करने वाले जातकों के लिए यह महीना उत्तम है, इस अवधि में अच्छा लाभ प्राप्त होने की संभावना बन रही है। कम्प्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और सॉफ्टवेयर डेवलपर्स से जुड़े जातक अपने कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान वे अपने कार्यक्षेत्र में उच्च पदों को प्राप्त कर सकते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना अच्छा दिखाई दे रहा है लेकिन आंखों को विशेष देखभाल करें। 5, 6, 14, 15, 16, 23, 24 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अगस्त

यह आपके लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। इस माह पिता का खराब स्वास्थ्य आपकी चिंता का कारण बन सकती है, इसलिए इस अवधि में उनकी सेहत का पूरा ध्यान रखें। इसके अलावा इलाज पर अधिक खर्च होने से आपका बजट बिगड़ सकता है। इस समय में आप पारिवारिक कार्यों में और कार्यक्षेत्र में अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। इस महीने छोटी या लंबी दूरी की यात्रा की संभावना बन रही है। वे जातक जिनका झुकाव धार्मिक प्रवृत्ति की ओर ज्यादा है, वे लोग तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं। इस महीने आप कोई भी कार्य करने से पहले अच्छे से सोचें और शीघ्रता में कोई भी निर्णय लेने से बचें। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारियों से कुछ मतभेद होने की संभावना है, इसलिए अपने व्यवहार में संयम बरतें और अच्छे संबंध बनाकर चलें। 1, 2, 11, 12, 20, 21, 28, 29 दिनांके नेष्ट रहेंगी।

सितम्बर

इस महीने में आपके भाग्य में वृद्धि होगी। चुनौतियों के बावजूद इस माह आप प्रगति करेंगे। नौकरी या व्यवसाय के संबंध में विदेश यात्रा की संभावना है। पारिवारिक व्यवसाय में समृद्धि आएगी और आपको माता-पिता का सहयोग मिलेगा। इस माह पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा, लेकिन किशोरावस्था के बच्चों से आपको स्नेह और धैर्य के साथ व्यवहार करना होगा। इस माह आप हर तरफ से सकारात्मक ऊर्जा और आत्म विश्वास से भरे रहेंगे। इस माह नए दोस्त बनेंगे और आप पार्टियों में व्यस्त रहेंगे। आपको कुछ ऐसे अवसर मिलेंगे, जिससे आपकी सामाजिक सक्रियता बढ़ेगी और यह आपके लिए लाभकारी रहेगी। फिल्म, अभिनय, नृत्य निर्देशक, फोटोग्राफर और वीडियो एडिटर्स को इस अवधि में लाभ होगा। इस मास 7, 8, 16, 17, 24, 25, 26 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर

इस महीने में संतान पक्ष की ओर से आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बच्चों के साथ संबंध तनावपूर्ण होंगे और आप उनके साथ संबंध सामान्य करने में असमर्थ रह सकते हैं। अत: बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार करें और विषम परिस्थितियों में धैर्य के साथ काम लें। अत्यधिक क्रोध करने से बचें अन्यथा आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है। पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा लेकिन माँ का स्वास्थ्य थोडा कमजोर रह सकती है, उनका विशेष ख्याल रखें। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा, विशेषकर घर के बड़े लोगों से अधिक सहायता मिलेगी। परिवार से मिलने वाले इस सहयोग के कारण आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी और आप कुछ बेहतर करने में समर्थ होंगे। अपने कार्यक्षेत्र में हर विषय को लेकर अपना मत स्पष्ट रखें। वरिष्ठ सहकर्मियों की सलाह से स्थितियां अनुकूल होगी। जो छात्र तकनीकी विषय की पढ़ाई कर रहे हैं उनके लिए समय अनुकूल है। क्योंकि उन्हें कठिन परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा। इस मास 4, 5, 6, 14, 15, 22, 23, 31 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

नवम्बर

आपको इस महीने में वाणी पर संयम रखना होगा। वैवाहिक जीवन में थोड़ी सावधानी रखनी होगी। जीवनसाथी के साथ जो भी मतभेद हैं उन्हें जल्द से जल्द दूर करने की कोशिश करें अन्यथा समस्या खड़ी हो सकती है। कार्यस्थल पर भी सतर्क रहना आपके लिए अच्छा होगा। अभद्र भाषा के प्रयोग से समस्या उत्पन्न हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ की बातें और कार्यक्षेत्र में आपसी राजनीति करने से बचें। यह माह आर्थिक तौर पर आपके लिए लाभकारी रहेगा। आप अधिक से अधिक पैसों की बचत करेंगे और इससे आर्थिक स्थिरता रहेगी। यह समय अचल संपत्ति के क्षेत्र में निवेश करने के लिए सही नहीं है, इसलिए जमीन/मकान खरीदने या बेचने से बचें। प्रॉपर्टी या कार्य से जुड़े हर दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले उसे अच्छे से पढ़ लें। क्योंकि धोखेबाजी की संभावना है। इस माह पिता की सेहत पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी। इस अवधि में उन्हें कोई गंभीर बीमारी से कष्ट हो सकता है हालांकि महीने के उत्तरार्ध में उनकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। इस मास 1, 2, 10, 11, 18, 19, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

दिसम्बर

मार्च का महीना आपके लिए बहुत ही सकारात्मक रहेगा। जीवन में खुशियां बनी रहेंगी और सब कुछ अच्छा रहेगा। विशेषकर विवाहित जातकों के लिए यह समय सुखद होगा। इस दौरान वैवाहिक जीवन में मधुरता और शांति बनी रहेगी। आप एक-दूसरे की आवश्यकता को समझेंगे। जीवनसाथी से आपको सहयोग मिलेगा और आपका बंधन मजबूत होता जाएगा। इस माह घर में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन भी संभव है। विवाह संपन्न होने के भी योग बन रहे हैं। आप अपना वर्तमान निवास स्थान बदलकर किसी बड़े घर में स्थानान्तरित हो सकते हैं। इस महीने अत्यधिक व्यस्त होने के कारण आपके परिजन स्वयं को उपेक्षित महसूस करेंगे, अत: परिवार के लोगों को पर्याप्त समय दें। वे जातक जो सौंदर्य प्रसाधन, कलात्मक वस्तु, आभूषण और सर्वसुविधा युक्त सामानों का व्यवसाय करते हैं उनके लिए यह समय बेहद अनुकूल है। इस महीने व्यापार में अच्छा लाभ होने की संभावना है। इस अवधि में आप अपने व्यवसाय को विस्तार देने की योजना बनाएंगे। आप अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर भी कुछ नया कार्य प्रारम्भ कर सकते हैं। यह कार्य मनोरंजक, व्यावसायिक या यात्रा से जुड़ा भी हो सकता है। इस मास 7, 8, 16, 17, 25, 26, 27 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जनवरी 2025

इस महीने में आपको कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। महीने के पूर्वार्ध में बच्चों की ओर से तनाव मिल सकता है। तनाव और चिंता के कारण आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है। इस दौरान बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के लिए आपको कुछ निवेश करना होगा। बच्चे पढ़ाई के लिए घर से दूर भी जा सकते हैं। अपने प्रेम जीवन को लेकर आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। क्योंकि कुछ विवादों की संभावना बन रही है। अपने प्रेम जीवन में संतुलन बनाये रखने की कोशिश करें और अपने साथी को अधिक समय देने का प्रयास करें। इस माह सेहत को लेकर भी आपको अपना विशेष ध्यान रखना होगा। अजीर्ण, उदर विकार, मुंह में छाला और कोई घाव हो सकता है। आपके स्वभाव में साहस, क्रोध और वीरता की वृद्धि होगी। ग्राफिक आर्टिस्ट, विदेशी भाषा के जानकार और तकनीकी लेखन से जुड़े जातकों के लिए समय बहुत अच्छा है। इस मास 3, 4, 5, 12, 13, 21, 22, 23, 31 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी

यह महीना आपके लिए सामान्य रहने वाला है। इस अवधि में यदि आपको लाभ नहीं मिलेगा तो हानि भी नहीं होगी। पारिवारिक संसाधनों में बढ़ोत्तरी की संभावना है इससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस माह महंगे घरेलू सामान खरीदने से आपका खर्च बहुत बढ़ सकता है, इसलिए सोच-समझकर खर्च करें। मानसिक, बौद्धिक और कलात्मक क्षमता में वृद्धि होने से आप अपने लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे। वकील, शिक्षक, सलाहकार और वक्ताओं के लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है। आप जनवरी के महीने में सभी क्षेत्रों में अच्छा कार्य करेंगे। क्रोध और वाणी पर संयम रखें क्योंकि गलत शब्दों के प्रयोग से आपके और परिजनों के बीच गलतफहमी उत्पन्न हो सकती है। इसलिए कड़वे वचन बिल्कुल नहीं बोलें।

इस माह के अंत में आपको कठिन परिश्रम का फल मिलेगा और सब कुछ सुव्यवस्थित हो जाएगा। इस मास 1, 8, 9, 18, 19, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मार्च

यह महीना आपके लिए सामान्य रहेगा। इस माह के पूर्वार्ध में बच्चों के कारण आप परेशान रहेंगे। इस दौरान बच्चों के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं लेकिन ऐसी स्थिति में आपको ध ैर्य से काम लेना होगा। जीवनसाथी से आपके संबंध अच्छे रहेंगे और उनकी सफलता से आप खुश रहेंगे। इस अवधि में आपको जीवनसाथी की ओर से पूरा सहयोग मिलेगा और आपका संबंध और मजबूत होगा। इस महीने जीवनसाथी की सेहत को लेकर आपको थोड़ा सावध ान रहना होगा। कार्यस्थल पर अपने कार्य के रहस्य किसी के साथ साझा नहीं करें अन्यथा आप कठिनाई में पड़ सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों से अच्छे संबंध बनाकर चलें, क्योंकि उनके सहयोग और मार्गदर्शन से आप कार्यक्षेत्र में उन्नति करेंगे। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और लेखन से जुड़े जातकों के लिए यह महीना अच्छा है। इस मास 7, 8, 9, 17, 18, 19, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेगी।

सिंह राशि (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

अप्रैल

इस मास स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से आप ग्रसित रहेंगे। अस्थि विकार, एलर्जी, वायु विकार, रक्त विकार के कारण आप व्यथित रहेंगे। भूमि व संपत्ति संबंधी कार्यों में सफलता रहेगी। परन्तु अत्यधिक यात्राओं के कारण आप दुखी रहेंगे। परिवार का वातावरण भी प्रायः अच्छा नहीं रहेगा। मास के उत्तरार्ध में पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर भी आप परेशान रह सकते है। धार्मिक कार्यो में रूचि कम रहेगी। धन के अपव्यय से आप दुखी रह सकते है। शत्रुओं की प्रबलता रहेगी परन्तु आप अन्त में उन्हें परास्त करने में सफल होंगे। वाहन चलाने में सावध ानी रखें। इस मास 16, 17, 26, 27 दिनांक कुछ कष्टकारक रह सकती है।

मई

यह मास प्रायः आपके लिए तनावपूर्ण रहेगा। पारिवारिक क्लेश एवं शारीरिक स्वास्थ्य से आप व्यथित रहेंगे, परन्तु पराक्रम में वृद्धि रहेगी। छोटे भाई बहनों का स्वास्थ्य भी कुछ प्रतिकूल रह सकता है। आप उनके लिए चिंतित रहेंगे। भूमि व संपत्ति संबंधित विवादों में धनव्यय संभावित है। न्यायालयीय निर्णय में विलम्ब से आप व्यथित रहेंगे। धनागम का अच्छा योग बनेगा। परन्तु धार्मिक कार्यों एवं यात्राओं में धनव्यय होगा। जिस कारण समाज में आपकी अच्छी प्रतिष्ठा रहेगी। कार्यक्षेत्र में मित्रों के सहयोग से सफलता मिलेगी। प्रायः इस मास आप वायुविकार, पित्त विकार, त्वचा संबंधी रोग एवं संक्रमण जनित रोगों से पीड़ित रह सकते है। विद्याध्ययन एवं रोजगार क्षेत्र में किये गए प्रयास सफल हो सकते है। इस मास 5, 6, 13, 14, 15, 23, 24 दिनांक नेष्ट है।

जून

यह मास आपके लिए प्रायः अच्छा रहेगा। पराक्रम में वृद्धि रहेगी। माता के स्वास्थ्य में कुछ सुधार सम्भव है। धनागम अच्छा रहेगा। धन संपत्ति व भूमि क्रय के योग बनते है। परन्तु यदा कदा अध्ययन में बाधा उत्पन्न हो सकती है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रायः ठीक रहेगा परन्तु कभी कभी पित्त विकार, नेत्र विकार एवं शिरोवेदना से कष्ट संभावित है। भाग्य के साथ देने से कुछ रुके हुए काम बन सकते है। पद प्रतिष्ठा प्राप्ति के योग भी बनते है। इस मास ध ार्मिक यात्राएं भी संभावित है। पारिवारिक वातावरण प्रायः सौहार्दपूर्ण होगा परन्तु मासान्त में पारिवारिक मनमुटाव व झगडे की स्थिति बनती है। रोजगार के क्षेत्र में कुछ अच्छी संभावनाऐ बनती है। इस मास 1, 2, 9, 10, 11, 19, 20, 21, 28, 29 दिनांक नेष्ट हैं।

जुलाई

इस मास के प्रारम्भ में यदा कदा नेत्र कष्ट, रक्त विकार, मानसिक उलझनों से आप व्यथित रह सकते है। माता का स्वास्थ्य भी कष्टकारी रह सकता है। पारिवारिक वातावरण सौहार्दपूर्ण रहने की संभावना है। धन का आगमन अच्छा रहेगा। आय के नए स्रोत उत्पन्न हो सकते है। मास के उत्तरार्ध में धन सम्पत्ति प्राप्ति के कुछ योग बनते है परन्तु वाहन चलाते समय सावध ानी अपेक्षित है। विद्याप्राप्ति के कुछ योग बनते है, परन्तु परिश्रम की आवश्यकता रहेगी। रोजगार के क्षेत्र में नवीन संभावनाऐ बनेंगी, परन्तु पिता का स्वास्थ्य शिथिल रह सकता है। इस मास 7, 8, 17, 18, 25, 26 दिनांक नेष्ट है।

अगस्त

इस मास कार्य करने की क्षमता में वृद्धि होगी। अपना कार्य दुगुने उत्साह से संपन्न करेंगे। रुके हुए कार्य पुनः प्रारम्भ होंगे। इच्छित योजनाएं साकार रूप लेगी। लम्बे समय से अटका धन प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को भी अध्ययन में विशेष लाभ होगा। अध्ययन में किये गये परिश्रम का शुभ परिणाम प्राप्त होगा। विवाह योग्य जातकों के संबंधों की चर्चा होगी व विवाह संबंध तय होंगे। प्रेम संबंध भी सफल होंगे व संबंध विवाह में परिणित होंगे। दंपतियों को सन्तति की प्राप्ति होगी। भाग्य में वृद्धि होगी। सभी प्रकार की सुख सम्पदा में वृद्धि होगी। आजीविका प्राप्ति के नये अवसर उत्पन्न होंगे। बेरोजगार जातकों को शीघ्र ही आजीविका प्राप्त होगी। व्यापारी वर्ग को भी लाभ होगा। इस मास 3, 4, 5,13, 14, 15, 22, 23, 30, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

इस मास मित्र व जनता का विशेष सहयोग प्राप्त होगा। विशेष रूप से राजनैतिक क्षैत्र से संबंधित जातकों को अपने कार्य में लाभ होगा। प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे बालकों के लिये यह मास अतिउत्तम रहेगा। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे जातकों की गहन शोध के प्रति रूचि बढेगी। नये विषयों का अध्ययन करेंगे। सन्तान पक्ष से शुभ सूचना प्राप्त होगी। भाई-बहनों से संबंध मधुर होगा व उनके सहयोग से रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे। त्वचा, मुख व वाणी संबंधित विकार हो सकते है। स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। इस मास 1, 9,

10, 11, 18, 19, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

इस मास व्यापारी वर्ग को उत्तम लाभ होगा। धन प्राप्ति के नये अवसर प्राप्त होंगे। नेत्र विकार हो सकते है। पिता को कष्ट व राजनीतिक पक्ष से बाधाऐं हो सकती है। ह्रदय व अस्थि विकार की संभावना हो सकती है। वात विकार से शारीरिक कष्ट हो सकता है। दिनांक १७ के उपरान्त साझेदार व जीवनसाथी के साथ अनबन हो सकती है। यात्रा के योग बनेंगे। मित्रों व समाज के साथ संबंध प्रगाढ होंगे। वाहन, भूमि आदि सुख साधनों का लाभ होगा। इस मास 7, 8, 16, 17, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

संतान से अनबन रह सकती है। नये विषयों का ज्ञान होगा। क्रोध व ऊर्जा में कुछ वृद्धि होगी। मुख, उदर व त्वचा संबंधित विकार हो सकते है। विद्यार्थियों को परिश्रम अधिक करना होगा, विद्याध्ययन व प्रतियोगी परिक्षाओं में कुछ बाधा रहेगी। मधुमेह, मूत्र विकार व गुप्त विकार हो सकते हैं। जीवनसाथी से व्यर्थ विवाद व आपसी अनबन रह सकती है। सन्तान संबंधित कष्ट होगा। भाई बहनों से संबंध उत्तम रहेंगे। परिश्रम का उचित फल न मिलने से निराशा हो सकती है। इस मास 3, 4, 12, 13, 20, 21, 22, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

भूमि, जमीन, प्रोपर्टी, वाहन संबंधित लाभ होंगे। उत्साह व ऊर्जा बढेगी। योग, औषधि, स्वास्थ्य आदि के प्रति रुचि बढेगी। परन्तु दुर्घटना, चोट, अग्निभय आदि की संभावनाऐं बढेगी। व्यर्थ के विवादों से बचना चाहिये। लाभ प्राप्ति के अवसर बढेगे। भोजनालय, रेस्टोरेन्ट, मशीनरी, प्रोपर्टी, अग्नि संबंधित कार्य करने वाले जातकों को लाभ होगा। बच्चों की खेल के प्रति रुचि बढेगी। खेल व खेल सामग्री से जुडे जातकों को विशेष लाभ होगा। मनोरंजन व सुख साधनों की प्राप्ति हेतु विशेष व्यय होगा। वाणी का प्रभाव बढेगा। माता व ननिहाल पक्ष से विशेष लाभ हो सकता है। इस मास 1, 2, 9, 10, 18, 19, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2025

इस मास विशेष सम्मान की प्राप्ति होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। क्रोध में कुछ वृद्धि होगी व मन में संताप होगा। नव दम्पत्तियों को सन्तान लाभ होगा। विद्याध्ययन में उन्नति होगी। सुख साधन व मनोरंजन के नवीन साधन उपलब्ध होंगे। शेयर मार्केट से संबंधित कार्य करने वालों को लाभ होगा। नौकरी आजीविका संबंधित बाधाऐं दूर होगी। पिता को लाभ होगा। अपने कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। वस्त्र उद्योग, साफ्टवेयर, कम्प्यूटर, सौन्दर्य प्रसाधन संबंधित कार्य करने वाले जातकों को लाभ प्राप्त होगा। विवाह योग्य जातकों के संबंध तय होंगे। इस मास 6 ,7, 14, 15, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस मास में आपके मन में भ्रम की स्थिति रहेगी। यात्रा व स्थान परिवर्तन के योग बनेंगे। विदेश यात्राओं हेतु भी यह मास उत्तम है। जीवनसाथी से कुछ अनबन रह सकती है। व्यापार में कुछ बाधा हो सकती है। भाई-बहनों से संबंध मधुर बनेंगे। जिन जातकों को आजीविका की चिंता है, उनकी चिन्ता दूर होगी। युवाओं को आजीविका के नए अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थियों हेतु भी यह मास उत्तम रहेगा। वाहन-भूमि आदि का सुख प्राप्त होगा। माता का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। पैरों व हाथ में चोट लगने की संभावना है। बायीं आँख में चोट लग सकती है। त्वचा संबंधित रोग हो सकते हैं। इस मास 2, 3, 10, 11, 12, 20, 21, 22 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

यह मास आपके लिए अधिकांशतः शुभ रहेगा। पराक्रम में वृद्धि, वाहन लाभ विद्याध्ययन में रूचि , शत्रु पराजय, भाग्योदय, आय के स्रोतों में वृद्धि एवं धार्मिक यात्राओं व सद्-व्यय से आप प्रफुल्लित रहेंगे। परन्तु जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ शिथिल रह सकता है। स्वयं का स्वास्थ्य भी रक्तविकार एवं वायुविकार के कारण कुछ प्रतिकूल रह सकता है। विद्याध्ययन में कुछ बाधाएं आ सकती है। भूमि संपत्ति एवं वाहनप्राप्ति के कुछ अच्छे योग बन सकते है। कार्यक्षेत्र में मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परन्तु कभी कभी विपक्षियों के हावी होने के कारण परेशानी हो सकती है। रोजगार के क्षेत्र में कड़े संघर्ष के उपरान्त सफलता प्राप्ति के योग बनते है। पारिवारिक वातावरण प्रायः अच्छा रहेगा। इस मास 1, 2, 10, 11, 20, 21, 29 दिनांक कुछ कष्टकारक हो सकती हैं।

कन्या राशि (टो पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

अप्रैल

इस महीने की शुरुआत आपके लिए बेहद अच्छी रहेगी। व्यक्तिगत जीवन व कार्यक्षेत्र में आप सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे। व्यक्तिगत जीवन में आप सौहार्दपूर्ण रिश्तों का आनंद लेंगे। इस माह आपका झुकाव आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों के प्रति अधिक होगा और आप इन कार्यों में सम्मिलित होंगे। कार्यस्थल पर अच्छा काम करने के कारण आपको पदोन्नति मिलने की संभावना है। सहकर्मी और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की प्रशंसा करेंगे। परन्तु कार्यक्षेत्र में साथ काम करने वाले लोगों से विवाद करने से बचें। भाई-बहन के साथ कर रहे व्यापार में लाभ की प्राप्ति होगी। इस माह आप कड़ी मेहनत से ढेर सारा धन कमाएंगे और आपको तरक्की के कई अवसर प्राप्त होंगे। यदि आप एक छात्र हैं तो परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए आपको पूरी एकाग्रता के साथ पढ़ना होगा। इस मास 9, 10, 18, 19, 20, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

यह महीना आपके लिए अच्छा रहेगा। इस अवधि में आप काम और वित्तीय मामलों को लेकर सुखद स्थिति का अनुभव करेंगे। कार्यस्थल पर आप अपने काम और बेहतर प्रदर्शन से अधिकारियों को प्रसन्न कर देंगे। इसके फलस्वरुप ऑफिस में आपको विशेष जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, साथ ही आपको मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आर्थिक मोर्चे पर इस माह धन का आवागमन अच्छा रहेगा और आप सुखमय जीवन व्यतीत करेंगे। इस अवधि में आप जो

भी निवेश करेंगे उससे लाभ की प्राप्ति होगी। व्यापार को बढ़ाने के लिए यह समय बिल्कुल उपयुक्त है। परिवार में शांति, सद्भाव, स्नेह और एकता बनी रहेगी। आपके घर का वातावरण बहुत ही अच्छा रहेगा। इसके अलावा आपका वैवाहिक जीवन भी बहुत सुखमय रहेगा। आप दोनों के रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। सार्वजनिक जीवन में लोग आपके सकारात्मक व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे और इससे आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी। इस मास 7, 8, 16, 17, 25, 26, 27 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

इस माह आप भाग्यशाली और खुशी रहेंगे। आप पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस अवधि में आप आवश्य निर्णय लेने हेतु साहस और बुद्धि से काम लेंगे। कार्यस्थल पर सफलता प्राप्त करने के लिए आप बेहतर प्रयास करेंगे और निश्चित ही आपको अपनी मेहनत का परिणाम मिलेगा। कार्य में अधिक व्यस्त रहने के कारण आप परिवार को ज्यादा समय नहीं दे पाएंगे। जीवनसाथी से आपके रिश्ते अच्छे बने रहेंगे लेकिन काम से समय निकालकर उनके साथ कुछ समय व्यतीत करें तो यह आपके संबंधों के लिए बेहतर होगा। बच्चे पढ़ाई-लिखाई में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे। वे अपनी क्षमता और योग्यता के अनुसार आगे की पढ़ाई के लिए विषय चयन कर सकते है। यदि आप छात्र हैं तो इस महीने ऊर्जा से भरपूर रहेंगे और समय का भरपूर प्रयोग करेंगे। इस मास 3, 4, 12, 13, 22, 23, 30 दिनांके नेष्ट रहेगी।

जुलाई

इस महिने आपकी पदोन्नति और वेतन में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। वहीं पारिवारिक जीवन भी इस माह अच्छा रहने वाला है। इस महीने आपको भाग्य का सहयोग प्राप्त होने वाला है। कार्यस्थल पर आप अपने अच्छे प्रदर्शन से सबको आश्चर्यचकित कर देंगेइस दौरान आप परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं और उनके साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इस माह घर पर शादी-विवाह व अन्य मांगलिक कार्यों का आयोजन संभव होगा। इस माह धन का आवागमन अच्छा रहने से आपको किसी प्रकार के आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा, लेकिन जोखिम भरे मामलों में निवेश करने से बचें। निवेश करने से पहले अच्छी तरह शोध कर लें। आप उत्साह और आत्म विश्वास से भरपूर रहेंगे इसलिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। अगर बात करें आपके बिजनेस की तो, आपका व्यावसायिक साझेदार असंतुष्ट दिखाई दे सकता है इसलिए सभी मतभेदों को सुलझाएं और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें। अंत में इस माह सेहत को लेकर कोई लापरवाही नहीं बरतें। यदि किसी बीमारी से पीड़ित हैं तो नियमित जांच और परामर्श लें। इस मास 1, 9, 10, 11, 19, 20, 27, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

यह महीना आपके पिता के लिए अच्छा रहेगा। इस अवधि में उनकी स्थिति मजबूत रहेगी और उन्हें प्रसिद्धि मिलेगी, साथ ही समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परोपकारी कार्यों में उनकी सहभागिता रहने से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। परिवार के प्रत्येक सदस्यों से आपको स्नेह और सहयोग मिलेगा। यह समय आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगा। इस दौरान आपको माता-पिता से भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी। महीने के अंतिम दिनों में जीवनसाथी/प्रियतम के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। जीवनसाथी की सेहत आपके लिए चिंता का कारण बन सकती है, इसलिए उनका विशेष ध्यान रखें। यह समय किसी भी तरह का लोन या कर्ज लेने के लिए उपयुक्त नहीं है, अतः सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वित्तीय नुकसान हो सकता है। इस मास 6, 7, 16, 17, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

यह महीना विशेषकर महिला जातकों के लिए अच्छा नहीं रहेगा। इस माह उन्हें कुछ शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए अपना ध्यान रखें और डॉक्टर से परामर्श लेते रहें। आप अपने व्यक्तिगत जीवन में कुछ परेशानियों को महसूस करेंगे। वहीं कार्यस्थल पर सहकर्मीयों व वरिष्ठों के साथ अच्छे संबंध बनाकर चलें। कार्यक्षेत्र में किसी की बुराई करने से बचें और सभी से विनम्रता से बात करें। महीने के उत्तरार्ध में रिश्तों को लेकर अपना दृष्टिकोण साफ रखना होगा। आपकी उन्नति में जीवनसाथी का महत्त्वपूर्ण योगदान होगा और आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। इस माह आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी और यदि आप किसी योजना में निवेश करेंगे तो आपको इससे अच्छा लाभ होगा। इस मास 2, 3, 12, 13, 20, 21, 29, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

आप इस महीने स्वस्थ रहेंगे हालांकि मानसिक रूप से थोड़े परेशान रह सकते हैं। इस कारण उनकी एकाग्रता और सोचने की क्षमता पर प्रभाव पड़ेगा, इसलिए नकारात्मक विचारों को अपने ऊपर बिल्कुल हावी नहीं होने दें। मानसिक शांति के लिए आपको योग व प्राणायाम का सहारा लेना चाहिये। इस माह वैवाहिक जीवन में विषम परिस्थितियां उत्पन्न होगी। इस दौरान छोटा मतभेद भी किसी बड़े विवाद का कारण बन सकता है। महीने के उत्तरार्ध में भी आपको वैवाहिक जीवन में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए सावधान रहें। वहीं इस माह पारिवारिक संबंधों में भी आपको उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपका अपने साझेदार से विवाद हो सकता है। वे जातक जो अकेले हैं इस माह किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा कर सकते हैं। इस माह आप व्यर्थ के कामों में अपनी ऊर्जा नष्ट नहीं करें बल्कि अपना ध्यान लक्ष्य की ओर रखें। कार्यक्षेत्र में उन्नति इस माह अच्छी रहने वाली है और पदोन्नति के योग बन रहे हैं। आर्थिक मामलों में आंख मूंदकर किसी पर विश्वास ना करें, यह आपके लिए बेहतर होगा। इस मास 1, 9, 10, 18, 19, 26, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

यह महीना उन छात्रों के लिए अच्छा रहने वाला है, जो कलात्मक विषय की पढ़ाई कर रहे

हैं। इस अवधि में वे अपने अंदर छुपी हुई प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और प्रशंसा पाएंगे। वहीं दूसरी ओर इस माह आपकी आर्थिक स्थिति और बेहतर होगी एवं आप कोई नई संपत्ति खरीद सकते हैं। इस दौरान आपके खर्चों में अत्यधिक वृद्धि भी होगी। जातक जो विदेशों में काम कर रहे हैं उन्हें कार्य स्थल पर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, अत: वे धैर्य से काम लें। क्योंकि इस अवधि में जो भी विवाद व मतभेद सामने आएंगे वे जल्द ही हल हो जाएंगे। वे जातक जो इस माह विदेश जाने की योजना बना रहे हैं उन्हें अभी अपने इस विचार को त्याग देना चाहिए। क्योंकि यह महीना विदेश यात्रा के लिए उपयुक्त नहीं है। आपको कई अच्छे अवसर मिलेंगे लेकिन अच्छा अवसर सही समय पर ही आएगा। पारिवारिक जीवन में तनाव और विवाद की संभावना है। घर में जीवनसाथी और परिजनों के साथ मनमुटाव हो सकता है, इसलिए सभी मतभेदों को धैर्य और परिपक्वता के साथ निपटाएं। इस मास 5, 6, 7, 14, 15, 23, 24 दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

इस महीने आप को कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और काम में सफलता मिलने से आप प्रसन्न रहेंगे। विदेशी संपर्क और संबंध आपके लिए लाभकारी होंगे और उनक द्वारा आपको अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। छोटे भाई-बहनों के लिए यह महीना अच्छा रह सकता है क्योंकि इस दौरान उच्च शिक्षा के लिए उनके विदेश जाने की संभावना बन रही है लेकिन इस संबंध में थोड़ी सावधानी बरतें। आप मानसिक रूप से बेहद खुश रहेंगे और आपके उत्साह में वृद्धि होगी। माँ का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, पुराने रोग शान्त होंगे। सामाजिक कार्यो में उनकी सहभागिता रहने से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, साथ ही वे आर्थिक रूप से आपकी मदद भी करेंगी। इस महीने आप तीर्थदर्शन के लिए जा सकते हैं। इस महीने आपकी सेहत अच्छी रहेगी लेकिन नियमित व्यायाम करना आपके लिए और भी लाभकारी रहेगा। इस मास 3, 4, 11, 12, 13, 20, 21, 22, 30, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2025

इस महीने में आप को स्वास्थ्य संबंधी समस्या का सामना करना पड़ सकता है, विशेष रूप से पेट से जुड़ी कोई बीमारी परेशान कर सकती है। इसलिए अपने खानपान पर विशेष ध्यान दें। मुंह में छाले, घाव और नेत्र संबंधी पीड़ा भी हो सकती है। पारिवारिक जीवन इस माह अच्छा रहने वाला है। घर-परिवार में खुशियां बनी रहेगी और आप परिजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। जीवनसाथी आपको कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा और आप दोनों के बीच अच्छे संबंध रहेंगे। कार्य स्थल पर आप कठिन परिश्रम करेंगे और आपको सफलता प्राप्त होगी। इस माह विरोधी आपको चोट पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन वे सफल नहीं हो पाएंगे। इस माह आप अपना सारा उधार चुका देंगे और आपकी वित्तीय स्थिति में मजबूती आएगी। शेयर बाजार में पूंजी निवेश करने से बचें अन्यथा बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। वे छात्र जो उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की योजना बना रहे हैं उन्हें सलाह की आवश्यकता होगी। इसलिए सही मार्गदर्शन और सुझाव लेकर ही आगे बढ़ें। इस मास 8, 9, 16, 17, 18, 26, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस महीने में आपको को किसी भी तरह की आर्थिक चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ेगा, बल्कि इस अवधि में उन्हें अच्छा लाभ होने की संभावना है। क्योंकि इस दौरान किए गए निवेश से अप्रत्याशित लाभ होगा। यदि आपने प्रॉपर्टी में कोई निवेश किया हो तो बड़ा लाभ मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, साथ ही जीवनसाथी की ओर से मिलने वाले आर्थिक योगदान से परिवार की आय में वृद्धि होगी। इस माह आपको व्यवसाय में भी सफलता मिलने के योग हैं। इस समय अवधि में भाई-बहन या दोस्तों के साथ मिलकर किसी बिजनेस की शुरुआत करना आपके लिए लाभकारी हो सकती है। जो जातक साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं उन्हे साझेदार की मदद से लाभ की प्राप्ति होगी। इस मास आपके दयालु स्वभाव और मधुर वाणी के कारण आपकी प्रशंसा होगी। इस मास 4, 5, 13, 14, 23, 24 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

यह महीना आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेगा। आपका आकर्षक व्यक्तित्व लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगा। इस अवधि में आपके द्वारा विवेकपूर्ण तरीके से लिए गए फैसलों से अच्छे परिणाम प्राप्त होने की संभावना है। आपका पारिवारिक जीवन हर्ष और उल्लास से भरा होगा और आप परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। इसके अतिरिक्त जीवनसाथी के साथ आपका बंधन और भी मजबूत होगा एवं आप दोनों एक साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इस माह आपको मिलने वाली सफलता से आपके माता-पिता बहुत प्रसन्न होंगे। साथ ही उनकी ओर से मिलने वाला स्नेह और सहयोग आपके लिए लाभकारी रहेगा। इस माह आपके माता-पिता को भी कोई अप्रत्याशित लाभ मिलने की संभावना है। कुछ विवाहित जोड़े मिलकर कोई संपत्ति खरीद सकते हैं। परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र या परिणाम का इंतजार कर रहे छात्र, दोनों के लिए यह समय अच्छा रहने वाला है। इस अवधि में आपको सफलता प्राप्त होगी। नए दोस्त बनने से सामाजिक प्रभाव बढेगा । दोस्तों और परिजनों के बीच आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। इस मास 3, 4, 12, 13, 22, 23 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

तुला राशि (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

अप्रैल

इस माह आर्थिक लाभ होने की संभावना दिखाई दे रही है लेकिन इस अवधि में व्यर्थ खर्च करने से बचें। आपके पिता को किसी गंभीर समस्या का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए सावधान रहें। इस माह मानसिक तनाव अधिक होने की वजह से व्यावसायिक जीवन में आप

थकान और परेशानी महसूस करेंगे। इस दौरान वरिष्ठों के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं, जिन्हें सुलझाने की आवश्यकता होगी वरना इस कारण से कार्यस्थल पर आपकी एकाग्रता भंग होगी। अपने काम में गुणवत्ता लाने के लिए आप अधिक से अधिक प्रयास करेंगे। इस माह आप ज्यादा प्रसन्न नहीं रहेंगे, इसलिए बीती हुई बातों को याद ना करें और आराम करें। क्योंकि ज्यादा सोचने और निराश होने से आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। इस माह वैवाहिक जीवन के भी सुखद और समृद्ध रहने की पूरी संभावना है। आप जीवनसाथी के साथ बहुत ही अच्छे पल व्यतीत करेंगे। इस मास 11, 12, 21, 22, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

इस माह आपके पिता को सेहत संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए उनकी खास देखभाल करें। जरा सी लापरवाही उनके स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो सकती है। यदि बात करें आपकी प्रोफेशनल लाइफ की तो, इस माह सीनियर्स के साथ कुछ परेशानियां हो सकती हैं। सहकर्मियों की वजह से उच्च अधिकारियों के साथ भी विवाद की स्थिति बन सकती है। इसलिए ऑफिस में बेकार की बातें करने से बचें। इस माह अपने कार्यक्षेत्र में होने वाली परेशानियों का आपके व्यक्तिगत जीवन पर बुरा असर पड़ेगा। समझदारी से काम लेने की वजह से सब कुछ ठीक हो जाएगा। इस महीने मेडिकल संबंधी खर्च अधिक होने की वजह से आपका बजट बिगड़ सकता है। हालांकि इस माह आपकी सेहत बहुत अच्छी रहने वाली है लेकिन फिर भी स्वास्थ्य को लेकर कोई लापरवाही नहीं बरतें। आपका रुझान आध्यात्मिकता और रहस्यमयी विज्ञान जैसे विषयों की ओर बढ़ेगा। इस मास 1, 2, 9, 10, 18, 19, 20, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

यह महीना आपके लिए बहुत ही सकारात्मक और अच्छा रहने वाला है। इस माह आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप अपने सभी अधूरे कार्यों को पूर्ण कर लेंगे। आपको लगातार सफलता मिलेगी और कठिन परिश्रम से उत्तम फल की प्राप्ति होगी। इस माह आध्यात्मिक चिंतन को लेकर आपकी रुचि बढ़ेगी। महीने के उत्तरार्ध में व्यक्तिगत जीवन में सुधार होगा। इस दौरान सभी तरह की चिंताएं खत्म होंगी और परिजनों से स्नेह और सहयोग मिलेगा, विशेषकर परिवार के बड़े लोगों से। इस माह आपकी आर्थिक स्थिति तो ठीक रहेगी लेकिन आपको खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा, इसलिए बेवजह खर्च ना करें। आमदनी के नए साधन मिलने से पारिवारिक आय में बढ़ोत्तरी होगी। इसके अलावा कुछ लोगों का कानूनी मामलों का भी सामना करना पड़ सकता है । अपनी व्यस्त दिनचर्या से कुछ समय निकालकर योग करें। यह आपकी सेहत के लिए अत्यंत लाभकारी रहेगा। इस मास 5, 6, 14, 15, 16, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई

आर्थिक पक्ष से भी यह महीना आपके लिए अच्छा नहीं होगा। अचानक कोई आर्थिक नुकसान होने की वजह से वित्तीय स्थिति पर बुरा असर पड़ सकता है। इस अवधि में पैसा उधार देने और उधार लेने से बचें। इस माह आप को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सेहत पर खासतौर से ध्यान देने की जरुरत होगी। इस दौरान कुछ लोग हृदय और पेट से संबंधी बीमारी से परेशान रह सकते हैं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं दिखाई दे रहा है, इसलिए स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें। घर में या बाहर रहते हुए किसी प्रकार की शीघ्रता ना करें, यही आपके लिए बेहतर होगा। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, क्योंकि दुर्घटना की आशंका नजर आ रही है। इन सबके अलावा आपके पारिवारिक जीवन में तनाव बढ़ सकता है। इस दौरान गलतफहमी की वजह से विवाद की संभावना है, विशेषकर घर की महिलाओं से रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी काम की अधिकता की वजह से आप व्यस्त और तनाव में रहेंगे। इस मास 2, 3, 4, 12, 13, 21, 22, 30, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

इस महीने में आपको व्यक्तिगत जीवन में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। संतुलन की कमी की वजह से स्थिति और भी बिगड़ सकती है, इसलिए कार्यक्षेत्र और व्यक्तिगत जीवन में खुशियों के लिए शांति और संतुलन बनाकर चलें। आर्थिक रूप से यह महीना आपके लिए समृद्धशाली रहेगा और इस दौरान आपको अचानक कोई वित्तीय लाभ हो सकता है। पारिवारिक व्यवसाय भी अच्छे से चलता रहेगा और आमदनी बढ़ेगी। वहीं दूसरी ओर व्यावसायिक साझेदार से कुछ मामूली परेशानी हो सकती हैं, लेकिन यदि कुशलता के साथ काम लेंगे तो ये परेशानी आसानी से हल हो जाएगी। इस माह आमदनी अच्छी रहेगी लेकिन जीवन में खुशियों का अभाव रहेगा। विवाहित जातकों के लिए भी समय अच्छा नहीं है। वैवाहिक जीवन में कुछ बड़े समस्याएं आ सकती हैं, जिन्हें बहुत ही नरमी के साथ हल करने की कोशिश करनी होगी अन्यथा आपको कानूनी मामलों का भी सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह माह अच्छा रहने वाला है। इस मास 8, 9, 10, 18, 19, 26, 27 दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

आर्थिक लिहाज से यह महीना आपके लिए सामान्य रहने वाला है। इस अवधि में यदि आप कोई बड़ा निवेश करने के बारे में सोच रहे हैं तो रुक जाएं। क्योंकि यह समय इस काम के लिए उपयुक्त नहीं है। इस माह अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। पेट संबंधी कुछ रोगों से पीड़ित रह सकते हैं। यदि आप सेहतमंद रहना चाहते हैं तो अपनी संयमित जीवनशैली और स्वच्छ भोजन की आदत डालें। यह माह आपके जीवनसाथी को सेहत के लिए बिल्कुल ठीक नहीं है। इस दौरान वे हाई ब्लड प्रेशर, बुखार या संक्रमण की समस्या से पीड़ित रह सकते हैं, इसलिए थोड़ा सावधान रहें। इस माह आपके विरोधी मजबूत स्थिति में रहेंगे और आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे, अतः थोड़ी सावधानी रखें। अपने कार्यक्षेत्र और व्यक्तिगत जीवन में जल्दबाजी में आकर कोई भी निर्णय लेने से बचें, क्योंकि ऐसा करना आपके लिए घातक साबित हो सकता है। आपके व्यक्तिगत जीवन में विवाद और अशांति रह सकती है। प्रियजनों के साथ रिश्तों में दूरियां आ सकती है। हालांकि प्रयास करने से रिश्तों में सुधार होगा और संबंध सामान्य हो जाएंगे। इस मास 4, 5, 6, 14, 15, 22, 23 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

यह महीना आपके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहेगा। मानसिक तनाव और क्रोध की अधिकता से हालात और भी खराब होने की संभावना है। इस दौरान बड़े भाई-बहनों से विवाद हो सकता है। आपके कड़वे शब्द और बेवजह के विवादों में उलझने से लोग आपकी निंदा करेंगे। कुल मिलाकर शांतिपूर्ण जीवन के लिए इस माह आपको अपने क्रोध और स्वभाव पर नियंत्रण रखना होगा। माह के उत्तरार्ध में बच्चों की शिक्षा में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, इसलिए आपको उनको अतिरिक्त समय देना होगा। किन बच्चों से दोस्ती की जाए इस बात को भी लेकर उन्हें आपसे सलाह की आवश्यकता होगी वरना ऐसा भी हो सकता है कि वे गलत संगत में पड़ जाएं। गर्भवती महिलाओं के लिए समय थोड़ा सावधानी से चलने वाला है, अतः ज्यादा तनाव न लें, खुश रहें और डॉक्टरी परामर्श लेते रहें। जुलाई के महीने में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए आपको अपने विचारों में स्पष्टता रखनी होगी। इस मास 2, 3, 11, 12, 13, 20, 21, 29, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

इस माह आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए अपने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दें। क्योंकि किसी भी तरह की लापरवाही कष्टकारक हो सकती है। इस महीने आप घर पर हालात को बेहतर करने के लिए अपनी ओर से पूरी कोशिश करेंगे। वहीं कार्य स्थल पर भी आप सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। अपने बेहतर काम से मिलने वाली प्रशंसा से आप खुद हैरान हो जाएंगे। वरिष्ठों और उच्च अधिकारियों से अच्छे संबंध रखने से आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आपका पारिवारिक जीवन भी सुखद और आनंदमय व्यतीत होगा। इस दौरान परिवार में शांति और सद्भाव का वातावरण रहेगा। जून के महीने में आपके व्यक्तिगत संबंधों में कुछ बदलाव होंगे और नए रिश्ते बनने की भी संभावना है। महिला जातकों को प्रेम-प्रसंग में आनी वाली परेशानियों को लेकर सावधान रहना होगा। क्योंकि संभव है कि प्रेम-प्रसंग के मामले में धोखा हो जाएं। इस दौरान संबंध टूट भी सकते हैं। इस मास 8, 9, 16, 17, 25, 26, 27 दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

आप इस माह कठिन परिश्रम से धन कमाएंगे। कार्यस्थल पर आपकी कड़ी मेहनत और बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए आपको पदोन्नति प्राप्त हो सकती है, साथ ही कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। जो जातक व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें इस माह अप्रत्याशित मौद्रिक लाभ मिल सकता है। इस मास जो भी निवेश करें सूझबूझ और दूरदृष्टि रखते हुए करें। यह महीना आर्थिक मामलों में बेहद अच्छा रहने वाला है। इस अवधि में आपको धन कमाने के कई नए अवसर मिलेंगे, जिससे आपकी वित्तीय स्थिति और सुदृढ होगी। घर और बाहर दोनों जगह कठोर भाषा बोलने से बचें, क्योंकि इससे किसी की भावनाओं को चोट पहुंच सकती है और ये आपके लिए परेशानी का कारण बन सकती है। इस माह आपकी रुचि कलात्मक कार्यों के प्रति ज्यादा रहेगी और विभिन्न कलात्मक गतिविधियों में शामिल होंगे। आपके बड़े भाई-बहनों के लिए यह समय बेहद समृद्धशाली रहेगा और परिवार में उनकी स्थिति और मजबूत होगी। इस मास 5, 6, 14, 15, 23, 24 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2025

इस माह में आप को अपनी भाषा और शब्दों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। क्योंकि इस कारण गलतफहमी होने की आशंका बन रही है। इस माह आय बढ़ने के साथ-साथ खर्च भी बढ़ेंगे। यदि आप अपने व्यापार का विस्तार करना चाहते हैं तो यह समय आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा और आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पारिवारिक जीवन में उतार-चढ़ाव होने से आप थोड़ा तनाव अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद होने से छोटे-मोटे विवाद हो सकते हैं, इसलिए समय रहते हुए इन सभी समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें अन्यथा स्थिति और बिगड़ सकती है। इसके अलावा व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान के लिए आपको साहस दिखाते हुए पहल करनी होगी। इस मास में बच्चे पढ़ाई-लिखाई में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उनके बारे में ज्यादा चिंता करने की आवश्यकता नहीं होगी लेकिन उनका ध्यान अवश्य ही रखना होगा। इस मास 1, 2, 10, 11, 19, 20, 29, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस माह परिजनों से आपको बहुत प्यार मिलेगा। परिवार की महिलाओं से आपको अप्रत्याशित लाभ प्राप्त हो सकता है। आप ज्यादातर दिन तनाव मुक्त और उत्साहित जीवन व्यतीत करेंगे। इस महीने आपके व्यापारिक क्षेत्र में बहुत से सकारात्मक बदलाव होंगे। आपके काम और कठिन परिश्रम की प्रशंसा की जाएगी। ऐसे में यदि आप नौकरी में हैं तो इस माह आपको पदोन्नति मिलने की संभावना है। कार्य की अधिकता के चलते तनाव नहीं लें अन्यथा आप आत्मविश्वास की कमी अनुभव कर सकते हैं। इस माह आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी और आप कठिन परिश्रम से धन कमाएंगे। स्वभाव में उग्रता अधिक रहने से विषम परिस्थितियां उत्पन्न होंगी और कुछ लोग आपके विरोधी बन जाएंगे, अतः आप अपने मित्रवत व्यवहार और मधुर भाषा से संबंध बनाये रखने का प्रयास करें। इस महीने स्वास्थ्य को लेकर बिल्कुल लापरवाही नहीं बरतें। नेत्र से संबंधी पीड़ा आपको परेशान कर सकती है। इस मास 6, 7, 15, 16, 17, 25, 26 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

इस माह परिवार में आपके पिता का मान और बढ़ेगा। घर में कोई विवाद की स्थिति बनती है तो उनके दखल देने से मामला शांत हो जाएगा। आपके जीवनसाथी का विवाद घर के किसी बड़े सदस्य के साथ हो सकता है और यह बात आपको परेशानी कर सकती है। यदि आप पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव चाहते हैं तो इस तरह के घरेलू मुद्दों को बेहद परिपक्वता के साथ सुलझाएं। बच्चों के साथ स्नेह बढेगा। शांति और संयम के साथ काम लें अन्यथा परिस्थितियां नियंत्रण से बाहर जा सकती है। इस माह बड़े भाई-बहनों के साथ भी आपके रिश्ते अच्छे रहने की संभावना कम है। कठिन वक्त के दौरान संयम बनाए रखें और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। इस माह खर्च अधिक रहने की संभावना है इसलिए इस अवधि में सोच-समझकर पैसा खर्च करें। इन सबके अलावा जीवनसाथी के स्वास्थ्य का

ध्यान रखें, साथ ही उनके खानपान पर भी ध्यान दें। इस मास 5, 6, 14, 15, 16, 24, 25, 26 दिनांक नेष्ट रहेगी।

वृश्चिक राशि (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

अप्रैल

इस महीने आप अपने कार्य पर ज्यादा ध्यान देंगे और इस कारण आप अपने पारिवारिक जीवन को कम समय दे पायेंगे। जीवनसाथी के साथ आपके आपके रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं, लिहाजा ऐसी स्थिति को न आने दें और अपने पारिवारिक व व्यावसायिक जीवन के बीच सामंजस्य बिठाने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र में यह माह आपके लिए आसान नहीं है। इसमें आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सहकर्मियों से भी आपके रिश्ते बिगड़ सकते हैं। इस दौरान आप सभी के साथ अपना मधुर व्यवहार बनाए रखें और किसी को अपशब्द न कहें। व्यापार की दृष्टि से यह महीना आपके लिए अच्छा रहेगा परंतु व्यापार में साझेदार के साथ आपकी बन नहीं रही है तो आपको इस समस्या का समाधान निकालना होगा। स्वास्थ्य पक्ष से आपको इस महीने थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है। किसी दुर्घटना से आपको चोट भी लग सकती हैं। वाहन चलाते समय जल्दबाजी न करें और अधिक गति से गाड़ी न चलाएँ। वहीं अपने पिताजी की सेहत का भी खघ्याल रखें। घर में परिजनों से आपके संबंध अच्छे रहेंगे। मास 13, 14, 15, 23, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

इस महीने आप अपने कार्य को नये उत्साह से व बड़े ही कलात्मक ढंग से करेंगे। नई-नई चीजों को सीखने जानने के लिए आप लालायित रहेंगे और अपनी प्रतिभा का विकास करेंगे। आपकी कलात्मक शैली की प्रशंसा होगी और यह प्रशंसा आपको ऊर्जावान बनाएगी। अपने उत्कृष्ट कार्य से आपको भी प्रसन्नता होगी। कार्टूनिस्ट, समीक्षकों, लेखकों और व्यंगकारों के लिए यह माह उत्तम रहेगा। उन्हें अपने क्षेत्र में विशेष सफलता मिलने के योग हैं। माह के दूसरे चरण के बाद कार्यक्षेत्र आपको अपने वरिष्ठकर्मियों के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखना होगा। आपके घरेलू जीवन में कोई मांगलिक कार्य के होने संभावना दिखाई दे रहे हैं। विवाहित जोड़ों को संतान प्राप्ति के भी योग हैं। इस मास 3, 4, 11, 12, 21, 22, 30, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

जून माह आपके लिए उत्तम रहेगा। आपके घर का वातावरण सामान्य रहेगा और रिश्तों को सुधारने में भी आपको सफलता मिलने की संभावना है। हालाँकि छोटे-मोटे विवाद सामने आ सकते हैं परंतु आपको इसमें चिंता करने की जरुरत नहीं है। कार्यक्षेत्र में सफलता पाने के लिए आप अधिक परिश्रम करेंगे। नौकरी में आपकी आय में वृद्धि होने के योग हैं और यदि आप अपनी वर्तमान नौकरी में परिवर्तन करने का विचार कर रहे हैं तो समय आपके लिए अनुकूल है। इस महीने में आपको शुभ परिणामों की प्राप्ति होगी। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में बहुत ही अच्छा वातावरण देखने को मिलेगा। पढ़ाई पूरी कर चुके छात्रों को नौकरी प्राप्त होगी। इस माह आप अधिक ऊर्जावान रहेंगे और आपके अंदर सकारात्मक उत्साह दिखाई देगा। अपने उद्देश्यों को भी आप पूरा करेंगे। 7, 8, 9, 17, 18, 26, 27 दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जुलाई

जुलाई माह आपके लिए सामान्य रहेगा। आर्थिक दृष्टि से जुलाई मास आपके लिए ज्यादा अनुकूल नहीं है। आपके खर्चों में वृद्धि की संभावना है। साथ ही आपके सामने आर्थिक संकट की स्थिति भी आ सकती है। अपने अनावश्यक खर्चों में लगाम लगाएँ और धन की बचत पर ध्यान दें। आपकी निजी समस्या आपके कार्यक्षेत्र को प्रभावित कर सकती है। अपने कार्य में ध्यान दें और तनाव को अपने ऊपर हावी न होने दें। इस दौरान आपकी ऊर्जा में कमी देखी जा सकती है। पढ़ाई में बच्चों का कमजोर प्रदर्शन आपके तनाव का कारण बन सकता है। वहीं यदि आप व्यापार में साझेदारी कर रहे हैं तो सावधान रहने की आवश्यकता है, क्योंकि इस दौरान आपको धोखा हो सकता है। मन में नकारात्मक विचारों को कघ्तई जगह न दें और विपरीत परिस्थितियों का डटकर सामना करें। अपनी वाणी में संयम रखें। 5, 6, 14, 15, 16, 23, 24 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अगस्त

आर्थिक दृष्टि से आपके लिए अगस्त माह अच्छा रहेगा। यदि आप अपने बेवजह के व्यय पर लगाम लगाएंगे तो आपको इसमें और भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए आपको इस मास प्रयास करने होंगे। धन संबंधित क्षेत्र में किसी पर विश्वास करना आपके लिए नुकसानदायक रह सकता है। पारिवारिक जीवन में भी आपको सावधान रहना होगा। जीवनसाथी और परिवार के अन्य सदस्यों के सामने कोई बड़ी चुनौती आ सकती है। आप अपने परिवार से दूर भी जा सकते हैं। प्रेम संबंधों हेतु यह मास शुभ रहने वाला है। निजी जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए बड़े-बजुर्गों की सलाह लें। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह मास आपके लिए सामान्य रहेगा। स्वस्थ रहने के लिए आप योग व ध्यान कर सकते हैं। अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएँ और अपने लक्ष्य पर ध्यान दें। 1, 2, 11, 12, 20, 21, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

सितम्बर

सितम्बर माह आपके के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। इस महीने आपको अपने भाग्य को सुधारने के कई अवसर प्राप्त होंगे। इस माह लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा आपके योग में है। निजी अथवा व्यवसाय संबंधित कारणों से आप विदेश यात्रा पर भी जा सकते हैं। जो छात्र अनुसंधान एवं विकास संबंधी विषय से जुड़े हुए हैं उन्हें अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आर्थिक क्षेत्र में आपको उतार-चढ़ाव की परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। अचानक लाभ अथवा हानि संभव है। इस माह मित्रों के सहयोग से व्यापार करना आपके लिए लाभकारी रहेगा। आपको अपने पैतृक व्यवसाय मे समझदारी से फैसले लेने होंगे। वैवाहिक जीवन में आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी के साथ किसी प्रकार का

विवाद भी संभव है। अपने जीवनसाथी की भावनाओं का ध्यान रखें और उनके साथ अधिक से अधिक समय बिताएँ। अपने प्रेम जीवन पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। कोई आपको धोखा दे सकता है इसलिए आप सतर्क रहें। इस मास 6, 7, 16, 17, 25, 26 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर

इस साल अक्टूबर माह की शुरुआत में आपके खर्च्च में वृद्धि संभव है। आपके लिए अच्छा तो यह रहेगा कि आप अपने व्यर्थ के खर्च्चो पर नियन्त्रण करें और धन का व्यय समझदारी के साथ करें। इस दौरान न तो किसी से उधार लें और न ही किसी को उधार दें। आपके पारिवारिक एवं निजी संबंधों में कमी रह सकती है और इस अवस्था से आपको उभरने के लिए काफी प्रयास करने होंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से इस महीने आपको ज्यादा सावधान रहने की आवश्यकता है। इस महीने आपको ज्वर और संक्रमण रह सकता है। इसके अलावा आपको चोट भी लग सकती हैं। आपको अजीर्ण की भी शिकघयत रह सकती है इसलिए अपने खघन-पान पर भी विशेष ध्यान दें। माह का दूसरा चरण स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा है। इसमें आपके निजी संबंध भी सुधरते हुए नजर आएंगे। इस दौरान आप सकारात्मक भाव से सोचेंगे। इस मास 4, 5, 6, 14, 15, 22, 23, 31 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

नवम्बर

आपके लिए नवम्बर माह थोड़ा प्रतिकूल रहेगा। इस महीने आपको हर क्षेत्र में थोड़ा ध्यान रखना होगा। आपके पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में परिस्थितियाँ आपके विपरीत हैं। यदि आपने इन परिस्थितियों को सुधारने का प्रयास नहीं किया तो आपके रिश्ते में समस्या पैदा हो सकती है। यदि आपने समझदारी के साथ कघ्दम बढ़ाया तो ऐसी परेशानियाँ नहीं आएंगी। संतान पक्ष से आपको कोई सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है। पढ़ाई में उनकी सफलता आपकी खुशियों का कारण बनेंगी। नई विद्याओं को सीखने में आपकी रुचि बढ़ेगी और आप अपने काम को और कलात्मक तरीकघ्े से करेंगे। आपके आत्मविश्वास एवं साहस में वृद्धि होगी। इस माह आपके आसपास एक सकारात्मक वातावरण पैदा होगा। नौकरी क्षेत्र से जुड़े जातकों के लिए यह महीना विशेष रहने वाला है। आपके कार्यो की प्रशंसा होगी और आपकी पदोन्नति के भी योग बनेंगे। किसी क्षेत्र में किया गया निवेश आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा। इस मास स्टॉक मार्केट में निवेश करने से भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। इस मास 1, 2, 10, 11, 18, 19, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

दिसम्बर

दिसंबर मास आपके लिए उत्तम रहेगा। अपने कार्यक्षेत्र में आपको आगे बढ़ने की कई अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। अपने कार्यक्षेत्र में अनुकूल स्थिति रहेगी। विद्यार्थी अपनी शिक्षा के साथ-साथ आजीविका हेतु नौकरी आदि भी कर सकते हैं। पिताजी को विशेष लाभ होगा। सामाजिक रूप से भी यह मास उत्तम रहेगा। परन्तु वैवाहिक जीवन में कुछ समस्याएँ आ सकती है। इस दौरान जीवनसाथी की भावनाओं को समझने का प्रयास करें व उसके अनुसार व्यवहार करें। अपने घर में कुछ नवनिर्माण का कार्य इस महीने करा सकते हैं। जो जातक कला क्षेत्र से संबंध रखतें है उनको सफलता मिलने के योग हैं। इस मास आपको धन और प्रतिष्ठा दोनों प्राप्त होगी। इस मास 7, 8, 16, 17, 25, 26, 27 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जनवरी 2025

यह मास आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। यदि आप छात्र है तो इस माह में आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। विदेश में शिक्षा पाने की इच्छा रखने वाले छात्रों की इच्छा पूर्ण होगी। आपके पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में खघुशियों का आगमन होगा। प्रेम जीवन अच्छा रहेगा। आप अपने जीवनसाथी अथवा प्रेमसाथी के साथ मधुर पल व्यतीत करेंगे। परिजनों से वार्तालाप करते समय आप अच्छे शब्दों का चयन करें। घर में किसी को ऐसी बात न बोलें जिससे उन्हें ठेस पहुँचे। इस माह आपको अपने पुराने प्रयासों का शुभ परिणाम प्राप्त होगा और आपके सभी काम पूर्ण होंगे। आपकी रुचि आध्यात्मिक क्रियाओं की ओर बढ़ेगी। सामाजिक जीवन में आपको कई अवसर प्राप्त करेंगे जिससे आपको अच्छी पहचान मिलेगी। फलस्वरूप सोसायटी में न केवल आपका रुतबा बढ़ेगा, बल्कि आपके दोस्तों की संख्या में भी गुणात्मक रूप से वृद्धि होगी। इस मास 3, 4, 5, 12, 13, 21, 22, 23, 31 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी

इस माह आपके सामने उतार-चढ़ाव भरी परिस्थितियाँ रहेगी। घर का माहौल अशांत रह सकता है। परिजनों के बीच गलतफहमी, संवाद का अभाव, तनाव आदि रह सकता है। प्रयास करें कि घर में आपका व्यवहार विनम्र रहे और बातचीत के माध्यम से पारिवारिक समस्याएँ को सुलझाने में आप पहल करें। यदि आपके वैवाहिक जीवन में आपको अपने जीवनसाथी पर विश्वास सबल करना होगा एवं उनका आदर-सम्मान करना होगा। इससे आपके वैवाहिक जीवन में खघुशियाँ आएंगी। इस दौरान आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। आप अपने धैर्य को बनाए रखें। प्रेम जीवन के लिए यह माह उत्तम रहने वाला है। अध्ययन क्षेत्र में छात्रों को इस माह अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पढ़ाई में उनकी मेहनत का उत्तम परिणाम प्राप्त होगा। अपने कार्यक्षेत्र के लिए माह शुभ रहने के संकेत दे रहा है। अपने कार्यक्षेत्र में कड़ी मेहनत करने से आपको और भी ज्यादा फायदा होगा। इससे आपकी आय में वृद्धि होगी और आपकी पदोन्नति भी संभव है। हालाँकि मास के प्रारम्भ में आप थोड़े हताश और निराश हो सकते हैं लेकिन घबराने जैसी कोई बात नहीं है आपकी यह समस्या माह के उत्तरार्ध में समाप्त हो जाएगी। इस मास 1, 8, 9, 18, 19, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मार्च

कला विषय के छात्रों के लिए यह महीना अच्छा रहेगा। इसमें आपकी कलात्मक शैली का विकास होगा और करियर में आपको इसका लाभ मिलेगा। इस दौरान इंजीनियरिंग क्षेत्र से संबंध रखने वाले जातकों को अधिक सफलता मिलने के योग हैं। यदि आप निजी क्षेत्र में प्रबंधन में करियर की सोच रहे हैं तो इसमें आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में साझेदारी से आपको मुनाफा प्राप्त होगा। पैतृक कघरोबार में आपकी सभी बाध

एँ दूर होंगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और लगन से प्रतिष्ठा प्राप्त होगी और पदोन्नति भी संभव है। आपके वरिष्ठ जन हर संभव आपकी मदद को तैयार रहेंगे। आप थोड़े सावधान रहें और ज्यादा अफवाहों पर ध्यान न दें। धैर्य के साथ किसी समस्या का समाधान करें। इस मास 7, 8, 9, 17, 18, 19, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेगी।

धनु राशि (ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ, भे)

अप्रैल

इस माह वैवाहिक जीवन में सुखद और सकारात्मक बदलाव होने की संभावना है। यदि आपने प्रयास जारी रखें तो अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। वैवाहिक रिश्तों में तनाव कम होगा और हर्ष व सद्भाव बना रहेगा। आप जीवनसाथी और बच्चों के साथ मिलकर अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इसके अलावा परिजन भी आपसे खुश रहेंगे और परिवार की एकता बनी रहेगी। इस समय अवधि में जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना आप बड़ी ही कुशलता के साथ करेंगे। इस महीने आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन स्वस्थ रहने के लिए अपनी दिनचर्या को नियमित रखें। स्कूली और कॉलेज में पढ़ने वाले जातकों के लिए भी यह महीना शुभ संकेत दे रहा है। अच्छे काम की वजह से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और सम्मान भी बढ़ेगा। इसके अलावा इस माह आपका रुचि धार्मिक कार्यों के प्रति बढ़ेगी। मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए आप नियमित रूप से ध्यान और मंत्र जाप करेंगे। इस मास 16, 17, 26, 27 दिनांक कुछ कष्टकारक रह सकती है।

मई

इस महीने में आप अपने सभी कार्यों को बहुत चतुराई और कुशलता के साथ पूरा करेंगे। भाई-बहन या दोस्तों के साथ साझेदारी में बिजनेस कर रहे जातकों को आर्थिक लाभ की प्राप्ति होगी। हालांकि पैसों के लेनदेन में थोड़ी सावधानी बरतने की जरुरत पड़ेगी। किसी अनजान व्यक्ति पर जल्दी भरोसा नहीं करे। किसी भी व्यक्ति को अपना साझेदार बनाने से पहले अच्छी तरह से सोच लें। इस महीने आपके साहस और आत्म विश्वास में भी वृद्धि होगी। महीने के पहले 15 दिन किसी भी तरह के नये निवेश के लिए अच्छा समय है। क्योंकि इस अवधि में आपको अप्रत्याशित आर्थिक लाभ की प्राप्ति होगी। वहीं महीने का दूसरा पखवाड़े किसी दीर्घकालिक योजना के लिए उत्तम रहेगा। विवाहित जातकों के लिए भी यह समय अच्छा रहने वाला है। इस दौरान वे परिवार नियोजन के बारे में सोच सकते हैं। वहीं दूसरी ओर जो महिला जातक गर्भवती हैं उनका प्रसव सफल और सुरक्षित तरीके से हो जाएगा। जो सॉफ्टवेयर तकनीक के क्षेत्र में काम कर रहे हैं उन्हें कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलेगी। इस मास 5, 6, 13, 14, 15, 23, 24 दिनांक नेष्ट है।

जून

इस महीने आपको घर-परिवार से जुड़े मामलों में बड़े लोगों की सलाह लेनी होगी। बड़े भाई-बहन, माता-पिता की सलाह से परिवार की शांति और समृद्धि के लिए लाभकारी रहेगी। इन सभी का मार्गदर्शन मिलने से व्यक्तिगत जीवन में होने वाला तनाव भी कम होगा। इस माह परिजनों के साथ मिलकर कोई शुभ कार्य करने का अवसर मिलेगा। वहीं आर्थिक मोर्चे पर पैसा कमाने के कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे, लेकिन खर्च भी बढ़ेंगे। आप मनोरंजन और सर्व-सुविधायुक्त सामानों पर अधिक खर्च करेंगे। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे, हालांकि छोटे-मोटे मतभेद होने की भी संभावना है। इसलिए जीवनसाथी के साथ मधुर व्यवहार करें और किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। कार्यस्थल पर वरिष्ठ सहकर्मी आपके कठिन परिश्रम और काम की गुणवत्ता की तारीफ करेंगे। इसके अलावा आपके सहकर्मी भी आपका सहयोग करेंगे। इस माह विरोधी भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। कामकाजी महिलाओं के लिए यह समय बहुत अच्छा रहने वाला है। कार्यस्थल पर उनकी पदोन्नति होगी और वे अपने सभी काम बड़े आत्म विश्वास के साथ पूर्ण करेंगी। इस मास 1, 2, 9, 10, 11, 19, 20, 21, 28, 29 दिनांक नेष्ट हैं।

जुलाई

इस महीने आपके वैवाहिक जीवन में दुःखद मोड़ आ सकता है। विशेषकर महिलाओं को अपने वैवाहिक जीवन में अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान महिला जातकों को प्रताड़ना का सामना करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन में तनाव होने से पारिवारिक जीवन प्रभावित होगा और बच्चों पर इसका गलत प्रभाव पड़ेगा। जीवनसाथी के साथ सभी विवादों को शांति से बैठकर सुलझाएं। वहीं दूसरी ओर इस माह आपका ध्यान अपने काम पर होगा। आपकी दृढ इच्छाशक्ति के कारण व्यक्तिगत जीवन में होने वाला कष्ट आपके व्यावसायिक जीवन को प्रभावित नहीं कर पाएगा। अपने व्यवसाय संबंधी सभी योजनाओं पर आप काम करेंगे और आपको उसका उत्तम फल प्राप्त होगा। कार्य स्थल पर आप वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध बनाकर चलेंगे। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का व्यवसाय कर रहे जातकों को लाभ की प्राप्ति होगी। यह माह किसी भी नए तरह के निवेश के लिए बिल्कुल उपयुक्त नहीं है। माता-पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अपनी वैवाहिक जीवन से जुड़ी समस्याओं को हल करने के लिए आप माता-पिता से सहयोग ले सकते हैं। इस मास 7, 8, 17, 18, 25, 26 दिनांक नेष्ट है।

अगस्त

यह महीना आपके लिए आर्थिक उन्नति का माह रहेगा। अपने प्रयासों से सफलता मिलेगी और विदेशी स्रोतों से भी आय होगी। यदि आपके परिवार का कोई सदस्य विदेश में रहकर कार्य कर रहा है या फिर आपके परिवार के व्यवसाय का संबंध विदेश से है, तो निश्चित रूप से आपकी पारिवारिक आय में बढ़ोत्तरी होगी। आपकी मधुर वाणी आपको विवाद और विषम परिस्थितियों से बचाएगी। इस माह मन में अनेक प्रकार के विचार आने से तनाव बढ़ सकता है, जो पारिवारिक और व्यावसायिक संबंधों को प्रभावित करेगा। आपके व्यवहार में कुछ रुखापन आएगा। इस माह कुछ समय के लिए आप काम के बोझ से स्वयं को तनावग्रस्त महसूस करेंगे, इसलिए कुछ समय आराम करने के लिए निकालें। भाषा विज्ञानी और अनुवादकों के लिए यह समय बहुत अच्छा रहने वाला है। वे जातक जो चिकित्सा क्षेत्र से

जुड़े हैं उनके लिए भी यह समय बहुत लाभकारी रहेगा। इस मास 3, 4, 5,13, 14, 15, 22, 23, 30, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

आपके जातकों का स्वास्थ्य इस मास में थोडा खराब रह सकता है। इसलिए स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल लापरवाही न रहें। विशेष रूप से महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, क्योंकि इस अवधि में उन्हें प्रजनन क्षमता से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कई जातकों को नेत्र से संबंधी पीड़ा भी हो सकती है। मानसिक तनाव बढ़ने से अनिद्रा की समस्या होने की भी संभावना है। अकारण तनाव लेने से बचें। कुछ समय के लिए काम से छुट्टी लें और आराम करें। ऐसा करने से आप बेहतर महसूस करेंगे। वैवाहिक जीवन में परेशानियों के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराने से बचें। छोटी-छोटी गलतियों पर ध्यान देने की बजाय स्नेह और शांति के साथ वैवाहिक जीवन को मधुर बनाएं। आर्थिक क्षेत्र हेतु यह महीना सामान्य दिखाई दे रहा है। वहीं छात्रों के लिए यह माह बहुत शुभ संकेत दे रहा है, खासतौर पर वे छात्र जो किसी विषय पर अनुसंधान कर रहे हैं। इस अवधि में वे लोग बहुत ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस मास 1, 9, 10, 11, 18, 19, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

यह महीना विवाहित जातकों के लिए कुछ कठिन रहने वाला है। इस दौरान वैवाहिक जीवन में आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस महीने जीवनसाथी के साथ विवाद व बहस करने से बचें और उनके साथ विनम्रता से व्यवहार करें। परिवार के बड़े लोगों की सलाह लें और उसका अनुसरण करें। इस माह विदेश यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। वहीं विदेश में कार्य करने को लेकर आपके भाई-बहनों की इच्छा पूरी होगी। कठिन परिश्रम करने से उन्हें इच्छित सफलता मिलेगी। इस समय अवधि में परिजनों के साथ आपके रिश्ते मधुर रहेंगे। आपके घर में सुख और शांति बनी रहेगी। आर्थिक उन्नति और पारिवारिक व्यवसाय के लिए भी यह समय शुभ संकेत दे रहा है। इस दौरान धन और संपत्ति में वृद्धि होगी। महंगे सामान खरीदने की वजह से इस माह खर्च ज्यादा हो सकता है। इस मास 7, 8, 16, 17, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

इस महीने में अपनी योजनाओं में सफलता मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। पिता और गुरु से मिलने वाला सहयोग आपके अंदर साहस और इच्छाशक्ति पैदा करेगा। महीने के उत्तराध में आपके पिता की सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सभी तरह के सलाहकारों के लिए यह समय अच्छा रहेगा, क्योंकि इस अवधि में उनकी बहुत मांग होगी। यह मास छात्रों के लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। क्योंकि इस दौरान उन्हें उनकी मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा, साथ ही अच्छे शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिलेगा। वे जातक जो नौकरी की तलाश में हैं उन्हें कई अच्छे विकल्प मिलेंगे, परन्तु और भी बेहतर सफलता प्राप्ति के लिए आपको और मेहनत करनी होगी। करियर को लेकर महत्वाकांक्षी जातकों को इस अवधि में बहुत उन्नति और सफलता मिलेगी। इस मास 3, 4, 12, 13, 20, 21, 22, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

यह मास आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। अपने कार्य में मिलने वाली सफलता को लेकर आप उत्साहित रहेंगे। इस माह आपको भाग्य का सहयोग मिलेगा और जीवन में आप जैसा चाहेंगे वैसा ही होता रहेगा। यात्राएं अधिक होने से आप थकान महसूस करेंगे। वे जातक जो व्यापार से जुडे हैं उनके विदेशों में संपर्क बनेंगे और ये संबंध उनके लिए बहुत लाभकारी होंगे। जातक जो बिल्डिंग, रियल इस्टेट और प्रॉपर्टी डीलिंग से जुड़ा कार्य कर रहे हैं, उनको इस अवधि में अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। घर में शांति और सद्भाव का वातावरण रहेगा। आप परिवार के सदस्यों के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे। इस माह घर की साज-सज्जा और पुनर्निर्माण का काम कराना आपका प्रमुख कार्य रहेगा। इसके अलावा धार्मिक और परोपकारी कार्यों में भी आपकी रुचि बढ़ेगी। इसकी वजह से आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस महीने आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। पेट संबंधी कुछ बीमारी आपको परेशान कर सकती है। इस मास 1, 2, 9, 10, 18, 19, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2025

इस महीने आपको अपने वैवाहिक जीवन में संभलकर चलना होगा। इस अवधि में क्रोध पर नियंत्रण रखना बहुत जरूरी होगा । अपनी वाणी पर भी संयम रखें, क्योंकि कठोर शब्द आपके जीवनसाथी की भावना को ठेस पहुंचा सकते हैं। बेवजह शक करना और नियंत्रण रखने की भावना मन में नहीं रखें। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। इस माह धन का आवागमन अच्छा रहेगा, परिवार की आय में वृद्धि होगी। वित्तीय मामलों में फिर भी थोड़ा सावधान रहना होगा, क्योंकि आर्थिक मामलों से जुड़ी चिंताएं परेशान कर सकती हैं। इसलिए बेवजह खर्च करने से बचें। यदि आप कोई आवासीय संपत्ति खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपको सलाह है कि इस महीने यह काम ना करें। विरोधी और शत्रु आपसे भयभीत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में उन्नति और वृद्धि के लिए यह महीना बेहद अच्छा रहने वाला है। इस मास 6 ,7, 14, 15, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस मास आपको अपने कार्यक्षेत्र में सुधार लाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। प्रयासों की बदौलत आपको कामयाबी भी मिलेगी। वे जातक जो व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें इस महीने बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक जीवन में कुछ परेशानियां आएंगी लेकिन परिजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। वहीं वैवाहिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए जीवनसाथी के साथ विवाद करने से बचें वरना स्थिति और खराब हो सकती है। इस दौरान जीवनसाथी को समय प्रदान करें। स्वास्थ्य हेतु भी यह महीना आपके लिए अच्छा दिखाई दे रहा है। सुबह की नियमित सैर और व्यायाम करने से आप स्वस्थ रहेंगे। छात्रों के लिए यह महीना अत्यन्त महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि उन्हें अपनी कड़ी मेहनत का परिणाम मिलेगा। इस मास 2, 3, 10, 11, 12, 20, 21, 22 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

इस माह आपका झुकाव मनोविज्ञान जैसे विषयों की ओर बढ़ेगा। आप में से कुछ लोग इस दौरान तीर्थयात्रा पर जा सकते हैं। सितारों की चाल कहती है कि, वे लोग जो नौकरी कर रहे हैं अपनी नौकरी में परिवर्तन करने के बारे में सोच सकते हैं। इस दौरान आपको लंबी और छोटी दूरी की यात्रा भी करनी पड़ सकती है। महीने के उत्तरार्ध में आपको लगातार कड़ा परिश्रम करना पड़ेगा। कार्यस्थल पर अच्छा माहौल बना रहेगा और वरिष्ठों के साथ आपके रिश्ते मधुर रहेंगे। इस माह आपका वैवाहिक जीवन भी आनंद से भरा रहेगा। आप दोनों के बीच अच्छी समझ होगी और विषम परिस्थितियों में आप एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। परिवार के बड़े लोगों और बच्चों के लिए यह समय अच्छा साबित होगा। वहीं आर्थिक मोर्चे पर यह महीना थोड़ा उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। वे जातक जो व्यवसाय से जुडे हैं, यदि इस अवधि में किसी नई योजना में निवेश करते हैं तो उन्हें अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। इस महीने स्वास्थ्य के विषय में ज्यादा चिंता करने की जरुरत नहीं है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए आपकी रुचि योग और प्राणायाम की ओर होगी। इस मास 1, 2, 10, 11, 20, 21, 29 दिनांक कुछ कष्टकारक हो सकती हैं।

मकर राशि (भो, जा, जी, (जू, जे, जो, ख) खी, खू, खे, खो, गा, गी)

अप्रैल

इस मास आपको पिता या पैतृक रिश्तों से आर्थिक लाभ और सहयोग प्राप्त होने की संभावना है। अधिक तनाव और चिंताग्रस्त रहने की वजह से आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए ज्यादा तनाव नहीं लें। संतान पक्ष से भी कुछ परेशानियां हो सकती हैं। घर में सुख और समृद्धि का वातावरण रहेगा और आपका जीवनसाथी आपकी हरसंभव मदद करेगा। उनके प्यार और लगाव से परिस्थितियां निश्चित ही बेहतर होंगी। भाई-बहन के साथ मिलकर शुरू किए व्यवसाय से लाभ प्राप्त होने की संभावना है। करियर के क्षेत्र में भी आप अच्छा कार्य करेंगे। व्यावसायिक जीवन में स्थिरता बनी रहेगी और लगातार वृद्धि होगी। माह के दूसरे पड़ाव में आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपकी नेतृत्व क्षमता आपको और शक्तिशाली बनाएगी एवं आप कुछ अच्छी पहल करेंगे। इस मास 9, 10, 18, 19, 20, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

यह महीना आपके लिए आर्थिक रूप से अच्छा रहने वाला है। आप ज्यादा से ज्यादा कमाएंगे और धन की बचत करने में समर्थ होंगे। साथ ही इस माह आपको आय के कई साधन मिलेंगे और धनार्जन होगा। वे जातक जो व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें इस महीने बड़ा लाभ होगा। नए प्रतिष्ठान की शुरुआत और व्यवसाय में विस्तार की संभावना भी बन रही है। बैंककर्मी, लेखाधिकारी, आर्थिक और बीमा सलाहकारों के रूप में कार्य कर रहे जातकों के लिए यह महीना बहुत अनुकूल रहेगा। इस अवधि में उन्नति करेंगे और आपकी मांग बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ रिश्ते और भी मजबूत होंगे। बच्चों को मिलने वाली सफलता से आप बेहद खुश रहेंगे। बच्चे पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। नौकरी पेशा और बिजनेस से जुड़ी महिलाओं की तरक्की होगी और उनकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास 7, 8, 16, 17, 25, 26, 27 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

आप इस महीने अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस अवधि में आप मनोरंजन और कलात्मक गतिविधि में अपना समय व्यतीत करेंगे। संतान पक्ष की ओर से आप थोड़े चिंतित रहेंगे। क्योंकि बच्चे पढ़ाई-लिखाई में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे। किशोरावस्था वाले बच्चों पर माता-पिता को अतिरिक्त ध्यान देना पड़ेगा और उनकी संगति का ध्यान रखें। बच्चों का मार्गदर्शन करना होगा। इस महीने आप विचारों से स्पष्ट और आकर्षक व्यक्तित्व के धनी होंगे। संतुलित विचार और दृष्टिकोण से आप स्वयं को बेहतर स्थिति में पाएंगे। यदि आप किसी बड़े निवेश के बारे में विचार कर रहे हैं तो अवश्य करें क्योंकि यह समय आपके लिए उत्तम है। मास के अंत में इस निवेश से बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक जीवन के लिए भी यह माह अच्छा संकेत दे रहा है। आप परिजनों के साथ अच्छे क्षण व्यतीत करेंगे। इस मास मनोरंजक गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे। वाचक, वक्ता और मीडिया से जुड़े जातकों के लिए समय बेहद अनुकूल है। इसके अलावा कला, डिजाईन और फिल्म प्रॉडक्शन से जुड़े व्यवसाय वाले लोगों की लोकप्रियता में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त चित्रकारी और कला से जुड़े लोगों की भी बहुत मांग रहेगी। इस मास 3, 4, 12, 13, 22, 23, 30 दिनांके नेष्ट रहेगी।

जुलाई

आपके लिए महीने का पूर्वार्ध थोड़ा परेशानी भरा रह सकता है, विशेषकर अपने कार्यक्षेत्र में थोड़ी समस्याएं आ सकती हैं। जीवन के प्रति अरुचि पैदा हो सकती है जो परेशानी का कारण बनेगी लेकिन ये परिस्थितियां ज्यादा दिन तक नहीं रहेंगी। महीने के उत्तरार्ध में आत्मविश्वास और साहस आने से सामान्य हो जाएंगे। इस महीने में कुछ दिन आर्थिक अस्थिरता बनी रह सकती है। व्यर्थ के खर्च करने से बचें और अपने बजट पर ध्यान दें। जीवनसाथी से आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे और आप दोनों एक-दूसरे के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सावधान रहें। मानसिक शांति भंग होने से अनिद्रा जैसी परेशानी हो सकती है। सकारात्मकता के साथ एकाग्र होकर अपने लक्ष्य पर ध्यान दें। दिमागी खेल जैसे- शतरंज आदि के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस मास 1, 9, 10, 11, 19, 20, 27, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

आप इस महीने की शुरुआत में अपने लक्ष्यों में परिवर्तन कर सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ने से आपके व्यक्तित्व में मजबूती आएगी और आप सफलता प्राप्त करेंगे। माह के उत्तरार्ध में विश्वास की कमी होने से आपको स्वयं पर संशय होगा। इसकी वजह से आप परेशान रह सकते हैं। इस महीने आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। क्योंकि आपकी उच्च

जीवनशैली और इच्छाओं की वजह से आपका खर्च अधिक होगा। आप आय से ज्यादा पैसा खर्च करेंगे: इसके अलावा आप भ्रमित और निराश रहेंगे, साथ ही आप अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में असमर्थ रहेंगे। माह के उत्तरार्ध में स्थिति अनुकूल हो जाएंगी। अपनी क्षमता पर आपको पूरा भरोसा होगा और इसकी मदद से आप सफलता प्राप्त करेंगे। आपका जीवनसाथी भी बहुत सहयोगी होगा। नौकरी में आप बेहतर प्रदर्शन करेंगे और उन्हें प्रशंसा मिलेगी। जीवनसाथी आपकी शक्ति का स्त्रोत होगा। इस माह आपका स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है अत: सावधान रहें। इस मास 6, 7, 16, 17, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

आप इस महीने अपनी तय धन-संपत्ति अर्जित करने के बारे में सोचेंगे। जबकि दूसरी ओर बेवजह की वस्तुओं पर खर्च करने से आपका बजट बिगड़ सकता है, इसलिए सावधान रहें और किसी भी तरह के आर्थिक संकट से बचने के लिए अधिक से अधिक बचत करें। कार्य स्थल पर आपकी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी और वरिष्ठ अधिकारियों को आप से बहुत उम्मीदें होंगी। व्यावसायिक जीवन में आपका कद बढ़ेगा और सम्मान की प्राप्ति होगी। कुछ लोग विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक जीवन में तनाव रहने की संभावना है क्योंकि परिवार के कई लोग आप से नाराज रहेंगे। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में तनाव बढ़ने से परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप एक छात्र हैं तो शुरुआती संघर्ष के बाद आपको अपने परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा। इस मास 2, 3, 12, 13, 20, 21, 29, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

आपको इस महीने अपनी स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने की जरुरत है, इसलिए बेहतर होगा कि आप व्यायाम करें। आप में से कुछ लोग योग सीख सकते हैं। आकर्षक व्यक्तित्व की वजह से आपको प्रशंसा मिलेगी और आपके परिपक्व स्वभाव के कारण आपकी सामाजिक छवि और अच्छी होगी। दूसरी ओर आप बेहद सक्रिय, साहसी और जबर्दस्त ऊर्जा से परिपूर्ण रहेंगे। सकारात्मक ऊर्जा मिलने से आप सफलता और वृद्धि का अनुभव करेंगे। कार्य स्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन से बेहद खुश रहेंगे। इसकी बदौलत आपको उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है। यदि कार्य क्षेत्र में आप सोच-समझकर निर्णय लेंगे तो आप बहुत उन्नति करेंगे। वहीं आर्थिक मोर्चे पर आपकी आमदनी संतोषजनक रहेगी लेकिन भौतिक सुख-सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए खर्च अधिक होगा। इस मास 1, 9, 10, 18, 19, 26, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

इस मास में आपको पिता या पैतृक रिश्तों से आर्थिक लाभ और सहयोग प्राप्त होने की संभावना है। अधिक तनाव और चिंताग्रस्त रहने की वजह से आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए ज्यादा तनाव नहीं लें। संतान पक्ष से भी कुछ परेशानियां हो सकती हैं। घर में सुख और समृद्धि का वातावरण रहेगा और आपका जीवनसाथी आपकी हरसंभव मदद करेगा। उनके प्यार और लगाव से परिस्थितियां निश्चित ही बेहतर होंगी। भाई-बहन के साथ मिलकर शुरू किए व्यवसाय से लाभ प्राप्त होने की संभावना है। करियर के क्षेत्र में भी आप अच्छा कार्य करेंगे। व्यावसायिक जीवन में स्थिरता बनी रहेगी और लगातार वृद्धि होगी। माह के दूसरे पड़ाव में आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपकी नेतृत्व क्षमता आपको और शक्तिशाली बनाएगी एवं आप कुछ अच्छी पहल करेंगे। इस मास 5, 6, 7, 14, 15, 23, 24 दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

यह महीना आप के लिए थोड़ा संभलकर चलने का है। इस समय में किसी भी तरह का निवेश करने से बचें अन्यथा बड़ा नुकसान हो सकता है। लाभ और धनार्जन की संभावनाऐं बनेंगी। यदि आप नौकरी कर रहे हैं तो इस महीने आपको अपनी कड़ी मेहनत का नतीजा अवश्य ही मिलेगा। वेतन वृद्धि के साथ पदोन्नति की संभावना है। संतति के संबंध में आपको बेहद संयम से व्यवहार करना होगा। प्रयास करें कि उनके साथ विनम्रता से व्यवहार करें, क्योंकि आपके ज्यादा क्रोधित होने के कारण वे नाराज हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ते सद्भावपूर्ण रहेंगे। मास के उत्तरार्ध में स्वास्थ्य संबंधी विकार आपको परेशान कर सकते हैं, इसलिए स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही नहीं बरतें। यह समय आप एकांत में व्यतीत करना पसंद करेंगे और आपका झुकाव आध्यात्मिकता की ओर होगा। इस मास 3, 4, 11, 12, 13, 20, 21, 22, 30, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2025

आपको इस महीने व्यक्तिगत जीवन पर ध्यान देने की ज्यादा आवश्यकता रहेगी। इसलिए इस दौरान विवादों से बचने का प्रयास करें। क्योंकि इससे आपकी खुशियां और प्रगति दोनों प्रभावित हो सकती हैं। यह महीना आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। वे लोग जो नौकरी कर रहे हैं वे कार्य स्थल पर बेहद ऊर्जावान और उत्साहित रहेंगे। आप अपने बेहतर प्रदर्शन से दूसरों को अचंभित कर देंगे। वे लोग जो व्यवसाय कर रहे हैं यदि वे संपत्ति में निवेश करते हैं तो उन्हें अच्छा लाभ होगा। विदेशी स्त्रोतों से भी आपको कोई अच्छी सूचना मिल सकती है जो आपके लिए लाभकारी होगी। विदेश में संपर्क बढ़ने से आपको इसका लाभ मिलेगा। आपका वैवाहिक जीवन उत्साह और सद्भाव से परिपूर्ण रहेगा। जीवनसाथी के साथ मिलकर संयुक्त रूप से कुछ नया करने की संभावना बन रही है। आर्थिक रूप से यह महीना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको किसी तरह के आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा और आपकी बचत भी अच्छी रहेगी। इस मास 8, 9, 16, 17, 18, 26, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

यह महीना आपके लिए सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए आप अधिक से अधिक प्रयास करेंगे। इस वर्ष आप आर्थिक योजना बनाने में व्यस्त रहेंगे। वित्तीय मामलों को लेकर आप भाग्यशाली रहेंगे और धन का संचय करने में समर्थ रहेंगे। आपके पिता के लिए भी यह समय अच्छा रहेगा। उन्हें अचानक आर्थिक लाभ हो सकता है। इस वर्ष आपके भाई-बहनों का जीवन भी सुखद रहेगा। वे कार्य क्षेत्र में उन्नति का अनुभव करेंगे। जबकि दूसरी ओर बच्चों के साथ आपका टकराव हो सकता है। विशेषकर

वे बच्चे जो घर से बाहर रह रहे हैं, उनके साथ व्यवहार में थोड़ी परिपक्वता दिखाएं। बात अगर जीवनसाथी की करें तो, वे आपकी व्यस्त दिनचर्या को लेकर स्वयं को उपेक्षित महसूस कर सकती हैं। इसलिए अपने जीवनसाथी के साथ अधिक समय व्यतीत करने की कोशिश करें और उनके साथ अच्छी बातें करें। महीने के दूसरे पड़ाव में व्यावसायिक मामलों में अधिक ध्यान देने की वजह से आपके व्यक्तिगत जीवन में कुछ परेशानियां हो सकती हैं। स्वास्थ्य के संबंध से भी यह महीना थोड़ा संभलकर चलने का है इसलिए सावधान रहें। इस मास 4, 5, 13, 14, 23, 24 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

इस महीने आपकी रुचि योग, आध्यात्म और प्राणायाम के प्रति बढ़ेगी। आपका झुकाव अध्यात्म की ओर होगा और आप आध्यात्मिक क्रियाओं में व्यस्त रहेंगे। यह समय स्वयं के मूल्यांकन के लिए बहुत अच्छा होगा। वहीं वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी के साथ अहंकार की वजह से टकराव हो सकता है। कभी बच्चों के साथ आपके वैचारिक मतभेद हो सकते है परिवार के साथ अधिक से अधिक समय व्यतीत करें। इस माह मन की इच्छा के अनुसार काम नहीं होने की वजह से आप थोड़े परेशान रहेंगे। कार्यस्थल पर स्थिरता बनी रहेगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की प्रशंसा करेंगे। वे जातक जो प्रिंटिंग और पब्लिशिंग के काम से जुड़े हैं उनके लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है। यदि आप किसी के साथ साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं तो पार्टनर के साथ आपके रिश्ते अच्छे नहीं रहेंगे। हो सकता है कि आप साझेदारी तोड़कर व्यवसाय को अकेले ही संभालें। इस मास 3, 4, 12, 13, 22, 23 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

कुम्भ राशि (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

अप्रैल

पारिवारिक कारणों से मानसिक क्लेश रह सकता है। जीवन में उथल-पुथल रह सकती है, इसलिए बेवजह के विवादों से बचने की कोशिश करें। जीवनसाथी से भी मतभेद होने की संभावना है। वाणी पर नियन्त्रण रखें। १६ अप्रैल के उपरान्त वाहन सम्पत्ति आदि सुख साधनों की प्राप्ति होगी। मातृपक्ष से लाभ होगा। पारिवारिक तनाव का असर आपके कार्य पर भी पड़ सकता है। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। काम में कुछ ज्यादा ही व्यस्तता रह सकती है अतः अपने परिवार को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। यही वजह आपके पारिवारिक जीवन में कलह का कारण बन सकती है। कलात्मक कार्यों में रुचि रह सकती है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं लेकिन आर्थिक मामलों में थोड़ा संभलकर चलने का समय है। सुख की प्राप्ति होगी। इस मास 11, 12, 21, 22, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

धन प्राप्ति के नये साधन उत्पन्न होंगे। मातृ पक्ष में मामा नाना मौसी इत्यादि को कष्ट हो सकता है। गुदा संबंधित विकार हो सकते हैं। मानहानि से बचे। प्रशासनिक व सरकारी तन्त्र से परेशानी हो सकती है। मशीनरी व विद्युतीय उपकरणों से संबंधित कार्य करने वालों को लाभ होगा। विद्या व संतान प्राप्ति में बाधा हो सकती है। घरेलू कलह हो सकती है। यदि आप सुखमय वैवाहिक जीवन चाहते हैं, तो आपको इस महीने एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करना होगा। परिवार से जुड़ा कोई भी निर्णय लेने से पहले अच्छे से सोच-विचार कर लें। ज्योतिष विज्ञान और गूढ़ विज्ञान जैसे विषयों से जुड़े लोगों के लिए यह समय अच्छा रहेगा। बेहतर कार्य के लिए आपको प्रशंसा और पुरस्कार प्राप्त होगा। वहीं मेडिकल रिसर्च का कार्य कर रहे जातकों को शोध के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। इस महीने आर्थिक उतार-चढ़ाव देखने को भी मिलेंगे। किसी नए कार्य में निवेश करने से और उधारी व ऋण लेने से बचें। आपके व्यक्तिगत प्रयासों की बदौलत आपको कुछ अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आपकी आमदनी में वृद्धि होगी और आपको आय के नए साधन मिलेंगे। इस महीना आपके पिता की सेहत में गिरावट देखने को मिल सकती है या फिर पिता के साथ आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। भाईयों से विवाद हो सकता है। इस मास 1, 2, 9, 10, 18, 19, 20, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

जून का महीना प्रायः शुभ रहने वाला है। अपने प्रियजनों के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। प्रियजनों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर आगे बढ़ेंगे और अपने रिश्ते अच्छे होंगे परन्तु माता का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। जीवनसाथी से किसी भी तरह का विवाद करने से बचें। साथ ही सौहार्दपूर्ण रिश्ते बनाये रखने के लिए एक-दूसरे के विचारों को महत्व दें। इस महीने अपने स्वास्थ्य का खास ख्याल रखें। क्योंकि अनिद्रा से पीड़ित रहने की संभावना अधिक है। नेत्रों में कष्ट हो सकता है। वाहन सावधानीपूर्वक चलाये। गलतफहमी की वजह से सामाजिक रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं इसलिए दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मिलकर हर तरह की शंका को दूर करने की कोशिश करें। धर्म के प्रति आलस्य रहेगा अतः तीर्थ दर्शन के लिए जाना चाहिए । शुभ कार्यों में विशेष व्यय हो सकता है। इस मास 5, 6, 14, 15, 16, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई

नेत्र संबंधी रोग होने की संभावना है। कमर में पीडा हो सकती है। कार्य कुशलता में वृद्धि होगी। विद्या प्राप्ति में कुछ बाधा होने के योग है। विद्यार्थियों को अध्ययन में अधिक परिश्रम करना होगा। संतान से मनमुटाव हो सकता है। शेयर सट्टा व्यापार में हानि हो सकती है। १५ जुलाई के पश्चात् शारीरिक कष्ट हो सकता है। आर्थिक सलाहकार और वैवाहिक सलाहकारों के लिए यह समय बेहद अच्छा रहने वाला है। जुलाई मास आप के लिए आर्थिक रूप से सामान्य रहेगा। मास के उत्तरार्ध में कोई बड़ा निवेश करने से बचें और अपने संसाधनों को सुरक्षित रखें। धन से संबंधित मामलों में विशेष सावधानी बरतें। जीवनसाथी को कुछ गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है । इस महीने आपको अपने वैवाहिक जीवन में मधुरता बनाये रखने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। इस माह नये विषयों के प्रति रूचि बढ़

सकती है। आप इस अवधि में कुछ नई चीजें सीखने की कोशिश करेंगे। मानसिक शांति के लिए योग, आसन, प्राणायाम का सहारा लेंगे और जीवन की समस्त चिंताओं से मुक्ति पाएंगे। व्यवसाय करते हैं तो थोड़ा सावधान रहने की जरुरत है, अपने साझेदार पर आंख बंद करके भरोसा नहीं करें। इस मास 2, 3, 4, 12, 13, 21, 22, 30, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

अगस्त के मास में विवाह संबंधित बाधायें दूर होगी। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में मधुरता बनेगी। अविवाहितों का रिश्ते तय होंगे। इसके अलावा बच्चों के साथ रिश्ते अच्छे नहीं रहेंगे और उनसे आपके मतभेद हो सकते हैं। घर के बड़े लोगों का सम्मान करें और उनकी देखभाल करें। परिवार में बड़े व्यक्तियों से खासकर पुरुषों से विवाद करने से बचें। अविवाहित इस महीने विवाह के बंधन में बंध सकते हैं। प्रेम संबंध प्रगाढ होंगे। कृषि, पर्यावरण, सांख्यिकी और योजना से संबंधित क्षेत्रों में कार्य कर रहे लोगों को सफलता मिलेगी और अपने कार्य से संतुष्ट होंगे। सेल्स, मार्केटिंग, कस्टमर सर्विस और हेल्थ सेक्टर से संबंधित व्यवसाय करने वालों को अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। यह महीना उन लोगों के लिए भी अच्छा है जो स्वयं का व्यापार कर रहे हैं। साझेदारी में व्यवसाय आरम्भ करे तो श्रेष्ठ फल प्राप्त होंगे। त्वचा संबंधी विकार हो सकते है, शत्रु से संबंधित बाधा दूर होगी। आपकी सभी योजनाओं को बल मिलेगा और नए कार्यों से आपको लाभ होगा। इस मास 8, 9, 10, 18, 19, 26, 27 दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

सितम्बर के महीने में कुछ वैवाहिक जीवन से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी से तनाव रिश्ते को परेशान कर सकते हैं। माता को कष्ट रह सकता है। भूमि संबंधित विवाद हो सकते हैं। हृदय व श्वसन संबंधित विकार हो सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता होगी। आप को इस महीने आर्थिक संकट का सामना भी करना पड़ सकता है। इस महीने विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। यदि आप स्वयं का कोई व्यवसाय कर रहे हैं तो आपको थोड़ा सावधान रहने की जरुरत है। विवाद राजकीय बाधा हो सकती है। आर्थिक विषयों को लेकर किसी भी व्यक्ति पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। बन्धुओं से संबंध के लिए समय अच्छा नहीं रहेगा। इस महीने आप धार्मिक कार्य और धार्मिक संस्थाओं से जुड़े कार्यो में व्यस्त रहेंगे। इसके अलावा कुछ लोग तीर्थयात्रा पर जा सकते हैं। व्यय में वृद्धि हो सकती है। गर्भवती महिलाएं नियमित आराम करें और डॉक्टर के परामर्श का अनुसरण करें। इस मास 4, 5, 6, 14, 15, 22, 23 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

अक्टूबर मास उत्तम रहेगा। जो रियल इस्टेट, ट्रैवल-टूरिज्म और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी से जुड़े हैं उन्हे अनेक अच्छे अवसर प्राप्त होंगे और उनसे लाभ प्राप्त होगा। कार्य करने की क्षमता में वृद्धि होगी। पराक्रम व साहस बढेगा। प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। यात्रा योग बन सकते है। पिता को कुछ शारीरिक कष्ट हो सकता है। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं । अपने शब्द और वाणी पर संयम रखें क्योंकि शब्दों के गलत चयन के कारण आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। क्रोधित होने की बजाय विवेक से काम लें। प्रेमी युगल के लिए यह समय अच्छा है, वे शादी के बंधन में बंध सकते हैं। यदि अविवाहित हैं तो इस महीने प्रेम संबंध बन सकते हैं। किसी खास से मुलाकात हो सकती है। माता को स्वास्थ्य संबंधी कुछ परेशानियां हो सकती हैं उनका विशेष ध्यान रखें। अपनी सेहत का ध्यान रखें। स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या को हल्के में नहीं लें वरना यह बड़ी बीमारी का रूप ले सकती है। दम्पत्ति को सन्तान लाभ होगा। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्त हो सकती है। इस मास 2, 3, 11, 12, 13, 20, 21, 29, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। अपने कार्य में अच्छी मेहनत के लिए आपको प्रशंसा और पदोन्नति मिल सकती है। पराक्रम में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति के नये साधन उत्पन्न होंगे। अतिरिक्त लाभ की संभावना बनेगी। आर्थिक रूप से यह महीना आपके लिए अच्छा रहने वाला है। इस अवधि में धन का आवागमन अच्छा रहेगा और पूंजी निवेश से लाभ प्राप्त होगा। सुखद और लाभकारी यात्रा के योग भी बन रहे हैं। परिवार का सुख प्राप्त होगा। संबंध प्रगाढ होंगे। अत्यधिक व्यस्तता रह सकती है। शारीरिक क्षमता व स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को विशेष सफलता प्राप्त होगी। लोगों से आपका मेल-जोल बढ़ेगा। परिश्रमी छात्रों के लिए यह समय बहुत अच्छा रहेगा। क्योंकि उन्हें अपनी मेहनत की बदौलत सम्मान और किसी प्रतिष्ठित संस्था से छात्रवृत्ति मिलेगी। इस मास 8, 9, 16, 17, 25, 26, 27 दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

दिसम्बर के महीने में आप शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे ज्वरपीडा हो सकती है। शारीरिक तेज व ऊर्जा में वृद्धि होगी, श्वसन संबंधित विकार हो सकते है। संगीत, कला आदि मनोरंजन में रुचि बढेगी। मन में अत्यधिक विचार आने से भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कार्यस्थल पर वरिष्ठ जनों से आपका सहयोग मिलेगा और आप बेहतर काम करेंगे। इस मास आप सामाजिक जीवन में अधिक व्यस्त रहेंगे और परिजनों और मित्रों के साथ अच्छा समय गुजारेंगे। जीवनसाथी के साथ व्यर्थ विवाद का सामना करना पड़ सकता है और इससे आपके संबंध प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप अपने वैवाहिक जीवन में स्नेह और मधुरता को बढ़ाना चाहते हैं तो जीवनसाथी के साथ बातचीत कर गलतफहमियों को दूर करें। घर वाहन आदि का लाभ होगा। इस मास में आपके पिता को शारीरिक कष्ट हो सकता हैं। धार्मिक कार्यों की ओर झुकाव होगा। कुछ विषयों पर धार्मिक गुरु से मतभेद भी हो सकता है। इस मास 5, 6, 14, 15, 23, 24 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2025

इस महीने आपको माता जी के स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। इस अवधि में आपका रुझान रहस्यमयी विज्ञान जैसे विषयों की ओर बढ़ेगा। जो लोक कल्याण और मानव संसाधन से जुड़े क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं उन्हें बड़ी सफलता मिलने की संभावना है। इसके अलावा मैनजमेंट जैसे विषय की पढ़ाई कर रहे छात्र भी अच्छा प्रदर्शन करने में समर्थ होंगे। क्रोध में वृद्धि

हो सकती है, परन्तु शारीरिक बल बढेगा। विद्यार्थियों की खेलों में रूचि बढेगी। पिता से लाभ प्राप्त होगा। व्यापार में वृद्धि होगी। विवाह के योग बनेंगे। आजीविका के साधन प्राप्त होंगे। फरवरी महीना उतार चढ़ाव से भरा रहेगा। कार्य स्थल पर कुछ मामूली विवाद हो सकते हैं, इसकी वजह से आप अच्छा महसूस नहीं करेंगे। अपने विचारों को संक्षेप में स्पष्टता के साथ व्यक्त करें। इसके अलावा उच्च अधिकारी और सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध बनाकर चलें। यदि पारिवारिक जीवन की बात करें तो इस महीने जीवनसाथी के साथ किसी भी तरह का विवाद न करें। क्योंकि यह विवाद आपके रिश्तों में परेशानी उत्पन्न कर सकता है इसलिए शांत रहें और सोच-समझकर ही बोलें। बेवजह की बातों पर ज्यादा ध्यान न दें वरना इससे आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है इसलिए सकारात्मक सोच रखें क्योंकि अच्छी सोच ही आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। भविष्यकथन कहता है कि मातृ पक्ष से लाभ होगा। इस मास 1, 2, 10, 11, 19, 20, 29, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

धन प्राप्ति की संभावना बनेगी। जीवनसाथी को कष्ट हो सकता है। तीर्थयात्रा व धार्मिक कार्यो में रूचि बढेगी। पिता को कष्ट हो सकता है। ऋण से मुक्ति मिलेगी व शत्रुओं का विनाश होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रशासनिक लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों को परीक्षा सफलता प्राप्त होगी। साल के पहले महीने में आपका वैवाहिक जीवन बहुत ही सुखमय रहेगा। आप जीवनसाथी के साथ मिलकर कुछ नया कर सकते हैं। परिवार के साथ यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। आप जीवनसाथी और बच्चों के साथ कुछ यादगार क्षण व्यतीत करेंगे। आप इस महीने घर बदलने या मकान के सौंदर्यीकरण के बारे में योजना बना सकते हैं। पारिवारिक जीवन में थोड़ा सावधान रहने की जरुरत है, क्योंकि परिजनों के बीच विवाद होने की संभावना नजर आ रही है। इन विवादों की वजह से मानसिक तनाव बढ़ सकता है इसलिए सभी लोगों से अच्छे रिश्ते रखें। इसके अलावा कार्य स्थल पर अपने व्यवहार को लेकर संयम बरतें और बेकार की बातों पर ध्यान देने की बजाय, अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। प्रिंट मीडिया में काम करने वाले लोगों के लिए अच्छा रहेगा। कोई बड़ी सफलता मिलने की संभावना है। काम के सिलसिले में होने वाली यात्राएं आपके लिए लाभकारी रहेंगी। इस मास 6, 7, 15, 16, 17, 25, 26 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

इस महीने आपको पैतृक संपत्ति से लाभ मिल सकता है। वहीं आप को व्यवसाय से अच्छा लाभ होने की संभावना है। कार्य स्थल पर आप बेहतर कार्य करने में सक्षम होंगे और अच्छे काम के लिए आपको सम्मानित किया जाएगा। हालांकि इस माह कार्य स्थल पर सहकर्मियों के साथ कुछ मतभेद भी हो सकते हैं इसलिए अपने व्यवहार में परिपक्वता दिखाएं। पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे है लोगों को अचानक बड़े लाभ की प्राप्ति हो सकती है। अधिक काम करने की वजह से ज्यादा थकान महसूस होगी। इस माह वैवाहिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। आप परिवार के बीच रहकर जीवनसाथी और बच्चों के साथ अच्छा समय गुजारेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों को इच्छित सफलता मिलने की संभावना है। डॉक्टर और मेडिकल के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों के लिए यह समय बेहद अच्छा है। दुर्घटना की संभावना बनेगी। भाई बहनों को कष्ट हो सकता है। व्यापार में लाभ के योग बनेंगे। माङ्गलिक कार्यों में व्यय होगा। विवाह संबंधित बाधाएें दूर होगी। हृदय संबंधी विकार हो सकते है। प्रेम संबंधों में सफलता प्राप्त होगी। उदर संबंधी विकार की भी संभावना है। इस मास 5, 6, 14, 15, 16, 24, 25, 26 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मीन राशि (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

अप्रैल

दाम्पत्य संबंधों व सामाजिक सहयोग की दृष्टि से यह मास उत्तम रहेगा। जातक अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। व्यावसायिक क्षैत्र में अच्छी सफलता प्राप्त होगी। जीवन साथी को भी अपने कार्यक्षैत्र में सफलता प्राप्त होगी। स्त्री व पुरुष दोनों को इस दौरान मान व सम्मान प्राप्त होगा। मनोवैज्ञानिक विषय में शोध करने वाले छात्र इस माह बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। साझेदारी से व्यापार करने वालों को इस दौरान सावधान रहना चाहिये। व्यवसाय में संसाधनों का दुरुपयोग समस्याएं खड़ी कर सकता है। इस महीने की शुरुआत में आर्थिक रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है। घरेलू व्यय में वृद्धि होगी जो कि वित्तीय संकट की ओर लेकर जा सकती है लेकिन बेहतर वित्तीय योजना की मदद से आप इन मौद्रिक समस्याओं को आसानी से हल कर सकेंगे। मास 13, 14, 15, 23, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

इस मास असंयमित खान-पान, जीवनशैली के कारण स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। स्वभाव में कठोरता आ सकती सकती है। अत्यधिक कार्यभार के कारण आप उचित आराम नहीं कर पाएंगे, जिस कारण काफी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस माह जातक को आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। लम्बे समय से फंसा हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है और कर्ज से पीडित जातक इस मास कर्ज से मुक्ति पाएंगे। कोई नया कर्ज लेने से बचें और इस मास किसी नई योजना में पैसा न लगाएं। इस मास जातक अच्छी बचत कर लेंगे लेकिन घरेलू व्यय में वृद्धि भी हो जायेगी। इस माह पारिवारिक जीवन में अच्छा संतुलन बनाने की आवश्यकता होगी। परिवार के सदस्यों में आपसी मनमुटाव रह सकता है। न्यायिक सेवा से जुड़े जातकों के लिए यह मास अच्छा रहेगा क्योंकि इस अवधि के दौरान उन्हे सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक कार्यों में संघर्ष कार्यकर्ताओं को सम्मान व प्रतिष्ठा मिलेगी। इस मास 3, 4, 11, 12, 21, 22, 30, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

औषधि क्षैत्र से संबंधित कार्य करने वाले जातकों को इस मास अच्छा लाभ होगा। लंबे संघर्ष के बाद महिला उद्यमियों को बड़ी सफलता मिलेगी और अपनी परिश्रम के लिए प्रतिष्ठा व पुरस्कार भी प्राप्त होगा। इस मास सन्तान पक्ष से आपके जीवन में खुशी प्राप्त होगी। बच्चों को अध्ययन से संबंधित कोई परेशानी नहीं होगी और वो अपने क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

परिवार में शांति व सौहार्द बना रहेगा। जीवनसाथी से संबंध प्रगाढ होगा। स्वास्थ्य के प्रति इस माह सजग रहें क्योंकि लापरवाही बरतने से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। योग, व्यायाम आदि के लिए भी समय अवश्य निकालें जिससे आप स्वस्थ रह सकें। स्वास्थ्य सेवा से जुड़े व्यवसायी विशेष चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को इस मास लाभ प्राप्त होगा। स्वास्थ्य, बीमा से जुड़े जातक भी अपने कार्यों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। 7, 8, 9, 17, 18, 26, 27 दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जुलाई

आप बच्चों के प्रति थोड़े चिंताग्रस्त हो सकते हैं खासतौर पर उनकी पढ़ाई को लेकर ज्यादा परेशान हो सकते हैं। बच्चों के साथ अपना ज्यादा से ज्यादा समय बिताएंगे और उन्हें उनकी पढ़ाई में मदद करेंगे। इस माह आपके प्रेम संबंधों में भी टकराव संभव है। आपके लव पार्टनर आपसे नाखुश रहेंगे और आपस में बहस होती रहेगी। इसलिए आपको कोमलता के साथ स्थिति को संभालने का सुझाव दिया जाता है। इस दौरान आपको अपने भाई-बहनों व दोस्तों का पूरा सहयोग मिलेगा जो आपको लाभकारी परिणाम देगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। अगर किसी प्रकार का लाभ नहीं मिलेगा तो हानि भी नहीं होगी। निजी या कार्य संबंधी यात्राएं हो सकती हैं। सितारों की चाल कहती है कि प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे और अपनी मेहनत से अच्छे नंबर प्राप्त करेंगे। कम्प्यूटर क्षेत्र में कार्य करने वाले तथा नाटक, थिएटर, फिल्म आर्टिस्ट आदि के लिए अच्छा समय है। कार्यक्षेत्र में इस मास सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेंगे। मित्रों व बंधुओं से लाभ प्राप्त होगा तथा उनसे सहायता प्राप्त होगी। समाज व लोगों के मध्य विशेष प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। प्रेम संबंध बनेंगे। त्वचा व मुख संबंधित रोग हो सकता है। 5, 6, 14, 15, 16, 23, 24 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अगस्त

आपको इस माह समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। धन की हानि हो सकती है। परिवार में लड़ाई-झगड़े हो सकते हैं। छोटे भाई बहनों से मन मुटाव हो सकता है। आपस में आप लोगों के बीच कुछ गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती हैं जिससे घर के वातावरण में सौहार्द की भावना भंग हो जाएगी। अगर आप संयम के साथ स्थिति को संभालने की कोशिश करेंगे तो माह के अंत तक सब चीजों के सुधरने के आसार हैं। मानसिक परेशानियां अधिक हो सकती हैं। पराक्रम की हानि होगी। वाणी में दोष उत्पन्न हो सकता है। विद्यार्थियों को विद्याप्राप्ति में अधिक परिश्रम करना होगा। जो सरकारी नौकरी कर रहे हैं या फिर सरकारी क्षेत्र से लाभ प्राप्त रहे हैं यह माह आपके लिए चुनौती पूर्ण रहेगा। वैज्ञानिकों व इंजीनियरों के लिए भी ये बिल्कुल उचित समय है। शोध व ज्ञान के प्रति रूचि बढेगी। इस माह आपको अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। हृदय रोग या रक्त विकार की समस्या से पीडित लोगों को संभल कर रहने की आवश्यकता है। बाहर या घर में कोई जल्दबाजी न दिखाएं अन्यथा चोट लगने के संभावना हैं। मातृ पक्ष से लाभ हो सकता है। कठिन समय में संयम से काम लें और झगड़ों व विवादों से दूर रहें। 1, 2, 11, 12, 20, 21, 28, 29 दिनांके नेष्ट रहेंगी।

सितम्बर

नया कार्य आरम्भ करने हेतु के लिए यह महीना काफी शुभ है। व्यापार में उन्नति होगी। वाणी का प्रभाव बढेगा। धन में वृद्धि होगी। नेत्र संबंधी विकार हो सकते है। त्वचा संबंधी विकार भी हो सकते हैं। निजी जीवन में खुशियों की बहार आएगी और भाई-बहन के साथ मिलकर चलने से आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। पिता को कुछ कष्ट हो सकता है। बच्चों पर इस दौरान ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। उन्हें प्यार व स्नेह के साथ रखने की जरूरत है। किशोरावस्था के बच्चों को विशेष रूप से आपके मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है, खासतौर पर बात जब उनके दोस्तों को चुनने की हो। जातक की आर्थिक स्थिति पूरे माह अच्छी रहेगी। परिवार से आय के कई नए स्रोत प्राप्त होंगे और आप समय का आनंद उठाएंगे। इस दौरान खेल-कूद, पुलिस, सेना, रेस्टोरेन्ट से जुड़े व्यक्ति अपने कार्यस्थल पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। चिकित्सा, सर्जरी, हेल्थ व फिटनेस से जुड़े उपकरणों का बिजनेस अच्छा लाभ देगा। कुछ जातक कलात्मकता का भाव अनुभव करेंगे और उस कला का बेहतरीन प्रयोग करेंगे। लेखन व विज्ञापन से जुड़े लोगों के लिए समय शुभ है और इस दौरान उन्हें अनेक नये अवसर प्राप्त होंगे। इस मास 7, 8, 16, 17, 24, 25, 26 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धन प्राप्ति के नए मार्ग खुलेंगे। प्रशासनिक सेवा की तैयारी करने वाले छात्रों को सफलता प्राप्त होगी। पिता को शारीरिक कष्ट हो सकता है। वैवाहिक अड़चन दूर होगी। व्यापारी वर्ग को लाभ होगा। सेना, पुलिस, रेस्टोरेन्ट, मेडिकल संबंधी कार्य करने वालों को लाभ होगा। १८ तारीख के बाद ज्वर, शिरो वेदना पित्त विकार आदि कष्ट हो सकते हैं। धन धान्य की वृद्धि होगी। आप अपने ऊर्जा व उत्साह में वृद्धि देखेंगे और जो भी कार्य करेंगे, उसमें सफलता हासिल करेंगे। इस माह आपको बार-बार यात्रा पर जाना पड़ सकता है। बाहरी देशों के साथ व्यापार करने वालों को बड़ा मुनाफा हो सकता है। आपका निर्यात से जुड़ा व्यवसाय बढ़ता रहेगा और भविष्य में भी लाभ देगा। सॉफ्टवेयर टेक्नॉलिजी से जुड़े जातकों को भी इस माह लाभ होगा। मर्चेन्ट नेवी या नौसेना से जुड़े लोगों के लिए ये समय काफी अच्छा है। सरकारी फंड से संबंधित परियोजनाओं को संभालने वाले सलाहकारों को विदेश यात्रा का अवसर मिल सकता है। विदेश में काम करने वाले राजनयिकों व संपर्क अधिकारियों के लिए समय अच्छा है। वो अपने कार्य में सफलता हासिल करेंगे। छात्रों के लिए ये माह काफी शुभ है क्योंकि इस दौरान उन्हें सफलता मिल सकती है। उच्च शिक्षा के लिए यदि विदेश जाने की इच्छा रखते हैं तो आपकी ये कामना इस मास पूर्ण हो सकती है। इस मास 4, 5, 6, 14, 15, 22, 23, 31 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

नवम्बर

विद्यार्थीयों को परीक्षाओं में सफलता प्राप्त होगी। व्यापारी वर्ग को लाभ प्राप्ति हेतु अधिक परिश्रम करना होगा। ससुराल पक्ष से कुछ अनबन हो सकती है। विदेश यात्राओं के योग भी बनते हैं। नेत्र संबंधित रोग होने की संभावनाऐ बनती है। राजकीय व राजनैतिक उद्देश्यों हेतु

विशेष व्यय हो सकता है। १९ अप्रैल के उपरांत कार्यों में सफलता प्राप्त होगी व स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा। मान व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। संगीत, साहित्य, मनोरंजन के प्रति रूचि बढेगी। इस माह खर्चों में वृद्धि आपको मुश्किल में डाल सकती है इसलिए बजट के अनुसार ही चलें। शुरुआत के 15 दिनों तक किसी से भी उधार लेने से बचें और फाइनेंस से जुड़ा अच्छी योजनाएं बनाएं। तथापि अचल संपत्तियों से लाभ प्राप्त हो सकता है। नई प्रॉपर्टी लेने की संभावनाऐं हैं। पेट में संक्रमण, अपच या अनिद्रा जैसी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं। बीमारियों के कारण खर्च्च संभव है। आपका निजी जीवन संघर्ष व चुनौतियों से भरा रहेगा। वैवाहिक जीवन में टकराव हो सकते हैं जिस कारण आप और आपके जीवनसाथी के मध्य दूरी भी हो सकती है। ऐसी स्थिति में संभलकर रहें । कानूनी मामलों में भी फंस सकते हैं। निजी जीवन में किसी-किसी को अलगाव का सामना भी करना पड़ सकता है। मेडिकल या रिसर्च से जुड़े छात्रों के लिए समय अच्छा है। मातृ पक्ष से लाभ हो सकता है। इस मास 1, 2, 10, 11, 18, 19, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

दिसम्बर

इस मास भाइयों से कुछ अनबन रहेगी। हाथों पर चोट लगने की संभावना है। नौकरों से ध ोखा हो सकता है। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाहन, भूमि, जायदाद का लाभ हो सकता है। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। मधुमेह, पेट रोग, कफ संबंधी विकार होने की संभावना है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। स्वयं भी सावधानी रखें, दुर्घटना हो सकती है। आध्यात्म की और रूझान बढेगा। भाग्य का सहयोग कम मिलेगा। व्यापारी वर्ग को वस्त्र, प्रसाधन, मनोरंजन सामग्रीयों से लाभ होगा। मांगलिक कार्यों में विशेष व्यय हो सकता है। अपने कार्यों में बड़ी सफलता हासिल करेंगे। कामयाब व्यावसायिक जीवन का आनंद उठाएंगे और अगर आप नौकरी में बदलाव का प्रयास कर रहे हैं तो आपको कुछ अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में ये बदलाव आपके लिए बहुत लाभकारी होंगे और आपके करियर को ऊंचाई देंगे। इस माह प्रमोशन के साथ सैलेरी बढ़ने के भी आसार हैं। अगर आप बिजनेस कर रहे हैं तो उससे भी अप्रत्याशित लाभ की संभावना है। यदि आपका कार्य कला, थिएटर आदि से जुड़ा है तो आपको इस बीच नाम और प्रसिद्धी दोनों मिलेगी। कामकाजी महिलाओं को इस दौरान प्रशंसा, सम्मान व सफलता मिलेगी जिससे उन्हें संतुष्टि की अनुभूति होगी। आपको अपने परिवार विशेष रूप से घर की महिलाओं से पूरा सहयोग प्राप्त होगा। जीवन साथी आपकी जरूरतों को समझेंगे और आपका रिश्ता खुशी व आनंद से भरा रहेगा। जीवन साथी की मदद से आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। सामाजिक तौर पर घुलने-मिलने के लिए समय ठीक है। जीवन में नए दोस्तों के आगमन से खुशियां आएंगी। छात्रों के लिए भी ये माह शुभ रहेगा। विशेष रूप से उन छात्रों के लिए जो कला या चिकित्सा विषयों से जुड़े हैं। इस मास 7, 8, 16, 17, 25, 26, 27 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जनवरी 2025

आपको इस माह भाग्य का साथ मिलेगा और आपका पूरा मास बहुत अच्छा रहेगा। समाज में लोगों से संबंध प्रगाढ होंगे। लोगों से मिलना-जुलना बढ़ेगा जिससे सामाजिक स्थिति अच्छी होगी। पारिवारिक व निजी आय में वृद्धि होगी । शेयर आदि में निवेश न करें बल्कि कोई अन्य सुरक्षित उपाय अपनाएं। इस मास पैसों से जुड़े मामलों में कोई फैसला लेने से पहले एक बार अवश्य चिन्तन कर लें। निजी जीवन की उन्नति हेतु माह आपके लिए अच्छा रहेगा। वैवाहिक जीवन में आनंद बना रहेगा। पारिवारिक माहौल में खुशी बढेगी और आप परिवार के लोगों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। कार्यक्षेत्र पर सफलता मिलेगी, विशेष रूप से व्यवसाय करने वालों के लिए समय शुभ है। साझेदारी से किया गया व्यापार भी इस दौरान लाभदायक साबित होगा। व्यवसाय व कार्यक्षेत्र संबंधित विशेष कार्य हेतु विदेश यात्रा की संभावनाऐं बनेंगी व अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। इस मास 3, 4, 5, 12, 13, 21, 22, 23, 31 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी

इस मास आपकों को अपने कार्यक्षेत्र को बेहतर बनाने हेतु अधिक प्रयास करने होंगे। इस मास क्रोध में गलत शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं, जिससे व्यर्थ कलह की संभावनाएं बनेगी। स्वास्थ्य हेतु प्रारम्भ का आधा महीना अच्छा नहीं जाएगा और छोटी-छोटी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। लेकिन बाद में आपका स्वास्थ्य उत्तम हो जाएगा और आप ज्यादा शक्ति व स्फूर्ति का अनुभव करेंगे। इस माह भाई-बहन के साथ मतभेद हो सकते हैं, परिवार के मुखिया से इस दौरान विवाद की संभावनाएं हैं। पिता का स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। वकील व सर्जन के लिए ये समय काफी अच्छा है, आप इस दौरान अपने कार्य में सफलता प्राप्त करेंगे। इस मास 1, 8, 9, 18, 19, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मार्च

इस मास आध्यात्मिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आपके जीवन साथी आपसे प्रेरणा पा कर खुद भी अध्यात्म की ओर झुक सकते हैं। वैवाहिक जीवन हेतु मास अच्छा रहेगा। कुछ जातक को इस मास अपने आत्म-विश्वास में कमी महसूस कर सकते हैं तो कुछ पारिवारिकः जीवन में तनाव महसूस करेंगे। आर्थिक स्थिति के लिए काफी अच्छा रहेगा और आपका बैंक बैलेंस अच्छा हो जाएगा। भाग्य आपके पक्ष में रहेगा और आपको मेहनत से ज्यादा कामयाबी मिलेगी। इस माह नई प्रॉपर्टी में आप पूंजी निवेश कर सकते हैं और अचल संपत्ति में भी बढ़ोत्तरी की संभावना है। इस माह कारोबार में भी भारी लाभ की उम्मीद है। इस दौरान बैंक, बीमा क्षेत्र और अन्य ऋण देने वाली एजेंसियों को भी उन्नति प्राप्त होगी। इस उद्योग से जुड़े लोगों को अधिक लाभ होगा। इस मास 7, 8, 9, 17, 18, 19, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

डॉ. प्रवेशव्यास
सहायकाचार्य, वास्तुशास्त्रविभाग
श्री ला.ब.शा.रा.सं.विश्वविद्यालय,नई दिल्ली

ग्रहों का राशि प्रवेशकाल विचार

2024-25 (भा.स्टै.समय में)

सूर्य राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मेष	13/04/2024	21:04
वृष	14/05/2024	17:56
मिथुन	14/06/2024	24:32
कर्क	16/07/2024	11:25
सिंह	16/08/2024	19:48
कन्या	16/09/2024	19:46
तुला	17/10/2024	07:45
वृश्चिक	16/11/2024	07:32
धनु	15/12/2024	22:11
मकर	14/01/2025	08:55
कुम्भ	12/02/2025	21:54
मीन	14/03/2025	18:44

मंगल राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मीन	23/04/2024	16:54
मेष	01/06/2024	15:09
वृष	12/07/2024	17:56
मिथुन	26/08/2024	13:34
कर्क	20/10/2024	10:50
मिथुन (व.)	21/01/2025	18:50

बुध राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मेष	10/05/2024	22:19
वृष	31/05/2024	12:40
मिथुन	14/06/2024	22:56
कर्क	29/06/2024	11:18
सिंह	19/07/2024	21:00
कर्क (वक्री)	21/08/2024	28:11
सिंह	04/09/2024	11:31
कन्या	23/09/2024	10:27
तुला	10/10/2024	11:13
वृश्चिक	29/10/2024	21:38
धनु	04/01/2025	12:06
मकर	24/01/2025	17:50
कुम्भ	11/02/2025	12:36
मीन	27/02/2025	23:34

गुरु राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
वृष	01/05/2024	19:07

शुक्र राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मेष	24/04/2024	23:58
वृष	19/05/2024	08:33
मिथुन	12/06/2024	18:17
कर्क	06/07/2024	28:06
सिंह	31/07/2024	13:50
कन्या	24/08/2024	24:35
तुला	18/09/2024	13:35
वृश्चिक	13/10/2024	29:33
धनु	06/11/2024	26:22
मकर	02/12/2024	10:29
कुम्भ	28/12/2024	23:05
मीन	27/01/2025	30:48

शनि राशि प्रवेश

शनि वर्ष भर कुम्भ राशि में संचरण करेंगे।

राहु राशि प्रवेश

राहु वर्ष भर मीन राशि में संचरण करेंगे।

केतु राशि प्रवेश

केतु वर्ष भर कन्या राशि में संचरण करेंगे।

सायन सूर्य राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
वृष	19/04/2024	19:52
मिथुन	20/05/2024	18:55
कर्क	20/06/2024	26:47
सिंह	22/07/2024	13:41
कन्या	22/08/2024	20:50
तुला	22/09/2024	18:38
वृश्चिक	22/10/2024	28:08
धनु	21/11/2024	25:47
मकर	21/12/2024	15:12
कुम्भ	19/01/2025	25:52
मीन	18/02/2025	15:56
मेष	20/03/2025	14:47

ग्रहों का नक्षत्र प्रवेशकाल विचार

2024-25 (भा.स्टै.समय में)

सूर्य नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनांक	समय
अश्विनी	13/04/2024	21:04
भरणी	27/04/2024	12:53
कृत्तिका	11/05/2024	07:03
रोहिणी	24/05/2024	27:17
मृगशिरा	07/06/2024	25:08
आर्द्रा	21/06/2024	24:08
पुनर्वसु	05/07/2024	23:43
पुष्य	19/07/2024	18:41
आश्लेषा	02/08/2024	22:07
मघा	16/08/2024	19:48
पूफा	30/08/2024	15:47
उफा	13/09/2024	09:40
हस्त	26/09/2024	25:11
चित्रा	10/10/2024	14:11
स्वाती	23/10/2024	24:41
विशाखा	06/11/2024	08:50
अनुराधा	19/11/2024	14:52
ज्येष्ठा	02/12/2024	19:10
मूल	15/12/2024	22:11
पूषा	28/12/2024	12:24
उषा	10/01/2025	26:24
श्रवण	23/01/2025	28:42
धनिष्ठा	06/02/2025	07:50
शतभिषा	19/02/2025	12:20
पूभा	04/03/2025	18:38
उभा	17/03/2025	27:05

मंगल नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनांक	समय
पूभा	10/04/2024	11:07
उभा	27/04/2024	16:00
रेवती	14/05/2024	24:35
अश्विनी	01/06/2024	15:09
भरणी	19/06/2024	14:17
कृत्तिका	07/07/2024	25:00
रोहिणी	26/07/2024	27:17
मृगशिरा	15/08/2024	26:55
आर्द्रा	06/09/2024	09:50
पुनर्वसु	29/09/2024	21:28
पुष्य	28/10/2024	16:04
पुनर्वसु(व.)	13/01/2025	08:53

बुध नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनांक	समय
अश्विनी	10/05/2024	22:19
भरणी	21/05/2024	14:27
कृत्तिका	29/05/2024	17:07
रोहिणी	05/06/2024	24:27
मृगशिरा	11/06/2024	22:05
आर्द्रा	17/06/2024	23:51
पुनर्वसु	24/06/2024	07:23
पुष्य	01/07/2024	07:24
आश्लेषा	09/07/2024	11:54
मघा	19/07/2024	21:00
आश्लेषा(व)	21/08/2024	28:11
मघा	04/09/2024	11:31
पूफा	14/09/2024	07:35
उफा	21/09/2024	15:30
हस्त	28/09/2024	16:07
चित्रा	06/10/2024	11:35
स्वाती	14/10/2024	13:49
विशाखा	22/10/2024	27:30
अनुराधा	31/10/2024	29:24
ज्येष्ठा	10/11/2024	27:32
अनुराधा(व)	08/12/2024	14:36
ज्येष्ठा	24/12/2024	11:17
मूल	04/01/2025	12:06
पूषा	13/01/2025	20:30
उषा	22/01/2025	15:00
श्रवण	30/01/2025	22:14
धनिष्ठा	07/02/2025	18:26
शतभिषा	14/02/2025	28:36
पूभा	22/02/2025	09:28
उभा	01/03/2025	23:54

गुरु नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनांक	समय
कृत्तिका	17/04/2024	08:26
रोहिणी	13/06/2024	12:14
मृगशिरा	20/08/2024	29:03
रोहिणी(व.)	27/11/2024	20:41

शुक्र नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनांक	समय
रेवती	13/04/2024	28:39
अश्विनी	24/04/2024	23:58
भरणी	05/05/2024	19:36
कृत्तिका	16/05/2024	15:32
रोहिणी	27/05/2024	11:44
मृगशिरा	07/06/2024	08:04
आर्द्रा	17/06/2024	28:29
पुनर्वसु	28/06/2024	24:51
पुष्य	09/07/2024	21:11
आश्लेषा	20/07/2024	17:28
मघा	31/07/2024	13:50
पूफा	11/08/2024	10:25
उफा	22/08/2024	17:18
हस्त	01/09/2024	28:38
चित्रा	12/09/2024	26:27
स्वाती	23/09/2024	24:51
विशाखा	04/10/2024	23:51
अनुराधा	15/10/2024	23:34
ज्येष्ठा	26/10/2024	24:16
मूल	06/11/2024	26:22
पूषा	17/11/2024	30:35
उषा	29/11/2024	13:59
श्रवण	10/12/2024	26:05
धनिष्ठा	22/12/2024	21:27
शतभिषा	03/01/2025	28:24
पूभा	17/01/2025	07:48
उभा	01/02/2025	07:58
रेवती	28/02/2025	17:18

शनि नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनांक	समय
शत. (व.)	01/10/2024	19:58
पूभा	28/12/2024	30:31

राहु नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनांक	समय
उभा(व.)	07/07/2024	23:39
पूभा(व)	16/03/2025	14:13

केतु नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनांक	समय
उफा (व.)	10/11/2024	18:55

ग्रहों का मार्गत्व वक्रत्व

मंगल ग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
07/12/2024	शनि	19:05	वक्री
24/02/2025	सोम	18:55	मार्गी

बुध ग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
26/04/2024	शुक्र	17:47	मार्गी
05/08/2024	सोम	17:48	वक्री
29/08/2024	गुरु	18:00	मार्गी
26/11/2024	मंगल	18:55	वक्री
16/12/2024	सोम	19:08	मार्गी
15/03/2025	शनि	18:33	वक्री

गुरुग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
09/10/2024	बुध	18:21	वक्री
04/02/2025	मंगल	19:11	मार्गी

शुक्रग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
02/03/2025	रवि	19:12	वक्री

शनिग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
30/06/2024	रवि	17:30	वक्री
23/10/2024	बुध	18:48	मार्गी

विक्रम संवत् 2081 (ई0सन् 2024–25) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
वासन्तिक नवरात्रारम्भ	09/04/2024	मातंगी जयन्ती	10/05/2024	निर्जला एकादशीव्रत	18/06/2024
घटस्थापन	09/04/2024	आदिगुरु शंकराचार्य जयन्ती	12/05/2024	चम्पक द्वादशी	19/06/2024
मत्स्य जयन्ती	11/04/2024	रामानुजाचार्य जयन्ती	13/05/2024	त्रिविक्रम द्वादशी	19/06/2024
गणगौरी तृतीया	11/04/2024	चन्दन षष्ठी	13/05/2024	वटसावित्री व्रत पूर्णिमा	21/06/2024
सौभाग्य गौरीव्रतम्	11/04/2024	गंगोत्पत्ति	14/05/2024	कबीर दास जयन्ती	22/06/2024
विनायक चतुर्थी व्रतम्	12/04/2024	सीता जयन्ती	17/05/2024	शीतला अष्टमी	29/06/2024
श्री पंचमी	13/04/2024	मोहिनी एकादशीव्रत	19/05/2024	योगिनी एकादशीव्रत	02/07/2024
रामराज्य महोत्सव	13/04/2024	मधुसूदन द्वादशी	20/05/2024	वंश वर्धक अमावस्या	05/07/2024
वैशाखी	13/04/2024	नृसिंह जयन्ती	21/05/2024	गुप्त नवरात्रारम्भ	06/07/2024
यमुना छठ	14/04/2024	छिन्नमस्ता जयन्ती	22/05/2024	श्री जगन्नाथ रथ यात्रा	07/07/2024
कालरात्री पूजन	14/04/2024	कूर्म जयन्ती	23/05/2024	स्कन्द पञ्चमी	11/07/2024
दुर्गाष्टमी व्रत	16/04/2024	नारद जयन्ती	23/05/2024	कुमार षष्ठी	11/07/2024
रामनवमी	17/04/2024	बुद्ध पूर्णिमा	23/05/2024	विवस्वत् सप्तमी	12/07/2024
नवरात्र समाप्त	17/04/2024	सम्पद्गौरी व्रत	23/05/2024	महिषासुरमर्दिनी पूजा	14/07/2024
देवी विसर्जन	18/04/2024	भानु सप्तमी	30/05/2024	मेला शरीक भवानी	15/07/2024
धर्मराज दशमी	18/04/2024	शीतला अष्टमी	31/05/2024	भड्डली नवमी	15/07/2024
कामदा एकादशीव्रत	19/04/2024	अपरा एकादशीव्रत (स्मार्त)	02/06/2024	गुप्त नवरात्र समाप्त	15/07/2024
वामन द्वादशी	20/04/2024	वट सावित्री व्रत अमा.	06/06/2024	हरिशयनी एकादशी	17/07/2024
अनंग त्रयोदशी	21/04/2024	भावुका अमावस्या	06/06/2024	वासुदेव द्वादशी	18/07/2024
महावीर जयन्ती (जैन)	21/04/2024	शनैश्चर जयन्ती	06/06/2024	कोकिला व्रत	20/07/2024
नृसिंह दोलोत्सव	22/04/2024	रम्भा तृतीया	08/06/2024	गुरु/व्यास पूर्णिमा	21/07/2024
हनुमान जयन्ती (द.भा.)	23/04/2024	महाराणाप्रताप जयन्ती	09/06/2024	श्रावण सोमवार व्रतारम्भ	22/07/2024
अनसूया जयन्ती	28/04/2024	महादेव विवाह	11/06/2024	शीतला सप्तमी	27/07/2024
कोकिला षष्ठी	29/04/2024	स्कन्द षष्ठी	12/06/2024	कामिका एकादशीव्रत	31/07/2024
शीतला अष्टमी	01/05/2024	विन्ध्यवासिनी पूजन	12/06/2024	हरियाली अमावस्या	04/08/2024
वरूथिनी एकादशी	04/05/2024	आरण्यक गौरी व्रत	12/06/2024	चितऊ अमावस्या	04/08/2024
मेला पिंजौर	08/05/2024	मेला क्षीर भवानी	14/06/2024	दोलोत्सवारम्भ	05/08/2024
परशुराम जयन्ती	10/05/2024	सुरकण्डा देवी पूजा	15/06/2024	मेला छिन्नमस्ता	05/08/2024
अक्षय तृतीया	10/05/2024	गंगा दशहरा	16/06/2024	सिन्धारा व्रत	06/08/2024
बगुलामुखी जयन्ती	10/05/2024	गायत्री जयन्ती	18/06/2024	मधुश्रवा तृतीया	07/08/2024
गौरी पूजा	10/05/2024	वटुकभैरव जयन्ती	18/06/2024	हरियाली तीज	07/08/2024

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांकश्री	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
दूर्वागणपति व्रत	08/08/2024	प्रतिपदा का श्राद्ध	18/09/2024	अशून्यशयन व्रत	18/10/2024
नाग पंचमी	09/08/2024	द्वितीया का श्राद्ध	19/09/2024	करवाचौथ व्रत	20/10/2024
भित्तिनागपूजा	09/08/2024	अशून्यशयन व्रत	19/09/2024	अहोई अष्टमी	24/10/2024
कल्की जयन्ती	10/08/2024	तृतीया का श्राद्ध	20/09/2024	राधा जयन्ती	24/10/2024
शीतला सप्तमी (सिंध)	12/08/2024	चतुर्थी का श्राद्ध	21/09/2024	रमा एकादशीव्रत	28/10/2024
श्री तुलसी दास जयन्ती	12/08/2024	पंचमी का श्राद्ध	22/09/2024	गोवत्स द्वादशी	28/10/2024
कौमारी देवी पूजा	13/08/2024	षष्ठी का श्राद्ध	23/09/2024	धनवन्तरी जयन्ती	29/10/2024
स्वतन्त्रता दिवस	15/08/2024	सप्तमी का श्राद्ध	23/09/2024	धनतेरस	29/10/2024
पवित्रा एकादशीव्रत	16/08/2024	अष्टमी का श्राद्ध	24/09/2024	नरक चतुर्दशी (छोटी बग्वाल)	30/10/2024
पुत्रदा एकादशी	16/08/2024	जीवित पुत्रिका व्रत	24/09/2024	दीपावली (बड़ी बग्वाल)	01/11/2024
दामोदर द्वादशी	17/08/2024	नवमी का श्राद्ध	25/09/2024	महालक्ष्मी पूजा	01/11/2024
श्रावणी उपाकर्म	19/08/2024	मातृ नवमी	25/09/2024	यम तर्पण	01/11/2024
रक्षाबन्धन	19/08/2024	दशमी का श्राद्ध	26/09/2024	अन्नकूट	02/11/2024
कज्जली तृतीया	22/08/2024	एकादशी का श्राद्ध	28/09/2024	गोवर्धन पूजा	02/11/2024
ललही छठ	24/08/2024	इन्दिरा एकादशीव्रत	28/09/2024	विश्वकर्मा पूजा	02/11/2024
हल षष्ठी	24/08/2024	द्वादशी का श्राद्ध	29/09/2024	भैयादूज, यमद्वितीया	03/11/2024
बलराम जयन्ती	24/08/2024	त्रयोदशी का श्राद्ध	30/09/2024	सूर्यषष्ठी व्रत	07/11/2024
श्रीकृष्णजन्माष्टमी(स्मार्त)	26/08/2024	चतुर्दशी का श्राद्ध	01/10/2024	अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी	10/11/2024
गोगा नवमी	27/08/2024	अमावस्या का श्राद्ध	02/10/2024	हरिप्रबोधिनी एकादशी	12/11/2024
अजा एकादशीव्रत	29/08/2024	सर्व पितृ विसर्जन	02/10/2024	तुलसी विवाह	13/11/2024
कुशोत्पाटिनी अमावस्या	02/09/2024	मातामह श्राद्ध	03/10/2024	वैकुण्ठ चतुर्दशी	14/11/2024
हरितालिका तीज	06/09/2024	शारदीय नवरात्रारम्भ	03/10/2024	विश्वनाथ स्थापना दिवस	14/11/2024
ऋषि पंचमी	08/09/2024	कलश स्थापना	03/10/2024	गुरु नानक जयन्ती	15/11/2024
लोलार्क षष्ठी	09/09/2024	उपांगललिता व्रत	07/10/2024	देव दीपावली	15/11/2024
आमुक्ताभरण सप्तमी	10/09/2024	सरस्वती आवाहन	09/10/2024	कार्तिकव्रत पारणा	15/11/2024
दूर्वा अष्टमी	11/09/2024	कालरात्रि पूजा	09/10/2024	सौभाग्य सुन्दरी व्रत	16/11/2024
नन्दा देवी पूजा	11/09/2024	महानिशा पूजा	10/10/2024	कालभैरवाष्टमी	23/11/2024
राधा अष्टमी	11/09/2024	महाष्टमी व्रत	11/10/2024	रुक्मिणी व्रत	23/11/2024
अदु:ख नवमी(नन्दपाती पूजन)	12/09/2024	महानवमी व्रत	11/10/2024	उत्पन्ना एकादशीव्रत	26/11/2024
दशावतार व्रत	13/09/2024	विजया दशमी(सूर्योदयव्यापिनी)	13/10/2024	प्रतिपत्प्रदोष	01/12/2024
पद्मा एकादशीव्रत	14/09/2024	पापांकुशा एकादशीव्रत(स्मार्त)	13/10/2024	कार्तिक पूजा बंगाल	01/12/2024
शक्र द्वादशी	15/09/2024	शरद पूर्णिमा	16/10/2024	रुद्रव्रत	02/12/2024
अनन्तचतुर्दशी व्रत	17/09/2024	कार्तिक स्नान प्रारम्भ	17/10/2024	रम्भा व्रत	02/12/2024
पूर्णिमा श्राद्ध	17/09/2024	वाल्मीकि जयन्ती	17/10/2024	रामविवाहोत्सव	06/12/2024

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
संहार षष्ठी	07/12/2024	रथसप्तमी	04/02/2025	शीतला पूजा/बासोड़ा	22/03/2025
मल्लार षष्ठी	07/12/2024	अचला सप्तमी	04/02/2025	अष्टकाश्राद्ध	22/03/2025
चम्पा षष्ठी	07/12/2024	अभोज्यार्कव्रत	04/02/2025	अन्वष्टका श्राद्ध	23/03/2025
महानवमीव्रत	09/12/2024	भीमाष्टमी	05/02/2025	पापमोचनी एकादशीव्रत(स्मार्त)	25/03/2025
गीता जयन्ती	11/12/2024	नन्दिनीदेवी पूजन	06/02/2025	गोविन्द द्वादशी	26/03/2025
मोक्षदा एकादशीव्रत(स्मार्त)	11/12/2024	जया एकादशीव्रत	08/02/2025	चैती अमावस्या	29/03/2025
मत्स्य द्वादशी	12/12/2024	भक्त पुण्डरीक उत्सव	08/02/2025	मेला पेहवा	29/03/2025
अखण्ड द्वादशी	12/12/2024	सन्तान द्वादशी	09/02/2025	सोमवती अमावस्या	29/03/2025
श्रीदत्तात्रेय जयन्ती	14/12/2024	माघस्नान समाप्ति	12/02/2025	विक्रम संवत् समाप्ति	29/03/2025
अष्टका श्राद्ध	23/12/2024	सन्त रविदास जयन्ती	12/02/2025		
सफला एकादशीव्रत	26/12/2024	अष्टका श्राद्ध	20/02/2025		
सुरूपाद्वादशी	27/12/2024	अन्वष्टका श्राद्ध	21/02/2025		
पौषी सोमवती अमावस्या	30/12/2024	विजया एकादशीव्रत	24/02/2025		
बकुला अमावस्या	30/12/2024	महाशिवरात्रि व्रत	26/02/2025		
पुत्रदा एकादशीव्रत	10/01/2025	रामकृष्ण परमहंस जयन्ती	01/03/2025		
स्वामी विवेकानन्द जयन्ती	12/01/2025	पुत्र गणपति व्रत	03/03/2025		
लोहड़ी (पंजाब)	13/01/2025	कामदा सप्तमी व्रत	06/03/2025		
माघस्नानारम्भ	13/01/2025	सीता पूजन	06/03/2025		
अर्धकुम्भ स्नानारम्भ प्रयागराज	13/01/2025	होलाष्टक प्रारम्भ	07/03/2025		
खिचडी संक्रान्ति	14/01/2025	दुर्गाष्टमी	07/03/2025		
माघी (हिमाचल)	14/01/2025	फल्गु दशमी	09/03/2025		
तिल संक्रान्ति	14/01/2025	रंगभरी एकादशी	10/03/2025		
पोंगल	14/01/2025	आमलकी एकादशीव्रत	10/03/2025		
संकट चौथ	17/01/2025	गोविन्द द्वादशी	11/03/2025		
अष्टका श्राद्ध	22/01/2025	होलिकादहन	13/03/2025		
षट्तिला एकादशीव्रत	25/01/2025	होलिकाष्टक समाप्ति	14/03/2025		
तिल द्वादशी	26/01/2025	चैतन्यमहाप्रभु जयन्ती	14/03/2025		
गणतन्त्र दिवस	26/01/2025	होली (धुलैण्डी, छरोली)	14/03/2025		
मौनी अमावस्या	29/01/2025	होलिका भस्मधारण(उदयव्या.प्रति.)	15/03/2025		
शिशिर गुप्त नवरात्रारम्भ	30/01/2025	वसन्तोत्सव	15/03/2025		
गौरी तृतीया व्रत	01/02/2025	आम्रकलिका प्राशन	15/03/2025		
तिल चतुर्थी	01/02/2025	रंग पंचमी	19/03/2025		
वसन्त पंचमी	02/02/2025	मेला नौचंदी प्रारम्भ(मेरठ)	19/03/2025		
सरस्वती पूजा	02/02/2025	मेला नौचंदी समाप्त(मेरठ)	21/03/2025		

सूर्यसंक्रान्ति पुण्यकाल

राशि	दिनांक	समय
मेष	13/04/2024	मध्याह्न से
वृष	14/05/2024	11:32 से
मिथुन	15/06/2024	सूर्योदय से
कर्क	16/07/2024	सूर्योदय से
सिंह	16/08/2024	07:48 से
कन्या	16/09/2024	मध्याह्न से
तुला	17/10/2024	सूर्योदय से
वृश्चिक	16/11/2024	सूर्योदय से
धनु	15/12/2024	मध्याह्न से
मकर	14/01/2025	08:55 से
कुम्भ	12/02/2025	मध्याह्न से
मीन	14/03/2025	मध्याह्न से

विक्रम संवत् 2081 (ई0सन् 2024-25) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

विनायक चतुर्थी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	12/04/2024
वैशाख	शुक्ल	11/05/2024
ज्येष्ठ	शुक्ल	10/06/2024
आषाढ	शुक्ल	09/07/2024
श्रावण	शुक्ल	08/08/2024
भाद्रपद	शुक्ल	07/09/2024
आश्विन	शुक्ल	06/10/2024
कार्तिक	शुक्ल	05/11/2024
मार्गशीर्ष	शुक्ल	05/12/2024
पौष	शुक्ल	03/01/2025
माघ	शुक्ल	01/02/2025
फाल्गुन	शुक्ल	03/03/2025

संकष्ट चतुर्थी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	27/04/2024
ज्येष्ठ	कृष्ण	26/05/2024
आषाढ	कृष्ण	25/06/2024
श्रावण	कृष्ण	24/07/2024
भाद्रपद	कृष्ण	22/08/2024
आश्विन	कृष्ण	21/09/2024
कार्तिक	कृष्ण	20/10/2024
मार्गशीर्ष	कृष्ण	18/11/2024
पौष	कृष्ण	18/12/2024
माघ	कृष्ण	17/01/2025
फाल्गुन	कृष्ण	16/02/2025
चैत्र	कृष्ण	18/03/2025

दुर्गाष्टमी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	16/04/2024
वैशाख	शुक्ल	16/05/2024
ज्येष्ठ	शुक्ल	14/06/2024
आषाढ	शुक्ल	14/07/2024
श्रावण	शुक्ल	13/08/2024
भाद्रपद	शुक्ल	11/09/2024
आश्विन	शुक्ल	11/10/2024
कार्तिक	शुक्ल	09/11/2024
मार्गशीर्ष	शुक्ल	09/12/2024
पौष	शुक्ल	07/01/2025
माघ	शुक्ल	05/02/2025
फाल्गुन	शुक्ल	07/03/2025

कालाष्टमी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	01/05/2024
ज्येष्ठ	कृष्ण	30/05/2024
आषाढ	कृष्ण	28/06/2024
श्रावण	कृष्ण	27/07/2024
भाद्रपद	कृष्ण	26/08/2024
आश्विन	कृष्ण	24/09/2024
कार्तिक	कृष्ण	23/10/2024
मार्गशीर्ष	कृष्ण	22/11/2024
पौष	कृष्ण	22/12/2024
माघ	कृष्ण	21/01/2025
फाल्गुन	कृष्ण	20/02/2025
चैत्र	कृष्ण	22/03/2025

मास शिवरात्रि व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	06/05/2024
ज्येष्ठ	कृष्ण	04/06/2024
आषाढ	कृष्ण	04/07/2024
श्रावण	कृष्ण	02/08/2024
भाद्रपद	कृष्ण	01/09/2024
आश्विन	कृष्ण	30/09/2024
कार्तिक	कृष्ण	30/10/2024
मार्गशीर्ष	कृष्ण	29/11/2024
पौष	कृष्ण	29/12/2024
माघ	कृष्ण	27/01/2025
फाल्गुन	कृष्ण	26/02/2025
चैत्र	कृष्ण	27/03/2025

विक्रम संवत् 2081 (ई0सन् 2024-25) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

एकादशी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	19/04/2024
वैशाख	कृष्ण	04/05/2024
वैशाख	शुक्ल	19/05/2024
ज्येष्ठ	कृष्ण(स्मा.)	02/06/2024
ज्येष्ठ	कृष्ण(वै.)	03/06/2024
ज्येष्ठ	शुक्ल	18/06/2024
आषाढ	कृष्ण	02/07/2024
आषाढ	शुक्ल	17/07/2024
श्रावण	कृष्ण	31/07/2024
श्रावण	शुक्ल	16/08/2024
भाद्रपद	कृष्ण(स्मा./वै.)	29/08/2024
भाद्रपद	कृष्ण(नि.)	30/08/2024
भाद्रपद	शुक्ल	14/09/2024
आश्विन	कृष्ण	28/09/2024
आश्विन	शुक्ल(स्मा.)	13/10/2024
आश्विन	शुक्ल(वै.)	14/10/2024
कार्तिक	कृष्ण	28/10/2024
कार्तिक	शुक्ल	12/11/2024
मार्गशीर्ष	कृष्ण	26/11/2024
मार्गशीर्ष	शुक्ल (स्मा./वै.)	11/12/2024
मार्गशीर्ष	शुक्ल (नि.)	12/12/2024
पौष	कृष्ण	26/12/2024
पौष	शुक्ल	10/01/2025
माघ	कृष्ण	25/01/2025
माघ	शुक्ल	08/02/2025
फाल्गुन	कृष्ण	24/02/2025
फाल्गुन	शुक्ल	10/03/2025
चैत्र	कृष्ण(स्मा.)	05/03/2025
चैत्र	कृष्ण(वै.)	26/03/2025

प्रदोष व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	21/04/2024
वैशाख	कृष्ण	05/05/2024
वैशाख	शुक्ल	20/05/2024
ज्येष्ठ	कृष्ण	04/06/2024
ज्येष्ठ	शुक्ल	19/06/2024
आषाढ	कृष्ण	03/07/2024
आषाढ	शुक्ल	19/07/2024
श्रावण	कृष्ण	01/08/2024
श्रावण	शुक्ल	17/08/2024
भाद्रपद	कृष्ण	31/08/2024
भाद्रपद	शुक्ल	15/09/2024
आश्विन	कृष्ण	30/09/2024
आश्विन	शुक्ल	15/10/2024
कार्तिक	कृष्ण	29/10/2024
कार्तिक	शुक्ल	13/11/2024
मार्गशीर्ष	कृष्ण	28/11/2024
मार्गशीर्ष	शुक्ल	13/12/2024
पौष	कृष्ण	28/12/2024
पौष	शुक्ल	11/01/2025
माघ	कृष्ण	27/01/2025
माघ	शुक्ल	10/02/2025
फाल्गुन	कृष्ण	25/02/2025
फाल्गुन	शुक्ल	11/03/2025
चैत्र	कृष्ण	27/03/2025

पूर्णिमा व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	23/04/2024
वैशाख	शुक्ल	23/05/2024
ज्येष्ठ	शुक्ल	21/06/2024
आषाढ	शुक्ल	20/07/2024
श्रावण	शुक्ल	19/08/2024
भाद्रपद	शुक्ल	17/09/2024
आश्विन	शुक्ल	16/10/2024
कार्तिक	शुक्ल	15/11/2024
मार्गशीर्ष	शुक्ल	14/12/2024
पौष	शुक्ल	13/01/2025
माघ	शुक्ल	12/02/2025
फाल्गुन	शुक्ल	13/03/2025

विविध शुभ योग ई0 सन् 2024-25

सिद्ध योग

दिनांक	समय
10.04.24	17:27 तक
16.04.24	13:17 तक
18.04.24	17:30 तक
19.04.24	20:07 तक
01.05.24	05:52 से
11.05.24	25:30 तक
21.05.24	17:49 तक
23.05.24	19:36 तक
24.05.24	19:40 तक
01.06.24	07:27 से
04.06.24	22:01 तक
07.06.24	16:38 तक
15.06.24	26:39 तक
19.06.24	07:29 तक
03.07.24	07:10 तक
11.07.24	09:58 तक
12.07.24	12:28 तक
20.07.24	18:13 तक
25.07.24	25:50 तक
26.07.24	23:20 तक
03.08.24	15:43 तक
13.08.24	09:32 तक
15.08.24	10:31 तक
16.08.24	09:43 तक
21.08.24	17:05 तक

दिनांक	समय
07.09.24	17:33 तक
21.09.24	18:04 तक
12.10.24	11:05 तक
15.10.24	24:41 तक
17.10.24	17:03 तक
18.10.24	13:19 तक
23.10.24	24:40 तक
13.11.24	13:08 तक
27.11.24	27:52 तक
30.11.24	10:34 तक
14.12.24	16:57 तक
01.01.25	26:44 तक
07.01.25	16:31 तक
09.01.25	12:24 तक
10.01.25	10:20 तक
15.01.25	26:53 तक
22.02.25	13:29 तक
28.02.25	27:34 तक
08.03.25	08:13 तक
26.03.25	26:16 तक

सर्वार्थसिद्धयोग

दिनांक	समय
21.04.24	17:13 तक
26.04.24	28:02 तक
28.04.24	29:19 तक
05.05.24	20:06 तक
07.05.24	15:36 तक

दिनांक	समय
19.05.24	27:30 तक
24.05.24	10:14 तक
26.05.24	10:43 तक
05.06.24	21:13 तक
10.06.24	21:19 तक
11.06.24	23:16 तक
16.06.24	11:17 तक
20.06.24	18:23 तक
02.07.24	28:28 तक
03.07.24	27:53 तक
07.07.24	29:33 तक
09.07.24	07:59 तक
17.07.24	27:46 तक
21.07.24	24:32 तक
22.07.24	22:29 तक
28.07.24	11:44 तक
30.07.24	10:18 तक
31.07.24	10:06 तक
04.08.24	13:21 तक
14.08.24	12:18 तक
18.08.24	10:15 तक
19.08.24	08:08 तक
23.08.24	19:45 तक
28.08.24	15:40 तक
30.08.24	17:45 तक
19.09.24	29:18 तक

दिनांक	समय
20.09.24	26:30 तक
23.09.24	21:43 तक
26.09.24	23:09 तक
05.10.24	21:33 तक
12.10.24	29:07 तक
17.10.24	16:26 तक
18.10.24	13:29 तक
21.10.24	29:51 तक
24.10.24	सम्पूर्ण
30.10.24	21:47 तक
04.11.24	08:03 तक
09.11.24	11:54 तक
12.11.24	29:41 तक
14.11.24	24:45 तक
18.11.24	15:39 तक
21.11.24	15:23 तक
06.12.24	17:27 तक
10.12.24	13:36 तक
12.12.24	09:56 तक
14.12.24	27:47 तक
22.12.24	सम्पूर्ण
11.01.25	12:26 तक
19.01.25	17:20 तक
24.01.25	31:09 तक
02.02.25	24:52 तक
04.02.25	21:47 तक

दिनांक	समय
16.02.25	28:10 तक
21.02.25	16:03 तक
23.02.25	19:00 तक
02.03.25	08:59 तक
05.03.25	24:50 तक
10.03.25	24:32 तक
11.03.25	26:00 तक
16.03.25	11:41 तक
20.03.25	23:39 तक

सिद्धियोग

28.04.24	29:19 तक
17.05.24	21:19 तक
26.05.24	10:43 तक
05.06.24	21:13 तक
22.07.24	22:29 तक
19.08.24	08:08 तक
26.09.24	23:09 तक
05.10.24	21:33 तक
12.11.24	29:41 तक
10.12.24	13:36 तक
14.02.25	22:54 तक
23.02.25	19:00 तक
05.03.25	24:50 तक

अमृतयोग

11.04.24	14:57 तक
12.04.24	13:06 तक
24.04.24	सम्पूर्ण
29.04.24	08:06 तक
04.05.24	20:51 तक

दिनांक	समय
12.05.24	25:28 तक
14.05.24	27:46 तक
16.05.24	06:24 तक
17.05.24	08:53 तक
29.05.24	13:46 तक
12.06.24	19:03 तक
16.06.24	29:01 तक
20.06.24	07:51 तक
21.06.24	07:33 तक
01.07.24	10:25 तक
04.07.24	05:54 तक
06.07.24	27:59 तक
17.07.24	21:25 तक
21.07.24	15:54 तक
23.07.24	10:22 तक
31.07.24	15:45 तक
03.07.24	15:43 तक
06.08.24	19:41 तक
10.08.24	29:46 तक
19.08.24	24:10 तक
22.08.24	13:43 तक
23.08.24	10:37 तक
24.08.24	29:51 तक
04.09.24	09:46 तक
08.09.24	20:00 तक
10.09.24	23:32 तक
14.09.24	21:05 तक
5.09.24	15:34 तक
28.09.24	14:45 तक

दिनांक	समय
09.10.24	12:22 तक
13.10.24	09:12 तक
21.10.24	25:51
24.10.24	25:23 तक
25.10.24	26:51 तक
29.10.24	10:37 तक
02.11.24	20:28 तक
11.11.24	19:01 तक
14.11.24	09:49 तक
16.11.24	23:44 तक
25.11.24	24:56 तक
03.12.24	13:16 तक
07.12.24	11:12 तक
11.12.24	25:23 तक
15.12.24	14:28 तक
17.12.24	10:54 तक
21.12.24	12:14 तक
02.01.25	25:24 तक
03.01.25	23:50 तक
13.01.25	27:33 तक
16.01.25	27:33 तक
17.01.25	28:55 तक
21.01.25	12:37 तक
25.01.25	20:52 तक
02.02.25	30:54 तक
04.02.25	26:26 तक
08.02.25	20:04 तक
17.02.25	28:38 तक
19.02.25	07:29 तक

दिनांक	समय
23.02.25	14:08 तक
25.02.25	12:55 तक
05.03.25	12:48 तक
09.03.25	07:43 तक
11.03.25	08:15 तक
15.03.25	14:30 तक
24.03.25	29:52 तक
27.03.25	23:26 तक
28.03.25	20:09 तक

गुरुपुष्य योग

24.10.24	सम्पूर्ण
21.11.24	15:23 तक

रविपुष्य योग

07.07.24	29:33 तक
04.08.24	13:21 तक

वेदा हि यज्ञार्थमभिप्रवृत्ता:
कालानुपूर्वा विहिताश्च यज्ञा:।
तस्मादिदं कालविधानशास्त्रं यो
ज्योतिषं वेद स वेद यज्ञान्।।
यात्राविवाहोत्सवजातकादौ खेटै:
स्फुटैरेव फलं स्फुटत्वम्।
स्यात् प्रोच्यते तेन नभश्चराणां
स्फुटक्रिया दृग्गणितैक्यकृद्या।।

ग्रहण विवरण संवत् 2081 (2024-25 ई.)

उपमर्दे लक्षगुणं ग्रहणे चन्द्रसूर्ययोः।
पुण्यकाटिगुणं मध्ये मुक्तिकाले त्वनन्तकम्।।
- स्कन्दपुराणे

बहुफलं जपदानहुतादिके स्मृतिपुराणविद: प्रवदन्ति हि।
सदुपयोगि जने सचमत्कृति: ग्रहणमिन्द्विनयो: कथयाम्यत:।।
- सि.शि.च.ग्र.श्लो.1

विक्रम संवत् 2081 (2024-25 ई.) में समस्त विश्व में 02 सूर्यग्रहण तथा 02 चन्द्रग्रहण ही दिखाई देंगे। इनमें से कोई भी ग्रहण भारत में दृश्य नहीं होगा। अत: सूतकादिकृत्य में ये ग्रहण विचारणीय नहीं हैं।समस्त ग्रहणों का विस्तृत विवरण निम्नलिखित प्रकार से है-

1- भारत में अदृश्य चन्द्रग्रहण (18 सितम्बर 2024 ई.) - यह खण्डग्रास चन्द्रग्रहण भारतीय समयानुसार प्रात: 7:43 से 08:45 तक अफ्रीका के पश्चिमी क्षेत्र, यूरोप के पश्चिमी क्षेत्र तथा दक्षिणी अमेरिका के क्षेत्रों में ही दृश्य होगा। यह ग्रहण भारत में दृश्य नहीं है। अत: सूतकादिकृत्य में यह विचारणीय नहीं हैं।

2- भारत में अदृश्य सूर्यग्रहण (02-03 अक्टूबर 2024 ई.) - यह कंकणाकृति सूर्यग्रहण भारतीय समयानुसार रात्रि 21:12 से रात्रि 27:13 तक उत्तरी अमेरिका के दक्षिणी भाग, दक्षिणी अमेरिका, न्यूजीलैण्ड, फिजी, पेरू, चिली, ब्राजील, अर्जेन्टीना, मैक्सिको, अटलांटिक व प्रशान्त महासागर के कुछ क्षेत्रों में ही दृश्य होगा। यह ग्रहण भारत में दृश्य नहीं है। अत: सूतकादिकृत्य में यह विचारणीय नहीं हैं।

3- भारत में अदृश्य चन्द्रग्रहण (14 मार्च 2025 ई.) - यह खग्रास चन्द्रग्रहण भारतीय समयानुसार 10:40 से 14:18 तक प्रशान्त महासागर, आस्ट्रेलिया, पूर्वी एशिया, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, उत्तरी अमेरिका के अन्टार्कटिका के अधिकांश भागों में दृश्य होगा। यह ग्रहण भारत में दृश्य नहीं है। अत: सूतकादिकृत्य में यह विचारणीय नहीं हैं।

4- भारत में अदृश्य सूर्यग्रहण (29 मार्च 2025 ई.) - यह आंशिक सूर्यग्रहण भारतीय समयानुसार मध्याह्न 14:12 से रात्रि 18:14 तक यूरोप, अफ्रीका के उत्तरी-पश्चिम क्षेत्रों, उत्तरी अमेरिका के पूर्वी क्षेत्र, दक्षिणी अमेरिका के उत्तरी क्षेत्र, रुस के उत्तरी क्षेत्र, अटलांटिक व आर्कटिक महासागर के क्षेत्रों में ही दृश्य होगा। यह ग्रहण भारत में दृश्य नहीं है। अत: सूतकादिकृत्य में यह विचारणीय नहीं हैं।

विशेष- उपर्युक्त ग्रहण जिन स्थानों में दृश्य होंगे, उन स्थानों में सूर्यग्रहण प्रारम्भ होने से प्राय: 12 घण्टे पूर्व तथा चन्द्रग्रहण प्रारम्भ होने से प्राय: 09 घण्टे पूर्व ग्रहणसूतक विचारणीय होगा।

ग्रहों का उदयास्त विचार 2024-25

मंगलग्रह का उदयास्त

मंगल वर्षभर उदित रहेगा।

बुध ग्रह का उदयास्त

दिनांक	समय	दिशा	स्थिति
19.04.2024	26:47	पूर्व	उदय
03.06.2024	18:16	पूर्व	अस्त
25.06.2024	26:19	पश्चिम	उदय
11.08.2024	19:55	पश्चिम	अस्त
27.08.2024	12:40	पूर्व	उदय
15.09.2024	21:15	पूर्व	अस्त
20.10.2024	20:37	पश्चिम	उदय
30.11.2024	06:34	पश्चिम	अस्त
12.12.2024	07:59	पूर्व	उदय
19.01.2025	30:10	पूर्व	अस्त
25.02.2025	13:14	पश्चिम	उदय
16.03.2025	26:24	पश्चिम	अस्त
01.04.2025	08:42	पूर्व	उदय

गुरुग्रह का उदयास्त

दिनांक	समय	दिशा	स्थिति
09.05.2024	11:44	पश्चिम	अस्त
03.06.2024	17:15	पूर्व	उदय

शुक्रग्रह का उदयास्त

दिनांक	समय	दिशा	स्थिति
27.04.2024	05:58	पूर्व	अस्त
05.07.2024	23:15	पश्चिम	उदय
21.03.2025	23:37	पश्चिम	अस्त
25.03.2025	08:55	पूर्व	उदय

शनिग्रह का उदयास्त

दिनांक	समय	दिशा	स्थिति
23.02.2025	12:07	पश्चिम	अस्त
29.03.2025	18:33	पूर्व	उदय

अगस्त्य का उदयास्त

दिनांक	समय	दिशा	स्थिति
25.04.2024	18:57	-	अस्त
29.08.2024	15:45	-	उदय

विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, चैत्रशुक्ल पक्ष (दिनांक 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2024 ई. तक)

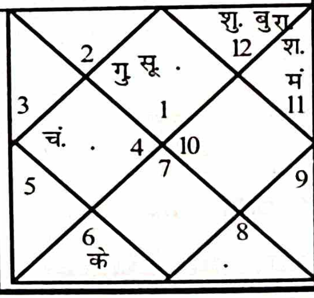
'पिंगल' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त/ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण-4752 अयनांश 24/10/44

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	मंगल	35	55	20	28	रेवती अश्विनी	03 57	44 48	07 29	35 11	वैधृ.	20	31	किंस्तु	10	19	06	05	18	41	31	24	22	35	मेष 07:35	चै27	अप्रै09	**पंचक समाप्ति 07:35**, नववर्षारम्भ, A
2	बुध	28	28	17	27	भरणी	51	46	26	47	विष्कु	11	25	बालव	02	12	06	04	18	40	31	28	22	18	मेष	28	10	सिन्धारा, झूलेलाल जयन्ती, चन्द्रदर्शन,
3	गुरु	22	16	14	57	कृत्तिका	47	55	25	13	प्रीति आयु.	03 56	15 17	गर	22	16	06	03	18	40	31	32	22	02	वृष 08:23	29	11	**भद्रा 26:01 से,** मत्स्यजयन्ती B
4	शुक्र	17	39	13	06	रोहिणी	45	50	24	22	सौभाग्य	49	10	विष्टि	17	39	06	02	18	41	31	37	21	46	वृष	30	12	**भद्रा 13:06तक,** विनायकचतुर्थी C
5	शनि	14	52	11	58	मृगसिरा	45	41	24	17	शोभन	45	08	बालव	14	52	06	01	18	41	31	41	21	31	मिथु.12:19	वै01	13	श्रीपंचमी, श्वेतवाराहकल्पादि, रामराज्यमहोत्सव D
6	रवि	14	02	11	37	आर्द्रा	47	32	25	01	अतिगण्ड	42	44	तैतिल	14	02	06	00	18	42	31	45	21	16	मिथुन	02	14	स्कन्दषष्ठी, सूर्यषष्ठीव्रत(विहार) E
7	सोम	15	13	12	04	पुनर्वसु	51	23	26	32	सुकर्मा	41	55	वणिज	15	13	05	59	18	42	31	49	21	01	कर्क20:09	03	15	**भद्रा 12:04 से 24:40 तक,** F
8	मंगल	18	19	13	17	पुष्य	57	00	28	46	धृति	42	30	बव	18	19	05	58	18	43	31	53	20	47	कर्क	04	16	दुर्गाष्टमी, भवानीयात्रा, अशोकाष्टमी, G
9	बुध	23	02	15	10	आश्लेषा	60	00	-	-	शूल	44	14	कौलव	23	02	05	57	18	44	31	57	20	34	कर्क	05	17	श्रीरामनवमी, नवरात्रसमाप्त, नवमीहोमादि H
10	गुरु	28	56	17	30	आश्लेष	05	09	07	59	गण्ड	46	42	गर	28	56	05	56	18	44	32	01	20	20	सिंह 07:59	06	18	नवरात्र पारणा, धर्मराजदशमी, देवीविसर्जन
11	शुक	35	31	20	07	मघा	12	44	11	01	वृद्धि	49	34	वणिज	02	13	05	55	18	45	32	05	20	07	सिंह	07	19	**भद्रा 06:48से 20:07तक,** कामदा- I
12	शनि	42	16	22	48	पू.फा.	20	39	14	09	ध्रुव	52	26	बव	08	53	05	54	18	45	32	09	19	55	कन्या20:55	08	20	वामनद्वादशी, अनन्तपूजा, मदन द्वादशी, J
13	रवि	48	39	25	20	उ.फा.	28	22	17	13	व्याघात	54	57	कौलव	15	27	05	53	18	46	32	13	19	43	कन्या	09	21	अनंगत्रयोदशी, रविप्रदोषव्रत, श्रीमहावीर K
14	सोम	54	24	27	37	हस्त	35	34	20	05	हर्षण	56	55	गर	21	31	05	52	18	46	32	16	19	32	कन्या	10	22	**भद्रा 27:37 से** शैवचतुर्दशी, L
15	मंगल	59	14	29	33	चित्रा	41	59	22	39	वज्र	58	10	विष्टि	26	49	05	51	18	47	32	20	19	21	तुला09:22	11	23	**भद्रा 16:35 तक,** पूर्णिमाव्रत M

A वि.सं.2081प्रारम्भ, कल्पादि, वसन्तनवरात्रारम्भ, तैलाभ्यंग, घटस्थापन, गुडी परवा, रामायण नवाह्न पारायण प्रारम्भ, B (अपराह्ण) गणगौरीतृतीया, स्वायम्भुवमन्वादि, शिवदोलोत्सव, सौभाग्यगौरीव्रत, सौभाग्यशयनीतृतीया, ईद उल फितर (मुस्लिम), रमजान C दमनकचतुर्थी। D सूर्य अश्विनी व मेष में 21:04, संक्रान्तिपुण्यकाल मध्याह्न से सूर्यास्त तक, वैशाखी, सौरवैशाख प्रारम्भ, विखौती मेला (उत्तराखण्ड), आर्यभट जयन्ती, जलियावाला बाग शहीदी दिवस E कालरात्रि सप्तमी पूजा, यमुना छठ, अम्बेडकर जयन्ती। F त्रिदिवसीय दुर्गा पूजारम्भ, महासप्तमी, महानिशा पूजा, हिमाचल दिवस G अन्नपूर्णा परिक्रमा प्रारम्भ, अन्नपूर्णा पूजा, मेला मनसा देवी प्रारम्भ, औली जैन प्रारम्भ H राजराजेश्वरी मेला, सिद्धिदात्री नवमी, रामायण नवाह्न समाप्त, तारा जयन्ती। I एकादशी व्रत (समस्त), विष्णुदोलोत्सव, सायन सूर्य वृष 19:52, ग्रीष्म-ऋतु प्रारम्भ J दमनकोत्सव K जयन्ती(जैन), L शिवदमनोत्सव, नृसिंहदोलोत्सव, हाटकेश्वर मेला (गुजरात), विश्व पृथिवी दिवस M सत्यनारायणव्रत, हनुमानजयन्ती(दक्षिणभारत), वैशाखस्नान प्रारम्भ, सर्वदेवदमनोत्सव;, औलीजैन समाप्त, मन्वादि 15, सिद्धाचलयात्रा, **वर्षादिकृत्य**-परिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषत:। सुपुष्पाणि समानीय चूर्णं कृत्वा विधानत:।। मरीचिर्लवणं हिंगुजीरकेण च संयुतम्। अजमोदयुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये।। **रामनवमी** -अशोककुसुमैर्युक्तमर्घ्यं दद्याद्विचक्षण:। दशाननवधार्थाय धर्मसंस्थापनाय च।।परित्राणाय साधूनां जातो राम: स्वयं हरि:।।

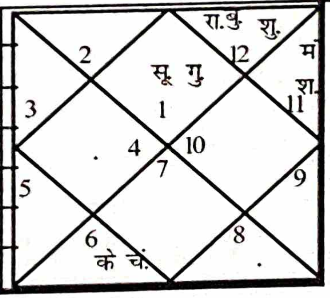
चैत्र शुक्ल 08, मंगलवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 16.04.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	03	10	11	00	11	10	11	05
अं.	02	04	24	25	26	19	20	21	21
क.	19	48	29	20	25	12	55	03	03
वि.	18	37	35	14	00	14	07	04	04
गति	58	748	46	व042	13	74	06	व03	व03
	44	46	35	11	34	04	07	11	11



चैत्र शुक्ल 15, मंगलवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 23.04.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	05	10	11	00	11	10	11	05
अं.	09	28	29	22	28	27	21	20	20
क.	09	16	58	02	00	50	36	40	40
वि.	11	18	50	30	53	08	27	49	49
गति	58	719	46	व015	13	74	05	व03	व03
	29	39	26	18	47	01	44	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, वैशाखकृष्ण पक्ष (दिनांक 24 अप्रैल से 08 मई 2024 ई. तक)

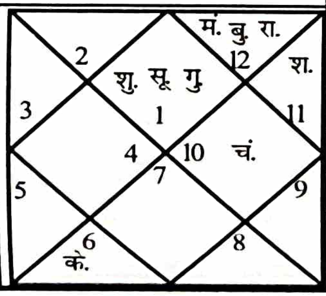
'पिंगल' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4767 अयनांश 24/10/46

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्वै.अं		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	बुध	60	00	-	-	स्वाती	47	34	24	52	सिद्धि	58	43	बालव	31	12	05	50	18	48	32	24	19	11	तुला	12	24	प्रपाकार्य, घटदान, तुलसीदल से विष्णुपूजा।
01	गुरु	02	19	06	45	विशाखा	52	06	26	39	व्यतीपात	58	22	कौलव	02	45	05	49	18	48	32	28	19	01	वृश्चि20:12	13	25	घटदान, तुलसीदल से विष्णुपूजा।
02	शुक	04	59	07	48	अनुराधा	55	34	28	02	वरीयान	57	10	गर	04	59	05	48	18	49	32	32	18	51	वृश्चिक	14	26	**भद्रा 20:05 से**
03	शनि	06	29	08	23	ज्येष्ठा	57	51	28	55	परिघ	54	59	विष्टि	06	29	05	47	18	49	32	35	18	43	धनु 28:55	15	27	**भद्रा 08:23तक,** गणेशसंकटचतुर्थीव्रत A
04	रवि	06	46	08	29	मूल	58	52	29	19	शिव	51	47	बालव	06	46	05	46	18	50	32	39	18	34	धनु	16	28	अनुसूया जयन्ती,
05	सोम	05	50	08	06	पू.षा.	58	42	29	14	सिद्ध	47	37	तैतिल	05	50	05	45	18	51	32	43	18	27	धनु	17	29	कोकिलाषष्ठी, शर्कराषष्ठी
06	मंगल	03	40	07	13	उ.षा.	57	16	28	39	साध्य	42	27	वणिज	03	40	05	44	18	51	32	46	18	19	मकर11:05	18	30	**भद्रा 07:13से भद्रा18:32तक,**शर्करा B
07 08	बुध	00 56	19 58	05 28	52 31	श्रवण	54	41	27	36	शुभ	36	20	बव	00	19	05	44	18	52	32	50	18	13	मकर	19	**मई 01**	कालाष्टमी, बुधाष्टमी, बासोडा, C
09	गुरु	51	22	26	16	धनिष्ठा	51	05	26	09	शुक्ल	29	24	तैतिल	24	25	05	43	18	52	32	54	18	07	कुम्भ14:52	20	02	**पंचक प्रारम्भ 14:52**
10	शुक्र	44	59	23	42	शतभिषा	46	41	24	23	ब्रह्म	21	47	वणिज	18	10	05	42	18	53	32	57	18	01	कुम्भ	21	03	**भद्रा 12:59 से 23:42 तक**
11	शनि	37	54	20	51	पू.भा.	41	35	22	19	ऐन्द्र	13	34	बव	11	26	05	41	18	54	33	01	17	56	मीन16:50	22	04	वरुथिनी एकादशी व्रत (समस्त), D
12	रवि	30	25	17	50	उ.भा.	36	03	20	06	वैधृ विष्कु	04 56	57 07	कौलव	04	09	05	40	18	54	33	04	17	52	मीन	23	05	रविप्रदोषव्रत, विश्व हास्य दिवस
13	सोम	22	45	14	46	रेवती	30	21	17	48	प्रीती	47	14	वणिज	22	45	05	40	18	55	33	07	17	48	मेष 17:48	24	06	**पंचकसमाप्ति17:48,भद्रा14:46** E
14	मंगल	15	17	11	46	अश्विव	24	52	15	36	आयु.	28	22	शकुनि	15	17	05	39	18	55	33	11	17	45	मेष	25	07	श्राद्धादि अमावस्या, शिवसन्निधि स्नान F
30	बुध	08	14	08	56	भरणी	19	51	13	35	सौभा.	30	01	नाग	08	14	05	38	18	56	33	14	17	42	वृष 19:10	26	08	स्नानादि अमावस्या, मेला पिंजौर G

A चन्द्रोदय 22:23 बजे B सप्तमी, C शीतलाष्टमी व्रत, विश्व श्रमिक दिवस D वल्लभाचार्यजयन्ती E से 25:16तक, वराहजयन्ती, मासशिवरात्रि, F गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर जयन्ती G(हरियाणा), कूर्मकल्प **वैशाखे कर्त्तव्यविचार** - तीर्थे चानुदिनं स्नानं तिलैश्च पितृतर्पणम्। दानं धर्मघटादीनां मधुसूदनपूजनम्। माधवे मासि कुर्वीत मधुसूदनतुष्टिदम्।। **वैशाखे त्याज्यवस्तूनि-** कांस्यं मांसं मसूरान्नं चणकं कोद्रवन्तथा। शाकं मधु परान्नं च पुनर्भोजनमैथुने।। **वैशाखे दानमाहात्म्यम्-** ददाति यो हि मेषादौ सक्तूनम्बुघटान्वितान्। पितृनुद्दिश्य विप्रेभ्यः सर्वपापैः प्रमुच्यते।। **वैशाखे स्नानप्रार्थना** - प्रातः सनियमः स्नास्ये प्रीयतां मधुसूदनः। मधुहन्तुः प्रसादेन ब्राह्मणानामनुग्रहात्।। निर्विघ्नमस्तु मे पुण्यं वैशाखस्नानमन्वहम्। माधवे मेषगे भानौ मुरारे मधुसूदन। प्रातः स्नानेन मे नाथ फलदो भव पापहन्निति।।

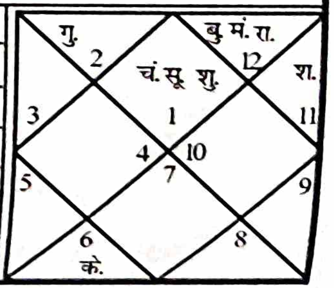
वैशाख कृष्ण 08, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 01.05.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	09	11	11	00	00	10	11	05
अं.	16	10	06	22	29	07	22	20	20
क.	55	51	05	54	52	41	20	15	15
वि.	48	46	21	30	11	34	11	24	24
गति	58	820	46	23	14	63	05	व03	व03
	16	47	15	08	00	58	14	11	11



वैशाख कृष्ण 30, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 08.05.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	00	11	11	01	00	10	11	05
अं.	23	21	11	27	01	16	22	19	19
क.	42	50	28	28	30	18	55	53	53
वि.	34	12	12	16	35	42	04	09	09
गति	58	875	46	50	14	13	04	व03	व03
	02	37	03	17	05	52	45	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, वैशाख शुक्ल पक्ष (दिनांक 09 मई से 23 मई 2024 ई. तक)

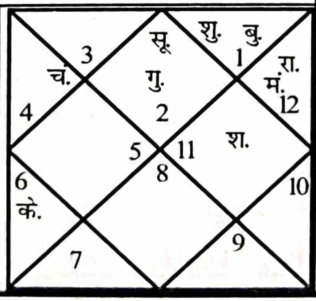
'पिंगल' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4782, अयनांश 24/10/49

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं. अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1 2	गुरु	02 56	02 57	06 28	27 25	कृतिका	15	45	11	56	शोभ.	22	33	बव	02	02	05	38	18	57	33	17	17	40	वृष	27	09	घटादिदान, चन्द्रदर्शन
3	शुक्र	51	49	26	21	रोहिणी	12	52	10	46	अति.	16	07	तैतिल	24	23	05	37	18	57	33	20	17	47	मिथु22:29	28	10	परशुराम जयन्ती, अक्षय तृतीया A
4	शनि	49	45	25	30	मृगसिरा	11	30	10	13	सुक.	10	59	वणिज	20	47	05	36	18	58	33	24	17	38	मिथुन	29	11	भद्रा 13:55से 25:30 तक, नागचतुर्थीB
5	रवि	49	41	25	28	आर्द्रा	11	56	10	22	धृति	07	19	बव	19	43	05	36	18	59	33	27	17	37	कर्क29:04	30	12	आदिगुरुशंकराचार्यजयन्ती, सूरदास जयन्तीC
6	सोम	51	38	26	14	पुनर्वसु	14	16	11	18	शूल	05	10	कौलव	20	39	05	35	18	59	33	30	17	37	कर्क	31	13	श्रीरामानुजाचार्य जयन्ती, चन्दन षष्ठी
7	मंगल	55	29	27	46	पुष्य	18	28	12	58	गण्ड	04	32	गर	23	33	05	34	19	00	33	33	17	38	कर्क	ज्ये01	14	भद्रा 27:46से, गंगोत्पत्ति, सूर्य वृष में D
8	बुध	60	00	-	-	आश्लेषा	24	20	15	18	वृद्धि	05	16	विष्टि	28	11	05	34	19	00	33	36	17	39	सिंह15:18	02	15	भद्रा 17:05 तक, विश्व परिवार दिवस
8	गुरु	02	09	06	24	मघा	31	31	18	10	ध्रुव	07	06	बव	02	09	05	33	19	01	33	39	17	41	सिंह	03	16	दुर्गाष्टमीव्रत, चण्डिकादेवीपूजन E
9	शुक्र	08	20	08	53	पू.फा.	39	25	21	19	व्याघात	09	37	कौलव	07	53	05	33	19	02	33	41	17	43	कन्या28:09	04	17	सीता नवमी, जानकीजयन्ती
10	शनि	14	51	11	29	उ.फा.	47	25	24	31	हर्षण	12	22	गर	14	51	05	32	19	02	33	44	17	46	कन्या	05	18	भद्रा24:43से
11	रवि	21	04	13	58	हस्त	54	55	27	30	वज्र	14	54	विष्टि	21	04	05	32	19	03	33	47	17	49	कन्या	06	19	भद्रा 13:58तक मोहिनी एकादशी व्रत F
12	सोम	26	29	16	07	चित्रा	60	00	-	-	सिद्धि.	16	48	बालव	26	29	05	31	19	03	33	50	17	53	तुला16:38	07	20	परशुरामद्वादशी, रुक्मिणीद्वादशी (बंग) G
13	मंगल	30	45	17	49	चित्रा	00	40	05	47	व्यती.	17	51	तैतिल	30	45	05	31	19	04	33	52	17	57	तुला	08	21	नृसिंहजयन्ती, H
14	बुध	33	41	18	59	स्वाती	05	41	07	47	वरी.	17	54	गर	02	13	05	31	19	05	33	55	18	02	वृश्चि27:08	09	22	भद्रा 18:59 से, छिन्नमस्ताजयन्ती I
15	गुरु	35	14	19	36	विशाखा	09	25	09	16	परि.	16	53	विष्टि	04	27	05	30	19	05	33	57	18	08	वृश्चिक	10	23	भद्रा 07:17 तक, पूर्णिमाव्रत, J

A त्रेतायुगादि मन्वादि, कल्पादि,मातंगी जयन्ती, बगलामुखी जयन्ती, लक्ष्मीनारायणपूजा, गौरी पूजा, समुद्र स्नान, सत्तू भोजन, काशी में त्रिलोचन यात्रा, बदरी केदार यात्रा प्रारम्भ, रोहिणी व्रत, **B** गणेश चतुर्थी व्रत, विनायक चतुर्थी व्रत **C** विश्व मातृदिवस **D** 17:56 बजे, संक्रान्तिपुण्यकाल 11:32 से, गंगा सप्तमी **E** अपराजितादेवी पूजा, **F** (समस्त) **G** मधुसदन द्वादशी, सोम प्रदोष व्रत, सायन सूर्य मिथुन में 18:55 **H** नृसिंह चतुर्दशी **I** विश्व जैव विविधता दिवस **J** महावैशाखी, नारद जयन्ती, वैशाख पूर्णिमा, सत्यव्रत, बुद्धजयन्ती, बुद्धपूर्णिमा, कूर्मजयन्ती, सम्पद्गौरीव्रत, महावैशाखी, वैशाख स्नान समाप्त। **गंगोत्पत्तिः**-वैशाखे शुक्लसप्तम्यां जह्नुना जाह्नवी पुरा। क्रोधात्पीता पुनस्त्यक्त्वा कर्णरन्ध्रात्तु दक्षिणात्। तां तत्र पूजयेद्देवीं गंगां गगनमेखलाम्।। **नृसिंह जयन्ती** - वैशाखस्य चतुर्दश्यां सोमवारेऽनिलर्क्षके, अवतारो नृसिंहस्य प्रदोषस्य समये द्विजाः। स्वातीनक्षत्रयोगे च शनिवारे तु महद्व्रतम्। सिद्धियोगस्य संयोगे वणिजे करणे तथा।।

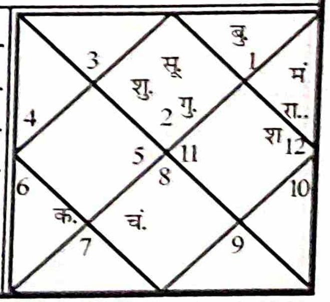
वैशाख शुक्ल 08, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 15.05.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	03	11	00	01	00	10	11	05
अं.	00	25	16	04	03	24	23	19	19
क.	28	02	49	45	09	55	26	30	30
वि.	04	18	31	46	31	30	23	55	55
गति	57	733	45	68	14	73	04	व03	व03
	52	33	51	29	09	48	14	11	11



वैशाख शुक्ल 15, गुरुवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 23.05.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	07	11	00	01	01	10	11	05
अं.	08	01	22	15	05	04	23	19	19
क.	10	21	54	47	02	45	57	05	05
वि.	01	51	30	25	41	47	32	29	29
गति	57	752	45	91	14	73	03	व03	व03
	39	36	29	31	09	47	36	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (दिनांक 24 मई से 06 जून 2024 ई. तक)

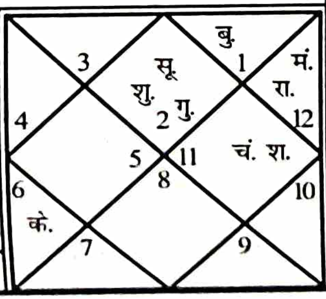
'पिंगल' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4797, अयनांश 24/10/51

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	35	26	19	40	अनुराधा	11	50	10	14	शिव	14	49	बालव	05	20	05	30	19	06	33	59	18	13	वृश्चि.	11	24	
2	शनि	34	20	19	14	ज्येष्ठा	13	00	10	42	सिद्ध	11	44	तैतिल	04	53	05	29	19	06	34	02	18	19	धनु10:42	12	25	
3	रवि	32	11	18	22	मूल	13	04	10	43	साध्य	07	46	वणिज	03	16	05	29	19	07	34	04	18	26	धनु	13	26	**भद्रा 06:48 से 18:22तक A**
4	सोम	29	04	17	07	पू. षा	12	09	10	21	शुभ शुक्ल	03 57	01 38	बव	00	38	05	29	19	07	34	06	18	33	मकर16:10	14	27	मां आनन्दमयी जयन्ती
5	मंगल	25	14	15	34	उ. षा	10	28	09	40	ब्रह्म	52	13	तैतिल	25	14	05	28	19	08	34	08	18	40	मकर	15	28	श्रीक्षेत्र पुरी में भौंरी
6	बुध	20	45	13	46	श्रवण	08	05	08	42	ऐन्द्र	45	38	वणिज	20	45	05	28	19	08	34	10	18	48	कुम्भ20:08	16	29	**पंचकप्रारम्भ 20:08, भद्रा13:46से B**
7	गुरु	15	50	11	48	धनिष्ठा	05	14	07	34	वैधृति	38	48	बव	15	50	05	28	19	09	34	12	18	56	कुम्भ	17	30	भानुसप्तमी, कालाष्टमी
8	शुक्र	10	32	09	41	शतभिषा पू.भा.	01 58	58 43	06 28	15 57	विष्कु.	31	42	कौलव	10	32	05	28	19	10	34	14	19	05	मीन23:16	18	31	चण्डिकादेवीपूजा, शीतलाष्टमी, C
9 10	शनि	04 59	58 10	07 29	27 07	उ.भा.	54	50	27	24	प्रीति	24	24	गर	04	58	05	27	19	10	34	16	19	14	मीन	19	01जून	**भद्रा 18:17 से भद्रा 29:07 तक**
11	रवि	53	20	26	47	रेवती	50	45	25	45	आयु.	16	55	बव	26	15	05	27	19	11	34	18	19	23	मेष 25:45	20	02	**पंचकसमाप्ति 25:45**,अपरा-एकादशी D
12	सोम	47	18	24	23	अश्विनी	46	43	24	08	सौभा.	09	25	कौलव	20	19	05	27	19	11	34	19	19	33	मेष	21	03	अपरा एकादशी व्रत (वैष्णव)
13	मंगल	41	25	22	01	भरणी	42	47	22	34	शोभ. अति.	01 54	58 30	गर	14	21	05	27	19	11	34	21	19	43	वृष 28:13	22	04	**भद्रा 22:01 से**, भौमप्रदोषव्रत, E
14	बुध	36	03	19	52	कृतिका	39	24	21	13	सुकर्मा	47	36	विष्टि	08	44	05	27	19	12	34	22	19	53	वृष	23	05	**भद्रा 08:56तक**,सावित्री चतुर्दशी F
30	गुरु	31	29	18	03	रोहिणी	36	47	20	10	धृति	41	24	चतु.	03	46	05	27	19	12	34	24	20	03	वृष	24	06	वटसावित्रीव्रत(अमा.पक्ष), G

A संकष्टहर चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय 22:13 बजे B भद्रा 24:47तक, C त्रिलोचनाष्टमी, विश्व तम्बाकू निषेध दिवस D व्रत (स्मार्त), भद्रकाली एकादशी, E मासशिवराशि, सावित्रीव्रतारम्भ (अमा पक्ष) F विश्व पर्यावरण दिवस G ज्येष्ठी अमावस्या, भावुका अमावस्या, शनैश्चर जयन्ती। **अमायां वटसावित्रीव्रतम्-** अमायां च तथा ज्येष्ठे वटमूले महासती। त्रिरात्रोपोषिता नारी विधानेन प्रपूजयेत्। **जन्ममासे विचारणीयः-** यो जन्ममासे क्षुरकर्म यात्रां कर्णस्य वेधं कुरुते हि मोहात्। मूढः स रोगी धनपुत्रनाशं प्राप्नोति गूढं निधनं तदाशु।। **भद्रकाली प्रार्थना-** जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी। दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोस्तुते।

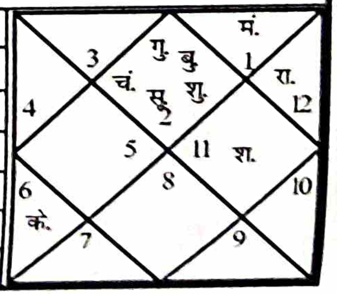
ज्येष्ठ कृष्ण 08, शुक्रवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 31.05.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	10	11	00	01	01	10	11	05
अं.	15	19	28	29	06	14	24	18	18
क.	50	32	56	26	55	35	23	40	40
वि.	41	04	43	12	22	46	15	03	03
गति	57	845	45	110	14	73	02	व03	व03
	31	48	06	31	03	45	55	11	11



ज्येष्ठ कृष्ण 30, गुरुवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 06.06.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राह	केतु
रा.	01	01	00	01	01	01	10	11	05
अं.	21	14	03	11	08	21	24	18	18
क.	35	43	26	12	19	58	38	20	20
वि.	30	31	24	42	18	12	46	58	58
गति	57	842	44	122	13	73	02	व03	व03
	27	21	49	43	57	45	21	11	1157



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (दिनांक 07 जून से 22 जून 2024 ई. तक)

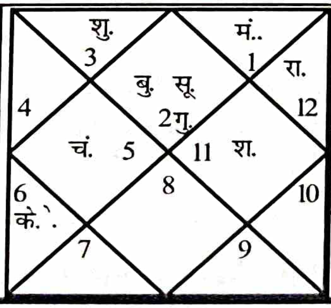
'पिंगल' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म/वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4811, अयनांश 24/10/52

तिथि	वार	घ.	प	घं	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	27	58	16	38	मृगसिरा	35	14	19	32	शूल	36	08	बव	27	58	05	27	19	13	34	25	20	14	मिथुन07:51	25	07	करवीर व्रत,गंगादशहराव्रतारम्भ, **A**
2	शनि	25	49	15	47	आर्द्रा	35	04	19	28	गण्ड	32	02	कौलव	25	49	05	27	19	13	34	26	20	25	मिथुन	26	08	रम्भा तृतीयाव्रत,
3	रवि	25	18	15	34	पुनर्वसु	36	31	20	03	वृद्धि	29	16	गर	25	18	05	27	19	14	34	27	20	36	कर्क13:54	27	09	भद्रा 27:48से **B**
4	सोम	26	29	16	02	पुष्य	39	41	21	19	ध्रुव	27	52	विष्टि	26	29	05	27	19	14	34	28	20	47	कर्क	28	10	भद्रा 16:02तक, गणेशचतुर्थी **C**
5	मंगल	29	25	17	13	आश्लेषा	44	33	23	16	व्याघात	27	51	बालव	29	25	05	27	19	14	34	29	20	59	सिंह23:16	29	11	ताडकेश्वर महादेवपूजा, महादेवविवाह **D**
6	बुध	34	00	19	03	मघा	51	00	25	51	हर्षण	29	07	कौलव	01	43	05	27	19	15	34	30	21	11	सिंह	30	12	स्कन्दषष्ठी, अरण्य षष्ठी **E**
7	गुरु	39	49	21	23	पूफा.	58	34	28	52	वज्र	31	19	गर	06	55	05	27	19	15	34	31	21	22	सिंह	31	13	भद्रा 21:23 से, भानुसप्तमी
8	शुक्र	46	23	24	00	उफा.	60	00	-	-	सिद्धि	34	06	विष्टि	13	06	05	27	19	15	34	32	21	34	कन्या11:43	01	14	भद्रा 10:41 तक, सूर्य मिथुन में **F**
9	शनि	53	00	26	39	उफा.	07	02	08	16	व्यती.	36	57	बालव	19	42	05	27	19	16	34	32	21	46	कन्या	02	15	संक्रान्तिपुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न **G**
10	रवि	58	56	29	01	हस्त	14	34	11	17	वरीयान	39	21	तैतिल	25	58	05	27	19	16	34	33	21	58	तुला24:37	03	16	श्रीगंगादशहरा, विश्व पितृ दिवस **H**
11	सोम	60	00	-	-	चित्रा	21	16	13	58	परिघ	40	52	वणिज	30	41	05	27	19	16	34	33	22	11	तुला	04	17	भद्रा 17:43से, ईद उल अजहा (बकरीद)
11	मंगल	02	27	06	26	स्वाती	26	35	16	05	शिव	41	07	विष्टि	02	27	05	27	19	17	34	33	22	23	तुला	05	18	भद्रा 06:26 तक, निर्जला एकादशीव्रत **I**
12	बुध	05	04	07	29	विशाखा	30	17	17	34	सिद्ध	40	00	बालव	05	04	05	27	19	17	34	34	22	35	वृश्चि11:11	06	19	त्रिविक्रमद्वादशी, चम्पकद्वादशी, प्रदोषव्रत **J**
13	गुरु	05	58	07	51	अनुरा.	32	19	18	23	साध्य	37	29	तैतिल	05	58	05	27	19	17	34	34	22	47	वृश्चिक	07	20	सायनसूर्य कर्क में 26:47,दक्षिणायन **K**
14	शुक्र	05	13	07	33	ज्येष्ठा	32	51	18	32	शुभ	33	38	वणिज	05	13	05	28	19	17	34	34	23	00	धनु18:32	08	21	भद्रा 07:33 से 19:05 तक, **L**
15	शनि	02	55	06	38	मूल	31	35	18	06	शुक्ल	28	36	बव	02	55	05	28	19	18	34	34	23	12	धनु	09	22	सत्यव्रत, ज्येष्ठीपूर्णिमा, कबीरदास **M**

A काशी दशाश्वमेध स्नानारम्भ, चन्द्रदर्शन **B** महाराण प्रताप जयन्ती **C** विनायकचतुर्थी, **D** (उडी.) श्रुति पंचमी(जैन) **E** विन्ध्यवासिनी पूजा, **F** 24:32 बजे, दुर्गाष्टमी, शुक्लादेवी पूजा, ब्रह्माणी पूजा, शीतलाष्टमी, धूमावती जयन्ती, मेला क्षीर भवानी(कश्मीर), **G** तक, नवमी का उपवास कर शुक्लादेवीपूजा, सुरकण्डादेवी पूजा **H** गंगावतरण, दशाश्वमेधस्नान समाप्त **I** (समस्त)भीमसेनी एकादशी, गायत्री जयन्ती, वटुकभैरव जयन्ती **J** त्रिदिवसीय वटसावित्रीव्रत प्रारम्भ(पूर्णिमापक्ष), **K** प्रारम्भ, वर्षारम्भ प्रारम्भ **L** पूर्णिमा व्रत, वट सावित्री व्रत (पूर्णिमापक्ष), वट पूर्णिमा, अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस, **M** जयन्ती,वैवस्वत मन्वादि, हलपूर्णिमा, वृषभपूजन, स्नानदानादि पूर्णिमा, मन्वादि पूर्णिमा।

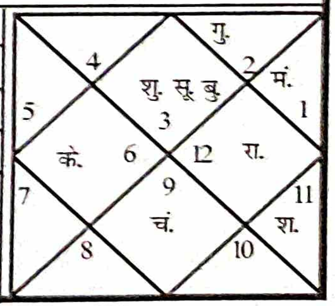
ज्येष्ठ शुक्ल 08, शुक्रवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 14.06.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	04	00	01	01	02	10	11	05
अं.	29	26	09	28	10	01	24	17	17
क.	14	48	22	23	09	48	54	55	55
वि.	24	44	55	42	51	02	12	32	32
गति	57	711	44	132	13	73	01	व03	व03
	20	15	23	01	43	45	35	11	11



ज्येष्ठ शुक्ल 15, शनिवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 22.06.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	08	00	02	01	02	10	11	05
अं.	06	06	15	15	11	11	25	17	17
क.	52	16	15	43	58	37	03	30	30
वि.	41	13	37	24	22	57	26	06	06
गति	57	804	43	125	13	73	00	व03	व03
	13	46	50	58	25	43	48	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, आषाढ़कृष्ण पक्ष (दिनांक 23 जून से 05 जुलाई 2024 ई. तक)

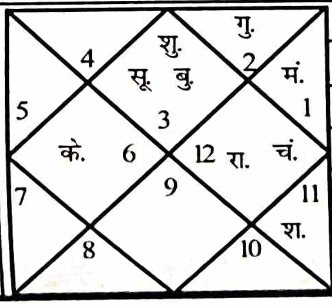
'पिंगल' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षतु-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4827, अयनांश 24/10/55

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	शनि	59	25	29	14	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	प्रतिपदा क्षय, विश्वघस्रपक्ष
02	रवि	55	54	27	50	पू. षा	29	23	17	13	ब्रह्म	22	41	तैतिल	27	39	05	28	19	18	34	33	23	34	मकर22:55	10	23	
03	सोम	50	24	25	38	उ. षा	26	20	16	01	ऐन्द्र	16	06	वणिज	23	09	05	28	19	18	34	33	23	36	मकर	11	24	भद्रा 14:44 से 25:38 तक
04	मंगल	44	33	23	18	श्रवण	22	47	14	36	वैधृति	09	05	बव	17	29	05	29	19	18	34	33	23	48	कुम्भ24:21	12	25	पचक प्रारम्भ 24:21से, श्रीगणेश A
05	बुध	38	42	20	58	धनिष्ठा	19	03	13	06	विष्कुम्भ / प्रीति	01 / 54	53 / 44	कौलव	11	37	05	29	19	18	34	32	24	00	कुम्भ	13	26	
06	गुरु	32	56	18	40	शतभिषा	15	19	11	37	आयुष्मान	47	24	गर	05	49	05	29	19	18	34	32	24	12	मीन28:32	14	27	भद्रा 18:40 से
07	शुक्र	27	22	16	27	पू.भा.	11	42	10	11	सौभाग्य	40	17	विष्टि	00	09	05	30	19	18	34	31	24	23	मीन	15	28	भद्रा 05:33 तक, भानुसप्तमी,कालाष्टमी
08	शनि	22	04	14	20	उ.भा.	08	19	08	49	शोभन	33	24	कौलव	22	04	05	30	19	18	34	31	24	35	मीन	16	29	शीतलाष्टमी व्रत, त्रिलोचनपूजा
09	रवि	17	01	12	19	रेवती	05	10	07	34	अतिगण्ड	26	46	गर	17	01	05	30	19	18	34	30	24	46	मेष 07:34	17	30	भद्रा 23:22 से, पंचकसमाप्ति B
10	सोम	12	17	10	25	अश्विनी / भरणी	02 / 59	19 / 27	06 / 29	26 / 18	सुकर्मा	20	22	विष्टि	12	17	05	31	19	18	34	29	24	57	मेष	18	01	भद्रा 10:25तक
11	मंगल	07	55	08	41	कृत्तिका	57	21	28	28	धृति	14	18	बालव	07	55	05	31	19	18	34	28	25	08	वृष 10:19	19	02	योगिनी एकादशी व्रत (समस्त)
12	बुध	04	05	07	10	रोहिणी	55	53	27	53	शूल	08	41	तैतिल	04	05	05	31	19	18	34	27	25	18	वृष	20	03	प्रदोषव्रत,कूर्मजयन्ती, रोहिणी व्रत,
13 / 14	गुरु	00 / 57	55 / 44	05 / 28	54 / 38	मृगशिरा	55	12	27	37	गण्ड / वृद्धि	03 / 59	37 / 15	वणिज	00	55	05	32	19	18	34	26	25	29	मिथुन15:39	21	04	भद्रा 05:54 से 17:16 तक, C
30	शुक्र	56	17	28	03	आर्द्रा	55	31	27	45	ध्रुव	54	51	चतु.	27	01	05	32	19	18	34	25	25	39	मिथुन	22	05	आषाढी अमावस्या D

A संकष्टहरचतुर्थीव्रत, अंगारकचतुर्थी, चन्द्रोदय 22:28 बजे B 07:34 बजे, C मासशिवरात्रि। D वंशवर्धक अमावस्या **आषाढे प्रवर्षणविचारः-** ज्यैष्ठ्यां समतीतायां पूर्वाषाढादिसम्प्रवृष्टेन। शुभमशुभं वा वाच्यं चाम्भसः तज्ज्ञैः।। येषु च भेष्वभिवृष्टं भूयस्तेष्वेव वर्षति प्रायः।। **कादम्बिनीमतेन प्रवर्षणविमर्शः-** पूर्णिमामूलमुल्लंघ्य पूर्वाषाढादिभिः क्रमात्। सप्तविंशतिनक्षत्रैः प्रवर्षणपरीक्षणम्।। ज्येष्ठ्यां समतीतायां पूर्वाषाढाविवर्षणे। परिमापजलं वृष्टं विजानीयादृतुक्रमम्।। वृष्टौ हस्तविशाले तु कुण्डके पतितं जलम्। मापयेदाढकेनैव पंचाशत्पलमाढकम्। द्रोणमात्रा प्रस्थसंज्ञा द्रोणमक्षरसंज्ञकम्। जलानां गर्भविज्ञाने माने व्यवहरन्ति हि।।

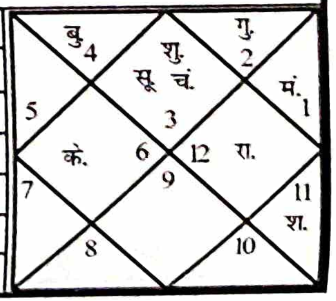
आषाढ़ कृष्ण 08, शनिवार,औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 29.06.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	11	00	02	01	02	10	11	05
अं.	13	14	20	29	13	20	25	17	17
क.	33	42	20	33	31	14	06	07	07
वि.	22	25	50	23	09	15	18	50	50
गति	57	848	43	112	13	73	व00	व03	व03
	13	16	23	18	06	45	11	11	11



आषाढ़ कृष्ण 30, शुक्रवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 05.07.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	02	00	03	01	02	10	11	05
अं.	19	07	24	10	14	27	25	16	16
क.	16	34	39	01	48	36	04	42	42
वि.	41	18	41	52	46	52	51	45	45
गति	57	805	42	99	12	73	व00	व03	व03
	13	53	58	07	46	46	30	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946 आषाढशुक्लपक्ष (दिनांक 06 जुलाई से 21 जुलाई 2024 ई. तक)

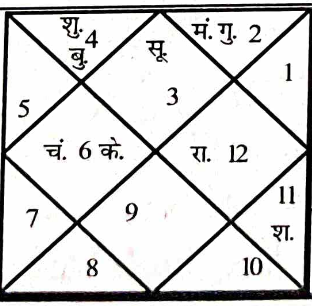
'पिंगल' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण-4840 , अयनांश 24/10/56

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शनि	56	07	27	59	पुनर्वसु	57	04	28	22	व्याघात	52	14	किंस्तु.	26	12	05	33	19	18	34	23	25	49	कर्क22:12	23	06	गुप्तनवरात्रारम्भ, घटस्थापन
2	रवि	57	21	28	29	पुष्य	59	59	29	33	हर्षण	50	45	बालव	26	44	05	33	19	18	34	22	25	58	कर्क	24	07	जगन्नाथ रथयात्रा, श्रीकृष्णबलराम A
3	सोम	60	00	-	-	आश्लेषा	60	00	-	-	वज्र	50	24	तैतिल	30	47	05	33	19	18	34	20	26	07	कर्क	25	08	
3	मंगल	04	14	07	15	आश्लेषा	05	38	07	59	सिद्दि.	51	14	गर	04	14	05	34	19	18	34	19	26	16	सिंह07:59	26	09	**भद्रा 19:31 से** , विनायक चतुर्थी, B
4	बुध	05	34	07	48	मघा	11	28	10	10	व्यती.	53	07	विष्टि	05	34	05	34	19	17	34	17	26	24	सिंह	27	10	**भद्रा 07:48 तक**
5	गुरु	10	56	09	58	पूफा.	18	25	12	57	वरीयान	55	45	बालव	10	56	05	35	19	17	34	15	26	32	कन्या19:43	28	11	स्कन्दपंचमी, कुमारषष्ठी, स्कन्दषष्ठी, D
6	शुक्र	17	10	12	28	उ.फा.	26	09	16	03	परिघ	58	49	तैतिल	17	10	05	35	19	17	34	14	26	40	कन्या	29	12	कर्दमषष्ठी (बंगाल) E
7	शनि	23	41	15	04	हस्त	34	06	19	15	शिव	60	00	वणिज	23	41	05	36	19	17	34	12	26	47	कन्या	30	13	**भद्रा 15:04 से28:17तक**,शीतलासप्तमी
8	रवि	29	45	17	30	चित्रा	41	34	22	14	शिव	01	34	बव	29	45	05	36	19	16	34	10	26	54	तुला08:44	31	14	अष्टमीव्रत, दुर्गाष्टमी, शीतलाष्टमी, F
9	सोम	34	42	19	30	स्वाती	47	54	24	47	सिद्ध	03	27	बालव	02	14	05	37	19	16	34	08	27	00	तुला	31	15	गुप्तनवरात्रिसमाप्त, मेलाशरीक भवानी G
10	मंगल	38	04	20	51	विशाखा	52	36	26	40	साध्य	04	13	तैतिल	06	23	05	37	19	16	34	06	27	06	वृश्चि20:11	श्रा.1	16	सूर्य कर्कराशि में11:25,संक्रान्तिपुण्यकालK
11	बुध	39	26	21	25	अनुराधा	55	21	27	46	शुभ	03	36	वणिज	08	45	05	38	19	16	34	04	07	11	वृश्चिक	02	17	**भद्रा09:08 से 21:25 तक**,हरिशयन H
12	गुरु	38	39	21	06	ज्येष्ठा	55	56	28	01	शुक्ल ब्रह्म	01 59	34 15	बव	09	03	05	38	19	15	34	01	27	16	धनु28:01	03	18	वासुदेवद्वादशी, विष्णुशयनोत्सव द्वादशी
13	शुक्र	35	52	20	00	मूल	54	31	27	28	ऐन्द्र	53	49	कौलव	07	16	05	39	19	15	33	59	27	21	धनु	04	19	प्रदोषव्रत
14	शनि	31	24	18	13	पू.षा	51	29	26	15	वैधृति	47	09	गर	03	38	05	39	19	14	33	57	27	25	धनु	05	20	**भद्रा18:13से 29:03तक**,पूर्णिमाव्रत I
15	रवि	25	34	15	54	उ. षा	47	09	24	32	विष्कु.	39	18	बव	25	34	05	40	19	14	33	54	27	28	मकर07:49	06	21	गुरुपूर्णिमा, व्यासपूर्णिमा, सत्यव्रत, J

A रथोत्सव, मनोरथ द्वितीया,चन्द्रदर्शन B गणेश चतुर्थी व्रत, अंगारकचतुर्थी D विश्व जनसंख्या दिवस E विवस्वतसप्तमी,सूर्यपूजा F महिषासुरमर्दिनी पूजा, अष्टाह्निक प्रारम्भ (जैन), ऐन्द्री देवी पूजा, खर्चि पूजा (त्रिपुरा)। G (कश्मीर), मृदुली नवमी, कन्दर्प नवमी, भड्डली नवमी। K सूर्योदय से 11:25 तक, गिरिराजपूजा, रैवतमन्वादि, शाकव्रतारम्भ H एकादशी व्रत (समस्त), चातुर्मास्यव्रतारम्भ, मोहर्रम I मेला चक्रेश्वरी (जैन) चौमासी चौदह (जैन)कोकिलाव्रत, शिवशयनोत्सव, पवित्रारोपण, J अन्नादिदान, सत्यनारायणव्रत, चाक्षुष मन्वादि, वायुपरीक्षण, चातुर्मासारम्भ (संन्यासी), जया पार्वतीव्रत, मेला ज्वालामुखी (कश्मीर)।अष्टाह्निक पर्व (जैन)समाप्त। **चातुर्मास्यव्रतविचारः** - आषाढे तु सिते पक्षे एकादश्यामुपोषितः। चातुर्मास्यव्रतं कुर्याद्यत्किंचिदखिलो नरः।।

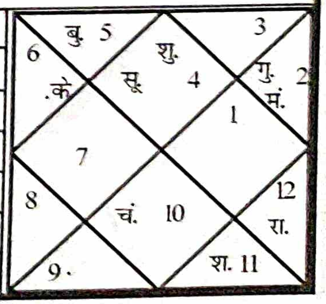
आषाढ शुक्ल 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, 14.07.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	05	01	03	01	03	10	11	05
अं.	27	28	01	23	16	08	24	16	16
क.	51	28	02	15	41	40	56	20	20
वि.	46	01	49	55	11	57	03	08	08
गति	57	710	42	79	12	73	व01	व03	व03
	15	01	16	20	13	47	21	11	11



आषाढ शुक्ल 15 रविवार,औदयिक स्पष्टग्रह, 21.07.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	10	01	04	01	03	10	11	05
अं.	04	28	05	01	18	17	24	15	15
क.	32	57	56	25	04	17	43	57	57
वि.	36	58	10	53	44	26	51	52	52
गति	57	842	41	59	11	73	व02	व03	व03
	15	26	38	31	41	42	01	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, श्रावण कृष्ण पक्ष (दिनांक 22 जुलाई से 04 अगस्त 2024 ई. तक)

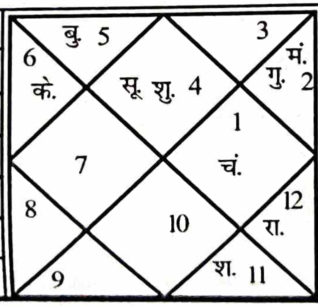
'पिंगल' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4856, अयनांश - 24/10/59

तिथि	वार	घं.	मि	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	सोम	18	50	13	13	श्रवण	42	00	22	29	प्रीति	30	53	कौलव	18	50	05	41	19	13	33	52	27	31	मकर	07	जुला22	हिण्डोले (व्रज) आरम्भ, श्रावण में A
02	मंगल	11	41	10	22	धनिष्ठा	36	36	20	20	आयुष्मान	22	14	गर	11	41	05	41	19	13	33	49	27	33	कुम्भ09:24	08	23	भद्रा20:55से, पंचकप्रारम्भ09:24से B
03 04	बुध	04 57	26 22	07 28	28 38	शतभिषा	31	15	18	12	सौभाग्य	13	36	विष्टि	04	26	05	42	19	12	33	46	27	35	कुम्भ	09	24	भद्रा 07:28तक, श्रीगणेशसंकटहरचतुर्थी C
05	गुरु	50	18	25	50	पू.भा.	26	16	16	13	शोभन अतिगण्ड	05 57	11 08	कौलव	23	50	05	42	19	12	33	44	27	37	मीन10:42	10	25	नागपंचमी, मनसादेवी पूजा
06	शुक्र	44	02	23	20	उ.भा.	21	47	14	26	सुकर्मा	49	03	गर	17	10	05	43	19	11	33	41	27	37	मीन	11	26	भद्रा 23:20 से, कारगिल विजय दिवस
07	शनि	38	34	21	09	रेवती	18	01	12	56	धृति	42	03	विष्टि	11	18	05	43	19	11	33	38	27	38	मेष12:56	12	27	भद्रा 10:14तक, पंचकसमाप्ति12:56 D
08	रवि	33	55	19	18	अश्विनी	15	01	11	44	शूल	35	44	बालव	06	15	05	44	19	10	33	35	27	37	मेष	13	28	इन्द्रसावर्णि मन्वादि
09	सोम	30	02	17	45	भरणी	12	45	10	51	गण्ड	30	01	तैतिल	01	58	05	45	19	10	33	32	27	36	वृष16:42	14	29	भद्रा 29:10से श्रावण सोमवारव्रत E
10	मंगल	27	03	16	35	कृत्तिका	11	22	10	18	वृद्धि	25	04	विष्टि	27	03	05	45	19	09	33	29	27	35	वृष	15	30	भद्रा16:35तक, दुर्गायात्रा, गौरीपूजा, F
11	बुध	24	57	15	45	रोहिणी	10	51	10	06	ध्रुव	20	48	बालव	24	57	05	46	19	08	33	26	27	33	मिथुन22:12	16	31	कामिका एकादशीव्रत (समस्त), रोहिणी G
12	गुरु	23	52	15	19	मृगशिरा	11	19	10	18	व्याघात	17	21	तैतिल	23	52	05	46	19	08	33	23	27	30	मिथुन	17	01	प्रदोषव्रत,
13	शुक्र	23	46	15	17	आर्द्रा	12	46	10	53	हर्षण	14	41	वणिज	23	46	05	47	19	07	33	20	27	27	कर्क29:39	18	02	भद्रा15:17से 27:30तक, मासशिवरात्रिव्रत
14	शनि	24	49	15	43	पुनर्वसु	15	18	11	55	वज्र	12	54	शकुनि	24	49	05	47	19	06	33	17	27	23	कर्क	19	03	
30	रवि	26	55	16	34	पुष्य	18	52	13	21	सिद्धि	11	58	नाग	26	55	05	48	19	06	33	14	27	18	कर्क	20	04	श्रावण हरियाली अमावस्या, H

A शाकवर्जित, अशून्यशयनव्रत, मैथिल नववर्षारम्भ, श्रावण सोमवार व्रतारम्भ, सायन सूर्य सिंह में 13:41 B चातुर्मास्य द्वितीया, हनुमद्दर्शन दुर्गायात्रा, गौरीपूजा, भौमव्रत, चन्द्रशेखर आजाद जयन्ती C व्रत, चन्द्रोदय 21:37 बजे D भानु सप्तमी, कालाष्टमी, शीतला सप्तमी E केरपूजा (त्रिपुरा), ऐन्द्रीदेवी पूजा, F हनुमद्दर्शन, भौमव्रत, G व्रत, शहीद उधम सिंह शहीदी दिवस H देवसावर्णिमन्वादि, चितऊ अमावस्या (उडीसा) **सोमवासरव्रतम्-** सोमवारे व्रतं कार्यं श्रावणे वै यथा विधिः। शक्तावुपोषणं कार्यमथवा निशि भोजनम्।। **कर्कराशौ सूर्ये सति केशकर्तननिषेधः** - कुम्भे कर्कटके वापि कन्यायां कामुकें रवौ। रोमखण्डं गृहस्थस्य पितृन् प्राशयते यमः।।

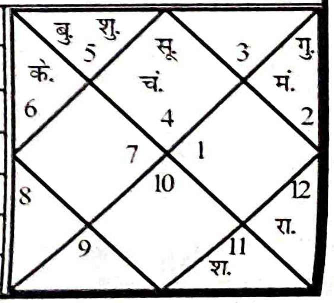
श्रावण कृष्ण 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 28.07.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	00	01	04	01	03	10	11	05
अं.	11	09	10	07	19	25	24	15	15
क.	13	48	45	17	24	53	27	35	35
वि.	55	26	09	02	23	53	16	36	36
गति	57	845	40	39	11	73	व02	व03	व03
	20	13	59	46	07	43	37	11	11



श्रावण कृष्ण 30, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 04.08.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	03	01	04	01	04	10	11	05
अं.	17	12	15	09	20	04	24	15	15
क.	55	41	29	57	39	30	06	13	13
वि.	48	41	27	27	36	07	38	20	20
गति	57	757	40	08	10	73	व03	व03	व03
	25	20	17	48	28	40	11	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, श्रावण शुक्लपक्ष (दिनांक 05 अगस्त से 19 अगस्त 2024 ई. तक)

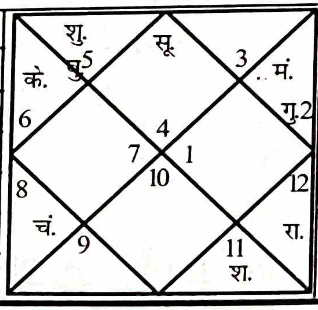
'पिंगल' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4870, अयनांश 24/11/01

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	सोम	30	15	17	55	आश्लेषा	23	37	15	16	व्यति.	11	57	बव	30	15	05	49	19	05	33	11	27	13	सिंह15:16	21	05	श्रावण सोमवारव्रत, दोलोत्सवारम्भ, A
2	मंगल	34	40	19	41	मघा	29	26	17	36	वरीयान	12	48	बालव	02	27	05	49	19	04	33	07	27	08	सिंह	22	06	दुर्गायात्रा, गौरीपूजा, भौमव्रत, हनुमद्दर्शनB
3	बुध	40	04	21	51	पूफा.	36	11	20	18	परिघ	14	26	तैतिल	07	22	05	50	19	03	33	04	27	01	कन्या27:04	23	07	हरियाली तीज, गौरीपूजा, स्वर्णगौरीव्रत, C
4	गुरु	46	20	24	23	उ.फा.	43	48	23	22	शिव	16	46	वणिज	13	12	05	50	19	03	33	00	26	54	कन्या	24	08	**भद्रा 11:23 से 24:23तक,** गणेश D
5	शुक्र	53	03	27	04	हस्त	51	51	26	35	सिद्ध	19	30	बव	19	42	05	51	19	02	32	57	26	39	कन्या	25	09	नागपंचमी,तक्षकपूजा भित्तिनागपूजा
6	शनि	59	46	29	46	चित्रा	59	55	29	50	साध्य	22	21	कौलव	26	24	05	51	19	01	32	54	26	39	तुला16:12	26	10	लुण्ठनषष्ठी (बंगाल), श्रीकल्किजयन्ती, वर्ण षष्ठी
7	रवि	60	00	-	-	स्वाती	60	00	-	-	शुभ	24	51	तैतिल	32	23	05	52	19	00	32	50	26	30	तुला	27	11	रविसप्तमी,
7	सोम	05	01	07	53	स्वाती	06	37	08	31	शुक्ल	26	34	वणिज	05	01	05	52	18	59	32	46	26	21	वृश्चि28:12	28	12	**भद्रा 07:53 से 20:42 तक** E
8	मंगल	09	08	09	32	विशाखा	12	13	10	46	ब्रह्म	27	02	बव	09	08	05	53	18	58	32	43	26	11	वृश्चिक	29	13	दुर्गाष्टमी, दुर्गापूजा,गौरीपूजा, भौमव्रत, F
9	बुध	11	24	10	27	अनुराधा	16	02	12	18	ऐन्द्र	25	57	कौलव	11	24	05	54	18	57	32	39	26	01	वृश्चिक	30	14	वेदव्रतारम्भ
10	गुरु	11	32	10	31	ज्येष्ठा	17	45	13	00	वैधृति	23	06	गर	11	32	05	54	18	57	32	36	25	50	धनु13:00	31	15	**भद्रा 22:07से,**स्वतन्त्रता दिवस, G
11	शुक्र	09	29	09	43	मूल	17	20	12	51	विष्कु	18	30	विष्टि	09	29	05	55	18	56	32	32	25	38	धनु	01	16	**भद्रा 09:43तक,** सूर्य मघा व सिंह में H
12 13	शनि	05 59	26 40	08 29	06 47	पू.षा	14	55	11	53	प्रीति	12	17	बालव	05	26	05	55	18	55	32	28	25	26	मकर17:28	02	17	दामोदर द्वादशी, शनिप्रदोषव्रत, I
14	रवि	54	02	27	33	उ. षा	10	48	10	15	आयुष्मान सौभाग्य	04 56	42 09	गर	26	51	05	56	18	54	32	24	25	14	मकर	03	18	**भद्रा 27:33 से**
15	सोम	45	33	24	10	श्रवण धनिष्ठा	05 59	28 22	08 29	08 41	शोभन	47	40	विष्टि	19	47	05	56	18	53	32	21	25	01	कुम्भ18:54	04	19	**भद्रा 13:51तक,पंचकप्रारम्भ 18:54** J

A रुद्राभिषेक, मेला छिन्नमस्ता (चिन्तपूर्णी) B चन्द्रदर्शन, सिन्धाराव्रत C मधुश्रवा तृतीया(मिथिला, गुजरात), ठकुराइन जयन्ती, D चतुर्थी, नागपूजा, विनायक चतुर्थीव्रत, दूर्वागणपति व्रत, वरदचतुर्थी। E श्रीतुलसीदास जयन्ती, भानुसप्तमी, शीतला सप्तमी (सिन्ध)श्रावण सोंमवार व्रत, F हनुमद्दर्शन, कौमारीदेवीपूजा, चिन्तपूर्णी व नैनादेवीपूजा (हिमाचल), मेला ज्वाला जी। G दधिव्रतारम्भ, पारसी नववर्ष (नवरोज) H 19:48, संक्रान्तिपुण्यकाल 07:48 से, पवित्रा एकादशीव्रत (समस्त), पुत्रदा एकादशीव्रत, वरलक्ष्मीव्रतम्। I बुद्धद्वादशी, आखेटक त्रयोदशी, J भद्रोपरान्त रक्षाबन्धन , ऋषितर्पण, श्रीसत्यनारायणव्रत, दोलोत्सव समाप्ति, अमरनाथयात्रासमाप्त, संस्कृतदिवस, बलभद्रपूजा (उडीसा),आवणि अविट्टम(दक्षिण भारत), हयग्रीवोत्पत्ति, श्रावणी उपाकर्म, हिण्डोलसमाप्त, श्रावण सोमवारव्रत समाप्त। **रक्षासूत्रबन्धन मन्त्रः**-येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः।तेन त्वां प्रतिबध्नामि रक्षे माचल माचल।।

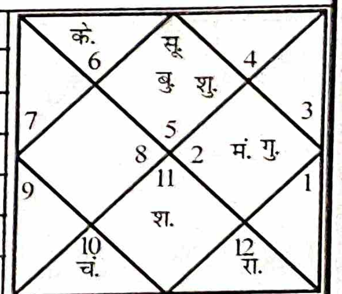
श्रावण शुक्ल 08, मंगलवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 13.08.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	07	01	04	01	04	10	11	05
अं.	26	00	21	07	22	15	23	14	14
क.	33	51	27	20	08	33	34	44	44
वि.	40	11	30	00	52	26	57	43	43
गति	57	716	39	व33	09	73	व03	व03	व03
	36	51	27	27	28	40	46	11	11



श्रावण शुक्ल 15, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 19.08.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	09	01	04	01	04	10	11	05
अं.	02	22	25	02	23	22	23	14	14
क.	19	00	21	25	03	55	11	25	25
वि.	46	11	07	28	13	10	08	37	37
गति	57	873	38	व52	08	73	व04	व03	व03
	43	49	37	46	45	34	06	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, भाद्रपद कृष्ण पक्ष (दिनांक 20 अगस्त से 03 सितम्बर 2024 ई. तक)

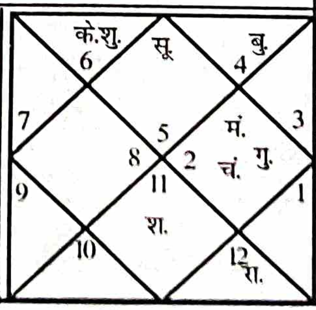
'पिंगल' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4885, अयनांश 24/11/03

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	मंगल	36	39	20	37	शतभिषा	53	19	27	17	अतिग.	37	33	बालव	11	06	05	57	18	52	32	17	24	47	कुम्भ	05	20	अशून्यशयनव्रत,पलंग पर लक्ष्मीविष्णु A
2	बुध	27	48	17	05	पू.भा.	46	24	24	31	सुकर्मा	27	32	तैतिल	02	13	05	57	18	51	32	13	24	33	मीन19:12	06	21	**भद्रा 27:24 से,** विन्ध्याचलदेवी जयन्ती B
3	गुरु	19	23	13	43	उ.भा.	40	02	21	59	धृति	17	54	विष्टि	19	23	05	58	18	50	32	09	24	18	मीन	07	22	**भद्रा 13:43तक**,कज्जली तृतीया, C
4	शुक्र	11	35	10	37	रेवती	34	25	19	45	शूल	08	47	बालव	11	35	05	58	18	49	32	05	24	03	मेष19:45	08	23	**पंचक समाप्ति 19:45**
5 6	शनि	04 59	41 40	07 29	52 51	अश्विनी	29	52	17	56	गण्ड वृद्धि	00 51	24 55	तैतिल	04	41	05	59	18	48	32	01	23	47	मेष	09	24	**भद्रा 29:51से** रक्षापंचमी (उडीसा), D
7	रवि	52	54	27	09	भरणी	26	27	16	34	ध्रुव	45	20	विष्टि	26	17	05	59	18	47	31	57	23	31	वृष22:21	10	25	**भद्रा 16:30तक,**
8	सोम	49	35	25	50	कृत्तिका	24	20	15	44	व्याघात	39	52	बालव	21	14	06	00	18	46	31	54	23	14	वृष	11	26	श्रीकृष्णजन्माष्टमी E
9	मंगल	47	37	25	04	रोहिणी	23	32	15	25	हर्षण	35	30	तैतिल	18	36	06	00	18	44	31	50	22	57	मिथुन27:32	12	27	रोहिणीव्रत,नन्दोत्सव,गोकुलोत्सव,गोगानवमीF
10	बुध	47	07	24	52	मृगसिरा	24	08	15	40	वज्र	32	16	वणिज	17	22	06	01	18	43	31	46	22	40	मिथुन	13	28	**भद्रा 12:58 से 24:52 तक**
11	गुरु	47	55	25	12	आर्द्रा	26	03	16	27	सिद्धि	30	05	बव	17	31	06	01	18	42	31	42	22	22	मिथुन	14	29	अजा एकादशीव्रत (स्मार्त व वै.)G
12	शुक्र	50	02	26	03	पुनर्वसु	29	16	17	45	व्यतीपात	28	56	कौलव	18	58	06	02	18	41	31	38	22	03	कर्क11:25	15	30	अजा एकादशीव्रत (निम्बार्क),अघोर द्वादशी
13	शनि	53	15	27	20	पुष्य	33	37	19	29	वरीयान	28	39	गर	21	38	06	02	18	40	31	34	21	45	कर्क	16	31	**भद्रा 27:20 से,** शनिप्रदोष व्रत H
14	रवि	57	34	29	05	आश्लेषा	39	03	21	40	परिघ	29	14	विष्टि	25	24	06	03	18	39	31	29	21	26	सिंह21:40	17	01	**भद्रा 16:12 तक,** I
30	सोम	60	00	-	-	मघा	45	20	24	11	शिव	30	31	चतु.	30	30	06	03	18	38	31	25	21	06	सिंह	18	02	कुशोत्पाटिनी अमावस्या J
30	मंगल	03	26	07	27	पूफा.	52	19	27	00	सिद्ध	32	22	नाग	03	26	06	04	18	37	31	21	20	46	सिंह	19	03	स्नानदानादि अमावस्या, अमा वृद्धि K

A पूजन। सायन सूर्य कन्या में 20:50 B भीमचण्डीदेवी जयन्ती, कज्जली निमित्त रात्रिजागरण, C बूढीतीज, गोपूजा, विशालाक्षी यात्रा, तीजड(सिन्ध),श्रीगणेशसंकष्टहर चतुर्थी, बहुला चतुर्थी चन्द्रोदय 22:43 बजे D बीजांकुरा पंचमी हलषष्ठी, ललही छठ, श्रीचन्द्रषष्ठी, चम्पा षष्ठी, बलरामजयन्ती, लोलार्क षष्ठी,E कालाष्टमी, श्रीकृष्णजयन्ती (निशीथ काल), श्री महाकालीजयन्ती (निशीथ काल), शीतलाव्रत, संत ज्ञानेश्वर जयन्ती, दूर्वाष्टमी,F कौमारी पूजा G जया एकादशी H कलियुगादि त्रयोदशी, I अघोर चतुर्दशी, डाकिनी चतुर्दशी,मासशिवरात्रि व्रत । J ऊं हूं फट् इति मन्त्रेण कुशग्रहणम्। सोमवती अमावस्या K पिठौरी अमावस्या, भौमवती अमावस्या **कुशोत्पाटनमन्त्रः**–कुशाग्रे वसते रुद्रः कुशमध्ये तु केशवः। कुश मूले वसेद्ब्रह्मा कुशान्मे देह मेंदिनि। कुशोऽसि कुशपुत्रोऽसि ब्रह्मणा निर्मितः पुरा। देवपितृहितार्थाय कुशमुत्पाटयाम्यहम्।।

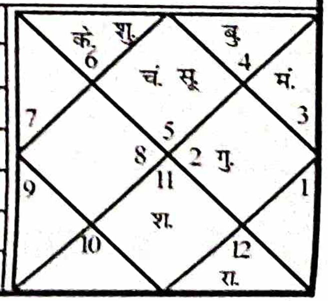
भाद्रपद कृष्ण 08, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 26.08.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	01	01	03	01	05	10	11	05
अं.	09	04	29	27	24	01	22	14	14
क.	04	20	48	39	00	30	41	03	03
वि.	33	21	08	11	47	04	17	22	22
गति	57	837	37	व24	07	73	व04	व13	व13
	52	24	45	58	48	28	23	11	11



भाद्रपद कृष्ण 30, मंगलवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 03.09.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	04	02	03	01	05	10	11	05
अं.	16	16	04	29	24	11	22	13	13
क.	48	10	45	01	58	17	05	37	37
वि.	43	39	19	26	11	48	23	55	55
गति	58	721	36	38	06	73	व04	व03	व03
	06	34	38	41	38	25	34	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, भाद्रपद शुक्लपक्ष (दिनांक 04 सितम्बर से 18 सितम्बर 2024 ई. तक)

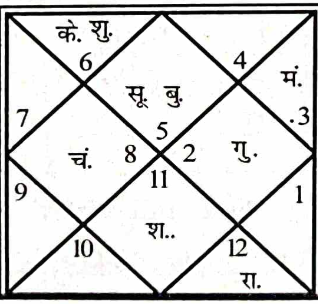
'पिंगल' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4900, अयनांश 24/11/05

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	बुध	09	13	09	46	उ.फा.	60	00	–	–	साध्य	34	42	बव	09	13	06	04	18	35	31	17	20	26	कन्या09:48	20	सित04	चन्द्रदर्शन, श्रीगुरुग्रन्थ साहिबजी प्रकाशोत्सव
2	गुरु	15	30	12	17	उ.फा.	00	20	06	13	शुभ	37	21	कौलव	15	13	06	05	18	34	31	13	20	06	कन्या	21	05	सामवेदी उपाकर्म, कल्किजयन्ती, शिक्षकदिवस
3	शुक्र	22	05	14	56	हस्त	08	07	09	21	शुक्ल	40	10	गर	22	05	06	05	18	33	31	09	19	45	तुला22:55	22	06	**भद्रा 28:14 से,** हरतालिका तृतीया व्रत A
4	शनि	28	36	17	33	चित्रा	15	57	12	29	ब्रह्म	42	50	विष्टि	28	36	06	06	18	32	31	05	19	24	तुला	23	07	**भद्रा 17:33 तक,** वैनायकी चतुर्थीव्रत B
5	रवि	34	43	20	00	स्वाती	23	27	15	29	ऐन्द्र	45	07	बव	01	40	06	06	18	31	31	01	19	03	तुला	24	08	ऋषिपंचमी,मेलापाट(ज.)विश्व साक्षरतादिवस
6	सोम	39	52	22	04	विशाखा	30	07	18	10	वैधृ	46	34	कौलव	07	18	06	07	18	30	30	57	18	42	वृश्चि11:29	25	09	स्कन्द षष्ठी, सूर्य षष्ठी, देवषष्ठी C
7	मंगल	43	33	23	32	अनुराधा	35	26	20	18	विष्कु	46	48	गर	11	42	06	07	18	28	30	52	18	20	वृश्चिक	26	10	**भद्रा 23:32 से,** भानुसप्तमी, ललिता D
8	बुध	45	17	24	15	ज्येष्ठा	38	57	21	43	प्रीति	45	28	विष्टि	14	25	06	08	18	27	30	48	17	58	धनु21:43	27	11	**भद्रा 11:53 तक,**नन्दाष्टमी, राधाष्टमी E
9	गुरु	44	51	24	05	मूल	40	25	22	19	आयुष्मान	42	26	बालव	15	04	06	08	18	26	30	44	17	37	धनु	28	12	अदु:खनवमी, महानन्दा नवमी, श्रीचन्द्र F
10	शुक्र	42	07	23	00	पू.षा	39	40	22	01	सौभाग्य	37	33	तैतिल	13	29	06	09	18	25	30	40	17	15	मकर27:44	29	13	दशावतार दशमी व्रत, दुग्धव्रतारम्भ,
11	शनि	37	18	21	05	उ.षा	36	51	20	54	शोभन	31	00	वणिज	09	43	06	09	18	24	30	36	16	52	मकर	30	14	**भद्रा 10:02 से 21:05 तक,** पद्मा G
12	रवि	30	44	18	28	श्रवण	32	16	19	04	अतिगण्ड	23	01	बव	04	01	06	10	18	22	30	31	16	30	कुम्भ29:52	31	15	**पंचकप्रारम्भ 29:52,** श्रवण द्वादशी H
13	सोम	22	47	15	17	धनिष्ठा	26	17	16	41	सुकर्मा	13	54	तैतिल	22	47	06	10	18	21	30	27	16	08	कुम्भ	01	16	सूर्य कन्या में 19:46, संक्रान्तिपुण्यकाल I
14	मंगल	13	59	11	46	शतभिषा	19	25	13	57	धृति शूल	04 53	01 43	वणिज	13	59	06	11	18	20	30	23	15	46	मीन29:45	02	17	**भद्रा 11:46 से 21:55 तक,** अनन्त J
15	बुध	04	43	08	05	पू.भा.	12	06	11	02	गण्ड	43	27	बव	04	43	06	11	18	19	30	19	15	23	मीन	03	18	भाद्रपद पूर्णिमा, महालयारम्भ, सत्यव्रत K

A सुवर्ण गौरीव्रत, गौरी तृतीया, वाराहजयन्ती, षोडशोमाव्रत, कलंक चतुर्थी, चन्द्रदर्शननिषेध, B सौभाग्य चतुर्थी (बंगाल), गणेशजन्मोत्सव, गणपति स्थापन, वरद चतुर्थी, जैनसंवत्सरी C बुद्ध जयन्ती, बलदेव छठ, ललिता षष्ठी, लोलार्क षष्ठी D सप्तमी (बंगाल), सन्तान सप्तमी, आमुक्ताभरण सप्तमी E दूर्वाष्टमी, नन्दादेवी पूजा दुर्गाशयनाष्टमी (उडीसा), दुर्गाष्टमी, ज्येष्ठापूजन, महालक्ष्मीव्रतारम्भ, F नवमी, केदारव्रत, मेला श्रीरामदेव (राजस्थान), G एकादशी व्रत (समस्त), कर्मा एकादशी (झारखण्ड), पार्श्वपरिवर्तन, डोल ग्यारस (म.प्र.), दधिदान, जलझूलनी (राजस्थान), श्री रामदेव जयन्ती (राज.),हिन्दी दिवस, H शक्र द्वादशी, वामन जयन्ती, भुवनेश्वरी जयन्ती, कल्कि द्वादशी, उमामहेश्वरव्रत विष्णुपरिवर्तनोत्सव, वामनोत्पत्ति, दुग्धव्रतसंकल्प, रविप्रदोषव्रत, ओणम(केरल) I मध्याह्न से सूर्यास्त तक, मिलाद-उल-नबी, हजरतमोहम्मदजयन्ती J चतुर्दशी व्रत, गणेश विसर्जन, शिवपरिवर्तनोत्सव, पूर्णिमा व्रत, पूर्णिमा श्राद्ध, K प्रतिपदा श्राद्ध, प्रौष्ठीपदी पूर्णिमा, नारायणगुरु जयन्ती।

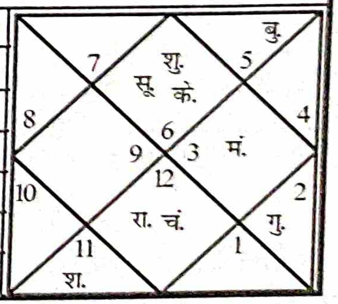
भाद्रपद शुक्ल 08, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 11.09.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	07	02	04	01	05	10	11	05
अं.	24	21	09	08	25	21	21	13	13
क.	34	55	33	19	45	04	28	12	12
वि.	40	27	04	26	44	39	42	28	28
गति	58	746	35	90	05	73	व04	व03	व03
	21	12	25	13	23	18	36	11	11



भाद्रपद शुक्ल 15, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 18.09.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	11	02	04	01	05	10	11	05
अं.	01	00	13	20	26	29	20	12	12
क.	23	17	36	22	18	37	56	51	51
वि.	55	07	15	52	31	26	57	12	12
गति	58	906	34	109	04	73	व04	व03	व03
	32	17	12	45	09	10	28	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, आश्विन कृष्ण पक्ष (दिनांक 19 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2024 ई. तक)

'नल' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर/दक्षिण गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4915, अयनांश 24/11/07

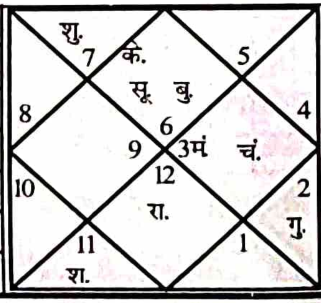
तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	बुध	55	24	28	21	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	प्रतिपदा तिथिक्षय,
2	गुरु	46	05	24	38	उ.भा. रेवती	04 57	44 45	08 29	05 18	वृद्धि	32	46	तैतिल	46	05	06	12	18	18	30	14	15	01	मेष29:18	04	19	पचकसमाप्ति 29:18, द्वितीया श्राद्ध, A
3	शुक्र	37	20	21	08	अश्विनी	50	44	26	30	ध्रुव	22	41	वणिज	11	42	06	12	18	16	30	10	14	39	मेष	05	20	भद्रा 10:53से 21:08तक, तृतीया श्राद्ध,
4	शनि	29	38	18	04	भरणी	45	10	24	17	व्याघात	13	24	बव	03	29	06	13	18	15	30	06	14	17	वृष29:52	06	21	चतुर्थी श्राद्ध, भरणी श्राद्ध, B
5	रवि	23	21	15	34	कृत्तिका	41	08	22	40	हर्षण वज्र	05 58	09 06	तैतिल	23	21	06	13	18	14	30	02	13	55	वृष	07	22	पचमी श्राद्ध, सायन सूर्य तुला मे 18:38 C
6	सोम	18	37	13	40	रोहिणी	38	42	21	43	सिद्धि	50	55	वणिज	18	37	06	13	18	13	29	57	13	33	वृष	08	23	भद्रा 13:40से 25:04 तक,षष्ठीश्राद्ध D
7	मंगल	15	38	12	29	मृगसिरा	38	07	21	29	व्यतीपात	46	43	बव	15	38	06	14	18	11	29	53	13	11	मिथुन09:36	09	24	अष्टमीश्राद्ध , जीवितपुत्रिकाव्रत E
8	बुध	14	27	12	01	आर्द्रा	39	18	21	58	वरीयान	43	58	कौलव	14	27	06	14	18	10	29	49	12	49	मिथुन	10	25	नवमीश्राद्ध, मातृनवमी, F
9	गुरु	15	05	12	17	पुनर्वसु	42	15	23	09	परिघ	42	36	गर	15	05	06	15	18	09	29	45	12	27	कर्क16:51	11	26	भद्रा 24:45से, दशमी श्राद्ध
10	शुक्र	17	25	13	13	पुष्य	46	48	24	59	शिव	42	30	विष्टि	17	25	06	15	18	08	29	40	12	06	कर्क	12	27	भद्रा 13:13 तक, विश्व पर्यटन दिवस
11	शनि	21	12	14	45	आश्लेषा	52	38	27	19	सिद्ध	43	24	बालव	21	12	06	16	18	07	29	36	11	45	सिंह27:19	13	28	एकादशी श्राद्ध, इन्दिरा एकादशी(समस्त) G
12	रवि	26	12	16	46	मघा	59	32	30	06	साध्य	45	08	तैतिल	26	12	06	16	18	05	29	32	11	24	सिंह	14	29	द्वादशीश्राद्ध, यतिमहालय, संन्यासी श्राद्ध H
13	सोम	32	03	19	06	पूफा.	60	00	-	-	शुभ	47	23	वणिज	32	03	06	17	18	04	29	28	11	03	सिंह	15	30	भद्रा 19:06 से त्रयोदशी श्राद्ध, प्रदोषव्रत I
14	मंगल	38	23	21	39	पूफा.	07	35	09	20	शुक्ल	49	55	विष्टि	05	13	06	17	18	03	29	23	10	43	कन्या16:06	16	01	भद्रा 08:22तक, चतुर्दशीश्राद्ध J
30	बुध	44	59	24	18	उ.फा.	15	16	12	24	ब्रह्म	52	34	चतु.	11	41	06	18	18	02	29	19	10	23	कन्या	17	02	अमा श्राद्ध, पितृविसर्जन, K

A अशून्यशून्यव्रत, बृहत्तल्पद्वितीया B बहुलाचतुर्थी व्रत, संकष्टहरचतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 19:49 बजे C दक्षिणगोल प्रारम्भ D रोहिणी व्रत, सप्तमी श्राद्ध, सोमषष्ठी, E महालक्ष्मीव्रत, कालाष्टमी,जीमूतवाहनव्रत, जितिया, सामाजिक न्याय दिवस F सौभाग्यवती श्राद्ध,। G सरदार भगतसिंह जयन्ती H मघा श्राद्ध, I गजच्छाया श्राद्ध मासशिवरात्रिव्रत, J शस्त्रहत महालय, विष-शस्त्रादि हत श्राद्ध, K सर्वपितृ-अमावस्या श्राद्ध, महालय समाप्ति, श्रीलालबहादुरशास्त्री जयन्ती, महात्मा गाँधी जयन्ती, अन्ताराष्ट्रिय अहिंसा दिवस, स्वच्छता दिवस।

श्राद्धमाहात्म्य – आषाढ्याः पंचमे पक्षे कन्यासंस्थे दिवाकरे। यो वै श्राद्धं नरः कुर्यादेकस्मिन्नपि वासरे। तस्य संवत्सरं यावत् संतृप्ताः पितरो ध्रुवम्। **जीवित्पुत्रिकाव्रतम्** – इषे मास्यसिते पक्षे चाष्टमी या तिथिर्भवेत्। पुत्रसौभाग्यदा स्त्रीणां ख्याता सा जीवित्पुत्रिका।।शालिवाहनराजस्य पुत्रो जीमूतवाहनः। तस्यां पूज्यः स नारीभिः पुत्रसौभाग्यलिप्सया।

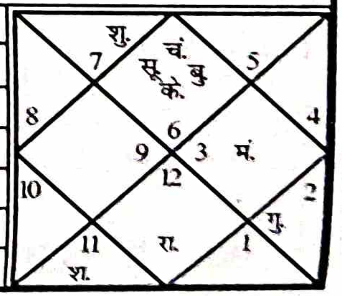
आश्विन कृष्ण 08, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 25.09.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	02	02	05	01	06	10	11	05
अं.	08	11	17	03	26	08	20	12	12
क.	14	16	30	23	42	09	26	27	27
वि.	45	20	28	03	32	29	22	56	56
गति	58	799	32	111	02	73	व04	व03	व03
	44	29	52	06	52	04	15	11	11



आश्विन कृष्ण 30, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 02.10.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	05	02	05	01	06	10	11	05
अं.	15	06	21	16	26	16	19	12	12
क.	07	59	14	02	57	40	57	05	05
वि.	14	30	38	13	17	50	45	41	41
गति	59	702	31	106	01	73	व03	व03	व03
	02	23	22	02	33	01	56	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946,आश्विन शुक्लपक्ष (दिनांक 03 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2024 ई. तक)

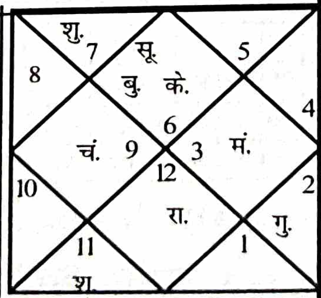
'पिंगल' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4929, अयनांश 24/11/09

तिथि	वार	घ.	प	घं	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टै.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	गुरु	51	35	26	57	हस्त	23	02	15	32	ऐन्द्र	55	11	किंस्तु.	18	17	06	18	18	01	29	15	10	03	तुला29:04	18	03	शारदीय नवरात्रारम्भ, कलश स्थापन A
02	शुक्र	57	59	29	31	चित्रा	30	41	18	36	वैधृति	57	36	बालव	24	47	06	19	17	59	29	11	09	44	तुला	19	04	चन्द्रदर्शन, प्रीति द्वितीया
03	शनि	60	00	-	-	स्वाती	38	04	21	33	विष्कुम्भ	59	43	तैतिल	30	47	06	20	17	58	29	06	09	25	तुला	20	05	गौरीतृतीया, रेमन्त पूजा
03	रवि	03	35	07	46	विशाखा	44	54	24	18	प्रीति	60	00	गर	03	35	06	20	17	57	29	02	09	07	वृश्चिक17:36	21	06	**भद्रा 20:46 से,**
04	सोम	08	36	09	47	अनुराधा	50	49	26	40	प्रीति	00	43	विष्टि	08	36	06	21	17	56	28	58	08	49	वृश्चिक	22	07	**भद्रा 09:47 तक,** उपांगललितागौरीव्रत B
05	मंगल	12	31	11	22	ज्येष्ठा	55	31	28	34	आयुष्मान	01	15	बालव	12	31	06	21	17	55	28	54	08	31	धनु28:34	23	08	बिल्वामन्त्रण
06	बुध	15	01	12	22	मूल	58	39	29	50	सौभाग्य शोभन	00 58	42 53	तैतिल	15	01	06	22	17	54	28	49	08	14	धनु	24	09	कालरात्रिपूजा (निशीथ), सरस्वतीआवाहन,
07	गुरु	15	47	12	41	पू. षा	59	58	30	22	अतिगण्ड	57	03	वणिज	15	47	06	22	17	53	28	45	07	58	धनु	25	10	**भद्रा 12:41 से 24:28 तक,** C
08	शुक्र	14	41	12	15	उ. षा	59	19	30	07	सुकर्मा	52	19	बव	14	41	06	23	17	52	28	41	07	42	मकर12:18	26	11	महाष्टमी व्रत, महानवमीव्रत, D
09	शनि	11	43	11	05	श्रवण	56	49	29	07	धृति	46	05	कौलव	11	43	06	23	17	50	28	37	07	26	मकर	27	12	महानवमी बलिहोमादि, E
10	रवि	06	59	09	12	धनिष्ठा	52	31	27	25	शूल	38	24	गर	06	59	06	24	17	49	28	33	07	11	कुम्भ16:16	28	13	**भद्रा 19:56 से,**विजयदशमी, पंचक F
11 12	सोम	00 53	41 10	06 27	41 41	शतभिषा	46	48	25	08	गण्ड	29	32	विष्टि	00	41	06	25	17	48	28	29	06	57	कुम्भ	29	14	**भद्रा 06:41 तक,** पापांकुशा G
13	मंगल	45	39	24	41	पू. भा.	40	01	22	26	वृद्धि	19	48	कौलव	32	39	06	25	17	47	28	24	06	43	मीन17:06	30	15	**भौमप्रदोषव्रत**
14	बुध	36	07	20	53	उ. भा.	32	35	19	28	ध्रुव व्याघात	09 58	28 54	गर	10	53	06	26	17	46	28	20	06	30	मीन	31	16	**भद्रा 20:53 से** H
15	गुरु	26	30	17	03	रेवती	24	59	16	26	हर्षण	48	25	विष्टि	01	19	06	26	17	45	28	16	06	18	मेष16:26	01	17	**पंचकसमाप्ति16:26, भद्रा 06:58तक.** I

A मातामह श्राद्ध, महाराज अग्रसेन जयन्ती। B स्कन्दमाता पूजा, ललिता पंचमी, C विल्वादि नवपत्रिका प्रवेश प्रातः काल, सन्धि पूजा, महानिशापूजा, देवीत्रिरात्रिव्रतारम्भ। D अन्नपूर्णा परिक्रमा, सन्धिपूजा, औली जैन प्रारम्भ E स्वारोचिष ममन्वादि, त्रिशूलिनी पूजा, नवरात्रि समाप्ति, विजया दशमी (सायंकालीन), दशहरा, सीमोल्लंघन, नीलकंठदर्शन, F प्रारम्भ 16:16, पापांकुशा एकादशी व्रत (स्मार्त),दुर्गाविसर्जन, शमीपूजा, अपराजिता देवी पूजा, दशरथगौरीव्रत, शस्त्रादि पूजा, वाहन पूजा, नवरात्रपारणा, बुद्धावतार जयन्ती, माधवाचार्य जयन्ती। G एकादशी व्रत (वैष्णव), भरत मिलाप(काशी)गोद्वादशी, पद्मनाभद्वादशी, द्विदलत्याग व्रतारम्भ, दुग्धदान H शरत् पूर्णिमा,कौमुदी महोत्सव, कोजागरी, पूर्णिमा व्रत, रात्रौ अक्षक्रीडा, रासमहोत्सव I सूर्य तुला में 07:45, संक्रान्तिपुण्यकाल सूर्योदय से 11:45 तक, कार्तिकस्नानारम्भ, सत्यनारायणव्रत, श्रीबाल्मीकिजयन्ती, औली समाप्त (जैन), नवान्नेष्टि(दक्षिणभारत),मीराबाई जयन्ती। **नवरात्रिसमये घटस्थापन कालविमर्श** - न रात्रौ स्थापनं कार्यं न च कुम्भाभिषेनम्।भास्करोदयमारभ्य यावत्तु दशनाडिका। प्रातः काल इति प्रोक्तः स्थापनारोपणादिषु।

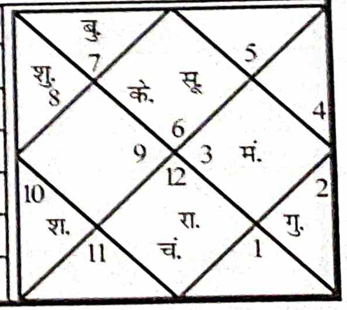
आश्विन शुक्ल 08, शुक्रवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 11.10.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	08	02	05	01	06	10	11	05
अं.	23	13	25	29	27	27	19	11	11
क.	00	54	16	40	01	36	25	37	37
वि.	41	52	52	03	59	58	03	03	03
गति	59	786	29	98	व00	72	व03	व03	व03
	20	50	08	37	17	48	23	11	11



आश्विन शुक्ल 15, शनिवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 17.10.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	11	02	06	01	07	10	11	05
अं.	29	23	28	10	26	04	19	11	11
क.	56	41	34	56	56	53	06	17	17
वि.	45	13	51	10	06	28	27	58	58
गति	59	909	27	94	व01	72	व02	व03	व03
	32	27	24	34	28	40	54	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, कार्तिक कृष्ण पक्ष (दिनांक 18 अक्टूबर से 01 नवम्बर 2024 ई. तक)

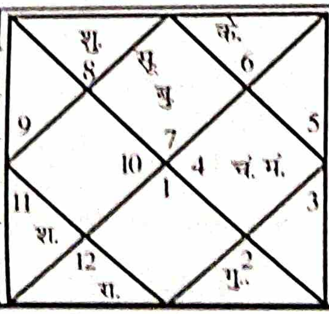
'पिंगल' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, शरद्/हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4944, अयनांश 24/11/11

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	शुक्र	17	08	13	19	अश्विनी	17	35	13	29	वज्र	37	45	कौलव	17	08	06	27	17	44	28	12	06	06	मेष	02	18	माषादिदाल एवं बैंगन आदि का त्यागव्रत A
02	शनि	08	31	09	52	भरणी	10	53	10	49	सिद्धि	27	54	गर	08	31	06	28	17	43	28	08	05	55	वृष16:15	03	19	भद्रा 20:21 से
03/04	रवि	00/54	55/41	06/28	51/20	कृत्तिका	05	13	08	36	व्यतीपात	19	08	विष्टि	00	55	06	28	17	42	28	04	05	44	वृष	04	20	भद्रा 06:51तक, करवा चौथ.B
05	सोम	48	24	25	51	रोहिणी/मृगशिरा	00/58	55/26	06/29	51/31	वरीयान	11	34	कौलव	21	37	06	29	17	41	28	00	05	34	मिथुन18:21	05	21	
06	मंगल	45	54	24	51	आर्द्रा	55	55	28	52	परिघ	05	34	गर	17	09	06	30	17	40	27	56	05	25	मिथुन	06	22	भद्रा 24:51 से, स्कन्द षष्ठी, अशोक C
07	बुध	45	24	24	40	पुनर्वसु	57	18	29	26	शिव/सिद्ध	01/58	06/20	विष्टि	15	39	06	30	17	39	27	52	05	17	कर्क23:17	07	23	भद्रा 12:45 तक
08	गुरु	47	09	25	23	पुष्य	60	00	-	-	साध्य	55	31	बालव	16	17	06	31	17	38	27	48	05	10	कर्क	08	24	अहोई अष्टमी, अष्टमीव्रत, राधाष्टमी D
09	शुक्र	50	48	26	51	पुष्य	02	47	07	39	शुभ	55	58	तैतिल	18	59	06	32	17	37	27	44	05	03	कर्क	09	25	
10	शनि	56	10	29	01	आश्लेषा	08	03	09	46	शुक्ल	57	39	वणिज	23	29	06	32	17	37	27	40	04	57	सिंह09:46	10	26	भद्रा 15:56 से 29:01 तक।
11	रवि	60	00	-	-	मघा	14	38	12	24	ब्रह्म	60	00	बव	29	47	06	33	17	36	27	36	04	52	सिंह	11	27	
11	सोम	03	24	07	56	पूफा.	22	09	15	26	ब्रह्म	00	42	बालव	03	24	06	34	17	35	27	32	04	47	कन्या22:14	12	28	रम्भा (रमा)एकादशी व्रत(समस्त) E
12	मंगल	10	07	10	37	उ.फा.	30	07	18	38	ऐन्द्र	03	14	तैतिल	10	07	06	35	17	34	27	28	04	43	कन्या	13	29	धन्वन्तरिजयन्ती,धनतेरस,धनत्रयोदशी. F
13	बुध	16	50	13	19	हस्त	37	59	21	47	वैधृति	05	47	वणिज	16	50	06	35	17	33	27	24	04	41	कन्या	14	30	भद्रा 13:19 से 26:37 तक, नरक G
14	गुरु	23	21	15	56	चित्रा	45	36	24	50	विष्कु.	08	10	शकुनि	23	21	06	36	17	32	27	20	04	39	तुला11:18	15	31	यमदीपदान. महाकाली पूजा, H
30	शुक्र	29	18	18	20	स्वाती	52	35	27	39	प्रीति	10	10	नाग	29	18	06	37	17	32	27	17	04	38	तुला	16	01	कार्तिक अमावस्या,दीपावली. महालक्ष्मी I

A अशून्यशयन व्रत, दीपदानम् B करकचतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 19:54 बजे, संकटचतुर्थी व्रत, दशरथ चतुर्थी(बंगाल),रोहिणीव्रत C चन्दन षष्ठी, सायनं सूर्य वृश्चिक में 28:08, हेमन्त ऋतु प्रारम्भ, D राधाजयन्ती, कालाष्टमी, राधा कुण्ड स्नान (मथुरामण्डले) Eगोवत्स द्वादशी, F भौमप्रदोष व्रत, यमदीपदान, G चतुर्दशी, यमदीपदान, यमपूजन, अभ्यंग स्नान, प्रेतचतुर्दशी, छोटी दीपावली, हनुमान जयन्ती(उ.भा.), रूप चौदस, सायं दीपदान, मासशिवरात्रिव्रत। H एकता दिवस, सरदार पटेल जयन्ती I पूजा, कामेश्वरी जयन्ती, यमतर्पण, पितृविसर्जन, लक्ष्मीकुबेरादि पूजन, सायं दीपदान, उल्काभ्रमण, गोत्रिरात्रि व्रत समाप्ति, केदारव्रत, कमला जयन्ती (प्रदोषकाल), शंकराचार्य निर्वाण दिन, दयानन्दनिर्वाण दिन, श्रीमहावीर निर्वाण(जैन), दरिद्रा निस्सारण रात्रौ अक्षक्रीडा।

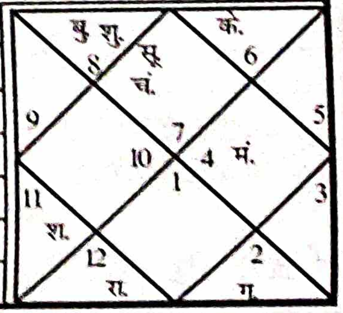
कार्तिक कृष्ण 08 गुरुवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 24.10.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	03	03	06	01	07	10	11	05
अं.	06	03	01	21	26	13	18	10	10
क.	54	28	37	41	40	21	48	55	55
वि.	30	51	48	54	01	37	31	42	42
गति	59	779	25	90	व02	72	व02	व11	व11
	46	22	07	29	54	28	15	11	11



कार्तिक कृष्ण 30, शुक्रवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 01.11.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	06	03	07	01	07	10	11	05
अं.	14	09	04	03	26	23	18	10	10
क.	53	34	45	24	10	00	33	30	30
वि.	55	55	34	16	10	28	29	15	15
गति	60	713	22	88	व04	72	व01	व11	व11
	02	12	07	33	24	13	31	11	11



विक्रमसंवत् 2081 शाके 1946, कार्तिक शुक्ल पक्ष (दिनांक 02 नवम्बर से 15 नवम्बर 2024 ई. तक)

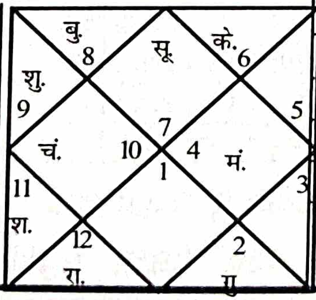
'पिंगल' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिण-गोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4959, अयनांश 24/11/13

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टै.	अ	चन्द्रचार	प्रति.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	शनि	34	37	20	28	विशाखा	58	56	30	12	आयु.	11	42	किंस्तु.	01	57	06	03	17	31	27	13	04	37	वृश्चि23:33	17	नव02	प्रातः यमतर्पण, अन्नकूट, गोवर्धन पूजा A
02	रवि	38	58	22	14	अनुराधा	60	00	-	-	सौभा.	12	34	बालव	06	47	06	38	17	30	27	09	04	38	वृश्चिक	18	03	भ्रातृद्वितीया, भैया दूज, यमपूजा, B
03	सोम	42	24	23	37	अनुराधा	03	30	08	03	शोभ.	12	44	तैतिल	10	41	06	39	17	29	27	06	04	39	वृश्चिक	19	04	त्रिलोचनगौरीव्रत
04	मंगल	44	52	24	37	ज्येष्ठा	07	52	09	49	अति.	12	10	वणिज	13	38	06	40	17	29	27	02	04	41	धनु09:49	20	05	भद्रा 12:07 से 24:37 तक, C
05	बुध	45	57	25	04	मूल	11	03	11	06	सुकर्मा	10	38	बव	15	25	06	40	17	28	26	58	04	44	धनु	21	06	लाभपंचमी, सौभाग्यपंचमी, ज्ञानपंचमी D
06	गुरु	45	47	25	00	पू. षा	13	03	11	55	धृति	08	09	कौलव	15	52	06	41	17	27	26	55	04	48	मकर17:59	22	07	प्रतिहारषष्ठीव्रत, छठपूजा E
07	शुक्र	44	06	24	21	उ. षा	13	41	12	11	शूल/गण्ड	04/59	34/55	गर	14	56	06	42	17	27	26	51	04	53	मकर	23	08	भद्रा 24:21से, प्रातःकालीन सूर्यार्घ्य, F
08	शनि	41	03	23	21	श्रवण	12	58	11	54	वृद्धि	54	10	विष्टि	12	34	06	43	17	26	26	48	04	58	कुम्भ23:29	24	09	पंचकप्रारम्भ 23:29 से,भद्रा G
09	रवि	36	33	21	21	धनिष्ठा	10	53	11	05	ध्रुव	48	26	बालव	08	48	06	44	17	26	26	44	05	05	कुम्भ	25	10	अक्षयनवमी, कूष्माण्डनवमी, H
10	सोम	30	40	19	01	शतभि	07	26	09	43	व्याघात	40	22	तैतिल	03	36	06	44	17	25	26	41	05	12	मीन26:22	26	11	भद्रा 29:38 से, कंसमेला मथुरा
11	मंगल	23	46	16	16	पू.भा./उ.भा.	02/57	53/20	07/29	55/41	हर्षण	31	32	विष्टि	23	46	06	45	17	24	26	38	05	20	मीन	27	12	भद्रा 16:16तक, हरिबोधिनी I
12	बुध	15	55	13	08	रेवती	51	52	27	31	वज्र	21	57	बालव	15	55	06	46	17	24	26	34	05	29	मेष 27:31	28	13	पंचक समाप्ति 27:31,गरुड द्वादशी J
13/14	गुरु	07/59	35/02	09/30	49/23	अश्विनी	44	55	24	45	सिद्धि	12	00	तैतिल	07	35	06	47	17	24	26	31	05	39	मेष	29	14	भद्रा 30:23से, वैकुण्ठचतुर्दशी K
15	शुक्र	50	33	27	01	भरणी	37	58	21	59	व्यति./वरीयान	01/52	56/05	विष्टि	24	47	06	48	17	23	26	28	05	50	वृष27:20	30	15	भद्रा 16:42 तक, पूर्णिमा व्रत L

A गोक्रीडा, बलिपूजा, द्यूतक्रीडा, नीराजन, आकाश दीपारम्भ, अखण्डदीप प्रारम्भ, मंगलमालिका, विश्वकर्मापूजा/दिवस B चित्रगुप्त पूजा, यमुना स्नान, भगिनीगृह में भोजन, चन्द्रदर्शन, C विनायकचतुर्थी, दूर्वागणपति व्रत, नागचतुर्थी, D त्रिदिवसीय सूर्यषष्ठीव्रतारम्भ(नहाई-खाई)। E सूर्यषष्ठीव्रत, प्रतिहारषष्ठी सूर्यार्घ्य (सायंकाल), स्कन्दषष्ठी, F प्रतिहारषष्ठी व्रत पारणा, G 11:51तक, दुर्गाष्टमी, मेला गोचारण (मथुरा), गोपाष्टमी, कार्तवीर्योत्पत्ति, औली (जैन) प्रारम्भ, उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस H सतयुगादि, विष्णुत्रिरात्रिव्रतारम्भ, जगद्धात्री पूजा, धात्रीवृक्ष के नीचे भोजन, अयोध्या मथुरा परिक्रमा। I एकादशी व्रत(समस्त),देवउठनी, भीष्मपंचक प्रारम्भ, श्रीविष्णु त्रिरात्रिव्रतसमाप्त, कालिदास जयन्ती, मन्वादि, भीष्मपंचकव्रतारम्भ,चातुर्मास्य समाप्ति। J देवप्रबोधनोत्सव:, तुलसी विवाह, प्रदोषव्रत, K पाषाण चतुर्दशी, विश्वेश्वरप्रतिष्ठाव्रत, काशी विश्वनाथ प्रतिष्ठा, धात्रीपूजन, श्रीमहाविष्णु पूजा, बाल दिवस L कार्तिकपूर्णिमा, सत्यव्रत, मन्वादि, कार्तिकव्रतोद्यापन, गुरु नानकदेव जयन्ती, त्रिपुरोत्सव, तुलसी उद्यापन, पुष्कर मेला, भीष्मपंचकसमाप्ति, देव दीपावली, निम्बार्क जयन्ती, वैशानस दीप(द.भा.), चातुर्मास्य समाप्ति (संन्यासी), औली (जैन) समाप्त, कार्तिक स्नान समाप्त।

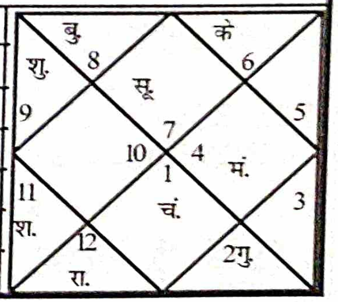
कार्तिक शुक्ल 08, शनिवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 09.11.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	09	03	07	01	08	10	11	05
अं.	22	20	07	14	25	02	18	10	10
क.	55	25	26	18	28	36	24	04	04
वि.	21	52	35	25	52	39	48	48	48
गति	60	804	18	78	व05	71	व00	व03	व03
	16	53	29	01	43	49	42	11	11



कार्तिक शुक्ल 15, शुक्रवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 15.11.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	00	03	07	01	08	10	11	05
अं.	28	17	09	21	24	09	18	09	09
क.	57	11	06	29	51	46	22	45	45
वि.	40	19	57	04	18	35	39	43	43
गति	60	898	15	66	व06	71	00	व03	व03
	25	41	24	06	35	26	01	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (दिनांक 16 नवम्बर से 01 दिसम्बर 2024 ई. तक)

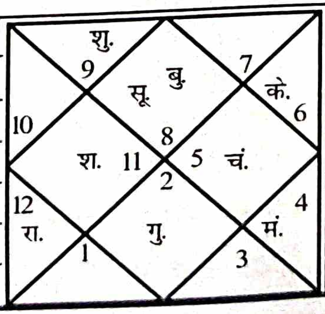
'पिंगल' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4973, अयनांश 24/11/15

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	ं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	शनि	42	19	23	44	कृत्तिका	31	34	19	26	परिध	42	13	बालव	16	26	06	48	17	23	26	25	06	01	वृष	मा.1	16	सूर्य वृश्चिक में 07:32, कार्तिकव्रतपारणाA
02	रवि	35	11	20	54	रोहिणी	26	06	17	16	शिव	33	24	तैतिल	08	45	06	49	17	22	26	22	06	13	मिथु28:27	02	17	
03	सोम	29	36	18	41	मृगसिरा	22	03	15	39	सिद्ध	25	50	वणिज	02	23	06	50	17	22	26	19	06	26	मिथुन	03	18	**भद्रा 07:47 से 18:41तक,** गणेश B
04	मंगल	25	56	17	13	आर्द्रा	19	48	14	46	साध्य	19	49	बालव	25	56	06	51	17	21	26	16	06	40	मिथुन	04	19	
05	बुध	24	13	16	33	पुनर्वसु	19	26	14	38	शुभ	15	19	तैतिल	24	13	06	52	17	21	26	13	06	55	कर्क08:40	05	20	
06	गुरु	24	48	16	48	पुष्य	21	17	15	23	शुक्ल	12	36	वणिज	24	48	06	53	17	21	26	10	07	10	कर्क	06	21	**भद्रा 16:48 से 29:20 तक,** C
07	शुक्र	27	26	17	52	आश्लेषा	25	07	16	56	ब्रह्म	11	27	बव	27	26	06	53	17	21	26	08	07	26	सिंह16:56	07	22	सावित्रीकल्प, कालाष्टमी
08	शनि	32	02	19	43	मघा	30	51	19	15	ऐन्द्र	11	59	बालव	32	02	06	54	17	20	26	05	07	43	सिंह	08	23	रुक्मिणी अष्टमी,D
09	रवि	38	06	22	09	पूफा.	37	59	22	07	वैधृति	13	21	तैतिल	05	04	06	55	17	20	26	02	08	01	कन्या28:54	09	24	गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस
10	सोम	45	01	24	56	उ.फा.	45	56	25	18	विष्कु.	15	38	वणिज	11	34	06	56	17	20	26	00	08	19	कन्या	10	25	**भद्रा 11:32 से 24:56 तक,**
11	मंगल	52	19	27	52	हस्त	54	15	28	39	प्रीति	18	19	बव	18	40	06	57	17	20	25	57	08	38	कन्या	11	26	उत्पन्ना एकादशी व्रत (समस्त)
12	बुध	59	04	30	35	चित्रा	60	00	-	-	आयुष्मान	20	47	कौलव	25	42	06	57	17	20	25	55	08	57	तुला18:09	12	27	
13	गुरु	60	00	-	-	चित्रा	01	41	07	39	सौभाग्य	22	52	गर	31	40	06	58	17	19	25	53	09	18	तुला	13	28	प्रदोषव्रत,
13	शुक्र	04	17	08	42	स्वाती	08	22	10	20	शोभ.	24	08	वणिज	04	17	06	59	17	19	25	51	09	39	वृश्चि30:04	14	29	**भद्रा 08:42 से 21:38 तक,** E
14	शनि	08	54	10	34	विशाखा	14	08	12	39	अति.	24	38	शकुनि	08	54	07	00	17	19	25	48	10	00	वृश्चिक	15	30	श्राद्धादि अमावस्या
30	रवि	12	15	11	55	अनुराधा	18	40	14	29	सुकर्मा	24	07	नाग	12	15	07	01	17	19	25	46	10	22	वृश्चिक	16	01दिस.	मार्गशीर्ष-अमावस्या, कार्तिकपूजा (बं.)F

A संक्रान्तिपुण्यकाल सूर्योदय से B संकष्टहरचतुर्थी व्रत,चन्द्रोदय 19:34 बजे, सौभाग्यसुन्दरीव्रत, C सायन सूर्य धनु में 25:47 D कालभैरवाष्टमी, भैरव जयन्ती, रुक्मिणी जयन्ती E मासशिवरात्रि F प्रतिपत्प्रदोष। **नवान्नभक्षणम्**-वृश्चिके पूर्वभागे तु नवान्नं शस्यते बुधैः। अपरे क्रियमाणे तु धनुष्येव कृतं भवेत्।। धनुषि यत्कृतं श्राद्धं मृगनेत्रासु रात्रिषु। पितरस्तन्न गृह्णन्ति नवान्नामृतकांक्षिणः।। **कालभैरवपूजने विशेषः** -कृत्वा च विविधां पूजां महासम्भारविस्तरैः। नरो मार्गासिताष्टम्यां वार्षिकं विघ्नमुत्सृजेत्। तीर्थे कालोदके स्नात्वा कृत्वा तर्पणमत्वरः। विलोक्य कालराजानं निरयादुद्धरेत्पितृन्। **रविवासरे त्याज्यवस्तूनि**-क्षौरं तैलं जलं चोष्णमामिषं निशि भोजनम्। रतिः स्नानं च मध्याह्ने रवौ सप्त विवर्जयेत्।।

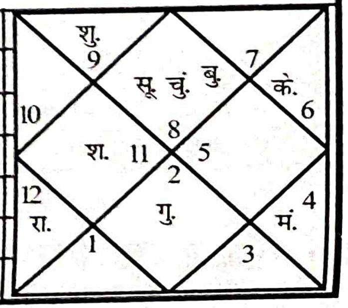
मार्गशीर्ष कृष्ण 08, शनिवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 23.11.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	04	03	07	01	08	10	11	05
अं.	07	07	10	27	23	19	18	09	09
क.	02	00	49	51	54	16	25	20	20
वि.	15	10	05	23	13	02	42	16	16
गति	60	738	10	28	व07	70	00	व03	व03
	37	31	39	42	28	51	45	11	11



मार्गशीर्ष कृष्ण 30, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 01.12.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	07	03	07	01	08	10	11	05
अं.	15	12	11	26	22	28	18	08	08
क.	08	49	49	18	51	39	35	54	54
वि.	21	33	30	13	31	56	30	49	49
गति	60	740	05	व47	व08	70	01	व03	व03
	39	30	03	18	02	08	35	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (दिनांक 02 दिसम्बर से 15 दिसम्बर 2024 ई. तक)

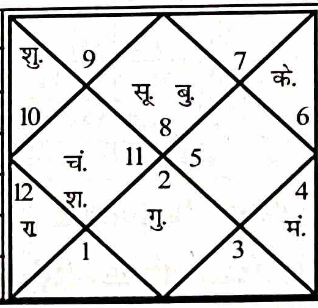
'पिंगल' संवत्सर, दक्षिण/उत्तरायण, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4989, अयनांश 24/11/17

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अ		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	सोम	14	28	12	49	ज्येष्ठा	22	08	15	53	धृति	22	45	बव	14	28	07	01	17	19	25	44	10	45	धनु15:53	17	02	रुद्रव्रत, रम्भाव्रत, चन्द्रदर्शन
02	मंगल	15	34	13	16	मूल	24	31	16	51	शूल	20	31	कौलव	15	34	07	02	17	19	25	43	11	08	धनु	18	03	
03	बुध	15	35	13	17	पू. षा	25	52	17	24	गण्ड	17	28	गर	15	35	07	03	17	19	25	41	11	32	मकर23:27	19	04	**भद्रा 25:07 से**
04	गुरु	14	44	12	57	उ. षा	26	24	17	37	वृद्धि	13	46	विष्टि	14	44	07	04	17	19	25	39	11	57	मकर	20	05	**भद्रा 12:57 तक,** विनायकचतुर्थीव्रत
05	शुक्र	12	53	12	14	श्रवण	25	57	17	27	ध्रुव	09	17	बालव	12	53	07	04	17	19	25	37	12	21	कुम्भ29:13	21	06	**पंचकप्रारम्भ 29:13 से,** स्कन्दषष्ठीA
06	शनि	10	17	11	12	धनिष्ठा	24	46	17	00	व्याघात हर्षण	04 58	12 25	तैतिल	10	17	07	05	17	20	25	36	12	47	कुम्भ	22	07	संहारषष्ठी, मल्लारषष्ठी B
07	रवि	06	46	09	48	शतभि	22	42	16	11	वज्र	51	58	वणिज	06	46	07	06	17	20	25	35	13	12	कुम्भ	23	08	**भद्रा 09:48 से 20:56 तक,** C
08 09	सोम	02 57	24 22	08 30	04 02	पू.भा.	19	47	15	01	सिद्धि	45	31	बव	02	24	07	06	17	20	25	33	13	39	मीन09:18	24	09	दुर्गाष्टमी, कल्पादि नवमी, महानवमी व्रत.
10	मंगल	52	22	28	04	उ.भा.	16	13	13	36	व्यतीपात	37	50	तैतिल	34	36	07	07	17	20	25	32	14	05	मीन	25	10	मानवाधिकार दिवस
11	बुध	45	38	25	23	रेवती	11	49	11	52	वरीयान	29	27	वणिज	19	00	07	08	17	20	25	31	14	32	मेष11:52	26	11	**पंचकसमाप्ति 11:52,भद्रा 14:43** D
12	गुरु	38	39	22	36	अश्विनी	06	59	09	56	परिघ	20	49	बव	12	09	07	08	17	21	25	30	14	59	मेष	27	12	मोक्षदा एकादशी व्रत (नि.) E
13	शुक्र	31	25	19	43	भरणी कृत्तिका	01 56	47 40	07 29	52 50	शिव	11	57	कौलव	05	02	07	09	17	21	25	29	15	27	वृष13:21	28	13	प्रदोषव्रत, अनंग त्रयोदशी, मासशिवरात्रि
14	शनि	24	29	16	57	रोहिणी	51	32	27	47	सिद्ध साध्य	03 54	14 56	वणिज	24	29	07	10	17	21	25	28	15	54	वृष	29	14	**भद्रा 16:57 से 27:42 तक,** F
15	रवि	18	13	14	28	मृगसिरा	47	14	26	04	शुभ	46	35	बव	18	13	07	10	17	21	25	27	16	23	मिथु14:55	01	15	सूर्य धनु व मूल में 22:11,संक्रान्ति G

A रामविवाहोत्सव विवाह पंचमी, नागपंचमी, बाबू वैजनाथ जयन्ती, रामदास जयन्ती, स्वामी हरिदास जयन्ती, नाग पंचमी (दक्षिण) B चम्पाषष्ठी (महाराष्ट्र), सुब्रह्मण्यमषष्ठी (द.भारत), गुह षष्ठी। C नन्दासप्तमी, मित्रसप्तमी D से 25:23 तक, मोक्षदा एकादशीव्रत (स्मार्त व वैष्णव), गीता जयन्ती, मौनी एकादशी (जैन), E धरणी व्रत मत्स्या द्वादशी, अखण्डद्वादशी F पूर्णिमा व्रत, पिशाचमोचन श्राद्ध, रोहिणीव्रत, दत्तात्रेय जयन्ती, दत्तात्रेय उत्पत्ति, G पुण्यकाल मध्याह्न से सूर्यास्त तक, मार्गशीर्ष पूर्णिमा, सत्यनारायणव्रत,काशी पिशाचमोचनयात्रा, दर्शन तर्पणादि, त्रिपुरभैरवीजयन्ती, **अथ सौरव्रतम्**-मार्गे मासि तथा माघे वैशाखाषाढयोरपि। शुक्लपक्षे व्रतं कुर्यात्सम्यग्देवस्य भास्वत:।। **नवान्नफलभक्षणम्** - हरियुगलेऽदितियुगले पूषायुगले विरंचियुगले च। करपंचकोत्तरेषु च नवान्नफलभक्षणं शस्तम्।।

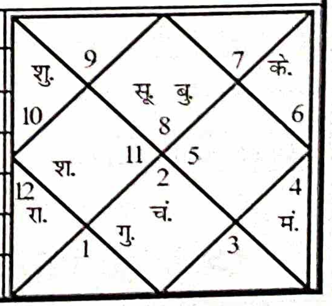
मार्गशीर्ष शुक्ल 08, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 09.12.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	10	03	07	01	09	10	11	05
अं.	23	28	12	16	21	07	18	08	08
क.	15	44	02	16	46	56	51	29	29
वि.	42	31	20	25	14	37	58	22	22
गति	60	835	व01	व75	व08	69	02	व03	व03
	58	07	10	31	11	07	24	11	11



मार्गशीर्ष शुक्ल 15, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 15.12.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	01	03	07	01	09	10	11	05
अं.	29	25	11	12	20	14	19	08	08
क.	21	16	37	05	57	48	08	10	10
वि.	50	44	49	29	32	40	31	17	17
गति	61	867	व06	वा14	व08	68	02	व03	व03
	03	50	12	25	02	11	59	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, पौष कृष्ण पक्ष (दिनांक 16 दिसम्बर से 30 दिसम्बर 2024 ई. तक)

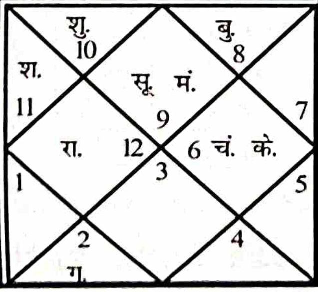
'पिंगल' संवत्सर, दक्षिण/उत्तरायण, दक्षिणगोल, हेमन्त/शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 5003, अयनांश 24/11/19

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	सोम	12	59	12	23	आर्द्रा	44	10	24	51	शुक्ल	39	43	कौलव	12	59	07	11	17	22	25	27	16	51	मिथुन	02	16	विजय दिवस
02	मंगल	09	15	10	54	पुनर्वसु	42	49	24	19	ब्रह्म	34	16	गर	09	15	07	11	17	22	25	26	17	19	कर्क18:27	03	17	**भद्रा 22:28 से**
03	बुध	07	07	10	03	पुष्य	43	10	24	28	ऐन्द्र	30	10	विष्टि	07	07	07	12	17	23	25	26	17	48	कर्क	04	18	**भद्रा 10:03 तक,** संकष्टहरचतुर्थीव्रत A
04	गुरु	06	57	10	00	आश्लेषा	45	37	25	27	वैधृति	27	44	बालव	06	57	07	13	17	23	25	26	18	17	सिंह25:27	05	19	
05	शुक्र	08	47	10	44	मघा	49	59	27	13	विष्कु.	26	49	तैतिल	08	47	07	13	17	23	25	25	18	46	सिंह	06	20	
06	शनि	12	31	12	14	पू.फा.	56	04	29	40	प्रीति	27	17	वणिज	12	31	07	14	17	24	25	25	19	14	सिंह	07	21	**भद्रा 12:14 से 25:19 तक B**
07	रवि	17	58	14	25	उ.फा.	60	00	-	-	आयुष्मान	28	59	बव	17	58	07	14	17	24	25	25	19	43	कन्या12:30	08	22	भानु सप्तमी, कालाष्टमी, व्यष्टकाश्राद्ध
08	सोम	24	30	17	03	उ.फा.	04	41	09	07	सौभाग्य	31	22	कौलव	24	03	07	15	17	25	25	25	20	13	कन्या	09	23	अष्टकाश्राद्ध,शिवशक्तिपूजनोत्सव C
09	मंगल	31	37	19	54	हस्त	12	36	12	18	शोभन	34	07	गर	31	37	07	15	17	25	25	26	20	42	तुला25:51	10	24	अन्वष्टकाश्राद्ध,
10	बुध	38	21	22	36	चित्रा	20	23	15	25	अति	36	29	वणिज	04	59	07	15	17	26	25	26	21	10	तुला	11	25	**भद्रा 09:15 से 22:36 तक** D
11	गुरु	44	24	25	02	स्वाती	17	37	18	19	सुकर्मा	38	18	बव	11	23	07	16	17	27	25	26	21	39	तुला	12	26	सफला एकादशी व्रत (समस्त) E
12	शुक्र	48	53	26	50	विशाखा	33	32	20	41	धृति	38	57	कौलव	16	39	07	16	17	27	25	27	22	08	वृश्चि14:05	13	27	सुरूपाद्वादशी
13	शनि	51	49	28	00	अनुराधा	38	02	22	30	शूल	38	24	गर	20	21	07	16	17	28	25	28	22	37	वृश्चिक	14	28	**भद्रा 28:00 से,** शनिप्रदोषव्रत,
14	रवि	53	11	28	33	ज्येष्ठा	41	04	23	43	गण्ड	36	41	विष्टि	22	30	07	17	17	28	25	28	23	05	धनु23:43	15	29	**भद्रा 16:16 तक** मासशिवरात्रि
30	सोम	52	48	28	24	मूल	42	28	24	17	वृद्धि	33	39	चतु.	22	59	07	17	17	29	25	29	23	34	धनु	16	30	सोमवती अमावस्या, बकुला अमावस्या।

A चन्द्रोदय 20:27 बजे **B** सायन सूर्य मकर में 15:12, उत्तरायण प्रारम्भ, शिशिर ऋतु प्रारम्भ **C** किसान दिवस **D** तुलसी पूजन दिवस, पं. अटलविहारी वाजपेयी जयन्ती, पं. मदनमोहन मालवीय जयन्ती, पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती, क्रिसमस (ईसाई), ईसामसीह जयन्ती **E** वीर बाल दिवस, जोरावरसिंह व फतेहसिंह शहीदी दिवस, शहीद ऊधम सिंह जयन्ती। **दशतारकविचार** - पौषे मूलभरण्यन्तं चन्द्रचारेण वर्षति। आर्द्रादितो विशाखान्तं सूर्यचारेण वर्षति। एवं चैत्रे तथा ज्येष्ठे शुक्लपक्षे प्रयत्नतः। आर्द्रादिदशताराणां ज्ञात्वा गर्भं वदेत्फलम्।। **मेघगर्भपुष्टिविचारः** - वाताभ्रगर्जततडितोदकानि हिमप्रपातः करकावघातः। अकालसन्ध्या परिवेषणश्च नवप्रकारैः प्रभवन्ति गर्भाः।।

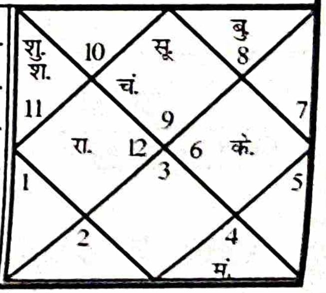
पौष कृष्ण 08, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 23.12.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	06	03	07	01	09	10	11	05
अं.	07	09	10	15	19	23	19	07	07
क.	30	04	18	35	55	47	35	44	44
वि.	38	10	18	07	30	10	52	50	50
गति	61	713	वा12	50	वा07	66	03	वा03	वा03
	07	35	46	01	27	38	44	11	11



पौष कृष्ण 30, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 30.12.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	08	03	07	01	10	10	11	05
अं.	14	04	08	23	19	01	20	07	07
क.	38	15	27	11	06	27	04	22	22
वि.	39	25	07	36	05	12	29	34	34
गति	61	769	वा17	73	वा06	64	04	वा03	वा03
	09	16	59	23	42	57	21	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, पौष शुक्लपक्ष (दिनांक 31 दिसम्बर 2024 से 13 जनवरी 2025 ई.तक)

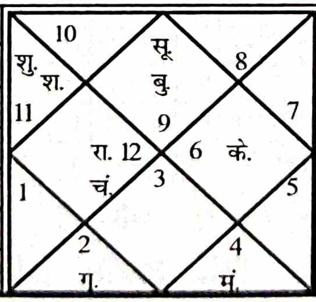
'पिंगल' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 5018, अयनांश 24/11/21

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	मंगल	51	17	27	48	पू. षा	42	43	24	23	ध्रुव	29	43	किंस्तु	22	03	07	17	17	30	25	30	24	02	मकर30:17	17	31	
2	बुध	48	35	26	44	उ. षा	41	48	24	01	व्याघा	24	50	बालव	19	56	07	18	17	30	25	31	24	30	मकर	18	01	चन्द्रदर्शन, खीज़्टनववर्ज़
3	गुरु	45	16	25	24	श्रवण	40	13	23	23	हर्षण	19	24	तैतिल	16	56	07	18	17	31	25	32	24	57	मकर	19	02	
4	शुक	41	18	23	50	धनिष्ठा	37	59	22	30	वज्र	13	25	वणिज	13	17	07	18	17	32	25	34	25	25	कुम्भ10:56	20	03	पंचकप्रारम्भ 10:56 से, भद्रा A
5	शनि	37	02	22	07	शतभि	35	26	21	29	सिद्धि	07	08	बव	09	10	07	18	17	32	25	35	25	52	कुम्भ	21	04	
6	रवि	32	38	20	22	पू.भा.	32	42	20	24	व्यतीपात वरीयान	00 53	38 55	कौलव	04	50	07	18	17	33	25	36	26	18	मीन14:34	22	05	अन्नरूपाषष्ठी,गुरुगोविन्दसिंहजयन्ती(नवीनमत)
7	सोम	27	53	18	28	उ.भा.	29	39	19	11	परिघ	47	10	गर	00	15	07	19	17	34	25	38	26	44	मीन	23	06	भद्रा 18:28 से 29:29 तक, B
8	मंगल	23	01	16	31	रेवती	26	29	17	54	शिव	46	05	बव	23	01	07	19	17	35	25	40	27	10	मेष17:54	24	07	पंचक समाप्त 17:54 C
9	बुध	17	53	14	28	अश्विनी	23	02	16	32	सिद्ध	32	46	कौलव	17	53	07	19	17	35	25	41	27	36	मेष	25	08	
10	गुरु	12	43	12	24	भरणी	19	34	15	09	साध्य	25	30	गर	12	43	07	19	17	36	25	43	28	01	वृष20:48	26	09	भद्रा 23:22 से, साम्बदशमी, सूर्यपूजा D
11	शुक्र	07	31	10	20	कृत्तिका	16	04	13	45	शुभ	18	11	विष्टि	07	31	07	19	17	37	25	45	28	25	वृष	27	10	भद्रा 10:20 तक, पुत्रदा एकादशी E
12 13	शनि	02 58	31 06	08 30	19 33	रोहिणी	12	47	12	26	शुक्ल	11	06	बालव	02	31	07	19	17	38	25	47	28	49	मिथु23:54	28	11	कूर्म द्वादशी, शनिप्रदोष व्रत,
14	रवि	54	21	29	03	मृगसिरा	10	07	11	22	ब्रह्म एन्द्र	04 58	31 32	गर	26	13	07	19	17	39	25	49	29	13	मिथुन	29	12	भद्रा 29:03 से, युवदिवस, F
15	सोम	50	35	27	33	आर्द्रा	08	09	10	35	वैधृति	53	24	विष्टि	22	28	07	19	17	39	25	51	29	36	कर्क28:20	30	13	भद्रा 16:18 तक, पूर्णिमाव्रत, पौषी G

A 12:37 से 23:50 तक, विनायक चतुर्थी व्रत, गणेश चतुर्थी B भानुसप्तमी, गुरुगोविन्द सिंह जयन्ती (प्राचीन मत) C महाभद्राष्टमी, दुर्गाष्टमी D (उडीसा), E व्रत (समस्त), रैवत मन्वादि, F स्वामी विवेकानन्द जयन्ती G पूर्णिमा, प्रयागराज में अर्धकुम्भ मेला आरम्भ, माघ स्नान आरम्भ, श्रीसत्यनारायण व्रत, तूल परीक्षा, दशाश्वमेध गंगा स्नान, शाकम्भरी जयन्ती, लोहिडी (पंजाब)। **पूर्णिमातः माघस्नानारम्भे मन्त्रः** - दुःखदारिद्र्यनाशाय श्रीविष्णोस्तोषणाय च। प्रातः स्नानं करोम्यद्य माघे पापविनाशिने। **माघे विष्णुपूजा** - पौष्यां तु समतीतायां यावद्भवति पौर्णिमा। माघमासस्य तावद्धि पूजा विष्णोर्विधीयते।। **माघे अर्घ्यदानमन्त्रः** - सवित्रे प्रसवित्रे च परं धाम जले मम। त्वत्तेजसा परिभ्रष्टं पापं यातु सहस्रधा।

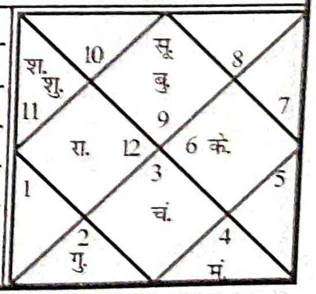
पौष शुक्ल 08, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 07.01.2025

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	11	03	08	01	10	10	11	05
अं.	22	27	05	03	18	09	20	06	06
क.	47	47	41	52	17	56	42	57	57
वि.	57	53	53	45	32	08	08	08	08
गति	61	842	व22	83	व05	62	04	व03	व03
	09	55	21	52	31	27	59	11	11



पौष शुक्ल 15, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 13.01.2025

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	02	03	08	01	10	10	11	05
अं.	28	18	03	12	17	16	21	06	06
क.	54	07	21	31	47	02	13	38	38
वि.	47	12	34	18	52	56	28	03	03
गति	61	829	व23	87	व04	60	05	व03	व03
	07	09	52	58	31	07	24	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, माघ कृष्ण पक्ष (दिनांक 14 जनवरी से 29 जनवरी 2025 ई. तक)

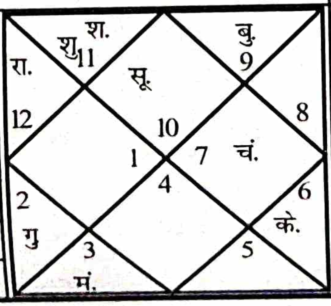
'पिंगल' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 5032, अयनांश 24/11/23

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	मंगल	49	02	26	56	पुनर्वसु	07	19	10	15	विष्कु.	48	14	बालव	19	48	07	19	17	40	25	53	29	58	कर्क	मा01	14	माघ में मूलीभक्षण निषेध,मकर संक्रान्तिA
02	बुध	48	55	26	53	पुष्य	07	45	10	25	प्रीति	45	10	तैतिल	18	59	07	19	17	41	25	56	30	20	कर्क	02	15	
03	गुरु	50	37	27	33	आश्लेषा	09	44	11	12	आयुष्मा	43	30	वणिज	19	46	07	18	17	42	25	58	30	41	सिंह11:12	03	16	**भद्रा 15:13 से 27:33तक,**
04	शुक्र	54	02	28	55	मघा	13	21	12	39	सौभाग्य	43	10	बव	22	20	07	18	17	43	26	01	31	02	सिंह	04	17	संकष्टहरचतुर्थी व्रत, संकटचौथ(गढवाल)B
05	शनि	60	00	-	-	पू.फा.	18	26	14	41	शोभन	43	55	कौलव	27	13	07	18	17	44	26	03	31	21	कन्या21:20	05	18	
05	रवि	00	24	07	28	उ.फा.	25	04	17	20	अतिगण्ड	45	55	तैतिल	00	24	07	18	17	44	26	06	31	41	कन्या	06	19	सायन सूर्य कुम्भ में 25:52
06	सोम	06	28	09	53	हस्त	32	33	20	19	सुकर्मा	48	20	वणिज	06	28	07	18	17	45	26	09	31	59	कन्या	07	20	**भद्रा 09:53 से 23:15 तक**
07	मंगल	13	20	12	37	चित्रा	40	41	23	34	धृति	51	13	बव	13	20	07	17	17	46	26	11	32	17	तुला09:56	08	21	कालाष्टमी, व्यष्टकाश्राद्ध
08	बुध	20	07	15	20	स्वाती	48	30	26	42	शूल	53	40	कौलव	20	07	07	17	17	47	26	14	32	34	तुला	09	22	अष्टकाश्राद्ध, बुधाष्टमी
09	गुरु	26	14	17	46	विशाखा	55	29	29	29	गण्ड	55	20	गर	26	14	07	17	17	48	26	17	32	51	वृश्चि22:47	10	23	**भद्रा 30:43 से** अन्वष्टकाश्रादध C
10	शुक्र	30	59	19	40	अनुराधा	59	43	31	09	वृद्धि	55	45	विष्टि	30	59	07	16	17	49	26	20	33	06	वृश्चिक	11	24	**भद्रा 19:40 तक**
11	शनि	33	58	20	52	ज्येष्ठा	60	00	-	-	ध्रुव	54	39	बव	02	29	07	16	17	50	26	23	33	21	वृश्चिक	12	25	षट्तिला एकादशीव्रत (समस्त)
12	रवि	35	02	21	17	ज्येष्ठा	03	02	08	29	व्याघा	52	01	कौलव	04	30	07	16	17	50	26	26	33	36	धनु08:29	13	26	तिलद्वादशी, गणतन्त्रदिवस
13	सोम	33	10	20	56	मूल	04	33	09	05	हर्षण	47	51	गर	04	36	07	15	17	51	26	29	33	49	धनु	14	27	**भद्रा 20:56से,** प्रदोष व्रत D
14	मंगल	31	35	19	53	पू.षा	04	24	09	01	वज्र	42	23	विष्टि	02	53	07	15	17	52	26	33	34	02	मकर14:51	15	28	**भद्रा 08:24 तक,**
30	बुध	27	34	18	16	उ.षा	02	45	08	21	सिद्धि	35	49	नाग	27	34	07	14	17	53	26	36	34	13	मकर	16	29	मौनी अमावस्या, माघी अमावस्या, E

A सूर्य मकर राशि में 08:55, संक्रान्तिपुण्यकाल 08:55 से सूर्यास्त तक, खिचडी संक्रान्ति, पोंगल (दक्षिण भारत), भोगी बिहु (असम), उत्तरैणी कौथिक (उत्तराखण्ड), बागेश्वर मेला, हजरत अली जयन्ती। **B** गणेश चतुर्थी व्रत, गणेशोत्पति, चन्द्रोदय 21:08 बजे, चन्द्रार्घ्यदान **C** नेताजी सुभाज़जयन्ती **D** मासशिवरात्रि, मेरुत्रयोदशी जैन **E** त्रिवेणी गंगा स्नान, थई अमावस्या (दक्षिण भारत), द्वापर युगादि । **माघकृष्णगणेशपूजनम्** -खर्वं स्थूलतनुं गजेन्द्रवदनं लम्बोदरं सुन्दरं प्रस्यन्दन्मदगन्धलुब्धमधुपव्यालोलगण्डस्थलम्। दन्ताघातविदारितारिरुधिरैः सिन्दूरशोभाकरं वन्दे शैलसुतासुतं गणपतिं सिद्धिप्रदं कामदम्।। **अर्धोदययोगविशेषः** - अमार्कपातश्रवणैर्युक्ता चेत् पौषमाघयोः। अर्धोदयः स विज्ञेयः कोटिसूर्यग्रहैः समः।।

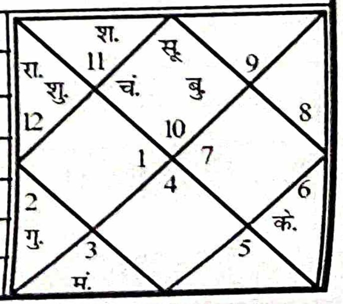
माघ कृष्ण 08, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 22.01.2025

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	06	02	08	01	10	10	11	05
अं.	08	10	29	26	17	24	22	06	06
क.	04	27	48	09	15	41	04	09	09
वि.	31	30	02	51	44	55	57	26	26
गति	61	708	व23	93	व02	55	05	व03	व03
	03	01	03	20	50	30	58	11	11



माघ कृष्ण 14, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 29.01.2025

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	09	02	09	01	11	10	11	05
अं.	15	09	27	07	17	00	22	05	05
क.	11	22	18	19	01	51	48	47	47
वि.	26	16	23	54	48	39	16	11	11
गति	61	820	व19	97	व01	50	06	व03	व03
	00	34	57	43	25	43	21	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, माघ शुक्ल पक्ष (दिनांक 30 जनवरी से 12 फरवरी 2025 ई. तक)

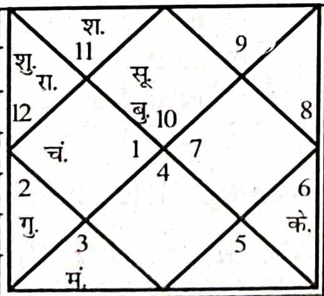
'पिंगल' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर, केतकी अहर्गण- 5048, अयनांश 24/11/25

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	गुरु	22	37	16	17	श्रवण धनि.	00 56	01 30	07 29	15 50	व्यती.	28	35	बव	22	37	07	14	17	54	26	39	34	25	कुम्भ18:32	17	30	पंचकप्रारम्भ 18:32से, शिशिर A
02	शुक्र	17	00	14	02	शतभि	52	58	28	25	वरीयान	20	53	कौलव	17	00	07	13	17	55	26	43	34	35	कुम्भ	18	31	
03	शनि	11	05	11	39	पू.भा.	48	30	26	37	परिघ	12	59	गर	11	05	07	13	17	56	26	46	34	44	मीन21:04	19	01	भद्रा 22:27 से, गौरीतृतीया व्रत,B
04 05	रवि	05 59	07 17	09 30	15 54	उ.भा.	44	10	24	52	शिव सिद्ध	05 57	05 19	विष्टि	05	07	07	12	17	56	26	50	34	53	मीन	20	02	भद्रा 09:15तक, वसन्तपंचमी C
06	सोम	53	43	28	40	रेवती	40	07	23	15	साध्य	49	28	कौलव	26	30	07	12	17	57	26	53	35	01	मेष23:15	21	03	पंचकसमाप्ति 23:15,शीतला षष्ठी D
07	मंगल	48	06	26	26	अश्विनी	36	29	21	47	शुभ	42	08	गर	20	54	07	11	17	58	26	57	35	08	मेष	22	04	भद्रा 26:26से, रथसप्तमी, E
08	बुध	43	11	24	27	भरणी	33	13	20	28	शुक्ल	35	07	विष्टि	15	38	07	11	17	59	27	00	35	14	वृष 26:11	23	05	भद्रा 13:26तक,दुर्गाष्टमी, भीमाष्टमी, F
09	गुरु	38	55	22	44	कृत्तिका	30	32	19	23	ब्रह्म	28	35	बालव	11	03	07	10	18	00	27	04	35	19	वृष	.24	06	महानन्दा नवमी, गुप्तनवरात्रि समाप्त G
10	शुक्र	35	14	21	15	रोहिणी	28	25	18	31	ऐन्द्र	22	32	तैतिल	07	05	07	09	18	01	27	08	35	24	मिथु.30:14	25	07	
11	शनि	32	19	20	04	मृगसिरा	27	02	17	57	वैधृति	17	03	वणिज	03	46	07	09	18	01	27	11	35	27	मिथुन	26	08	भद्रा 08:39 से 20:04 तक,जया H
12	रवि	13	15	19	14	आर्द्रा	26	29	17	44	विष्कु.	12	15	बव	01	17	07	08	18	02	27	15	35	30	मिथुन	27	09	भीमद्वादशी, वराहद्वादशी सन्तान द्वादशी I
13	सोम	29	09	18	47	पुनर्वसु	26	50	17	52	प्रीति	08	09	कौलव	29	09	07	07	18	03	27	19	35	32	कर्क11:50	28	10	कल्पादि त्रयोदशी J
14	मंगल	29	09	18	46	पुष्य	28	17	18	25	आयु.	04	55	वणिज	29	09	07	06	18	04	27	23	35	34	कर्क	29	11	भद्रा 18:46 से 30:59 तक,
15	बुध	30	17	19	13	आश्लेषा	30	49	19	25	सौभाग्य	02	31	विष्टि	30	17	07	06	18	05	27	27	35	34	सिंह19:25	01	12	सूर्य कुम्भ में 21:54, संक्रान्तिपुण्यकाल K

A गुप्तनवरात्रारम्भ, घटस्थापन, चन्द्रदर्शन, महात्मागाँधी शहीदी दिवस। **B** गुडलवणदान, सोपपदम्, तिल चतुर्थी, कुन्दचतुर्थी, विनायक चतुर्थी, गौरी चतुर्थी **C** सरस्वती पूजन, मदनपंचमी, वागीश्वरी जयन्ती, लेखनी पूजा (बंगाल), तक्षकपूजा, **D** स्कन्दषष्ठी। **E** सूर्यजयन्ती, आरोग्य सप्तमी, अभोज्यार्कव्रत। **F** भीष्माष्टमी **G** नन्दिनीदेवी पूजा **H** एकादशीव्रत (समस्त), भैमी एकादशी, भक्तपुण्डरीक उत्सव। **I** सोपपदम्, आमलकी द्वादशी, भीष्म द्वादशी, भीष्म तर्पण **J** प्रदोष व्रत, मरु महोत्सव प्रारम्भ (जैसलमेर), मेला कैलास आश्रम (ऋषिकेश)। **K** मध्याह्न से सूर्यास्त तक, महामाघी पूर्णिमा, पूर्णिमा व्रत, माघ स्नान समाप्ति, श्रीसत्यनारायण व्रत, गुरु रविदास जयन्ती, कम्बलदान, थईपूषम् (दक्षिण भारत), मरु महोत्सव समाप्त (जैसलमेर)।

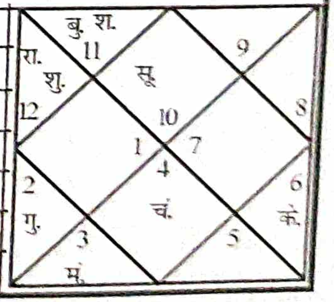
माघ शुक्ल 08, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 05.02.2025

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	00	02	09	01	11	10	11	05
अं.	22	18	25	19	16	06	23	05	05
क.	17	49	16	02	57	21	33	24	24
वि.	29	24	58	58	53	29	58	56	56
गति	60	849	व15	102	00	44	06	व03	व03
	49	53	18	39	04	16	39	11	11



माघ शुक्ल 15, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 12.02.2025

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	03	02	10	01	11	10	11	05
अं.	29	23	23	01	17	10	24	05	05
क.	22	22	51	23	03	58	21	02	02
वि.	36	11	23	19	53	53	40	41	41
गति	60	774	व09	108	01	35	06	व03	व03
	42	28	56	06	27	54	56	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दिनांक 13 फरवरी से 27 फरवरी 2025 ई. तक)

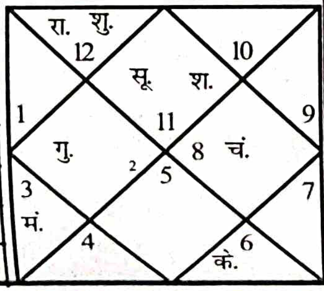
'पिंगल' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर/वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 5062, अयनांश 24/11/27

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	गुरु	32	44	20	11	मघा	34	36	20	56	शोभन	01	06	बालव	01	31	07	05	18	05	27	31	35	34	सिंह	02	13	
02	शुक्र	36	24	21	38	पू.फा.	39	34	22	54	अतिग.	00	38	तैतिल	04	34	07	04	18	06	27	35	35	33	कन्या29:30	03	14	
03	शनि	41	17	23	34	उ.फा.	45	41	25	20	सुकर्मा	01	06	वणिज	08	51	07	03	18	07	27	38	35	31	कन्या	04	15	**भद्रा 10:36 से 23:34 तक**,
04	रवि	47	14	25	56	हस्त	52	50	28	10	धृति	02	25	बव	14	16	07	02	18	08	27	42	35	28	कन्या	05	16	संकष्टहरगणेश चतुर्थी व्रत,चन्द्रोदय 21:38
05	सोम	54	01	28	38	चित्रा	60	00	-	-	शूल	04	27	कौलव	20	38	07	02	18	08	27	46	35	25	तुला17:50	06	17	
06	मंगल	60	00	-	-	चित्रा	01	13	07	30	गण्ड	06	53	गर	27	37	07	01	18	09	27	51	35	21	तुला	07	18	सायनसूर्य मीन में 15:56,वसन्तऋतु आरम्भ
06	बुध	01	13	07	29	स्वाती	09	01	10	37	वृद्धि	09	22	वणिज	01	13	07	00	18	10	27	55	35	16	वृश्चि30:48	08	19	**भद्रा 07:29 से 20:44तक**,भानुसप्तमी A
07	गुरु	07	30	09	59	विशाखा	16	23	13	32	ध्रुव	11	27	बव	07	30	06	59	18	11	27	59	35	10	वृश्चिक	09	20	कालाष्टमी, अष्टका श्राद्ध
08	शुक्र	12	44	12	04	अनुराध	22	42	16	03	व्याघात	12	42	कौलव	12	44	06	58	18	11	28	03	35	04	वृश्चिक	10	21	सीताष्टमी, जानकी जयन्ती, हलाष्टमी B
09	शनि	16	19	13	29	ज्येष्ठा	27	22	17	54	हर्षण	12	40	गर	16	19	06	57	18	12	28	07	34	57	धनु17:54	11	22	**भद्रा 25:48 से**
10	रवि	17	59	14	08	मूल	30	10	19	00	वज्र	11	10	विष्टि	17	59	06	56	18	13	28	11	34	49	धनु	12	23	**भद्रा 14:08 तक**,महर्षि दयानन्द जयन्ती
11	सोम	17	28	13	55	पू.षा	30	51	19	16	सिद्धि	08	01	बालव	17	28	06	55	18	13	28	15	34	40	मक.25:08	13	24	विजया एकादशी व्रत (समस्त)
12	मंगल	15	02	12	55	उ.षा	29	40	18	46	व्यतीपात वरीयान	03 57	22 15	तैतिल	15	02	06	54	18	14	28	19	34	31	मकर	14	25	महाद्वादशी, भौमप्रदोष व्रत, तिलद्वादशी
13	बुध	10	43	11	10	श्रवण	26	38	17	33	परिघ	51	12	वणिज	10	43	06	53	18	15	28	24	34	22	कुम्भ28:40	15	26	**पंचकप्रारम्भ 28:40,भद्रा 11:10** C
14 30	गुरु	05 58	02 22	08 30	53 12	धनिष्ठा	22	20	15	48	शिव	42	36	शकुनि	05	02	06	52	18	15	28	28	34	11	कुम्भ	16	27	फाल्गुनी अमावस्या,ब्रह्मपुजा,युगादि अमा. D

A व्यष्टका श्राद्ध, शिवाजी जयन्ती (महाराष्ट्र) B अन्वष्टका श्राद्ध C **से 22:01** तक, महाशिवरात्रि व्रत,आरटन्ती चतुर्दशी D महाशिवरात्रि व्रत पारणा, चन्द्रशेखर आजाद शहीदी दिवस **शिवरात्रि**-माघफाल्गुनयोर्मध्ये कृष्णा या च चतुर्दशी। दत्ते शिवः फलं यस्मात्तेन सर्वसुरासुरैः।। शिवरात्रिरिति ख्याता मत्कलेव पृथक् स्थिता। मम भक्त्यस्तु यो देवि शिवरात्रिमुपोषकः। गणत्वमक्षयं दिव्यं लभते शिवशासनम्।। सर्वान्भुक्त्वा महाभोगान् ततो मोक्षमवाप्नुयात्।। **शिवरात्रिनिर्णयः** –तत्कालव्यापिनी ग्राह्या शिवरात्रिव्रते तिथिः। अध रात्रादधश्चोर्ध्वं युक्ता यत्र चतुर्दशी।। **शिवरात्रिपूजने विशेषः** – तद्दिने प्रथमप्रहरे दुग्धेन 'ऊं ह्रौं ईशानाय नमः' इति मन्त्रेण, द्वितीयप्रहरे दधिद्वारा 'ऊं ह्रौं अघोराय नमः' इति मन्त्रेण, तृतीयप्रहरे घृतेन ' ऊं ह्रौं वामदेवाय नमः' इति मन्त्रेण तथा च चतुर्थप्रहरे मधुद्वारा 'ऊं ह्रौं सद्योजाताय नमः' इति मन्त्रेण पूजनमभिषेकं च कुर्यात्। अर्धरात्रौ विल्वार्चनं कार्यम्।

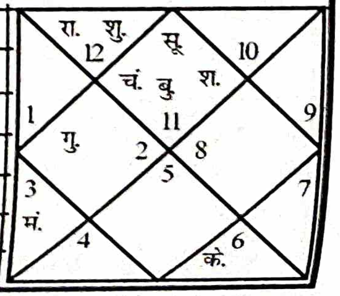
फाल्गुन कृष्ण 08, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 21.02.2025

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	07	02	10	01	11	10	11	05
अं.	08	12	22	17	17	15	25	04	04
क.	27	06	58	57	25	10	25	34	34
वि.	05	54	28	33	53	35	18	06	06
गति	60	721	व02	111	03	21	07	व03	व03
	28	48	44	16	11	02	11	11	11



फाल्गुन कृष्ण 30, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 27.02.2025

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	10	02	10	01	11	10	11	05
अं.	14	01	22	28	17	16	26	04	04
क.	29	23	57	48	49	32	08	15	15
वि.	26	03	57	31	05	40	44	02	02
गति	60	895	01	105	04	08	07	व03	व03
	19	29	44	11	17	16	17	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दिनांक 28 फरवरी से 14 मार्च 2025 ई. तक)

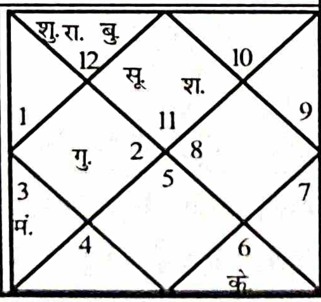
'पिंगल' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 5077, अयनांश 24/11/29

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	शुक्र	51	47	27	34	शतभि	17	08	13	42	सिद्ध	33	29	किंस्तु.	25	04	06	51	18	16	28	32	34	00	मीन29:57	17	28	
02	शनि	43	33	24	15	पू.भा.	11	20	11	22	साध्य	23	59	बालव	17	39	06	50	18	17	28	36	33	49	मीन	18	01	चन्द्रदर्शन,, रामकृष्णपरमहंस A
03	रवि	35	35	21	03	उ.भा. रेवती	05 59	25 31	08 30	59 37	शुभ	14	34	तैतिल	09	34	06	49	18	17	28	40	33	37	मेष 30:37	19	02	पंचकसमाप्ति 30:37
04	सोम	28	00	18	00	अश्वि.	54	22	28	32	शुक्ल ब्रह्म	05 56	23 38	वणिज	01	47	06	48	18	18	28	45	33	24	मेष	20	03	भद्रा 07:31 से 18:00 तक, गणेश B
05	मंगल	21	06	15	13	भरणी	49	00	26	23	ऐन्द्र	47	46	बालव	21	06	06	47	18	19	28	49	33	11	मेष	21	04	
06	बुध	15	04	12	48	कृत्तिका	45	10	24	50	वैधृति	40	16	तैतिल	15	04	06	46	18	19	28	53	32	57	वृष07:59	22	05	गोरूपिणी षष्ठीव्रत
07	गुरु	10	06	10	47	रोहिणी	42	31	23	45	विष्कु.	33	44	वणिज	10	06	06	45	18	20	28	58	32	43	वृष	23	06	भद्रा 10:47 से 22:01 तक, C
08	शुक्र	06	18	09	15	मृगसिरा	31	08	23	11	प्रीति	28	15	बव	06	18	06	44	18	20	29	02	32	28	मिथु11:28	24	07	होलाष्टकप्रारम्भ, D
09	शनि	03	45	08	13	आर्द्रा	40	59	23	06	आयुष्मा	23	45	कौलव	03	45	06	42	18	21	29	06	32	13	मिथुन	25	08	अन्ताराष्ट्रिय महिला दिवस
10	रवि	02	33	07	43	पुनर्वसु	42	15	23	35	सौभाग्य	20	21	गर	02	33	06	41	18	22	29	10	31	58	कर्क17:27	26	09	भद्रा 19:43 से, फल्गुदशमी (उडीसा)
11	सोम	02	37	07	43	पुष्य	44	40	24	32	शोभन	17	54	विष्टि	02	37	06	40	18	22	29	15	31	42	कर्क	27	10	भद्रा 07:43तक, आमलकी E
12	मंगल	03	59	08	15	आश्लेषा	48	21	26	00	अतिगण्ड	16	28	बालव	03	59	06	39	18	23	29	19	31	26	सिंह26:00	28	11	गोविन्द द्वादशी, प्रदोषव्रत,
13	बुध	06	30	09	14	मघा	53	01	27	50	सुकर्मा	15	52	तैतिल	06	30	06	38	18	23	29	23	31	09	सिंह	29	12	
14	गुरु	10	00	10	37	पूफा..	58	33	30	02	धृति	16	00	वणिज	10	00	06	37	18	24	29	28	30	52	सिंह	30	13	भद्रा 10:37से 23:30तक, पूर्णिमा, F
15	शुक्र	14	31	12	24	उ.फा.	60	00	-	-	शूल	16	54	बव	14	31	06	36	18	25	29	32	30	35	कन्या12:44	01	14	काशी में होली,सूर्य मीन में 18:44 G

A जयन्ती, फुलैरादूज **B**चतुर्थी, विनायक चतुर्थी, पुत्रगणपति व्रत, तिलचतुर्थी। **C** कामदा सप्तमीव्रत,भानुसप्तमी, लक्ष्मी पूजन, सीतापूजन, **D** दुर्गाष्टमी, औली जैन प्रारम्भ **E** एकादशी व्रत (समस्त), रंगभरी एकादशी व्रत, **F** व्रत, होलिकादहन भद्रोपरान्त 23:30 के बाद, **G** संक्रान्तिपुण्यकाल मध्याह्न से सूर्यास्त तक, होलाष्टकसमाप्त, धुलैण्डी, चैतन्यमहाप्रभु जयन्ती, मन्वादि, सत्यव्रत, औली जैन समाप्त। **होलिका पूजन** - निशागमे प्रपूज्येत होलिका सर्वदा बुधैः। न दिवा पूजयेड्ढुण्ढां पूजिता दुःखदा भवेत्। **होलिकाप्रदीपनमन्त्रः** - दीपयाम्यत्र ते घोरां चिति राक्षसि ते नमः। हिताय सर्वजगतः प्रीतये पार्वतीपतेः।। **होलाष्टकनिषेधः**-विपाशेरावतीतीरे शुतद्रूंश्च त्रिपुष्करे।विवाहादिशुभे नेष्टं होलिका प्राग्दिनाष्टकम्।।

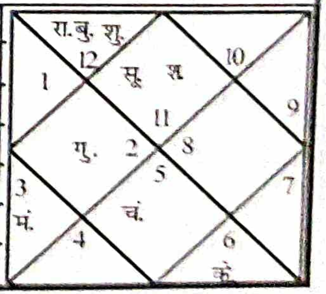
फाल्गुन शुक्ल 08, शुक्रवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 07.03.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	01	02	11	01	11	10	11	05
अं.	22	27	23	10	18	16	27	03	03
क.	30	09	36	41	29	10	07	49	49
वि.	29	09	48	15	57	05	29	37	37
गति	60	832	07	71	05	व11	07	व03	व03
	03	38	09	26	42	33	23	11	11



फाल्गुन शुक्ल 15, शुक्रवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 14.03.2024

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	04	02	11	01	11	10	11	05
अं.	29	26	24	15	19	13	27	03	03
क.	29	47	43	24	14	14	59	27	27
वि.	46	12	39	18	21	19	14	22	22
गति	59	731	11	15	06	व28	07	व03	व03
	53	45	15	02	49	04	24	11	11



विक्रमसंवत् 2081, शाके 1946, चैत्र कृष्ण पक्ष (दिनांक 15 मार्च से 29 मार्च 2025 ई. तक)

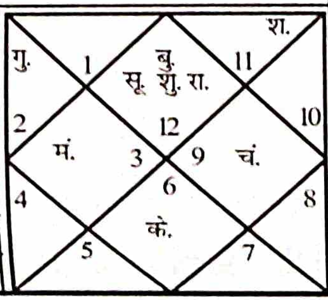
'पिंगल' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण/उत्तर गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 5092, अयनांश 24/11/31

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	शनि	19	48	14	30	उ.फा.	05	46	08	53	गण्ड	18	23	कौलव	19	48	06	34	18	25	29	36	30	17	कन्या	02	15	आम्रकुसुम प्राशन, वसन्तोत्सव, A
02	रवि	25	46	16	52	हस्त	12	48	11	41	वृद्धि	20	22	गर	25	46	06	33	18	26	29	41	29	59	तुला25:10	03	16	**भद्रा 30:08 से**
03	सोम	32	09	19	24	चित्रा	20	17	14	39	ध्रुव	22	41	विष्टि	32	09	06	32	18	26	29	45	29	41	तुला	04	17	**भद्रा 19:24 तक,**
04	मंगल	38	57	22	06	स्वाती	28	10	17	47	व्याघात	25	18	बव	05	33	06	31	18	27	29	49	29	23	तुला	05	18	संकष्टहरचतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय 22:13 बजे B
05	बुध	45	24	24	39	विशाखा	35	48	20	39	हर्षण	27	42	कौलव	12	10	06	30	18	27	29	54	29	05	वृश्चि13:56	06	19	रंगपंचमी, मेला नौचन्दी (मेरठ)प्रारम्भ C
06	गुरु	51	15	26	59	अनुराधा	42	57	23	39	वज्र	29	43	गर	18	19	06	29	18	28	29	58	28	46	वृश्चिक	07	20	**भद्रा 26:59 से,**स्कन्द षष्ठी (बंगाल),D
07	शुक्र	56	05	28	53	ज्येष्ठा	49	09	26	07	सिद्धि	30	59	विष्टि	23	40	06	27	18	29	30	02	28	27	धनु26:07	08	21	**भद्रा 15:56 तक,** व्यष्टकाश्राद्ध, E
08	शनि	58	59	30	02	मूल	53	38	27	54	व्यतीपात	30	57	बालव	27	32	06	26	18	29	30	07	28	09	धनु	09	22	अष्टका श्राद्ध,कालाष्टमी,शीतलाष्टमी F
09	रवि	59	59	30	24	पू.षा	56	20	28	57	वरीयान	29	32	तैतिल	29	29	06	25	18	30	30	11	27	50	धनु	10	23	अन्वष्टका श्राद्ध, भगतसिंह, सुखदेव व G
10	सोम	58	49	29	52	उ.षा	56	47	29	07	परिघ	26	23	वणिज	29	24	06	24	18	30	30	15	27	31	मकर10:59	11	24	**भद्रा 18:08 से 29:52 तक**
11	मंगल	55	16	28	29	श्रवण	55	15	28	29	शिव	21	40	बव	26	57	06	23	18	31	30	20	27	12	मकर	12	25	पापमोचिनी एकादशी व्रत (स्मार्त)
12	बुध	49	46	26	16	धनिष्ठा	51	39	27	02	सिद्ध	15	19	कौलव	22	31	06	22	18	31	30	24	26	53	कुम्भ15:45	13	26	**पंचकप्रारम्भ15:45से,** H
13	गुरु	42	43	23	26	शतभि	46	30	24	56	साध्य/शुभ	07/58	37/35	गर	16	15	06	20	18	32	30	28	26	34	कुम्भ	14	27	**भद्रा 23:26से,** प्रदोषव्रत, वारुणीयोग I
14	शुक्र	34	34	20	09	पू.भा.	40	13	22	25	शुक्ल	50	18	विष्टि	05	39	06	19	18	32	30	32	26	15	मीन17:02	15	28	**भद्रा 09:47 तक,**मेला पेहवा (हरियाणा)
30	शनि	25	37	16	33	उ.भा.	33	07	19	33	ब्रह्म	39	42	चतु.	00	05	06	18	18	33	30	37	25	56	मीन	16	29	शनैश्चरी अमावस्या, चैती अमावस्या J

A कुलदेवता को सिन्दूर अर्पण, होलिका भस्मधारण (उदयव्यापिनी प्रतिपदा मतानुसार) विश्व उपभोक्ता संरक्षण दिवस, विश्व दिव्यांग दिवस B बुढवा मंगल पर्व (काशी) C झण्डामेला प्रारम्भ (देहरादून) D एकनाथ षष्ठी, सायनसूर्य मेष में 14:47, उत्तर गोल प्रारम्भ E मेला नौचन्दी समाप्त, झण्डामेला समाप्त (देहरादून), F (वासोडा), G राजगुरु शहीदी दिवस H पापमोचिनी एकादशी व्रत (वैष्णव), गोविन्द द्वादशी, I मासशिवरात्रि J मन्वादि अमावस्या, वर्षान्त, पूर्णवत्सरी अमावस्या, विक्रमसंवत् 2081 पूर्ण, राजस्थान दिवस। **चैत्रकृष्ण प्रतिपद्दिने कर्त्तव्यम्** –प्रवृत्ते मधुमासे तु प्रतिपद्युदिते रवौ। कृत्वा चावश्यककार्याणि सन्तर्प्य पितृदेवताः। वन्दयेत् होलिकाभूमिं सर्वदुःखोपशान्तये। यतस्तत्र श्वपचं स्पृष्ट्वा स्नानं कुर्यान्नरोत्तमः। न तस्य दुरितं किंचिन्नाधयो व्याधयो नृप।। **आम्रकुसुमप्राशनमन्त्रः** – चूतमग्र्यं वसन्तस्य माकन्दकुसुमं तव। सचन्दनं पिबाम्यद्य सर्वकामार्थसिद्धये।। **होलिकाभस्मधारणमन्त्रः**–वन्दितासि सुरेन्द्रेण ब्रह्माच्युतशिवादिभिः। अतस्त्वं पाहि नो भीतेर्भूषिता भूतिदा भव।।

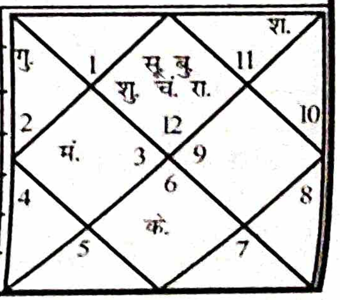
चैत्र कृष्ण 08, मंगलवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 22.03.2025

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	08	02	11	01	11	10	11	05
अं.	07	02	26	12	20	09	28	03	03
क.	26	23	32	33	14	01	58	01	01
वि.	56	18	16	39	10	00	13	57	57
गति	59	734	15	व44	07	व38	07	व03	व03
	34	28	18	36	58	09	22	11	11



चैत्र कृष्ण 30, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 29.03.2025

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	11	02	11	01	11	10	11	05
अं.	14	08	28	06	21	04	29	02	02
क.	22	26	31	33	13	42	49	39	39
वि.	44	31	17	46	39	53	16	43	43
गति	59	893	18	व48	08	व34	07	व03	व03
	23	41	15	47	54	07	15	11	11



औदयिक स्पष्ट ग्रह, अप्रैल 2024

दिनाक	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				बृहस्पति				शुक्र				शनि				राहु			
	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि
09	11	25	27	50	11	29	03	59	10	19	03	36	00	00	26	49	00	24	50	57	11	10	34	00	10	20	11	16	11	21	25	18
10	11	26	26	43	03	13	52	43	10	19	50	12	11	24	08	51	00	25	04	16	11	11	48	03	10	20	17	40	11	21	22	08
11	11	27	25	33	00	28	23	54	10	20	36	47	11	29	01	51	00	25	17	37	11	13	02	05	10	20	24	02	11	21	18	57
12	11	28	24	24	01	12	31	58	10	21	23	22	11	28	16	52	00	25	31	00	11	14	16	10	10	20	30	22	11	21	15	46
13	11	32	23	09	01	26	13	58	10	22	09	56	11	27	31	24	00	25	44	26	11	15	30	10	10	20	36	38	11	21	12	36
14	00	00	21	54	02	09	29	30	10	22	56	30	11	26	46	19	00	25	57	55	11	16	44	13	10	20	42	49	11	21	09	25
15	00	01	20	36	02	22	19	58	10	23	43	02	11	26	02	25	00	26	11	27	11	17	58	13	10	20	49	00	11	21	06	14
16	00	02	19	18	03	04	48	37	10	24	29	35	11	25	20	14	00	26	25	00	11	19	12	14	10	20	55	07	11	21	03	04
17	00	03	17	57	03	16	59	41	10	25	16	05	11	24	40	40	00	26	38	35	11	20	26	15	10	21	01	11	11	20	59	53
18	00	04	16	35	03	28	58	11	10	26	02	35	11	24	04	14	00	26	52	14	11	21	40	14	10	21	07	12	11	20	26	43
19	00	05	15	10	04	10	48	56	10	26	49	04	11	23	31	18	00	27	05	54	11	22	54	15	10	21	13	09	11	20	53	32
20	00	06	13	43	02	22	36	21	10	27	35	32	11	23	02	22	00	27	19	36	11	24	08	14	10	21	19	03	11	20	50	21
21	00	07	12	13	05	04	24	48	10	28	21	59	11	22	37	47	00	27	33	20	11	25	22	10	10	21	24	55	11	20	47	11
22	00	08	10	44	05	16	17	17	10	29	08	26	11	22	17	54	00	27	47	07	11	26	36	10	10	21	30	43	11	20	44	00
23	00	09	09	11	05	28	16	18	10	29	54	50	11	22	00	30	00	28	00	53	11	27	50	08	10	21	36	27	11	20	40	49
24	00	10	07	37	06	10	23	08	11	00	45	13	11	21	52	06	00	28	14	44	11	29	04	05	10	21	42	08	11	20	37	39
25	00	11	06	02	06	22	39	45	11	01	27	37	11	21	46	38	00	28	28	34	00	00	18	03	10	21	47	46	11	20	34	28
26	00	12	04	25	07	05	07	02	11	02	13	58	11	21	46	03	00	28	42	27	00	01	31	59	10	21	53	18	11	20	31	17
27	00	13	02	46	07	17	46	44	11	03	00	18	11	21	50	16	00	28	56	22	00	02	45	57	10	21	58	49	11	20	28	07
28	00	14	01	04	08	00	40	11	11	03	46	35	11	21	59	21	00	29	10	17	00	03	59	52	10	22	04	15	11	20	24	56
29	00	14	59	20	08	13	48	12	11	04	32	52	11	22	13	11	00	29	24	14	00	05	13	46	10	22	09	38	11	20	21	46
30	00	15	57	34	08	27	11	55	11	05	19	07	11	22	31	31	00	29	38	12	00	06	27	39	10	22	14	57	11	20	18	35

भारतीय ज्योतिष की प्राचीनता पर विदेशी विद्वानों के अभिमत – 1. अलबरूनी ने लिखा है कि 'ज्योतिषशास्त्र में हिन्दू लोग संसार की सभी जातियों से बढ़कर हैं। मैंने अनेक भाषाओं के अंकों के नाम सीखे हैं, पर किसी जाति में भी हजार से आगे की संख्या के लिए मुझे कोई नाम नहीं मिला। हिन्दुओं में अठारह अंकों तक की संख्या के लिए नाम हैं, जिनमें अन्तिम संख्या का नाम परार्द्ध बताया गया है।' (अलबरूनीज इण्डिया, जिल्द 1, पृ. 175-177) 2. प्रो. मैक्समूलर ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि 'भारतवासी आकाश-मण्डल और नक्षत्र-मण्डल आदि के बारे में अन्य देशों के ऋणी नहीं हैं। मूल आविष्कर्ता वे ही इन वस्तुओं के हैं।' (इण्डिया ह्वाट कैन इट टीच अस, पृ. 360-366) 3. फ्रान्सीसी पर्यटक फ्राक्वीस वर्नियर भी भारतीय ज्योतिष-ज्ञान की प्रशंसा करते हुए लिखते हैं कि 'भारतीय अपनी गणना द्वारा चन्द्र-ग्रहण और सूर्य-ग्रहण की बिलकुल ठीक भविष्यवाणी करते हैं। इनका ज्योतिषज्ञान प्राचीन और मौलिक है।' (ट्रावेल्स इन दी मुगल इम्पायर, पृ. 329) 4. प्रो. कोलब्रुक और बेवर ने लिखा है कि 'भारत को ही सर्वप्रथम चान्द्रनक्षत्रों का ज्ञान था। चीन और अरब के ज्योतिष का विकास भारत से ही हुआ है। उनका क्रान्तिमण्डल हिन्दुओं का ही है। निस्सन्देह उन्हीं से अरबवालों ने इसे लिया था।' (Letters on India, P. 109-111)

औदयिक स्पष्ट ग्रह, मई 2024

दिनाक	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				बृहस्पति				शुक्र				शनि				राहु			
	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि
01	00	16	55	48	09	10	51	46	11	06	05	21	11	22	54	30	00	29	52	11	00	07	41	34	10	22	20	11	11	20	15	24
02	00	17	53	59	09	24	47	30	11	06	51	34	11	23	21	46	01	00	06	12	00	08	55	29	10	22	25	23	11	20	12	13
03	00	18	52	10	10	08	57	40	11	07	37	45	11	23	53	14	01	00	20	15	00	10	09	22	10	22	30	30	11	20	09	03
04	00	19	50	17	10	23	21	02	11	08	23	54	11	24	28	45	01	00	34	17	00	11	23	16	10	22	35	34	11	20	05	52
05	00	20	48	25	11	07	54	38	11	09	10	02	11	25	08	12	01	00	48	20	00	12	37	08	10	22	40	33	11	20	02	41
06	00	21	46	29	11	22	34	27	11	09	56	06	11	25	51	21	01	01	02	26	00	13	51	00	10	22	45	28	11	19	59	31
07	00	22	44	33	00	07	14	50	11	10	42	10	11	26	38	07	01	01	16	30	00	15	04	52	10	22	50	18	11	19	56	20
08	00	23	42	34	00	21	50	12	11	11	28	12	11	27	28	16	01	01	30	35	00	16	18	42	10	22	55	04	11	19	53	09
09	00	24	40	34	01	06	13	14	11	12	14	13	11	28	21	45	01	01	44	43	00	17	32	33	10	22	59	46	11	19	49	59
10	00	25	38	33	01	20	18	37	11	13	00	11	11	29	18	25	01	01	58	50	00	18	46	24	10	23	04	24	11	19	46	48
11	00	26	36	30	02	04	02	03	11	13	46	07	00	00	18	09	01	02	12	57	00	20	00	14	10	23	08	56	11	19	43	37
12	00	27	34	24	02	17	21	06	11	14	32	01	00	01	20	47	01	02	27	05	00	21	14	03	10	23	13	25	11	19	40	27
13	00	28	32	20	03	00	15	53	11	15	17	53	00	02	26	21	01	02	41	13	00	22	27	53	10	23	17	50	11	19	37	16
14	00	29	30	13	03	12	48	22	11	16	03	43	00	03	34	43	01	02	55	22	00	23	41	43	10	23	22	09	11	19	34	05
15	01	00	28	04	03	25	02	18	11	16	49	31	00	04	45	46	01	03	09	31	00	24	55	30	10	23	26	23	11	19	30	55
16	01	01	25	54	04	07	02	03	11	17	35	17	00	05	59	30	01	03	23	40	00	26	09	20	10	23	30	34	11	19	27	44
17	01	02	23	41	04	18	52	58	11	18	20	59	00	07	15	50	01	03	37	49	00	27	23	06	10	23	34	40	11	19	24	33
18	01	03	21	28	05	00	40	34	11	19	06	40	00	62	34	47	01	03	51	58	00	28	36	53	10	23	38	41	11	19	21	23
19	01	04	19	13	05	12	30	07	11	19	52	19	00	09	56	17	01	04	06	06	00	29	50	42	10	23	42	37	11	19	18	12
20	01	05	16	59	05	24	26	05	11	20	37	57	00	11	20	19	01	04	20	16	01	01	04	28	10	23	46	29	11	19	15	01
21	01	06	14	41	06	06	31	56	11	21	23	30	00	12	46	51	01	04	34	23	01	02	18	16	10	23	50	14	11	19	11	50
22	01	07	12	23	06	18	50	00	11	22	09	01	00	14	15	55	01	04	48	32	01	03	32	01	10	23	53	55	11	19	08	40
23	01	08	10	01	07	01	21	51	11	22	54	30	00	15	47	25	01	05	02	41	01	04	45	47	10	23	57	32	11	19	05	29
24	01	09	07	41	07	14	08	31	11	23	39	56	00	17	21	26	01	05	16	47	01	05	59	32	10	24	01	04	11	19	02	18
25	01	10	05	18	07	27	10	19	11	24	25	20	00	18	57	51	01	05	30	54	01	07	13	19	10	24	04	29	11	18	59	07
26	01	11	02	57	08	10	26	20	11	25	10	41	00	20	36	45	01	05	45	01	01	08	27	04	10	34	07	49	11	18	55	57
27	01	12	00	30	08	23	55	47	11	25	55	59	00	22	17	59	01	05	59	07	01	09	40	47	10	24	11	02	11	18	52	46
28	01	12	58	05	09	07	36	41	11	26	41	14	00	24	01	36	01	06	13	12	01	10	54	34	10	24	14	16	11	18	49	35
29	01	13	55	39	09	21	27	48	11	27	26	28	00	25	47	34	01	06	27	17	01	12	08	17	10	24	17	21	11	18	46	25
30	01	14	53	11	10	05	26	40	11	28	11	37	00	27	35	46	01	06	41	19	01	13	22	02	10	24	20	20	11	18	43	14
31	01	15	50	41	10	19	32	04	11	28	56	43	00	29	26	12	01	06	55	22	01	14	35	46	10	24	23	15	11	18	40	03

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जून 2024

दिनाक	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				बृहस्पति				शुक्र				शनि				राहु			
	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि
01	01	16	48	12	11	03	42	24	11	29	41	49	01	01	18	50	01	07	09	25	01	15	49	31	10	24	26	04	11	18	36	52
02	01	17	45	43	11	17	56	56	00	00	26	51	01	03	13	38	01	07	23	25	01	17	03	16	10	24	28	47	11	18	33	42
03	01	18	43	09	00	02	13	11	00	01	11	48	01	05	10	27	01	07	37	25	01	18	17	00	10	24	31	25	11	18	30	31
04	01	19	40	38	00	16	29	17	00	01	56	43	01	07	09	17	01	07	51	24	01	19	30	44	10	24	33	57	11	18	27	30
05	01	20	38	03	01	00	40	51	00	02	41	35	01	09	10	05	01	08	05	21	01	20	44	27	10	24	36	25	11	18	24	09
06	01	21	35	30	01	14	43	31	00	03	26	24	01	11	12	42	01	08	19	18	01	21	58	12	10	24	38	46	11	18	20	58
07	01	22	32	53	01	28	33	06	00	04	11	10	01	13	17	03	01	08	33	11	01	23	11	56	10	24	41	01	11	18	17	48
08	01	23	30	18	02	22	05	33	00	04	55	52	01	15	23	04	01	08	47	05	01	24	25	40	10	24	43	12	11	18	14	37
09	01	24	27	40	02	25	18	00	00	05	40	30	01	17	30	32	01	09	00	57	01	25	47	24	10	24	45	16	11	18	11	26
10	01	25	25	04	03	08	09	56	00	06	25	07	01	19	39	21	01	09	14	47	01	26	53	07	10	24	47	15	11	18	08	16
11	01	26	22	24	03	20	42	06	00	07	09	38	01	21	49	15	01	09	28	35	01	28	06	50	10	24	49	09	11	18	05	05
12	01	27	19	46	04	02	56	24	00	07	54	07	01	24	00	08	01	09	42	23	01	29	20	34	10	24	50	56	11	18	01	54
13	01	28	17	04	04	14	57	04	00	08	38	31	01	26	11	41	01	09	56	07	02	00	34	17	10	24	52	37	11	17	18	43
14	01	29	14	24	04	26	48	44	00	09	22	55	01	28	23	42	01	10	09	51	02	01	48	02	10	24	54	12	11	17	55	32
15	02	00	11	43	05	08	36	52	00	10	07	12	02	00	35	51	01	10	23	32	02	03	01	46	10	24	55	43	11	17	52	21
16	02	01	09	01	05	20	27	21	00	10	51	28	02	02	47	55	01	10	37	12	02	04	15	30	10	24	57	06	11	17	49	11
17	02	02	06	20	06	02	25	20	00	11	35	39	02	04	59	37	01	10	50	49	02	05	29	15	10	24	58	24	11	17	46	00
18	02	03	03	37	06	14	36	00	00	12	19	46	02	07	10	36	01	11	04	23	02	06	42	59	10	24	59	37	11	17	42	49
19	02	04	00	56	06	27	02	39	00	13	03	50	02	09	20	46	01	11	17	57	02	07	56	46	10	25	00	43	11	17	39	38
20	02	04	58	11	07	09	47	34	00	13	47	49	02	11	29	44	01	11	31	28	02	09	10	29	10	25	01	43	11	17	36	28
21	02	05	55	28	07	22	52	07	00	14	31	46	02	13	37	21	01	11	44	57	02	10	24	13	10	25	02	38	11	17	33	17
22	02	06	52	41	08	06	16	13	00	15	15	37	02	15	43	24	01	11	58	22	02	11	37	57	10	25	03	26	11	17	30	06
23	02	07	49	57	08	19	57	30	00	15	59	26	02	17	47	47	01	12	11	46	02	12	51	42	10	25	04	08	11	17	26	55
24	02	08	47	12	09	03	52	58	00	16	43	10	02	19	50	24	01	12	25	07	02	14	05	27	10	25	04	45	11	17	23	44
25	02	09	44	27	09	17	18	40	00	17	26	49	02	21	51	05	01	12	38	25	02	15	19	13	10	25	05	14	11	17	20	34
26	02	10	41	40	10	02	09	38	00	18	10	26	02	23	49	45	01	12	51	40	02	16	32	58	10	25	05	40	11	17	17	23
27	02	11	38	55	10	16	22	17	00	18	53	58	02	25	46	26	01	13	04	54	02	17	46	44	10	25	05	58	11	17	14	12
28	02	12	36	09	11	00	33	50	00	19	37	26	02	27	40	58	01	13	18	03	02	19	00	29	10	52	06	10	11	17	11	01
29	02	13	33	22	11	14	42	25	00	20	20	50	02	29	33	23	01	13	31	09	02	20	14	15	10	25	06	18	11	17	07	50
30	02	14	30	35	11	28	47	11	00	21	04	09	03	01	23	35	01	13	44	14	02	21	27	59	10	25	06	19	11	17	04	40

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जुलाई 2024

दिनांक	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				बृहस्पति				शुक्र				शनि				राहु			
	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि
01	02	15	27	48	00	12	47	32	00	21	47	24	03	03	11	40	01	13	57	15	02	22	41	46	10	25	06	13	11	17	01	29
02	02	16	25	01	00	26	42	18	00	22	30	35	03	04	57	32	01	14	10	13	02	23	55	33	10	25	06	02	11	16	58	13
03	02	17	22	14	01	10	29	42	00	23	13	41	03	06	41	11	01	14	23	08	02	25	09	19	10	25	05	44	11	16	55	07
04	02	18	19	27	01	24	07	44	00	23	56	43	03	08	22	37	01	14	35	59	02	26	23	04	10	25	05	21	11	16	51	56
05	02	19	16	41	02	07	34	18	00	24	39	41	03	10	01	52	01	14	48	46	02	27	36	52	10	25	04	51	11	16	48	45
06	02	20	13	53	02	20	46	50	00	25	22	33	03	11	38	51	01	15	01	31	02	28	50	37	10	25	04	15	11	16	45	35
07	02	21	11	07	03	03	43	51	00	26	05	22	03	13	13	40	01	15	14	12	03	00	04	26	10	25	03	34	11	16	42	24
08	02	22	08	21	03	16	24	56	00	26	48	06	03	14	46	17	01	15	26	49	03	01	18	14	10	25	02	48	11	16	39	13
09	02	23	05	33	03	28	49	57	00	27	30	45	03	16	16	41	01	15	39	23	03	02	31	57	10	25	01	54	11	16	36	02
10	02	24	02	49	04	11	00	23	00	28	13	20	03	17	44	56	01	15	51	51	03	03	45	47	10	25	00	56	11	16	32	51
11	02	25	00	02	04	22	59	22	00	28	55	48	03	19	10	58	01	16	04	18	03	04	59	33	10	24	59	51	11	16	29	40
12	02	25	57	16	05	04	50	14	00	29	38	13	03	20	34	50	01	16	16	40	03	06	13	21	10	24	58	40	11	16	26	30
13	02	26	54	30	05	16	37	51	01	00	20	33	03	21	56	28	01	16	28	58	03	07	27	08	10	24	57	24	11	16	23	19
14	02	27	51	46	05	28	28	01	01	01	02	59	03	23	15	55	01	16	41	11	03	08	40	57	10	24	56	03	11	16	20	08
15	02	28	48	59	06	10	26	24	01	01	44	57	03	24	33	05	01	16	53	20	03	09	54	43	10	24	54	35	11	16	16	57
16	02	29	46	14	06	22	38	09	01	02	27	03	03	25	47	59	01	17	05	26	03	11	08	30	10	24	53	01	11	16	13	46
17	03	00	43	30	07	05	07	57	01	03	09	03	03	27	00	33	01	17	17	27	03	12	22	18	10	24	51	22	11	16	10	35
18	03	01	40	46	07	17	59	54	01	03	50	56	03	28	10	41	01	17	29	23	03	13	36	05	10	24	49	38	11	16	07	24
19	03	02	38	02	08	01	15	59	01	04	32	47	03	29	18	21	01	17	41	15	03	14	49	53	10	24	47	48	11	16	04	14
20	03	03	35	20	08	14	55	56	01	05	14	31	04	00	23	28	01	17	53	02	03	16	03	42	10	24	45	52	11	16	01	03
21	03	04	32	36	08	28	57	58	01	05	56	10	04	01	25	53	01	18	04	44	03	17	17	26	10	24	43	51	11	15	57	52
22	03	05	29	54	09	13	17	51	01	06	37	48	04	02	25	31	01	18	16	22	03	18	31	14	10	24	41	54	11	15	54	41
23	03	06	27	12	09	27	48	44	01	07	19	11	04	03	22	15	01	18	27	55	03	19	44	59	10	24	39	33	11	15	51	30
24	03	07	24	32	10	12	24	04	01	08	00	34	04	04	15	56	01	18	39	23	03	20	58	49	10	24	37	16	11	15	48	19
25	03	08	21	53	10	26	57	42	01	08	41	52	04	05	06	27	01	18	50	46	03	22	12	34	10	24	34	54	11	15	45	09
26	03	09	19	13	11	11	25	05	01	09	23	03	04	05	53	33	01	19	02	02	03	23	26	22	10	24	32	26	11	15	41	58
27	03	10	16	34	11	25	42	32	01	10	04	09	04	06	37	09	01	19	13	15	03	24	40	08	10	24	29	53	11	15	38	47
28	03	11	13	55	00	09	48	26	01	10	45	09	04	07	17	02	01	19	24	23	03	25	53	53	10	24	27	16	11	15	35	36
29	03	12	11	18	00	23	42	44	01	11	26	04	04	07	53	05	01	19	35	24	03	27	07	40	10	24	24	33	11	15	32	25
30	03	13	08	40	01	07	24	18	01	12	06	53	04	08	25	00	01	19	46	21	03	28	21	24	10	24	21	46	11	15	29	14
31	03	14	06	05	01	20	53	34	01	12	47	36	04	08	52	43	01	19	57	10	03	29	35	10	10	24	18	53	11	15	26	03

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अगस्त 2024

दिनाक	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				बृहस्पति				शुक्र				शनि				राहु			
	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि
01	03	15	03	28	02	04	09	49	01	13	28	13	04	09	15	58	01	20	07	56	04	00	48	56	10	24	15	56	11	15	22	53
02	03	16	00	54	02	17	13	24	01	14	08	44	04	09	34	38	01	20	18	35	04	02	02	40	10	24	12	55	11	15	19	42
03	03	16	58	21	03	00	03	42	01	14	49	09	04	09	48	31	01	20	29	07	04	03	16	25	10	24	09	49	11	15	16	31
04	03	17	55	48	03	12	41	41	01	15	29	27	04	09	57	27	01	20	39	36	04	04	30	07	10	24	06	38	11	15	13	20
05	03	48	53	16	03	25	06	50	01	16	09	40	04	10	01	15	01	20	49	56	04	05	43	52	10	24	03	24	11	15	10	09
06	03	19	50	46	04	07	20	24	01	16	49	47	04	09	59	48	01	21	00	10	04	06	57	35	10	24	00	04	11	15	06	58
07	03	20	48	15	04	19	23	51	01	17	29	46	04	09	52	59	01	21	10	19	04	08	11	18	10	23	56	40	11	15	03	48
08	03	21	45	47	05	01	18	32	01	18	09	40	04	09	40	43	01	21	20	21	04	09	25	00	10	23	53	13	11	15	00	37
09	03	22	43	19	05	13	07	33	01	18	49	27	04	09	22	59	01	21	30	16	04	10	38	41	10	23	49	42	11	14	57	26
10	03	23	40	52	05	24	54	22	01	19	29	07	04	08	59	52	01	21	40	06	04	11	52	23	10	23	46	06	11	14	54	15
11	03	24	38	26	06	06	43	56	01	20	08	41	04	08	31	34	01	21	49	48	04	13	06	03	10	23	42	27	11	14	51	04
12	03	25	36	03	06	18	40	52	01	20	48	09	04	07	58	13	01	21	59	24	04	14	19	44	10	23	38	44	11	14	47	53
13	03	26	33	40	07	00	51	11	01	21	27	30	04	07	20	00	01	22	08	52	04	15	33	26	10	23	34	57	11	14	44	43
14	03	27	31	17	07	13	19	51	01	22	06	41	04	06	37	36	01	22	18	14	04	16	47	04	10	23	31	07	11	14	41	32
15	03	28	28	58	07	26	11	35	01	22	45	51	04	05	51	24	01	22	27	28	04	18	00	44	10	23	27	13	11	14	38	21
16	03	29	26	37	08	09	29	23	01	23	24	51	04	05	02	14	01	22	36	35	04	19	14	20	10	23	23	16	11	14	35	10
17	04	00	24	19	08	23	14	44	01	24	03	44	04	04	10	54	01	22	45	35	04	20	27	59	10	23	19	17	11	14	31	59
18	04	01	22	02	09	07	26	31	01	24	42	29	04	03	18	15	01	22	54	28	04	21	41	34	10	23	15	14	11	14	28	48
19	04	02	19	46	09	22	00	11	01	25	21	07	04	02	25	28	01	23	03	13	04	22	55	10	10	23	11	08	11	14	25	37
20	04	03	17	32	10	06	49	30	01	25	59	40	04	01	33	22	01	23	11	50	04	24	08	47	10	23	07	00	11	14	22	27
21	04	04	15	19	10	21	46	27	01	26	38	03	04	00	43	26	01	23	20	19	04	25	22	21	10	23	02	49	11	14	19	16
22	04	05	13	07	11	06	42	24	01	27	16	20	03	29	56	32	01	23	28	41	04	26	35	55	10	22	58	34	11	14	16	05
23	04	06	10	57	11	21	30	36	01	27	54	29	03	29	13	46	01	23	36	55	04	27	49	27	10	22	54	19	11	14	12	54
24	04	07	08	48	00	06	04	56	01	28	32	30	03	28	36	00	01	23	45	00	04	29	03	01	10	22	50	01	11	14	09	43
25	04	08	06	41	00	20	22	17	01	29	10	23	03	28	04	18	01	23	52	59	05	00	16	34	10	22	45	40	11	14	06	32
26	04	09	04	33	01	04	20	21	01	29	48	08	03	27	39	11	01	24	00	47	05	01	30	04	10	22	41	17	11	14	03	22
27	04	10	02	30	01	17	59	03	02	00	25	46	03	27	21	27	01	24	08	28	05	02	43	36	10	22	36	53	11	14	00	11
28	04	11	00	26	02	01	18	34	02	01	03	16	03	27	11	18	01	24	16	01	05	03	57	04	10	22	32	29	11	13	57	00
29	04	11	58	26	02	14	20	34	02	01	40	38	03	27	09	14	01	24	23	25	05	05	10	35	10	22	28	01	11	13	53	49
30	04	12	56	24	02	27	06	28	02	02	17	50	03	27	15	18	01	24	30	39	05	06	24	01	10	22	23	32	11	13	50	38
31	04	13	54	28	03	09	38	45	02	02	54	56	03	27	29	38	01	24	37	47	05	07	37	30	10	22	19	01	11	13	47	27

औदयिक स्पष्ट ग्रह, सितम्बर 2024

दिनांक	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				बृहस्पति				शुक्र				शनि				राहु			
	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि
01	04	14	52	33	03	21	58	41	02	03	31	52	03	27	52	12	01	24	44	44	05	08	50	58	10	22	14	30	11	13	44	17
02	04	15	50	36	04	04	08	43	02	04	08	40	03	28	22	49	01	24	51	32	05	10	04	21	10	22	09	58	11	33	41	06
03	04	16	48	43	04	16	10	39	02	04	45	19	03	29	01	26	01	24	58	11	05	11	17	48	10	22	05	23	11	13	37	55
04	04	17	46	52	04	28	05	55	02	05	21	49	03	29	47	47	01	25	04	41	05	12	31	11	10	22	00	50	11	13	34	44
05	04	18	45	02	05	09	56	31	02	05	58	11	04	00	41	35	01	25	11	01	05	13	44	36	10	21	56	15	11	13	31	33
06	04	19	43	13	05	21	44	08	02	06	34	23	04	01	42	28	01	25	17	13	05	14	57	56	10	21	51	40	11	13	28	22
07	04	20	41	28	06	03	31	51	02	07	10	26	04	02	50	10	01	25	23	15	05	16	11	20	10	21	47	04	11	13	25	11
08	04	21	39	42	06	15	22	20	02	07	46	20	04	04	04	08	01	25	29	07	05	17	24	42	10	21	42	30	11	13	22	01
09	04	22	37	59	06	27	19	53	02	08	22	04	04	05	24	01	01	25	34	49	05	18	38	01	10	21	37	54	11	13	18	50
10	04	23	36	17	07	09	29	14	02	08	57	38	04	06	49	15	01	25	40	21	05	19	51	20	10	21	33	18	11	13	15	39
11	04	24	34	40	07	21	55	27	02	09	33	04	04	08	19	26	01	25	45	44	05	21	04	39	10	21	28	42	11	13	12	28
12	04	25	33	01	08	04	42	52	02	10	08	19	04	09	53	54	01	25	50	56	05	22	17	56	10	21	24	08	11	13	09	17
13	04	26	31	25	08	17	55	41	02	10	43	24	04	11	32	12	01	25	55	58	05	23	31	15	10	21	19	33	11	13	06	06
14	04	27	29	51	09	01	36	00	02	11	18	19	04	13	13	49	01	25	00	51	05	24	44	29	10	21	15	00	11	13	02	56
15	04	28	28	19	09	15	43	48	02	11	53	04	04	14	58	08	01	26	05	32	05	25	57	44	10	21	10	26	11	12	59	45
16	04	29	26	49	10	00	17	13	02	12	27	38	04	16	44	42	01	26	10	02	05	27	10	59	10	21	05	56	11	12	56	34
17	05	00	25	22	10	15	10	41	02	13	02	02	04	18	33	06	01	26	14	22	05	28	24	14	10	21	01	26	11	12	53	23
18	05	01	23	55	11	00	17	07	02	13	36	15	04	20	22	52	01	26	18	31	05	29	37	26	10	20	56	57	11	12	50	12
19	05	02	22	30	11	15	28	02	02	14	10	17	04	22	13	36	01	26	22	29	06	00	50	38	10	20	52	29	11	12	47	02
20	05	03	21	09	00	00	34	05	02	14	44	07	04	24	04	57	01	26	26	19	06	02	30	49	10	20	48	04	11	12	43	51
21	05	04	19	47	00	15	27	35	02	15	17	47	04	25	56	43	01	26	29	54	06	03	16	57	10	20	43	39	11	12	40	40
22	05	05	18	30	01	00	01	18	02	15	51	14	04	27	48	37	01	26	33	21	06	04	30	08	10	20	39	15	11	12	37	29
23	05	06	17	12	01	14	11	39	02	16	24	31	04	29	40	23	01	26	36	36	06	05	43	14	10	20	34	57	11	12	34	18
24	05	07	15	59	01	27	56	22	02	16	57	35	05	01	31	55	01	26	39	39	06	06	56	24	10	20	30	37	11	12	31	07
25	05	08	14	45	02	11	16	20	02	17	30	28	05	03	23	03	01	26	42	32	06	08	09	29	10	20	26	22	11	12	27	56
26	05	09	13	35	02	24	13	11	02	18	03	07	05	05	13	39	01	26	45	13	06	09	22	36	10	20	22	08	11	12	24	46
27	05	10	12	26	03	06	49	57	02	18	35	36	05	07	03	40	01	26	47	43	06	10	35	39	10	20	17	58	11	12	21	35
28	05	11	11	21	03	19	10	33	02	19	07	50	05	08	52	58	01	26	50	00	06	11	48	44	10	20	13	50	11	12	18	24
29	05	12	10	15	04	01	18	12	09	19	49	52	05	10	41	31	01	26	52	07	06	13	01	45	10	20	09	44	11	12	15	13
30	05	13	09	13	04	13	16	53	02	20	11	41	05	12	29	15	01	26	54	02	06	14	14	48	10	20	05	40	11	12	12	02

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अक्टूबर 2024

दिनाक	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				बृहस्पति				शुक्र				शनि				राहु			
	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि
01	05	14	08	11	04	25	09	51	02	02	43	16	05	14	16	09	01	26	55	44	06	15	27	47	10	20	01	42	11	12	08	51
02	05	15	07	14	05	06	59	30	02	21	14	38	05	16	02	13	01	26	57	17	06	16	40	50	10	19	57	45	11	12	05	41
03	05	16	06	18	05	18	48	00	02	21	45	46	05	17	47	24	01	26	58	36	06	17	53	48	10	19	53	52	11	12	02	30
04	05	17	05	23	06	00	37	15	02	22	16	40	05	19	31	40	01	26	59	43	06	19	06	44	10	19	50	02	11	11	59	19
05	05	18	04	29	06	12	28	44	02	22	47	20	05	21	15	06	01	27	00	40	06	20	19	39	10	19	46	18	11	11	56	08
06	05	19	03	42	06	24	24	28	02	23	17	45	05	22	57	46	01	27	01	22	06	21	32	38	10	19	42	36	11	11	52	57
07	05	20	02	54	07	06	27	37	02	23	47	55	05	24	39	31	01	27	01	53	06	22	45	32	10	19	38	56	11	11	49	46
08	05	21	02	06	07	18	41	19	02	24	17	49	05	26	20	26	01	27	02	14	06	23	58	24	10	19	35	22	11	11	46	36
09	05	22	01	23	08	01	09	06	02	24	47	29	05	28	00	36	01	27	02	21	06	25	11	17	10	19	31	52	11	11	43	25
10	05	23	00	41	08	13	54	52	02	25	16	52	05	29	40	03	01	27	02	16	06	26	24	07	10	19	28	26	11	11	40	14
11	05	24	00	02	08	27	01	57	02	25	46	01	06	01	18	43	01	27	01	59	06	27	36	58	10	19	25	03	11	11	37	03
12	05	24	59	23	09	10	32	33	02	26	14	51	06	02	56	37	01	27	01	31	06	28	49	44	10	16	21	46	11	11	33	52
13	05	25	58	47	09	24	28	25	02	26	43	27	06	04	33	53	01	27	00	50	07	00	02	34	10	19	18	33	11	11	30	41
14	05	26	58	13	10	08	48	58	02	27	11	43	06	04	10	27	01	26	59	57	07	01	15	19	10	19	15	24	11	11	27	30
15	05	27	57	42	10	23	31	32	02	27	39	44	06	07	46	19	01	26	58	52	07	02	28	02	10	19	12	20	11	11	24	20
16	05	28	57	11	11	08	31	23	02	28	07	27	06	09	21	33	01	26	57	35	07	03	40	46	10	19	09	21	11	11	21	09
17	05	29	56	45	11	23	41	13	02	28	34	51	06	10	56	10	01	26	56	06	07	04	53	28	10	19	06	27	11	11	17	58
18	06	00	56	18	00	08	52	52	02	29	01	58	06	12	30	12	01	26	54	25	07	06	06	08	10	19	03	37	11	11	14	47
19	06	01	55	57	00	23	56	13	02	29	28	45	06	14	03	37	01	26	52	31	07	07	18	49	10	19	00	52	11	11	11	36
20	06	02	55	34	01	08	42	43	02	29	55	15	06	15	36	25	01	26	50	27	07	08	31	24	10	18	58	13	11	11	08	25
21	06	03	55	16	01	23	06	39	03	00	21	22	06	17	08	40	01	26	48	08	07	09	44	02	10	18	55	39	11	11	05	14
22	06	04	54	57	02	07	01	50	03	00	47	13	06	18	40	17	01	26	45	40	07	10	56	33	10	18	53	10	11	11	02	04
23	06	05	54	43	02	02	29	12	03	01	12	40	06	20	11	23	01	26	42	58	07	12	09	06	10	18	50	46	11	10	58	53
24	06	06	54	30	03	03	28	51	03	01	37	48	06	21	41	54	01	26	40	04	07	13	21	37	10	18	48	31	11	10	55	42
25	06	07	54	18	03	16	04	55	03	02	02	36	06	23	11	46	01	26	37	02	07	14	34	05	10	18	46	17	11	10	52	31
26	06	08	54	09	03	28	21	09	03	02	27	01	06	24	41	07	01	26	33	45	07	15	46	32	10	18	44	11	11	10	49	20
27	06	09	54	02	04	10	23	48	03	02	51	04	06	26	09	52	01	26	30	18	07	16	58	57	10	18	42	09	11	10	46	09
28	06	10	53	57	04	22	16	50	03	03	14	44	06	27	38	00	01	26	26	39	07	18	11	20	10	18	40	15	11	10	42	58
29	06	11	53	53	05	04	04	41	03	03	38	02	06	29	05	30	01	26	22	46	07	19	23	40	10	18	38	24	11	10	39	47
30	06	12	53	52	05	15	52	12	03	04	00	57	07	00	32	23	01	26	18	45	07	20	35	59	10	18	36	40	11	10	36	37
31	06	13	53	52	05	27	41	20	03	04	23	26	07	01	58	40	01	26	14	34	07	21	48	12	10	18	35	01	11	10	33	26

औदयिक स्पष्ट ग्रह, नवम्बर 2024

दिनाक	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				बृहस्पति				शुक्र				शनि				राहु			
	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि
01	06	14	53	55	06	09	34	55	03	04	45	34	07	03	24	16	01	26	10	10	07	23	00	28	10	18	33	29	11	10	30	15
02	06	15	53	59	06	21	33	59	03	05	07	13	07	04	49	05	01	26	05	36	07	24	12	39	10	18	32	02	11	10	27	04
03	06	16	54	06	07	03	41	05	03	05	28	29	07	06	13	14	01	26	00	51	07	25	24	47	10	18	30	42	11	10	23	53
04	06	17	54	13	07	15	56	57	03	05	49	19	07	07	36	34	01	25	55	57	07	26	36	53	10	18	29	27	11	10	20	42
05	06	18	54	24	07	28	22	17	03	06	09	43	07	08	59	02	01	25	50	51	07	27	48	57	10	18	28	20	11	10	17	31
06	06	19	54	35	08	11	00	21	03	06	29	37	07	10	20	33	01	25	45	36	07	29	00	57	10	18	27	17	11	10	14	21
07	06	20	54	59	08	23	52	11	03	06	49	06	07	11	41	03	01	25	40	11	08	00	12	55	10	18	26	21	11	10	11	10
08	06	21	55	03	09	07	00	21	03	07	08	05	07	13	00	22	01	25	34	35	08	01	24	48	10	18	25	30	11	10	07	59
09	06	22	55	21	09	20	25	52	03	07	26	35	07	14	18	25	01	25	28	52	08	02	36	39	10	18	24	48	11	10	04	48
10	06	23	55	39	10	04	10	26	03	07	44	38	07	15	34	59	01	25	22	57	08	03	48	27	10	18	24	11	11	10	01	37
11	06	24	56	00	10	18	15	17	03	08	02	07	07	16	50	00	01	25	16	54	08	05	00	13	10	18	23	39	11	09	58	26
12	06	25	56	23	11	02	38	29	03	08	19	08	07	18	03	08	01	25	10	44	08	06	11	54	10	18	23	15	11	09	55	15
13	06	26	56	46	11	17	19	13	03	08	35	38	07	19	14	13	01	25	04	23	08	07	23	32	10	18	22	56	11	09	52	04
14	06	27	57	13	00	02	12	02	03	08	51	33	07	20	22	58	01	24	57	54	08	08	35	06	10	18	22	44	11	09	48	53
15	06	28	57	40	00	17	11	19	03	09	06	57	07	21	29	04	01	24	51	18	08	09	46	35	10	18	22	39	11	09	45	43
16	06	29	58	10	01	02	08	19	03	09	21	46	07	22	32	11	01	24	44	33	08	10	58	03	10	18	22	40	11	09	42	32
17	07	00	58	38	01	16	54	32	03	09	36	03	07	23	31	52	01	24	37	42	08	12	09	23	10	18	22	47	11	09	39	21
18	07	01	59	12	02	01	21	26	03	09	49	45	07	24	27	48	01	24	30	44	08	13	20	43	10	18	23	00	11	09	36	10
19	07	02	59	44	02	15	22	23	03	10	02	52	07	25	19	22	01	24	23	38	08	14	31	55	10	18	23	20	11	09	32	59
20	07	04	00	21	02	28	56	17	03	10	15	20	07	26	06	09	01	24	16	24	08	15	43	06	10	18	23	46	11	09	29	48
21	07	05	00	57	03	12	01	23	03	10	27	13	07	26	47	29	01	24	09	07	08	16	54	08	10	18	24	19	11	09	26	37
22	07	06	01	36	03	24	41	39	03	10	38	27	07	27	22	47	01	24	01	42	08	18	05	09	10	18	24	57	11	09	23	27
23	07	07	02	15	04	07	00	10	03	10	49	05	07	27	51	23	01	23	54	13	08	19	16	02	10	18	25	42	11	09	20	16
24	07	08	02	56	04	19	02	40	03	10	59	02	07	28	12	34	01	23	46	38	08	20	26	51	10	18	26	35	11	09	17	05
25	07	09	03	38	05	00	54	50	03	11	08	20	07	28	25	38	01	23	38	57	08	21	37	35	10	18	27	32	11	09	13	54
26	07	10	04	22	05	12	41	22	03	11	16	58	07	28	29	47	01	23	31	13	08	22	48	14	10	18	28	35	11	09	10	43
27	07	11	05	07	05	24	28	47	03	11	24	55	07	28	24	23	01	23	23	23	08	23	58	44	10	18	29	46	11	09	07	32
28	07	12	05	54	06	06	19	57	03	11	32	08	07	28	08	55	01	23	15	29	08	25	09	13	10	18	31	03	11	09	04	21
29	07	13	06	40	06	18	19	34	03	11	38	39	07	27	42	43	01	23	07	35	08	26	19	31	10	18	32	26	11	09	01	10
30	07	14	07	30	07	00	28	22	03	11	44	28	07	27	05	47	01	22	59	33	08	27	29	46	10	18	33	55	11	08	58	00

औदयिक स्पष्ट ग्रह, दिसम्बर 2024

दिनाक	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				बृहस्पति				शुक्र				शनि				राहु			
	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि
01	07	15	08	21	07	12	49	33	03	11	49	30	07	26	18	13	01	22	51	31	08	28	39	56	10	18	35	30	11	08	54	49
02	07	16	09	12	07	25	22	28	03	11	53	50	07	25	20	23	01	22	43	26	08	29	49	56	10	18	37	13	11	08	51	38
03	07	17	10	05	08	08	07	33	03	11	57	24	07	24	13	27	01	22	35	18	09	00	59	50	10	18	39	01	11	08	48	27
04	07	18	10	58	08	21	05	00	03	12	00	11	07	22	58	57	01	22	27	09	09	02	09	37	10	18	40	54	11	08	45	16
05	07	19	11	53	09	04	13	23	03	12	02	12	07	21	38	56	01	22	19	00	09	03	19	17	10	18	42	56	11	08	42	05
06	07	20	12	47	09	17	34	00	03	12	03	27	07	20	15	47	01	22	10	50	09	04	28	48	10	18	41	02	11	08	38	54
07	07	21	13	45	10	01	05	13	03	12	03	53	07	18	52	36	01	22	02	36	09	05	38	13	10	18	47	15	11	08	35	43
08	07	22	14	42	10	14	48	39	03	12	03	31	07	17	31	49	01	21	54	26	09	06	47	29	10	18	50	34	11	08	32	32
09	07	23	15	42	10	28	44	31	03	12	02	20	07	16	16	25	01	21	46	14	09	07	56	37	10	18	51	58	11	08	29	22
10	07	24	16	40	11	52	51	17	03	12	20	19	07	15	08	21	01	21	38	03	09	09	05	36	10	18	54	29	11	08	26	11
11	07	25	17	41	11	27	10	46	03	11	57	27	07	14	09	47	01	21	29	54	09	10	14	26	10	18	57	05	11	08	23	00
12	07	26	18	41	00	11	38	57	03	11	53	52	07	13	21	44	01	21	21	45	09	11	23	07	10	18	59	47	11	08	19	49
13	07	27	19	44	00	26	13	51	03	11	49	19	07	12	44	58	01	21	13	38	09	12	31	41	10	19	02	36	11	08	16	38
14	07	28	20	45	01	10	48	45	03	11	44	02	07	12	19	34	01	21	05	34	09	13	40	01	10	19	05	31	11	08	13	27
15	07	29	21	50	01	25	16	44	03	11	37	49	07	12	05	29	01	20	57	32	09	14	48	14	10	19	08	31	11	08	10	17
16	08	00	22	53	01	09	31	01	03	11	30	49	07	12	02	08	01	20	49	33	09	15	56	16	10	19	11	37	11	08	07	06
17	08	01	23	58	02	23	24	46	03	11	22	58	07	12	08	50	01	20	21	27	09	17	04	07	01	19	14	48	11	08	03	55
18	08	02	25	05	03	06	56	00	03	11	14	15	07	12	24	51	01	20	33	44	09	18	11	48	10	19	18	05	11	08	00	44
19	08	03	26	09	03	20	02	01	03	11	04	41	07	12	49	15	01	20	25	55	09	19	19	15	10	19	21	26	11	07	57	33
20	08	04	27	16	04	02	44	23	03	10	54	19	07	13	21	15	01	20	18	12	09	20	26	33	10	19	24	55	11	07	54	22
21	08	05	28	22	04	15	06	13	03	10	43	09	07	14	00	02	01	20	10	33	09	21	33	37	10	19	28	28	11	07	51	11
22	08	06	29	30	04	27	10	44	03	10	31	06	07	14	44	54	01	20	02	57	09	22	40	31	10	19	32	08	11	07	48	01
23	08	07	30	38	05	09	04	10	03	10	18	18	07	15	35	07	01	19	55	30	09	23	47	10	10	19	35	52	11	07	44	50
24	08	08	31	46	05	30	51	19	03	10	04	38	07	16	30	03	01	19	48	05	09	24	53	37	10	19	39	42	11	07	41	39
25	08	09	32	54	06	02	39	25	03	09	50	14	07	17	29	10	01	19	40	48	09	25	59	49	10	19	43	37	11	07	38	28
26	08	10	34	03	06	14	32	05	03	09	35	03	07	18	31	57	01	19	33	39	09	27	05	49	10	19	47	38	11	07	35	17
27	08	11	35	11	06	26	35	43	03	09	19	08	07	19	37	57	01	19	26	34	09	28	11	32	10	19	51	43	11	07	32	06
28	08	12	36	21	07	08	52	57	03	09	02	31	07	20	46	48	01	19	19	36	09	29	17	01	10	19	55	53	11	07	28	56
29	08	13	37	30	07	21	25	22	03	08	45	08	07	21	58	07	01	19	12	47	10	00	22	15	10	20	00	08	11	07	25	45
30	08	14	38	39	08	04	15	25	03	08	27	07	07	23	11	36	01	19	06	05	10	01	27	12	10	20	04	29	11	07	22	34
31	08	15	39	48	08	17	21	02	03	08	08	25	07	24	27	00	01	18	59	30	10	02	31	53	10	20	08	55	11	07	19	23

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जनवरी 2025

दिनांक	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				बृहस्पति				शुक्र				शनि				राहु			
	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि
01	08	16	41	00	09	00	42	11	03	07	49	04	07	25	44	06	01	18	53	05	10	03	36	18	10	20	13	25	11	07	16	12
02	08	17	42	09	09	14	15	15	03	07	29	11	07	27	02	40	01	18	46	47	10	04	40	23	10	20	17	59	11	07	13	02
03	08	18	43	19	09	27	58	46	03	07	08	40	07	28	22	35	01	18	40	38	10	05	44	12	10	20	22	40	11	07	09	51
04	08	19	44	27	10	11	49	29	03	06	47	44	07	29	43	37	01	18	34	37	10	06	47	39	10	20	27	24	11	07	06	40
05	08	20	45	37	10	25	44	44	03	06	26	11	08	01	05	45	01	18	28	44	10	07	50	50	10	20	32	14	11	07	03	29
06	08	21	46	48	11	09	44	48	06	06	04	15	08	02	28	51	01	18	23	03	10	08	53	40	10	20	37	09	11	07	00	18
07	08	22	47	57	11	23	47	53	03	05	41	53	08	03	52	42	01	18	17	32	10	09	56	08	10	20	42	08	11	06	57	08
08	08	23	49	06	00	07	54	51	03	05	19	11	08	05	17	29	01	18	12	09	10	10	58	14	10	20	47	10	11	06	53	57
09	08	24	50	14	00	22	03	13	03	04	56	08	08	06	42	55	01	18	06	58	10	11	59	58	10	20	52	16	11	06	50	46
10	08	25	51	25	01	06	12	30	03	04	32	44	08	08	09	04	01	18	01	55	10	13	01	21	10	20	57	28	11	06	47	35
11	08	26	52	31	01	20	19	27	03	04	09	13	08	09	35	53	01	17	57	03	10	14	02	17	10	21	02	44	11	06	44	25
12	08	27	53	40	02	04	18	27	03	03	45	26	08	11	03	19	01	17	52	22	10	15	02	50	10	21	08	04	11	06	41	14
13	08	28	54	47	02	18	07	12	03	03	21	34	08	11	31	18	01	17	47	52	10	16	02	56	10	21	13	28	11	06	38	03
14	08	29	55	55	03	01	40	34	03	02	57	32	08	13	59	55	01	17	43	32	10	17	02	38	10	21	18	56	11	06	34	52
15	09	00	57	00	03	14	56	51	03	02	33	32	08	15	29	06	01	17	39	25	10	18	01	48	10	21	24	29	11	06	31	41
16	09	01	58	08	03	27	53	39	03	02	09	28	08	16	58	06	01	17	35	27	10	19	00	35	10	21	30	05	11	06	28	31
17	09	02	59	13	04	10	31	11	03	01	45	32	08	18	29	18	01	17	31	40	10	19	58	48	10	21	35	44	11	06	25	20
18	09	04	00	17	04	22	52	02	03	01	21	38	08	20	00	12	01	17	28	08	10	20	56	31	10	21	41	27	11	06	22	09
19	09	05	01	22	05	04	56	45	03	00	57	55	08	21	31	46	01	17	24	43	10	21	53	43	10	21	47	15	11	06	18	58
20	09	06	02	26	05	16	51	47	03	00	34	23	08	23	03	52	01	17	21	31	10	22	50	23	10	21	53	06	11	06	15	48
21	09	07	01	29	05	28	39	38	03	00	11	05	08	24	36	31	01	17	18	33	10	23	46	27	10	21	59	00	11	06	12	37
22	09	08	04	31	06	10	27	23	02	29	48	02	08	26	09	51	01	17	15	44	10	24	41	55	10	22	04	57	11	06	09	26
23	09	09	05	34	06	22	20	31	02	29	25	20	08	27	43	43	01	17	13	09	10	25	36	49	10	22	11	00	11	06	06	15
24	09	10	06	34	07	04	24	16	02	29	03	04	08	29	18	10	01	17	10	46	10	26	31	02	10	22	17	03	11	06	03	05
25	09	11	07	35	07	16	43	37	02	28	41	08	09	00	53	14	01	17	08	34	10	27	24	35	10	22	23	13	11	06	59	54
26	09	12	08	32	07	29	21	40	02	28	19	43	09	02	28	56	01	17	06	35	10	28	17	26	10	22	29	23	11	05	56	43
27	09	13	09	32	08	12	20	49	02	27	58	42	09	04	05	15	01	17	04	47	10	29	09	37	10	22	35	39	11	05	53	33
28	09	14	10	27	08	25	41	16	02	27	38	18	09	05	42	12	01	17	03	13	11	00	00	59	10	22	41	55	11	05	50	22
29	09	15	11	26	09	09	22	16	02	27	18	23	09	07	19	54	01	17	01	48	11	00	51	39	10	22	48	16	11	05	47	11
30	09	16	12	19	09	23	19	39	02	26	59	06	09	08	58	10	01	17	00	39	11	01	41	26	10	22	54	39	11	05	44	00
31	09	17	13	14	10	07	29	39	02	26	40	22	09	10	37	09	01	16	59	40	11	02	30	26	10	23	01	05	11	05	40	50

औदयिक स्पष्ट ग्रह, फरवरी 2025

दिनांक	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				बृहस्पति				शुक्र				शनि				राहु			
	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि
01	09	18	14	07	10	21	46	56	02	26	22	21	09	12	16	50	01	16	58	53	11	03	18	31	10	23	07	36	11	05	37	39
02	09	19	15	00	11	06	06	48	02	26	04	56	09	13	57	17	01	16	58	20	11	04	05	45	10	23	14	07	11	05	34	28
03	09	20	15	50	11	20	25	33	02	25	48	16	09	15	38	26	01	16	57	58	11	04	51	57	10	23	20	41	11	05	31	18
04	09	21	16	41	00	04	40	02	02	25	32	14	09	17	20	20	01	16	57	48	11	05	37	16	10	23	27	19	11	05	28	07
05	09	22	17	29	00	18	49	24	02	25	16	58	09	19	02	58	01	16	57	53	11	06	21	29	10	23	33	58	11	05	24	56
06	09	23	18	18	01	02	51	11	02	25	02	24	09	20	46	27	01	16	58	06	11	07	04	44	10	23	40	40	11	05	21	46
07	09	24	19	02	01	16	44	47	02	24	48	40	09	22	30	39	01	16	58	34	11	07	46	44	10	23	47	25	11	05	18	35
08	09	25	19	49	02	00	28	31	02	24	35	37	09	24	15	37	01	16	59	14	11	08	27	42	10	23	54	12	11	05	15	24
09	09	26	20	31	02	14	01	01	02	24	23	25	09	26	01	25	01	17	00	06	11	09	07	24	10	24	01	00	11	05	12	14
10	09	27	21	15	02	27	21	28	02	24	11	55	09	27	47	58	01	17	01	09	11	09	45	54	10	24	07	51	11	05	09	03
11	09	28	21	56	03	10	28	29	02	24	01	17	09	29	35	15	01	17	02	25	11	10	23	02	10	24	14	44	11	05	05	52
12	09	29	22	36	03	23	22	11	02	23	51	23	10	01	23	19	01	17	02	53	11	01	58	53	10	24	21	40	11	05	02	41
13	10	00	23	14	04	06	01	30	02	23	42	20	10	03	12	03	01	17	05	33	11	11	33	13	10	24	28	37	11	04	59	31
14	10	01	23	51	04	18	27	28	02	23	34	03	10	05	01	23	01	17	07	25	11	12	06	11	10	24	35	36	11	04	56	19
15	10	02	24	26	05	00	40	53	02	23	26	35	10	06	51	20	01	17	09	27	11	12	37	37	10	24	42	38	11	04	53	09
16	10	03	24	59	05	12	43	16	02	23	19	57	10	08	41	45	01	17	11	43	11	13	07	24	10	24	49	39	11	04	49	59
17	10	04	25	32	05	24	36	55	02	23	14	03	10	10	32	36	01	17	14	10	11	13	35	35	10	24	56	45	11	04	46	48
18	10	05	26	03	06	06	25	31	02	23	08	59	10	12	23	43	01	17	16	48	11	14	02	09	10	25	03	50	11	04	43	38
19	10	06	26	32	06	18	13	22	02	23	04	41	10	14	15	00	01	17	19	40	11	14	26	49	10	25	10	57	11	04	40	27
20	10	07	27	00	07	00	05	22	02	23	01	11	10	16	06	22	01	17	22	41	11	14	49	36	10	25	18	06	11	04	37	16
21	10	08	27	25	07	12	06	54	02	22	58	28	10	17	57	33	01	17	25	53	11	15	10	35	10	25	25	18	11	04	34	06
22	10	09	27	49	07	24	23	49	02	22	56	30	10	19	48	24	01	17	29	18	11	15	29	34	10	25	32	29	11	04	30	55
23	10	10	28	13	08	06	59	44	02	22	55	15	10	21	38	43	01	17	32	53	11	15	46	35	10	25	39	41	11	04	27	44
24	10	11	28	34	08	19	59	03	02	22	54	59	10	23	28	12	01	17	36	40	11	16	01	21	10	25	46	56	11	04	24	34
25	10	12	28	52	09	03	22	38	02	22	55	09	10	25	16	34	01	17	40	38	11	16	14	04	10	25	54	11	11	04	21	23
26	10	13	29	09	09	17	11	44	02	22	56	12	10	27	03	26	01	17	44	47	11	16	24	26	10	26	01	27	11	04	18	12
27	10	14	29	26	10	01	23	03	02	22	57	57	10	28	48	31	01	17	49	05	11	16	32	40	10	26	08	44	11	04	15	02
28	10	15	29	39	10	15	51	42	02	23	00	24	11	00	31	15	01	17	53	36	11	16	38	29	10	26	16	02	11	04	11	51

औदयिक स्पष्ट ग्रह, मार्च 2025

दिनाक	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				बृहस्पति				शुक्र				शनि				राहु			
	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि	रा	अ	क	वि
01	10	16	29	52	11	00	33	20	02	23	03	37	11	02	11	13	01	17	58	16	11	16	41	58	10	26	23	22	11	04	08	41
02	10	17	30	04	11	15	19	44	02	23	07	27	11	03	47	54	01	18	03	06	11	16	42	58	10	26	30	41	11	04	05	30
03	10	18	30	11	00	00	04	52	02	23	12	00	11	05	20	43	01	18	08	10	11	16	41	23	10	26	38	01	11	04	02	19
04	10	19	30	19	00	14	42	28	02	23	17	14	11	06	49	05	01	18	13	21	11	16	37	28	10	26	45	21	11	03	59	08
05	10	20	30	23	00	29	07	48	02	23	23	07	11	08	12	20	01	18	18	42	11	16	30	48	10	26	52	45	11	03	55	58
06	10	21	30	28	01	13	17	22	02	23	29	47	11	09	29	56	01	18	24	15	11	16	21	40	10	27	00	06	11	03	52	47
07	10	22	30	29	01	27	09	09	02	23	36	48	11	10	41	15	01	18	29	57	11	16	10	05	10	27	07	29	11	03	49	37
08	10	23	30	29	02	10	43	11	02	23	44	34	11	11	45	43	01	18	35	49	11	15	55	56	10	27	14	52	11	03	46	26
09	10	24	30	25	02	23	59	00	02	23	52	58	11	12	42	46	01	18	41	51	11	15	39	08	10	27	22	15	11	03	43	15
10	10	25	30	22	03	06	58	48	02	24	01	57	11	13	32	02	01	18	48	03	11	15	20	05	10	27	29	47	11	03	40	05
11	10	26	30	15	03	19	43	16	02	24	11	33	11	14	13	04	01	18	54	23	11	14	58	24	10	27	37	01	11	03	36	54
12	10	27	30	07	04	02	15	02	02	24	21	39	11	14	45	34	01	19	00	55	11	14	34	41	10	27	44	25	11	03	33	44
13	10	28	29	56	04	14	36	06	02	24	32	24	11	15	09	20	01	19	07	33	11	14	08	22	10	27	51	50	11	03	30	33
14	10	29	29	46	04	26	47	12	02	24	43	39	11	15	24	18	01	19	14	21	11	13	40	19	10	27	59	14	11	03	27	22
15	11	00	29	31	05	08	50	21	02	24	55	28	11	15	30	22	01	19	21	20	11	13	10	09	10	28	06	37	11	03	24	12
16	11	01	29	15	05	20	46	49	02	25	07	47	11	15	27	50	01	19	28	26	11	12	38	15	10	28	14	00	11	03	21	01
17	11	02	28	55	06	02	38	59	02	25	20	40	11	15	16	41	01	19	35	42	11	12	04	43	10	28	21	22	11	03	17	50
18	11	03	28	36	06	14	27	10	02	25	34	00	11	14	57	38	01	19	43	06	11	11	29	44	10	28	28	46	11	03	14	40
19	11	04	28	16	06	26	16	21	02	25	47	51	11	14	31	03	01	19	50	40	11	10	54	02	10	28	36	08	11	03	11	29
20	11	05	27	50	07	08	09	14	02	26	02	11	11	13	57	37	01	19	58	22	11	10	16	44	10	28	43	29	11	03	08	19
21	11	06	27	26	07	20	09	26	02	26	16	59	11	13	18	12	01	20	06	12	11	09	39	07	10	28	50	51	11	03	05	08
22	11	07	26	26	08	02	23	18	02	26	32	16	11	12	33	39	01	20	14	10	11	09	01	00	10	28	58	13	11	03	01	57
23	11	08	26	27	08	14	54	16	02	26	42	00	11	11	45	11	01	20	22	16	11	08	22	35	10	29	05	34	11	02	58	47
24	11	09	25	54	08	27	47	31	02	27	04	10	11	10	53	48	01	20	30	31	11	07	44	22	10	29	12	52	11	02	55	36
25	11	10	25	20	09	11	04	54	02	27	20	45	11	10	00	39	01	20	38	52	11	07	06	11	10	29	20	11	11	02	52	26
26	11	11	24	44	09	24	49	23	02	27	37	46	11	09	07	02	01	20	47	23	11	06	29	02	10	29	27	29	11	02	49	15
27	11	12	24	06	10	09	00	03	02	27	55	13	11	08	14	06	01	20	56	00	11	05	52	34	10	29	34	46	11	02	46	04
28	11	13	30	24	10	23	33	40	02	28	13	03	11	07	22	32	01	21	04	45	11	05	16	59	10	29	42	01	11	02	42	54
29	11	14	22	44	11	08	26	31	02	28	31	17	11	06	33	46	01	21	13	39	11	04	42	53	10	29	49	16	11	02	39	43
30	11	15	21	57	11	23	30	00	02	28	49	55	11	05	48	11	01	21	22	38	11	04	10	03	10	29	56	31	11	02	36	32
31	11	16	21	12	00	08	37	05	02	29	08	55	11	05	06	45	01	21	31	46	11	03	39	13	11	00	03	43	11	02	33	22

अक्षांश, रेखांश, स्टैंडर्ड अन्तरादि सारणी

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
अजमेर	26।27	74।42	-31	उधमपुर(पंजाब)	32।56	74।43	-31
अयोध्या	26।48	82।14	-01	औरंगाबाद, (महाराष्ट्र)	19।53	75।23	-28
अम्बाला	30।21	76।52	-23	औरंगाबाद(बिहार)	24।45	84।25	+08
अमृतसर	31।37	74।55	-31	कटक	20।28	85।54	+14
अहमद्पुर	29।17	71।35	-44	कराची(पाकिस्तान)	24।51	67।04	-32
अलमोड़ा	29।37	79।40	-11	कन्नौज	27।03	79।58	-10
अखनूर	32।54	74।35	-32	करनाल	29।42	77।02	-22
अलीगढ	27।54	78।06	-18	कलकत्ता	22।34	88।24	+24
अमेठी	26।07	81।47	-03	कपूरथला	31।23	75।25	-28
अगरतला	23।49	91।17	+35	कल्याण(महाराष्ट्र)	19।17	73।11	-37
अहमद्नगर	19।05	74।48	-31	कोयम्बटूर	11।00	77।00	-22
अहमदाबाद	23।02	72।38	-39	कालका	30।50	76।56	-22
आबू	24।40	72।45	-39	काशी-वाराणसी	25।20	83।00	+02
आगरा	27।10	78।05	-18	काठमांडु,नेपाल	27।42	85।12	+11
आजमगढ	26।03	83।13	+03	कानपुर	26।28	80।24	-08
इटावा	26।47	79।02	-14	कांचीपुरम्,तमि.	12।51	79।53	-11
इन्दौर	22।45	75।50	-27	कांगडा	32।09	76।18	-25

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
इम्फाल	24154	93154	+46	किश्तवाड़ा,जम्मू	33112	75148	-27
उदयपुर(राज)	24137	73142	-35	कुरूक्षेत्र	29158	76148	-23
उज्जैन	23109	75143	-27	कन्याकुमारी	08106	77134	-20
उन्नाव	26148	80143	-07	कोल्हापुर	16142	74116	-33
कोटा(राज.)	25110	75152	-27	जम्मू	3244	74154	-30
कोच्चीन	09158	76117	-25	जसवन्तनगर	2651	78155	-14
खम्भात	22119	72136	-40	जामनगर	2227	70107	-50
गुड़गांव	28127	77104	-22	जालन्धर	3119	75118	-29
गुलबर्गा	17122	76147	-23	जूनागढ (गुज.)	2131	70136	-48
गुन्टूर	16120	80127	-08	जैसलमेर	2655	70157	-46
गयाजी	24149	85101	+10	जौनपुर	2542	82144	+01
ग्वालियर	26114	78110	-17	जोधपुर	2619	73104	-38
गाजीपुर	25134	83135	+04	झांसी	2537	78137	-16
गिलगिल	35154	74122	-33	झालरापाटन	2432	76112	-25
गोरखपुर	26145	83127	+04	ट्रावनकोर	0900	77100	-22
गोंडा	27128	82101	-02	टुण्डला जं	2713	78113	-17
गोवा	15130	73157	-34	टाटानगर	2909	80110	-09
गोहाटी	26111	91145	+37	टोंक (राज.)	2611	75150	-27

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
गोकर्ण	14।33	74।18	–33	डलहौजी	3230	75।54	–27
चम्बा	32।34	76।10	–25	डिबरूगढ	2729	94।56	+50
चंडीगढ	30।40	76।52	–22	ढाका(बांग्ला.)	2343	90।26	+32
चिकमंगलूर	13।20	75।46	–27	त्रिचूर	1032	76।14	–25
चित्तौड़गढ	24।54	74।42	–31	त्रिवेन्द्रम्	0830	76।54	–22
चित्रकूट	25।15	80।28	–08	दरभंगा	2610	85।57	+14
चेरापूंजी	25।17	91।47	–37	दाहोद(गुज.)	2250	74।15	–33
छपरा	24।47	84।31	+09	दार्जिलिंग	2706	88।18	+23
छतरपुर	24।54	79।38	–11	द्वारकाधाम	2212	69।01	–54
जलगांव	21।01	75।39	–29	दिल्ली	28।38	77।12	–21
जगन्नाथपुरी	19।46	85।48	+13	देहरादून	30।20	78।04	–18
जमशेदपुर	22।50	86।10	+15	दौलताबाद	19।57	75।12	–29
जलपाईगुडी	26।32	88।46	+25	धर्मशाला	32।16	76।23	–24
जबलपुर	23।10	80।01	–10	धारवाड़	15।26	75।00	–30
जयपुर	26।56	75।52	–27	धार (म.प्र)	22।36	75।12	–29
धूलिया	20।58	74।42	–31	फतेहपुर(उ.प्र.)	25।55	80।52	–06
नसीराबाद	26।08	74।46	–31	फतेहपुर(राज.)	27।52	75।02	–30
नड़ियाद,गुज.	22।41	72।55	–38	फिरोजपुर	30।56	74।40	–31

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
नासिक	20।02	73।50	−35	फैजाबाद	26।47	82।12	−01
नागपुर	21।09	79।09	−13	बड़ौदा (गुज.)	22।16	73।12	−37
नाथद्वारा	24।56	73।52	−35	बद्रीनाथ	30।44	79।32	−12
नीमच	24।27	74।52	−31	बरेली	28।22	79।27	−12
पटियाला	30।22	76।25	−24	बेलगांव	15।54	74।36	−32
पटना(बिहा.)	25।37	85।13	+11	बेलूर-कर्नाटक	13।08	75।51	−27
पठानकोट	32।15	75।42	−27	बांदा(उ.प्र.)	25।28	80।20	−09
प्रयागराज	25।24	81।54	−03	बांसवाड़ा	23।30	74।24	−32
पालीतादा	21।30	71।40	−43	बिलासपुर(म.प्र.	22।05	82।13	−01
पानीपत	29।23	77।01	−21	बिलासपुर(हि.प्र	31।19	76।50	−23
पांडीचेरी	11।56	79।53	−10	बीजापुर	16।50	75।47	−27
पीलीभीत	28।40	79।50	−11	बीकानेर	28।01	73।22	−37
पुरुलिया,बिहा.	23।20	86।25	+16	बूंदी(राज.)	25।27	75।41	−27
पूना	18।19	73।55	−34	बुलन्दशहर	28।24	77।54	−18
पोरबन्दर	21।37	69।49	−51	बंगलौर	12।58	77।38	−19
फरीदकोट	30।40	74।57	−30	भिवानीहरि.	28।48	76।08	−36
फरीदाबाद	28।26	77।19	−21	भिवण्डी	19।15	73।05	−38
फर्रूखाबाद	27।24	79।37	−12	भुसावल	21।02	75।47	−27

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
भरतपुर	27।15	77।30	−20	रतलाम	23।21	75।07	−30
भटिण्डा	30।11	75।00	−30	रायचूर	16।15	77।20	−21
भड़ोच	21।41	73।00	−38	राजकोट	22।18	70।59	−46
भावनगर	21।46	72।11	−41	रायगढ	21।58	83।26	−04
भागलपुर	25।13	86।59	+18	रायबरेली	26।15	81।16	−05
भुवनेश्वर	20।28	85।54	+14	रामेश्वरम्	09।17	79।22	−13
भूटान	27।30	90।00	+30	रायपुर(छ.ग.)	21।15	81।41	−03
महेन्द्रगढ़ हरि.	28।17	76।09	−25	रांची	23।40	85।34	+12
भोपाल	23।16	77।36	−20	रायपुर(उ.प्र.)	28।48	75।05	−14
मदुराई	09।55	78।07	−18	रीवा	24।32	81।19	−05
मेहसाणा	23।42	72।37	−40	रेवाड़ी-जंक्शन	28।12	76।40	−23
मणीपुरस्टेट	24।44	93।58	+46	रोहतक	28।54	76।38	−23
मण्डी(हि.प्र.)	31।40	76।58	−22	रंगून(बर्मा)	16।50	96।13	+55
मद्रास	13।04	80।17	−09	लद्दाख	33।00	78।48	−15
मथुरा	27।28	77।41	−19	लखनऊ	26।55	80।59	−06
मालेगांव	20।31	74।30	−32	ललितपुर	24।22	78।28	−16
मिर्जापुर	25।06	82।37	−00	लातूर	18।24	76।34	−24
मुरादाबाद	28।50	78।49	−15	लुधियाना	30।55	75।54	−26

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
मुंगेर-बिहार	25।23	86।30	+16	लाहौर(पाकि.)	31।37	74।26	-02
मुर्शिदाबाद	24।10	88।19	+23	वर्धा	20।45	78।39	-15
मुजफ्फरनगर	29।30	77।44	-19	विजयवाड़ा	16।31	80।39	-07
मुजफ्फरपुर	26।12	85।27	+12	विशाखापटनम्	17।42	83।20	+03
मुम्बई	18।57	72।50	-39	शिमला	31।06	77।13	-21
मेरठ	29।00	77।45	-19	शिकोहाबाद	27।06	78।38	-15
मैसूर-कर्नाटक	12।18	75।42	-23	शिलांग-मेघाल.	25।34	91।45	+38
मैनपुरी	27।13	79।04	-14	श्रीगंगानगर	29।50	73।50	-35
मोतीहारी	26।40	84।57	+10	श्रीनगर कश्मीर	34।06	74।51	-31
रत्नागिरि	17।00	73।20	-37	श्रीनगर गढवाल	30।14	78।42	-15
श्रीमाधोपुर	27।25	75।25	-29	हथुना	26।12	84।05	+06
सतारा(महा.)	17।42	74।02	-34	हाजीपुर	25।35	83।11	+03
सम्बलपुर	21।28	84।00	+06	हाथरस	27।38	78।06	-18
सहारनपुर	29।59	77।23	-20	हिसार	29।10	75।46	-27
स्यालकोट	32।31	74।36	-02	हैदराबाद	17।18	78।30	-16
सागर(म.प्र.)	23।50	78।45	-15	होशियारपुर	31।32	75।57	-26
सिरसा	29।32	75।04	-30	हौशंगाबाद	22।46	77।45	-19
सिरोही	24।35	73।02	-38	होडल (हरि.)	27।53	77।22	-21

सिकन्दराबाद	17।27	78।33	-16	संथालपरगना	24।30	87।00	+18
सीतामढी	26।35	85।27	+12	संगमनेर	19।35	74।46	-31
सीतापुर	27।32	80।24	-08	हिंगोली	19।43	77।11	-21
सुल्तानपुर	26।16	82।07	-02	हरदोई	27।23	80।10	-09
सूरत-गुजरात	21।11	72।52	-39	हजारीबाग	23।59	85।25	+12
सेलम-तमिल	11।39	78।15	-17	हरिद्वार	29।56	78।13	-17
सोमनाथ	21।01	70।26	-48	हांसी	29।06	76।00	-26
सोलापुर	17।40	75।48	-27	तिरुपति	13।39	79।25	-12
सोनीपत	28।59	77।01	-22	पौड़ी	30।09	78।47	-15
सोजत,मारवाड	25।56	73।42	-35	पंचकूला	30।42	76।52	-22
सोनपुर,उड़ीसा	20।51	83।55	+06	पटियाला	30।20	76।25	-24
सोलन, हि.प्र.	30।57	77।09	-22	पुरी	19।48	85।52	+13

अथ ज्योतिषमाहात्म्यम्

वेदाङ्गमाद्यं वेदानां क्रियाणां च प्रसाधनम्।
ज्योतिर्ज्ञानं द्विजेन्द्राणमतो वेद्यं विदुर्बुधाः।।

ज्योतिश्चक्रे तु लोकस्य सर्वस्योक्तं शुभाशुभम्।
ज्योतिर्ज्ञानं च यो वेत्ति स याति परमां गतिम्।।

चन्द्रनक्षत्रताराणां ग्रहाणां भास्करस्य च।
ज्योतिषामपि यज्योतिर्ज्योतिषामपि पावनम्।।

तद्‌भावभावितं युक्तं तं देवा ब्राह्मणं विदुः।
तस्मात्पूर्वमधीयीत ज्योतिर्ज्ञानं द्विजोत्तमः।।

धर्मसूत्रं ततः पश्चाद्यज्ञकर्मविधिक्रियाः।
यज्ञाश्चायुष्यहोमाश्च चूडोपनयनानि च।।

न ज्योतिषं विना तासां प्रवृत्तिरुपलभ्यते।
आप्यायनं च वेदानां यज्ञाः प्रोक्ताः क्रियाश्रयाः।।

यज्ञार्थमपि च प्रोक्ताः स्वयं वेदाः स्वयंभुवा।
न च ते सम्प्रवर्तन्ते कालज्ञानात्कथंचन्।।

यज्ञक्रिया अहोरात्रं क्रियाश्चान्या जगद्धिताः।
तस्मात्पुण्यं वेदैर्यज्ञचक्षुः सनातनम्।।

स्वर्ग्यमव्ययमव्यग्रैर्ब्राह्मणैः शंसितव्रतैः।
ततः कालप्रसिद्ध्यर्थं राशयः पूर्वमीरिताः।।

अहोरात्रविभागाश्च तिथीनां च क्रियाविधिः।
सोमसूर्यविलग्नानामृक्षाणां चापि निश्चयः।।

आदानयोगभोगाश्च विसर्गाश्चार्कसोमयोः।
दिनर्तुपक्षमासानां चन्द्रार्काणां विनिश्चयः।।

कर्मोपभोगमानानां लेख्यः प्रश्नविधिस्तथा।
एवमाद्याः समस्ताश्च क्रियाज्योतिषसंश्रिताः।।

तस्माद्द्विजैरध्ययनीयमेतत्पुण्यं
रहस्यं परमं च तत्वम्।
यो ज्योतिषं वेत्ति नरः स
सम्यग्धर्मार्थकामान् लभते यशश्च।।

क्रान्ति सारिणी

	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
01.	-23:00:45	-17:06:31	-07:35:28	04:38:10	15:09:28	22:05:50	23:06:04	17:57:40	08:11:40	-03:16:46	-14:30:31	-21:50:47
02.	-22:55:35	-16:49:17	-07:12:36	05:01:16	1:27:26	22:13:42	23:01:44	17:42:21	07:49:49	-03:40:02	-14:49:34	-21:59:49
03.	-22:49:57	-16:31:46	-06:49:39	05:24:17	15:45:10	22:21:10	22:57:00	17:26:44	07:27:50	-04:03:14	-15:08:23	-22:08:25
04.	-22:43:52	-16:13:57	-06:26:35	05:47:12	16:02:37	22:28:15	22:51:51	17:10:51	07:05:43	-04:26:24	-15:26:57	-22:16:36
05.	-22:37:20	-15:55:52	-06:03:26	06:10:02	16:19:49	22:34:57	22:46:19	16:54:40	06:43:30	-04:49:30	-15:45:16	-22:24:21
06.	-22:30:21	-15:37:30	-05:40:12	06:32:44	16:36:44	22:41:14	22:40:23	16:38:14	06:21:11	-05:12:34	-16:03:19	-22:31:40
07.	-22:22:55	-15:18:53	-05:16:53	06:55:21	16:53:22	22:47:08	22:34:03	16:21:31	05:58:44	-05:35:33	-16:21:06	-22:38:32
08.	-22:15:03	-14:59:59	-04:53:30	07:17:50	17:09:44	22:52:38	22:27:21	16:04:32	05:36:12	-05:58:28	-16:38:37	-22:44:58
09.	-22:06:45	-14:40:50	-04:30:03	07:40:12	17:25:49	22:57:44	22:20:14	15:47:18	05:13:35	-06:21:18	-16:55:50	-22:50:57
10.	-21:58:01	-14:21:27	-04:06:32	08:02:25	17:41:36	23:02:25	22:12:45	15:29:49	04:50:52	-06:44:03	-17:12:47	-22:56:29
11.	-21:48:51	-14:01:49	-03:42:59	08:24:31	17:57:05	23:06:43	22:04:53	15:12:05	04:28:04	-07:06:42	-17:29:26	-23:01:34
12.	-21:39:16	-13:41:57	-03:19:23	08:46:29	18:12:16	23:10:35	21:56:38	14:54:06	04:05:11	-07:29:16	-17:45:47	-23:06:11
13.	-21:29:15	-13:21:52	-02:55:45	09:08:17	18:27:09	23:14:04	21:48:00	14:35:53	03:42:15	-07:51:44	-18:01:49	-23:10:21
14.	-21:18:50	-13:01:34	-02:32:05	09:29:57	18:41:43	23:17:07	21:39:00	14:17:26	03:19:13	-08:14:05	-18:17:33	-23:14:04
15.	-21:08:00	-12:41:03	-02:08:23	09:51:26	18:55:58	23:19:46	21:29:38	13:58:46	02:56:09	-08:36:19	-18:32:57	-23:17:18
16.	-20:56:46	-12:20:20	-01:44:40	10:12:47	19:09:54	23:22:00	21:19:54	13:39:52	02:33:01	-08:58:27	-18:48:02	-23:20:05
17.	-20:45:07	-12:59:25	-01:20:56	10:33:57	19:23:31	23:23:50	21:09:48	13:20:46	02:09:50	-09:20:26	-19:02:46	-23:22:24
18.	-20:33:05	-11:38:18	-00:57:12	10:54:56	19:36:48	23:25:15	20:59:21	13:01:26	01:46:37	-09:42:17	-19:17:11	-23:24:15
19.	-20:20:40	-11:17:01	-00:33:27	11:15:45	19:49:44	23:26:15	20:48:33	12:41:54	01:23:21	-10:04:00	-19:31:14	-23:25:37
20.	-20:07:52	-10:55:32	-00:09:43	11:36:20	20:02:21	23:26:50	20:37:23	12:22:10	01:00:03	-10:25:34	-19:44:57	-23:26:32
21.	-19:54:41	-10:33:54	00:14:02	11:56:49	20:14:37	23:27:00	20:25:53	12:02:15	00:36:43	-10:46:59	-19:58:17	-23:26:58
22.	-19:41:08	-10:12:06	00:37:44	12:17:03	20:26:32	23:26:46	20:14:02	11:42:08	00:13:22	-11:08:14	-20:11:16	-23:26:56
23.	-19:27:13	-09:50:08	01:01:25	12:37:05	20:38:06	23:26:06	20:01:51	11:21:50	-00:09:58	-11:29:19	-20:23:53	-23:26:25
24.	-19:12:56	-09:28:02	01:25:05	12:56:55	20:49:19	23:25:02	19:49:20	11:01:21	-00:33:21	-11:50:14	-20:36:07	-23:25:26
25.	-18:58:18	-09:05:47	01:48:42	13:16:32	21:00:10	23:23:33	19:36:29	10:40:42	-00:56:43	-12:10:59	-20:47:59	-23:24:00
26.	-18:43:19	-08:43:24	02:12:16	13:35:56	21:10:40	23:21:40	19:23:18	10:19:52	-01:20:06	-12:31:31	-20:59:27	-23:22:04
27.	-18:28:00	-08:20:52	02:35:48	13:55:07	21:20:47	23:19:22	19:09:48	09:58:53	-01:43:28	-12:51:53	-21:10:31	-23:19:41
28.	-18:12:21	-07:58:14	02:59:17	14:14:04	21:30:33	23:16:39	18:55:59	09:37:44	-02:06:50	-13:12:02	-21:21:11	-23:16:50
29.	-17:56:22	-	03:22:42	14:32:46	21:39:56	23:13:32	18:41:52	09:16:26	-02:30:10	-13:31:59	-21:31:28	-23:13:30
30.	-17:40:03	-	03:46:03	14:51:15	21:48:57	23:10:00	18:27:26	08:54:59	-02:53:29	-13:51:43	-21:41:20	-23:09:43
31.	-17:23:26	-	04:09:20	-	21:57:35	-	18:12:42	08:33:24	-	-14:11:14	-	-23:05:28

(+) उत्तरा क्रान्ति (-) दक्षिणा क्रान्ति

चरसारिणी - 1

क्रां.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
अ.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.
1	00:04	00:08	00:13	00:17	00:21	00:25	00:29	00:34	00:38	00:42	00:47	00:51	00:55	01:00	01:04	01:09	01:13	01:18	01:22	01:27	01:32	01:37	01:42	01:47
2	00:08	00:17	00:25	00:34	00:42	00:50	00:59	01:08	01:16	01:25	01:33	01:42	01:51	02:00	02:09	02:18	02:27	02:37	02:45	02:55	03:04	03:14	03:24	03:34
3	00:13	00:25	00:38	00:50	01:03	01:16	01:28	01:41	01:54	02:07	02:20	02:33	02:46	03:00	03:13	03:27	03:40	03:55	04:08	04:22	04:37	04:51	05:06	05:21
4	00:17	00:34	00:50	01:07	01:24	01:41	01:58	02:12	02:29	02:48	03:05	03:24	03:42	04:00	04:18	04:36	04:54	05:12	05:31	05:50	06:09	06:29	06:48	07:08
5	00:21	00:42	01:03	01:24	01:45	02:07	02:28	02:50	03:10	03:32	03:54	04:16	04:38	05:00	05:23	05:45	06:07	06:31	06:54	07:19	07:42	08:06	08:31	08:56
6	00:25	00:50	01:16	01:41	02:06	02:32	02:57	03:23	03:49	04:15	04:42	05:07	05:34	06:01	06:47	06:54	07:22	07:50	08:18	08:46	09:15	09:44	10:14	11:44
7	00:29	00:59	01:28	01:58	02:29	02:57	03:27	03:57	04:27	04:58	05:28	05:59	06:30	07:02	07:32	08:04	08:36	09:09	09:42	10:15.	10:45	11:22	11:57	12:32
8	00:34	01:07	01:41	02:15	02:49	03:23	03:56	04:31	05:06	05:41	06:16	06:51	07:26	08:03	08:38	09:14	09:51	10:28	11:06	11:44	12:22	13:01	13:41	14:21
9	00:38	01:16	01:54	02:33	03:11	03:49	04:27	05:06	05:42	06:24	07:04	07:43	08:23	09:04	09:44	10:25	11:06	11:48	12:30	13:13	13:56	14:41	15:25	16:11
10	00:42	01:25	02:07	02:50	03:32	04:15	04:58	05:41	06:24	07:08	07:51	08:36	09:20	10:05	10:50	11:36	12:23	13:08	13:55	14:43	15:31	16:20	17:10	18:01
11	00:47	01:34	02:20	03:07	03:54	04:40	05:28	06:16	07:03	07:51	08:40	09:29	10:17	11:07	11:56	12:47	13:38	14:29	15:27	16:14	17:07	18:01	18:56	19:52
12	00:51	01:42	02:33	03:24	04:16	05:09	05:59	06:50	07:43	08:36	09:28	10:21	11:15	12:09	13:03	13:59	14:54	15:20	16:47	17:45	18:43	19:42	20:42	21:43
13	00:55	01:51	02:46	03:42	04:38	05:34	06:30	07:20	08:30	09:20	10:17	11:15	12:13	13:12	14:11	15:11	16:11	17:12	18:14	19:17	20:20	21:25	22:23	23:36
14	01:00	02:00	03:00	04:00	05:00	06:01	07:02	08:03	09:04	10:05	11:07	12:09	13:12	14:15	15:19	16:24	17:29	18:34	19:42	20:50	21:58	23:08	24:18	25:30
15	01:04	02:09	03:13	04:17	05:21	06:27	07:31	08:38	09:44	10:50	11:57	13:04	14:10	15:19	16:27	17:38	18:48	19:59	21:10	22:24	23:35	24:52	26:07	27:24
16	01:09	02:18	03:27	04:36	05:44	06:54	08:04	09:14	10:25	11:6	12:47	13:59	15:00	16:24	17:36	18:52	20:07	21:23	22:40	23:57	25:17	26:37	27:58	29:20
17	01:13	02:27	03:40	04:54	06:08	07:22	08:36	09:51	11:06	12:20	13:38	14:54	16:11	17:29	18:48	20:07	21:27	22:48	24:10	25:33	26:58	28:23	29:50	31:18
18	01:18	02:36	03:51	05:12	06:31	07:50	09:09	10:28	11:48	13:08	14:29	15:50	17:22	18:34	19:59	21:23	22:48	24:14	25:43	27:10	28:41	30:10	31:43	33:16
19	01:23	02:45	04:08	05:31	06:54	08:18	09:37	11:06	12:30	13:55	15:21	16:47	18:14	19:42	21:11	22:40	24:10	25:42	27:14	28:48	30:23	31:59	33:37	35:16
20	01:27	02:55	04:22	05:50	07:16	08:46	10:15	11:44	13:13	14:43	16:14	17:45	19:27	20:50	22:23	23:57	25:33	27:10	28:41	30:27	32:08	33:49	35:33	37:18

चरसारिणी - 2

क्रां. / अ.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.
21	01:32	03:04	04:36	06:09	07:42	09:15	10:48	12:22	13:57	15:31	17:07	18:45	20:20	21:59	23:37	25:17	26:58	28:14	30:23	32:08	33:54	35:41	37:31	39:22
22	01:37	03:14	04:51	06:29	08:06	09:44	11:22	13:01	13:40	16:20	17:59	19:42	21:25	23:08	24:52	26:37	28:23	30:11	31:59	33:49	35:42	37:35	39:30	41:27
23	01:42	03:24	05:0	06:48	08:32	10:14	11:57	13:41	15:25	17:10	18:56	20:42	22:30	24:18	26:06	27:56	29:50	31:44	33:30	35:33	37:31	39:30	41:41	43:34
24	01:47	03:34	05:51	07:08	08:56	10:44	12:32	14:21	16:11	18:01	19:52	21:43	23:36	25:30	27:24	29:20	31:18	33:16	35:16	37:18	39:22	41:47	43:34	45:54
25	01:52	03:44	05:36	07:28	09:21	11:14	13:08	14:59	16:57	18:52	20:48	22:45	24:43	26:42	28:43	30:44	32:47	34:52	36:57	39:05	41:15	43:26	45:40	47:56
26	01:57	03:54	05:52	07:49	09:37	11:45	13:44	15:45	17:43	19:44	21:46	23:45	25:52	27:56	30:02	32:09	34:18	36:28	38:40	40:54	43:13	45:28	47:48	50:10
27	02:02	04:05	06:07	08:10	10:13	12:07	14:21	16:26	18:31	20:37	22:44	24:52	27:02	29:12	31:23	33:36	35:51	37:06	40:25	42:45	45:07	47:32	49:58	52:27
28	02:08	04:12	06:23	08:13	10:40	12:49	14:58	17:08	19:19	21:31	23:44	25:57	28:12	30:28	32:46	35:05	37:25	39:48	42:12	44:38	47:06	49:38	52:11	54:47
29	02:13	04:26	06:40	08:53	11:07	13:22	15:37	17:52	20:09	22:26	24:44	27:04	29:25	31:48	34:10	36:35	39:02	41:27	44:01	46:33	49:08	51:46	54:27	57:09
30	02:19	04:37	06:56	09:15	11:35	13:55	16:16	18:37	20:59	23:22	25:46	28:12	30:38	33:06	35:36	38:07	40:40	43:15	45:52	48:31	51:13	53:57	56:45	59:35
31	02:24	04:59	07:13	09:37	12:02	14:29	16:55	19:23	21:50	24:21	26:50	29:21	31:54	34:27	37:04	39:41	42:21	45:02	47:46	50:28	53:20	56:12	59:06	62:04
32	02:30	05:00	07:30	10:01	12:32	15:04	17:36	20:07	22:43	25:17	27:54	30:32	33:10	35:47	38:33	41:16	44:03	46:52	49:42	52:35	55:30	58:30	61:31	64:37
33	02:36	05:12	07:46	10:25	13:02	15:39	18:16	20:57	23:37	26:18	28:59	31:44	34:29	37:16	40:05	42:56	45:48	48:44	51:40	54:41	57:44	60:51	63:57	67:13
34	02:42	05:54	08:05	10:49	13:32	16:16	19:01	21:45	24:32	27:19	30:06	32:58	35:49	38:44	41:39	44:36	47:36	50:37	53:43	56:51	60:01	63:15	66:33	69:54
35	02:48	05:36	08:25	11:14	14:01	16:53	19:44	22:35	25:24	28:22	31:17	34:14	37:13	40:13	43:15	46:19	49:27	52:36	55:44	59:04	62:22	65:44	69:10	72:40
40	03:21	06:43	10:05	13:27	16:47	20:14	23:38	27:04	30:33	34:02	37:33	41:06	44:47	48:18	51:58	55:41	59:28	63:17	67:10	72:06	75:10	79:16	83:28	87:45
45	04:00	08:00	12:01	14:02	20:05	24:04	28:10	32:19	36:27	40:37	44:47	49:05	53:24	57:45	62:10	66:40	71:13	75:51	80:34	85:30	90:18	95:19	100:28	104:45
50	04:46	09:32	14:19	19:07	23:56	28:47	33:39	38:34	43:31	48:31	53:35	58:42	63:53	59:09	74:29	79:56	85:28	91:04	96:54	102:50	108:54	115:08	121:33	128:11
55	05:43	11:26	17:10	22:56	28:43	34:31	40:24	46:18	32:18	58:20	64:28	70:01	76:59	83:36	90:00	96:42	103:33	110:35	117:49	125:17	132:59	140:58	149:16	157:56
28:39	02:11	04:22	06:34	08:45	10:58	13:10	15:23	17:37	19:51	22:07	24:23	26:41	28:59	31:19	33:40	36:03	38:28	40:54	43:22	45:53	48:25	51:01	53:38	56:19

बेलान्तर सारिणी

दिनांक	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्तुबर	नवम्बर	दिसम्बर
1.	03:03	13:28	12:41	03:54	-02:55	-02:03	03:38	06:19	00:24	-10:17	-16:33	-11:00
2.	03:31	13:37	12:29	03:35	-03:01	-01:54	03:49	06:16	00:04	-10:37	-16:33	-10:38
3.	03:59	13:45	12:16	03:17	-03:07	-01:44	04:00	06:12	-00:14	-10:57	-16:33	-10:15
4.	04:26	13:53	12:03	02:59	-03:13	-01:35	04:10	06:08	-00:34	-11:16	-16:32	-09:51
5.	04:53	13:59	11:50	02:41	-03:17	-01:25	04:20	06:03	-00:54	-11:35	-16:31	-09:27
6.	05:19	14:05	11:36	02:23	-03:21	-01:14	04:30	05:58	-01:15	-11:54	-16:28	-09:02
7.	05:45	14:40	11:21	02:06	-03:25	-01:04	04:40	05:52	-01:36	-12:12	-16:25	-08:37
8.	06:11	14:14	11:06	01:48	-03:28	-00:53	04:49	05:46	-01:57	-12:30	-16:20	-08:12
9.	06:36	14:18	10:51	01:32	-03:30	-00:42	04:58	05:38	-02:18	-12:47	-16:15	-07:46
10.	07:01	14:20	10:35	01:15	-03:32	-00:31	05:07	05:31	-02:39	-13:04	-16:09	-07:20
11.	07:25	14:22	10:19	00:59	-03:33	-00:19	05:15	05:22	-03:01	-13:21	-16:02	-06:53
12.	07:49	14:23	10:02	00:43	-03:34	-00:08	05:23	05:14	-03:23	-13:36	-15:55	-06:26
13.	08:12	14:23	09:45	00:27	-03:34	00:03	05:30	05:04	-03:45	-13:52	-15:46	-05:59
14.	08:35	14:22	09:28	00:12	-03:34	00:15	05:37	04:54	-04:07	-14:06	-15:37	-05:31
15.	08:57	14:21	09:11	-00:02	-03:33	00:27	05:44	04:43	-04:29	-14:20	-15:27	-05:03
16.	09:18	14:18	08:53	-00:16	-03:32	00:39	05:50	04:32	-04:51	-14:34	-15:16	-04:35
17.	09:39	14:15	08:35	-00:30	-03:30	00:51	05:56	04:20	-05:13	-14:47	-15:04	-04:06
18.	10:00	14:12	08:17	-00:44	-03:27	01:03	06:01	04:08	-05:36	-14:59	-14:51	-03:38
19.	10:19	14:07	07:59	-00:57	-03:24	01:16	06:06	03:55	-05:58	-15:10	-14:38	-03:09
20.	10:38	14:02	07:40	-01:09	-03:21	01:28	06:10	03:42	-06:20	-15:21	-14:24	-02:40
21.	10:56	13:56	07:21	-01:22	-03:17	01:40	06:13	03:28	-06:42	-15:31	-14:09	-02:11
22.	11:14	13:49	07:03	-01:33	-03:12	01:52	06:17	03:14	-07:05	-15:41	-13:53	-01:42
23.	11:31	13:42	06:44	-01:44	-03:07	02:05	06:19	02:59	-07:27	-15:49	-13:37	-01:13
24.	11:47	13:34	06:25	-01:55	-03:02	02:17	06:22	02:43	-07:49	-15:57	-13:20	-00:44
25.	12:02	13:25	06:06	-02:05	-02:56	02:29	06:23	02:27	-08:10	-16:04	-13:02	-00:15
26.	12:17	13:16	05:47	-02:15	-02:49	02:41	06:24	02:11	-08:32	-16:11	-12:43	00:13
27.	12:31	13:05	05:28	-02:24	-02:43	02:53	06:25	01:54	-08:54	-16:16	-12:24	00:41
28.	12:44	12:55	05:09	-02:33	-02:35	03:04	06:25	01:37	-09:15	-16:21	-12:04	01:10
29.	12:56		04:50	-02:41	-02:28	03:16	06:24	01:19	-09:36	-16:32	-11:43	01:39
30.	13:07		04:31	-02:48	-02:20	03:27	06:23	01:01	-09:57	-16:29	-11:22	02:07
31.	13:18		04:12		-02:11		06:21	00:42		-16:31		02:35

अप्रैल मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	6:48:30	8:24:07	10:18:14	12:34:47	14:54:01	17:11:25	19:29:42	21:49:40	0:05:35	2:11:58	3:53:00	5:20:56
2	6:44:34	8:20:11	10:14:18	12:30:51	14:50:05	17:07:29	19:25:46	21:45:44	0:01:39	2:08:02	3:49:04	5:17:00
3	6:40:38	8:16:15	10:10:22	12:26:55	14:46:09	17:03:33	19:21:50	21:41:48	23:57:43	2:04:06	3:45:08	5:13:04
4	6:36:42	8:12:19	10:06:26	12:22:59	14:42:13	16:59:37	19:17:54	21:37:52	23:53:47	2:00:10	3:41:12	5:09:08
5	6:32:46	8:08:23	10:02:30	12:19:03	14:38:17	16:55:41	19:13:58	21:33:56	23:49:51	1:56:14	3:37:16	5:05:12
6	6:28:50	8:04:27	9:58:34	12:15:07	14:34:21	16:51:45	19:10:02	21:30:00	23:45:55	1:52:18	3:33:20	5:01:16
7	6:24:54	8:00:31	9:54:38	12:11:11	14:30:25	16:47:49	19:06:06	21:26:04	23:41:59	1:48:22	3:29:24	4:57:20
8	6:20:58	7:56:35	9:50:42	12:07:15	14:26:29	16:43:53	19:02:10	21:22:08	23:38:03	1:44:26	3:25:28	4:53:24
9	6:17:02	7:52:39	9:46:46	12:03:19	14:22:33	16:39:57	18:58:14	21:18:12	23:34:07	1:40:30	3:21:32	4:49:28
10	6:13:06	7:48:43	9:42:50	11:59:23	14:18:37	16:36:01	18:54:18	21:14:16	23:30:11	1:36:34	3:17:36	4:45:32
11	6:09:10	7:44:47	9:38:54	11:55:27	14:14:41	16:32:05	18:50:22	21:10:20	23:26:15	1:32:38	3:13:40	4:41:36
12	6:05:14	7:40:51	9:34:58	11:51:31	14:10:45	16:28:09	18:46:26	21:06:24	23:22:19	1:28:42	3:09:44	4:37:40
13	6:01:18	7:36:55	9:31:02	11:47:35	14:06:49	16:24:13	18:42:30	21:02:28	23:18:23	1:24:46	3:05:48	4:33:44
14	5:57:22	7:32:59	9:27:06	11:43:39	14:02:53	16:20:17	18:38:34	20:58:32	23:14:27	1:20:50	3:01:52	4:29:48
15	5:53:26	7:29:03	9:23:10	11:39:43	13:58:57	16:16:21	18:34:38	20:54:36	23:10:31	1:16:54	2:57:56	4:25:52
16	5:49:30	7:25:07	9:19:14	11:35:47	13:55:01	16:12:25	18:30:42	20:50:40	23:06:35	1:12:58	2:54:00	4:21:56
17	5:45:34	7:21:11	9:15:18	11:31:51	13:51:05	16:08:29	18:26:46	20:46:44	23:02:39	1:09:02	2:50:04	4:18:00
18	5:41:38	7:17:15	9:11:22	11:27:55	13:47:09	16:04:33	18:22:50	20:42:48	22:58:43	1:05:06	2:46:08	4:14:04
19	5:37:42	7:13:19	9:07:26	11:23:59	13:43:13	16:00:37	18:18:54	20:38:52	22:54:47	1:01:10	2:42:12	4:10:08
20	5:33:46	7:09:23	9:03:30	11:20:03	13:39:17	15:56:41	18:14:58	20:34:56	22:50:51	0:57:14	2:38:16	4:06:12
21	5:29:50	7:05:27	8:59:34	11:16:07	13:35:21	15:52:45	18:11:02	20:31:00	22:46:55	0:53:18	2:34:20	4:02:16
22	5:25:54	7:01:31	8:55:38	11:12:11	13:31:25	15:48:49	18:07:06	20:27:04	22:42:59	0:49:22	2:30:24	3:58:20
23	5:21:58	6:57:35	8:51:42	11:08:15	13:27:29	15:44:53	18:03:10	20:23:08	22:39:03	0:45:26	2:26:28	3:54:24
24	5:18:02	6:53:39	8:47:46	11:04:19	13:23:33	15:40:57	17:59:14	20:19:12	22:35:07	0:41:30	2:22:32	3:50:28
25	5:14:06	6:49:43	8:43:50	11:00:23	13:19:37	15:37:01	17:55:18	20:15:16	22:31:11	0:37:34	2:18:36	3:46:32
26	5:10:10	6:45:47	8:39:54	10:56:27	13:15:41	15:33:05	17:51:22	20:11:20	22:27:15	0:33:38	2:14:40	3:42:36
27	5:06:14	6:41:51	8:35:58	10:52:31	13:11:45	15:29:09	17:47:26	20:07:24	22:23:19	0:29:42	2:10:44	3:38:40
28	5:02:18	6:37:55	8:32:02	10:48:35	13:07:49	15:25:13	17:43:30	20:03:28	22:19:23	0:25:46	2:06:48	3:34:44
29	4:58:22	6:33:59	8:28:06	10:44:39	13:03:53	15:21:17	17:39:34	19:59:32	22:15:27	0:21:50	2:02:52	3:30:48
30	4:54:26	6:30:03	8:24:10	10:40:43	12:59:57	15:17:21	17:35:38	19:55:36	22:11:31	0:17:54	1:58:56	3:26:52

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

मई मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	4:50:30	6:26:07	8:20:14	10:36:47	12:56:01	15:13:25	17:31:42	19:51:40	22:07:35	0:13:58	1:55:00	3:22:56
2	4:46:34	6:22:11	8:16:18	10:32:51	12:52:05	15:09:29	17:27:46	19:47:44	22:03:39	0:10:02	1:51:04	3:19:00
3	4:42:38	6:18:15	8:12:22	10:28:55	12:48:09	15:05:33	17:23:50	19:43:48	21:59:43	0:06:06	1:47:08	3:15:04
4	4:38:42	6:14:19	8:08:26	10:24:59	12:44:13	15:01:37	17:19:54	19:39:52	21:55:47	0:02:10	1:43:12	3:11:08
5	4:34:46	6:10:23	8:04:30	10:21:03	12:40:17	14:57:41	17:15:58	19:35:56	21:51:51	23:58:14	1:39:16	3:07:12
6	4:30:50	6:06:27	8:00:34	10:17:07	12:36:21	14:53:45	17:12:02	19:32:00	21:47:55	23:54:18	1:35:20	3:03:16
7	4:26:54	6:02:31	7:56:38	10:13:11	12:32:25	14:49:49	17:08:06	19:28:04	21:43:59	23:50:22	1:31:24	2:59:20
8	4:22:58	5:58:35	7:52:42	10:09:15	12:28:29	14:45:53	17:04:10	19:24:08	21:40:03	23:46:26	1:27:28	2:55:24
9	4:19:02	5:54:39	7:48:46	10:05:19	12:24:33	14:41:57	17:00:14	19:20:12	21:36:07	23:42:30	1:23:32	2:51:28
10	4:15:06	5:50:43	7:44:50	10:01:23	12:20:37	14:38:01	16:56:18	19:16:16	21:32:11	23:38:34	1:19:36	2:47:32
11	4:11:10	5:46:47	7:40:54	9:57:27	12:16:41	14:34:05	16:52:22	19:12:20	21:28:15	23:34:38	1:15:40	2:43:36
12	4:07:14	5:42:51	7:36:58	9:53:31	12:12:45	14:30:09	16:48:26	19:08:24	21:24:19	23:30:42	1:11:44	2:39:40
13	4:03:18	5:38:55	7:33:02	9:49:35	12:08:49	14:26:13	16:44:30	19:04:28	21:20:23	23:26:46	1:07:48	2:35:44
14	3:59:22	5:34:59	7:29:06	9:45:39	12:04:53	14:22:17	16:40:34	19:00:32	21:16:27	23:22:50	1:03:52	2:31:48
15	3:55:26	5:31:03	7:25:10	9:41:43	12:00:57	14:18:21	16:36:38	18:56:36	21:12:31	23:18:54	0:59:56	2:27:52
16	3:51:30	5:27:07	7:21:14	9:37:47	11:57:01	14:14:25	16:32:42	18:52:40	21:08:35	23:14:58	0:56:00	2:23:56
17	3:47:34	5:23:11	7:17:18	9:33:51	11:53:05	14:10:29	16:28:46	18:48:44	21:04:39	23:11:02	0:52:04	2:20:00
18	3:43:38	5:19:15	7:13:22	9:29:55	11:49:09	14:06:33	16:24:50	18:44:48	21:00:43	23:07:06	0:48:08	2:16:04
19	3:39:42	5:15:19	7:09:26	9:25:59	11:45:13	14:02:37	16:20:54	18:40:52	20:56:47	23:03:10	0:44:12	2:12:08
20	3:35:46	5:11:23	7:05:30	9:22:03	11:41:17	13:58:41	16:16:58	18:36:56	20:52:51	22:59:14	0:40:16	2:08:12
21	3:31:50	5:07:27	7:01:34	9:18:07	11:37:21	13:54:45	16:13:02	18:33:00	20:48:55	22:55:18	0:36:20	2:04:16
22	3:27:54	5:03:31	6:57:38	9:14:11	11:33:25	13:50:49	16:09:06	18:29:04	20:44:59	22:51:22	0:32:24	2:00:20
23	3:23:58	4:59:35	6:53:42	9:10:15	11:29:29	13:46:53	16:05:10	18:25:08	20:41:03	22:47:26	0:28:28	1:56:24
24	3:20:02	4:55:39	6:49:46	9:06:19	11:25:33	13:42:57	16:01:14	18:21:12	20:37:07	22:43:30	0:24:32	1:52:28
25	3:16:06	4:51:43	6:45:50	9:02:23	11:21:37	13:39:01	15:57:18	18:17:16	20:33:11	22:39:34	0:20:36	1:48:32
26	3:12:10	4:47:47	6:41:54	8:58:27	11:17:41	13:35:05	15:53:22	18:13:20	20:29:15	22:35:38	0:16:40	1:44:36
27	3:08:14	4:43:51	6:37:58	8:54:31	11:13:45	13:31:09	15:49:26	18:09:24	20:25:19	22:31:42	0:12:44	1:40:40
28	3:04:18	4:39:55	6:34:02	8:50:35	11:09:49	13:27:13	15:45:30	18:05:28	20:21:23	22:27:46	0:08:48	1:36:44
29	3:00:22	4:35:59	6:30:06	8:46:39	11:05:53	13:23:17	15:41:34	18:01:32	20:17:27	22:23:50	0:04:52	1:32:48
30	2:56:26	4:32:03	6:26:10	8:42:43	11:01:57	13:19:21	15:37:38	17:57:36	20:13:31	22:19:54	0:00:56	1:28:52
31	2:52:30	4:28:07	6:22:14	8:38:47	10:58:01	13:15:25	15:33:42	17:53:40	20:09:35	22:15:58	23:57:00	1:24:56

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जून मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	2:48:34	4:24:11	6:18:18	8:34:51	10:54:05	13:11:29	15:29:46	17:49:44	20:05:39	22:12:02	23:53:04	1:21:00
2	2:44:38	4:20:15	6:14:22	8:30:55	10:50:09	13:07:33	15:25:50	17:45:48	20:01:43	22:08:06	23:49:08	1:17:04
3	2:40:42	4:16:19	6:10:26	8:26:59	10:46:13	13:03:37	15:21:54	17:41:52	19:57:47	22:04:10	23:45:12	1:13:08
4	2:36:46	4:12:23	6:06:30	8:23:03	10:42:17	12:59:41	15:17:58	17:37:56	19:53:51	22:00:14	23:41:16	1:09:12
5	2:32:50	4:08:27	6:02:34	8:19:07	10:38:21	12:55:45	15:14:02	17:34:00	19:49:55	21:56:18	23:37:20	1:05:16
6	2:28:54	4:04:31	5:58:38	8:15:11	10:34:25	12:51:49	15:10:06	17:30:04	19:45:59	21:52:22	23:33:24	1:01:20
7	2:24:58	4:00:35	5:54:42	8:11:15	10:30:29	12:47:53	15:06:10	17:26:08	19:42:03	21:48:26	23:29:28	0:57:24
8	2:21:02	3:56:39	5:50:46	8:07:19	10:26:33	12:43:57	15:02:14	17:22:12	19:38:07	21:44:30	23:25:32	0:53:28
9	2:17:06	3:52:43	5:46:50	8:03:23	10:22:37	12:40:01	14:58:18	17:18:16	19:34:11	21:40:34	23:21:36	0:49:32
10	2:13:10	3:48:47	5:42:54	7:59:27	10:18:41	12:36:05	14:54:22	17:14:20	19:30:15	21:36:38	23:17:40	0:45:36
11	2:09:14	3:44:51	5:38:58	7:55:31	10:14:45	12:32:09	14:50:26	17:10:24	19:26:19	21:32:42	23:13:44	0:41:40
12	2:05:18	3:40:55	5:35:02	7:51:35	10:10:49	12:28:13	14:46:30	17:06:28	19:22:23	21:28:46	23:09:48	0:37:44
13	2:01:22	3:36:59	5:31:06	7:47:39	10:06:53	12:24:17	14:42:34	17:02:32	19:18:27	21:24:50	23:05:52	0:33:48
14	1:57:26	3:33:03	5:27:10	7:43:43	10:02:57	12:20:21	14:38:38	16:58:36	19:14:31	21:20:54	23:01:56	0:29:52
15	1:53:30	3:29:07	5:23:14	7:39:47	9:59:01	12:16:25	14:34:42	16:54:40	19:10:35	21:16:58	22:58:00	0:25:56
16	1:49:34	3:25:11	5:19:18	7:35:51	9:55:05	12:12:29	14:30:46	16:50:44	19:06:39	21:13:02	22:54:04	0:22:00
17	1:45:38	3:21:15	5:15:22	7:31:55	9:51:09	12:08:33	14:26:50	16:46:48	19:02:43	21:09:06	22:50:08	0:18:04
18	1:41:42	3:17:19	5:11:26	7:27:59	9:47:13	12:04:37	14:22:54	16:42:52	18:58:47	21:05:10	22:46:12	0:14:08
19	1:37:46	3:13:23	5:07:30	7:24:03	9:43:17	12:00:41	14:18:58	16:38:56	18:54:51	21:01:14	22:42:16	0:10:12
20	1:33:50	3:09:27	5:03:34	7:20:07	9:39:21	11:56:45	14:15:02	16:35:00	18:50:55	20:57:18	22:38:20	0:06:16
21	1:29:54	3:05:31	4:59:38	7:16:11	9:35:25	11:52:49	14:11:06	16:31:04	18:46:59	20:53:22	22:34:24	0:02:20
22	1:25:58	3:01:35	4:55:42	7:12:15	9:31:29	11:48:53	14:07:10	16:27:08	18:43:03	20:49:26	22:30:28	23:58:24
23	1:22:02	2:57:39	4:51:46	7:08:19	9:27:33	11:44:57	14:03:14	16:23:12	18:39:07	20:45:30	22:26:32	23:54:28
24	1:18:06	2:53:43	4:47:50	7:04:23	9:23:37	11:41:01	13:59:18	16:19:16	18:35:11	20:41:34	22:22:36	23:50:32
25	1:14:10	2:49:47	4:43:54	7:00:27	9:19:41	11:37:05	13:55:22	16:15:20	18:31:15	20:37:38	22:18:40	23:46:36
26	1:10:14	2:45:51	4:39:58	6:56:31	9:15:45	11:33:09	13:51:26	16:11:24	18:27:19	20:33:42	22:14:44	23:42:40
27	1:06:18	2:41:55	4:36:02	6:52:35	9:11:49	11:29:13	13:47:30	16:07:28	18:23:23	20:29:46	22:10:48	23:38:44
28	1:02:22	2:37:59	4:32:06	6:48:39	9:07:53	11:25:17	13:43:34	16:03:32	18:19:27	20:25:50	22:06:52	23:34:48
29	0:58:26	2:34:03	4:28:10	6:44:43	9:03:57	11:21:21	13:39:38	15:59:36	18:15:31	20:21:54	22:02:56	23:30:52
30	0:54:30	2:30:07	4:24:14	6:40:47	9:00:01	11:17:25	13:35:42	15:55:40	18:11:35	20:17:58	21:59:00	23:26:56

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जुलाई मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	0:50:34	2:26:11	4:20:18	6:36:51	8:56:05	11:13:29	13:31:46	15:51:44	18:07:39	20:14:02	21:55:04	23:23:00
2	0:46:38	2:22:15	4:16:22	6:32:55	8:52:09	11:09:33	13:27:50	15:47:48	18:03:43	20:10:06	21:51:08	23:19:04
3	0:42:42	2:18:19	4:12:26	6:28:59	8:48:13	11:05:37	13:23:54	15:43:52	17:59:47	20:06:10	21:47:12	23:15:08
4	0:38:46	2:14:23	4:08:30	6:25:03	8:44:17	11:01:41	13:19:58	15:39:56	17:55:51	20:02:14	21:43:16	23:11:12
5	0:34:50	2:10:27	4:04:34	6:21:07	8:40:21	10:57:45	13:16:02	15:36:00	17:51:55	19:58:18	21:39:20	23:07:16
6	0:30:54	2:06:31	4:00:38	6:17:11	8:36:25	10:53:49	13:12:06	15:32:04	17:47:59	19:54:22	21:35:24	23:03:20
7	0:26:58	2:02:35	3:56:42	6:13:15	8:32:29	10:49:53	13:08:10	15:28:08	17:44:03	19:50:26	21:31:28	22:59:24
8	0:23:02	1:58:39	3:52:46	6:09:19	8:28:33	10:45:57	13:04:14	15:24:12	17:40:07	19:46:30	21:27:32	22:55:28
9	0:19:06	1:54:43	3:48:50	6:05:23	8:24:37	10:42:01	13:00:18	15:20:16	17:36:11	19:42:34	21:23:36	22:51:32
10	0:15:10	1:50:47	3:44:54	6:01:27	8:20:41	10:38:05	12:56:22	15:16:20	17:32:15	19:38:38	21:19:40	22:47:36
11	0:11:14	1:46:51	3:40:58	5:57:31	8:16:45	10:34:09	12:52:26	15:12:24	17:28:19	19:34:42	21:15:44	22:43:40
12	0:07:18	1:42:55	3:37:02	5:53:35	8:12:49	10:30:13	12:48:30	15:08:28	17:24:23	19:30:46	21:11:48	22:39:44
13	0:03:22	1:38:59	3:33:06	5:49:39	8:08:53	10:26:17	12:44:34	15:04:32	17:20:27	19:26:50	21:07:52	22:35:48
14	23:59:26	1:35:03	3:29:10	5:45:43	8:04:57	10:22:21	12:40:38	15:00:36	17:16:31	19:22:54	21:03:56	22:31:52
15	23:55:30	1:31:07	3:25:14	5:41:47	8:01:01	10:18:25	12:36:42	14:56:40	17:12:35	19:18:58	21:00:00	22:27:56
16	23:51:34	1:27:11	3:21:18	5:37:51	7:57:05	10:14:29	12:32:46	14:52:44	17:08:39	19:15:02	20:56:04	22:24:00
17	23:47:38	1:23:15	3:17:22	5:33:55	7:53:09	10:10:33	12:28:50	14:48:48	17:04:43	19:11:06	20:52:08	22:20:04
18	23:43:42	1:19:19	3:13:26	5:29:59	7:49:13	10:06:37	12:24:54	14:44:52	17:00:47	19:07:10	20:48:12	22:16:08
19	23:39:46	1:15:23	3:09:30	5:26:03	7:45:17	10:02:41	12:20:58	14:40:56	16:56:51	19:03:14	20:44:16	22:12:12
20	23:35:50	1:11:27	3:05:34	5:22:07	7:41:21	9:58:45	12:17:02	14:37:00	16:52:55	18:59:18	20:40:20	22:08:16
21	23:31:54	1:07:31	3:01:38	5:18:11	7:37:25	9:54:49	12:13:06	14:33:04	16:48:59	18:55:22	20:36:24	22:04:20
22	23:27:58	1:03:35	2:57:42	5:14:15	7:33:29	9:50:53	12:09:10	14:29:08	16:45:03	18:51:26	20:32:28	22:00:24
23	23:24:02	0:59:39	2:53:46	5:10:19	7:29:33	9:46:57	12:05:14	14:25:12	16:41:07	18:47:30	20:28:32	21:56:28
24	23:20:06	0:55:43	2:49:50	5:06:23	7:25:37	9:43:01	12:01:18	14:21:16	16:37:11	18:43:34	20:24:36	21:52:32
25	23:16:10	0:51:47	2:45:54	5:02:27	7:21:41	9:39:05	11:57:22	14:17:20	16:33:15	18:39:38	20:20:40	21:48:36
26	23:12:14	0:47:51	2:41:58	4:58:31	7:17:45	9:35:09	11:53:26	14:13:24	16:29:19	18:35:42	20:16:44	21:44:40
27	23:08:18	0:43:55	2:38:02	4:54:35	7:13:49	9:31:13	11:49:30	14:09:28	16:25:23	18:31:46	20:12:48	21:40:44
28	23:04:22	0:39:59	2:34:06	4:50:39	7:09:53	9:27:17	11:45:34	14:05:32	16:21:27	18:27:50	20:08:52	21:36:48
29	23:00:26	0:36:03	2:30:10	4:46:43	7:05:57	9:23:21	11:41:38	14:01:36	16:17:31	18:23:54	20:04:56	21:32:52
30	22:56:30	0:32:07	2:26:14	4:42:47	7:02:01	9:19:25	11:37:42	13:57:40	16:13:35	18:19:58	20:01:00	21:28:56
31	22:52:34	0:28:11	2:22:18	4:38:51	6:58:05	9:15:29	11:33:46	13:53:44	16:09:39	18:16:02	19:57:04	21:25:00

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अगस्त मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	22:48:38	0:24:15	2:18:22	4:34:55	6:54:09	9:11:33	11:29:50	13:49:48	16:05:43	18:12:06	19:53:08	21:21:04
2	22:44:42	0:20:19	2:14:26	4:30:59	6:50:13	9:07:37	11:25:54	13:45:52	16:01:47	18:08:10	19:49:12	21:17:08
3	22:40:46	0:16:23	2:10:30	4:27:03	6:46:17	9:03:41	11:21:58	13:41:56	15:57:51	18:04:14	19:45:16	21:13:12
4	22:36:50	0:12:27	2:06:34	4:23:07	6:42:21	8:59:45	11:18:02	13:38:00	15:53:55	18:00:18	19:41:20	21:09:16
5	22:32:54	0:08:31	2:02:38	4:19:11	6:38:25	8:55:49	11:14:06	13:34:04	15:49:59	17:56:22	19:37:24	21:05:20
6	22:28:58	0:04:35	1:58:42	4:15:15	6:34:29	8:51:53	11:10:10	13:30:08	15:46:03	17:52:26	19:33:28	21:01:24
7	22:25:02	0:00:39	1:54:46	4:11:19	6:30:33	8:47:57	11:06:14	13:26:12	15:42:07	17:48:30	19:29:32	20:57:28
8	22:21:06	23:56:43	1:50:50	4:07:23	6:26:37	8:44:01	11:02:18	13:22:16	15:38:11	17:44:34	19:25:36	20:53:32
9	22:17:10	23:52:47	1:46:54	4:03:27	6:22:41	8:40:05	10:58:22	13:18:20	15:34:15	17:40:38	19:21:40	20:49:36
10	22:13:14	23:48:51	1:42:58	3:59:31	6:18:45	8:36:09	10:54:26	13:14:24	15:30:19	17:36:42	19:17:44	20:45:40
11	22:09:18	23:44:55	1:39:02	3:55:35	6:14:49	8:32:13	10:50:30	13:10:28	15:26:23	17:32:46	19:13:48	20:41:44
12	22:05:22	23:40:59	1:35:06	3:51:39	6:10:53	8:28:17	10:46:34	13:06:32	15:22:27	17:28:50	19:09:52	20:37:48
13	22:01:26	23:37:03	1:31:10	3:47:43	6:06:57	8:24:21	10:42:38	13:02:36	15:18:31	17:24:54	19:05:56	20:33:52
14	21:57:30	23:33:07	1:27:14	3:43:47	6:03:01	8:20:25	10:38:42	12:58:40	15:14:35	17:20:58	19:02:00	20:29:56
15	21:53:34	23:29:11	1:23:18	3:39:51	5:59:05	8:16:29	10:34:46	12:54:44	15:10:39	17:17:02	18:58:04	20:26:00
16	21:49:38	23:25:15	1:19:22	3:35:55	5:55:09	8:12:33	10:30:50	12:50:48	15:06:43	17:13:06	18:54:08	20:22:04
17	21:45:42	23:21:19	1:15:26	3:31:59	5:51:13	8:08:37	10:26:54	12:46:52	15:02:47	17:09:10	18:50:12	20:18:08
18	21:41:46	23:17:23	1:11:30	3:28:03	5:47:17	8:04:41	10:22:58	12:42:56	14:58:51	17:05:14	18:46:16	20:14:12
19	21:37:50	23:13:27	1:07:34	3:24:07	5:43:21	8:00:45	10:19:02	12:39:00	14:54:55	17:01:18	18:42:20	20:10:16
20	21:33:54	23:09:31	1:03:38	3:20:11	5:39:25	7:56:49	10:15:06	12:35:04	14:50:59	16:57:22	18:38:24	20:06:20
21	21:29:58	23:05:35	0:59:42	3:16:15	5:35:29	7:52:53	10:11:10	12:31:08	14:47:03	16:53:26	18:34:28	20:02:24
22	21:26:02	23:01:39	0:55:46	3:12:19	5:31:33	7:48:57	10:07:14	12:27:12	14:43:07	16:49:30	18:30:32	19:58:28
23	21:22:06	22:57:43	0:51:50	3:08:23	5:27:37	7:45:01	10:03:18	12:23:16	14:39:11	16:45:34	18:26:36	19:54:32
24	21:18:10	22:53:47	0:47:54	3:04:27	5:23:41	7:41:05	9:59:22	12:19:20	14:35:15	16:41:38	18:22:40	19:50:36
25	21:14:14	22:49:51	0:43:58	3:00:31	5:19:45	7:37:09	9:55:26	12:15:24	14:31:19	16:37:42	18:18:44	19:46:40
26	21:10:18	22:45:55	0:40:02	2:56:35	5:15:49	7:33:13	9:51:30	12:11:28	14:27:23	16:33:46	18:14:48	19:42:44
27	21:06:22	22:41:59	0:36:06	2:52:39	5:11:53	7:29:17	9:47:34	12:07:32	14:23:27	16:29:50	18:10:52	19:38:48
28	21:02:26	22:38:03	0:32:10	2:48:43	5:07:57	7:25:21	9:43:38	12:03:36	14:19:31	16:25:54	18:06:56	19:34:52
29	20:58:30	22:34:07	0:28:14	2:44:47	5:04:01	7:21:25	9:39:42	11:59:40	14:15:35	16:21:58	18:03:00	19:30:56
30	20:54:34	22:30:11	0:24:18	2:40:51	5:00:05	7:17:29	9:35:46	11:55:44	14:11:39	16:18:02	17:59:04	19:27:00
31	20:50:38	22:26:15	0:20:22	2:36:55	4:56:09	7:13:33	9:31:50	11:51:48	14:07:43	16:14:06	17:55:08	19:23:04

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

सितम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	20:46:42	22:22:19	0:16:26	2:32:59	4:52:13	7:09:37	9:27:54	11:47:52	14:03:47	16:10:10	17:51:12	19:19:08
2	20:42:46	22:18:23	0:12:30	2:29:03	4:48:17	7:05:41	9:23:58	11:43:56	13:59:51	16:06:14	17:47:16	19:15:12
3	20:38:50	22:14:27	0:08:34	2:25:07	4:44:21	7:01:45	9:20:02	11:40:00	13:55:55	16:02:18	17:43:20	19:11:16
4	20:34:54	22:10:31	0:04:38	2:21:11	4:40:25	6:57:49	9:16:06	11:36:04	13:51:59	15:58:22	17:39:24	19:07:20
5	20:30:58	22:06:35	0:00:42	2:17:15	4:36:29	6:53:53	9:12:10	11:32:08	13:48:03	15:54:26	17:35:28	19:03:24
6	20:27:02	22:02:39	23:56:46	2:13:19	4:32:33	6:49:57	9:08:14	11:28:12	13:44:07	15:50:30	17:31:32	18:59:28
7	20:23:06	21:58:43	23:52:50	2:09:23	4:28:37	6:46:01	9:04:18	11:24:16	13:40:11	15:46:34	17:27:36	18:55:32
8	20:19:10	21:54:47	23:48:54	2:05:27	4:24:41	6:42:05	9:00:22	11:20:20	13:36:15	15:42:38	17:23:40	18:51:36
9	20:15:14	21:50:51	23:44:58	2:01:31	4:20:45	6:38:09	8:56:26	11:16:24	13:32:19	15:38:42	17:19:44	18:47:40
10	20:11:18	21:46:55	23:41:02	1:57:35	4:16:49	6:34:13	8:52:30	11:12:28	13:28:23	15:34:46	17:15:48	18:43:44
11	20:07:22	21:42:59	23:37:06	1:53:39	4:12:53	6:30:17	8:48:34	11:08:32	13:24:27	15:30:50	17:11:52	18:39:48
12	20:03:26	21:39:03	23:33:10	1:49:43	4:08:57	6:26:21	8:44:38	11:04:36	13:20:31	15:26:54	17:07:56	18:35:52
13	19:59:30	21:35:07	23:29:14	1:45:47	4:05:01	6:22:25	8:40:42	11:00:40	13:16:35	15:22:58	17:04:00	18:31:56
14	19:55:34	21:31:11	23:25:18	1:41:51	4:01:05	6:18:29	8:36:46	10:56:44	13:12:39	15:19:02	17:00:04	18:28:00
15	19:51:38	21:27:15	23:21:22	1:37:55	3:57:09	6:14:33	8:32:50	10:52:48	13:08:43	15:15:06	16:56:08	18:24:04
16	19:47:42	21:23:19	23:17:26	1:33:59	3:53:13	6:10:37	8:28:54	10:48:52	13:04:47	15:11:10	16:52:12	18:20:08
17	19:43:46	21:19:23	23:13:30	1:30:03	3:49:17	6:06:41	8:24:58	10:44:56	13:00:51	15:07:14	16:48:16	18:16:12
18	19:39:50	21:15:27	23:09:34	1:26:07	3:45:21	6:02:45	8:21:02	10:41:00	12:56:55	15:03:18	16:44:20	18:12:16
19	19:35:54	21:11:31	23:05:38	1:22:11	3:41:25	5:58:49	8:17:06	10:37:04	12:52:59	14:59:22	16:40:24	18:08:20
20	19:31:58	21:07:35	23:01:42	1:18:15	3:37:29	5:54:53	8:13:10	10:33:08	12:49:03	14:55:26	16:36:28	18:04:24
21	19:28:02	21:03:39	22:57:46	1:14:19	3:33:33	5:50:57	8:09:14	10:29:12	12:45:07	14:51:30	16:32:32	18:00:28
22	19:24:06	20:59:43	22:53:50	1:10:23	3:29:37	5:47:01	8:05:18	10:25:16	12:41:11	14:47:34	16:28:36	17:56:32
23	19:20:10	20:55:47	22:49:54	1:06:27	3:25:41	5:43:05	8:01:22	10:21:20	12:37:15	14:43:38	16:24:40	17:52:36
24	19:16:14	20:51:51	22:45:58	1:02:31	3:21:45	5:39:09	7:57:26	10:17:24	12:33:19	14:39:42	16:20:44	17:48:40
25	19:12:18	20:47:55	22:42:02	0:58:35	3:17:49	5:35:13	7:53:30	10:13:28	12:29:23	14:35:46	16:16:48	17:44:44
26	19:08:22	20:43:59	22:38:06	0:54:39	3:13:53	5:31:17	7:49:34	10:09:32	12:25:27	14:31:50	16:12:52	17:40:48
27	19:04:26	20:40:03	22:34:10	0:50:43	3:09:57	5:27:21	7:45:38	10:05:36	12:21:31	14:27:54	16:08:56	17:36:52
28	19:00:30	20:36:07	22:30:14	0:46:47	3:06:01	5:23:25	7:41:42	10:01:40	12:17:35	14:23:58	16:05:00	17:32:56
29	18:56:34	20:32:11	22:26:18	0:42:51	3:02:05	5:19:29	7:37:46	9:57:44	12:13:39	14:20:02	16:01:04	17:29:00
30	18:52:38	20:28:15	22:22:22	0:38:55	2:58:09	5:15:33	7:33:50	9:53:48	12:09:43	14:16:06	15:57:08	17:25:04

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अक्टूबर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	18:48:42	20:24:19	22:18:26	0:34:59	2:54:13	5:11:37	7:29:54	9:49:52	12:05:47	14:12:10	15:53:12	17:21:08
2	18:44:46	20:20:23	22:14:30	0:31:03	2:50:17	5:07:41	7:25:58	9:45:56	12:01:51	14:08:14	15:49:16	17:17:12
3	18:40:50	20:16:27	22:10:34	0:27:07	2:46:21	5:03:45	7:22:02	9:42:00	11:57:55	14:04:18	15:45:20	17:13:16
4	18:36:54	20:12:31	22:06:38	0:23:11	2:42:25	4:59:49	7:18:06	9:38:04	11:53:59	14:00:22	15:41:24	17:09:20
5	18:32:58	20:08:35	22:02:42	0:19:15	2:38:29	4:55:53	7:14:10	9:34:08	11:50:03	13:56:26	15:37:28	17:05:24
6	18:29:02	20:04:39	21:58:46	0:15:19	2:34:33	4:51:57	7:10:14	9:30:12	11:46:07	13:52:30	15:33:32	17:01:28
7	18:25:06	20:00:43	21:54:50	0:11:23	2:30:37	4:48:01	7:06:18	9:26:16	11:42:11	13:48:34	15:29:36	16:57:32
8	18:21:10	19:56:47	21:50:54	0:07:27	2:26:41	4:44:05	7:02:22	9:22:20	11:38:15	13:44:38	15:25:40	16:53:36
9	18:17:14	19:52:51	21:46:58	0:03:31	2:22:45	4:40:09	6:58:26	9:18:24	11:34:19	13:40:42	15:21:44	16:49:40
10	18:13:18	19:48:55	21:43:02	23:59:35	2:18:49	4:36:13	6:54:30	9:14:28	11:30:23	13:36:46	15:17:48	16:45:44
11	18:09:22	19:44:59	21:39:06	23:55:39	2:14:53	4:32:17	6:50:34	9:10:32	11:26:27	13:32:50	15:13:52	16:41:48
12	18:05:26	19:41:03	21:35:10	23:51:43	2:10:57	4:28:21	6:46:38	9:06:36	11:22:31	13:28:54	15:09:56	16:37:52
13	18:01:30	19:37:07	21:31:14	23:47:47	2:07:01	4:24:25	6:42:42	9:02:40	11:18:35	13:24:58	15:06:00	16:33:56
14	17:57:34	19:33:11	21:27:18	23:43:51	2:03:05	4:20:29	6:38:46	8:58:44	11:14:39	13:21:02	15:02:04	16:30:00
15	17:53:38	19:29:15	21:23:22	23:39:55	1:59:09	4:16:33	6:34:50	8:54:48	11:10:43	13:17:06	14:58:08	16:26:04
16	17:49:42	19:25:19	21:19:26	23:35:59	1:55:13	4:12:37	6:30:54	8:50:52	11:06:47	13:13:10	14:54:12	16:22:08
17	17:45:46	19:21:23	21:15:30	23:32:03	1:51:17	4:08:41	6:26:58	8:46:56	11:02:51	13:09:14	14:50:16	16:18:12
18	17:41:50	19:17:27	21:11:34	23:28:07	1:47:21	4:04:45	6:23:02	8:43:00	10:58:55	13:05:18	14:46:20	16:14:16
19	17:37:54	19:13:31	21:07:38	23:24:11	1:43:25	4:00:49	6:19:06	8:39:04	10:54:59	13:01:22	14:42:24	16:10:20
20	17:33:58	19:09:35	21:03:42	23:20:15	1:39:29	3:56:53	6:15:10	8:35:08	10:51:03	12:57:26	14:38:28	16:06:24
21	17:30:02	19:05:39	20:59:46	23:16:19	1:35:33	3:52:57	6:11:14	8:31:12	10:47:07	12:53:30	14:34:32	16:02:28
22	17:26:06	19:01:43	20:55:50	23:12:23	1:31:37	3:49:01	6:07:18	8:27:16	10:43:11	12:49:34	14:30:36	15:58:32
23	17:22:10	18:57:47	20:51:54	23:08:27	1:27:41	3:45:05	6:03:22	8:23:20	10:39:15	12:45:38	14:26:40	15:54:36
24	17:18:14	18:53:51	20:47:58	23:04:31	1:23:45	3:41:09	5:59:26	8:19:24	10:35:19	12:41:42	14:22:44	15:50:40
25	17:14:18	18:49:55	20:44:02	23:00:35	1:19:49	3:37:13	5:55:30	8:15:28	10:31:23	12:37:46	14:18:48	15:46:44
26	17:10:22	18:45:59	20:40:06	22:56:39	1:15:53	3:33:17	5:51:34	8:11:32	10:27:27	12:33:50	14:14:52	15:42:48
27	17:06:26	18:42:03	20:36:10	22:52:43	1:11:57	3:29:21	5:47:38	8:07:36	10:23:31	12:29:54	14:10:56	15:38:52
28	17:02:30	18:38:07	20:32:14	22:48:47	1:08:01	3:25:25	5:43:42	8:03:40	10:19:35	12:25:58	14:07:00	15:34:56
29	16:58:34	18:34:11	20:28:18	22:44:51	1:04:05	3:21:29	5:39:46	7:59:44	10:15:39	12:22:02	14:03:04	15:31:00
30	16:54:38	18:30:15	20:24:22	22:40:55	1:00:09	3:17:33	5:35:50	7:55:48	10:11:43	12:18:06	13:59:08	15:27:04
31	16:50:42	18:26:19	20:20:26	22:36:59	0:56:13	3:13:37	5:31:54	7:51:52	10:07:47	12:14:10	13:55:12	15:23:08

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

नवम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	16:46:46	18:22:23	20:16:30	22:33:03	0:52:17	3:09:41	5:27:58	7:47:56	10:03:51	12:10:14	13:51:16	15:19:12
2	16:42:50	18:18:27	20:12:34	22:29:07	0:48:21	3:05:45	5:24:02	7:44:00	9:59:55	12:06:18	13:47:20	15:15:16
3	16:38:54	18:14:31	20:08:38	22:25:11	0:44:25	3:01:49	5:20:06	7:40:04	9:55:59	12:02:22	13:43:24	15:11:20
4	16:34:58	18:10:35	20:04:42	22:21:15	0:40:29	2:57:53	5:16:10	7:36:08	9:52:03	11:58:26	13:39:28	15:07:24
5	16:31:02	18:06:39	20:00:46	22:17:19	0:36:33	2:53:57	5:12:14	7:32:12	9:48:07	11:54:30	13:35:32	15:03:28
6	16:27:06	18:02:43	19:56:50	22:13:23	0:32:37	2:50:01	5:08:18	7:28:16	9:44:11	11:50:34	13:31:36	14:59:32
7	16:23:10	17:58:47	19:52:54	22:09:27	0:28:41	2:46:05	5:04:22	7:24:20	9:40:15	11:46:38	13:27:40	14:55:36
8	16:19:14	17:54:51	19:48:58	22:05:31	0:24:45	2:42:09	5:00:26	7:20:24	9:36:19	11:42:42	13:23:44	14:51:40
9	16:15:18	17:50:55	19:45:02	22:01:35	0:20:49	2:38:13	4:56:30	7:16:28	9:32:23	11:38:46	13:19:48	14:47:44
10	16:11:22	17:46:59	19:41:06	21:57:39	0:16:53	2:34:17	4:52:34	7:12:32	9:28:27	11:34:50	13:15:52	14:43:48
11	16:07:26	17:43:03	19:37:10	21:53:43	0:12:57	2:30:21	4:48:38	7:08:36	9:24:31	11:30:54	13:11:56	14:39:52
12	16:03:30	17:39:07	19:33:14	21:49:47	0:09:01	2:26:25	4:44:42	7:04:40	9:20:35	11:26:58	13:08:00	14:35:56
13	15:59:34	17:35:11	19:29:18	21:45:51	0:05:05	2:22:29	4:40:46	7:00:44	9:16:39	11:23:02	13:04:04	14:32:00
14	15:55:38	17:31:15	19:25:22	21:41:55	0:01:09	2:18:33	4:36:50	6:56:48	9:12:43	11:19:06	13:00:08	14:28:04
15	15:51:42	17:27:19	19:21:26	21:37:59	23:57:13	2:14:37	4:32:54	6:52:52	9:08:47	11:15:10	12:56:12	14:24:08
16	15:47:46	17:23:23	19:17:30	21:34:03	23:53:17	2:10:41	4:28:58	6:48:56	9:04:51	11:11:14	12:52:16	14:20:12
17	15:43:50	17:19:27	19:13:34	21:30:07	23:49:21	2:06:45	4:25:02	6:45:00	9:00:55	11:07:18	12:48:20	14:16:16
18	15:39:54	17:15:31	19:09:38	21:26:11	23:45:25	2:02:49	4:21:06	6:41:04	8:56:59	11:03:22	12:44:24	14:12:20
19	15:35:58	17:11:35	19:05:42	21:22:15	23:41:29	1:58:53	4:17:10	6:37:08	8:53:03	10:59:26	12:40:28	14:08:24
20	15:32:02	17:07:39	19:01:46	21:18:19	23:37:33	1:54:57	4:13:14	6:33:12	8:49:07	10:55:30	12:36:32	14:04:28
21	15:28:06	17:03:43	18:57:50	21:14:23	23:33:37	1:51:01	4:09:18	6:29:16	8:45:11	10:51:34	12:32:36	14:00:32
22	15:24:10	16:59:47	18:53:54	21:10:27	23:29:41	1:47:05	4:05:22	6:25:20	8:41:15	10:47:38	12:28:40	13:56:36
23	15:20:14	16:55:51	18:49:58	21:06:31	23:25:45	1:43:09	4:01:26	6:21:24	8:37:19	10:43:42	12:24:44	13:52:40
24	15:16:18	16:51:55	18:46:02	21:02:35	23:21:49	1:39:13	3:57:30	6:17:28	8:33:23	10:39:46	12:20:48	13:48:44
25	15:12:22	16:47:59	18:42:06	20:58:39	23:17:53	1:35:17	3:53:34	6:13:32	8:29:27	10:35:50	12:16:52	13:44:48
26	15:08:26	16:44:03	18:38:10	20:54:43	23:13:57	1:31:21	3:49:38	6:09:36	8:25:31	10:31:54	12:12:56	13:40:52
27	15:04:30	16:40:07	18:34:14	20:50:47	23:10:01	1:27:25	3:45:42	6:05:40	8:21:35	10:27:58	12:09:00	13:36:56
28	15:00:34	16:36:11	18:30:18	20:46:51	23:06:05	1:23:29	3:41:46	6:01:44	8:17:39	10:24:02	12:05:04	13:33:00
29	14:56:38	16:32:15	18:26:22	20:42:55	23:02:09	1:19:33	3:37:50	5:57:48	8:13:43	10:20:06	12:01:08	13:29:04
30	14:52:42	16:28:19	18:22:26	20:38:59	22:58:13	1:15:37	3:33:54	5:53:52	8:09:47	10:16:10	11:57:12	13:25:08

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

दिसम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	14:48:46	16:24:23	18:18:30	20:35:03	22:54:17	1:11:41	3:29:58	5:49:56	8:05:51	10:12:14	11:53:16	13:21:12
2	14:44:50	16:20:27	18:14:34	20:31:07	22:50:21	1:07:45	3:26:02	5:46:00	8:01:55	10:08:18	11:49:20	13:17:16
3	14:40:54	16:16:31	18:10:38	20:27:11	22:46:25	1:03:49	3:22:06	5:42:04	7:57:59	10:04:22	11:45:24	13:13:20
4	14:36:58	16:12:35	18:06:42	20:23:15	22:42:29	0:59:53	3:18:10	5:38:08	7:54:03	10:00:26	11:41:28	13:09:24
5	14:33:02	16:08:39	18:02:46	20:19:19	22:38:33	0:55:57	3:14:14	5:34:12	7:50:07	9:56:30	11:37:32	13:05:28
6	14:29:06	16:04:43	17:58:50	20:15:23	22:34:37	0:52:01	3:10:18	5:30:16	7:46:11	9:52:34	11:33:36	13:01:32
7	14:25:10	16:00:47	17:54:54	20:11:27	22:30:41	0:48:05	3:06:22	5:26:20	7:42:15	9:48:38	11:29:40	12:57:36
8	14:21:14	15:56:51	17:50:58	20:07:31	22:26:45	0:44:09	3:02:26	5:22:24	7:38:19	9:44:42	11:25:44	12:53:40
9	14:17:18	15:52:55	17:47:02	20:03:35	22:22:49	0:40:13	2:58:30	5:18:28	7:34:23	9:40:46	11:21:48	12:49:44
10	14:13:22	15:48:59	17:43:06	19:59:39	22:18:53	0:36:17	2:54:34	5:14:32	7:30:27	9:36:50	11:17:52	12:45:48
11	14:09:26	15:45:03	17:39:10	19:55:43	22:14:57	0:32:21	2:50:38	5:10:36	7:26:31	9:32:54	11:13:56	12:41:52
12	14:05:30	15:41:07	17:35:14	19:51:47	22:11:01	0:28:25	2:46:42	5:06:40	7:22:35	9:28:58	11:10:00	12:37:56
13	14:01:34	15:37:11	17:31:18	19:47:51	22:07:05	0:24:29	2:42:46	5:02:44	7:18:39	9:25:02	11:06:04	12:34:00
14	13:57:38	15:33:15	17:27:22	19:43:55	22:03:09	0:20:33	2:38:50	4:58:48	7:14:43	9:21:06	11:02:08	12:30:04
15	13:53:42	15:29:19	17:23:26	19:39:59	21:59:13	0:16:37	2:34:54	4:54:52	7:10:47	9:17:10	10:58:12	12:26:08
16	13:49:46	15:25:23	17:19:30	19:36:03	21:55:17	0:12:41	2:30:58	4:50:56	7:06:51	9:13:14	10:54:16	12:22:12
17	13:45:50	15:21:27	17:15:34	19:32:07	21:51:21	0:08:45	2:27:02	4:47:00	7:02:55	9:09:18	10:50:20	12:18:16
18	13:41:54	15:17:31	17:11:38	19:28:11	21:47:25	0:04:49	2:23:06	4:43:04	6:58:59	9:05:22	10:46:24	12:14:20
19	13:37:58	15:13:35	17:07:42	19:24:15	21:43:29	0:00:53	2:19:10	4:39:08	6:55:03	9:01:26	10:42:28	12:10:24
20	13:34:02	15:09:39	17:03:46	19:20:19	21:39:33	23:56:57	2:15:14	4:35:12	6:51:07	8:57:30	10:38:32	12:06:28
21	13:30:06	15:05:43	16:59:50	19:16:23	21:35:37	23:53:01	2:11:18	4:31:16	6:47:11	8:53:34	10:34:36	12:02:32
22	13:26:10	15:01:47	16:55:54	19:12:27	21:31:41	23:49:05	2:07:22	4:27:20	6:43:15	8:49:38	10:30:40	11:58:36
23	13:22:14	14:57:51	16:51:58	19:08:31	21:27:45	23:45:09	2:03:26	4:23:24	6:39:19	8:45:42	10:26:44	11:54:40
24	13:18:18	14:53:55	16:48:02	19:04:35	21:23:49	23:41:13	1:59:30	4:19:28	6:35:23	8:41:46	10:22:48	11:50:44
25	13:14:22	14:49:59	16:44:06	19:00:39	21:19:53	23:37:17	1:55:34	4:15:32	6:31:27	8:37:50	10:18:52	11:46:48
26	13:10:26	14:46:03	16:40:10	18:56:43	21:15:57	23:33:21	1:51:38	4:11:36	6:27:31	8:33:54	10:14:56	11:42:52
27	13:06:30	14:42:07	16:36:14	18:52:47	21:12:01	23:29:25	1:47:42	4:07:40	6:23:35	8:29:58	10:11:00	11:38:56
28	13:02:34	14:38:11	16:32:18	18:48:51	21:08:05	23:25:29	1:43:46	4:03:44	6:19:39	8:26:02	10:07:04	11:35:00
29	12:58:38	14:34:15	16:28:22	18:44:55	21:04:09	23:21:33	1:39:50	3:59:48	6:15:43	8:22:06	10:03:08	11:31:04
30	12:54:42	14:30:19	16:24:26	18:40:59	21:00:13	23:17:37	1:35:54	3:55:52	6:11:47	8:18:10	9:59:12	11:27:08
31	12:50:46	14:26:23	16:20:30	18:37:03	20:56:17	23:13:41	1:31:58	3:51:56	6:07:51	8:14:14	9:55:16	11:23:12

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जनवरी मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	12:46:50	14:22:27	16:16:34	18:33:07	20:52:21	23:09:45	1:28:02	3:48:00	6:03:55	8:10:18	9:51:20	11:19:16
2	12:42:54	14:18:31	16:12:38	18:29:11	20:48:25	23:05:49	1:24:06	3:44:04	5:59:59	8:06:22	9:47:24	11:15:20
3	12:38:58	14:14:35	16:08:42	18:25:15	20:44:29	23:01:53	1:20:10	3:40:08	5:56:03	8:02:26	9:43:28	11:11:24
4	12:35:02	14:10:39	16:04:46	18:21:19	20:40:33	22:57:57	1:16:14	3:36:12	5:52:07	7:58:30	9:39:32	11:07:28
5	12:31:06	14:06:43	16:00:50	18:17:23	20:36:37	22:54:01	1:12:18	3:32:16	5:48:11	7:54:34	9:35:36	11:03:32
6	12:27:10	14:02:47	15:56:54	18:13:27	20:32:41	22:50:05	1:08:22	3:28:20	5:44:15	7:50:38	9:31:40	10:59:36
7	12:23:14	13:58:51	15:52:58	18:09:31	20:28:45	22:46:09	1:04:26	3:24:24	5:40:19	7:46:42	9:27:44	10:55:40
8	12:19:18	13:54:55	15:49:02	18:05:35	20:24:49	22:42:13	1:00:30	3:20:28	5:36:23	7:42:46	9:23:48	10:51:44
9	12:15:22	13:50:59	15:45:06	18:01:39	20:20:53	22:38:17	0:56:34	3:16:32	5:32:27	7:38:50	9:19:52	10:47:48
10	12:11:26	13:47:03	15:41:10	17:57:43	20:16:57	22:34:21	0:52:38	3:12:36	5:28:31	7:34:54	9:15:56	10:43:52
11	12:07:30	13:43:07	15:37:14	17:53:47	20:13:01	22:30:25	0:48:42	3:08:40	5:24:35	7:30:58	9:12:00	10:39:56
12	12:03:34	13:39:11	15:33:18	17:49:51	20:09:05	22:26:29	0:44:46	3:04:44	5:20:39	7:27:02	9:08:04	10:36:00
13	11:59:38	13:35:15	15:29:22	17:45:55	20:05:09	22:22:33	0:40:50	3:00:48	5:16:43	7:23:06	9:04:08	10:32:04
14	11:55:42	13:31:19	15:25:26	17:41:59	20:01:13	22:18:37	0:36:54	2:56:52	5:12:47	7:19:10	9:00:12	10:28:08
15	11:51:46	13:27:23	15:21:30	17:38:03	19:57:17	22:14:41	0:32:58	2:52:56	5:08:51	7:15:14	8:56:16	10:24:12
16	11:47:50	13:23:27	15:17:34	17:34:07	19:53:21	22:10:45	0:29:02	2:49:00	5:04:55	7:11:18	8:52:20	10:20:16
17	11:43:54	13:19:31	15:13:38	17:30:11	19:49:25	22:06:49	0:25:06	2:45:04	5:00:59	7:07:22	8:48:24	10:16:20
18	11:39:58	13:15:35	15:09:42	17:26:15	19:45:29	22:02:53	0:21:10	2:41:08	4:57:03	7:03:26	8:44:28	10:12:24
19	11:36:02	13:11:39	15:05:46	17:22:19	19:41:33	21:58:57	0:17:14	2:37:12	4:53:07	6:59:30	8:40:32	10:08:28
20	11:32:06	13:07:43	15:01:50	17:18:23	19:37:37	21:55:01	0:13:18	2:33:16	4:49:11	6:55:34	8:36:36	10:04:32
21	11:28:10	13:03:47	14:57:54	17:14:27	19:33:41	21:51:05	0:09:22	2:29:20	4:45:15	6:51:38	8:32:40	10:00:36
22	11:24:14	12:59:51	14:53:58	17:10:31	19:29:45	21:47:09	0:05:26	2:25:24	4:41:19	6:47:42	8:28:44	9:56:40
23	11:20:18	12:55:55	14:50:02	17:06:35	19:25:49	21:43:13	0:01:30	2:21:28	4:37:23	6:43:46	8:24:48	9:52:44
24	11:16:22	12:51:59	14:46:06	17:02:39	19:21:53	21:39:17	23:57:34	2:17:32	4:33:27	6:39:50	8:20:52	9:48:48
25	11:12:26	12:48:03	14:42:10	16:58:43	19:17:57	21:35:21	23:53:38	2:13:36	4:29:31	6:35:54	8:16:56	9:44:52
26	11:08:30	12:44:07	14:38:14	16:54:47	19:14:01	21:31:25	23:49:42	2:09:40	4:25:35	6:31:58	8:13:00	9:40:56
27	11:04:34	12:40:11	14:34:18	16:50:51	19:10:05	21:27:29	23:45:46	2:05:44	4:21:39	6:28:02	8:09:04	9:37:00
28	11:00:38	12:36:15	14:30:22	16:46:55	19:06:09	21:23:33	23:41:50	2:01:48	4:17:43	6:24:06	8:05:08	9:33:04
29	10:56:42	12:32:19	14:26:26	16:42:59	19:02:13	21:19:37	23:37:54	1:57:52	4:13:47	6:20:10	8:01:12	9:29:08
30	10:52:46	12:28:23	14:22:30	16:39:03	18:58:17	21:15:41	23:33:58	1:53:56	4:09:51	6:16:14	7:57:16	9:25:12
31	10:48:50	12:24:27	14:18:34	16:35:07	18:54:21	21:11:45	23:30:02	1:50:00	4:05:55	6:12:18	7:53:20	9:21:16

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

फरवरी मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	10:44:54	12:20:31	14:14:38	16:31:11	18:50:25	21:07:49	23:26:06	1:46:04	4:01:59	6:08:22	7:49:24	9:17:20
2	10:40:58	12:16:35	14:10:42	16:27:15	18:46:29	21:03:53	23:22:10	1:42:08	3:58:03	6:04:26	7:45:28	9:13:24
3	10:37:02	12:12:39	14:06:46	16:23:19	18:42:33	20:59:57	23:18:14	1:38:12	3:54:07	6:00:30	7:41:32	9:09:28
4	10:33:06	12:08:43	14:02:50	16:19:23	18:38:37	20:56:01	23:14:18	1:34:16	3:50:11	5:56:34	7:37:36	9:05:32
5	10:29:10	12:04:47	13:58:54	16:15:27	18:34:41	20:52:05	23:10:22	1:30:20	3:46:15	5:52:38	7:33:40	9:01:36
6	10:25:14	12:00:51	13:54:58	16:11:31	18:30:45	20:48:09	23:06:26	1:26:24	3:42:19	5:48:42	7:29:44	8:57:40
7	10:21:18	11:56:55	13:51:02	16:07:35	18:26:49	20:44:13	23:02:30	1:22:28	3:38:23	5:44:46	7:25:48	8:53:44
8	10:17:22	11:52:59	13:47:06	16:03:39	18:22:53	20:40:17	22:58:34	1:18:32	3:34:27	5:40:50	7:21:52	8:49:48
9	10:13:26	11:49:03	13:43:10	15:59:43	18:18:57	20:36:21	22:54:38	1:14:36	3:30:31	5:36:54	7:17:56	8:45:52
10	10:09:30	11:45:07	13:39:14	15:55:47	18:15:01	20:32:25	22:50:42	1:10:40	3:26:35	5:32:58	7:14:00	8:41:56
11	10:05:34	11:41:11	13:35:18	15:51:51	18:11:05	20:28:29	22:46:46	1:06:44	3:22:39	5:29:02	7:10:04	8:38:00
12	10:01:38	11:37:15	13:31:22	15:47:55	18:07:09	20:24:33	22:42:50	1:02:48	3:18:43	5:25:06	7:06:08	8:34:04
13	9:57:42	11:33:19	13:27:26	15:43:59	18:03:13	20:20:37	22:38:54	0:58:52	3:14:47	5:21:10	7:02:12	8:30:08
14	9:53:46	11:29:23	13:23:30	15:40:03	17:59:17	20:16:41	22:34:58	0:54:56	3:10:51	5:17:14	6:58:16	8:26:12
15	9:49:50	11:25:27	13:19:34	15:36:07	17:55:21	20:12:45	22:31:02	0:51:00	3:06:55	5:13:18	6:54:20	8:22:16
16	9:45:54	11:21:31	13:15:38	15:32:11	17:51:25	20:08:49	22:27:06	0:47:04	3:02:59	5:09:22	6:50:24	8:18:20
17	9:41:58	11:17:35	13:11:42	15:28:15	17:47:29	20:04:53	22:23:10	0:43:08	2:59:03	5:05:26	6:46:28	8:14:24
18	9:38:02	11:13:39	13:07:46	15:24:19	17:43:33	20:00:57	22:19:14	0:39:12	2:55:07	5:01:30	6:42:32	8:10:28
19	9:34:06	11:09:43	13:03:50	15:20:23	17:39:37	19:57:01	22:15:18	0:35:16	2:51:11	4:57:34	6:38:36	8:06:32
20	9:30:10	11:05:47	12:59:54	15:16:27	17:35:41	19:53:05	22:11:22	0:31:20	2:47:15	4:53:38	6:34:40	8:02:36
21	9:26:14	11:01:51	12:55:58	15:12:31	17:31:45	19:49:09	22:07:26	0:27:24	2:43:19	4:49:42	6:30:44	7:58:40
22	9:22:18	10:57:55	12:52:02	15:08:35	17:27:49	19:45:13	22:03:30	0:23:28	2:39:23	4:45:46	6:26:48	7:54:44
23	9:18:22	10:53:59	12:48:06	15:04:39	17:23:53	19:41:17	21:59:34	0:19:32	2:35:27	4:41:50	6:22:52	7:50:48
24	9:14:26	10:50:03	12:44:10	15:00:43	17:19:57	19:37:21	21:55:38	0:15:36	2:31:31	4:37:54	6:18:56	7:46:52
25	9:10:30	10:46:07	12:40:14	14:56:47	17:16:01	19:33:25	21:51:42	0:11:40	2:27:35	4:33:58	6:15:00	7:42:56
26	9:06:34	10:42:11	12:36:18	14:52:51	17:12:05	19:29:29	21:47:46	0:07:44	2:23:39	4:30:02	6:11:04	7:39:00
27	9:02:38	10:38:15	12:32:22	14:48:55	17:08:09	19:25:33	21:43:50	0:03:48	2:19:43	4:26:06	6:07:08	7:35:04
28	8:58:42	10:34:19	12:28:26	14:44:59	17:04:13	19:21:37	21:39:54	23:59:52	2:15:47	4:22:10	6:03:12	7:31:08

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

मार्च मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	8:54:46	10:30:23	12:24:30	14:41:03	17:00:17	19:17:41	21:35:58	23:55:56	2:11:51	4:18:14	5:59:16	7:27:12
2	8:50:50	10:26:27	12:20:34	14:37:07	16:56:21	19:13:45	21:32:02	23:52:00	2:07:55	4:14:18	5:55:20	7:23:16
3	8:46:54	10:22:31	12:16:38	14:33:11	16:52:25	19:09:49	21:28:06	23:48:04	2:03:59	4:10:22	5:51:24	7:19:20
4	8:42:58	10:18:35	12:12:42	14:29:15	16:48:29	19:05:53	21:24:10	23:44:08	2:00:03	4:06:26	5:47:28	7:15:24
5	8:39:02	10:14:39	12:08:46	14:25:19	16:44:33	19:01:57	21:20:14	23:40:12	1:56:07	4:02:30	5:43:32	7:11:28
6	8:35:06	10:10:43	12:04:50	14:21:23	16:40:37	18:58:01	21:16:18	23:36:16	1:52:11	3:58:34	5:39:36	7:07:32
7	8:31:10	10:06:47	12:00:54	14:17:27	16:36:41	18:54:05	21:12:22	23:32:20	1:48:15	3:54:38	5:35:40	7:03:36
8	8:27:14	10:02:51	11:56:58	14:13:31	16:32:45	18:50:09	21:08:26	23:28:24	1:44:19	3:50:42	5:31:44	6:59:40
9	8:23:18	9:58:55	11:53:02	14:09:35	16:28:49	18:46:13	21:04:30	23:24:28	1:40:23	3:46:46	5:27:48	6:55:44
10	8:19:22	9:54:59	11:49:06	14:05:39	16:24:53	18:42:17	21:00:34	23:20:32	1:36:27	3:42:50	5:23:52	6:51:48
11	8:15:26	9:51:03	11:45:10	14:01:43	16:20:57	18:38:21	20:56:38	23:16:36	1:32:31	3:38:54	5:19:56	6:47:52
12	8:11:30	9:47:07	11:41:14	13:57:47	16:17:01	18:34:25	20:52:42	23:12:40	1:28:35	3:34:58	5:16:00	6:43:56
13	8:07:34	9:43:11	11:37:18	13:53:51	16:13:05	18:30:29	20:48:46	23:08:44	1:24:39	3:31:02	5:12:04	6:40:00
14	8:03:38	9:39:15	11:33:22	13:49:55	16:09:09	18:26:33	20:44:50	23:04:48	1:20:43	3:27:06	5:08:08	6:36:04
15	7:59:42	9:35:19	11:29:26	13:45:59	16:05:13	18:22:37	20:40:54	23:00:52	1:16:47	3:23:10	5:04:12	6:32:08
16	7:55:46	9:31:23	11:25:30	13:42:03	16:01:17	18:18:41	20:36:58	22:56:56	1:12:51	3:19:14	5:00:16	6:28:12
17	7:51:50	9:27:27	11:21:34	13:38:07	15:57:21	18:14:45	20:33:02	22:53:00	1:08:55	3:15:18	4:56:20	6:24:16
18	7:47:54	9:23:31	11:17:38	13:34:11	15:53:25	18:10:49	20:29:06	22:49:04	1:04:59	3:11:22	4:52:24	6:20:20
19	7:43:58	9:19:35	11:13:42	13:30:15	15:49:29	18:06:53	20:25:10	22:45:08	1:01:03	3:07:26	4:48:28	6:16:24
20	7:40:02	9:15:39	11:09:46	13:26:19	15:45:33	18:02:57	20:21:14	22:41:12	0:57:07	3:03:30	4:44:32	6:12:28
21	7:36:06	9:11:43	11:05:50	13:22:23	15:41:37	17:59:01	20:17:18	22:37:16	0:53:11	2:59:34	4:40:36	6:08:32
22	7:32:10	9:07:47	11:01:54	13:18:27	15:37:41	17:55:05	20:13:22	22:33:20	0:49:15	2:55:38	4:36:40	6:04:36
23	7:28:14	9:03:51	10:57:58	13:14:31	15:33:45	17:51:09	20:09:26	22:29:24	0:45:19	2:51:42	4:32:44	6:00:40
24	7:24:18	8:59:55	10:54:02	13:10:35	15:29:49	17:47:13	20:05:30	22:25:28	0:41:23	2:47:46	4:28:48	5:56:44
25	7:20:22	8:55:59	10:50:06	13:06:39	15:25:53	17:43:17	20:01:34	22:21:32	0:37:27	2:43:50	4:24:52	5:52:48
26	7:16:26	8:52:03	10:46:10	13:02:43	15:21:57	17:39:21	19:57:38	22:17:36	0:33:31	2:39:54	4:20:56	5:48:52
27	7:12:30	8:48:07	10:42:14	12:58:47	15:18:01	17:35:25	19:53:42	22:13:40	0:29:35	2:35:58	4:17:00	5:44:56
28	7:08:34	8:44:11	10:38:18	12:54:51	15:14:05	17:31:29	19:49:46	22:09:44	0:25:39	2:32:02	4:13:04	5:41:00
29	7:04:38	8:40:15	10:34:22	12:50:55	15:10:09	17:27:33	19:45:50	22:05:48	0:21:43	2:28:06	4:09:08	5:37:04
30	7:00:42	8:36:19	10:30:26	12:46:59	15:06:13	17:23:37	19:41:54	22:01:52	0:17:47	2:24:10	4:05:12	5:33:08
31	6:56:46	8:32:23	10:26:30	12:43:03	15:02:17	17:19:41	19:37:58	21:57:56	0:13:51	2:20:14	4:01:16	5:29:12

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

लग्न सारिणी -दिल्ली,अक्षांश 28/39/00, पलभा 06/33/22 अयनांश 24/03/00,गाजियाबाद, गुड़गॉव, रोहतक, मेरठ आदि

राशि / अंश	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
0	02:50:45	06:50:57	11:40:21	17:15:33	23:05:09	28:51:21	34:36:21	40:26:09	46:11:33	51:20:21	55:37:57	59:17:45
1	02:57:51	06:59:11	11:50:21	17:27:01	23:16:51	29:02:51	34:47:51	40:37:51	46:23:01	51:30:21	55:46:11	59:24:51
2	03:04:57	07:07:25	12:00:21	17:38:29	23:28:33	29:14:21	34:59:21	40:49:33	46:34:29	51:40:21	55:54:25	59:31:57
3	03:12:03	07:15:39	12:10:21	17:49:57	23:40:15	29:25:51	35:10:51	41:01:15	46:45:57	51:50:21	56:02:39	59:39:03
4	03:19:09	07:23:53	12:20:21	18:01:25	23:51:57	29:37:21	35:22:21	41:12:57	46:57:25	52:00:21	56:10:53	59:46:09
5	03:26:15	07:32:07	12:30:21	18:12:53	24:03:39	29:48:51	35:33:51	41:24:39	47:08:53	52:10:21	56:19:07	59:53:15
6	03:33:21	07:40:21	12:40:21	18:24:21	24:15:21	30:00:21	35:45:21	41:36:21	47:20:21	52:20:21	56:27:21	00:00:21
7	03:41:35	07:50:21	12:51:49	18:36:03	24:26:51	30:11:51	35:57:03	41:47:49	47:30:21	52:28:35	56:34:27	00:07:27
8	03:49:49	08:00:21	13:03:17	18:47:45	24:38:21	30:23:21	36:08:45	41:59:17	47:40:21	52:36:49	56:41:33	00:14:33
9	03:58:03	08:10:21	13:14:45	18:59:27	24:49:51	30:34:51	36:20:27	42:10:45	47:50:21	52:45:03	56:48:39	00:21:39
10	04:06:17	08:20:21	13:26:13	19:11:09	25:01:21	30:46:21	36:32:09	42:22:13	48:00:21	52:53:17	56:55:45	00:28:45
11	04:14:31	08:30:21	13:37:41	19:22:51	25:12:51	30:57:51	36:43:51	42:33:41	48:10:21	53:01:31	57:02:51	00:35:51
12	04:22:45	08:40:21	13:49:09	19:34:33	25:24:21	31:09:21	36:55:33	42:45:09	48:20:21	53:09:45	57:09:57	00:42:57
13	04:30:59	08:50:21	14:00:37	19:46:15	25:35:51	31:20:51	37:07:15	42:56:37	48:30:21	53:17:59	57:17:03	00:50:03
14	04:39:13	09:00:21	14:12:05	19:57:57	25:47:21	31:32:21	37:18:57	43:08:05	48:40:21	53:26:13	57:24:09	00:57:09
15	04:47:27	09:10:21	14:23:33	20:09:39	25:58:51	31:43:51	37:30:39	43:19:33	48:50:21	53:34:27	57:31:15	01:04:15
16	04:55:41	09:20:21	14:35:01	20:21:21	26:10:21	31:55:21	37:42:21	43:31:01	49:00:21	53:42:41	57:38:21	01:11:21
17	05:03:55	09:30:21	14:46:29	20:33:03	26:21:51	32:06:51	37:54:03	43:42:29	49:10:21	53:50:55	57:45:27	01:18:27
18	05:12:09	09:40:21	14:57:57	20:44:45	26:33:21	32:18:21	38:05:45	43:53:57	49:20:21	53:59:09	57:52:33	01:25:33
19	05:20:23	09:50:21	15:09:25	20:56:27	26:44:51	32:29:51	38:17:27	44:05:25	49:30:21	54:07:23	57:59:39	01:32:39
20	05:28:37	10:00:21	15:20:53	21:08:09	26:56:21	32:41:21	38:29:09	44:16:53	49:40:21	54:15:37	58:06:45	01:39:45
21	05:36:51	10:10:21	15:32:21	21:19:51	27:07:51	32:52:51	38:40:51	44:28:21	49:50:21	54:23:51	58:13:51	01:46:51
22	05:45:05	10:20:21	15:43:49	21:31:33	27:19:21	33:04:21	38:52:33	44:39:49	50:00:21	54:32:05	58:20:57	01:53:57
23	05:53:19	10:30:21	15:55:17	21:43:15	27:30:51	33:15:51	39:04:15	44:51:17	50:10:21	54:40:19	58:28:03	02:01:03
24	06:01:33	10:40:21	16:06:45	21:54:57	27:42:21	33:27:21	39:15:57	45:02:45	50:20:21	54:48:33	58:35:09	02:08:09
25	06:09:47	10:50:21	16:18:13	22:06:39	27:53:51	33:38:51	39:27:39	45:14:13	50:30:21	54:56:47	58:42:15	02:15:15
26	06:18:01	11:00:21	16:29:41	22:18:21	28:05:21	33:50:21	39:39:21	45:25:41	50:40:21	55:05:01	58:49:21	02:22:21
27	06:26:15	11:10:21	16:41:09	22:30:03	28:16:51	34:01:51	39:51:03	45:37:09	50:50:21	55:13:15	58:56:27	02:29:27
28	06:34:29	11:20:21	16:52:37	22:41:45	28:28:21	34:13:21	40:02:45	45:48:37	51:00:21	55:21:29	59:03:33	02:36:33
29	06:42:43	11:30:21	17:04:05	22:53:27	28:39:51	34:24:51	40:14:27	46:00:05	51:10:21	55:29:43	59:10:39	02:43:39

दशमलग्नसारिणी (सभी देशों के लिए)

अयनांश- 24/06/00, निरक्षोदयमान- 279, 299, 322, 322, 299, 279

अंश/राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
0	03:44:08	08:39:08	13:56:32	19:18:32	24:22:08	29:05:08	33:44:08	38:39:08	43:56:32	49:18:32	54:22:08	59:05:08
1	03:53:26	08:49:06	14:07:16	19:29:16	24:32:06	29:14:26	33:53:26	38:49:06	44:07:16	49:29:16	54:32:06	59:14:26
2	04:02:44	08:59:04	14:18:00	19:40:00	24:42:04	29:23:44	34:02:44	38:59:04	44:18:00	49:40:00	54:42:04	59:23:44
3	04:12:02	09:09:02	14:28:44	19:50:44	24:52:02	29:33:02	34:12:02	39:09:02	44:28:44	49:50:44	54:52:02	59:33:02
4	04:21:20	09:19:00	14:39:28	20:01:28	25:02:00	29:42:20	34:21:20	39:19:00	44:39:28	50:01:28	55:02:00	59:42:20
5	04:30:38	09:28:58	14:50:12	20:12:12	25:11:58	29:51:38	34:30:38	39:28:58	44:50:12	50:12:12	55:11:58	59:51:38
6	04:39:56	09:38:56	15:00:56	20:22:56	25:21:56	30:00:56	34:39:56	39:38:56	45:00:56	50:22:56	55:21:56	00:00:56
7	04:49:14	09:48:54	15:11:40	20:33:40	25:31:54	30:10:14	34:49:14	39:48:54	45:11:40	50:33:40	55:31:54	00:10:14
8	04:58:32	09:58:52	15:22:24	20:44:24	25:41:52	30:19:32	34:58:32	39:58:52	45:22:24	50:44:24	55:41:52	00:19:32
9	05:07:50	10:08:50	15:33:08	20:55:08	25:51:50	30:28:50	35:07:50	40:08:50	45:33:08	50:55:08	55:51:50	00:28:50
10	05:17:08	10:18:48	15:43:52	21:05:52	26:01:48	30:38:08	35:17:08	40:18:48	45:43:52	51:05:52	56:01:48	00:38:08
11	05:26:26	10:28:46	15:54:36	21:16:36	26:11:46	30:47:26	35:26:26	40:28:46	45:54:36	51:16:36	56:11:46	00:47:26
12	05:35:44	10:38:44	16:05:20	21:27:20	26:21:44	30:56:44	35:35:44	40:38:44	46:05:20	51:27:20	56:21:44	00:56:44
13	05:45:02	10:48:42	16:16:04	21:38:04	26:31:42	31:06:02	35:45:02	40:48:42	46:16:04	51:38:04	56:31:42	01:06:02
14	05:54:20	10:58:40	16:26:48	21:48:48	26:41:40	31:15:20	35:54:20	40:58:40	46:26:48	51:48:48	56:41:40	01:15:20
15	06:03:38	11:08:38	16:37:32	21:59:32	26:51:38	31:24:38	36:03:38	41:08:38	46:37:32	51:59:32	56:51:38	01:24:38
16	06:12:56	11:18:36	16:48:16	22:10:16	27:01:36	31:33:56	36:12:56	41:18:36	46:48:16	52:10:16	57:01:36	01:33:56
17	06:22:14	11:28:34	16:59:00	22:21:00	27:11:34	31:43:14	36:22:14	41:28:34	46:59:00	52:21:00	57:11:34	01:43:14
18	06:31:32	11:38:32	17:09:44	22:31:44	27:21:32	31:52:32	36:31:32	41:38:32	47:09:44	52:31:44	57:21:32	01:52:32
19	06:40:50	11:48:30	17:20:28	22:42:28	27:31:30	32:01:50	36:40:50	41:48:30	47:20:28	52:42:28	57:31:30	02:01:50
20	06:50:08	11:58:28	17:31:12	22:53:12	27:41:28	32:11:08	36:50:08	41:58:28	47:31:12	52:53:12	57:41:28	02:11:08
21	06:59:26	12:08:26	17:41:56	23:03:56	27:51:26	32:20:26	36:59:26	42:08:26	47:41:56	53:03:56	57:51:26	02:20:26
22	07:08:44	12:18:24	17:52:40	23:14:40	28:01:24	32:29:44	37:08:44	42:18:24	47:52:40	53:14:40	58:01:24	02:29:44
23	07:18:02	12:28:22	18:03:24	23:25:24	28:11:22	32:39:02	37:18:02	42:28:22	48:03:24	53:25:24	58:11:22	02:39:02
24	07:27:20	12:38:20	18:14:08	23:36:08	28:21:20	32:48:20	37:27:20	42:38:20	48:14:08	53:36:08	58:21:20	02:48:20
25	07:36:38	12:48:18	18:24:52	23:46:52	28:31:18	32:57:38	37:36:38	42:48:18	48:24:52	53:46:52	58:31:18	02:57:38
26	07:45:56	12:58:16	18:35:36	23:57:36	28:41:16	33:06:56	37:45:56	42:58:16	48:35:36	53:57:36	58:41:16	03:06:56
27	07:55:14	13:08:14	18:46:20	00:08:20	28:51:14	33:16:14	37:55:14	43:08:14	48:46:20	54:08:20	58:51:14	03:16:14
28	08:04:32	13:18:12	18:57:04	00:19:04	29:01:12	33:25:32	38:04:32	43:18:12	48:57:04	54:19:04	59:01:12	03:25:32
29	08:13:50	13:28:10	19:07:48	00:29:48	29:11:10	33:34:50	38:13:50	43:28:10	49:07:48	54:29:48	59:11:10	03:34:50

विक्रम संवत् 2081 (ई.सन् 2024-25) के मुहूर्त हेतु काल विवरण

विवाहादि मांगलिक कार्यो के लिये सौर चैत्र मास, सौर पौष मास, अधिमास, श्राद्ध-पक्ष, भीष्मपंचक, होलिकाष्टक एवं गुरु-शुक्र के अस्तकाल वर्जित कहे गये हैं । उपनयन संस्कार चैत्रमास में तथा पुरातन गृहप्रवेश गुरु-शुक्र के अस्तकाल में भी किये जा सकते हैं।

मीन राशि गत सूर्य - संवत् 2080 चैत्र ग्ष्ण 05 गुरुवार दिनाङ्क 14/03/2024 से प्रारम्भ होकर संवत् 2081 चैत्र शुक्ल 05/06 शनिवार दिनाङ्क- 13/04/2024 तक तथा संवत् 2081 फाल्गुन शुक्ल 15/चैत्र कृष्ण 01 शुक्रवार दिनाङ्क- 14/03/2025 से वर्षान्त तक सूर्य मीन राशि में रहेगा।

श्रीहरि-देवशयन-काल - संवत् 2081 आषाढ़ शुक्ल 11 बुध वार दिनाङ्क- 17/07/2024 से कार्तिक शुक्ल 11 भौमवार दिनाङ्क 12/11/2024 तक।

भीष्म पञ्चक - कार्तिक शुक्ल 11 भौमवार दिनाङ्क 12/11/2024 से कार्तिक शुक्ल 15 शुक्रवार दिनाङ्क 15/11/2024 तक।

गुरु अस्तोदय - संवत् 2081 वैशाख शुक्ल 1/2 गुरुवार 09/05/2024 से ज्येष्ठ कृष्ण 12 सोमवार 03/06/2024 तक अस्त रहेगा। उदय से 3 दिन पश्चात् बाल्यत्व दोष एवं अस्त से 3 दिन पहले वृद्धत्व दोष रहेगा।

शुक्र अस्तोदय - संवत् 2081 वैशाख कृष्ण 3/4 शनिवार दिनाङ्क 27/04/2024 से आषाढ़ कृष्ण 30 शुक्रवार दिनाङ्क 05/07/2024 तक अस्त रहेगा। उदय से 3 दिन पश्चात् बाल्यत्व दोष एवं अस्त से 3 दिन पहले वृद्धत्व दोष रहेगा।

महालय (श्राद्धपक्ष) - संवत् 2081 भाद्रपद शुक्ल 15/आश्विन कृष्ण प्रतिपदा बुधवार दिनाङ्क-18/09/2024 से आश्विन कृष्ण 30 बुधवार दिनाङ्क 02/10/2024 तक रहेगा।

धनु राशि गत सूर्य - संवत् 2081 मार्गशीर्ष शुक्ल 15/ पौष कृष्ण 01 रविवार दिनाङ्क 15/12/2024 से माघ कृष्ण 01 भौमवार दिनाङ्क 14/01/2025 तक रहेगा।

होलाष्टक - संवत् 2081 फाल्गुन शुक्ल 8 शुक्रवार दिनाङ्क 07/03/2025 से फाल्गुन शुक्ल 15 शुक्रवार दिनाङ्क 14/03/2025 तक रहेगा।

चन्द्रबलविचारः-

पापान्तः पापयुग्द्यूने पापाच्चन्द्रः शुभोऽप्यसत्।
शुभांशे वाधिमित्रांशे गुरुदृष्टोऽशुभोऽपि सत्।।

(मु.चि.गो.प्र.श्लोक 7)

भूमिशयनविचारः -

प्रद्योतनात्पंचनगांकसूर्यनवेन्दुषड्विंशमितेषु भेषु।
शेते मही नैव गृहं विधेयं तडागवापीखननं न शस्तम्।।

(वास्तुरत्नाकर 9/42)

विवाह मुहूर्त्त 2024-25

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
13-04-2024	चैत्र	शुक्ल	05/06	शनि	मृगशिरा	मेष	मेष	वृष/मिथुन	6	मृग्शिरा-24:17 तक, 2(म.पू.), 3, 8
18-04-2024	चैत्र	शुक्ल	10/11	गुरु	मघा	मेष	मेष	कर्क/सिंह	7	मघा-07:59से, 3,8,9.
21-04-2024	चैत्र	शुक्ल	13	रवि	उ.फा./हस्त	मेष	मेष	कन्या	6	रिक्ता तिथि दोष-25:20से, 2,3,8,
11-07-2024	आषाढ़	शुक्ल	05/06	गुरु	उ.फा.	मिथुन	वृष	सिंह/कन्या	9	उ.फा.-12:57से
12-07-2024	आषाढ़	शुक्ल	06/07	शुक्र	उ.फा./हस्त	मिथुन	वृष	कन्या	8	4 गोधूलि
14-07-2024	आषाढ़	शुक्ल	08	रवि	चित्रा/स्वा.	मिथुन	वृष	कन्या/तुला	8	रिक्ता तिथि दोष-17:30से, 4
17-11-2024	मार्गशीर्ष	कृष्ण	02/03	रवि	रोहि./मृग.	वृश्चिक	वृष	वृष/मिथुन	7	9(च.म.पू.),11(श.पू.) 1(बु.पू.) गोधूलि
22-11-2024	मार्गशीर्ष	कृष्ण	07/08	शुक्र	मघा	वृश्चिक	वृष	सिंह	7	मघा-16:56से, 7(शु.गु.म.पू.),
23-11-2024	मार्गशीर्ष	कृष्ण	08	शनि	मघा	वृश्चिक	वृष	सिंह	8	मघा-19:15तक, रिक्ता तिथि दोष-19:43से, 9(म.पू.), 1(बु.पू.) गोधूलि
25-11-2024	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10/11	सोम	उ.फा./हस्त	वृश्चिक	वृष	कन्या	4	भद्रा-11:32से24:56 तक, 9(म.पू.),7(गु.म.शु.पू.)
27-11-2024	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12/13	बुध	चित्रा	वृश्चिक	वृष	कन्या/तुला	7	9(म.पू.), 11(श.च.पू.), 1(बु.च.पू), 4(शु.म.पू.)
28-11-2024	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	गुरु	चित्रा/स्वा.	वृश्चिक	वृष	तुला	8	9(म.पू.), 11(श.पू.), 4(शु.म.पू.)
02-12-2024	मार्गशीर्ष	शुक्ल	01/02	सोम	मूल	वृश्चिक	वृष	धनु	9	मूल-15:53से, 4(शु.म.च.पू.), 7(म.शु.गु.पू.)
05-12-2024	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	गुरु	उ.षा./श्रव.	वृश्चिक	वृष	मकर	7	रिक्ता तिथिदोष एवं भद्रा-12:57तक,मृत्युबाण
06-12-2024	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05/06	शुक्र	श्रव./धनि.	वृश्चिक	वृष	मकर/कुम्भ	6	8(सू.गु.पू.), 9(म.पू.) 11(श.पू.) 1(बु.पू.), 7(म.गु.पू.) गोधूलि
07-12-2024	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06/07	शनि	धनिष्ठा	वृश्चिक	वृष	कुम्भ	7	धनिष्ठा-17:00तक, 8(सू.गु.पू.), 9(म.पू.) 11(श.च.पू.) 1(बु.पू.)
11-12-2024	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11/12	बुध	रेव./अश्वि.	वृश्चिक	वृष	मीन/मेष	7	भद्रा-14:43से25:23तक, 8(सू.गु.पू.), 9(म.पू.), 11(श.पू.)
12-12-2024	मार्गशीर्ष	शुक्ल	12/13	गुरु	अश्विनी	वृश्चिक	वृष	मेष	9	अश्विनी-09:56तक, 8(सू.गु.च.पू.), 9(म.पू.),
16-01-2025	माघ	कृष्ण	03	गुरु	मघा	मकर	वृष	सिंह	10	रिक्तातिथि दोष-27:33से, मघा-11:12से, भद्रा-15:13से27:33तक, 1, 2(बु.पू.)
18-01-2025	माघ	कृष्ण	05	शनि	उ.फा.	मकर	वृष	सिंह/कन्या	7	उ.फा.-14:41से, 7(गु.म.च.पू.), 8(गु.पू.)
24-01-2025	माघ	कृष्ण	10/11	शुक्र	अनुराधा	मकर	वृष	वृश्चिक	7	अनुराधा-31:09तक, भद्रा-19:40तक, 7(गु.पू.),
27-01-2025	माघ	कृष्ण	13	सोम	मूल	मकर	वृष	धनु	7	मूल-09:05तक,रिक्ता एव भद्रा-20:56से, 1,2(च.पू)
03-02-2025	माघ	शुक्ल	06/07	सोम	रेव./अश्वि.	मकर	वृष	मीन/मेष	7	10(सू.शु.पू.), 11(श.पू.),1, 2, 8(म.गु.च.पू.) गोधूलि
13-02-2025	फाल्गुन	कृष्ण	01/02	गुरु	मघा	मकर	वृष	सिंह	8	मघा-20:56तक,मृत्युबाण
14-02-2025	फाल्गुन	कृष्ण	02/03	शुक्र	उ.फा.	कुम्भ	वृष	सिंह/कन्या	6	उ.फा.-22:54से, 7(गु.शु.पू.),8(म.गु.पू.)10(च.शु.पू.)
15-02-2025	फाल्गुन	कृष्ण	03	शनि	उ.फा./हस्त	कुम्भ	वृष	कन्या	7	भद्रा-10:36से 23:34तक,रिक्ता तिथि दोष-23:34से, 11(सू.श.च.पू.)
20-02-2025	फाल्गुन	कृष्ण	07/08	शुक्र	अनुराधा	कुम्भ	वृष	वृश्चिक	6	अनुराधा-13:32से, 3(म.च.पू.),4(बु.पू.),7(गु.शु.पू.),10(शु.पू.)
21-02-2025	फाल्गुन	कृष्ण	08	शुक्र	अनुराधा	कुम्भ	वृष	वृश्चिक	6	रिक्ता तिथि दोष-12:04से, अनुराधा-16:03तक, 11(सू.श.पू.), 1(च.पू.),

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
23-02-2025	फाल्गुन	कृष्ण	10/11	रवि	मूल	कुम्भ	वृष	धनु	6	भद्रा-14:08तक, मूल-19:00तक, 11(सू.श.पू.), 1, 2(च.पू.)
26-02-2025	फाल्गुन	कृष्ण	13	बुध	श्रव./धनि.	कुम्भ	वृष	मकर/कुम्भ	7	भद्रा-11:10से 22:01तक,रिक्ता तिथि दोष-11:10से, 11(सू.श.), 1.
05-03-2025	फाल्गुन	शुक्ल	06/07	बुध	रोहिणी	कुम्भ	वृष	वृष	6	रोहिणी-24:50से, 10(शु.पू.),11(सू.श.पू.)
06-03-2025	फाल्गुन	शुक्ल	07/08	गुरु	रोहि./मृग.	कुम्भ	वृष	वृष	6	भद्रा-10:47से22:01तक, 10(शु.पू.),11(सू.श.पू.),1 2(च.पू.)

- डॉ. देशबन्धु

- डॉ. नवीन पाण्डेय

त्रिगर्त प्रदेशों के लिए विवाह मुहूर्त-2024-25

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
17-07-2024	श्रावण	शुक्ल	11/12	बुध	अनुराधा	कर्क	वृष	वृश्चिक	8	भद्रा 09:08से 21:25 तक,अनुराधा-27:46तक,
19-07-2024	श्रावण	शुक्ल	13	शुक्र	मूल	कर्क	वृष	धनु	8	मूल-27:28तक, रिक्ता तिथि-20:00से गोधूली लग्न
22-07-2024	श्रावण	कृष्ण	01/02	सोम	श्रव./धनि.	कर्क	वृष	मकर	6	9(गु.शु.पू.),1.
25-07-2024	श्रावण	कृष्ण	05/06	गुरु	उ.भा.	कर्क	वृष	मीन	6	उ.भा.-16:13से, 9(गु.शु.पू.), 1.
26-07-2024	श्रावण	कृष्ण	06/07	शुक्र	उ.भा./रेवती	कर्क	वृष	मीन	8	भद्रा-23:20से, 9(गु.शु.पू.)
27-07-2024	श्रावण	कृष्ण	07/08	शनि	रेवती	कर्क	वृष	मीन/मेष	9	भद्रा-10:14तक,मृत्युबाण
28-07-2024	श्रावण	कृष्ण	08	रवि	अश्विनी	कर्क	वृष	मेष	8	रिक्ता तिथिदोष-19:18से, अश्विनी-11:44तक, 4(सू.पू.)
31-07-2024	श्रावण	कृष्ण	11/12	बुध	रोहि./मृग.	कर्क	वृष	वृष/मिथुन	8	9(गु.शु.पू.), 1(च.पू.), 2(म.पू.),3
01-08-2024	श्रावण	कृष्ण	12/13	गुरु	मृगशिरा	कर्क	वृष	मिथुन	8	मृगशिरा-10:18 तक, 4(सू.पू.),
05-08-2024	श्रावण	शुक्ल	01/02	सोम	मघा	कर्क	वृष	सिंह	9	मघा-15:16से, 9(गु.शु.पू.),1,3(शु.पू.)
08-08-2024	श्रावण	शुक्ल	05	गुरु	उ.फा./हस्त	कर्क	वृष	कन्या	7	भद्रा-11:23से 24:23 तक, रिक्ता तिथि दोष-24:23तक, 3(शु.पू.),4(सू.पू.),
11-08-2024	श्रावण	शुक्ल	07	रवि	स्वाती	कर्क	वृष	तुला	7	4(सू.पू.),9(गु.शु.पू.),3(शु.पू.).
12-08-2024	श्रावण	शुक्ल	07/08	सोम	स्वाती	कर्क	वृष	तुला/वृश्चिक	7	स्वाती-08:31तक, भद्रा-07:53से 20:42तक, 4(सू.पू.)
15-08-2024	श्रावण	शुक्ल	10/11	गुरु	मूल	कर्क	वृष	धनु	6	मूल-13:00से,मृत्युबाण
16-08-2024	श्रावण	शुक्ल	11	शुक्र	मूल	सिंह	वृष	धनु	6	मूल-12:51तक, भद्रा-09:43तक
21-08-2024	भाद्रपद	कृष्ण	02/03	बुध	उ.भा.	सिंह	वृष	मीन	8	उ.भा.-24:31से, भद्रा-27:24से, 3(शु.पू.)
26-08-2024	भाद्रपद	कृष्ण	08	सोम	रोहिणी	सिंह	वृष	वृष	7	रोहिणी-15:44से, रिक्ता तिथि दोष-25:20से,1
04-09-2024	भाद्रपद	शुक्ल	01/02	बुध	उ.फा./हस्त	सिंह	वृष	सिंह/कन्या	6	7(गु.पू.),1(च.शु.पू.),2,4(शु.पू.)
05-09-2024	भाद्रपद	शुक्ल	02/03	गुरु	हस्त	सिंह	वृष	कन्या	7	7(गु.पू.),10(बु.पू.) 1(च.शु.पू.),2,4(शु.पू.)

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
06-09-2024	भाद्रपद	शुक्ल	03	शुक्र	हस्त/चित्रा	सिंह	वृष	कन्या/तुला	7	भद्रा-28:14से, रिक्ता तिथि दोष-14:56से, मृत्युबाण
08-09-2024	भाद्रपद	शुक्ल	05/06	रवि	स्वाती	सिंह	वृष	तुला	6	स्वाती-15:29तक, 7(गु.च.पू.) ,10(बु.पू.)
13-09-2024	भाद्रपद	शुक्ल	10/11	शुक्र	उ.षा.	सिंह	वृष	धनु/मकर	7	उ.षा. 22:01से, 7(गु.पू.), 10(बु.पू.), 1(शु.पू.),
14-09-2024	भाद्रपद	शुक्ल	11/12	शनि	उ.षा./श्रव.	सिंह	वृष	मकर	8	भद्रा-10:02से 21:05तक, 7(गु.पू.)
15-09-2024	भाद्रपद	शुक्ल	12/13	रवि	श्रव./धनि.	सिंह	वृष	मकर/कुम्भ	6	मृत्युबाण
16-09-2024	भाद्रपद	शुक्ल	13	सोम	धनिष्ठा	कन्या	वृष	कुम्भ	6	धनिष्ठा-16:41तक, रिक्ता तिथि दोष-15:17से, 7(गु.पू.)
03-10-2024	आश्विन	शुक्ल	01/02	गुरु	हस्त/चित्रा	कन्या	वृष	कन्या/तुला	7	7(गु.पू.), 10(बु.पू.) ,2(शु.पू.) ,4
05-10-2024	आश्विन	शुक्ल	03	शनि	स्वाती	कन्या	वृष	तुला	6	स्वाती-21:33तक, 7(गु.च.पू.), 10(बु.पू.) ,2(शु.च.पू.)
07-10-2024	आश्विन	शुक्ल	05	सोम	अनुराधा	कन्या	वृष	वृश्चिक	7	अनुराधा-26:40तक, भद्रा-09:47तक, 10(बु.पू.)
09-10-2024	आश्विन	शुक्ल	06/07	बुध	मूल	कन्या	वृष	धनु	6	मूल-29:50तक, 7(गु.पू.), 10(बु.पू.), 2(शु.च.पू.) ,4(च.पू.)
12-10-2024	आश्विन	शुक्ल	10	शनि	श्रव./धनि.	कन्या	वृष	मकर	7	रिक्ता तिथि दोष-11:05तक, 10(च.पू.), 11(श.पू) ,2(शु.बु.पू.)
13-10-2024	आश्विन	शुक्ल	10/11	रवि	धनिष्ठा	कन्या	वृष	मकर/कुम्भ	6	धनिष्ठा-27:25तक, भद्रा-19:56से, 7(गु.पू.) ,10(च.पू.), 11(श.पू),
17-10-2024	आश्विन	शुक्ल	15/01	गुरु	रेव./अश्वि.	तुला	वृष	मीन/मेष	7	भद्रा-06:58तक, 7(गु.पू.) ,10,11(श.पू) ,4
18-10-2024	कार्तिक	कृष्ण	01	शुक्र	अश्विनी	तुला	वृष	मेष	8	अश्विनी-13:29तक, 10,11(श.पू.) ,4
27-10-2024	कार्तिक	कृष्ण	11	रवि	मघा	तुला	वृष	सिंह	8	मघा-12:24तक, 7(म.सू.गु.पू.)
28-10-2024	कार्तिक	कृष्ण	11/12	सोम	उ.फा.	तुला	वृष	सिंह/कन्या	6	उ.फा.15:26से,मृत्युबाण
03-11-2024	कार्तिक	शुक्ल	02/03	रवि	अनुराधा	तुला	वृष	वृश्चिक	9	11(श.पू.) ,3(शु.च.बु.पू.)
04-11-2024	कार्तिक	शुक्ल	03	सोम	अनुराधा	तुला	वृष	वृश्चिक	8	अनुराधा-08:03तक, रिक्ता तिथि दोष-23:37से, 7(म.सू.गु.पू.)
06-11-2024	कार्तिक	शुक्ल	05	बुध	मूल	तुला	वृष	धनु	7	मूल-11:06तक,मृत्युबाण
07-11-2024	कार्तिक	शुक्ल	06/07	गुरु	उ.षा.	तुला	वृष	धनु/मकर	6	उ.षा. 11:55से, 11(श.पू.),

- डॉ. देशबन्धु

- डॉ. नवीन पाण्डेय

वर्षं मासो दिनं लग्नं मुहूर्त्तश्चेति पञ्चकम्।
पञ्चाङ्गं कथितं तस्य शुद्ध्यशुद्धी निरूपिते।।
यथाखिलेन्द्रियं जन्तोः पञ्चेन्द्रियमुदीर्यते।
तथा कालस्य सर्वाङ्गं पञ्चाङ्गमिति कथ्यते।।

वधुप्रवेश मुहूर्त्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार
13.04.24	चैत्र	शुक्ल	05/06	शनि	मृगशिरा	
19.04.24	चैत्र	शुक्ल	11	शुक्र	मघा	मघा11/01तक, भद्रा
24.04.24	वैशाख	कृष्ण	01	बुध	स्वाती	
26.04.24	वैशाख	कृष्ण	02/03	शुक्र	अनुराधा	
01.05.24	वैशाख	कृष्ण	07/08	बुध	श्रवण	
06.05.24	वैशाख	कृष्ण	13	सोम	उ.भाद्र.	14/46 तक
10.05.24	वैशाख	शुक्ल	03	शुक्र	रोहि./मृग.	
15.05.24	वैशाख	शुक्ल	08	बुध	मघा	17/05 से
16.05.24	वैशाख	शुक्ल	08	गुरु	मघा	06/24 तक
18.05.24	वैशाख	शुक्ल	10	शनि	उ.फा.	17/05 से
20.05.24	वैशाख	शुक्ल	12	सोम	चित्रा	
24.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	01	शुक्र	अनुराधा	10/14 तक
27.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	05	सोम	उ.षा.	17/07 से
29.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	06	बुध	श्रव/धनि.	13/46 तक
01.06.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	10	शनि	उ.भाद्र.	07/27 से 18/17 तक
03.06.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	सोम	अश्विनी	
06.06.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	30	गुरु	रोहिणी	
07.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	01	शुक्र	मृगशिरा	19/32 तक
10.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	05	सोम	पुष्य	16/02 से 21/19 तक
12.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	06	बुध	मघा	
14.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	08	शुक्र	उ.फा.	10/41 से
17.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	सोम	चित्रा	06/26 से
20.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	13	गुरु	अनुराधा	07/51 तक
22.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	15/1	शनि	मूल	
24.06.24	आषाढ़	कृष्ण	03	सोम	उ.षा.	14/44तक,तदुपरान्त भद्रा
26.06.24	आषाढ़	कृष्ण	05	बुध	धनिष्ठा	13/06 तक
29.06.24	आषाढ़	कृष्ण	08	शनि	उ.भा./रेव	14/20 तक
01.07.24	आषाढ़	कृष्ण	10	सोम	अश्विनी	06/26 तक
04.07.24	आषाढ़	कृष्ण	12/13	बुध	रोहिणी	
05.07.24	आषाढ़	कृष्ण	13	गुरु	मृगशिरा	05/54 तक
12.07.24	आषाढ़	शुक्ल	06/07	शुक्र	उ.फा./हस्त	
13.07.24	आषाढ़	शुक्ल	07	शनि	हस्त	15/04 तक, तदुपरान्त भद्रा
15.07.24	आषाढ़	शुक्ल	10	सोम	स्वाती	19/30 से 24/47 तक
17.07.24	आषाढ़	शुक्ल	11	बुध	अनुराधा	27/46 तक (09/08 से 21/25 तक भद्रा)
19.07.24	आषाढ़	शुक्ल	13	शुक्र	मूल	20/00 तक
22.07.24	श्रावण	कृष्ण	01	सोम	श्रवण	
26.07.24	श्रावण	कृष्ण	06	शुक्र	उ.भा./रेव	23/00 तक, तदुपरान्त भद्रा
27.07.24	श्रावण	कृष्ण	07/08	शनि	रेव/अश्वि.	10/14 से
31.07.24	श्रावण	कृष्ण	11/12	बुध	रोह./मृग.	
01.08.24	श्रावण	कृष्ण	12	गुरु	मृगशिरा	10/18 तक
07.08.24	श्रावण	शुक्ल	03	बुध	उ.फा.	20/18 से 21/51 तक
08.08.24	श्रावण	शुक्ल	05	गुरु	उ.फा/हस्त	24/23 से
09.08.24	श्रावण	शुक्ल	05/06	शुक्र	हस्त/चित्रा	
10.08.24	श्रावण	शुक्ल	06	शनि	चित्रा	
14.08.24	श्रावण	शुक्ल	10	बुध	अनुराधा	10/27 से 12/18 तक
16.08.24	श्रावण	शुक्ल	12	गुरु	मूल	09/43 से 12/51 तक
17.08.24	श्रावण	शुक्ल	13	शुक्र	उ.षा.	11/53 से
19.08.24	श्रावण	शुक्ल	15	सोम	धनिष्ठा	13/51 से
23.08.24	भाद्रपद	कृष्ण	05	शुक्र	रेवती	10/37 से
26.08.24	भाद्रपद	कृष्ण	08	सोम	रोहिणी	15/44 से
28.08.24	भाद्रपद	कृष्ण	10	बुध	मृगशिरा	12/58 तक
31.08.24	भाद्रपद	कृष्ण	13	शनि	पुष्य	19/29 तक
04.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	01/02	बुध	उ.फा.	
05.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	02/03	गुरु	हस्त	
06.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	03	शुक्र	हस्त/चित्रा	14/56 तक
09.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	06/07	सोम	अनुराधा	18/10 से
11.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	08	बुध	मूल	21/43 से 24/15 तक
13.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	10/11	शुक्र	उ.षा.	22/01 से
14.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	11	शनि	श्रवण	प्रातः 10/02 से पूर्व तथा 21/05 के उपरान्त
16.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	13	सोम	धनिष्ठा	15/17 तक
19.09.24	आश्विन	कृष्ण	02	गुरु	उ.भा/रेव.	
20.09.24	आश्विन	कृष्ण	03	शुक्र	अश्विनी	10/53 तक
23.09.24	आश्विन	कृष्ण	06	सोम	रोहिणी	13/40 तक
27.09.24	आश्विन	कृष्ण	11	शुक्र	पुष्य	13/13 से 24/59 तक

02.10.24	आश्विन	कृष्ण	15	बुध	उ.फा./हस्त	
03.10.24	आश्विन	शुक्ल	01	गुरु	हस्त/चित्रा	
05.10.24	आश्विन	शुक्ल	03	शनि	स्वाती	21/33 तक
07.10.24	आश्विन	शुक्ल	05	सोम	अनुराधा	09/47 से 26/40 तक
09.10.24	आश्विन	शुक्ल	06/07	बुध	मूल	29/50 तक
11.10.24	आश्विन	शुक्ल	08	शुक्र	उ.षा.	12/15 तक
12.10.24	आश्विन	शुक्ल	10	शनि	श्रवण	11/05 तक
17.10.24	आश्विन	शुक्ल	15	गुरु	रेवती	06/58 से
18.10.24	कार्तिक	कृष्ण	01/02	शुक्र	अश्विनी	13/29 तक
21.10.24	कार्तिक	कृष्ण	05	सोम	रो./मृग.	29/51 तक
24.10.24	कार्तिक	कृष्ण	08	गुरु	पुष्य	25/23 तक
28.10.24	कार्तिक	कृष्ण	12	सोम	उ.फा.	15/26 से
01.11.24	कार्तिक	कृष्ण	30	शुक्र	स्वाती	27/39 तक
04.11.24	कार्तिक	शुक्ल	03	सोम	अनुराधा	08/03 तक
06.11.24	कार्तिक	शुक्ल	05	बुध	मूल	11/06 तक
07.11.24	कार्तिक	शुक्ल	06	गुरु	उ.षा.	11/55 से
08.11.24	कार्तिक	शुक्ल	07	शुक्र	उ.षा/श्रवण	24/21 तक
09.11.24	कार्तिक	शुक्ल	08	शनि	धनिष्ठा	11/51 से 24/21 तक
13.11.24	कार्तिक	शुक्ल	12	बुध	रेवती	
20.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	05/06	बुध	पुष्य	14/38 से
21.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	06	गुरु	पुष्य	15/23 तक
23.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	08	शनि	मघा	19/15 तक
25.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10/11	सोम	उ.फा./हस्त	11/32 से 24/56 तक
27.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	बुध	चित्रा	
28.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	गुरु	चित्रा/स्वाती	
05.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	गुरु	उ.षा/श्रवण	12/57 से
06.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05/06	शुक्र	श्रवण/धनि.	
07.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06/07	शनि	धनिष्टा	17/00 तक
11.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	बुध	रेव/अश्वि.	14/23 तक
12.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	12	गुरु	अश्विनी	09/56 तक
20.12.24	पौष	कृष्ण	05/06	शुक्र	मघा	27/13 तक
23.12.24	पौष	कृष्ण	08	सोम	उ.फा./हस्त	17/03 तक
26.12.24	पौष	कृष्ण	11	गुरु	स्वाती	18/19 तक
28.12.24	पौष	कृष्ण	13	शनि	अनुराधा	28/00 तक

30.12.24	पौष	कृष्ण	15	सोम	मूल	24/17 तक
01.01.25	पौष	शुक्ल	02	बुध	उ.षा.	
02.01.25	पौष	शुक्ल	03	गुरु	श्रव./धनि.	25/24 तक
06.01.25	पौष	शुक्ल	07	सोम	उ.भा.	18/28 तक
15.01.25	माघ	कृष्ण	03	बुध	पुष्य	10/25 तक
18.01.25	माघ	कृष्ण	05	शनि	उ.फा.	14/41 से
20.01.25	माघ	कृष्ण	07	सोम	चित्रा	23/15 से
22.01.25	माघ	कृष्ण	08	बुध	स्वाती	15/20 तक
24.01.25	माघ	कृष्ण	11	शुक्र	अनुराधा	19/40 से
27.01.25	माघ	कृष्ण	13	सोम	मूल	09/05 तक
29.01.25	माघ	कृष्ण	15	बुध	उ.षा/श्रवण	
03.02.25	माघ	शुक्ल	03	सोम	रेवती	
07.02.25	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	रोहिणी	
13.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	01	गुरु	मघा	20/56 तक
17.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	05	सोम	चित्रा	
21.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	08	शुक्र	अनुराधा	12/04 तक
24.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	11	सोम	उ.षा.	19/16 से
26.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	13	बुध	श्रवण	11/10 तक
07.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	08	शुक्र	मृगशिरा	09/15 तक
10.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	12	सोम	पुष्य	07/43 से 24/32 तक
14.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	15	शुक्र	उ.फा.	
15.03.25	चैत्र	कृष्ण	01/02	शनि	उ.फा. /हस्त	
20.03.25	चैत्र	कृष्ण	06	गुरु	अनुराधा	23/39 तक
24.03.25	चैत्र	कृष्ण	10	सोम	उ.षा	18/08 तक
26.03.25	चैत्र	कृष्ण	12	बुध	धनिष्ठा	27/02 तक
29.03.25	चैत्र	कृष्ण	30	शनि	उ.भा.	

– डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा

द्विरागमन मुहूर्त्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार
15.04.24	चैत्र	शुक्ल	07	सोम	पुनर्वसु	12/04 तक
24.04.24	वैशाख	कृष्ण	01	बुध	स्वाती	
26.04.24	वैशाख	कृष्ण	02	शुक्र	अनुराधा	20/05 तक
01.05.24	वैशाख	कृष्ण	07/08	बुध	श्रवण	
03.05.24	वैशाख	कृष्ण	10	शुक्र	शतभिषा	10/59 तक

06.05.24	वैशाख	कृष्ण	13	सोम	रेवती	
10.05.24	वैशाख	शुक्ल	03	शुक्र	रोहिणी	
13.05.24	वैशाख	शुक्ल	06	सोम	पुन/पुष्य	
18.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	03	सोम	मृगशिरा	07/47 तक
20.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	05	बुध	पुनर्वसु	
21.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	06	गुरु	पुष्य	16/48 तक
25.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	सोम	उ.फा.	11/32 तक
27.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	बुध	चित्रा	
28.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	गुरु	चित्रा/स्वाती	
29.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	शुक्र	स्वाती	08/42 तक
02.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	02	सोम	मूल	15/53 से
05.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	गुरु	उ.षा	12/57 से
06.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	शुक्र	श्रवण	
11.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	बुध	रेवती	14/43 तक
12.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	12	गुरु	अश्विनी	09/56 तक
17.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	05	सोम	चित्रा	
21.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	08	शुक्र	अनुराधा	12/04 तक
26.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	13	बुध	श्रवण	11/10 तक
28.02.25	फाल्गुन	शुक्ल	01	शुक्र	शतभिषा	13/42 तक
06.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	07	गुरु	रोहिणी	10/47 तक
07.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	08	शुक्र	मृगशिरा	09/15 तक
10.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	12	सोम	पुष्य	07/43 से

- डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा

प्रसूतिका स्नान मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार
09.04.24	चैत्र	शुक्ल	01	मंगल	रेव./अश्वि.	-
21.04.24	चैत्र	शुक्ल	13	रवि	उ.फा.	-
09.05.24	वैशाख	शुक्ल	02	गुरु	रोहिणी	रोहिणी 11.56 से
21.05.24	वैशाख	शुक्ल	13	मंगल	स्वाती	स्वाती 05.47 से
28.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	05	मंगल	उ.षा.	उत्तराषाढ 09.40 तक
02.06.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	रवि	रेवती	-
16.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	रवि	हस्त	हस्त 11.17 तक
30.06.24	आषाढ	कृष्ण	10	रवि	अश्विनी	दशमी 12.20 से
21.07.24	आषाढ	शुक्ल	15	रवि	उत्तराषाढ	-

11.08.24	श्रावण	शुक्ल	07	रवि	स्वाती	-
05.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	02/03	गुरु	हस्त	-
08.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	05	रवि	स्वाती	स्वाती 15.29 तक
10.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	07	मंगल	अनुराधा	-
03.10.24	आश्विन	शुक्ल	01	गुरु	हस्त	हस्त 15.32 तक
17.10.24	आश्विन	शुक्ल	15	गुरु	रेवती	-
29.10.24	कार्तिक	कृष्ण	13	मंगल	उ.फा.	त्रयोदशी 10.38 से
03.11.24	कार्तिक	शुक्ल	02	रवि	अनुराधा	-
17.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	02	रवि	रोहिणी	-
26.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	मंगल	हस्त	-
28.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	गुरु	स्वाती	स्वाती 07.40 से
05.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	गुरु	उ.षा.	पंचमी 12.58 से
10.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	मंगल	उ.भा./ रेवती	-
15.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	रवि	मृगशिरा	-
22.12.24	पौष	कृष्ण	07	रवि	उ.फा.	सप्तमी 14.25 तक
26.12.24	पौष	कृष्ण	11	गुरु	स्वाती	-
02.01.25	माघ	शुक्ल	05	रवि	उ.भा.	भद्रा 09.15 तक
04.01.25	माघ	शुक्ल	07	मंगल	अश्विनी	-
25.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	13	मंगल	उ.षा.	त्रयोदशी 12.56 से
02.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	03	रवि	उ.भा./रेव.	-
06.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	07	गुरु	रोहिणी	भद्रा 10.47 से

-डॉ. दीपक वशिष्ठ

नामकरण मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार
15.04.24	चैत्र	शुक्ल	07	सोम	पुनर्वसु	भद्रा 12.04 से
24.04.24	वैशाख	कृष्ण	01	बुध	स्वाती	-
26.04.24	वैशाख	कृष्ण	02/03	शुक्र	अनुराधा	-
12.07.24	आषाढ	शुक्ल	06	शुक्र	उ.फा.	-
17.07.24	आषाढ	शुक्ल	11	बुध	अनुराधा	भद्रा 09.08 से
22.07.24	श्रावण	कृष्ण	01	सोम	श्रवण	-
26.07.24	श्रावण	कृष्ण	06	शुक्र	उ.भा.	-
31.07.24	श्रावण	कृष्ण	11	बुध	रोहि./मृग.	-
01.08.24	श्रावण	कृष्ण	12	गुरु	मृगशिरा	मृगशिरा 10.18 तक
02.08.24	श्रावण	कृष्ण	13	शुक्र	पुनर्वसु	पुनर्वसु 10.54 से

09.08.24	श्रावण	शुक्ल	05	शुक्र	हस्त	-
23.08.24	भाद्रपद	कृष्ण	05	शुक्र	रेवती	पंचमी 10.38 से
28.08.24	भाद्रपद	कृष्ण	10	बुध	मृगशिरा	भद्रा 12.58 से
04.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	01	बुध	उ.फा.	-
05.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	02	गुरु	हस्त	-
06.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	03	शुक्र	हस्त/चित्रा	-
03.10.24	आश्विन	शुक्ल	01	गुरु	हस्त	-
07.10.24	आश्विन	शुक्ल	05	सोम	अनुराधा	पंचमी 10.38 से
08.11.24	कार्तिक	शुक्ल	07	शुक्र	उ.षा./श्रव.	-
13.11.24	कार्तिक	शुक्ल	12	बुध	रेवती	-
20.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	05	बुध	पुनर्वसु	-
21.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	06	गुरु	पुष्य	भद्रा 16.48 से
25.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	सोम	उ.फा.	भद्रा 11.32 से
27.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	बुध	चित्रा	-
28.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	गुरु	चित्रा/स्वा.	-
06.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	शुक्र	श्रवण	-
11.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	बुध	रेव./अश्वि.	भद्रा 14.43 से
12.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	12	गुरु	अश्विनी	अश्विनी 09.56 तक
26.12.24	पौष	कृष्ण	11	गुरु	स्वाती	-
01.01.25	पौष	शुक्ल	02	बुध	उ.षा.	-
02.01.25	पौष	शुक्ल	03	गुरु	श्रवण	-
06.01.25	पौष	शुक्ल	07	सोम	उ.भा.	-
15.01.25	माघ	कृष्ण	02	बुध	पुष्य	पुष्य 10.25 तक
31.01.25	माघ	शुक्ल	02	शुक्र	शतभिषा	-
03.02.25	माघ	शुक्ल	06	सोम	रेवती	-
07.02.25	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	रोहिणी	-
10.02.25	माघ	शुक्ल	13	सोम	पुनर्वसु	-
17.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	05	सोम	चित्रा	-
26.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	13	बुध	श्रवण	भद्रा 11.10 से
28.02.25	फाल्गुन	शुक्ल	01	शुक्र	शतभिषा	-
10.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	11/12	सोम	पुष्य	भद्रा 07.43 तक

- डॉ. दीपक वशिष्ठ

अन्नप्राशन मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार
15.04.24	चैत्र	शुक्ल	07	सोम	पुनर्वसु	भद्रा 12.04 से
26.04.24	वैशाख	कृष्ण	02/03	शुक्र	अनुराधा	-
03.05.24	वैशाख	कृष्ण	10	शुक्र	शतभिषा	भद्रा 10.59 से
06.05.24	वैशाख	कृष्ण	13	सोम	रेवती	भद्रा 14.46 से
24.06.24	आषाढ	कृष्ण	03	सोम	उ.षा.	भद्रा 14.44 से
26.06.24	आषाढ	कृष्ण	05	बुध	धनिष्ठा	-
28.06.24	आषाढ	कृष्ण	07	शुक्र	उ.भा.	उ.भा. 10.12 से
02.08.24	श्रावण	कृष्ण	13	शुक्र	पुनर्वसु	पुनर्वसु 10.54 से
09.08.24	श्रावण	शुक्ल	05	शुक्र	हस्त	-
04.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	02	बुध	उ.फा.	द्वितीया 09.47 से
05.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	02/03	गुरु	हस्त	-
06.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	03	शुक्र	हस्त/चित्रा	तृतीया 14.56 तक
18.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	15	बुध	उ.भा.	उ.भा. 11.03 से
07.10.24	आश्विन	शुक्ल	05	सोम	अनुराधा	पंचमी 09.48 से
17.10.24	आश्विन	शुक्ल	15	गुरु	रेवती	भद्रा 06.58 तक
21.10.24	कार्तिक	कृष्ण	05	सोम	मृगशिरा	-
20.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	05	बुध	पुन./पुष्य	-
28.11.24.	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	गुरु	चित्रा/स्वा.	-
02.01.25	पौष	शुक्ल	03	गुरु	श्रवण	-
15.01.25	माघ	कृष्ण	02	बुध	पुष्य	पुष्य 10.25 तक
31.01.25	माघ	शुक्ल	02	शुक्र	शतभिषा	-
07.02.25	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	रोहिणी	-
10.02.25	माघ	शुक्ल	13	सोम	पुनर्वसु	-

-डॉ. दीपक वशिष्ठ

कर्णवेध मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार
15.04.24	चैत्र	शुक्ल	07	सोम	पुनर्वसु	भद्रा 12.04 से
26.04.24	वैशाख	कृष्ण	02/03	शुक्र	अनुराधा	-
01.05.24	वैशाख	कृष्ण	08	बुध	श्रवण	-
06.05.24	वैशाख	कृष्ण	13	सोम	रेवती	भद्रा 14.46 से

13.05.24	वैशाख	शुक्ल	06	सोम	पुनर्वसु/पुष्य		–
20.05.24	वैशाख	शुक्ल	12	सोम	चित्रा	–	
23.05.24	वैशाख	शुक्ल	15	गुरु	अनुराधा	अनुराधा 09.17 से	
24.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	01	शुक्र	अनुराधा	अनुराधा 10.14 तक	
29.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	06	बुध	श्रवण/धनिष्ठा		भद्रा 13.46 से
03.06.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	सोम	अश्विनी	–	
07.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	01	शुक्र	मृगशिरा	–	
17.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	सोम	चित्रा	भद्रा 06.26 तक	
20.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	13	गुरु	अनुराधा	त्रयोदशी 07.51 तक	
26.06.24	आषाढ	कृष्ण	05	बुध	धनिष्ठा	–	
13.11.24	कार्तिक	शुक्ल	12	बुध	रेवती	–	
20.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	05	बुध	पुनर्वसु/पुष्य		–
21.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	06	गुरु	पुष्य	पुष्य 15.23 तक	
27.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	बुध	चित्रा	–	
06.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05/06	शुक्र	श्रवण	–	
11.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	बुध	रेवती/अश्विनी		भद्रा 14.43 से
12.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	12	गुरु	अश्विनी	अश्विनी 09.56 तक	
15.01.25	माघ	कृष्ण	02	बुध	पुष्य	पुष्य 10.25 तक	
20.01.25	माघ	कृष्ण	06	सोम	हस्त	भद्रा 09.53 से	
30.01.25	माघ	शुक्ल	01	गुरु	श्रवण/धनिष्ठा		–
03.02.25	माघ	शुक्ल	06	सोम	रेवती	–	
10.02.25	माघ	शुक्ल	13	सोम	पुनर्वसु	–	
17.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	05	सोम	चित्रा	–	
21.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	08	शुक्र	अनुराधा	अष्टमी 12.04 तक	
26.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	13	बुध	श्रवण	भद्रा 11.10 से	
07.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	08	शुक्र	मृगशिरा	अष्टमी 09.15 तक	
10.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	11/12	सोम	पुष्य	भद्रा 07.43 तक	

-डॉ. दीपक वशिष्ठ

मुण्डन मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार
15/04/24	चैत्र	शुक्ल	7	सोम	पुनर्वसु	12:04 से 24:40 तक, सप्तमी 12:04 तक
15/01/25	माघ	कृष्ण	2	बुध	पुष्य	पुष्य (10:25 तक)
20/01/25	माघ	कृष्ण	7	सोम	हस्त	हस्त (20:19 तक), सप्तमी(9:53 से) 9:53 से 23:15 तक
22/01/25	माघ	कृष्ण	9	बुध	स्वाती	नवमी (15:20 से)
31/01/25	माघ	शुक्ल	2	शुक्र	शतभिषा	द्वितीया (14:02तक)
10/02/25	माघ	शुक्ल	13	सोम		
17/02/25	फाल्गुन	कृष्ण	5	सोम	चित्रा	
19/02/25	फाल्गुन	कृष्ण	7	बुध	स्वाती	स्वाती(10:37 तक) सप्तमी(7:29 से) 7:29 से 20:44 तक
26/02/25	फाल्गुन	कृष्ण	13	बुध	श्रवण	श्रवण(17:33 तक) त्रयोदशी (11:10 तक) 11:10 से 22:01 तक
10/03/25	फाल्गुन	शुक्ल	11	सोम	पुष्य	7:43 तक, एकादशी 7:43 तक

-डॉ. प्रवेश व्यास

अक्षरारम्भ मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार
15/01/25	माघ	कृष्ण	2	बुध	पुष्य	-----
20/01/25	माघ	कृष्ण	6	सोम	हस्त	भद्रा 9:23 से 23:15
24/01/25	माघ	कृष्ण	10	शुक्र	अनुराधा	-----
03/02/25	माघ	शुक्ल	6	सोम	रेवती	------
17/02/25	फाल्गुन	कृष्ण	5	सोम	चित्रा	-----
19/02/25	फाल्गुन	कृष्ण	6	बुध	स्वाती	7:29 से 20:44
10/03/25	फाल्गुन	शुक्ल	11	सोम	पुष्य	7:43 तक
17/03/25	चैत्र	कृष्ण	3	सोम	चित्रा	19:24 तक
20/03/25	चैत्र	कृष्ण	6	गुरु	अनुराधा	26:59 से

-डॉ. प्रवेश व्यास

विद्यारम्भ मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार
18/04/24	चैत्र	शुक्ल	10	गुरु	आश्लेषा	
15/01/25	माघ	कृष्ण	2	बुध	पुष्य	
16/01/25	माघ	कृष्ण	3	गुरु	आश्लेषा	15:13 से 27:33
30/01/25	माघ	शुक्ल	2	गुरु	धनिष्ठा	

31/01/25	माघ	शुक्ल	2	शुक्र	शतभिषा	
09/02/25	माघ	शुक्ल	12	रवि	आर्द्रा	
14/02/25	फाल्गुन	कृष्ण	2	शुक्र	पूफा	
19/02/25	फाल्गुन	कृष्ण	6	बुध	स्वाती	
23/02/25	फाल्गुन	कृष्ण	10	रवि	मूल	14:08 तक
09/03/25	फाल्गुन	शुक्ल	10	रवि	पुनर्वसु	19:43 से
16/03/25	चैत्र	कृष्ण	02	रवि	हस्त	30:08 से
26/03/25	चैत्र	कृष्ण	12	बुध	धनिष्ठा	

-डॉ. प्रवेश व्यास

उपनयन मुहूर्त्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार
14/04/24	चैत्र	शुक्ल	7	रवि	आर्द्रा	सप्तमी (11:37 से)
18/04/24	चैत्र	शुक्ल	10	गुरु	आश्लेषा	
26/04/24	वैशाख	कृष्ण	2	शुक्र	अनुराधा	20:05 से
11/07/24	आषाढ	शुक्ल	5	गुरु	पूफा	
15/01/25	माघ	कृष्ण	2	बुध	पुष्य	
16/01/25	माघ	कृष्ण	3	गुरु	आश्लेषा	15:13 से 27:33 तक
31/01/25	माघ	शुक्ल	2	शुक्र	शतभिषा	
07/02/25	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	रोहिणी	
09/02/25	माघ	शुक्ल	12	रवि	आर्द्रा	
14/02/25	फाल्गुन	कृष्ण	2	शुक्र	पूफा	
17/02/25	फाल्गुन	कृष्ण	5	सोम	चित्रा	

-डॉ. प्रवेश व्यास

विपणि मुहूर्त्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार
12.04.24	चौत्र	शुक्ल	05	शुक्र	रोहिणी	13/06 से
13.04.24	चौत्र	शुक्ल	05/06	शनि	मृगशिरा	
26.04.24	वैशाख	कृष्ण	02/03	शुक्र	अनुराधा	20/05 तक
06.05.24	वैशाख	कृष्ण	13	सोम	रेवती	14/46 तक
18.05.24	वैशाख	शुक्ल	10/11	शनि	उ.फा.	
19.05.24	वैशाख	शुक्ल	11	रवि	हस्त	13/58 से
20.05.24	वैशाख	शुक्ल	12	सोम	चित्रा	
24.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	01	शुक्रवा	अनुराधा	
27.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	05	सोम	उ.षा.	17/07 से
01.06.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	10	शनि	उ.भा.	07/27 से
02.06.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	रवि	रेवती	
03.06.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	सोम	अश्विनी	
10.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	05	सोम	पुष्य	16/02 से
20.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	13	गुरु	अनुराधा	07/51 तक
24.06.24	आषाढ़	कृष्ण	03	सोम	उ.षा.	14/44 तक
29.06.24	आषाढ़	कृष्ण	08	शनि	उ.भा.	14/20 तक
07.07.24	आषाढ़	शुक्ल	02	रवि	पुष्य	
12.07.24	आषाढ़	शुक्ल	06	शुक्र	उ.फा.	
14.07.24	आषाढ़	शुक्ल	08	रवि	चित्रा	17/30 तक
17.07.24	आषाढ़	शुक्ल	11	बुध	अनुराधा	09/08 तक
26.07.24	श्रावण	कृष्ण	06	शुक्र	उ.भा.	23/20 तक
27.07.24	श्रावण	कृष्ण	07	शनि	रेव./अश्वि.	10/14 से
31.07.24	श्रावण	कृष्ण	11	बुध	रोहि./मृग.	
09.08.24	श्रावण	शुक्ल	05	शुक्र	हस्त	
10.08.24	श्रावण	शुक्ल	06	शनि	चित्रा	
14.08.24	श्रावण	शुक्ल	10	बुध	अनुराधा	10/27 से 12/18 तक
24.08.24	भाद्रपद	कृष्ण	05/06	शनि	अश्विनी	16/10 से 17/56 तक
31.08.24	भाद्रपद	कृष्ण	13	शनि	पुष्य	
04.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	01	बुध	उ.फा.	
05.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	02	गुरु	हस्त	
06.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	03	शुक्र	हस्त/चित्रा	14/56 तक
14.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	11	शनि	उ.षा.	10/02 तक
19.09.24	आश्विन	कृष्ण	02	गुरु	उ.भा./रेव.	
20.09.24	आश्विन	कृष्ण	03	शुक्र	अश्विनी	10/53 तक
23.09.24	आश्विन	कृष्ण	06	सोम	रोहिणी	13/40 तक
27.09.24	आश्विन	कृष्ण	11	शुक्र	पुष्य	13/13 से
03.10.24	आश्विन	शुक्ल	01	गुरु	हस्त	
07.10.24	आश्विन	शुक्ल	05	सोम	अनुराधा	09/47 से
11.10.24	आश्विन	शुक्ल	08	शुक्र	उ.षा.	12/15 तक
17.10.24	आश्विन	शुक्ल	15	गुरु	रेवती	06/58 से
21.10.24	कार्तिक	कृष्ण	05	सोम	रोहि./मृग.	
24.10.24	कार्तिक	कृष्ण	08	गुरु	पुष्य	
03.11.24	कार्तिक	शुक्ल	02	रवि	अनुराधा	
04.11.24	कार्तिक	शुक्ल	03	सोम	अनुराधा	08/03 तक

14.11.24	कार्तिक	शुक्ल	13	गुरु	अश्विनी	09/49 तक
17.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	02	रवि	रोहिणी	
21.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	06	गुरु	पुष्य	15/23 तक
27.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	बुध	चित्रा	
28.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	गुरु	चित्रा	07/39 तक
05.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	गुरु	उ.षा.	12/57 से 17/37 तक
11.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	बुध	रेव./अश्वि.	14/43 तक
15.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	रवि	मृगशिरा	
22.12.24	पौष	कृष्ण	07	रवि	उ.फा.	
23.12.24	पौष	कृष्ण	08	सोम	हस्त	17/03 तक
08.01.25	पौष	शुक्ल	10	बुध	अश्विनी	14/28 से 16/32 तक
11.01.25	पौष	शुक्ल	12/13	शनि	रोहि./मृग.	
15.01.25	माघ	कृष्ण	02	बुध	पुष्य	10/25 तक
20.01.25	माघ	कृष्ण	06	सोम	हस्त	09/53 तक
02.02.25	माघ	शुक्ल	05	रवि	उ.भा.	09/15 से
03.02.25	माघ	शुक्ल	06	सोम	रेवती	
07.02.25	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	रोहिणी	
15.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	03	शनि	उ.फा.	10/36 तक
02.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	03	रवि	उ.भा./रेव.	21/03 तक
07.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	08	शुक्र	मृगशिरा	09/15 तक
10.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	12	सोम	पुष्य	07/43 से
16.03.25	चैत्र	कृष्ण	02	रवि	हस्त/चित्रा	

- डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा

वस्तु क्रय-विक्रय मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार	क्रय-विक्रय
03.04.24	चैत्र	शुक्ल	03	गुरु	कृतिका	14 / 57 तक	विक्रय
24.04.24	वैशाख	कृष्ण	01	बुध	स्वाती		क्रय
29.04.24	वैशाख	कृष्ण	05	सोम	पू.षा.		विक्रय
01.05.24	वैशाख	कृष्ण	08	बुध	श्रवण		क्रय
05.05.24	वैशाख	कृष्ण	13	रवि	रेवती	20/06 से	क्रय
09.05.24	वैशाख	शुक्ल	01/02	गुरु	कृतिका	11/50 तक	विक्रय
22.05.24	वैशाख	शुक्ल	14	बुध	स्वाती	07/47 तक, रिक्ता दोष	क्रय
23.05.24	वैशाख	शुक्ल	15	गुरु	विशाखा	09/16 तक	विक्रय
27.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	04	सोम	पू.षा.	10/21 तक, रिक्ता दोष	विक्रय
29.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	06	बुध	श्रवण	08/42 तक	क्रय
02.06.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	रवि	रेवती		क्रय
10.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	05	सोम	आश्लेषा	21/19 से	विक्रय
13.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	07	गुरु	पू.फा		विक्रय
16.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	रवि	चित्रा	11/17 से 17/43 तक	क्रय
19.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	13	बुध	अनुराधा	17/34 से	क्रय
26.06.24	आषाढ़	कृष्ण	05	बुध	शतभिषा	13/06 से	क्रय
01.07.24	आषाढ़	कृष्ण	10/11	सोम	भरणी	10/25 से	विक्रय
08.07.24	आषाढ़	शुक्ल	03	सोम	आश्लेषा		विक्रय
11.07.24	आषाढ़	शुक्ल	05	गुरु	पू.षा.	12/37 तक(व्यती.योग)	विक्रय
14.07.24	आषाढ़	शुक्ल	08	रवि	चित्रा		क्रय
17.07.24	आषाढ़	शुक्ल	11	बुध	अनुराधा	09/08 तक,	क्रय
25.07.24	श्रावण	कृष्ण	05	गुरु	पू.भा.	16/13 तक	विक्रय
05.08.24	श्रावण	शुक्ल	01	सोम	आश्लेषा		विक्रय
11.08.24	श्रावण	शुक्ल	07	रवि	स्वाती		क्रय
12.08.24	श्रावण	शुक्ल	08	सोम	विशाखा	08/31 से (भद्रा युक्त)	विक्रय
14.08.24	श्रावण	शुक्ल	10	बुध	अनुराधा	10/27 से 12/18 तक	क्रय
26.08.24	भाद्रपद	कृष्ण	08	सोम	कृतिका		विक्रय
08.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	05	रवि	स्वाती		क्रय
09..09.24	भाद्रपद	शुक्ल	06	सोम	विशाखा		विक्रय
15.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	12	रवि	श्रवण		क्रय
30.09.24	आश्विन	कृष्ण	13	सोम	पू.फा	19/06 तक	विक्रय
10.10.24	आश्विन	शुक्ल	07	गुरु	पू.षा	12/41 तक	विक्रय
28.10.24	कार्तिक	कृष्ण	11/12	सोम	पू.फा.	15/26 तक	विक्रय
30.10.24	कार्तिक	कृष्ण	14	बुध	चित्रा	21/47से भद्रा,रिक्ता दोष	क्रय
03.11.24	कार्तिक	शुक्ल	02	रवि	अनुराधा		क्रय
07.11.24	कार्तिक	शुक्ल	06	गुरु	पू.षा.	11/55 तक	विक्रय
11.11.24	कार्तिक	शुक्ल	10	सोम	पू.भा.	09/43 से	विक्रय
13.11.24	कार्तिक	शुक्ल	12/13	बुध	रेवती		क्रय
27.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	बुध	चित्रा		क्रय
11.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	बुध	रेवती		क्रय
19.12.24	पौष	कृष्ण	05	गुरु	आश्लेषा	10/00 से	विक्रय
25.12.24	पौष	कृष्ण	10	बुध	चित्रा	09/15 तक, फिर भद्रा	क्रय
26.12.24	पौष	कृष्ण	11	गुरु	विशाखा	18/19 से	विक्रय

09.01.25	पौष	शुक्ल	10	गुरु	भरणी		विक्रय
16.01.25	माघ	कृष्ण	03	गुरु	आश्लेषा	11/12 तक	विक्रय
22.01.25	माघ	कृष्ण	08	बुध	स्वाती	15/20 तक(रिक्ता दोष)	क्रय
23.01.25	माघ	कृष्ण	09	गुरु	विशाखा	रिक्ता दोष	विक्रय
06.02.25	माघ	शुक्ल	09	गुरु	कृतिका	रिक्ता दोष	विक्रय
19.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	06/07	बुध	स्वाती	10/37 तक(भद्रा दोष)	क्रय
20.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	07/08	गुरु	विशाखा	13/32 तक	विक्रय
24.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	11/12	सोम	पू.षा.		विक्रय
26.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	13	बुध	श्रवण	11/10 तक, तदनन्तर रिक्ता दोष	क्रय
02.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	03	रवि	रेवती	08/59 से	क्रय
13.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	15	गुरु	पू.फा.	10/37 से (भद्रा युक्त)	विक्रय

- डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा

सर्वदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार
31.01.25	माघ	शुक्ल	02	शुक्र	शतभिषा	-
03.02.25	माघ	शुक्ल	06	सोम	रेवती	-
07.02.25	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	रोहिणी	-
10.02.25	माघ	शुक्ल	13	सोम	पुनर्वसु	-
02.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	03	रवि	उ.भा./रेव.	रविवार मध्यम
06.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	07	गुरु	रोहिणी	भद्रा 10.47 से
09.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	10/11	रवि	पुनर्वसु	रविवार मध्यम

-डॉ. दीपक वशिष्ठ

हलप्रवहण (हल जोतने का) मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार
15.04.24	चैत्र	शुक्ल	07	सोम	पुनर्वसु	
19.04.24	चैत्र	शुक्ल	11	शुक्र	मघा	भद्रा 6:48 से 20:07 तक
24.04.24	वैशाख	कृष्ण	01	बुध	स्वाति	
03.05.24	वैशाख	कृष्ण	10	शुक्र	शतभिषा	भद्रा 10:59 से 23:42 तक
06.05.24	वैशाख	कृष्ण	13	सोम	रेवती	भद्रा 14:46 से 25:16 तक
10.05.24	वैशाख	शुक्ल	03	शुक्र	रोहिणी	अतिगण्ड 12:02 से
20.05.24	वैशाख	शुक्ल	12	सोम	चित्रा	
24.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	01	शुक्र	अनुराधा	
30.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	07	गुरु	धनिष्ठा	
03.06.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	सोम	अश्विनी	
18.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	मंगल	स्वाति	
19.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	बुध	विशाखा	
20.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	13	गुरु	अनुराधा	
24.06.24	आषाढ़	कृष्ण	03	सोम	उ. षा.	भद्रा 14:44 से 25:38 तक
26.06.24	आषाढ़	कृष्ण	05	बुध	धनिष्ठा	विष्कुम्भ 06:18 तक
16.07.24	आषाढ़	शुक्ल	10	मंगल	विशाखा	
17.07.24	आषाढ़	शुक्ल	11	बुध	अनुराधा	भद्रा 09:08 से 21:25 तक
19.07.24	आषाढ़	शुक्ल	13	शुक्र	मूल	
23.07.24	श्रावण	कृष्ण	02	मंगल	धनिष्ठा	भद्रा 08:55 से
31.07.24	श्रावण	कृष्ण	11	बुध	रोहिणी	
01.08.24	श्रावण	कृष्ण	12	गुरु	मृगशिरा	
06.08.24	श्रावण	शुक्ल	02	मंगल	मघा	
09.08.24	श्रावण	शुक्ल	05	शुक्र	हस्त	
12.08.24	श्रावण	शुक्ल	07	सोम	स्वाति	सप्तमी 07:53 तक
19.08.24	श्रावण	शुक्ल	15	सोम	श्रव./धनि.	भद्रा 13:51 से 18:54 तक
20.08.24	भाद्रपद	कृष्ण	01	मंगल	शतभिषा	
04.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	01	बुध	उ.फा.	
05.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	02	गुरु	हस्त	
06.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	03	शुक्र	हस्त/चित्रा	भद्रा 28:14 से
10.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	07	मंगल	अनुराधा	भद्रा 23:32 से
03.10.24	आश्विन	शुक्ल	01	गुरु	हस्त	
02.10.24	आश्विन	शुक्ल	02	शुक्र	चित्रा	
17.10.24	आश्विन	शुक्ल	15	गुरु	रेवती	भद्रा 06:58 तक
21.10.24	कार्तिक	कृष्ण	05	सोम	रोहिणी/मृग	
23.10.24	कार्तिक	कृष्ण	07	बुध	पुनर्वसु	भद्रा 12:45 तक
29.10.24	कार्तिक	कृष्ण	12	मंगल	उ.फा	
30.10.24	कार्तिक	कृष्ण	13	बुध	हस्त	त्रयोदशी 13:19 तक
04.11.24	कार्तिक	शुक्ल	03	सोम	अनुराधा	तृतीया 08:03 तक
06.11.24	कार्तिक	शुक्ल	05	बुध	मूल	पंचमी 11:06 तक
12.11.24	कार्तिक	शुक्ल	11	मंगल	उ.भा.	उ.भा. 07:55 से
18.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	03	सोम	मृगशिरा	भद्रा 07:47 से 18:41 तक
20.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	05	बुध	पुनर्वसु	
25.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	सोम	उ.फा	विष्कुम्भ 13:20 तक

26.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	मंगल	हस्त	
27.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	बुध	चित्रा	
28.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	गुरु	चित्रा/स्वाति	
06.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	शुक्र	श्रवण	
17.12.24	पौष	कृष्ण	02	मंगल	पुनर्वसु	भद्रा 22:28 से
18.12.24	पौष	कृष्ण	03	बुध	पुष्य	भद्रा 10:03 तक
26.12.24	पौष	कृष्ण	11	गुरु	स्वाति	
27.12.24	पौष	कृष्ण	12	शुक्र	विशाखा	
02.01.25	पौष	शुक्ल	03	गुरु	श्रवण	
14.01.25	माघ	कृष्ण	01	मंगल	पुनर्वसु	
15.01.25	माघ	कृष्ण	02	बुध	पुष्य	
21.01.25	माघ	कृष्ण	07	मंगल	चित्रा	
27.01.25	माघ	कृष्ण	13	सोम	मूल	भद्रा 20:56 से
31.01.25	माघ	शुक्ल	02	शुक्र	शतभिषा	
04.02.25	माघ	शुक्ल	07	मंगल	अश्विनी	भद्रा 26:26 से
07.02.25	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	रोहिणी	
10.02.25	माघ	शुक्ल	13	सोम	पुनर्वसु	
13.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	01	गुरु	मघा	
20.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	07	गुरु	विशाखा	
28.02.25	फाल्गुन	शुक्ल	01	शुक्र	शतभिषा	
10.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	11	सोम	पुष्य	भद्रा 7:43 तक
19.03.25	चैत्र	कृष्ण	05	बुध	विशाखा	
25.03.25	चैत्र	कृष्ण	11	मंगल	श्रवण	
26.03.25	चैत्र	कृष्ण	12	बुध	धनिष्ठा	
27.03.25	चैत्र	कृष्ण	13	गुरु	शतभिषा	भद्रा 23:26 से

-डॉ. अव्यक्त रैणा

बीजोप्ति (बीज बोने का) मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार
19.04.24	चैत्र	शुक्ल	11	शुक्र	मघा	भद्रा 6:48 से 20:07 तक
13.04.24	चैत्र	शुक्ल	05	शनि	मृगशिरा	
24.04.24	वैशाख	कृष्ण	01	बुध	स्वाति	
06.05.24	वैशाख	कृष्ण	13	सोम	रेवती	भद्रा 14:46 से 25:16 तक
10.05.24	वैशाख	शुक्ल	03	शुक्र	रोहिणी	अतिगण्ड 12:02 से
18.05.24	वैशाख	शुक्ल	10	शनि	उ.फा.	भद्रा 24:43 से
20.05.24	वैशाख	शुक्ल	12	सोम	चित्रा	
24.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	01	शुक्र	अनुराधा	
26.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	03	रवि	मूल	भद्रा 06:48 से 18:22 तक
30.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	07	गुरु	धनिष्ठा	
01.06.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	10	शनि	उ.भा.	दशमी 07:27 से
03.06.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	सोम	अश्विनी	
16.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	रवि	हस्त	भद्रा 17:43 से
20.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	13	गुरु	अनुराधा	
22.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	15	शनि	मूल	
24.06.24	आषाढ़	कृष्ण	03	सोम	उ. षा.	भद्रा 14:44 से 25:38 तक
26.06.24	आषाढ़	कृष्ण	05	बुध	धनिष्ठा	विष्कुम्भ 06:18 तक
07.07. 24	आषाढ़	शुक्ल	02	रवि	पुष्य	
17.07. 24	आषाढ़	शुक्ल	11	बुध	अनुराधा	भद्रा 09:08 से 21:25 तक
19.07. 24	आषाढ़	शुक्ल	13	शुक्र	मूल	
27.07. 24	श्रावण	कृष्ण	07	शनि	रेवती	भद्रा 10:14 तक
31.07. 24	श्रावण	कृष्ण	11	बुध	रोहिणी	
01.08.24	श्रावण	कृष्ण	12	गुरु	मृगशिरा	
09.08.24	श्रावण	शुक्ल	05	शुक्र	हस्त	
10.08.24	श्रावण	शुक्ल	06	शनि	चित्रा	
12 .08.24	श्रावण	शुक्ल	07	सोम	स्वाति	सप्तमी 07:53 तक
17.08.24	श्रावण	शुक्ल	12/13	शनि	उ.षा	उ.षा 11:53 से
19.08.24	श्रावण	शुक्ल	15	सोम	श्रव./धनि.	भद्रा 13:51 से 18:54 तक
31.08.24	भाद्रपद	शुक्ल	13	शनि	पुष्य	भद्रा 27:20 से
04.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	01	बुध	उ.फा.	
05.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	02	गुरु	हस्त	
06.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	03	शुक्र	हस्त/चि.	भद्रा 28:14 से
14.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	11	शनि	उ.षा.	भद्रा 10:02 से 21:05 तक
03.10.24	आश्विन	शुक्ल	01	गुरु	हस्त	
02.10.24	आश्विन	शुक्ल	02	शुक्र	चित्रा	
06.10.24	आश्विन	शुक्ल	03	रवि	विशाखा	भद्रा 20:46 से
13.10.24	आश्विन	शुक्ल	10	रवि	धनिष्ठा	भद्रा 19:56 से
17.10.24	आश्विन	शुक्ल	15	गुरु	रेवती	भद्रा 06:58 तक
21.10.24	कार्तिक	कृष्ण	05	सोम	रोहि./मृग	
27.10.24	कार्तिक	कृष्ण	11	रवि	मघा	

30.10.24	कार्तिक	कृष्ण	13	बुध	हस्त	त्रयोदशी 13:19 तक
02.11.24	कार्तिक	शुक्ल	02	रवि	अनुराधा	
03.11.24	कार्तिक	शुक्ल	03	सोम	अनुराधा	अनुराधा 08:03 तक
06.11.24	कार्तिक	शुक्ल	05	बुध	मूल	पंचमी 11:06 तक
18.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	03	सोम	मृगशिरा	भद्रा 07:47 से 18:41 तक
25.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	सोम	उ.फा	विष्कुम्भ 13:20 तक
27.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	बुध	चित्रा	
28.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	गुरु	चित्रा/स्वा.	
15.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	रवि	मृगशिरा	
18.12.24	पौष	कृष्ण	03	बुध	पुष्य	भद्रा 10:03 तक
22.12.24	पौष	कृष्ण	07	रवि	उ.फा.	
28.12.24	पौष	कृष्ण	13	शनि	अनुराधा	भद्रा 28:00 से
26.12.24	पौष	कृष्ण	11	गुरु	स्वाति	
11.01.25	पौष	शुक्ल	12/13	शनि	रोहि./मृग	
15.01.25	माघ	कृष्ण	02	बुध	पुष्य	
27.01.25	माघ	कृष्ण	13	सोम	मूल	भद्रा 20:56 से
31.01.25	माघ	शुक्ल	02	शुक्र	शतभिषा	
07.02.25	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	रोहिणी	
13.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	01	गुरु	मघा	
15.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	03	शनि	उ.फा	भद्रा 10:36 से 23:34 तक
02.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	03	रवि	उ.भा/रेव.	
10.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	11	सोम	पुष्य	भद्रा 7:43 तक
16.03.25	चैत्र	कृष्ण	02	रवि	हस्त	भद्रा 30:08 से
26.03.25	चैत्र	कृष्ण	12	बुध	धनिष्ठा	

-डॉ. अव्यक्त रैणा

गृहारम्भ मुहूर्त्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार	चक्र शुद्धि
24.04.24	वैशाख	कृष्ण	01	बुध	स्वाती	24/52 तक	शुद्ध
26.04.24	वैशाख	कृष्ण	02/03	शुक्र	अनुराधा	20/05 तक	शुद्ध
17.07.24	आषाढ़	शुक्ल	11	बुध	अनुराधा	09/08 तक	शुद्ध
18.07.24	आषाढ़	शुक्ल	12	गुरु	ज्येष्ठा		शुद्ध
19.07.24	आषाढ़	शुक्ल	13	शुक्र	मूल	20/00 तक	शुद्ध
22.07.24	श्रावण	कृष्ण	01/02	सोम	श्रव./धनि.		शुद्ध
25.07.24	श्रावण	कृष्ण	05	गुरु	उ.भा.	16/13 से	अशुद्ध
26.07.24	श्रावण	कृष्ण	06	शुक्र	उ.भा./रेव.	23/20 तक	अशुद्ध
27.07.24	श्रावण	कृष्ण	07	शनि	रेव./अश्वि.	10/14 से	अशुद्ध
31.07.24	श्रावण	कृष्ण	11	बुध	रोहिणी		अशुद्ध
09.08.24	श्रावण	शुक्ल	05	शुक्र	हस्त		अशुद्ध
10.08.24	श्रावण	शुक्ल	06	शनि	चित्रा		अशुद्ध
14.08.24	श्रावण	शुक्ल	10	बुध	अनु/ज्ये.	10/27 से	शुद्ध
17.08.24	श्रावण	शुक्ल	13	शनि	उ.षा.	11/53 से	शुद्ध
19.08.24	श्रावण	शुक्ल	15	सोम	श्रव./धनि.	13/51 से	शुद्ध
23.08.24	भाद्रपद	कृष्ण	05	शुक्र	रेव./अश्वि.	10/37 से	अशुद्ध
24.08.24	भाद्रपद	कृष्ण	06	शनि	अश्विनी	17/56 तक	अशुद्ध
26.08.24	भाद्रपद	कृष्ण	08	सोम	रोहिणी	15/44 से	अशुद्ध
28.08.24	भाद्रपद	कृष्ण	10	बुध	मृगशिरा	15/40 तक	अशुद्ध
31.08.24	भाद्रपद	कृष्ण	13	शनि	पुष्य	19/29 तक	अशुद्ध
04.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	01/02	बुध	उ.फा.		अशुद्ध
05.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	02/03	गुरु	हस्त		अशुद्ध
06.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	03	शुक्र	हस्त/चित्रा	14/50 तक	अशुद्ध
09.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	06/07	सोम	अनुराधा	18/10 से	अशुद्ध
11.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	08	बुध	ज्ये. / मूल	11/53 से	शुद्ध
14.09.24	भाद्रपद	शुक्ल	08	शनि	उ.षा.		शुद्ध
18.10.24	कार्तिक	कृष्ण	01/02	शुक्र	अश्विनी	13/29 तक	शुद्ध
21.10.24	कार्तिक	कृष्ण	05	सोम	रोहि./मृग.		अशुद्ध
23.10.24	कार्तिक	कृष्ण	07	बुध	पुनर्वसु	12/45 से	अशुद्ध
24.10.24	कार्तिक	कृष्ण	08	गुरु	पुष्य		अशुद्ध
28.10.24	कार्तिक	कृष्ण	11/12	सोम	उ.फा.	15/26 से	अशुद्ध
04.11.24	कार्तिक	शुक्ल	03	सोम	अनुराधा		अशुद्ध
06.11.24	कार्तिक	शुक्ल	05	बुध	मूल	11/06 तक	अशुद्ध
07.11.24	कार्तिक	शुक्ल	06	गुरु	उ.षा.	11/55 से	अशुद्ध
08.11.24	कार्तिक	शुक्ल	07	शुक्र	उ.षा.		अशुद्ध
09.11.24	कार्तिक	शुक्ल	08	शनि	श्रवण	11/51से	शुद्ध
13.11.24	कार्तिक	शुक्ल	12/13	बुध	रेवती		शुद्ध
14.11.24	कार्तिक	शुक्ल	13	गुरु	अश्विनी	09/49 तक	शुद्ध
20.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	05	बुध	पुनर्वसु		अशुद्ध
21.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	06	गुरु	पुष्य	15/23 तक	अशुद्ध
27.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	बुध	चित्रा		अशुद्ध

28.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	गुरु	चित्रा/स्वा.		अशुद्ध
29.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	शुक्र	स्वाती	08/42 तक	अशुद्ध
02.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	01/02	सोम	ज्ये./मूल		अशुद्ध
05.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	गुरु	उ.षा.	12/57 से	अशुद्ध
06.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05/06	शुक्र	श्रवण		अशुद्ध
11.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	बुध	रेव./अश्वि.	14/43 तक	शुद्ध
18.01.25	माघ	कृष्ण	05	शनि	उ.फा.	14/14 से	अशुद्ध
20.01.25	माघ	कृष्ण	06	सोम	हस्त	09/53 तक	अशुद्ध
22.01.25	माघ	कृष्ण	08	बुध	स्वाती	15/20 तक	अशुद्ध
25.01.25	माघ	कृष्ण	11	शनि	ज्येष्ठा		अशुद्ध
27.01.25	माघ	कृष्ण	13	सोम	मूल	09/05 तक	अशुद्ध
31.01.25	माघ	शुक्ल	02	शुक्र	शतभिषा		अशुद्ध
03.02.25	माघ	शुक्ल	06	सोम	रेवती		अशुद्ध
07.02.25	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	रोहिणी		शुद्ध
10.02.25	माघ	शुक्ल	13	सोम	पुनर्वसु		शुद्ध
15.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	03	शनि	उ.फा.	10/36 तक	शुद्ध
19.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	06	बुध	स्वाती	07/29 तक	अशुद्ध
20.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	08	गुरु	अनुराधा	13/32 से	अशुद्ध
22.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	10	शनि	ज्येष्ठा	13/29 से	अशुद्ध
26.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	13	बुध	श्रवण	11/10 तक	अशुद्ध
28.02.25	फाल्गुन	शुक्ल	01	शुक्र	शतभिषा	13/42 तक	अशुद्ध
01.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	02	शनि	उ.भा.	11/22 से	अशुद्ध
07.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	08	शुक्र	मृगशिरा	09/15 तक	शुद्ध
10.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	12	सोम	पुष्य	07/43 से	शुद्ध

- डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा

नूतन गृहप्रवेश मुहूर्त्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार	चक्र शुद्धि
26.04.24	वैशाख	कृष्ण	02/03	शुक्र	अनुराधा	20/05 तक	अशुद्ध
18.10.24	कार्तिक	कृष्ण	01/02	शुक्र	अश्विनी	13/29 तक	अशुद्ध
21.10.24	कार्तिक	कृष्ण	05	सोम	रोहि/मृग		अशुद्ध
24.10.24	कार्तिक	कृष्ण	08	गुरु	पुष्य	25/23 तक	अशुद्ध
28.10.24	कार्तिक	कृष्ण	12	सोम	उ.फा.	15/26 से	शुद्ध
04.11.24	कार्तिक	शुक्ल	03	सोम	अनुराधा	08/03 तक	अशुद्ध
06.11.24	कार्तिक	शुक्ल	05	बुध	मूल	11/16 तक	अशुद्ध
08.11.24	कार्तिक	शुक्ल	07	शुक्र	उ.षा	24/21 तक	शुद्ध
09.11.24	कार्तिक	शुक्ल	08	शनि	श्रवण	11/51 से 23/21 तक	शुद्ध
11.11.24	कार्तिक	शुक्ल	10/11	सोम	शतभिषा	09/43 तक,व्याघात योग	शुद्ध
13.11.24	कार्तिक	शुक्ल	12/13	बुध	रेवती		शुद्ध
14.11.24	कार्तिक	शुक्ल	13	गुरु	अश्विनी	09/49 तक	शुद्ध
16.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	01/02	शनि	रोहिणी	19/26 से, परिघ योग	अशुद्ध
18.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	03	सोम	मृगशिरा	07/47 तक	अशुद्ध
21.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	06	गुरु	पुष्य	16/48 तक	अशुद्ध
25.11.24	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	सोम	उ.फा.	11/32तक, विष्कु. योग	शुद्ध
02.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	02	सोम	मूल	15/53 से	अशुद्ध
05.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	गुरु	उ.षा/श्रवण	12/57 से	अशुद्ध
06.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06	शुक्र	धनिष्ठा	17/27 से	शुद्ध
07.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06/07	शनि	धनि./शत.	व्याघात/हर्षण योग	शुद्ध
11.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	बुध	रेव./अश्वि.	14/43 तक	शुद्ध
12.12.24	मार्गशीर्ष	शुक्ल	12	गुरु	अश्विनी	09/56 तक	शुद्ध
15.01.25	माघ	कृष्ण	02	बुध	पुष्य	10/25 तक	अशुद्ध
18.01.25	माघ	कृष्ण	05	शनि	उ.फा.	14/41 से	अशुद्ध
20.01.25	माघ	कृष्ण	07	सोम	चित्रा	23/15 से	अशुद्ध
22.01.25	माघ	कृष्ण	08	बुध	स्वाती	15/20 तक	शुद्ध
24.01.25	माघ	कृष्ण	11	शुक्र	अनुराधा	19/40 से	शुद्ध
30.01.25	माघ	शुक्ल	01	गुरु	श्रव./धनि.	व्यतिपात योग	अशुद्ध
31.01.25	माघ	शुक्ल	02/03	शुक्र	शतभिषा		अशुद्ध
03.02.25	माघ	शुक्ल	06	सोम	रेवती		शुद्ध
07.02.25	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	रोहिणी		शुद्ध
08.02.25	माघ	शुक्ल	11	शनि	मृगशिरा	17/57 तक	शुद्ध
10.02.25	माघ	शुक्ल	13	सोम	पुष्य	17/52 से 18/47 तक	शुद्ध
14.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	03	शुक्र	उ.फा.	22/54 से	अशुद्ध
15.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	03	शनि	उ.फा.	10/36 तक	अशुद्ध
17.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	05	सोम	चित्रा		अशुद्ध
19.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	06	बुध	स्वाती	07/29 तक	अशुद्ध
20.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	08	गुरु	अनुराधा	13/32 से	अशुद्ध
21.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	08	शुक्र	अनुराधा	12/04तक,व्याघात योग	अशुद्ध
22.02.25	फाल्गुन	कृष्ण	10	शनि	मूल	17/54 से 25/48 तक	शुद्ध
28.02.25	फाल्गुन	शुक्ल	01	शुक्र	शतभिषा	13/42 तक	अशुद्ध

03.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	05	सोम	अश्विनी	18/00 से	अशुद्ध
06.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	07	गुरु	रोहिणी	10/47 तक	शुद्ध
07.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	08	शुक्र	मृगशिरा	09/15 तक	शुद्ध
10.03.25	फाल्गुन	शुक्ल	12	सोम	पुष्य	07/43 से	शुद्ध

- डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा

जीर्ण गृहप्रवेश मुहूर्त्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विचार	चक्र शुद्धि
24.04.24	वैशाख	कृष्ण	01	बुध	स्वाती		अशुद्ध
26.04.24	वैशाख	कृष्ण	02/03	शुक्र	अनुराधा	20/05 तक	अशुद्ध
01.05.24	वैशाख	कृष्ण	07/08	बुध	श्रवण		अशुद्ध
03.05.24	वैशाख	कृष्ण	10	शुक्र	शतभिषा	10/59 तक	शुद्ध
18.05.24	वैशाख	शुक्ल	10/11	शनि	उ.फा.	24/43 तक	शुद्ध
20.05.24	वैशाख	शुक्ल	12	सोम	चित्रा		शुद्ध
24.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	01	शुक्र	अनुराधा	10/14 तक	अशुद्ध
25.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	02/03	शनि	मूल	10/42 से	अशुद्ध
29.05.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	06/07	बुध	श्रव./धनि.	13/46 तक	अशुद्ध
01.06.24	ज्येष्ठ	कृष्ण	10	शनि	उ.भा.	07/27 से 18/17 तक	शुद्ध
10.06.24	ज्येष्ठ	शुक्ल	05	सोम	पुष्य	16/02 से 21/19 तक	अशुद्ध
17.07.24	आषाढ़	शुक्ल	11	बुध	अनुराधा	09/08 तक	शुद्ध
19.07.24	आषाढ़	शुक्ल	13	शुक्र	मूल	20/00 तक	शुद्ध
26.07.24	श्रावण	कृष्ण	06	शुक्र	उ.भा.	23/20 तक	अशुद्ध
27.07.24	श्रावण	कृष्ण	27	शनि	रेवती	10/14 से	अशुद्ध
10.08.24	श्रावण	शुक्ल	06	शनि	चित्रा		शुद्ध
12.08.24	श्रावण	शुक्ल	07	सोम	स्वाती	07/53 तक	शुद्ध
14.08.24	श्रावण	शुक्ल	10	बुध	अनुराधा	10/27 से 12/18 तक	शुद्ध
18.10.24	कार्तिक	कृष्ण	01/02	शुक्र	अश्विनी	13/29 तक	अशुद्ध
21.10.24	कार्तिक	कृष्ण	05	सोम	रोहि/मृग		अशुद्ध
24.10.24	कार्तिक	कृष्ण	08	गुरु	पुष्य		अशुद्ध
04.11.24	कार्तिक	शुक्ल	03	सोम	अनुराधा	08/03 तक	अशुद्ध
06.11.24	कार्तिक	शुक्ल	05	बुध	मूल	11/06 तक	अशुद्ध
09.11.24	कार्तिक	शुक्ल	08	शनि	श्रव./धनि.	11/51 से	शुद्ध
14.11.24	कार्तिक	शुक्ल	13	गुरु	अश्विनी	09/49 तक	शुद्ध

- डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा

-श्रीनवग्रहस्तोत्रम्-

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम्।
तमोऽसर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्।।

दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम्।
नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम्।।

धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम्।
कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगल प्रणमाम्यहम्।।

प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।

देवानां च मुनीनां च गुरुं कांचनसन्निभम्।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम्।।

हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्।
सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्।।

नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्।
छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।

अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम्।
सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।

पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्।।

गोधूलि प्रशंसा

ऋषि मुनियों ने गोधूलि वेला सभी प्रकार के विवाहादि मंगल कार्यो में शुभ कही गयी है। गोधूलि वेला में पञ्चांग शुद्धि एवं लग्न शुद्धि विचार नहीं करना चाहिए। यथा-

नास्यामृक्षं न तिथि-करणं नैव लग्नस्य चिंता, नो वा वारो न च लवविधिर्नो मुहूर्तस्य चर्चा।
नो वा योगो न मृतिभवनं नैव जामित्रदोषो, गोधूलिः सा मुनिभिरुदिता सर्वकार्येषु शस्ता।।

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 100)

विशेष - प्रशस्त गोधूलि लग्न का आवश्यक होने पर मुहूर्ताभाव में उपयोग करना चाहिये। अन्यथा शुद्धि देखते हुये विवाह करना प्रशस्त होता है। नारद के मतानुसार कुछ विशिष्ट स्थानों पर गोधूलि का उपयोग करना चाहिये। यथा-

प्राच्यानां च कलिंगानां मुख्यं गोधूलिकं स्मृतं। गान्धर्वादिविवाहेषु वैश्योद्वाहे च योजयेत्।।

गोधूलि लक्षणं

हेमन्तऋतु अर्थात् मार्गशीर्ष पौष माघ फाल्गुन मासों में जब सूर्य बिम्ब निस्तेज गोलक के समान हो जाता है उस समय गोधूलि लग्न होती है। ग्रीष्मऋतु अर्थात् चैत्र वैशाख ज्येष्ठ आषाढ़ मासों में सूर्य बिम्ब का आधा भाग अस्त होने पर तथा वर्षाऋतु अर्थात् श्रावण भाद्रपद आश्विन कार्तिक मासों में सम्पूर्ण बिम्ब के अस्त होने पर गोधूलि लग्न होती है। इस प्रकार ऋतु भेद से तीन प्रकार की गोधूलि लग्न कही गयी है। इसका सभी प्रकार के शुभ कार्यों में उपयोग करना शुभकारक होता है। यथा -

पिण्डीभूते दिनकृति हेमन्तर्तौं स्यादर्घास्ते तपसमये गोधूलिः। सम्पूर्णास्ते जलधरमालाकाले त्रेधा योज्या सकलशुभे कार्यादौ।।

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 101)

गोधूलि में त्याज्य

गुरुवार के दिन सूर्यास्त के बाद एवं शनिवार के दिन सूर्यास्त से पूर्व गोधूलि वेला शुभ कही गयी है। गोधूलि काल में विवाह लग्न से अष्टम षष्ठ और लग्न में यदि चन्द्रमा हो तो कन्या के लिये कष्टप्रद होता है। लग्न सप्तं और अष्टं भाव में मंगल हो तो वर के लिये कष्टप्रद होता है। एकादश द्वितीय एवं तृतीय भाव में स्थित चन्द्रमा सुख कारक होता है। यथा-

अस्तं याते गुरुदिवसे सौरे सार्के लग्नान्मृत्यौ रिपुभवने लग्नेचेन्दौ।
कन्यानाशस्तनुमदमृत्युस्थे भौमे वोढुर्लाभे धनसहजे चन्द्रे सौख्यम्।।

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 102)

विविध मुहूर्तो का विचार

गर्भाधान मुहूर्त

यह षोडश संस्कारों में प्रथम संस्कार हैं, क्योंकि जीवन का प्रारम्भ इसी से होता है।

निषिक्तो यत्प्रयोगेण गर्भ संधार्यते स्त्रिया।
तद्गर्भालम्भनं नामकर्म प्रोक्तं मनीषिभिः।।

रजोदर्शन प्रारम्भ से 4 रात्रि उपरान्त सम रात्रियों में रोहिणी, हस्त, मृगशिरा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा इन नक्षत्रों में मेष, कर्क, सिंह, धनु, मकर इन लग्नों मे तथा लग्न से 3-6-11वें स्थान पर पाप ग्रह हो रवि, मंगल, और गुरु की लग्न पर दृष्टि, नवांश विषम राशि का हो (स्त्री का विशेष रूप से चन्द्र श्रेष्ठ हो) ऐसे समय का विचार कर गर्भाधान संस्कार करें। पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा नक्षत्रों में गर्भाधान मध्यम है।

श्रेष्ठ नक्षत्र - रोहणी, हस्त, मृगशिरा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा

मध्यम नक्षत्र - पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा

लग्न - मेष, कर्क, सिंह, धनु, मकर व लग्न से 3,6,11 वें पापग्रह

नवांश - 1, 3, 5, 7, 9, 11

रात्रियां रजोदर्शन से - 6, 8, 10, 12, 14, 16 वीं

पुंसवन तथा सीमन्तोनयन मुहूर्त

गर्भधारण का निश्चय हो जाने के पश्चात् शिशु को पुंसवन नामक संस्कार के द्वारा अभिषिक्त किया जाता है। इसका अभिप्राय पुमान् (पुरुष) का सवन (जन्म) हो।

पुमान् प्रसूयते येन कर्मणा तत् पुंसवनमीरितम्।

गर्भ के तृतीय मास में रवि, मंगल, गुरुवार को दम्पति के श्रेष्ठ चन्द्र मे, तारा शुद्धि मे रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त, मूल. श्रवण, 3 उत्तरा नक्षत्रों में जन्म नक्षत्र को त्याग कर, शुक्लपक्ष की 1, 2, 3, 4, 5, 7, 10, 11, 13 तथा कृष्ण पक्ष में दशमी पर्यन्त तिथियों में दिन के पूर्व भाग में पुरुष संज्ञक नवांश लग्न में होने पर तथा लग्न से 1, 4, 5, 7, 9, 10 स्थानों पर शुभ ग्रह तथा 3, 6, 11 वें स्थानों पर पापग्रहों की स्थिति में एवं चन्द्र की 1,6,8,12वें स्थिति न होने पर पुंसवन व सीमन्त संस्कार शुभ हैं इस संस्कार में गुरु शुक्रास्त अविचारणीय है। गर्भ से 6, 8 मासों मे मासाधिपति बली होने पर शुभ हैं।

मास - गर्भ से 6, 8 मासों मे मासाधिपति बली होने पर शुभ है।

तिथि - शुक्लपक्ष की 1,2,3,4,5,7,10,11,13 तथा कृष्ण पक्ष में दशमी पर्यन्त

नक्षत्र - रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त, मूल. श्रवण, 3 उत्तरा नक्षत्रों में जन्म नक्षत्र को त्याग कर

लग्न - 1,3,5,7,11

वार - रवि, मंगल, बुध, गुरु, मतान्तर से सोम, बुध, शुक्र

स्तनपान मुहूर्त

जन्म से पांचवें दिन अथवा भद्रा, व्यतिपात, 4,9,14 तिथि को छोड़कर शुभ तिथि को सोम, बुध, गुरु, शुक्र वारों में पुनर्वसु. पुष्य, मृगशिरा, मघा, श्रवण, रेवती नक्षत्रों में बालक को प्रथम बार स्तनपान कराना शुभ हैं।

तिथि - 2,3,5,8,10,11,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - पुनर्वसु, पुष्य, मृगशिरा, मघा, श्रवण, रेवती

त्याज्य - भद्रा, व्यतिपात, वैधृति 4, 9, 14 तिथि

जलपूजन मुहूर्त

जन्म के अनन्तर प्रथम मास की समाप्ति पर बुध, गुरु, चन्द्र, वारों में 4,9,14,30 तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में मृगशिरा,पुनर्वसु. पुष्य, हस्त, अनुराधा मूल, श्रवण नक्षत्रों में प्रसूता स्त्री द्वारा जलपूजन करना (कुंआ-पूजना) श्रेष्ठ है।

चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त का विचार एक मास के बाद ही करें।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - बुध-गुरु-चन्द्र

नक्षत्र - मृगशिरा, पुनर्वसु. पुष्य, हस्त, अनुराधा मूल, श्रवण, धनिष्ठा

त्याज्य - प्रथममासोपरान्त चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त, रिक्ता व अमावस्य तिथि

जातकर्म और नामकरण संस्कार मुहूर्त

जीवन में व्यवहार का सम्पूर्ण आधार नाम पर ही निर्भर होता है।

नामाखिलस्य जगतः व्यवहार हेतुः शुभावहं कर्मसु भाग्यहेतुः।

नाम्नैव कीर्तिं लभते मनुष्यस्ततः प्रशस्तं खलु नाम कर्म।।

जातकर्म अर्थात् शिशु के जन्म होने के बाद का कार्य नाल छेदन से पूर्व करना उचित है। नामकरण सूतक निवृत्ति के उपरान्त ब्राह्मण 11वें दिन, क्षत्रिय 13वें दिन, शूद्र 21वें दिन, कुल की परम्परा के अनुसार करें। दस दिन से पूर्व कदापि शुद्धि के अभाव के करण नामकरण संस्कार न करें। सूतक समाप्ति पर 11वें या 12वें दिन नामकरण संस्कार विना विचारें कर लें। 12 दिन के बाद भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिनों में रिक्ता 1,2,3,5,6,7,10,11,12,13 इन

तिथियों में शुभवार, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, अभिजित, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती नक्षत्रों में लग्न नवांश के बल का विचार कर नामकरण करें।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, अभिजित, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती

त्याज्य - जन्म से 10 दिन, भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिन

निष्क्रमण मुहूर्त

बालक को प्रथम बार घर से बाहर निकलनें को ही निष्क्रमण कहते हैं। जन्म से बारहवें दिन बिना मुहूर्त विचार के बालक का निष्क्रमण कर, सूर्य नक्षत्र का पूजन कर सूर्य नक्षत्र व देवताओं का दर्शन करावें। यदि बारहवें दिन यह न हो पाये तब 3 मास में मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता, विष्टि, अमावस्य आदि अशुभ योग से भिन्न शुभ दिन में, अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा नक्षत्रों में प्रथम निष्क्रमण शुभ है।

तिथि - पञ्चमास में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम-बुध-गुरु-शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल श्रवण, धनिष्ठा

त्याज्य - मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता तिथि, अमावस्या., विष्टि, अशुभ योग

भूमि पर प्रथमोपवेशन मुहूर्त्त

जन्म से पञ्चम मास में रिक्ता, अमावस्य रहित तिथि, शुभवार, अश्विनी. , रोहिणी , मृगशिरा , पुष्य हस्त अनुराधा ज्येष्ठा अभिजित तीनों उत्तरा नक्षत्रों में स्थिर लग्न का विचार कर बालक की कमर में काला सूत्र बांधकर पृथ्वी और वराह का पूजन कर "पृथ्वी" पर बैठावें। इस समय बालक के सामने विविध वस्तुएं रखें आजीविका की जिस वस्तु को वह उठावे उसी से आजीविका समझनी चाहिये।

तिथि - पंचम मास में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी. रोहिणी., मृगशिरा. पुष्य, हस्त, अनुराधा. ज्येष्ठा, तीनों उत्तरा

लग्न - 2, 5, 8, 11

अन्नप्राशन मुहूर्त

बालक के नामकरण, निष्क्रमण, भूमि उपवेशन के बाद 6,8,10,12वें मास में पुत्र को और 5,7,9 वें मास में कन्या को अन्नप्राशन करावें।

विशेष-उक्त मासों में भद्रा व्यतिपात दोष रहित 1,3,5,7,10,13,15 तिथियों में शुभवार अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त चित्रा स्वाति. अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों उत्तरा, रेवती नक्षत्रों में 1,3,4,5,7,9 स्थानों मे शुभ ग्रह हो जन्म लग्न या जन्मराशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा 12,1,8 लग्न को त्यागकर पाप-शुद्ध दशम भाव इन सभी बातों का ध्यान कर अन्नप्राशन कराना श्रेष्ठ है।

मास - 6,8,10,12वें मास में पुत्र 5,7,9 वें मास मे कन्या

तिथि - 1,3,5,7,10,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा, रेवती

लग्न - 1,3,4,5,6,7,9,10,11

त्याज्य - जन्म लग्न या जन्मराशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा 12,1,8 लग्न, पाप-शुद्ध दशम भाव

कर्णवेध मुहूर्त

कर्ण वेध के महत्व के सन्दर्भ मे सुश्रुत ने कहा है कि कर्णवेध करने से अन्त्रवृद्धि, अण्डकोष वृद्धि आदि का निरोध होता है।

शंङ्खोपरि च कर्णान्ते त्यक्त्वा यत्नेन् सेवनीयम्।

व्यत्यासाद्वा शिरां विध्येद् अन्त्रवृद्धि निवृत्तये॥

समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता को छोड़कर जन्म से 12वें या 16वें दिन अथवा 6, 7, 8वें मास में या विषम वर्षों में शुभवार, अश्विनि, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती नक्षत्रों में लग्न से अष्टम शुद्ध समय में वृष, तुला, धनु, मीन लग्न में तथा गुरु की लग्न में स्थिति होने पर कर्ण-वेध श्रेष्ठ होता है।

वर्षादि - विषम वर्ष, 6,7,8 वें मास, जन्म से 12वें या 16वें दिन

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती

लग्न - 2,7,9,12

त्याज्य - समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व जन्म तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता।

चूड़ाकर्म (मुण्डन) मुहूर्त्त

अपने कुल की परम्परा के अनुसार इष्टदेव या तीर्थ स्थान पर मुण्डन संस्कार और कर्ण वेध किया जा सकता है। यह चौलकर्म विषमवर्ष या उत्तरायण में 2,3,5,10,11,13 तिथियों, शुभवारों में अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त चित्रा, स्वाति, ज्येष्ठा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती, नक्षत्रों मे करना श्रेष्ठ है। अष्टम भाव शुद्ध होना चाहिये। ज्येष्ठ, चैत्र मास मे न करें। बालक की माता को पांच मास की गर्भ स्थिति होने पर 5 वर्ष से न्यून अवस्था के शिशु का मुण्डन न करें।

सूनोर्मातरि गर्भिण्यां चूडाकर्म न कारयेत्।

पञ्चाब्दात्प्रागथेर्ध्वं तु गर्भिण्यामपि कारयेत्॥

वर्षादि - विषमवर्ष या उत्तरायण

तिथि - 2,3,5,7,10,11,13

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, ज्येष्ठा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती।

त्याज्य - लग्न से अष्टम ग्रह, ज्येष्ठ, चैत्र मास, समवर्ष, दक्षिणायन।

कन्या के नाक बिंधवाने का मुहूर्त्त

शुक्लपक्ष की रिक्ता व अमावस्या रहित तिथि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र अशुभ योग रहित प्रथम प्रहर, अश्वि. मृग. पुन. पुष्य, हस्त, चि., अनु., श्रव, ध नि, रेव, तीनों उत्तरा, स्वाती, शत, इन नक्षत्रों में कन्या को नाक बींधना शुभ है।

पक्ष - शुक्लपक्ष

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

प्रहर - प्रथम

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती, तीनों उत्तरा, स्वाती, शतभिषा

अक्षरारम्भ मुहूर्त

बालक को विद्यारम्भ से पूर्व अक्षरारम्भ का विचार होता है। सूर्य उत्तरायण हो जन्म से 5,7 वें वर्ष में 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12 तिथि, शुभवार, अश्विनी, आर्द्रा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, रेवती इन नक्षत्रों में, चर लग्नों को छोड़कर, अन्य लग्नों में गणेश, विष्णु, सरस्वती, लक्ष्मी, तथा अपने देवताओं का पूजन कर अक्षरारम्भ करें।

अयन - उत्तरायण

वर्ष - 5, 7

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

तिथि - 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12

लग्न - 1,3,5,6,8,9,11,12

नक्षत्र - अश्विनी, आर्द्रा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, रेवती

विद्यारम्भ मुहूर्त

अक्षरारम्भ के उपरान्त विशेष ज्ञान को बढाने वाली किसी भी भाषास्थ विद्या(विशेषत: संस्कृत भाषस्थ विद्या) का प्रारम्भ फाल्गुन मास छोड़कर उत्तरायण 2,3,5,6,10,11,12 तिथियों में, रवि, बुध,गुरु शुक्र वारों में और अश्विनी आश्लेषा, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों पूर्वा, रेवती इन नक्षत्रों में श्रेष्ठ हैं। अंग्रेजी, फारसी, उर्दू के विद्यारम्भ के लिये रवि, मंगल, शनिवार, रिक्ता तिथि, ज्येष्ठा. आश्लेषा, मघा, 3पूर्वा, भरणी, कृतिका., विशाखा, आर्द्रा, उत्तराषाढ़ा, शतभिषा, इन नक्षत्रों मे शुभ है।

अयन - उत्तरायण

तिथि - 2,3,5,6,10,11,12 तिथियों में

विद्यारम्भ त्याज्य - फाल्गुन मास रिक्ता, अमावस्या तिथियां

वार - रवि, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, आश्लेषा, आर्द्रा, पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों पूर्वा, रेवती

उपनयन मुहूर्त

उपनयनसंस्कार बालक के जन्म से या गर्भ से ब्राह्मण का 8 वें, क्षत्रिय का 11 वें, वैश्य का 12 वें वर्ष में करना श्रेयस्कर है। इस काल के व्यतीत हो जाने पर ब्राह्मण 16 वें वर्ष, क्षत्रिय 22 वें वर्ष वैश्य 24 वें वर्ष तक उपनयन संस्कार करा सकते हैं।-

विप्राणां व्रतबन्धनं निगदितं गर्भाज्जनेर्वाष्टमे।

वर्षे वाप्यथ पञ्चमे क्षितिभुजां षष्ठे तथैकादशे।

वैश्यानां पुनरष्टमेऽप्यथ पुनः स्याद् द्वादशे वत्सरे।

कालेऽथ द्विगुणे गते निगदिते गौणं तदाहुर्बुधाः॥

बालक(बटुक) का गुरुबल तथा चन्द्रबल विचार करें। देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण सूर्य मे, रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्रवारों में शुक्लपक्ष की 2,3,5,10,11,12 तथा कृष्णपक्ष की 2,3,5 तिथियों में अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती इन नक्षत्रों के क्रूर तथा वेधरहित होने पर, पूर्वाह्न में, अभिजित मुहूर्त में, यज्ञोपवीत संस्कार करावें।

चैत्र व मीन के सूर्य में, वृष या कर्क के पूर्ण चन्द्रमा के लग्न में रहने पर विशेष श्रेष्ठतम होता है। सामवेदियों को मंगलवार भी श्रेष्ठ होता है। तथा भौम बल विचार भी आवश्यक होता है। उपनयन संस्कार में दक्षिणायन सूर्य, ज्ये. शुक्ल

2, तथा आषाढ़ शुक्ल 10, पौष शुक्ल 11, माघ शुक्ल 12, संक्रांति दिन, रोगबाण, रवि के 8, 12, 26 गतांश, लग्नेश और चन्द्र, शुक्र, गुरु की 6, 8,12 में स्थिति, 1,5,8 वें भावों में पापग्रह अशुभ हैं। अतः इन सब का परित्याग कर उपनयन संस्कार करें।

वर्ष - ब्राह्मण-(8या16),क्षत्रिय-(11या 22), वैश्य-(12या 24)

अयन - देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण में।

वार - रवि, चन्द्र, बुध, गुरु एवं शुक्र

तिथि - शुक्लपक्ष की 2,3,5,10,11,12 तथा कृष्णपक्ष की 2,3,5

नक्षत्र - अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा,, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा

गुरु - 5,11,9,2,7 श्रेष्ठ, 10,6,3,1 पूज्य, 4,8,12 निन्दित

अन्य ग्राह्य पूर्वाह्न, अभिजित मुहूर्त(सामवेदियों का भौमबल व मंगलवार भी)

त्याज्य - गुरु शुक्र का बाल वृद्धास्त, दक्षिणायन, संक्रान्ति दिवस रोगबाण तथा लग्नेश ,चन्द्र, शुक्र, गुरु की 6, 8,12 में स्थिति, 1,5,8 वें भावों में पापग्रह अशुभ

विवाह संस्कार मुहूर्त्त

भारतीय मनीषियों नें मानव जीवन को चार आश्रमों में विभाजित किया है- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और सन्यास इन चारों आश्रमों में गृहस्थाश्रम की मुख्याधारा विवाह है। यह संस्कार ही वस्तुतः धर्मार्थकाममोक्षस्वरूपी चतुर्वर्ग फलप्राप्ति का आधार है। इस संस्कार के उपरान्त ही मनुष्य सन्तानोत्पत्ति के साथ देव-ऋषि एवं पितृ ऋणों से मुक्ति प्राप्त करता है। अतः विवाह संस्कार के समय का निर्णय हमारे ऋषिमुनियों ने बड़ी सूक्ष्मता से किया है। धर्मशास्त्रों में अष्टविध विवाह में विशेषरूप से आज कल गन्धर्व विवाह पद्धति (जिसको प्रेम विवाह कहा जाता है) को अपनाया जा रहा है। "ब्राह्म विवाह" विधि मे मुख्य रूप से वर कन्या की गोत्रादि भिन्नता, मेलापक (नक्षत्र व मंगली आदि का मिलान), जाति का विचार किया जाता है।

स्त्री को मुख्य रूप से धर्म-अर्थ-काम की प्रदात्री मानकर तथा सन्तान सिद्धि का मुख्य साधन समझ कर विवाह के समय का विशेष विचार किया जाता है।

भार्या त्रिवर्गकरणं शुभशील युक्ता।

शीलं शुभं भवति लग्नवशेन तस्याः।

तस्माद्विवाहसमयः परिचिन्त्यते हि।

तन्निघ्नतामुपगताः सुतशीलधर्माः॥

इस विवाह संस्कार को ब्रह्मचर्य के पश्चात् पुरुष 25 वर्षोपरान्त विषम वर्षों में कन्या 16 वर्षों के अनन्तर समवर्षों में शुभ समय का विचार कर करें। विवाह से पूर्व उसके अंगभूत वरवरण व कन्यवरण का भी विचार कर लें। इन सब में नाम राशि तथा जन्मराशि में से जन्मराशि का ही ग्रहण करें, क्योंकि-

विवाहे सर्वमांगल्ये यात्रायां ग्रहगोचरे ।

जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशिं न चिन्तयेत्॥1॥

कुर्यात् षोडशकर्माणि जन्मराशौ बलान्विते।

सर्वाण्यन्यपि कर्माणि नामराशौ बलान्विते॥2॥

यदि जन्म की राशि अज्ञात हो तो नाम की राशि से मेलापकादि कार्य किये जा सकते है। परन्तु महत्व जन्मराशि का ही है।

जन्मलग्नमिदमङ्गमङ्गनां मेनिरे मन इतीन्दुमन्दिरम्।

सौहृदं हि मनसोर्न देहयोः मेलकस्तदयमिन्दुगेहयोः।

किसी का मत है कि यदि प्रसिद्ध नामराशि से ही मेलापक करना हो तो एक बात का विशेष ध्यान रहे कि वर का प्रसिद्ध नाम, कन्या का जन्म नाम व कन्या का प्रसिद्ध नाम वर का जन्मनाम ऐसा विपरीत ग्रहण न करें। दोनों का जन्म नाम ही लें अथवा दोनों का प्रसिद्ध नाम ही लें। क्योंकि-

जन्मभं जन्मधिष्ण्येन नामधिष्ण्येन नामभम्।

व्यत्ययेन यदा योज्यं दम्पत्योर्निधनप्रदम्।।

वर-कन्या की जन्मपत्रिका में मेलापक विचार - वर-कन्या की कुन्डली में वर्ण, वश्य, तारा, योनि, ग्रहमैत्री, गणमैत्री, भकूट, तथा नाड़ी इन आठ बातों का विशेष रूप से विचार किया जाता है। वर्ण का 1, वश्य के 2, तारा के 3, योनि के 4, ग्रहमैत्री के 5, गणमैत्री के 6, भकूट के 7, तथा नाड़ी के 8 गुण उत्तरोत्तर ग्रहण किये जाते हैं। इस प्रकार इन सभी गुणों का योग 36 होता है। यथा-

वर्णो वश्यं तथा तारा योनिश्च ग्रह मैत्रकम्।

गणमैत्रं भकूटञ्च नाड़ी चेते गुणाधिकाः।।

गुण संख्या ग्रहण करने का विचार - वर कन्या की कुन्डली का विचार करने पर 16 गुणों से कम गुण मिलने पर निन्द्य, 20 से कम मिलने पर मध्यम तथा 20 गुण से अधिक मिलने पर उत्तम कहा गया है।

गुणाः षोडशभिः न्यूना निन्द्या मध्यस्तु विंशतिः।

श्रेष्ठास्त्रिंशद् गुणाः प्रोक्ताः परतस्तूत्तमोत्तमाः।।

दुष्ट भकूट, गणकूट का परिहार - यदि मिलान करने पर दुष्ट भकूट प्राप्त हो और वर कन्या के राशि के स्वामी एक हो अथवा राशि के स्वामियों में परस्पर मित्रता हो तथा नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्टभकूट का दोष नहीं होता तथा षडाष्टक से भिन्न राशियों में परस्पर राशियों के स्वामियों की शत्रुता में भी यदि राशि के नवांश के स्वामी बली और आपस मे मित्र हों और नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्टभकूट के दोषों का नाश करता है। तथा कन्या की तारा व नाड़ी नक्षत्र की परस्पर शुद्धि होने पर पुरुष राशि से स्त्री की राशि वश्य न होने पर भी दुष्ट-भकूट का परिहार हो जाता है।

प्रोक्ते दुष्टभकूटके परिणयस्त्वेकाधिपत्येशुभो-

ऽथोराशीश्वरसौहृदऽपि गदितो नाड्र्क्षशुद्धिर्यदि।

अन्यर्क्षेऽशपयोर्बलित्वसखिते नाड्र्क्षशुद्धौ तथा-

ताराशुद्धिवशेन राशिवशताभावे निरुक्तो बुधैः।।

इसी प्रकार वर-कन्या के राशि के स्वामियों तथा नवांश के स्वामियों की परस्पर मित्रता होने पर गणदोष का नाश करती है, तथा शुभ भकूट ग्रह शत्रुता के दोष को नष्ट कर देता है।

मैत्र्यां राशिस्वामिनोरंशनाथ-द्वन्ददस्याऽपि स्याद् गणानां न दोषः।

खेटारित्वं नाशयेत् सद् भकूटं खेटप्रीतिश्चाऽपिदुष्टं भकूटम्।

नाड़ी दोष तथा गणदोष का परिहार - वर-कन्या की राशि एक हो तथा नक्षत्र भिन्न हो अथवा नक्षत्र एक हो और राशि भिन्न हो तो नाड़ि दोष तथा गण दोष का नाश होता है। एक नक्षत्र होने पर भी चरण के भेद से उक्त दोष नही होता।

राश्यैक्ये चेद् भिन्नमश्क्षं द्वयोः स्यान्। नक्षत्रैक्येराशियुग्मं तथैव।

नाड़ी दोषो नो गणानां च दोषो। नक्षत्रैक्ये पादभेदे शुभं स्यात्।।

एकराशौ पृथग् धिष्ण्ये पुंतारा प्रथमा भवेत्।

अतीवशोभना प्रोक्ता स्त्रीतारा चेत्वशोभना।।

वर-वरण मुहूर्त

विवाह संस्कार से पूर्व शुभलग्न, शुभवार, शुभतिथि, शुभ नवांश में कुयोग रहित दिन मे कृ, रो, 3 पूर्वा 3 उत्तरा इन नक्षत्रों में चन्द्र बल देखकर ब्राह्मण वा कन्या का सहोदर (भाई) वस्त्र, यज्ञोपवीत, द्रव्य, मिष्ठान्न, श्रीफल, ऋतुफल आदि सहित वर के गृह पर आकर वर को वरण करे अर्थात् तिलक लगावें।

कन्या-वरण मुहूर्त

वर की माता या स्वयं वर अथवा वर के कुलाचार के अनुसार अन्य कोई-अशुभ योग रहित शुभ दिन में कृत्तिका, 3पूर्वा, स्वाती, अनु., उ.षा., श्र. ध निष्ठा तथा विवाहोक्त नक्षत्रों, (रोहिणी, तीनों उत्तरा, रेवती, मूल, मृगशिरा, मघा, हस्त) में शुभ समय (लग्न) में वस्त्र भूषणादि सहित फलपुष्पादि से कन्या को वरण करें।

त्रिबल शुद्धि विचार

सूर्य, गुरु एवं चन्द्र शोधन का विचार त्रिबल शुद्धि कहलाता है। त्रिबल शुद्धि के अन्तर्गत वर की राशि से सूर्य व चन्द्र का विचार तथा कन्या की राशि से गुरु व चन्द्र का विचार करना चाहिये। मुहूर्तचिन्तामणि के अनुसार कन्या के जन्म से 6 वर्ष की आयु के बाद रजोदर्शन से पूर्व गुरु की शुद्धि तथा वर की राशि से सूर्य की शुद्धि से विषम वर्षों में एवं दोनों की राशि से चन्द्र शुद्धि अनिवार्य है।

स्त्रीणां गुरुबलं श्रेष्ठं पुरुषाणां रवेर्बलम्।

तयोश्चन्द्रबलं श्रेष्ठमिति गर्गेण निश्चितम्।।

फल	सूर्य (वर)	गुरु (कन्या)	चन्द्र (वर-कन्या)
श्रेष्ठ	3, 6, 10, 11	2, 5, 7, 9, 11	1, 2, 3, 5, 6 7, 9 10, 11
पूज्य	1, 2, 5, 7, 9	1, 3, 6, 10	0
नेष्ट	4, 8, 12	4, 8, 12	4, 8, 12

गोचरे वा विलग्ने वा ये ग्रहारिष्टसूचकाः।

पूजयेत्तान प्रयत्नेन पूजिता स्युः शुभप्रदाः।।

ज्येष्ठ विचार

ज्येष्ठ विचार के अन्तर्गत त्रि ज्येष्ठ (ज्येष्ठ वर, ज्येष्ठ कन्या व ज्येष्ठ मास) नेष्ट और द्वि ज्येष्ठ (वर, कन्या व मास में से कोइ भी दो) मध्यम होता है। मुहूर्तचिन्तामणि के अनुसार-

ज्येष्ठद्वन्द्वं मध्यमं सम्प्रदिष्टं त्रिज्येष्ठं चेन्नैव युक्तं कदापि।

केचित्सूर्यं वह्निगं प्रोज्झ्य चाऽऽहुर्नैवान्योऽन्यं ज्येष्ठयोः स्याद्विवाहः।।

वर-कन्या तेलबान-दिन संख्या

जन्म राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
तैल संख्या	7	10	5	10	5	7	7	5	5	5	5	7

विवाह लग्न शोधन

व्यये शनिः खेऽवनिजस्तृतीये भृगुस्तनौ चन्द्रखला न शस्ताः।

लग्नेट् कविग्लौश्च रिपौ मृतौ ग्लौर्लग्नेट् शुभाराश्च मदे च सर्वे।।

विवाह लग्न से 12वें शनि, 10वें भौम, 3रे शुक्र, लग्न में चन्द्र व पापग्रह (सू. भौ. श. रा. के.) शुभ नहीं होते हैं। 6वें स्थान पर लग्नेश, शुक्र और चन्द्र, 8वें स्थान में चन्द्र, भौम, लग्नेश व सभी शुभग्रह तथा सातवें स्थान पर सभी ग्रह त्याज्य हैं।

गोधूलि विचार - गोधूलि समय में यदि 6वें, 8वें व लग्न में चन्द्र हो तो कन्या के लिये अशुभ कारक तथा लग्न, 7वें एवं 8वें भाव में भौम हो तो वर के लिये अनिष्ट कारक होगा। गोधूलि वेला में यदि चन्द्र 2रे, 3रे और 11वें भाव में हो तो उपरोक्त दोनों दोषों का शमन कर शुभफल प्रदान करता है।

अस्तं याते गुरुदिवसे सौरे सार्के लग्नान्मृत्यौ रिपुभवने लग्ने चेन्दौ।

कन्यानाशस्तनुमदमृत्युस्थे भौमे वोढुर्लाभे धनसहजे चन्द्रे सौख्यम्।।

भाव	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
त्याज्य	पाप चन्द्र	0	शु.	रा.	0	चं. शु. लग्नेश	सभी	चं.,भौ. शुभग्रह लग्नेश	0	भौ.	0	श.
गोधू. त्याज्य	भौम चन्द्र	-	-	-	-	चन्द्र	भौम	चन्द्र भौम	-	-	-	-

वधू-प्रवेश मुहूर्त

विवाह संस्कार हो जाने के बाद प्रथम बार वधू का पतिगृह में प्रवेश वधू-प्रवेश कहलाता है। विवाह से 16 दिन के अन्दर बिना तिथ्यादि का विचार किये भी स्थिर लग्न मे वधू प्रवेश शुभ है। एक मास तक विषम दिनों में, एक वर्ष के भीतर विषम मास में और एक वर्ष के उपरान्त स्थिर लग्न में तीसरे पाञ्चवें वर्ष में भी शुभ हैं। इसके उपरान्त शुभ मुहूर्त (तिथ्यादि का) विचार कभी भी हो सकता है। वधू प्रवेश में रेवती, अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, श्रवण, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, स्वाति, भरणी, मघा, तीनों उत्तरा, पुष्य, अनुराधा इन नक्षत्रों में शुभ वारों में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15 तिथियों में स्थिर लग्नों में चतुर्थाष्टम भाव शुद्ध होने पर शुभ होता है। व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमावस्या, संक्रान्ति, रिक्ता तिथियों में वधू प्रवेश वर्जित है।

दिन - विवाह से 16 दिन के अन्दर अथवा 7,5,9 वें दिनों में।

मास एवं वर्ष - विषम मास, विषम वर्ष।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

नक्षत्र - रेवती, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, श्रवण, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, स्वाति, भरणी, मघा, तीनों उत्तरा, पुष्य, अनुराधा।

वार - चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र।

लग्न - स्थिर लग्नों में चतुर्थ एवं अष्टम भाव शुद्ध हो।

त्याज्य - व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमावस्या, संक्रान्ति व रिक्ता तिथि।

वधूप्रवेशो न दिवा प्रशस्तः राजप्रवेशो न निशि प्रशस्तः।

दिवा च रात्रौ च गृहप्रवेशः सत्कीर्तिदः स्यात्त्रिविधः प्रवेशः।।

द्विरागमन-मुहूर्त

वधुप्रवेशोपरान्त द्वितीय बार पिता के घर से पतिगृह में प्रवेश द्विरागमन कहलाता है। यह 1,2,5 इन विषम वर्षों में 1,8,11 राशि के सूर्य में सूर्य गुरु की शुद्धि देखकर शुभ वार 1,2,3,6,7,12 लग्नों में हस्त, अश्विनी, रेवती, तीनों उत्तरा, रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, चित्रा, अनुराधा नक्षत्रों में शुभ माना गया है।

वर्ष - विषम (5 वर्ष तक)

मास - 1 8 11 राशि के सूर्य में सूर्य गुरु की शुद्धि

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,15

वार - सोम, बुध, गुरु एवं शुक्र

लग्न - 1,2,3,6,7,12

नक्षत्र - हस्त, अश्विनी, रेवती, तीनों उत्तरा रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, चित्रा, अनुराधा

त्याज्य - सम्मुख तथा दक्षिण शुक्र। (रेवती से मृगशिरा तक चन्द्र के रहने पर शुक्र शुभ हो जाता है। (सामान्य अवस्था में त्याज्य)

यात्रा मुहूर्त्त

शुभतिथि	शुक्लपक्ष 2, 3, 5, 7, 10, 11, 13, 15
	कृष्णपक्ष 1, 2, 3, 5, 7, 10, 11, 13
शुभवार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र श्रेष्ठ
शुभनक्षत्र	अश्वि., मृग., पुन., पुष्य, हस्त, अनु., श्रव., धनि., रेव.

यात्रा काल में सूर्य विचार

सूर्य स्थिति	यात्रा फल
मेष, सिंह, धनु	प्रशस्त
वृष, मिथुन, तुला, मकर कुम्भ मीन	मध्यम
कर्क, वृश्चिक, मीन	अधम

यात्रा काल में चन्द्रविचार

दिशा	चन्द्र की राशि में स्थिति
पूर्व	मेष, सिंह, धनु
दक्षिण	वृष, कन्या, मकर
पश्चिम	मिथुन, तुला, कुम्भ
उत्तर	कर्क, वृश्चिक, मीन

चन्द्र स्थिति वश फल

चन्द्र स्थिति	यात्रा फल
सम्मुख	अर्थलाभ
दक्षिण भाग	सुख-सम्पत्ति
पृष्ठ भाग	प्राण हानि
वाम भाग	धन नाश

यात्रा मे दिशाशूल विचार

दिशा	त्याज्य वार
पूर्व	शनि, चन्द्र
दक्षिण	गुरु
पश्चिम	शुक्र, रवि
उत्तर	बुध, मंगल

दिशाशूल परिहार वाक्य

न वारदोषाः प्रभवन्ति रात्रौ देवेज्यदैत्येज्यदिवकराणाम्।
दिवा शशांकार्कजभूसुतानां सर्वत्र निन्द्यो बुधवारदोषः।।

सूर्यवारे घृतं प्राश्य चन्द्रवारे पयस्तथा
गुडमंगारकेवारे बुधवारे तिलान्यपि।

गुरुवारे दधि प्राश्यं शुक्रवारे यवानपि

माषान्भुक्त्वा शनेवरि गच्छञ्छूले न दोषभाक्॥

गृह-निर्माण मुहूर्त

भूमि परीक्षण - इष्ट भूमि पर जहां मकान का निर्माण होना है एक हाथ गहरा एक हाथ लम्बा एक हाथ चौडा गढ्ढा बनावें। उसको पानी से पूर्ण कर दें। प्रातः वेला में उसे देखें। यदि जल युक्त पूर्ण हो तो शुभ निर्जल मध्यम तथा निर्जल छिन्न भिन्न हो तो अशुभ भूमि।

शुभ मास - वैशाख,श्रावण, मर्गशीर्ष, माघ फाल्गुन, एवं मेष, वृष कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, मकर, कुम्भ सूर्य रहते गृहाराम्भ शुभ तथा भाद्रपद-कार्तिक मास भी समान्यतया मान्य है।

शुभतिथि - 2, 3, 5, 6, 7, 10, 11, 12, 13, 15 तथा कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा।

शुभवार - चन्द्र,बुध,गुरु,शुक्र,शनि।

शुभनक्षत्र - राहि., मृग., चित्रा, हस्त, स्वा., अनु., उत्तरा 3, धनि, शत, रेवती तथा पुष्य।

शुभ लग्न -मेष मिथुन सिंह कन्या वृश्चिक कुम्भ मीन तथा लग्न बल हेतु केन्द्र त्रिकोण स्थानों में शुभ ग्रह तथा 3 6 11 में पाप ग्रह एवं अज़्टम स्थान शुद्ध होने पर नवीन भवन निर्माण शुभद रहता है।

भूशयन गणना क्रम -सूर्य जिस नक्षत्र में रहें उससे 5, 7, 9, 12, 19, 26 इन दिन नक्षत्रों में पृथ्वी शयन शील रहती है। इन नक्षत्रों में भी क्रमशः 4, 8, 5, 3, 6, 7 घटी कालांश मात्र में भूशयन शेष घटियों में सुप्त नही इनमें कूप, तडाग, बीज वपन, हल चलाना, खननेज़्ट है।

भूशयने मतान्तरम् - इष्ट सूर्य संक्रान्ति से 5, 7, 11, 9, 15, 20, 22 ,23, 28 इन दिनों में धरती शयन दोष कतिपय विद्वान 5, 7, 9, 15, 21, 24 दिन मात्र में ही भूशयन मानते है।

गृहारम्भे वृषभ वत्स गणना - सूर्य नक्षत्र से इष्ट दिन नक्षत्र गणना 7 तक अशुभ, तदग्रे 11 तक शुभ तदग्रे 10 गणना तक अशुभ, अभिजित सहित गणना करना चाहिएं।

भूमि क्रय विक्रय मुहूर्त्त - दानो पक्ष की 5, 6, 10, 11, 15 तथा कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा। गुरु तथा शुक्रवार एवं मृग., पुन., आश्ले., मघा, विशा., अनु., 3पूर्वा, मूल, रेव. आदि नक्षत्रो में भूमि खरीदना व बेचना शुभ फल देता है।

अग्निवास विशेषता - नित्य नैमित्तिक कार्य, जन्म समय, दूर्गा पूजा, यात्रा, विवाह, ग्रहणरोग, पीड़ा तथा दुर्भिक्ष शान्ति यज्ञ विवाह याज्ञोपवीत आदि में अग्निवास का विचार नहीं करें।

विवाहयात्राव्रतगोचरेषु चूड़ोपनीतिग्रहणे यंक्तगादौः।

दुर्गा विधाने च सुतप्रसूतौ नैवाग्निचक्रं परिचिंतनीयम्॥

नवीन गृह प्रवेश मुहूर्त्त

मास - वैशाख, ज्येष्ठ, माघ, फाल्गुन आदि चान्द्र मास विशेष शुभ तथा कार्तिक मार्गशीर्ष मास सामान्यतया मान्य हैं

तिथि - चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी रहित सभी तिथि मान्य

शुभ लग्न -वृष, सिंह, वृश्चिक, कुम्भ लग्नों में सामान्यतः 3 6 9 12 लग्नों में भी मान्यता। लग्न से 1, 2, 3, 4, 5, 7, 9, 10 इन स्थानों शुभ ग्रह तथा 3, 6, 11 भावों में पाप ग्रह रहे तथा चन्द्रमा 1, 4, 6, 8, 12 स्थानों में नहीं होवें तथा चतुर्थ अष्टम भाव शुद्ध हो। जन्म राशि से अष्टम राशि का लग्न न हो तथा कलश

चक्र की शुद्धि देखकर सन्मुख में गाय, कन्या , जलपूर्ण कलश पुष्पमाला, श्रीफल सहित वेदध्वनि मांगलिक गायन वाद्य के साथ नवगृह प्रवेश शुभ है।

शुभ वार - चन्द्र बुध, गुरु, शुक्र, शनि

शुभ नक्षत्र -रोहि., मृग., चि., अनु., उत्तरा 3 तथा रेवती विशेष शुभ एवं जीर्ण गृह में पुष्य स्वाति धनिष्ठा शतभिषा भी मान्य है।

कलशचक्र गणना - अभिजित नक्षत्र रहित करे सूर्य नक्षत्र से इष्ट दिन नक्षत्र गणना 5 तक अशुभ, अग्रिम 8 तक शुभ, तदग्रे 8 तक अशुभ एवं आगे 6 तक शुभ शुद्धि गणना समझे।

खात विचार

देवालय निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार				
सूर्य राशि	मेष, वृष,मिथुन	कर्क,सिंह,कन्या	तुला,वृश्चिक,धनु	मकर,कुम्भ,मीन
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	आग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण
गृह निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार				
सूर्य राशि	सिंह,कन्या,तुला	वृश्चिक,धनु,मकर	कुम्भ,मीन,मेष	वृष,मिथुन,कर्क
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	अग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण
जलाशय निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार				
सूर्य राशि	मकर,कुम्भ,मीन	मेष, वृष,मिथुन	कर्क,सिंह,कन्या	तुला,वृश्चि.,धनु
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	अग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

काकिणी विचार

स्ववर्ग द्विगुणं कृत्वा परवर्गेण योजयेत् अष्टभिः हरेद् भागं योऽधिकः स ऋणी भवेत्॥

गांव के नाम वर्ग संख्या एवं गृहस्वामी के नाम वर्ग को संख्या अलग-अलग दुगुना करके परस्पर एक दूसरे की वर्ग संख्या में जोड़कर आठ से भाग देनेपर शेष में जो भी अधिक हो उसे हानि होगी। तात्पर्य यह है कि गृहस्वामी की संख्या यदि स्थान के नाम की संख्या से अधिक है तो वहां निवास करने से उस व्यक्ति विशेष को हानि होगी। निम्नलिखित आधार पर वर्गों की संख्या एवं वर्णो को तथा सारणी द्वारा निवास के लिए शुभाशुभ फल को जानना चाहिए -

अवर्ग = 1 - सभी स्वर   कवर्ग = 2 - क,ख,ग,घ,ङ   चवर्ग = 3 - च,छ,ज,झ,ञ
टवर्ग = 4 - ट,ठ,ड,ढ,ण   तवर्ग = 5 - त,थ,द,ध,न   पवर्ग = 6 - प,फ,ब,भ,म
यवर्ग = 7 - य,र,ल,व   शवर्ग = 8 - श,ष,स,ह

स्थान	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ
स्थान	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ
स्थान	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ
स्थान	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ
स्थान	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ
स्थान	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ
स्थान	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ
स्थान	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

तिथि एवं वार के योग से बनने वाले विभिन्न शुभाशुभ योग

योग / वार	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
सिद्धि योग	-	-	3, 8, 13	2, 7, 12	5, 10, 15	1, 6, 11	4, 9, 14
मृत्यु योग	1, 6, 11	2, 7, 12	1, 6, 11	3, 8, 13	4, 9, 14	2, 7, 12	5, 10, 15
विष योग	4	6	7	2	8	9	7
हुताशन योग	12	6	7	8	9	10	11
क्रकच योग	12	11	10	9	8	7	6

नक्षत्र एवं वार के योग से बनने वाले विभिन्न शुभाशुभ योग

योग / वार	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
दग्ध योग	भरणी	चित्रा	उत्तराषाढ़ा	धनिष्ठा	उत्तराफाल्गुनी	ज्येष्ठा	रेवती
यमघंट योग	मघा	विशाखा	आर्द्रा	मूल	कृत्तिका	रोहिणी	हस्त
सर्वार्थसिद्धि योग	अश्वि. पुष्य हस्त मूल उत्तरा-3	श्रवण रोहिणी मृग. पुष्य अनुराधा	अश्वि. उ.भा. कृत्ति. आश्ले.	रोहिणी अनु. हस्त कृत्ति. मृग.	रेवती अनु. अश्वि. पुन. पुष्य	रेवती अनु. अश्वि. पुन. श्रवण	श्रवण रोहिणी स्वाती

नन्दा च भद्रा च जया च रिक्ता ....सितज्ञभौमार्किगुरौ च सिद्धाः । मु. चि., 1.4
नन्दा भद्रा नन्दिकाख्या .... रवेर्दग्धभं स्यात् । मु. चि., 1.5

षष्ठयादितिथियो ....रदधावने । मु. चि., 1.6
सूर्येश..................त्वश्यम् । मु. चि., 1.8,9
सूर्येऽर्कमूलोत्तरपुष्यदास्रं .... सर्वाथसिद्ध्यै कथितानि पूर्वैः । मु. चि., 1.28,29

गण्डमूल नक्षत्र-घटी बोधक चक्र

अश्विनी, मघा, मूल की आरम्भिक 3, 4, 9 घटी एवं रेवती, आश्लेषा, ज्येष्ठा की अंतिम 12, 11, 6 घटी गण्डमूल संज्ञक होती हैं।

नक्षत्र	अश्विनी	मघा	मूल	रेवती	आश्लेषा	ज्येष्ठा
घटी	3	4	9	12	11	6
स्थिति	आरम्भिक	आरम्भिक	आरम्भिक	अंतिम	अंतिम	अंतिम

षोडश कक्ष व्यवस्था

ईशान — पूर्व — आग्नेय

मन्दिर	भण्डार कक्ष	स्नानगृह	दधिमन्थनकक्ष	रसोईघर
औषधि कक्ष				घी/तेल कक्ष
कोषागार				शयन कक्ष
रतिकक्ष				शौचालय
धान्य/पशुशाला	रोदन कक्ष	भोजनगृह	अध्ययनकक्ष	शस्त्र/भण्डार

उत्तर (बायाँ) — दक्षिण (दायाँ)

वायव्य — पश्चिम — नैऋत्य

विंशोत्तरी महादशा एवं अन्तर्दशा बोधक चक्र

सूर्य 6 वर्ष कृ.,उ.फा.,उ.षा.				चन्द्र 10 वर्ष रोहि.,हस्त,श्रव.				मंगल 7 वर्ष मृग.,चित्रा,धनि.				राहु 18 वर्ष आ.,स्वा.,शत.				गुरु 16 वर्ष पुन.,विशा.,पू.भा.			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
सू.	00	03	18	चं.	00	10	00	मं.	00	04	27	रा.	02	08	12	बृ.	02	01	18
चं.	00	06	00	मं.	00	07	00	रा.	01	00	18	बृ.	02	04	24	श.	02	06	12
मं.	00	04	06	रा.	01	06	00	बृ.	00	11	06	श.	02	10	06	बु.	02	03	06
रा.	00	10	24	बृ.	01	04	00	श.	01	01	09	बु.	02	06	18	के.	00	11	06
बृ.	00	09	18	श.	01	07	00	बु.	00	11	27	के.	01	00	18	शु.	02	08	00
श.	00	11	12	बु.	01	05	00	के.	00	04	27	शु.	03	00	00	सू.	00	09	18
बु.	00	10	06	के.	00	07	00	शु.	01	02	00	सू.	00	10	24	चं.	01	04	00
के.	00	04	06	शु.	01	08	00	सू.	00	04	06	चं.	01	06	00	मं.	00	11	06
शु.	01	00	00	सू.	00	06	00	चं.	00	07	00	मं.	01	00	18	रा.	02	04	24

शनि 19 वर्ष पुष्य,अनु.,उ.भा.				बुध 17 वर्ष आश्ले.,ज्ये.,रेव.				केतु 7 वर्ष मघा,मूल,अश्वि.				शुक्र 20 वर्ष पू.फा.,पू.षा.,भर.			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	ति.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
श.	03	00	03	बु.	02	04	27	के.	00	04	27	शु.	03	04	00
बु.	02	08	09	के.	00	11	27	शु.	01	02	00	सू.	01	00	00
के.	01	01	09	शु.	02	10	00	सू.	00	04	06	चं.	01	08	00
शु.	03	02	00	सू.	00	10	06	चं.	00	07	00	मं.	01	02	00
सू.	00	11	12	चं.	01	05	00	मं.	00	04	27	रा.	03	00	00
चं.	01	07	00	मं.	00	11	27	रा.	01	00	18	बृ.	02	08	00
मं.	01	01	09	रा.	02	06	18	बृ.	00	11	06	श.	03	02	00
रा.	02	10	06	बृ.	02	03	06	श.	01	01	09	बु.	02	10	00
बृ.	02	06	12	श.	02	08	09	बु.	00	11	27	के.	01	02	00

योगिनी दशा एवं अन्तर्दशा बोधक चक्र

मंगला 1 वर्ष श्रव.,आर्द्रा चित्रा			पिंगला 2 वर्ष धनि.,पुन. स्वाती			धान्या 3 वर्ष शत.,पुष्य विशा.			भ्रामरी 4 वर्ष अश्वि.,आश्ले. अनु.,पू.भा.			भद्रिका 5 वर्ष भर.,मघा ज्ये.,उ.भा.			उल्का 6 वर्ष कृत्ति.,पू.फा. मूल,रेवती			सिद्धा 7 वर्ष रो.,उ.फा. पू.षा.			संकटा 8 वर्ष मृग.,हस्त उ.षा.		
यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	ति.	यो.	मा.	ति.	यो.	मा.	ति.
मं.	00	10	पिं.	01	10	धा.	03	00	भ्रा.	05	10	भ.	08	10	उ.	12	00	सि.	16	10	सं.	21	10
पिं.	00	20	धा.	02	00	भ्रा.	04	00	भ.	06	20	उ.	10	00	सि.	14	00	सं.	18	20	मं.	02	20
धा.	01	00	भ्रा.	02	20	भ.	05	00	उ.	08	00	सि.	11	20	सं.	16	00	मं.	02	10	पिं.	05	10
भ्रा.	01	10	भ.	03	10	उ.	06	00	सि.	09	10	सं.	13	10	मं.	02	00	पिं.	04	20	धा.	08	00
भ.	01	20	उ.	04	00	सि.	07	00	सं.	10	20	मं.	01	20	पिं.	04	00	धा.	07	00	भ्रा.	10	20
उ.	02	00	सि.	04	20	सं.	08	00	मं.	01	10	पिं.	03	10	धा.	06	00	भ्रा.	09	10	भ.	13	10
सि.	02	10	सं.	05	10	मं.	01	00	पिं.	02	20	धा.	05	00	भ्रा.	08	00	भ.	11	20	उ.	16	00
सं.	02	20	मं.	00	20	पिं.	02	00	धा.	04	00	भ्रा.	06	20	भ.	10	00	उ.	14	00	सि.	18	20

नैसर्गिकमैत्री एवं उच्च नीच चक्र

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
मित्र	चं.,मं. गु.	सू.,बु.	सू.,चं. गु.	सू.,शु.	सू.,चं. मं.	बु.,श.	बु.,शु.
सम	बु.	मं.,गु. शु.,श.	शु.,श.	मं.,गु. श.	श.	मं.,गु.	गु.
शत्रु	शु.,श.		बु.	चं.	बु.,शु.	सू.,चं.	सू.,चं. मं.
उच्च	मे.10	वृष.03	म.28	कं.15	क.05	मी.27	तु.20
नीच	तु.10	वृ.03	क.28	मी.15	म.05	कं.27	मे.20

पुरुष कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	अंगपीड़ा	धनहानि	आरोग्य	दुःख	सन्तानहानि	शत्रुक्षय	दुष्टपत्नी	अल्पायु	दुष्टबुद्धि	पराक्रमी	धनवान	दुष्टस्वभाव
चन्द्र	कान्तियुक्त	सम्पत्तियुक्त	कीर्तिवान्	सुखी	धन,पुत्रयुक्त	अल्पायु	सुशीलापत्नी	योगी	धर्मात्मा	तेजवान	धनवान	कामी
मंगल	रक्तविकार	ऋणी	पराक्रमी	दुःख	पुत्रहीन	शत्रुक्षय	स्त्रीक्षय	शरीरकष्ट	पापबुद्धि	तेजवान	धनवान	दुष्टपत्नी
बुध	सुखी	धन,गुणयुक्त	शत्रुक्षय	सुखी	अल्पपुत्र	रोगयुक्त	धर्मज्ञ	गुणवान	सुखी	कीर्तिमान	धनवान	दरिद्र
बृहस्पति	विद्वान	धनागम	पापरत	सुखी	प्रतापवान	कामी	सुशीलापत्नी	नीचस्वभाव	धर्मरत	सम्पत्तियुक्त	लाभ	दुष्ट
शुक्र	सुखी	धनयुक्त	पापरत	सुखी	बुद्धिमान	रोगयुक्त	कामी	नीचस्वभाव	तपस्वी	सम्पत्तियुक्त	सुमति	रोगी
शनि	दुःखी	धनहानी	पराक्रमी	दुःखी	पुत्रहीन	शत्रुक्षय	दुष्टपत्नी	नेत्रविकार	दुष्टबुद्धि	पराक्रमी	धनवान	दुःखी
राहु	रोगी	निर्धन	पराक्रमी	मातृकष्ट	दुर्बुद्धि	बलयुक्त	पत्नीकष्ट	रोगी	दीन	मानसम्मान	सुविख्यात	पतित
केतु	कामी	दुष्ट	पराक्रमी	दुःखी	मन्दबुद्धि	बलवान	पत्नीहानी	क्लेश	पापी	पिताकीहानी	धनवान	दुर्जन

स्त्री कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	क्रोधी	दरिद्रा	सुपुत्रयुक्ता	पीड़ा	विपुत्रा	सुखिनी	दुःखकष्ट	वैधव्य	धर्मज्ञा	सुकर्मयुक्ता	लाभयुक्ता	रोगिणी
चन्द्र	अल्पायु	बहुधनयुक्ता	सुखिनी	सुभगा	सुपुत्रयुक्ता	रोगिणी	पतिप्रिया	रोगिणी	सुखिनी	धर्मज्ञा	गुणवती	हीनांगी
मंगल	वैधव्य	वन्ध्या	विसहजा	दुःखकष्ट	विपुत्रा	आरोग्या	वैधव्य	नेत्ररोग	दुःखी	कुपुत्रा	लाभयुक्ता	दुष्टा
बुध	सुभगा	धनयुक्ता	पुत्रवती	सुगृहा	बुद्धितेजयुक्ता	क्रोधी	पतिव्रता	कृतघ्ना	सुभोगा	सत्कर्मा	पतिव्रता	कृशांगी
बृहस्पति	सती	धनयुक्ता	सुसहजा	सुखी	गुणवती	विपत्ति	कीर्तियुक्ता	रोगिणी	पुत्रवती	साधवी	सुपुत्रा	सुव्यया
शुक्र	सुखी	सुभगा	धनवती	सुखी	पुत्रवती	दरिद्रा	पतिप्रिया	विसुखा	धर्मरता	धनवती	सुपुत्रा	सुव्यया
शनि	वन्ध्या	दुःखी	सुदक्षा	हृदयरोगी	विपुत्रा	गुणवती	वैधव्य	दुःखी	वन्ध्या	पापी	लाभयुक्ता	मुर्खा
राहु	अपुत्रा	दरिद्रा	धनयुक्ता	रोगकष्ट	विपुत्रा	धनयुक्ता	दुःखिता	वैधव्य	वन्ध्या	दुष्कर्मा	आरोग्या	दुष्टा
केतु	दुःखी	दुःखकष्ट	रोगयुक्ता	मातृहानि	अपुत्रा	धनयुक्ता	वैधव्य	दुःखी	शोकयुक्ता	पापरता	सुभगा	रोगयुक्ता

द्वादश भावों में स्थित गोचर ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	स्थानहानि	भय	धनलाभ	मानहानि	दीनता	विजय	यात्रा	कष्ट	पुण्यक्षय	सिद्धि	धनलाभ	धननाश
चन्द्र	अन्नलाभ	धननाश	सुख	रोग	कार्यहानि	धनलाभ	स्त्रीसुख	रोग	धर्मलाभ	सुख	धनलाभ	धननाश
मंगल	शत्रुभय	धननाश	धनलाभ	शत्रुभय	धननाश	धनलाभ	धननाश	शत्रुभय	शत्रुभय	शोक	धनलाभ	धननाश
बुध	बन्धन	धनलाभ	शत्रुभय	पशुलाभ	सुख	स्थानलाभ	कष्ट	धनलाभ	कष्ट	सुख	धनलाभ	धननाश
बृहस्पति	भय	धननाश	क्लेश	धननाश	सुख	शोक	राजसम्मान	पीड़ा	सुख	दीनता	धनलाभ	कष्ट
शुक्र	शत्रुक्षय	धनलाभ	सुख	धनलाभ	पुत्रलाभ	शत्रुभय	शोक	धनलाभ	वस्त्रलाभ	दुःख	धनलाभ	धननाश
शनि	भय	धननाश	ऐश्वर्य	शत्रुभय	पुत्रनाश	धनलाभ	दोष	पीड़ा	धर्मनाश	मनमुटाव	धनलाभ	धननाश
राहु	हानि	धननाश	धनलाभ	शत्रुता	शोक	धनप्राप्ति	क्लेश	मृत्यु	दुःख	शत्रुता	सुख	शोक
केतु	रोग	शत्रुता	सुख	भय	सुख	धनलाभ	क्लेश	रोग	पाप	शोक	कीर्ति	शत्रुभय

वर्ष कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	त्रिदोषपीड़ा	परिवारविरोध	भ्रातृकष्ट	कृषिपशुहानि	पित्तप्रकोप	शत्रुक्षय	पत्नीकष्ट	भ्रातृकष्ट	भ्रातृकष्ट	धन सम्मान	धनीविलासी	उद्विग्नता
चन्द्र	कफपीड़ा	कुटुम्ब प्रभाव	धनीभ्रातृसुख	व्यापारलाभ	प्रबुद्धमित्र	वादविवाद	खांसीवातरोग	मूत्ररोग	भाग्योदय	शत्रुक्षयधनी	व्यापारलाभ	नेत्ररोग
मंगल	नेत्ररोग	धनहानि	वाहनसुख	व्रण,अग्निभय	पुत्रकष्ट	शत्रुक्षय	स्त्रीरोग	शत्रुपीड़ा	भाग्ययशवृद्धि	धनलाभ	राज्यधनलाभ	व्यय,व्याधि
बुध	पत्नीसुख	वाहनसुख	धनयशपुत्रसुख	भूमिलाभ	धनपुत्रलाभ	पत्नीकष्ट	विलासी	ज्वर,कफ	पुत्र,धनलाभ	पुत्र,धनलाभ	धन,यशलाभ	शत्रुभय
बृहस्पति	यशस्वी	धनलाभ	कीर्तिलाभ	वाहनसुख	सन्तानसुख	पत्नी,शत्रुकष्ट	दाम्पत्यसुख	ज्वरपीड़ा	धनलाभ	राज्यलाभ	विजय	रोग,शत्रुभय
शुक्र	यशस्वी	धन,मानलाभ	भ्रातृसुख	वाहनकृषिसुख	सन्तानलाभ	उदरपीड़ा	पत्नीसुख	शरीरपीड़ा	धर्म,शील	व्यापारी,धनी	सन्तानलाभ	नेत्र,चर्मरोग
शनि	वातरोग	भ्रातृहानि	पराक्रमी	अग्निभय	पुत्रहानि	कीर्तिलाभ	पत्नीकष्ट	ज्वरपीड़ा	भाग्योदय	कृषिहानि	कीर्तिलाभ	विशेषव्यय
राहु	पत्नीकष्ट	बन्धुविवाद	धन,यशलाभ	वाहनकष्ट	बुद्धिनाश	शत्रुक्षय	गुप्तरोग	मृत्युतुल्यकष्ट	धर्मवृद्धि	यशवृद्धि	शत्रुक्षय	स्थानच्युत
केतु	चिंता,व्रण	परिवारकलह	यशलाभ	वाहनकष्ट	दुर्बुद्धि	रोगनाश	विवाद	अरिष्टप्राप्ति	भाग्यहानि	धनलाभ	विविधलाभ	दुष्टसंगति

शतपदचक्र

नक्षत्र	अश्वि. ।।।।	भर. ।।।।	कृत्ति. ।।।।	रोहि. ।।।।	मृग. ।।।।	आर्द्रा ।।।।	पुन. ।।।।	पुष्य ।।।।	आश्ले ।।।।	मघा ।।।।	पू.फा. ।।।।	उ.फा. ।।।।	हस्त ।।।।	चित्रा ।।।।	स्वाती ।।।।	विशा. ।।।।	अनु. ।।।।	ज्येष्ठा ।।।।	मूल ।।।।	पूषा. ।।।।	उषा. ।।।।	श्रवण ।।।।	धनि. ।।।।	शत. ।।।।	पू.भा. ।।।।	उ.भा ।।।।	रेवती ।।।।
अक्षर	चू,चे चो,ला	ली,लू ले,लो	अ,इ उ,ए	ओ,वा वी,वू	वे,वो का,की	कू,घ ङ,छ	के,को ह,ही	हू,हे हो,डा	डी,डू डे,डो	मा,मी मू,मे	मो,टा टी,टू	टे,टो पा,पी	पू,ष ण,ठ	पे,पो रा,री	रू,रे रो,ता	ती,तू ते,तो	ना,नी नू,ने	नो,या यी,यू	ये,यो भा,भी	भू,ध फ,ढ़	भे,भो जा,जी	खी,खू खे,खो	गा,गी गू,गे	गो,सा सी,सू	से,सो दा,दी	दू,थ झ,ञ	दे,दो च,ची
राशि	मेष	मेष	मेष। वृष।।।	वृष	वृष।। मि.।।	मि.	मि.।।। कर्क।	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह। क.।।।	कन्या	क.।। तुला।।	तुला	तु.।।। वृ.।	वृश्चि.	वृश्चि.	धनु	धनु	धनु। म.।।।	मकर	म.।। कुं.।।	कुम्भ	कुं.।।। मीन।	मीन	मीन
स्वामी	मंगल	मंगल	मंगल। शुक्र।।।	शुक्र	शुक्र।। बुध।।	बुध	बुध।।। चन्द।	चन्द	चन्द	सूर्य	सूर्य	सूर्य। बुध।।।	बुध	बुध।। शुक्र।।	शुक्र	शुक्र।।। मंगल।	मंगल	मंगल	गुरु	गुरु	गुरु। म.।।।	शनि	शनि।। शनि।।	शनि	शनि।।। गुरु।	गुरु	गुरु
वर्ण	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.।।।	वै.	वै.।। शूद्र।।	शूद्र	शूद्र।।। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.।।।	वै.	वै.।। शूद्र।।	शूद्र	शूद्र।।। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.।।।	वै.	वै.।। शूद्र।।	शूद्र	शूद्र।।। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.
वश्य	चतु.	चतु.	चतु.। चतु.।।।	चतु.	चतु.।। मनु.।।	मनु.	मनु.।।। जल.।	जल.	जल.	चतु.	चतु.	चतु.। मनु.।।।	मनु.	मनु.।। मनु.।।	मनु.	मनु.।।। कीट।	कीट	कीट	मनु.	मनु०.५ चतु३.५	चतु.	चतु१.५ जल२.५	जल.।। मनु.।।	मनु.	मनु.।।। जल.।	जल.	जल.
योनी	अश्व	गज	मेष	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	मेष	मार्जार	मूषक	मुषक	गौ	महिष	व्याघ्र	महिष	व्याघ्र	मृग	मृग	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
गण	देव	मनुष्य	राक्षस	मनुष्य	देव	मनुष्य	देव	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस	देव	राक्षस	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव
नाड़ी	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य

मेलापक विमर्श

वर्ण विचार (1)

वर / कन्या	विप्र	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र
विप्र	1	0	0	0
क्षत्रिय	1	1	0	0
वैश्य	1	1	1	0
शूद्र	1	1	1	1

वश्य विचार (2)

वर / कन्या	चतु.	मानव	जल.	वन.	कीट
चतु.	2	1	1	0	1
मानव	1	2	0.5	0	1
जल.	1	0.5	2	1	1
वन.	0	0	1	2	0
कीट	1	1	1	0	2

तारा विचार (3)

वर / कन्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
2	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
3	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
4	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
5	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
6	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
7	1.5	1.5	0	1.5	3	1.5	0	1.5	1.5
8	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
9	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3

गण विचार (6)

क / व	देव	मानव	राक्षस
देव	6	5	0
मानव	5	6	0
राक्षस	0	0	6

नाड़ी विचार (8)

क / व	आद्य	मध्य	अन्त्य
आद्य	0	8	8
मध्य	8	0	8
अन्त्य	8	8	0

योनी विचार (4)

क / व	अ.	ग.	मे.	स.	श्वा	मा.	मू.	गौ	म.	व्या	मृ.	वा.	न.	सि.
अ.	4	2	3	2	2	3	3	3	1	1	3	2	2	1
ग.	2	4	3	2	2	3	3	3	3	2	2	2	2	0
मे.	3	3	4	3	2	3	3	3	3	1	3	0	3	0
स.	2	2	3	4	2	2	1	1	2	2	2	2	2	0
श्वा	2	2	2	2	4	1	1	2	2	1	0	2	2	1
मा.	2	2	3	2	1	4	0	2	2	1	2	2	2	2
मू.	2	2	2	1	1	0	4	2	2	2	2	2	2	1
गौ	3	2	3	2	2	2	2	4	3	0	3	2	3	1
म.	1	3	3	2	2	2	2	3	4	1	2	2	2	3
व्या	1	2	1	2	1	1	2	0	1	4	2	1	2	2
मृ.	3	2	3	2	0	2	2	3	2	1	4	2	2	3
वा.	2	3	0	2	2	2	2	2	2	1	2	4	2	3
न.	2	2	3	0	2	2	2	3	2	2	2	4	4	2
सि.	1	0	1	2	1	2	2	2	3	2	2	2	2	4

ग्रहमैत्री विचार (5)

वर / कन्या	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	5	5	5	4	5	0	0
चन्द्र	5	5	4	1	4	0.5	0.5
भौम	5	4	5	0.5	5	3	0.5
बुध	4	1	0.5	5	0.5	5	4
गुरु	5	4	5	0.5	5	0.5	3
शुक्र	0	0.5	3	5	0.5	5	5
शनि	0	0.5	0.5	4	3	5	5

भकूट विचार (7)

क / व	मेष	वृष	मि.	क.	सिंह	कं.	तु.	वृ.	धनु	म.	कुं.	मीन
मेष	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	7
वृष	0	7	0	7	7	7	0	7	0	0	7	7
मि.	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7
कर्क	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0
सिंह	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0
कं.	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7
तु.	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
वृ.	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
धनु	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7
म.	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7
कुं.	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0
मीन	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7

मंगली दोष विचार

मेलापक के द्वारा दम्पत्ति के भावी जीवन के सुख-दुःख,सम्पत्ति-विपत्ति, लाभ-हानि, आय-व्यय आदि घटनाओं का मनोवैज्ञानिक एवं तात्त्विक विवेचन ज्योतिषशास्त्र करता है। यदि वर एवं कन्या के शुभ-अशुभ ग्रहयोगों की सामञ्जस्यता एवं मित्रता होगी, तो उनका भावी जीवन सुख-शान्तिपूर्वक आनन्दमय व्यतीत होगा। यदि ग्रहों में परस्पर शत्रुता एवं एक की कुण्डली में शुभग्रह तथा एक की कुण्डली में अरिष्टकारक ग्रह बैठे हों तो संघर्षमय जीवन के साथ-साथ एक-दूसरे के लिए घातक सिद्ध हो सकते हैं। अतः कुण्डली मिलान के समय अरिष्ट योगों का विशेष रूप से विचार किया जाना चाहिए। वर या कन्या की जन्मकुण्डली या चन्द्रकुण्डली अथवा शुक्रकुण्डली से लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम या व्यय स्थान में मंगल स्थित हो तो इस प्रकार की कुण्डली मंगली कही जाती है। यदि वर की कुण्डली में उपर्युक्त स्थानों में मंगल हो तो कन्या को तथा यदि कन्या की कुण्डली में हो तो वर के लिए अशुभ होता है। यथा-

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
कन्याभर्तृविनाशाय भर्ताकन्याविनाशदः॥

मंगली दोष परिहार-

यदि वर या कन्या में से किसी एक की कुण्डली में मंगलीयोगकारक ग्रह स्थित हो तो परस्पर अरिष्टकारक होते हैं, किन्तु यदि वर व कन्या दोनों की कुण्डली में समान मंगली योगकारक ग्रह स्थित हों तो दोनों का मंगली दोष कट जाता है। यह ध्यातव्य है कि वर के मंगली योग का, कन्या के मंगली योग से प्रबल होना आवश्यक है।

1-

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्॥

यदि एक की कुण्डली में मंगल योगकारक स्थानों १, ४, ७, ८, १२ में हो तथा दूसरे की कुण्डली में इन्हीं स्थानों में मंगल अरिष्ट योगकारक शनि, राहु, केतु आदि पापग्रह स्थित हों तो एक-दूसरे के दोष को नष्ट कर देते हैं।

2-

यामित्रे च यदा सौरिर्लग्ने वा हिबुके तथा।
अष्टमे द्वादशे चौव भौमदोषो न विद्यते॥

यदि शनि सप्तम, लग्न, चतुर्थ, अष्टम या द्वादश हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

3-

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके कुजे।
द्यूने मृगे कर्कि चाष्टौ भौमदोषो न विद्यते॥

यदि मेष राशि का मंगल लग्न में, वृश्चिक राशि का चतुर्थ में, मकर राशि का सप्तम में, कर्क राशि का अष्टम में तथा धनु राशि का व्यय स्थान में हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

4-

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके कुजे।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौमदोषो न विद्यते॥

यदि मेष राशि का मंगल लग्न में, धनु राशि का द्वादश में, वृश्चिक राशि का चतुर्थ में, वृष राशि का सप्तम में तथा कुम्भ राशि का अष्टम स्थान में हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

5-

सबले गुरौ भृगौ वा लग्ने द्यूनेऽथवा भौमे।
वक्रनीचारिगृहस्थे वाऽस्तेऽपि न कुजदोषः ॥

यदि लग्न या सप्तम भाव में बली गुरु अथवा शुक्र हो तथा मंगल

वक्री, नीचस्थ, शत्रुगृही तथा अस्तंगत हो तो भी मंगल का दोष समाप्त हो जाता है।

6-

न मंगली चन्द्रभृगुर्द्वितीये न मंगली पश्यति यस्य जीवः।
न मंगली केन्द्रगते च राहुर्न मंगली मंगलराहुयोगे॥

अर्थात् द्वितीय भाव में चन्द्र और शुक्र स्थित हों, मंगल पर गुरु की दृष्टि हो तथा केन्द्र स्थित राहु मंगल की युति हो, तो मंगली का दोष नहीं होता है।

7-

केन्द्रकोणे शुभाढ्ये च त्रिषडायेऽप्यसद् ग्रहाः ।
तदा भौमस्य दोषो न मदने मदनपस्तथा॥

यदि केन्द्र त्रिकोण में शुभग्रह तथा ३, ६, ११वें भाव में अशुभ ग्रह हों। सप्तमेश सप्तम गृह में हो तो भौम का दोष नहीं होता है।

8-

राशिमैत्रं यदायाति गणैक्यं वा यदा भवेत्।
अथवा गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते॥

अर्थात् राशि की मित्रता, गण की ऐक्यता तथा गुणों की बहुलता मंगली दोष को नष्ट कर देती है।

9- आचार्य रामदैवज्ञ ने बालवैधव्य का विचार करके सावित्री या पीपल के वृक्ष का व्रत कराकर विष्णु की प्रतिमा (शालिग्राम) पीपल वृक्ष या कुम्भ से विवाह के अनन्तर चिरंजीवी वर के साथ विवाह का विधान कहा है -

जन्मोत्थं च विलोक्य बालविधवायोगं विधाय व्रतं,
सावित्र्या उत पैप्पलं हि सुतया दद्यादिमां वा रहः।
सल्लग्नेऽच्युतमूर्तिपिप्पलघटैः कृत्वा विवाहं स्फुटं
दद्यात्तां चिरंजीविनेऽत्र न भवेद्दोषः पुनर्भूभवः॥

प्रातः स्मरणीय श्लोक

प्रातः स्मरामि गणनाथमनाथबन्धुं सिन्दूरपूरपरिशोभितगण्डयुग्मम्।
उद्दण्डविघ्नपरिखण्डनचण्डदण्डमाखण्डलादिसुरनायकवृन्दवन्द्यम्॥
प्रातः स्मरामि भवभीतिमहार्तिनाशं नारायणं गरुडवाहनमब्जनाभम्।
ग्राहाभिभूतवरवारणमुक्तिहेतुं चक्रायुधं तरुणवारिजपत्रनेत्रम्॥
प्रातः स्मरामि भवभीतिहरं सुरेशं गङ्गाधरं वृषभवाहनमम्बिकेशम्।
खट्वाङ्गशूलवरदाभयहस्तमीशं संसाररोगहरमौषधमद्वितीयम्॥
प्रातः स्मरामि शरदिन्दुकरोज्ज्वलाभां सद्रत्नवन्मकरकुण्डलहारभूषाम्।
दिव्यायुधोर्जितसुनीलसहस्रहस्तां रक्तोत्पलाभचरणां भवतीं परेशाम्॥
प्रातः स्मरामि खलु तत्सवितुर्वरेण्यं रूपं हि मण्डलमृचोऽथ तनुर्यजूंषि।
सामानि यस्य किरणाः प्रभवादिहेतुं ब्रह्माहरात्मकमलक्ष्यमचिन्त्यरूपम्॥
ब्रह्मा मुरारिस्त्रिपुरान्तकारी भानुः शशी भूमिसुतो बुधश्च।
गुरुश्च शुक्रः शनिराहुकेतवः कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्॥
भृगुर्वसिष्ठः क्रतुरङ्गिराश्च मनुः पुलस्त्यः पुलहश्च गौतमः।
रैभ्यो मरीचिश्च्यवनश्च दक्षः कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्॥
सनत्कुमारः सनकः सनन्दनः सनातनोऽप्यासुरिपिङ्गलौ च।
सप्त स्वराः सप्त रसातलानि कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्॥
सप्तार्णवाः सप्त कुलाचलाश्च सप्तर्षयो द्वीपवनानि सप्त।
भूरादिकृत्वा भुवनानि सप्त कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्॥
पृथ्वी सगन्धा सरसास्तथापः स्पर्शी च वायुर्ज्वलितं च तेजः।
नभः सशब्दं महता सहैव कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्॥
इत्थं प्रभाते परमं पवित्रं पठेत् स्मरेद्वा शृणुयाच्च भक्त्या।
दुःस्वप्ननाशस्त्विह सुप्रभातं भवेच्च नित्यं भगवत्प्रसादात्॥

मेलापक सारणी (खण्ड - 1)

वर / कन्या		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. 4	भर. 4	कृत्ति. 1	कृत्ति. 3	रोहि. 4	मृग. 2	मृग. 2	आर्द्रा 4	पुन. 3	पुन. 1	पुष्य 4	आश्ले. 4	मघा 4	पू.फा. 4	उ.फा. 1	उ.फा. 3	हस्त 4	चित्रा 2
मेष	अश्वि. 4	28 8	33	28-5 3	18-5 173	21-5 173	22-5 173	26 135	17 1835	19 1835	23-5 83	31.5 3	28 6	21 276	25 27	15-5 2783	11 27835	9 134578	13 2735
	भर. 4	34	28 8	29 6	19 167	21.5 163	14.5 1738	18 8135	26 135	27 135	31.5 3	23.5 83	25.5 63	20 672	18 278	26 27	21.5 175	20 1753	4 176835
	कृत्ति. 1	27.5 63	29 6	28 8	18 178	10 6187	16.5 6173	20 613	20 613	21 6135	25.5 63	26.5 63	23.5 83	16.5 2783	20 627	20 627	15.5 627	15.5 627	18 173
वृष	कृत्ति. 3	18.5 673	20 67	19 78	28 8	20 68	26.5 63	17.5 6173	17.5 6173	18.5 6173	22 635	23 635	20 835	18.5 8235	22 256	22 256	21 67	21 67	23.5 73
	रोहि. 4	23.5 73	23.5 73	11 678	20 68	28 8	36	27.5 17	23.5 173	22.5 1734	26 345	27 35	12 68354	10.5 234568	24.5 2345	27 52	26 7	26 7	20 67
	मृग. 2	23.5 73	14.5 783	18.5 673	27.5 36	35	28 8	19 178	24 17	22.5 1347	26 345	19 358	21 3546	19.5 65234	15.5 52834	24.5 257	23.5 73	26 7	13 786
मिथुन	मृग. 2	27 35	18 358	22 356	19.5 763	27 7	20 78	28 8	33	31.5 34	19 72345	12 87235	14 723465	23.5 2346	19.5 2834	28.5 23	31.5 3	34	21 86
	आर्द्रा 4	19 358	27 35	21 356	18.5 673	24.5 73	26 7	34	28 8	25 84	12.5 68345	20 7235	13 765234	23.5 632	29.5 23	21.5 238	24.5 38	24.5 38	27 46
	पुन. 3	20 358	27 35	23 35	20.5 763	22.5 37	23.5 347	31.5 34	24 84	28 8	15.5 2578	22.5 257	17 23567	22.5 4236	26.5 423	21.5 823	24.5 38	25.5 38	27.5 36
कर्क	पुन. 1	22.5 138	29.5 13	25.5 136	22 1356	24 1345	25 1345	18 172345	10.5 124578	14.5 13578	28 8	35	29.5 36	16.5 13467	20.5 1347	15.5 1378	18 3578	19 12358	21 16235
	पुष्य 4	30.5 13	21.5 138	26.5 136	23 1356	25 135	18 1358	11 123578	18 12357	21.5 1257	35	28 8	30 6	19.5 1367	15.5 1378	23.5 137	26 1235	27 1235	12 1234568
	आश्ले. 4	26 16	24.5 136	22.5 138	19 1358	11 134568	19 13456	12 1234567	12 123567	15 123567	28.5 63	29 6	28 8	15 1478	15.5 13467	18.5 2367	21 12356	21 12356	26 1235
सिंह	मघा 4	20 267	20 267	16.5 2783	17.5 12583	9.5 1236584	17.5 123564	21.5 12364	22.5 1236	20.5 12643	16.5 6743	19.5 673	16 874	28 8	30 6	27.5 63	16.5 21673	16.5 21673	21.5 1273
	पू.फा. 4	26 27	18 278	20 267	21 1256	23.5 12534	15.5 218534	19.5 21834	28.5 213	26.6 2134	22.5 473	17.5 783	16.5 6743	30 6	28 8	35	24 217	22.5 2173	7.5 213687
	उ.फा. 1	16.5 2738	26 27	20 267	21 2165	26 215	24.5 2153	28.5 213	20.5 2138	21.5 2138	17.5 783	25.5 73	19.5 673	27.5 36	35	28 8	17 2178	16 2178	13.5 214367
कन्या	उ.फा. 3	13 7835	22.5 75	16.5 675	21 67	26 7	24.5 73	31.5 13	23.5 138	24.5 813	20 8235	28 235	22 6235	17.5 6273	25 72	18 278	28 8	27 8	24.5 463
	हस्त 4	10 47835	20 735	17.5 752	22 76	25 7	26 7	33 1	22.5 318	24.5 138	20 8235	28 235	23 2356	18.5 2736	22.5 273	16 278	26 8	28 8	28 46
	चित्रा 2	13 36745	6 378645	19 7345	23.5 734	20 67	12 678	19 618	26 164	25.5 136	21 6234	12 682345	27 235	22.5 273	8.5 62783	14.5 24673	24.5 643	27 64	28 8

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 2)

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा 2	स्वाती 4	विशा. 3	विशा. 1	अनु. 4	ज्येष्ठा 4	मूल 4	पूषा. 4	उषा. 1	उषा. 3	श्रवण 4	धनि. 2	धनि. 2	शत. 4	पू.भा. 3	पू.भा. 1	उ.भा 4	रेवती 4
मेष	अश्वि. 4	22.5 1436	26.5 134	22.5 3146	18.5 6734	25.5 73	14 786	13.5 768	25 7	23.5 73	25 135	26 135	20 13456	20 13456	15 18356	16 18345	14.5 8734	24.5 73	26 7
	भर. 4	13.5 16834	29.5 13	21.5 6134	17.5 6734	17.5 873	19.5 673	20 67	18 87	26 7	27.5 15	26 135	10 146835	10 146835	20 6135	24 1435	22.5 374	17.5 873	26.5 73
	कृत्ति. 1	27.5 134	15.5 1683	19.5 1834	15.5 7834	19.5 673	25.5 73	24.5 73	18 674	12 678	13.5 1685	11.5 14568	25 1345	25 1345	27 135	19 16345	17.5 6734	19.5 673	11.5 6738
वृष	कृत्ति. 3	22.5 1734	10.5 61783	14.5 17384	20.5 834	24.5 63	30.5 3	20 735	13.5 4675	7.5 6785	12 678	10 4678	23.5 734	29.5 134	31.5 13	23.5 6134	20 6345	22 635	14 6835
	रोहि. 4	19 761	15.5 1783	9.5 31687	15.5 683	29.5 3	23.5 63	14 6735	19 5734	11.5 4785	16 748	17 874	20 67	26.5 61	24.5 613	30.5 13	27 35	27 35	19 583
	मृग. 2	12 7186	25 17	18.5 1736	24.5 36	21.5 83	24.5 36	15 7356	10 87345	17 4735	21.5 743	25 74	13 876	19 168	27 16	29.5 13	26 35	18 835	27 35
मिथुन	मृग. 2	14 876	27 7	20.5 736	14 72356	11 72835	14 72356	23 356	18 8345	25 435	20 7423	23.5 724	11.5 8726	13 876	21 76	23.5 73	25.5 325	17.5 8235	26.5 235
	आर्द्रा 4	20 674	27 7	20 674	13.5 56274	17 37245	3 4362785	16 6835	28 35	28 35	23 723	23 723	17.5 6724	19 674	12 768	17 874	19 8524	26.5 235	26.5 235
	पुन. 3	20.5 736	28 7	22 76	15.5 2756	21.5 275	7 562783	14 45386	27 35	27 35	22 237	23 237	17 23746	18.5 7634	14 876	16 874	18 5842	28 52	27.5 235
कर्क	पुन. 1	20.5 1356	28 251	22 2516	20 67	26 7	11.5 3678	8 2317684	21 1723	21 1723	26 135	27 135	21 16345	12.5 1723465	8 172865	10 175824	16 874	20 7	25.5 73
	पुष्य 4	11.5 6812345	26.5 1235	21 51624	19 746	18 78	21 76	17 61723	11 417382	21 1723	26 135	25 1435	13 618345	4.5 7164283	14.5 5123567	18 12745	24 74	18 87	27 7
	आश्ले. 4	25.5 1235	12.5 612358	17.5 81235	15.5 873	20 67	26 7	22.5 1724	16 61273	8 612783	13 61583	13 16385	26 1345	17.5 172345	19.5 17235	11.5 6172345	17.5 6734	21 67	13 678
सिंह	मघा 4	24.5 2135	11.5 123568	16.5 12358	22.5 823	25.5 623	33 2	25 72	19 627	8.5 267834	3.5 1534678	4.5 153678	18.5 1537	24.5 1235	25.5 1235	18.5 12563	18.5 673	19.5 673	13 678
	पू.फा. 4	10.5 213568	25.5 1235	18.5 12563	24.5 623	23.5 823	25.5 623	19 627	17 728	24 728	17 1574	18.5 137	4.5 153678	10.5 123568	19.5 12563	24.5 1253	24.5 73	17.5 873	25.5 73
	उ.फा. 1	16.5 123465	25.5 1235	16.5 124635	22.5 4263	31.5 23	17.5 6238	9.5 62873	25 72	25 72	20 157	20 157	11.5 153674	17.5 123564	11.5 123685	15.5 123854	15.5 8734	26.5 73	25.5 73
कन्या	उ.फा. 3	16.5 61473	25.5 173	16.5 61473	18 42365	27 235	13 62385	14 6835	29.5 5	29.5 5	24.5 72	24.5 72	16 67234	16.5 61734	10.5 61873	14.5 17834	17.5 38245	28.5 235	27.5 235
	हस्त 4	20 1746	26.5 173	18.5 17346	20 26345	26 235	13 82356	15 8356	27 35	28.5 5	23.5 72	24.5 72	18.5 7624	19 1736	8.5 147836	13.5 17835	16.5 28345	26.5 235	27.5 235
	चित्रा 2	20 178	19 6174	26.5 173	28 235	11 628345	25 2345	27 345	14 6835	22 635	17 673	18.5 672	15.5 7284	16 1478	24 174	16.5 61374	19.5 62345	10.5 642835	19.5 26345

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 3)

कन्या \ वर		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. 4	भर. 4	कृत्ति. 1	कृत्ति. 3	रोहि. 4	मृग. 2	मृग. 2	आर्द्रा 4	पुन. 3	पुन. 1	पुष्य 4	आश्ले. 4	मघा 4	पू.फा. 4	उ.फा. 1	उ.फा. 3	हस्त 4	चित्रा 2
तुला	चित्रा 2	22.5 634	14.5 3468	28.5 34	23.5 734	20 67	12 678	13 678	21 67	19.5 673	20.5 6523	11.5 684253	26.5 235	25.5 235	11.5 25683	17.5 24635	17.5 4673	20 674	21 78
	स्वाती 4	27.5 43	29.5 3	17.5 38	12.5 783	15.5 783	26 7	27 7	26 7	28 7	29 25	27.5 235	14.5 8235	13.5 2368	25.5 235	25.5 235	25.5 73	27.5 73	21 746
	विशा. 3	22.5 346	22.5 346	20.5 348	15.5 3784	10.5 6738	18.5 673	19.5 673	20 674	21 67	22 625	21 635	18.5 8235	17.5 2538	19.5 2536	17.5 24536	17.5 4673	18.5 6734	27.5 73
वृश्चिक	विशा. 1	16.5 61743	16.5 16743	14.5 17843	19.5 1843	14.5 1683	22.5 163	12 125673	12.5 124675	13.5 12675	19 67	18 674	15.5 783	21.5 1283	23.5 1263	21.5 12643	17 312645	18 126345	27 1235
	अनु. 4	24.5 713	15.5 1783	19.5 1763	24.5 136	27.5 13	20.5 183	10 123875	15.5 312574	20.5 1275	26 7	18 78	21 76	24.5 1236	20.5 1238	29.5 123	25 1235	26 123	11 125834
	ज्येष्ठा 4	12 1678	18.5 1637	24.5 173	29.5 13	22.5 163	22.5 163	12 312675	2 3214678	5 53125678	10.5 3678	20 67	26 7	31 21	23.5 1263	16.5 31268	12 312685	12 312685	24 12345
धनु	मूल 4	12 678	20 67	24.5 73	19 1753	13 16375	13 51637	21 1635	15 16835	12 516384	8 467283	17 6723	23.5 724	25 27	19 267	9.5 32678	13 35168	13 35168	26 5134
	पूषा. 4	26 7	18 78	18 674	12.5 14675	18 17345	10 517348	18 18345	27 135	27 135	23 723	13 47823	17 6723	19 267	17 278	25 27	28.5 15	27 135	13 31685
	उषा. 1	24.5 37	26 7	12 678	6.5 51478	10.5 14578	17 14375	25 1435	27 135	27 135	23 723	23 723	9 67283	8,5 362478	24 274	25 27	28.5 15	28.5 15	21 6135
मकर	उषा. 3	27 35	28.5 5	14.5 685	12 678	16 784	22.5 473	20 1437	22 173	22 1723	28 35	28 35	14 6835	4.5 345678	20 574	21 57	24.5 73	24.5 27	17 6723
	श्रवण 4	27 35	26 35	13.5 485	11 4768	16 784	25 74	22.5 1724	21 1723	22 1723	28 3	26 435	15 835	6.5 36578	18.5 573	20 75	23.5 72	24.5 72	19.5 72
	धनि. 2	20 6345	11 46835	26 345	23.5 734	20 67	12 678	9.5 21678	16.5 24167	16 26137	22 635	13 56834	28 35	19.5 573	5.5 36578	12.5 34567	16 67234	17.5 672	15.5 7824
कुम्भ	धनि. 2	20 6345	11 46385	26 345	30.5 34	27 6	19 68	12 678	19 674	18.5 673	13.5 67235	4.5 3456782	19.5 7235	25.5 235	11.5 23568	18.5 25634	17.5 6734	19 674	17 478
	शत. 4	15 6835	21 635	28 35	32.5 3	25.5 63	27 6	20 67	12 678	13 678	8 67285	14.5 67235	20.5 2735	26.5 253	20.5 2563	12.5 25368	11.5 3687	8.5 34687	25 74
	पू.भा. 3	18 8345	25 435	20 6534	24.5 634	31.5 3	31.5 3	24.5 73	17 784	18 78	13 782	20 7524	13.5 67235	19.5 2536	25.5 253	16.5 25483	15.5 783	15.5 7834	17.5 6734
मीन	पू.भा. 1	14.5 17384	21.5 1437	16.5 61374	19 61345	26 135	26 135	25.5 1235	18 18245	19 8125	18 87	25 74	18.5 673	17.5 1637	23.5 173	14.5 17384	16.5 518234	16.5 518234	18.5 516234
	उ.भा. 4	24.5 173	16.5 1738	18.5 6137	21 6135	26 135	18 8135	17.5 81235	25.5 1523	28 125	27 7	19 78	21 67	18.5 6137	16.5 178	25.5 173	27.5 1235	26.5 1235	9.5 1352468
	रेवती 4	25 17	24.5 173	11.5 36178	14 61835	17 2835	26 135	25.5 1352	24.5 5123	26.5 5123	25.5 73	27 7	14 786	13 1768	23.5 173	23.5 173	25.5 1523	26.5 1523	19.5 145236

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 4)

वर / कन्या		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा 2	स्वाती 4	विशा. 3	विशा. 1	अनु. 4	ज्येष्ठा 4	मूल 4	पूषा. 4	उषा. 1	उषा. 3	श्रवण 4	धनि. 2	धनि. 2	शत. 4	पू.भा. 3	पू.भा. 1	उ.भा 4	रेवती 4
तुला	चित्रा 2	28 8	27 64	34.5 3	23.5 723	6.5 462387	20.5 7234	27 345	14 6735	22 635	25 632	26.5 62	23.5 824	18 874	26 74	18.5 6734	12.5 672345	3.5 2346785	12.5 456723
	स्वाती 4	28 46	28 8	20 846	9 72486	21.5 723	16.5 7236	23 356	27 356	19 385	22 823	23 823	26.5 246	21 467	20 647	25 47	19 2745	19.5 2375	12.5 23785
	विशा. 3	34.5 3	19 684	28 8	17 728	16 6274	20.5 7234	27 345	22 635	14 6358	17 6823	17 6823	30 234	24.5 734	26 74	20 674	14 67245	13 64735	4.5 6728345
वृश्चिक	विशा. 1	22.5 1273	7 126874	16 1287	28 8	27 64	31.5 34	21.5 12347	16.5 12673	8.5 126873	12 61835	12 61835	25 1345	24 12345	25.5 1245	19.5 12645	19 674	18 647	9.5 67834
	अनु. 4	6.5 1234678	21.5 1273	16 12746	28 46	28 8	31 6	15.5 123467	13.5 31287	21.5 1237	25 135	26 135	12 341856	11 3412856	21 12356	24.5 1245	24 74	18 87	27 7
	ज्येष्ठा 4	19.5 12734	15.5 31267	19.5 12734	31.5 34	30 6	28 8	14 12874	16.5 12367	16.5 12367	20 6235	20 6135	25 1345	24 12345	18 12853	10 3124685	9.5 67384	21 67	21 67
धनु	मूल 4	26 3145	21 6135	26 3145	22.5 7234	15.5 62734	15 4287	28 8	28 6	26.5 63	15 61723	15 61723	20 17234	28.5 124	21.5 183	14.5 68134	16 68234	25 623	26 72
	पूषा. 4	13 61385	27 135	21 6135	17.5 6273	15.5 7283	17.5 6273	28 6	28 8	34	22.5 172	23 1723	6 6172834	14.5 61384	23.5 613	28.5 134	30 234	23 823	31 23
	उषा. 1	21 6135	19 8135	13 61835	9.5 62783	23.5 723	17.5 6273	26.5 63	34	28 8	16.5 1728	14.5 1728	15 61273	23.5 613	23.5 613	29.5 13	31 23	31 23	23 823
मकर	उषा. 3	24 613	22 8123	16 6183	13 6835	27 35	21 635	16 6723	23.5 72	17.5 872	28 8	26 8	26.5 63	17 62713	17 62713	23 1723	30.5 3	30.5 3	22.5 83
	श्रवण 4	26.5 126	22 8123	17 81623	14 835	27 35	22 35	17 7236	23 723	14.5 872	25 8	28 8	28 46	18.5 17246	18 17235	21 17234	28.5 34	29.5 3	22.5 83
	धनि. 2	22.5 8124	24.5 6124	29 1234	26 345	12 68345	26 345	21 7234	7 674283	16 6723	26.5 63	27 64	28 8	18.5 1782	23.5 1724	19 61237	26.5 63	15.5 6834	22.5 643
कुम्भ	धनि. 2	18 874	20 674	24.5 734	25 3245	11 624385	25 3245	29 34	15.5 6384	24.5 36	18 6723	18.5 6724	19.5 728	28 8	33 4	28.5 63	18 6723	7 367284	14 64273
	शत. 4	26 74	19 746	26 74	26.5 425	21 6235	19 8235	22.5 83	24.5 63	24.5 63	18 6723	18 6723	24.5 724	33 4	28 8	19 684	8.5 67284	17 6723	16 6723
	पू.भा. 3	18.5 6734	26 74	20 674	20.5 6245	26.5 245	11 623485	15.5 8634	29.5 34	30.5 3	24 723	23 7234	20 7623	28.5 63	19 864	28 8	17.5 872	22.5 724	20 7243
मीन	पू.भा. 1	11.5 612734	19 517245	13 612745	19 674	25 74	9.5 67834	15 62384	29 1234	30 123	29.5 13	28.5 134	25.5 613	17 6173	7.5 614738	16.5 1738	28 8	33 4	30.5 34
	उ.भा. 4	2.5 123456	19.5 7872135	12 625741	18 647	19 87	21 67	24 6123	22 8123	30 123	29.5 13	29.5 13	14.5 61384	6 6128734	16 61273	21.5 1734	33 4	28 8	35
	रेवती 4	12.5 172345	11.5 173285	4.5 1234567	10.5 387346	27 7	22 76	26.5 162	29 123	21 8123	20.5 813	21.5 813	22.5 1346	14 124736	16 17236	18 14723	29.5 43	34	28 8

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

वर्षफल निर्माण विधि

जिस वर्ष का वर्षफल अभीष्ट हो, उस अभीष्ट सम्वत् में से जन्म सम्वत् घटाने पर जो शेष बचे, वे जन्म से गतवर्ष अर्थात् 'गताब्द' होते हैं उन गताब्दों से प्राचीन मतानुसार वर्षप्रवेश सारणी के नीचे दिये गये वार घटी पल आदि फल लेकर उसमें जन्म के वार, इष्टघटी, पलादि जोड़ने पर वर्षप्रवेशकालिक वारादि इष्टकाल ज्ञात होता है। पल घटी आदि यदि 60 से अधिक हों, तो उन्हे सवर्ण करके तथा यदि वारादि संख्या 7 से अधिक हो तो 7 का भाग देने पर एकादि शेष रहने पर रवि आदि क्रम से वार तथा आगे वर्षेष्ट घटी पलादि होते हैं। जन्मकालिक स्पष्ट सूर्य के राश्यंशादि की तरह वर्ष प्रवेशकालिक स्पष्ट सूर्य होता है। वर्षेष्ट के स्वदेशीय(समीपस्थ अक्षांश) लग्न सारणी से लग्न साधन करने पर वर्ष प्रवेश कालिक लग्न सिद्ध होता है। इस प्रकार वर्ष लग्न में वर्ष लग्न कालिक ग्रह स्थापित करने पर वर्ष कुण्डली बनती है।

मुन्थासाधन–

वर्ष कुण्डली में मुन्था भी लगाई जाती है। जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुन्था होती है। यह प्रति वर्ष एक-एक राशि बढती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडने पर यदि 12 से अधिक हो तो 12 का भाग देने पर शेष मुन्था की राशि होती है।

मुद्दादशासाधन–

गत वर्ष संख्या में जन्म नक्षत्र संख्या जोडकर जो संख्या उपलब्ध हो, उसमें 2 घटाकर 9 का भाग देने पर एकादि शेष बचने पर सूर्य चन्द्र मंगल राहु बृहस्पति शनि बुध केतु शुक्र की दशा होती है। सूर्यादि मुद्दादशा दिनादि पंचाग में दिये गये चक्र से जान सकते हैं।

हर्षबलसाधन–

वर्ष कुन्डली में स्थानबल, स्वोच्चबल, पुरुषस्त्रीबल तथा दिनरात्रिबल- ये चार हर्ष बल कहलाते हैं। वर्ष कुण्डली में हर्षबल का सर्वाधिक महत्व होता है क्योंकि हर्षबल के द्वारा ही वर्षेशादि का निर्णय होता है।

स्थानबल–

वर्ष लग्न से 9वें स्थान में सूर्य, 3 में चन्द्रमा, 6 में मंगल, 1 में बुध, 11 में गुरु, 5 में शुक्र तथा 12 में शनि 5 हर्षबली होते हैं।

स्वोच्चबल–

प्रत्येक ग्रह अपनी तथा उच्च राशि में 5 हर्षबली होते हैं। अर्थात् सूर्य 1/5, चन्द्र 2/4, मंगल 1/8/10, बुध 3/6, गुरु 4/9/12, शुक्र 2/7/12, शनि 10/11/7 राशियों में सूर्यादि ग्रह हर्षित अर्थात् हर्ष बली होतें हैं।

पुरुषस्त्रीबल–

स्त्रीग्रह (चं. बु. शु. श.) 1,2,3,7,8,9 स्थानों मे तथा पुरुष ग्रह (सू. मं. गु.) 4,5,6,10,11,12 स्थानों में हर्ष बली होते हैं। हर्ष बली ग्रह के 5 बल होते हैं।

दिनरात्रिबल-

दिन में वर्ष प्रवेश हो तो पुरुष ग्रह रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो स्त्री ग्रह बली होते हैं। यहां यह ध्यान देना चाहिये जहां बल प्राप्त हो वहां 5 तथा जहां बलप्राप्त न हो वहां शून्य (0) रखना चाहिये। इस प्रकार सूर्यादि ग्रहों के चारों स्थानादि बलों का योग हर्षबल कहलाता है।

वर्षेश निर्णय-

जन्म लग्नपति, वर्ष लग्नपति, मुन्थाधिपति, त्रिराशिपति, दिन में वर्ष प्रवेश हो तो सूर्य जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी तथा रात्रि का वर्ष प्रवेश हो तो चन्द्रमा जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी ये पञ्चाधिकारी कहलाते हैं। इन पञ्चाधिकारियों में जो बलवान होकर लग्न को देखता हो, वह वर्षेश होता है। बलवान होने पर भी यदि लग्न को न देखता हो तो, वर्षेश नही होगा। समान बली होने पर जो लग्न को अधिक दृष्टि से देखता हो वह वर्षेश होगा। लग्न को देखने वाला ग्रह यदि अल्प बली हो तो, मुन्थेश अर्थात् मुन्था जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी वर्षेश होगा। यदि पञ्चाधिकारियों में कोई भी ग्रह लग्न को न देखता हो तो जो ग्रह सबसे अधिक बलवान् होगा वही वर्षेश होगा। यदि चन्द्र वर्षेश प्राप्त हो तो वह पञ्चाधिकारियों में जिससे इत्थशाल करें, वह वर्षेश होगा। यदि इत्थशाल न करे तो चन्द्र जिस राशि मे बैठा हो वह वर्षेश होगा।

वर्ष दृष्टि-विचार-

वर्ष कुण्डली में जो ग्रह जिस स्थान में स्थित हो, उससे 5/9 स्थान को प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि से, 3/11 स्थान को गुप्त मित्र दृष्टि से, 1/7 को प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि से तथा 4/10 स्थान को गुप्त शत्रु दृष्टि से देखता है। प्रत्यक्षमित्र दृष्टि सभी कार्यों में शीघ्र सफलता देने वाली होती है, गुप्त मित्र दृष्टि कठिनता से सफलता देने वाली होती है। प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि शत्रुता उत्पन्न करने वाली, मित्र से शत्रुता कराने वाली, बनते काम बिगाड़ने वाली हानिकारक होती है। गुप्त शत्रुदृष्टि कार्यों को कठिनता से सफल कराने वाली तथा गुप्त रूप से शत्रु उत्पन्न कराने वाली होती है।

।। वेधसिद्ध (नवीन) वर्षमानानुसारेण वर्ष प्रवेशसारिणी ।।

गताब्द	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटि	15	30	46	1	16	32	47	3	18	33	49	4	19	35	50	6	21	36	52	7
पल	22	45	8	31	54	17	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	30	23	16	39
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
वार	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1
घटी	23	38	53	9	24	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58	13	29	44	59	15
पल	1	24	47	10	33	56	19	42	5	28	51	14	37	0	23	46	9	32	55	18
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
वार	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1
घटी	30	46	1	16	32	47	2	18	33	49	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58
पल	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	56	19	42	5	28	51	14	37	0	23
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15

गताब्द	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
वार	3	4	5	6	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	4	5	6	1	2
घटी	13	29	44	59	15	30	46	1	16	32	47	2	18	33	49	29	44	59	15	30
पल	46	9	32	55	18	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	4	27	50	13	36
विपल	12	9	6	3	0	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	12	9	6	3	00

।। प्राचीनमानानुसारेण वर्ष प्रवेश सारिणी।।

गताब्द	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	00	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटी	15	31	46	2	17	33	48	4	19	35	50	6	21	37	52	8	23	39	54	10
पल	31	3	34	6	37	00	40	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	28	30
विपल	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

गताब्द	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
वार	5	4	0	2	3	4	00	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1
घटी	26	10	57	12	28	43	59	14	30	45	1	16	32	43	3	18	34	49	5	21
पल	21	30	4	36	7	39	10	42	13	45	16	48	37	29	22	454	25	57	28	00
विपल	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	21	30	30	00	30	00	30	0

गताब्द	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
वार	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	3	4	5
घटी	36	52	7	23	38	54	9	25	40	56	11	27	42	58	13	29	44	00	15	31
पल	31	3	34	6	37	9	10	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	58	30
विपल	30	00	00	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

गताब्द	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
वार	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2
घटी	47	2	18	33	49	4	20	35	51	6	22	37	53	8	24	39	55	10	26	42
पल	1	33	4	36	7	39	10	42	13	45	16	48	19	51	22	54	25	57	28	00
विपल	30	00	30	0	30	0	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

॥ विंशोत्तरी मुद्दादशाचक्र ॥

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	राहू	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
मास	0	1	0	1	1	1	1	0	2
दिन	18	0	21	24	18	27	21	21	0

॥ योगिनी मुद्दादशाचक्र ॥

योगिनी	मं.	पिं.	धा.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	सं.
मास	0	0	1	1	1	2	2	2
दिन	10	20	0	10	20	0	10	20

॥ त्रिराशिपतिचक्र ॥

लग्नम्	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
दि.पति	सू.	शु.	श.	शु.	गु.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	गु.	चं.
लग्नम्	मे.	वृष	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृश्चि.	ध.	म.	कु.	मी.
रा. पति	गु.	चं.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	गु.	चं.

अथ बृहद्गोदानविधिः

तत्र दाता सुस्नातः गोदानसामग्रीं स्वाग्रतः सम्पाद्य सुलिप्तायां भूमौ सपत्नीकः स्वासने उपविश्य यथोक्तलक्षणां सवत्सां गां प्राङ्मुखमिव स्थाप्य कुशतिलजलयवान्यादाय संकल्पं कुर्यात्।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णु अद्य अमुकगोत्रोऽमुकराशिरमुकशर्मा सपत्नीकोऽहं श्रुतिस्मृतिपुराणोक्तफलप्राप्तये सकलमनोरथसिद्धये च कृतैतच्छ्रीयज्ञपुरुषप्रीतये गोदानं करिष्ये।

गोदानार्थं ब्राह्मणवरणम् –तत्प्रतिग्रहणार्थं ब्राह्मणस्य पूजनपूर्वकं वरणञ्च करिष्ये।

उदङ्मुखं ब्राह्मणमर्घ्यादिभिः सम्पूज्य वरणसामग्रीं करे कृत्वा एभिः गन्धाक्षतपुष्पमालायज्ञोपवीतवस्त्रफलादिभिः गोदानप्रतिग्रहणार्थम् अमुकगोत्रस्यामुकवेदाध्यायिनम् अमुकशर्माणं ब्राह्मणं त्वामहं वृणे।

वृणोस्मीति ब्राह्मणो वदेत्।

आवाहयाम्यहं देवीं गां त्वां त्रैलोक्यमातरम् ।
यस्याः स्मरणमात्रेण सर्वपापैः प्रमुच्यते ।।1।।
त्वं देवी त्वं जगन्माता त्वमेवासि वसुन्धरा।
गायत्री त्वं च सावित्री गङ्गा त्वं च सरस्वती ।।
तृणानि भक्ष्यसे नित्यममृतं स्रवसे प्रभो ।
भूतप्रेतपिशाचांश्च पितृदेवतमानुषान् ।।
सर्वांस्तारयते देवी नरकात्पापसङ्कटात् ।।

इत्यावाह्य पूजयेत्।

सवत्सायै गवे नमः, पाद्यं स्नानं च समर्पयामि।

गोरङ्गपूजनम्

नमो विश्वमूर्तिभ्यो विश्वमातृभ्य एव च।
लोकाधिवासिनीभ्यश्च रोहिणीभ्यो नमो नमः।।
गो अग्रपादाभ्यां नमः। गोः पश्चात्पादाभ्यां नमः।।
देहस्था या च रुद्राणां शंकरस्य सदाप्रिया।
धेनुरूपेण सा देवी मम पापं व्यपोहतु।।

गोरास्याय नमः

विष्णोर्वक्षसि या देवी स्वाहा या च विभावसोः।
चन्द्रार्कशक्रशक्तिर्या सा धेनुर्वरदास्तु मे।।
गोः शृंगाभ्यां नमः।। गोकर्णाभ्यां नमः।।
चतुर्मुखस्य या लक्ष्मीर्य्या लक्ष्मीर्धनदस्य च।
लक्ष्मीर्या लोकपालानां सा धेनु वरदास्तु मे।

गोः पृष्ठाय नमः।।

स्वधा त्वं पितृमुख्यानां स्वाहा यज्ञभुजांस्तथा।
सर्वपापहरे धेनो तस्माच्छान्तिं प्रयच्छ मे।।

गोः पुच्छाय नमः।।

यस्याः शृंगाग्रयोरिन्द्र उरसि स्कन्ध एव च।
तत्रास्ते शिरसि ब्रह्मा ललाटे वृषभध्वजः।।

कर्णयोरश्विनौ देवौ चक्षुषोः शशिभास्करौ।
दन्तेषु मरुतो देवा जिह्वायां च सरस्वती॥
अपाने सर्वतीर्थानि लांगूले सर्वमङ्गला।
ऋषयोः रोमकूपेषु पृष्ठे वैवस्वतो यमः॥
वरुणो धनदश्चैव दक्षिणां कुक्षिमाश्रितः।
वामपार्श्वे महायज्ञो महोजास्तु महाबलः॥
खुरमध्ये तु गन्धर्वाः खुराग्रे पन्नगास्तथा।
खुराणां पश्चिमे पार्श्वे गणा अप्सरसामपि॥
गोमये वसते लक्ष्मीर्गोमूत्रे जाह्नवीजलम्।
हुंकारे निखिला वेदा रम्भाशब्दे प्रजापतिः॥
चत्वारः सागराः पूर्णा धेनूनां स्तनमण्डले।
अमृतं स्रवते नित्यं पिबन्ति सुरमानवाः॥
न धेनु तुल्यं धनमस्ति किञ्चिद्धरत्यघं गुह्य बहिर्भवं च।
तृणानि भुक्ताप्यमृतं स्रवन्ती विप्राय दत्ता पितृमोक्षदा सा॥
एककालं द्विकालं वा यो ददाति गवाह्निकम्।
पञ्चचामरपूर्णाङ्गविमानमधिरोहति॥
उभे संध्ये च यो नित्यं गोसावित्रिं सदा पठेत्।
गोसहस्रफलं सोऽपि लभते वाञ्छितं फलम्॥
गवामङ्गेषु तिष्ठन्ति भुवनानि चतुर्दश।
यस्मात्तस्माच्छिवं मे स्यादिह लोके परत्र च॥

वस्त्रम्- आच्छादनं मया दत्तं सम्यक् शुद्धं सुनिर्मलम्।
सुरभिर्वस्त्रदानेन प्रीयतां परमेश्वरी।

गन्धम्- सर्वदेवप्रियन्देवि चन्दनं कुङ्कुमान्वितम्।
कर्पूरादिसमायुक्तं गोगन्धं प्रतिगृह्यताम्॥

अक्षताः - अक्षताश्च शुभ्राश्च कुङ्कुमाक्ताः सुशोभनाः।
मयानीताः प्रियार्थैतान् गृहाण त्वं गवेश्वरि॥

धूपम् - आनन्दकृत्सर्वलोके देवानाञ्च सदाप्रिये।
गौस्त्वं पाहि जगन्माता धूपोऽयं प्रतिगृह्यताम्।

दीपम्- साज्यं सद्वर्तिसंयुक्तं वह्निना योजितं मया।
दीपं गृहाण देवेशि सर्वतस्तिमिरापहम्।

गोः ग्रासः - सुरभिस्त्वं जगन्माता नित्यं विष्णुपदे स्थिता।
गोग्रासं च मया दत्तं नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्।
सुरभिस्त्वं जगन्मातर्देवि विष्णुपदे स्थिता।
सर्वदेवमयी ग्रासं मया दत्तमिमं ग्रस॥

भूषणार्थ द्रव्यं - घण्टाचामरञ्च समर्प्य, ततो गोः देहतीर्थानि पूजयेत्।

देहे देवतीर्थपूजनम् - गन्धाक्षतपुष्पैः

शृङ्मूले ब्रह्माविष्णुभ्यो नमः॥ सर्वतीर्थेभ्यो नमः॥ शिरोमध्ये महादेवाय नमः॥ ललाटे गौर्ये नमः॥ नासारन्ध्रे षण्मुखाय नमः॥ नासापुटयोः कम्बलाश्वतराभ्यां नमः॥ दन्तेषु वायवे नमः॥ जिह्वायां वरुणाय नमः॥ हुंकारे सरस्वत्यै नमः॥ गण्डयोः

मासपक्षाभ्यां नमः।। ओष्ठयोः सन्ध्याद्वाभ्यां नमः।। ग्रीवायां रक्षेभ्यो नमः।। कुक्षौ साध्ये नमः।। जंघासु धर्म्माय नमः।। खुरमध्ये गन्धर्वेभ्यो नमः।। खुराग्रे कुलपर्वतेभ्यो नमः।। खुरपश्चिमाग्रेषु अप्सरोगणेभ्यो नमः।। पृष्ठे एकादशरुद्रेभ्यो नमः।। सर्वसन्धिषु वसुभ्यो नमः।। श्रोण्यौ पितृगणेभ्यो नमः।। पुच्छे सोमाय नमः।। पुच्छकेशेषु सूर्य-रश्मिभ्यो नमः।। गोमूत्रे गङ्गायै नमः।। गोमये यमुनायै नमः।। क्षीरे सरस्वत्यै नमः।। दध्नि नर्मदायै नमः।। घृते वह्नये नमः।। रोमेषु कोटिदेवेभ्यो नमः।। उदरे पृथिव्यै नमः।। स्तनेषु चतुः सागरेभ्यो नमः।।

एते यस्याः स्तनो देवा सा धेनुर्वरदो मम ।।

स्वर्णशृङ्गीं रौप्यखुरां ताम्रपृष्टां मुक्ताफलसमर्पितं लांगूलवती कांस्यगोदेविकां विधाय प्रार्थयेत्।

नमो गोभ्यः श्रीमतीभ्यः सौरभेयीभ्य एव च।
नमो ब्रह्मसुताभ्यश्च पवित्राभ्यो नमो नमः।

गोपुच्छतर्पणविधिः-

सकुशाक्षतयवं गोपुच्छं च गृहीत्वा प्राङ्मुखी यजमानौ देवतीर्थेन देवास्तर्पयेत्।

ॐ या नन्दनी सुशीलाद्या कामदाश्चैव धेनवः।
ताः सर्वा पुच्छतोयेन तर्पितास्तर्पयन्तु माम्।।
ब्रह्मा विष्णुर्महादेवः कार्तिकेयो गणाधिपः।
पुष्पचापो महेन्द्रश्च भगवानच्युताग्रजः।।
देवा समस्ताः सगणाः सवाहनपरिच्छदाः।
सवसवोऽष्टौ द्वादशार्का रुद्रा एकादशेऽवतु।।
विश्वेदेवाश्च सोमश्च मरुतो मातरस्तथा।
गन्धर्वा गुह्यकाश्चैव सागरा सरितस्तथा।।
राक्षसाः यक्षवेतालाः पूतनाः पर्वताः द्रुमाः।
तीर्थान्यापसरश्चैव पशवः पन्नगाः खगाः।।
ऋक्षाणि राशयः योगाः मासवर्षर्तुवासराः।
अयने च युगाः कल्पास्तथा मन्वन्तराणि च।।
भुवनानि दिशाकाशं तथा सर्वेन्द्रियाणि च।
ॐकारश्चैव गायत्री छन्दस्त्वङ्गानि चैव हि।।
वेदाश्च स्मृतयश्चैव पुराणानि तथैव च।
आयुर्वेदो धनुर्वेदो गन्धर्वो मन्त्रपारगाः।।
औषध्यो वनसम्भूता ग्राम्याश्चैव सुप्पिपलाः।
सानुगा देवताश्चैव मुनयः सगणास्तथा।।
ऋषयः ऋषिपत्न्यश्च सिद्धाश्च सगणास्तथा।
प्रजा प्रजापतिश्चैव येऽन्ये विघ्नविनायकाः।।
विद्याधराश्च दैत्याश्चैवाचार्या गुरवस्तथा।
डाकिन्यः क्षेत्रपालश्च भैरवाश्चाष्टसंख्यकाः।।
स्थावरा जङ्गमाश्चैव भूतग्रामचतुर्विधाः।

अक्षयेनाऽमृतेनैव मङ्गलेन सुवारिणा।।
गोपुच्छाग्रच्युतमेह मद्दतेन हितेऽखिला।
शाश्वतीं तृप्तिमायान्तु दात्र्यै युक्तवरप्रदाः।।
सूर्यः सोमः कुजः सौम्यो गुरुः शुक्रः शनैश्चरः।
ग्रहाश्च तृप्तिमायान्तु राहुकेतू समन्वितौ।।
इन्द्रो वह्निर्यमो रक्षः पाशो वायुर्धनाधिपः।
ईशोऽनन्तस्तथा ब्रह्मा सर्वे ते तर्पिता मया।।
सावित्र्या सह लोकेशः सलक्ष्मीकश्चतुर्भुजः।
महेशश्चोमया सार्द्धस्तृप्तिर्यान्तु च शाश्वतीम्।।
अत्रिर्वशिष्ठो भृगुगौतमौ च
मरीचि दक्षो पुलहः पुलस्त्यः।
प्रचेतसः काश्यपविश्वमित्रौ
भारद्वाजसंज्ञो जमदग्निरेव।
अन्ये च सर्वे मुनिपुंगवाश्च
गृह्णन्तु दत्तं जलमद्य तुष्टाः।।

(जीवित्पितृकस्य तर्पणे निषेधोऽतस्तेन तन्न कार्य्यम्) ततो यज्ञोपवीतं कण्ठावरोहणं कृत्वा साक्षतकुशैः मनुष्यतीर्थेन मनुष्यांस्तर्पयेत् -

सनकः सनन्दनश्चैव सनातनस्तथैव च।
कपिलश्चासुरैश्चैव वोढुपञ्चशिखस्तथा।
ते तृप्तिमखिलायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः।।

ततो अपसव्यं विधाय द्विगुणितकुशतिलजलैः पितृन् तर्पयेत् -

कव्यवाडवानलः सोमो यमश्चैवार्य्यमा तथा।
अग्निष्वाताः सोमपाश्च तथा बर्हिषदश्च ये।
तर्पितास्तृप्तिमायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः।
यमाय धर्मराजाय मृत्यवे चान्तकाय च।
वैवस्वताय कालाय सर्वभूतक्षयाय च।
औदुम्बराय दध्नाय नीलाय परमेष्ठिने।
वृकोदरश्च चित्रश्च चित्रगुप्तस्तथैव च।
ते सर्वे तृप्तिमायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः।
पितापितामहश्चैव तथैव प्रपितामहः।
माता पितामही चैव तथैव प्रपितामही।
मातामहः प्रमातामहः प्रमातामहोपरः।
मातामही प्रमातामही प्रमातामहीपरा।
तृप्तिमायान्तु सकलाः गोपुच्छोदकतर्पणैः।
पितृवंशे मृते ये च मातृवंशेऽपि ये मृताः।
ये मे कुले लुप्तपिण्डाः क्रियालोपगतास्तथा।
आब्रह्मस्तम्बपर्य्यन्तं देवर्षिपितृमानवाः।
तृप्यन्तु सर्वदा सर्वे गोपुच्छोदकतर्पणैः।

ब्राह्मणपूजनम् - गन्धाक्षतपुष्पमालादिभिः विप्रमर्चयित्वा, अनन्तरं वस्त्रद्रव्यरत्नादिभिः च अलङ्करणं कुर्यात्। प्रार्थयेत्-

ॐनमस्त्वनन्ताय सहस्रमूर्तये, सहस्रपादाक्षिशिरोरुबाहवे।
सहस्रनाम्ने पुरुषाय शाश्वते सहस्रकोटियुगधारिणे नमः।।
आपध्वनन्ताय सहस्रभानवे समीहितार्थार्पणकामधेनवः।
अपारसंसारसमुद्रसेतवः पुनन्तु मां ब्राह्मणपादपांसवः।।
ॐभूमावेवाग्रजन्मासि विप्र त्वं पुरुषोत्तमः।
प्रत्यक्षो यज्ञपुरुषः पूजां मे प्रतिगृह्यताम्।।
ॐ अꣳ शुनाते अ ꣳ शुः पृच्यतां परुषा परुः गन्धस्ते
सोममवतु मदाय रसो अच्युतः।
उदङ्मुखस्तु विप्रः स्यात्पात्रलक्षणलक्षितः।
आज्यपात्रं करे कृत्वा सुवर्णेन समन्वितम्।।
निक्षिप्य पुच्छं तस्मिंस्तु घृतदुग्धं प्रगृह्य च।
सतिलं विप्रवर्य्याय धेनुं दद्यात्पयस्विनीम्।।

प्राङ्मुखीं गाम् उदङ्मुखी विप्रः पुच्छदेशे स्वयं स्थित्वा आज्यपात्रं सतिलं कनकेन(सुवर्णेन) अन्वितं (युक्तं) प्रगृह्य गोपुच्छं तत्पात्रे निधाय दानसंकल्पं कुर्यात्।।

अद्येत्यादि अमुकोऽहं ममामुष्मिन् कर्मणि श्रुतिस्मृति-पुराणोक्तफलवाप्तये गोरोमसंख्यकदिव्यवत्सरावच्छिन्न स्वर्गलोकस्थितिकामांश्च पितृणां निरतिशयानन्दब्रह्मलोकप्राप्तये परमेश्वरप्रीतये च इमां सुपूजितां सालंकारां सवत्सां गां रुद्रदैवतममुकगोत्राय अमुकशर्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमहं सम्प्रददे।

दानवाक्यम् – यज्ञसाधनभूतायाः विश्वस्याघविनाशिनी।
विश्वरूपधरोदेवः प्रीयतामनया गवा।।

ततो ब्राह्मणः स्वस्तीति वदेत्–

अद्य कृतैतद्गोदानकर्मणः सांगतासिद्ध्ये इदं हिरण्यमयं दक्षिणामग्निदैवतममुकगोत्रायामुकशर्म्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमहं सम्प्रददे।

कोदादिति ब्राह्मणप्रतिवचनम्।

ततो ब्राह्मणगवोः प्रदक्षिणाचतुष्टयं कुर्य्यात्–

नमो ब्रह्मण्यदेवाय गोब्राह्मणहिताय च।
जगद्धिताय कृष्णाय गोविन्दाय नमो नमः।।
मया जन्मसहस्रेषु ह्यर्जितं पापसंचयम्।
तत् सर्वं नाशय क्षिप्रं प्रदक्षिणा पदे-पदे।।

ब्राह्मणः गोपुच्छोदकेनाभिषेकं कुर्यात्। मन्त्राशीषं च दद्यात्।

ततो यजमानः ब्राह्मणेन समन्वितां गावः नमस्कारप्रदक्षिणाञ्च कुर्यात्।

नमस्कारः– नमो गोभ्यः श्रीमतीभ्यः सौरभेयीभ्य एव च।
नमो ब्रह्मसुताभ्यश्च पवित्राभ्यो नमो नमः।।
यया सर्वमिदं व्याप्तं जगत् स्थावरजङ्गमम्।
तां धेनुं शिरसा वन्दे भूतभव्यस्य मातरम्।।
पञ्चगावः समुत्पन्ना मथ्यमाने महोदधौ।
तासां मध्ये तु या नन्दा तस्यै देव्यै नमो नमः।।

सर्वकामदुघे देवी सर्वतीर्थाभिषेचिनि।

पावनि सुरभिश्रेष्ठे देवि तुभ्यं नमो नमः।।

प्रदक्षिणा – **पापानि सर्वाणि पदे पदे या**

हरत्यहो तत्क्षणमेव नृणणाम्।

प्रदक्षिणां तां परभक्तिभावात्

समाचरे धेनुवरे प्रसीद।।

गवां दृष्ट्वा नमस्कृत्य कुर्याच्चैव प्रदक्षिणम्।

प्रदक्षिणीकृता तेन सप्तद्वीपा वसुन्धरा।।

मातरः सर्वभूतानां गावः सर्व सुखप्रदाः।

वृद्धिमाकाङ्क्षता पुंसा नित्यं कार्या प्रदक्षिणा।।

इति चतुःसंख्यकप्रदक्षिणां विधाय प्रार्थयेत्

या लक्ष्मीर्लोकपालानां या च धेनुः सरस्वती।

धेनुरूपेण सा देवी मम पापं व्यपोहतु।।

ततो ब्राह्मणः गोपुच्छान्वितजलेन यजमानशिरसि निषिच्य तिलकमन्त्रपाठादीनि दद्यात्।

ततो दक्षिणां भूयसी च दद्यात्। तथा यथोपन्नेनान्नेन ब्राह्मणांश्च सन्तोषयेत्।

व्यतीपाते च संक्रान्तौ ग्रहणे ग्रहदौष्ट्यके।

असूतक्रमे विवाहे च रात्रौ गोदानमिष्यते।।

इति गोदानविधिः

यज्ञोपवीत धारण प्रयोग

किसी भी अवस्था में यदि यज्ञोपवीत अशुद्ध हो जाये, अथवा धागा टूट जाय, या फिर शौचादि के समय कान में डालना भूल जायें तों अपवित्र हो जाता है तब नया यज्ञोपवीत धारण करना चाहिये। इसी प्रकार जननाशौच, मरणाशौच, श्राद्ध, यज्ञ आदि में तथा सूर्य–चन्द्रग्रहण के उपरान्त नवीन यज्ञोपवीत धारण करना अपेक्षित है। यज्ञोपवीत धारण करने से पहले उसे संस्कारित करके प्रत्येक तन्तु में देवताओं का आवाहन व प्रतिष्ठापन कर सिद्ध (अभिमन्त्रित) करना आवश्यक होता है। अतः सर्वप्रथम सङ्कल्प करें।

ॐविष्णुर्विष्णुर्विष्णु अद्य....... मम श्रौतस्मार्तकर्मानुष्ठानसिद्धिद्वारा श्रीपरमेश्वरप्रीत्यर्थं नूतनयज्ञोपवीतधारणमहं करिष्ये।

इस प्रकार सङ्कल्प कर यज्ञोपवीत निम्नलिखित मन्त्र से प्रक्षालित करें–

ॐ आपो हिष्ठा मयोभुवस्ता न ऊर्जे दधातन। महे रणाय चक्षसे। यो वः शिवतमो रसः तस्य भाजयतेह नः। उशतीरिव मातरः तस्मा अरं गमाम वः यस्य क्षयाय जिन्वथ। आपो जनयथा च नः।।

इसके बाद हाथों के सम्पुट में यज्ञोपवीत रखकर गायत्री का दश बार आवेष्टित जप करें। तदुपरान्त किसी पात्र में यज्ञोपवीत रखकर पुष्पाक्षत से प्रत्येक सूत्र में देवताओं का आवाहन करें।

प्रथमतन्तौ ॐकारायनमः, ॐकारमावाहयामि। द्वितीयतन्तौ ॐअग्नये नमः, अग्निमावाहयामि। तृतीयतन्तौ ॐसर्पदेवताभ्यो नमः, सर्पानावाहयामि। चतुर्थतन्तौ ॐ सोमाय नमः, सोममावाहयामि। पञ्चमतन्तौ ॐपितृभ्यो नमः, पितृनावाहयामि। षष्ठतन्तौ ॐ प्रजापतये नमः, प्रजापतिमावाहयामि, सप्तमतन्तौ ॐअनिलेभ्यो नमः, अनिलमावाहयामि। अष्टमतन्तौ ॐयमाय नमः, यममावाहयामि। नवमतन्तौ ॐविश्वेदेवेभ्यो नमः। विश्वान् देवानावाहयामि।

अथ ग्रन्थिदेवतानामावाहनम्- **ग्रन्थिमध्ये ॐब्रह्मणे नमः, ॐ ब्रह्मणमावाहयामि। ॐ विष्णवे नमः ॐविष्णुमावाहयामि। ॐरुद्राय नमः, रुद्रमावाहयामि। ॐप्रणवाद्यावाहितदेवताभ्यो नमः। प्रणवाद्यावाहितदेवताः यथा स्थानमहं प्रतिष्ठापयामि।**

इन मन्त्रों से यज्ञोपवीत की गन्धाक्षत से प्रतिष्ठा करें तथा यज्ञोपवीत का मानसोपचार से पूजन करें।

ध्यानम्-

ॐ प्रजापतेर्यत्सहजं पवित्रं कार्पाससूत्रोद्भवब्रह्मसूत्रम्।
ब्रह्मत्वसिद्ध्यै च यशः प्रकाशं जपस्य सिद्धिं कुरु ब्रह्मसूत्रम्।।

तदनन्तर निम्नमन्त्र से सूर्यनारायण को यज्ञोपवीत दिखाना चाहिये।

ॐ आकृष्णेन रजसा वर्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यञ्च।

हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्।

अथ यज्ञोपवीतधारणम्

यज्ञोपवीतमिति मन्त्रस्य परमेष्ठी ऋषिः लिङ्गोक्तदेवता त्रिष्टुपछन्दो यज्ञोपवीतधारणे विनियोगः।

ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्।

आयुष्यमग्र्यं प्रतिमुञ्चशुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः।।

यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वा यज्ञोपवीतेनोपनह्यामि।।

इस प्रकार मंत्र पढ़कर पहले दाहिनी भुजा में यज्ञोपवीत डालकर तब कण्ठ में धारण करें। प्रत्येक यज्ञोपवीत धारण के बाद आचमन करें।

जीर्णसूत्र त्याग

निम्नमन्त्र को पढ़कर जीर्ण यज्ञोपवीत अर्थात् पुराने जनेऊ को पहले सिर की ओर से निकालें। और यथा शक्ति गायत्री मन्त्र को जपकर उसे जल में प्रवाहित करें।

एतावद्दिन पर्यन्तं ब्रह्मत्वं धारितं मया।

जीर्णत्वाच्च परित्यागो गच्छसूत्रं यथासुखम्।।

अर्पणम्

अनेन नवयज्ञोपवीतधारणार्थं कृतेन यथाशक्तिगायत्रीजपकर्मणा सवितादेवता प्रीयतां न मम। ॐ तत्सद्ब्रह्मार्पणमस्तु।

इति यज्ञोपवीत धारण विधि

अथ सन्ध्याप्रारम्भः

पवित्रीकरणम् - वामहस्ते जलमादाय दक्षिणहस्तेन आत्मानं अभिसिञ्चेत् ।

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा ।
यः स्मरेत्पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः ॥

ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु। ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु। ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु।

त्रिराचम्य - निम्नलिखित तीन मन्त्रों के उच्चारण के साथ आचमन करते हुए मन में स्वाहा शब्द का उच्चारण करें ।

ॐ केशवाय नमः (स्वाहा)। ॐ नारायणाय नमः (स्वाहा)। ॐ माधवाय नमः (स्वाहा)। ॐ गोविन्दाय नमः । हस्तौ प्रक्षाल्य ।

आसनशुद्धिः - विनियोगः - **ॐ पृथ्वीति मन्त्रस्य मेरुपृष्ठ-ऋषिः सुतलं छन्दः कूर्मो देवता आसनपवित्रकरणे विनियोगः ।**

निम्न मन्त्र पढते हुए तीन बार पृथ्वी का स्पर्श करें ।

ॐ पृथ्वी त्वया धृता लोका देवि त्वं विष्णुना धृता ।
त्वं च धारय मां देवि पवित्रं कुरु चासनम् ।
ॐ आधारासनायै कमलासनायै पृथिव्यै नमः ।

पवित्रीधारणम् - कुशा धारण करते हुए निम्न मन्त्र का उच्चारण करें ।

ॐ पवित्रेस्थो वैष्णव्यौ सवितुर्वः प्रसव उत्पुनाम्यच्छिद्रेण पवित्रेण सूर्यस्य रश्मिभिः। तस्य ते पवित्रपते पवित्रपूतस्य यत्कामः पुने तच्छकेयम् ।

शिखाबन्धनविनियोगः **ॐ मानस्तोकेति मन्त्रस्य कुत्स ऋषिः जगति छन्द एको रुद्रो देवता शिखाबन्धने विनियोगः।** (निम्न मन्त्र से शिखाबन्धन करें -)

ॐ मानस्तोके तनयेमानऽआयुषिमानो गोषुमानोऽअश्वेषुरी रिषः । मानोव्वीरान्नुद्रभामिनो व्वधीर्हविष्मन्तः सदमित्त्वा हवामहे ।

तिलकधारणम् - निम्न मन्त्र से तिलक धारण करें ।

ॐ आदित्या वसवो रुद्रा विश्वेदेवा मरुद्गणाः ।
तिलकन्ते प्रयच्छन्तु धर्मकामार्थसिद्धये ॥
ॐ मृत्तिका चन्दनं चैव भस्म तोयं चतुर्थकम् ।
एभिर्द्रव्यैर्यथाकालमूर्ध्वपुण्ड्रं भवेत् सदा ॥

संकल्पः-अर्घ्यपात्र में जल लेकर निष्काम भावना से सन्ध्या का संकल्प करें ।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्त्तमानस्य अद्य ब्रह्मणोऽह्नि द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे भारतवर्षे जम्बूद्वीपे आर्यावर्तैकदेशान्तर्गते पुण्यप्रदेशे. .... जनपदे..... नगरे....... ग्रामे...... क्षेत्रे प्रभवादिषष्टि संवत्सराणां मध्ये....... संवत्सरे सूर्ये उत्तरायणे/दक्षिणायने उत्तर/दक्षिण गोले...........मासे शुभे शुक्ले/कृष्णे पक्षे शुभपुण्य ....तिथौ ......वासरे ......नक्षत्रे . ...योगे ....करणे ....राशिस्थिते श्रीसूर्ये.......राशिस्थिते चन्द्रे ....गोत्रोत्पन्नो. ....शर्माऽहं (वर्माहं/गुप्तोऽहं) ममोत्पातदुरितक्षयपूर्वकं श्रीगायत्रीप्रीत्यर्थं प्रातः/मध्याह्न/सायं सन्योपासनकर्म करिष्ये ।

निम्न विनियोग के उच्चारण के साथ आचमनी में जल लेकर विनियोग करें ।

विनियोग - **ॐ ऋतं चेति त्र्यृचस्य माधुच्छन्दसोऽघमर्षण-ऋषिरनुष्टुप् छन्दो भाववृत्तं दैवतमपामुपस्पर्शने विनियोगः।**

निम्न मन्त्र से उच्चारण के साथ आचमनी में जल लेकर उसे पियें ।

ॐ ऋतञ्च सत्यञ्चाभीद्धात्तपसोऽध्यजायत । ततो रात्र्यजायत । ततः समुद्रो अर्णवः। समुद्रादर्णवादधिसंवत्सरो अजायत । अहोरात्राणि विदधद्विश्वस्य मिषतो वशी । सूर्याचन्द्रमसौ धाता यथापूर्वमकल्पयत् । दिवञ्च पृथिवीञ्चान्तरिक्षमथो स्वः ।

प्राणायाम विधि - प्राणायाम के तीन भेद होते हैं - 1. पूरक 2. कुम्भक 3. रेचक

1. अंगूठे से दाहिने नाक को दबाकर बायें नाक से श्वास को धीरे-धीरे खींचने को "पूरक" कहते हैं । पूरक प्राणायाम करते समय निम्न मन्त्रों का मन से उच्चारण करते हुए नाभिदेश में नीलकमलदल के समान नीलवर्ण चतुर्भुज भगवान् विष्णु का ध्यान करें ।

2. जब श्वास रुक जाए तब अनामिका और कनिष्ठिका अंगुली से नाक के बाए छिद्र को भी दबा दें और मन्त्र जपते रहें। यह "कुम्भक" कहलाता है। कुम्भक प्राणायाम करते समय हृदय में विराजमान लाल वर्ण वाले चतुर्भुज ब्रह्मा का ध्यान करें ।

3. अंगूठे को हटाकर दाहिने छिद्र से श्वास को धीरे-धीरे छोड़ें। यह "रेचक" कहलाता है। रेचक प्राणायाम करते समय ललाट में श्वेतवर्ण शंकर का ध्यान करें।

विनियोग: - **ॐ कारस्य ब्रह्म ऋषिर्दैवी गायत्री छन्दः परमात्मा देवता सप्तव्याहृतीनां प्रजापतिऋषिः गायत्र्युष्णिगनुष्टुब्बृहतीपङ्क्तित्रिष्टुब्जगत्यश्छन्दांसि अग्निवायुसूर्यबृहस्पति- वरुणेन्द्रविश्वेदेवा देवताः तत्सवितुरिति विश्वामित्र ऋषिर्गायत्री छन्दः सविता देवता आपोज्योतिरिति शिरसः प्रजापतिऋषिर्यजुश्छन्दो ब्रह्माग्निवायुसूर्यादेवता: प्राणायामे विनियोगः।**

(निम्न मन्त्र का स्मरण करते हुए प्राणायाम करें -)

ॐ भूः ॐ भुवः ॐ स्वः ॐ महः ॐ जनः ॐ तपः ॐ सत्यम्। ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गोदेवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्। ॐआपोज्योती रसोऽमृतं ब्रह्म भूर्भुवः स्वरोम्॥ (हस्तौ प्रक्षाल्य) प्रातराचमनीयम् (केवल प्रातः संध्या में निम्न आचमन करे)

विनियोग: - **ॐ सूर्यश्च मेति ब्रह्मा ऋषिः प्रकृतिश्छन्दः सूर्यमन्युमन्युपतयो रात्रिश्च देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः।**

आचमनी में जल लेकर मन्त्र उच्चारण करने के बाद पियें।

ॐ सूर्यश्च मा मन्युश्च मन्युपतयश्च मन्युकृतेभ्यः पापेभ्यो रक्षन्ताम्। यद्रात्र्या पापमकार्षं मनसा वाचा हस्ताभ्यां पद्भ्यामुदरेण शिश्ना रात्रिस्तदवलुम्पतु। यत्किञ्च दुरितं मयि इदमहं माममृतयोनौ सूर्ये ज्योतिषि जुहोमि स्वाहा।

मध्याह्नाचमनीयम्(केवल मध्याह्न सन्ध्या में निम्न आचमन करें)

विनियोग - **ॐ आपः पुनन्त्विति नारायण ऋषिरनुष्टुप् छन्द आपः पृथिवी ब्रह्मणस्पतिर्ब्रह्म च देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः।**

आचमनी में जल लेकर मन्त्र उच्चारण करने के बाद पियें।

ॐ आपः पुनन्तु पृथिवीं पृथिवी पूता पुनातु माम्। पुनन्तु ब्रह्मणस्पतिर्ब्रह्मपूता पुनातु माम्। यदुच्छिष्टमभोज्यं यद्वा दुश्चरितं मम। सर्वं पुनन्तु मामापोऽसतां च प्रतिग्रहॅं स्वाहा।

सायमाचमनीयम् (केवल सायं सन्ध्या में निम्न आचमन करें)

विनियोगः - अग्निश्च मेति रुद्र ऋषिः प्रकृतिश्छन्दोऽग्निमन्यु मन्युपतयोऽहश्च देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः।

आचमनी में जल लेकर निम्न मन्त्र उच्चारण करने के बाद पियें।

ॐ अग्निश्च मा मन्युश्च मन्युपतयश्च मन्युकृतेभ्यः पापेभ्यो रक्षन्ताम्। यदह्ना पापमकार्षं मनसा वाचा हस्ताभ्यां पद्भ्यामुदरेण शिश्ना अहस्तदवलुम्पतु। यत्किञ्च दुरितं मयि इदमहं माममृतयोनौ सत्ये ज्योतिषि जुहोमि स्वाहा।

मार्जनविनियोगः - आपो हिष्ठेति त्र्यृचस्य सिन्धुद्वीप ऋषिर्गायत्री छन्द आपो देवता मार्जने विनियोगः।

बायें हाथ में जल लेकर दाहिने हाथ की तीन उंगलियों अथवा कुशा निर्मित पवित्री से अपने ऊपर जल का सिंचन करें।

ॐ आपो हिष्ठा मयो भुवः। ॐ ता न ऊर्जे दधातन। ॐ महेरणाय चक्षसे। ॐ यो वः शिवतमो रसः। ॐ तस्य भाजयतेह नः। ॐ उशतीरिवमातरः। ॐ तस्मा अरं गमाम वः। ॐ यस्य क्षयाय जिन्वथ। ॐआपो जनयथा च नः।

अभिमन्त्रण विनियोगः - **ॐ द्रुपदादिवेत्यश्विसरस्वतीन्द्रा ऋषयोऽनुष्टुप् छन्द आपो देवताः शिरस्सेके विनियोगः।** दाहिने हाथ में जल लेकर बायें हाथ से ढककर निम्न मन्त्र के उच्चारण के बाद जल को सिर पर छिड़कें।

ॐ द्रुपदादिव मुमुचानः स्विन्नः स्नातो मलादिव।
पूतं पवित्रेणेवाज्यमापः शुन्धन्तु मैनसः॥

अघमर्षण विनियोगः - **ॐ ऋतञ्चेति त्र्यृचस्य माधुच्छन्दसोऽघमर्षण ऋषिरनुष्टुप् छन्दो भाववृत्तं दैवतमघमर्षणे विनियोगः।**

निम्न मन्त्रोच्चारण के साथ दाहिने हाथ में जल लेकर उसे नासिका पर लगायें। मन्त्रोच्चारण के बाद उस जल को बायें तरफ फेंक दें।

ॐ ऋतञ्च सत्यञ्चाभीद्धात्तपसोऽध्यजायत। ततो रात्र्यजायत। ततः समुद्रो अर्णवः। समुद्रादर्णवादधिसंवत्सरो अजायत। अहोरात्राणि विदधद्विश्वस्य मिषतो वशी। सूर्याचन्द्रमसौ धाता यथा पूर्वमकल्पयत्। दिवञ्च पृथिवीञ्चान्तरिक्षमथो स्वः। (हस्तौ प्रक्षाल्य)

विनियोगः - **ॐ अन्तश्चरसीति तिरश्चीन ऋषिरनुष्टुप् छन्द आपो देवता**

अपामुपस्पर्शने विनियोगः।

ॐ अन्तश्चरसि भूतेषु गुहायां विश्वतोमुखः।

त्वं यज्ञस्त्वं वषट्कार आपो ज्योती रसोऽमृतम्।।

सूर्यार्घ्यविनियोगः ॐ कारस्य ब्रह्मऋषिर्दैवि गायत्री छन्दः परमात्मा देवता तिसृणां महाव्याहृतीनां प्रजापतिर्ऋषिर्गायत्र्युष्णिगनुष्टुभश्छन्दांस्यग्निवायुसूर्या देवताः, तत्सवितुरिति विश्वामित्र ऋषिर्गायत्री छन्दः सविता देवता सूर्यार्घ्यदाने विनियोगः।

मन्त्रः- ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि।

धियो यो नः प्रचोदयात्।

ॐ आकृष्णेन रजसा वर्त्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यं च । हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन् । एहिसूर्य सहस्रांशो तेजो राशे जगत्पते। अनुकम्पय मां भक्त्या गृहाणार्घ्यं दिवाकरः।। ब्रह्मस्वरूपिणे सूर्यनारायणाय इदमर्घ्यं दत्तं न मम।। (जल को आँखों से लगायें)

ध्यानम् -ॐ ध्येयः सदा सवितृमण्डलमध्यवर्ती नारायणः सरसिजासनसन्निविष्टः।

केयूरवान् मकरकुण्डलवान् किरीटी हारी हिरण्मयवपुर्धृतशङ्खचक्रः।।

नमोऽस्तु सूर्याय सहस्रभानवे नमोऽस्तु वैश्वानरजातवेदसे ।

त्वमेव चार्घ्यं प्रतिगृह्ण देव देवाधिदेवाय नमो नमस्ते ।।

सूर्योपस्थानविनियोगः - ॐ उद्वयमिति प्रस्कण्व ऋषिरनुष्टुप्छन्दः सूर्यो देवता, उदुत्यमिति प्रस्कण्व ऋषिर्निचृद्गायत्री छन्दः सूर्यो देवता चित्रमिति कुत्साङ्गिरसऋषिस्त्रिष्टुप्छन्दः सूर्यो देवता, तच्चक्षुरिति दध्यङ्गाथर्वण ऋषिरेकाधिका ब्राह्मी त्रिष्टुप्छन्दः सूर्यो देवता सूर्योपस्थाने विनियोगः।

प्रातः काल में दाहिने पैर की एडी उठाकर दोनों हाथों को सीधा रखें, मध्याह्न संध्या में दोनों हाथों को ऊपर की ओर करें तथा सायं काल में बैठकर हाथ बन्दकमल के समान जोडकर निम्न मन्त्रों के उच्चारण के साथ सूर्योपस्थान करें।

ॐउद्वयं तमसस्परि स्वः पश्यन्त उत्तरम्। देवं देवत्रा सूर्यमगन्म ज्योतिरुत्तमम्।।1।।

ॐ उदुत्यं जातवेदसं देवं वहन्ति केतवः । दृशे विश्वाय सूर्यम् ।।2।।

ॐ चित्रं देवानामुदगादनीकं चक्षुर्मित्रस्य वरुणस्याग्नेः । आप्रा द्यावापृथिवी अन्तरिक्ष ँ सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च ।।3।।

ॐ तच्चक्षुर्देवहितं पुरस्ताच्छुक्रमुच्चरत् । पश्येम शरदः शतं जीवेम शरदः शत ँ शृणुयाम शरदः शतम्प्रब्रवाम शरदः शतमदीनाः स्यामशरदः शतम्भूयश्च शरदः शतात् ।।4।।

अङ्गन्यासः - मन्त्रों के साथ-साथ अंगो का स्पर्श करें ।

ॐ हृदयाय नमः । ॐ भूः शिरसे स्वाहा । ॐ भुवः शिखायै वषट् । ॐ स्वः कवचाय हुम् । ॐ भूर्भुवः नेत्राभ्यां वौषट् । ॐ भूर्भुवः स्वः अस्त्राय फट् ।।

ॐ पुनातु शिरसि । ॐ भूः पुनातु पादयोः । ॐ भुवः पुनातु नाभौ ।ॐ स्वः पुनातु हृदये । ॐ महः पुनातु कण्ठे । ॐ जनः पुनातु नेत्रयोः ।ॐ तपः पुनातु ललाटे । ॐ सत्यम् पुनातु शिरसि । ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् । ॐ सर्वं पुनातु सर्वाङ्गे ।

गायत्र्यावाहनविनियोगः - ॐ तेजोऽसीति धामनामासीत्यस्य च परमेष्ठी प्रजापति-ऋषिर्यजुस्त्रिष्टुब्बृहत्युष्णिहौ छन्दसी सविता देवता गायत्र्यावाहने विनियोगः ।

ॐ तेजोऽसि शुक्रमस्यमृतमसि।

धाम नामासि प्रियं देवानामनाधृष्टं देवयजनमसि ।

गायत्रीध्यानम् -

ॐ श्वेतवर्णा समुद्दिष्टा कौशेयवसना तथा,

श्वेतैर्विलेपनैः पुष्पैरलंकारैश्च भूषिता ।

आदित्यमण्डलस्था च ब्रह्मलोकगताथवा,

अक्षसूत्रधरादेवी पद्मासनगता शुभा ।।

गायत्र्युपस्थानविनियोगः - गायत्र्यसीति विवस्वान् ऋषिः स्वराण्महापङ्क्तिश्छन्दः परमात्मा देवता गायत्र्युपस्थाने विनियोगः ।

ॐ गायत्र्यस्येकपदी द्विपदी त्रिपदी चतुष्पद्यपदसि न हि पद्यसे नमस्ते तुरीयाय दर्शताय पदाय परोरजसेऽसावदो मा प्रापत् ।।

गायत्री शापविमोचन मन्त्राः

ब्रह्मशापविमोचनविनियोगः - ॐ अस्य श्रीब्रह्मशापविमोचनमन्त्रस्य ब्रह्मा ऋषिर्भुक्तिमुक्तिप्रदा ब्रह्मशापविमोचनी गायत्री शक्तिर्देवता गायत्री छन्दः

ब्रह्मशापविमोचने विनियोगः ।

ॐ गायत्रीं ब्रह्मेत्युपासीत यद्रूपं ब्रह्मविदो विदुः ।
तां पश्यन्ति धीराः सुमनसो वाचमग्रतः॥

ॐ वेदान्तनाथाय विद्महे हिरण्यगर्भाय धीमहि, तन्नो ब्रह्मा प्रचोदयात् ।

ॐ देवि गायत्रि त्वं ब्रह्मशापाद्विमुक्ता भव ।

वसिष्ठ-शापविमोचनविनियोगः:- **अस्य श्रीवसिष्ठशापविमोचनमन्त्रस्य निग्रहानुग्रहकर्ता वसिष्ठ ऋषिर्वसिष्ठानुगृहीता गायत्री शक्तिर्देवता विश्वोद्भवा गायत्री छन्दः वसिष्ठशापविमोचनार्थं जपे विनियोगः।**

ॐ सोऽहमर्कमयं ज्योतिरात्मज्योतिरहं शिवः।
आत्मज्योतिरहं शुक्रः सर्वज्योतिरसोऽस्म्यहम्॥

(योनिमुद्रा दिखाकर तीन बार गायत्री जपें)

ॐ देवि गायत्रि त्वं वसिष्ठशापाद्विमुक्ता भव।

विश्वामित्र-शापविमोचनविनियोगः - **ॐ अस्य श्रीविश्वामित्रशापविमोचनमन्त्रस्य नूतनसृष्टिकर्ता विश्वामित्रऋषिर्विश्वामित्रानुगृहीता गायत्री शक्तिर्देवता वाग्देहा गायत्री छन्दः विश्वामित्रशापविमोचनार्थं जपे विनियोगः ।**

ॐ गायत्रीं भजाम्यग्निमुखीं विश्वगर्भां यदुद्भवाः ।
देवाश्चक्रिरे विश्वसृष्टिं तां कल्याणीमिष्टकरीं प्रपद्ये ॥

ॐ देवि गायत्रि त्वं विश्वामित्र शापाद्विमुक्ता भव ।

शुक्रशापविमोचनविनियोगः - **ॐअस्य श्रीशुक्रशापविमोचनमन्त्रस्य श्रीशुक्रऋषि अनुष्टुप् छन्दः देवी गायत्री देवता शुक्रशापविमोचनार्थं जपे विनियोगः ।**

मन्त्र - **सोऽहमर्कमयं ज्योतिरर्कज्योतिरहं शिवः । आत्मज्योतिरहं शुक्रः सर्वज्योतीरसोऽस्म्यहम्॥ ॐ देवि गायत्रि त्वं शुक्रशापाद्विमुक्ता भव ।**

प्रार्थना- **अहो देवि महादेवि संध्ये विद्ये सरस्वति ।
अजरे अमरे चैव ब्रह्मयोनिर्नमोऽस्तुते ॥**

ॐ देवि गायत्रि त्वं ब्रह्मशापाद्विमुक्ता भव, वसिष्ठशापाद्विमुक्ता भव, विश्वामित्रशापाद्विमुक्ता भव, शुक्रशापाद्विमुक्ता भव ।

जपस्य पूर्वं मुद्रा (गायत्री जप से पूर्व निम्न 24 मुद्राओं को करें ।)

सुमुखं सम्पुटं चैव विततं विस्तृतं तथा ।
द्विमुखं त्रिमुखं चैव चतुष्पञ्चमुखं तथा ॥
षण्मुखाऽधोमुखं चैव व्यापकाञ्जलिकं तथा।
शकटं यमपाशं च ग्रथितं चोन्मुखोन्मुखम्॥
प्रलम्बं मुष्टिकं चैव मत्स्यः कूर्मो वराहकम्।
सिहाक्रान्तं महाक्रान्तं मुद्गरं पल्लवं तथा॥
एता मुद्राश्चतुर्विंशज्जपादौ परिकीर्तिताः॥

गायत्रीजपविनियोगः - **ॐ कारस्य ब्रह्म ऋषिर्दैवी गायत्री छन्दः** परमात्मा देवता **तिसृणां महाव्याहृतीनां प्रजापतिऋषिर्गायत्र्युष्णिगनुष्टुभश्छन्दांस्यग्निवायुसूर्या देवताः तत्सवितुरिति विश्वामित्रऋषिर्गायत्री छन्दः सविता देवता जपे विनियोगः।**

मालाप्रार्थना- **ॐ मां माले महामाये सर्वशक्तिस्वरूपिणि ।
चतुर्वर्गस्त्वयि न्यस्तस्तस्मान्मे सिद्धिदा भव ॥
ॐ अविघ्नं कुरु माले त्वं गृह्णामि दक्षिणे करे।
जपकाले च सिद्ध्यर्थं प्रसीद मम सिद्धये॥**

ॐ अक्षमालाधिपतये सुसिद्धिं देहि देहि सर्वमन्त्रार्थसाधिनि साधय साधय सर्वसिद्धिं परिकल्पय परिकल्पय मे स्वाहा

गायत्री मन्त्रः (निम्न गायत्री मन्त्र का 108 बार जप करें -)

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।

माला विसर्जनम् (जप के पश्चात् निम्न मन्त्र से माला विसर्जन करें -)

**ॐ गुह्यातिगुह्यगोप्त्रीत्वं गृहाणास्मत्कृतं जपम्।
सिद्धिर्भवतु मे देवि त्वत्प्रसादान्महेश्वरि॥**

जपान्तरं मुद्राः(गायत्री जप के पश्चात् निम्न 8 मुद्राओं को करें -)

**सुरभिर्ज्ञानवैराग्ये योनिः शंखोऽथ पङ्कजम्।
लिङ्गनिर्वाणमुद्राश्च जपान्तेऽष्टौ प्रदर्शयेत्॥**

जपसमर्पणविनियोगः - ॐ देवा गातुविद इति मनसस्पतिर्ऋषिर्विराडनुष्टुप्छन्दो वातो देवता जपनिवेदने विनियोगः ।

ॐ देवा गातुविदो गातुं वित्त्वा गातुमित मनसस्पत। इमं देवयज्ञꣳस्वाहा वातेधाः॥

अनेन यथाशक्तिकृतेन गायत्रीजपाख्येन कर्मणा भगवान् सूर्यनारायणः प्रीयतां न मम । (पृथ्वी पर जल छोड़े)

तत्पश्चात् निम्नलिखित गायत्री कवच का पाठ कर सकते हैं-

विनियोग:- अस्य श्री गायत्रीकवचस्य ब्रह्मा ऋषिर्गायत्री छन्दो गायत्रीदेवता भूः बीजं भुवः शक्तिः स्वः कीलकं गायत्रीप्रीत्यर्थं गायत्रीकवचपाठे विनियोगः

ध्यानम् -

पञ्चवक्त्रां दशभुजां सूर्यकोटिसमप्रभाम् ।
सावित्रीं ब्रह्मवरदां चन्द्रकोटिसुशीतलाम् ॥
त्रिनेत्रां सितवस्त्रां च मुक्ताहारविराजिताम् ।
वराभयाङ्कुशकशाहेमपात्राक्षमालिकाम् ॥
शङ्खचक्राब्जयुगलं कराभ्यां दधतीं वराम् ।
सितपङ्कजसंस्थाञ्च हंसारूढां सुखस्मिताम्।
ध्यात्वैवं मानसाम्भोजे गायत्रीकवचं जपेत् ॥

ॐ ब्रह्मोवाच

विश्वामित्र महाप्राज्ञ गायत्रीकवचं श्रृणु ।
यस्य विज्ञानमात्रेण त्रैलोक्यं वशयेत् क्षणात् ॥
सावित्री मे शिरः पातु शिखायाममृतेश्वरी ।
ललाटं ब्रह्मदैवत्या भ्रुवौ मे पातु वैष्णवी ॥
कर्णौ मे पातु रुद्राणी सूर्या साविन्त्रिकाऽम्बिके ।
गायत्री वदनं पातु शारदा दशनच्छदौ ॥
द्विजान् यज्ञप्रिया पातु रसनायां सरस्वती ।
सांख्यायनी नासिकां मे कपोलौ चन्द्रहासिनी ॥
चिबुकं वेदगर्भा च कण्ठं पात्वघनाशिनी ।
स्तनौ मे पातु इन्द्राणी हृदयं ब्रह्मवादिनी ॥
उदरं विश्वभोक्त्री च नाभौ पातु सुरप्रिया ।
जघनं नारसिंही च पृष्ठं ब्रह्माण्डधारिणी ॥
पार्श्वौ मे पातु पद्माक्षी गुह्यं गोगोप्त्रिकाऽवतु ।
ऊर्वोरोंकाररूपा च जान्वोः संध्यात्मिकाऽवतु ॥
जङ्घयोः पातु अक्षोभ्या गुल्फयोर्ब्रह्मशीर्षका ।
सूर्या पदद्वयं पातु चन्द्रा पादाङ्गुलीषु च ॥
सर्वाङ्गं वेदजननी पातु मे सर्वदाऽनघा ।
इत्येतत् कवचं ब्रह्मन् गायत्र्याः सर्वपावनम् ॥
पुण्यं पवित्रं पापघ्नं सर्वरोगनिवारणम् ।
त्रिसन्ध्यं यः पठेद्विद्वान् सर्वान् कामानुवाप्नुयात् ॥
सर्वशास्त्रार्थतत्वज्ञः स भवेद्वेदवित्तमः ।
सर्वयज्ञफलं प्राप्य ब्रह्मान्ते समवाप्नुयात् ॥
प्राप्नोति जपमात्रेण पुरुषार्थाश्चतुर्विधान् ॥

(श्रीविश्वामित्रसंहितोक्तं गायत्रीकवचं सम्पूर्णम्)

गायत्रीविसर्जनविनियोग: ॐ उत्तमे शिखरे इति वामदेव ऋषिरनुष्टुप्छन्दः गायत्री देवता गायत्रीविसर्जने विनियोगः ।

ॐ उत्तमे शिखरे देवी भूम्यां पर्वतमूर्धनि।
ब्राह्मणेभ्योऽभ्यनुज्ञाता गच्छ देवि यथासुखम्।

सूर्यप्रदक्षिणाविनियोग: ॐ विश्वतश्चक्षुरिति भौवन ऋषिस्त्रिष्टुप्छन्दो विश्वकर्मा देवता सूर्यप्रदक्षिणायां विनियोग: ।

मन्त्र: - ॐ विश्वतश्चक्षुरुत विश्वतोमुखो विश्वतोबाहुरुत विश्वतस्पात् ।
सम्बाहुभ्यां धमति सम्पतत्रैर्द्यावाभूमी जनयन् देव एकः ।

अनेन सन्ध्योपासनाख्येन कर्मणा श्रीपरमेश्वरः प्रीयतां न मम।

ॐ तत्सद् ब्रह्मार्पणमस्तु। ॐ शक्राय नमः । ॐ शतक्रतवे नमः ।

-0-0-0-

वीणाधरे विपुलमङ्गलदानशीले
भक्तार्तनाशिनि विरञ्चिहरीशवन्द्ये।
कीर्तिप्रदेऽखिलमनोरथदे महार्हे,
विद्या प्रदायिनि सरस्वति नौमि नित्यम्।।

षोडशोपचार पूजन विधि

पूजा में जो वस्तु विद्यामान न हो उसके लिये 'मनसा परिकल्प्य सर्मपयामि' कहें। वैदिक एवं लौकिक मन्त्रों के साथ षोडशोपचार पूजन की विधि ।

हाथ में अक्षत लेकर ध्यान करे–

भगवान गणेश जी का ध्यान–

गजाननं भूतगणादिसेवितं कपित्थजम्बूफलचारुभक्षणम्।

उमासुतं शोकविनाशकारकं नमामि विघ्नेश्वरपादपङ्कजम्।।

भगवती गौरी जी का ध्यान करे–

नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततं नमः।

नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्म ताम्।।

श्रीगणेशाम्बिकाभ्यां नमः ध्यानं सर्मपयामि।

ध्यान के बाद भगवान गणेश जी का आवाहन करे–

ॐ गणानां त्वा गणपति ँ हवामहे प्रियाणां त्वा प्रियपति ँ हवामहे निधीनां त्वा निधिपति ँ हवामहे वसो मम। आहमजानि गर्भध मात्वमजासि गर्भधम्।।

एह्येहि हेरम्ब महेशपुत्र समस्तविघ्नौघविनाशदक्ष।
माङ्गल्यपूजाप्रथमप्रधान गृहाण पूजां भगवन् नमस्ते।।

ॐ भूर्भुवः स्वः सिद्धिबुद्धिसहिताय गणपतये नमः गणपतिमावाहयाामि, स्थापयामि, पूजयामि च।

हाथ के अक्षत गणेश जी पर चढ़ा दे। फिर अक्षत लेकर गणेश जी की दाहिनी ओर गौरी जी का आवाहन करे।

भगवती गौरी का आवाहन–

ॐ अम्बे अम्बिकेऽम्बालिके न मा नयति कश्चन। ससस्त्यश्वकः सुभद्रिकां काम्पीलवासिनीम्।।

हेमाद्रितनयां देवीं वरदां शङ्करप्रियाम्।

लम्बोदरस्य जननीं गौरीमावाहयाम्यहम्।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गौर्यै नमः गौरीमावाहयामि स्थापयामि पूजयामि च।

उपर्युक्त मन्त्र केवल गौरी गणेश जी के लिये विहित है अन्यथा जिस देवता का पूजन करना हो उनके लिये जो मन्त्र विहित हो उस मन्त्र से ध्यान आवाहन करे। तदनन्तर अधोलिखित मन्त्र प्रायः सभी देव के लिये षोडशोपचार पूजा में प्रयोग कर सकते हैं।

प्राण प्रतिष्ठा–

ॐ मनो जूतिर्जुषतामाज्यस्य बृहस्पतिर्यज्ञमिमं तनोत्वरिष्टं यज्ञ ँ समिमं दधातु। विश्वे देवास इह मादयन्तामो 3म्प्रतिष्ठ।।

अस्यै प्राणाः प्रतिष्ठन्तु अस्यै प्राणाः क्षरन्तु च।

अस्यै देवत्वमर्चायै मामहेति च कश्चन।।

गणेशाम्बिके! सुप्रतिष्ठिते वरदे भवेताम्। प्रतिष्ठापूर्वकम् आसनार्थे अक्षतान् समर्पयामि गणेशाम्बिकाभ्यां नमः (आसन के लिये अक्षत छोड़ें)

पाद्य, अर्घ्य, आचमनीय, स्नानीय, पुनराचमनीय।

ॐ देवस्य त्वा सवितुः प्रसवेऽश्विनोर्बाहुभ्यां पूष्णो हस्ताभ्याम्।।

एतानि पाद्यार्घ्याचमनीयस्नानीयपुनराचमनीयानि सर्मपयामि गणेशाम्बिकाभ्यां नमः। (इस मन्त्र से जल चढा दे)

दुग्धस्नान–

ॐ पयः पृथिव्यां पय ओषधीषु पयो दिव्यन्तरिक्षे पयो धाः।

पयस्वतीः प्रदिशः सन्तु मह्यम्।।

कामधेनुसमुद्भूतं सर्वेषां जीवनं परम्।

पावनं यज्ञहेतुश्च पयः स्नानार्थमर्पितम्।।

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पयः स्नानं समर्पयामि। (दूध से स्नान करायें)

दधिस्नान-

ॐ दधिक्राव्णो अकारिषं जिष्णोरश्वस्य वाजिनः।

सुरभि नो मुखा करत्प्रण आयू ँ षि तारिषत्।।

पयसस्तु समुद्भूतं मधुराम्लं शशिप्रभम्।

दध्यानीतं मया देव स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, दधिस्नानं समर्पयामि। (दही से स्नान करायें)

घृतस्नान-

ॐ घृतं मिमिक्षे घृतमस्य योनिर्घृते श्रितो घृतम्वस्य धाम।

अनुष्वधमा वह मादयस्व स्वाहाकृतं वृषभ वक्षि हव्यम्।।

नवनीतसमुत्पन्नं सर्वसंतोषकारकम्।

घृतं तुभ्यं प्रदास्यामि स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, घृतस्नानं समर्पयामि। (घी से स्नान करायें)

मधुस्नान-

ॐ मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः।

माध्वीर्नः सन्त्वोषधीः।।

मधुनक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिव ँ रजः।

मधु द्यौरस्तु नः पिता।।

पुष्परेणुसमुद्भूतं सुस्वादु मधुरं मधु।

तेजः पुष्टिकरं दिव्यं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, मधुस्नानं समर्पयामि। (मधु से स्नान करायें)

शर्करास्नान-

ॐ अपा ँ रसमुद्वयस ँ सूर्ये सन्त ँ समाहितम्। अपा ँ रसस्य यो रसस्तं वो गृह्णाम्युत्तममुपयामगृहीतोऽसीन्द्राय त्वा जुष्टं गृह्णाम्येष ते योनिरिन्द्राय त्वा जुष्टतमम्।।

इक्षुरससमुद्भूतां शर्करां पुष्टिदां शुभाम्।

मलापहारिकां दिव्यां स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, शर्करा स्नानं समर्पयामि। (शर्करा से स्नान करायें)

पञ्चामृतस्नान-

ॐ पञ्च नद्यः सरस्वतीमपि यन्ति सस्रोतसः। सरस्वती तु पञ्चधा सो देशेऽभवत्सरित्।।

पञ्चामृतं मयानीतं पयो दधि घृतं मधु।

शर्करया समायुक्तं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पञ्चामृतस्नानं समर्पयामि। (पञ्चामृत से स्नान करायें)

गन्धोदकस्नानं-

ॐ अ ँ शुना ते अ ँ शुः पृच्यतां परुषा परुः। गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः।।

मलयाचलसम्भूतचन्दनेन विनिःसृतम्।

इदं गन्धोदकस्नानं कुङ्कुमाक्तञ्च गृह्यताम्।।

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, गन्धोदकस्नानं समर्पयामि। (गन्धोदक से स्नान कराये)

शुद्धोदकस्नानं-

ॐ शुद्धवालः सर्वशुद्धवालो मणिवालस्त आश्विनाः। श्येतः श्येताक्षोऽरुणस्ते रुद्राय पशुपतये कर्णा यामा अवलिप्ता रौद्रा नभोरूपाः पार्जन्याः।।

गङ्गा च यमुना चैव गोदावरि सरस्वती ।

नर्मदा सिन्धुकावेरी स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, शुद्धोदकस्नानं समर्पयामि। (शुद्ध जल से स्नान करायें) शुद्धोदकस्नानान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि (आचमन के लिये जल दें)

वस्त्र-

ॐ युवा सुवासा परिवीत आगात् स उश्रेयान् भवति जायमानः।

तं धीरासः कवय उन्नयन्ति स्वाध्यो 3 मनसा देवयन्तः।।

शीतवातोष्णसंत्राणं लज्जाया रक्षणं परम्।
देहालङ्करणं वस्त्रमतः शान्तिं प्रयच्छ मे ।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, वस्त्रं समर्पयामि। (वस्त्र समर्पित करें)

आचमन-

वस्त्रान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि (आचमन के लिये जल दें)

उपवस्त्र-

ॐ सुजातो ज्योतिषा सह शर्म वरूथमाऽसदत्स्वः। वासो अग्ने विश्वरूप ँ सं व्ययस्व विभावसो।।

यस्याभावेन शास्त्रोक्तं कर्म किञ्चन्न सिध्यति।

उपवस्त्रं प्रयच्छामि सर्वकर्मोपकारकम्।।

ॐॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, उपवस्त्रं (उपवस्त्राभावे रक्तसूत्रं समर्पयामि उपवस्त्र समर्पित करें)

यज्ञोपवीत-

ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्। आयुष्यमग्र्यं प्रतिमुञ्च शुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः।। यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वा यज्ञोपवीतेनोपनह्यामि।

नवभिस्तन्तुभिर्युक्तं त्रिगुणं देवतामयम्।

उपवीतं मया दत्तं गृहाणपरमेश्वर।।

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, यज्ञोपवीतं सर्मपयामि (यज्ञोपवीत समर्पित करें) **आचमन- यज्ञोपवीतान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि।** आचमन के लिये जल दें।

चन्दन-

त्वां गन्धर्वा अखनँस्त्वामिन्द्रस्त्वां बृहस्पतिः। त्वामोषधे सोमो राजा विद्वान् यक्ष्मादमुच्यत।।

श्रीखण्डं चन्दनं दिव्यं गन्धाढ्यं सुमनोहरम्।

विलेपनं सुरश्रेष्ठ! चन्दनं प्रतिगृह्यताम्।।

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, चन्दनानुलेपनं समर्पयामि। चन्दन अर्पित करें

अक्षत–

ॐ अक्षन्नमीमदन्त ह्यव प्रिया अधूषत। अस्तोषत स्वभानवो विप्रा नविष्ठया मती योजान्विन्द्रते हरी॥

अक्षताश्च सुरश्रेष्ठ कुङ्कुमाक्ताः सुशोभिताः।

मया निवेदिता भक्त्या गृहाण परमेश्वर॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, अक्षतान् सर्मपयामि। अक्षत चढायें।

पुष्पमाला–

ॐ ओषधीः प्रति मोदध्वं पुष्पवतीः प्रसूवरीः। अश्वा इव सजित्वरीर्वीरुधः पारयिष्णवः॥

माल्यादीनि सुगन्धीनि मालत्यादीनि वै प्रभो।

मयाहृतानि पुष्पाणि पूजार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पुष्पमालां समर्पयामि (पुष्पमाला समर्पित करें)

दूर्वा–

ॐ काण्डात्काण्डात्प्ररोहन्ती परुषः परुषस्परि। एवा नो दूर्वे प्र तनु सहस्रेण शतेन च ॥

दुर्वाङ्कुरान् सुहरितानमृतान् मङ्गलप्रदान् ।

आनीतांस्तव पूजार्थं गृहाण गणनायक॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, दुर्वाङ्कुरान् समर्पयामि। (दूर्वा चढायें)

सिन्दूरम् –

ॐ सिन्धोरिव प्राध्वने शूघनासो वातप्रमियः पतयन्ति यह्वाः। घृतस्य धारा अरुषो न वाजी काष्ठा भिन्दन्नूर्मिभिः पिन्वमानः॥

सिन्दूरं शोभनं रक्तं सौभाग्यं सुखवर्धनम्।

शुभदं कामदं चैव सिन्दूरं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, सिन्दूरं समर्पयामि (सिन्दूर अर्पित करें)

अबीर– गुलालादि द्रव्याणि

ॐ अहिरिव भोगैः पर्येति बाहुं ज्याया हेतिं परिबाधमानः। हस्तघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान् पुमान् पुमा ꣳसं परिपातु विश्वतः॥

अबीरं च गुलालं च हरिद्रादिसमन्वितम्।

नाना परिमलं द्रव्यं गृहाण परमेश्वर॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, नानापरिमलद्रव्याणि समर्पयामि। अबीर आदि चढायें।

सुगन्धिद्रव्यम् –

ॐ अहिरिव भोगैः पर्येति बाहुं ज्याया हेतिं परिबाधमानः। हस्तघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान् पुमान् पुमा ꣳ सं परिपातु विश्वतः॥

दिव्यगन्धसमायुक्तं महापरिमलाद्भुतम्।

गन्धद्रव्यमिदं भक्त्या दत्तं वै परिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः सुगन्धिद्रव्यं समर्पयामि (सुगन्धित द्रव्य अर्पण करें)

धूपम् –

ॐ धूरसि धूर्व धूर्वन्तं धूर्व तं योऽस्मान् धूर्वति तं धूर्व यं वयन्धूर्वामः। देवानामसि वह्नितम ꣳ सस्नितमं पप्रितमं जुष्टतमं देवहूतमम्।।

वनस्पतिरसोद्भूतो गन्धाढ्यो गन्ध उत्तमः।

आघ्रेयः सर्वदेवानां धूपोऽयं प्रतिगृह्यताम्।।

ॐ भूर्भवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, धूपमाघ्रापयामि।(धूप दिखाये)

दीपम् –

ॐ अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्निः स्वाहा सूर्यो ज्योतिर्ज्योतिः सूर्यः स्वाहा। अग्निर्वर्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा सूर्यो वर्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा।। ज्योतिः सूर्यः सूर्यो ज्योतिः स्वाहा।।

साज्यं च वर्तिसंयुक्तं वह्निना योजितं मया।

दीपं गृहाण देवेश त्रैलोक्यतिमिरापहम्।।

भक्त्या दीपं प्रयच्छामि देवाय परमात्मने।

त्राहि मां निरयाद् घोराद् दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते।।

ॐ भूर्भूवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः दीपं दर्शयामि। (दीप दिखायें)

हस्तप्रक्षालनम् –

ॐ हृषीकेशाय नमः। कहकर हाथ धो लें।

नैवेद्यम्–

नैवेद्य को प्रोक्षित कर गन्ध पुष्प से आच्छादित करें। तदन्तर जल से चतुष्कोण घेरा लगाकर भगवान के आगे रखें।

ॐ नाभ्या आसीदन्तरिक्ष ꣳ शीर्ष्णोद्यौः समवर्तत। पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकाँ2 अकल्पयन्।।

ॐ अमृतोपस्तरणमसि स्वाहा। ॐ प्राणाय स्वाहा। ॐ अपानाय स्वाहा। ॐ समानाय स्वाहा। ॐ उदानाय स्वाहा। ॐ व्यानाय स्वाहा । ॐ अमृतापिधानमसि स्वाहा।

शर्कराखण्डखाद्यानि दधिक्षीरघृतानि च।

आहारं भक्ष्यभोज्यं च नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, नैवेद्यं निवेदयामि। नैवेद्य निवेदित करें।

नैवेद्यान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि । जल समर्पित करें।

ऋतुफलम् –

ॐ याः फलिनीर्या अफला अपुष्पा याश्च पुष्पिणीः। बृहस्पतिप्रसूतास्ता नो मुञ्चन्त्व ꣳ हसः।।

इदं फलं मया देव स्थापितं पुरतस्तव।

तेन मे सफलावाप्तिर्भवेज्जन्मनि जन्मनि।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, ऋतुफलानि समर्पयामि। (ऋतुफल अर्पित करें)

फलान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि। (आचमनीय जल अर्पित करें)

उत्तरापोऽशनम् – **उत्तरापोऽशनार्थे जलं समर्पयामि।**

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः। (जल दें)

करोद्वर्तन–

ॐ अ ꣳ शुना ते अ ꣳ शुः पृच्यतां परुषा परुः। गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः।।

चन्दनं मलयोद्भूतं कस्तूर्यादिसमन्वितम्।

करोद्वर्तनकं देव गृहाण परमेश्वर।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, करोद्वर्तनकं चन्दनं समर्पयामि। (मलयचन्दन समर्पित करें)

ताम्बूलम् -

ॐ यत्पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत।

वसन्तोऽस्यासीदाज्यं ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः।।

पूगीफलं महद्दिव्यं नागवल्लीदलैर्युतम्।

एलादिचूर्णसंयुक्तं ताम्बूलं प्रतिगृह्यताम्।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, मुखवासार्थम् एलालवंगपूगीफलसहितं ताम्बूलं समर्पयामि। (इलायची , लौंग-सुपारी के साथ ताम्बूल अर्पित करें)

दक्षिणा द्रव्यम् -

ॐ हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।

स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम ।।

हिरण्यगर्भगर्भस्थं हेमबीजं विभावसोः।

अनन्तपुण्यफलदमतः शान्तिं प्रयच्छ मे।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, कृतायाः पूजायाः साद्गुण्यार्थे द्रव्यदक्षिणां समर्पयामि। (द्रव्य दक्षिणा समर्पित करें)

आरार्तिकं -

ॐ इद ᳲ हविः प्रजननं मे अस्तु दशवीर ᳲ सर्वगण ᳲ स्वस्तये। आत्मसनि प्रजासनि पशुसनि लोकसन्यभयसनि। अग्निः प्रजां बहुलां मे करोत्वन्नं पयो रेतो अस्मासु धत्त।।

ॐ आ रात्रि पार्थिव ᳲ रजः पितुरप्रायि धामभिः। दिवः सदा ᳲ सि बृहती वि तिष्ठस आ त्वेषं वर्तते तमः।।

कदलीगर्भसम्भूतं कर्पूरं तु प्रदीपितम्।

आरार्तिकमहं कुर्वे पश्य मे वरदो भव।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, आरार्तिकं समर्पयामि। (कर्पूर की आरती करें आरती के बाद जल गिरा दें)

पुष्पाञ्जलिः-

ॐ यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्। ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्ति देवाः।।

श्रद्धया सिक्तया भक्त्या हार्दप्रेम्णा समर्पितः।

मन्त्रपुष्पाञ्जलिश्चायं कृपया प्रतिगृह्यताम्।।

नानासुगन्धिपुष्पाणि यथाकालोद्भवानि च।

पुष्पाञ्जलिर्मया दत्तो गृहाण परमेश्वर ।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पुष्पाञ्जलिं समर्पयामि (पुष्पाञ्जलि अर्पित करें)

प्रदक्षिणाम्-

ॐ ये तीर्थानि प्रचरन्ति सृकाहस्ता निषङ्गिणः।

तेषा ᳲ सहस्रयोजनेऽव धन्वानि तन्मसि।।

यानि कानि च पापानि जन्मान्तरकृतानि च।

तानि सर्वाणि नश्यन्तु प्रदक्षिणपदे पदे।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, प्रदक्षिणां समर्पयामि (प्रदक्षिणा करें)

यहाँ तक सभी पूजन में उपर्युक्त मन्त्रों का उपयोग कर सकते हैं।

विशेषार्घ्य – ताम्रपात्र में जल, चन्दन, अक्षत, फल, फूल, दूर्वा और, दक्षिणा रखकर अर्घ्यपात्र को हाथ में लेकर निम्नलिखित मन्त्र पढ़ें।

रक्ष रक्ष गणाध्यक्ष रक्ष त्रैलोक्यरक्षक।
भक्तानामभयं कर्ता त्राता भव भवार्णवात्।।
द्वैमातुर कृपासिन्धो षाण्मातुराग्रज प्रभो।
वरदस्त्वं वरं देहि वाञ्छितं वाञ्छितार्थद।।
अनेन सफलार्घ्येण वरदोऽस्तु सदा मम।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, विशेषार्घ्यं समर्पयामि। (विशेषार्घ्य दें)

प्रार्थना– **विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय**
लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय
गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते।।
त्वं वैष्णवी शक्तिरनन्तवीर्या विश्वस्य बीजं परमासि माया ।
सम्मोहितं देवि समस्तमेतत् त्वं वै प्रसन्ना भुवि मुक्तिहेतुः।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, प्रार्थनापूर्वकं नमस्कारान् समर्पयामि। (साष्टाङ्ग नमस्कार करें)

गणेशपूजने कर्म यन्न्यूनमधिकं कृतम्।
तेन सर्वेण सर्वात्मा प्रसन्नोऽस्तु सदा मम ।।
अनया पूजया गणेशाम्बिके प्रीयेताम्, न मम।

ऐसा कहकर समस्त पूजनकर्म भगवान को समर्पित कर दें।

तर्पण प्रयोग विधि

गायत्री मन्त्र से शिखा बाँधकर तिलक लगाकर प्रथम दाहिनी अनामिका में दो कुशों की और बायीं अनामिका में त्रिकुश की पवित्री धारण करें। फिर हाथ में त्रिकुश, यव, अक्षत और जल लेकर सङ्कल्प पढ़ें।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्रह्मणोऽह्नि द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे जम्बूद्वीपे भारतवर्षे आर्यावर्तैकदेशान्तर्गते .... पुण्यप्रदेशे ...... नगरे .... ग्रामे ....क्षेत्रे .... संवत्सरे......अयने.......ऋतौ.........मासे.......पक्षे...........तिथौ............ वासरे........गोत्रः शर्मा/वर्मा/गुप्ता/दासोऽहं श्रुतिस्मृतिपुराणेक्त-फलप्राप्त्यर्थं देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणं करिष्ये।

आवाहनम् – **ब्रह्मादयः सुराः सर्वे ऋषयः सनकादयः।**
आगच्छन्तु महाभागा ब्रह्माण्डोरवर्तिनः।।

देवतर्पणम्

देव तथा ऋषि तर्पण में पूर्व दिशा की ओर मुख करें, जनेऊ को सव्य रखें, दाहिना घुटना जमीन पर लगाकर बैठें । अर्घ्यपात्र में चावल छोड़ कर त्रिकुश को पूर्व की ओर अग्रभाग कर रखें। जल की अञ्जलि एक-एक हो। देवतीर्थ से अर्थात् दायें हाथ की अङ्गुलियों के अग्रभाग से जल दें। जलाञ्जलि को सोना, चाँदी, ताँबा अथवा काँसे के पात्र में डालें वा सामर्थ्यानुसार उपलब्ध पात्र में डालें। यदि नदी में तर्पण किया जाय तो दोनों हाथों को मिलाकर जल से भरकर गौ के सींग जितना ऊँचा उठाकर जल में अञ्जलि डालें। निम्नलिखित प्रत्येक नाम मन्त्र के बाद **'तृप्यताम्'** कहकर एक-एक अञ्जलि जल दें।

ॐ ब्रह्मा तृप्यताम्। ॐ विष्णुस्तृप्यताम्। ॐ रुद्रस्तृप्यताम्।
ॐ प्रजापतिस्तृप्यताम्। ॐ देवास्तृप्यन्ताम्। ॐ छन्दांसि तृप्यन्ताम्।
ॐ वेदास्तृप्यन्ताम्। ॐ ऋषयस्तृप्यन्ताम्।
ॐ पुराणाचार्यास्तृप्यन्ताम्। ॐ गन्धर्वास्तृप्यन्ताम्।
ॐ इतराचार्यास्तृप्यन्ताम्। ॐ संवत्सरः सावयवस्तृप्यताम्।
ॐ देव्यस्तृप्यन्ताम्। ॐ अप्सरसस्तृप्यन्ताम्।

ॐ देवानुगास्तृप्यन्ताम्। ॐ नागास्तृप्यन्ताम्।
ॐ सागरास्तृप्यन्ताम्। ॐ पर्वतास्तृप्यन्ताम्।
ॐ सरितस्तृप्यन्ताम्। ॐ मनुष्यास्तृप्यन्ताम्।
ॐ यक्षास्तृप्यन्ताम्। ॐ रक्षांसि तृप्यन्ताम्।
ॐ पिशाचास्तृप्यन्ताम्। ॐ सुपर्णास्तृप्यन्ताम्।
ॐ भूतानि तृप्यन्ताम्। ॐ पशवस्तृप्यन्ताम्।
ॐ वनस्पतयस्तृप्यन्ताम्। ॐ ओषधयस्तृप्यन्ताम्।
ॐ भूतग्रामश्चतुर्विधस्तृप्यताम्।

ऋषितर्पणम्

इसी प्रकार निम्नलिखित मन्त्रों वाक्यों सें मरीचि आदि ऋषियों को भी एक-एक अञ्जलि दें।

ॐमरीचिस्तृप्यताम्। ॐअत्रिस्तृप्यताम्। ॐअङ्गिरास्तृप्यताम्। ॐपुलस्त्यस्तृप्यताम्। ॐपुलहस्तृप्यताम्। ॐक्रतुस्तृप्यताम्। ॐवशिष्ठस्तृप्यताम्। ॐप्रचेतास्तृप्ताम्। ॐभृगुस्तृप्यताम्। ॐनारदस्तृप्यताम्।

दिव्यमनुष्यतर्पणम्

दिव्य मनुष्य तर्पण में उत्तर दिशा की ओर मुख करें, जनेऊ कंठी की तरह कर लें, गमछे को भी कंठी की तरह कर लें, सीधा बैठें। कोई घुटना भूमि पर न लगाएं। अर्घ्यपात्र में जौ छोड़ें। त्रिकुश को उत्तराग्र रखें। प्रजापत्य (काय) तीर्थ से अर्थात् कुशों को दाहिने हाथ की कनिष्ठिका के मूल भाग में रखकर यहीं से दो-दो अञ्जलियाँ जल दें।

**ॐसनकस्तृप्यताम्(2)। ॐसनन्दनस्तृप्यताम्(2)।
ॐसनातनस्तृप्यताम्(2)। ॐकपिलस्तृप्यताम्(2)।
ॐआसुरिस्तृप्यताम्(2)। ॐवोढुस्तृप्यताम्(2)।
ॐपञ्चशिखस्तृप्यताम्(2)।**

दिव्यपितृतर्पणम्

पितृ तर्पण में दक्षिण दिशा की ओर मुख कर अपसव्य हो जाएं अर्थात् जनेऊ को दाहिने कंधे पर रखकर बायें हाथ के नीचे ले जाएं। गमछे को भी दाहिने कंधे पर रखें। बायां घुटना भूमी पर लगाकर बैठें, अर्घ्य पात्र में कृष्ण तिल छोड़ें, कुशा को बीच से मोड़कर उनकी जड़ और अग्रभाग को दाहिने हाथ के तर्जनी और अँगूठे के बीच में रखें, पितृ तीर्थ से अर्थात् अँगूठे और तर्जनी के मध्यभाग से प्रत्येक मन्त्र पर तीन-तीन अञ्जलियाँ जल दें। जल में गंगाजल प्रयोग करना सर्वाधिक श्रेयस्कर है। अभाव में गंगाजल मिश्रित जल प्रयुक्त करें। गंगाजल के अभाव में किसी पवित्र नदी-स्रोत-तड़ागादि का जल भी ग्रहण किया जा सकता है।

ॐ कव्यवाडनलस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा , तस्मै स्वधा , तस्मै स्वधा । ॐ सोमस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (3)। ॐ यमस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (3)। ॐ अर्यमा तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (3)। ॐ अग्निष्वात्ताः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (3)। ॐ सोमपाः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (3)। ॐ बर्हिषदः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (3)।

यमतर्पणम्

इसी प्रकार निम्नलिखित प्रत्येक नाम से यमराज को पितृतीर्थ से ही दक्षिणाभिमुखि हो तीन-तीन अञ्जलियाँ दे-

ॐ यमाय नमः (3)। ॐ धर्मराजाय नमः (3)। ॐ मृत्यवे नमः (3)। ॐ अन्तकाय नमः (3)। ॐ वैवस्वताय नमः (3)। ॐ कालाय नमः (3)। ॐ सर्वभूतक्षयाय नमः (3)। ॐ औदुम्बराय नमः (3)। ॐ दध्नाय नमः (3)। ॐ नीलाय नमः (3)। ॐ परमेष्ठिने नमः (3)। ॐ वृकोदराय नमः (3)।

ॐ चित्राय नमः (3)। ॐ चित्रगुप्ताय नमः (3)।

पितरों का तर्पण करने के पूर्व निम्नाङ्कित मन्त्रों से हाथ जोड़कर सर्वप्रथम उनका आवाहन करें -

ॐ उशन्तस्त्वा नि धीमह्युशन्तः समिधीमहि।

उशन्नुशत आ वह पितॄन् हविषे अत्तवे ॥

आ यन्तु नः पितरः सोम्यासोऽग्निष्वात्ताः पथिभिर्देवयानैः।

अस्मिन् यज्ञे स्वधया मदन्तोऽधि ब्रुवन्तु तेऽवन्त्वस्मान्॥

ॐ आगच्छन्तु मे पितर इमं गृह्णन्तु जलाञ्जलिम्।

इसी तरह नीचे लिखे मन्त्रों का उच्चारण कर तिल के साथ तीन-तीन अञ्जलियाँ जल दें

अमुकगोत्रः अस्मत्पिता अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) वसुरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (3)।

अमुकगोत्रः अस्मत्पितामहः अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) रुद्ररूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (3)।

अमुकगोत्रः अस्मत्प्रपितामहः अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) आदित्यरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (3)।

अमुकगोत्रा अस्मन्माता अमुकी देवी गायत्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (3)।

अमुकगोत्रा अस्मत्पितामही अमुकी देवी सावित्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (3)।

अमुकगोत्रा अस्मत्प्रपितामही अमुकी देवी सरस्वतीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (3)।

यदि किसी की सौतेली माता मर गयी हो तो उसको भी तीन बार जल दें।

अमुकगोत्रा अस्मत्सापत्नमाता अमुकी देवी गायत्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (3)।

इसके बाद निम्नाङ्कित नौ मन्त्रों को पढते हुए पितृतीर्थ से जल गिराते रहें-

ॐ उदीरतामवर उत्परास उन्मध्यमाः पितरः सोम्यासः। असुं य ईयुरवृका ऋतज्ञास्ते नोऽवन्तु पितरो हवेषु॥1॥

अङ्गिरसो नः पितरो नवग्वा अथर्वाणो भृगवः सोम्यासः। तेषां वय ँ सुमतौ यज्ञियानामपि भद्रे सौमनसे स्याम॥2॥

आ यन्तु नः पितरः सोम्यासोऽग्निष्वात्ताः पथिभिर्देवयानैः। अस्मिन् यज्ञे स्वधया मदन्तोऽधि ब्रुवन्तु तेऽवन्त्वस्मान्॥3॥

ऊर्जं वहन्तीरमृतं घृतं पयः कीलालं परिस्रुतम्। स्वधा स्थ तर्पयत मे पितॄन्॥4॥

पितृभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः। पितामहेभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः। प्रपितामहेभ्यः स्वाधायिभ्यः स्वधा नमः। अक्षन्पितरोऽमीमदन्त पितरोऽतीतृपन्त पितरः पितरः शुन्धध्वम्॥5॥

ये चेह पितरो ये च नेह याँश्च विद्म याँ उ च न प्रविद्म। त्वं वेत्थ यति ते जातवेदः स्वधाभिर्यज्ञ ँ सुकृतं जुषस्व॥6॥

मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः। माध्वीर्नः सन्तोषधीः॥7॥

मधु नक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिव ँ रजः मधु द्यौरस्तु नः पिता॥8॥

मधुमान्नो वनस्पतिर्मधुमाँ अस्तु सूर्यः। माध्वीर्गावो भवन्तु नः॥9॥

ॐ मधु। मधु। मधु। तृप्यध्वम्। तृप्यध्वम्। तृप्यध्वम्॥

फिर नीचे लिखे मन्त्र का पाठ करें-

ॐ नमो वः पितरो रसाय नमो वः पितरः शोषाय नमो वः पितरो जीवाय नमो वः पितरः स्वधायै नमो वः पितरो घोराय नमो वः पितरो मन्यवे नमो वः पितरः पितरो नमो वो गृहान्नः पितरो दत्त सतो वः पितरो देष्मैतद्वः पितरो वास आधत्त।।

द्वितीयगोत्रतर्पणम्

इसके बाद द्वितीय गोत्रवाले (ननिहाल के) मातामह (नाना) आदि का तर्पण करें । यहाँ भी पहले की भाँति निम्नलिखित वाक्यों को तीन-तीन बार पढकर तिल सहित जल की तीन-तीन अञ्जिलियाँ पितृतीर्थ से दें -

अमुकगोत्रः अस्मन्मातामहः (नाना) अमुकः वसुरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (3)। अमुकगोत्रः अस्मत्प्रमातामहः (परनाना) अमुकः रुद्ररूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (3)। अमुकगोत्रः अस्मद्वृद्धप्रमातामहः (वृद्ध परनाना) अमुकः आदित्यरूपः तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (3)।

अमुकगोत्रा अस्मन्मातामही (नानी) अमुकी देवी गायत्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (3)। अमुकगोत्रा अस्मत्प्रमातामही (परनानी) अमुकी देवी सावित्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (3)। अमुकगोत्रा अस्मद् वृद्धप्रमातामही (वृद्ध परनानी) अमुकी देवी सरस्वतीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (3)।

पत्न्यादितर्पणम्

इसके आगे पत्नी से लेकर आप्तपर्यन्त जो भी सम्बन्धी मृत हो गये हो, उनके गोत्र ओर नाम लेकर एक-एक अञ्जलि जल दें -

अमुकगोत्रा अस्मत्पत्नी अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्सुतः (बेटा) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्कन्या (बेटी) अमुकीदेवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत् पितृव्यः (पिता के भाई) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मन्मातुलः (मामा) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मद्भ्राता अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्सापत्नभ्राता (सौतेला भाई) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्पितृभगिनी बुआ अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मन्मातृभगिनी (मौसी) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मदात्मभगिनी (अपनी बहन) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्सापत्नभगिनी (सौतेली बहन) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मच्छ्वशुरः (श्वशुर) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मद्गुरुः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मदाचार्यपत्नी अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मच्छिष्यः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्सखा अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मदात्मपुरुषः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा।

इसके बाद सव्य होकर पूर्वाभिमुख हो सीधे बैठ जाय । त्रिकुश को सीधा कर उनके अग्रभाग को पूर्व की ओर कर लें। फिर नीचे लिखे श्लोकों को पढ़ते हुए देवतीर्थ से जल गिरायें -

देवासुरास्तथा यक्षा नागा गन्धर्वराक्षसाः।

पिशाचा गुह्यकाः सिद्धाः कुष्माण्डास्तरवः खगाः।।

जलेचरा भूनिलया वाय्वाधाराश्च जन्तवः।

तृप्तिमेते प्रयान्त्वाशु मद्दत्तेनाम्बुनाखिलाः।।

इसके बाद अपसव्य होकर जनेऊ और अंगोछे को भी दाहिने कंधे पर रखकर दक्षिणाभिमुख हो जाए। त्रिकुश को बीच से मोड़कर इनकी जड़ और अग्रभाग को मिलाकर पितृतीर्थ से जल गिरायें-

नरकेषु समस्तेषु यातनासु च ये स्थिताः।

तेषामाप्यायनायैतद्दीयते सलिलं मया॥1॥

येऽबान्धवा बान्धवाश्च येऽन्यजन्मनि बान्धवाः।

ते तृप्तिमखिला यान्तु यश्चास्मत्तोऽभिवाञ्छति॥2॥

ये मे कुले लुप्तपिण्डाः पुत्रदारविवर्जिताः।

तेषां हि दत्तमक्षय्यमिदमस्तु तिलोदकम्॥3॥

आब्रह्मस्तम्बपर्यन्तं देवर्षिपितृमानवाः।

तृप्यन्तु पितरः सर्वे मातृमातामहादयः॥4॥

अतीतकुलकोटीनां सप्तद्वीपनिवासिनाम्।

आब्रह्मभुवनाल्लोकादिदमस्तु तिलोदकम्॥5॥

वस्त्रनिष्पीडनम्

इस प्रकार सब पितरों का तर्पण हो जाने के बाद अँगोछे की चार तह कर उसमें तिल तथा जल छोड़कर नीचे लिखे मन्त्र को पढ़कर जल के बाहर बायीं ओर पृथ्वी पर निचोड़ें-

ये के चास्मत्कुले जाता अपुत्रा गोत्रिणो मृताः।

ते गृह्णन्तु मया दत्तं वस्त्रनिष्पीडनोदकम्॥

भीष्मतर्पणम्

इसके बाद भीष्मपितामह को पितृतीर्थ और त्रिकुशों से जल दें।

भीष्मः शान्तनवो वीरः सत्यवादी जितेन्द्रियः।

आभिरद्भिरवाप्नोतु पुत्रपौत्रोचितां क्रियाम्॥

सूर्य को अर्घ्यदान

इसके पश्चात् पात्र को जल तथा मिट्टी से स्वच्छ कर लें। उसके बाद पूर्वोक्त रीति से आचमन और प्राणायाम कर सव्य हो जाय अर्थात् जनेऊ को बायें कंधे पर कर लें। अर्घ्य में फूल चन्दन लेकर निम्नलिखित मन्त्र से सूर्य को अर्घ्य दें-

ॐ नमो विवस्वते ब्रह्मन्! भास्वते विष्णुतेजसे।

जगत्सवित्रे शुचये सवित्रे कर्मदायिने॥

एष अर्घ्यः श्री सूर्याय नमः॥

सूर्यार्घ्य देकर प्रदक्षिणा करें । इसके बाद दिशाओं एवं उनके अधिष्ठातृ देवताओं का वन्दन करें -

ॐ प्राच्यै नमः, ॐ इन्द्राय नमः, ॐ आग्नेय्यै नमः, ॐ अग्नये नमः, ॐ दक्षिणायै नमः,ॐ यमाय नमः,ॐ नैर्ऋत्यै नमः,ॐ निर्ऋतये नमः, ॐ प्रतीच्यै नमः, ॐ वरुणाय नमः,ॐ वायव्यै नमः, ॐ वायवे नमः, ॐ उदीच्यै नमः, ॐ कुबेराय नमः, ॐ ऐशान्यै नमः, ॐ ईशानाय नमः, ॐ ऊर्ध्वायै नमः, ॐ ब्रह्मणे नमः, ॐ अधरायै नमः, ॐअनन्ताय नमः॥

इस प्रकार दिशाओं और देवताओं को नमस्कार कर आसन पर बैठकर के नीचे लिखे मन्त्र पढकर एक-एक जलाञ्जलि दें।

ॐ ब्रह्मणे नमः। ॐ अग्नये नमः। ॐ पृथिव्यै नमः।
ॐ ओषधिभ्यो नमः। ॐ वाचे नमः। ॐ वाचस्पते नमः।
ॐ महद्भ्यो नमः। ॐ विष्णवे नमः। ॐ अद्भ्यो नमः।
ॐ अपाम्पतये नमः। ॐ वरुणाय नमः।

निम्नाङ्कित वाक्य पढ़कर यह तर्पण कर्म भगवान् को समर्पित करे-

अनेन यथाशक्तिकृतेन देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणाख्येन कर्मणा भगवान् पितृस्वरूपी जनार्दनवासुदेवः प्रीयतां, न मम।

ॐ तत्सद्ब्रह्मार्पणमस्तु।

तदन्तर हाथ जोड़कर भगवान् का स्मरण करते हुए पाठ करें

प्रमादात् कुर्वतां कर्म प्रच्यवेताध्वरेषु यत्।
स्मरणादेव तद्विष्णोः सम्पूर्ण स्यादिति श्रुतिः।।
यस्य स्मृत्या च नामोक्त्या तपोयज्ञक्रियादिषु।
न्यूनं सम्पूर्णतां याति सद्यो वन्दे तमच्युतम्।।
यत्पादपङ्कजस्मरणात् यस्य नामजपादपि।
न्यूनं कर्म भवेत् पूर्णं तं वन्दे साम्बमीश्वरम्।।
ॐ विष्णवे नमः, ॐ विष्णवे नमः, ॐ विष्णवे नमः,।।

इति तर्पणप्रयोगः

अथ पंचबलिविधिः

1.गोबलि (पत्ते पर सव्य होकर) -

ॐ सौरभेय्यः सर्वहिताः पवित्राः पुण्यराशयः।
प्रतिगृह्णन्तु मे ग्रासं गावस्त्रैलोक्यमातरः।।इदं गोभ्यो, न मम।

2. श्वानबलि (पत्ते पर जनेऊ कंठी करके) -

द्वौ श्वानौ श्यामशबलौ वैवस्वतकुलोद्भवौ।
ताभ्यामन्नं प्रयच्छामि स्यातामेतावहिंसकौ।।इदं श्वभ्यां, न मम।

3. काकबलि (भूमि पर अपसव्य होकर)-

ॐ ऐन्द्रवारुणवायव्या याम्या वै नैर्ऋतास्तथा।
वायसाः प्रतिगृह्णन्तु भूमौ पिण्डं मयार्पितम्।। इदं काकेभ्यः,न मम।

4.देवादिबलि (पत्ते पर सव्य होकर) -

ॐ देवा मनुष्याः पशवो वयांसि
सिद्धाः सयक्षोरगदैत्यसंघाः।
प्रेताः पिशाचास्तरवः समस्ता
ये चान्नमिच्छन्ति मया प्रदत्तम्।।इदमन्नं देवादिभ्यो, न मम।

5. पिपीलिकादिबलि (पत्ते पर) -

पिपीलिकाः कीटपतंगकाद्या
बुभुक्षिताः कर्मनिबन्धबद्धाः।
तेषां हि तृप्यत्यर्थमिदं मयान्नं
तेभ्यो विसृष्टं सुखिनो भवन्तु।इदमन्नं पिपीलीकादिभ्यो, न मम।

इति पंचबलिविधिः

विशेष - वसु, रुद्र, आदित्यस्वरूप तथा गायत्री, सावित्री, सरस्वती स्वरूप के अनुसार सम्बन्ध से आमश्राद्ध करना चाहिए अर्थात् पितृपक्ष तथा मातृपक्ष में जिसकी श्राद्ध तिथि हो उसके सम्बन्ध से ही आमश्राद्ध (आमान्न अर्थात् कच्चे अन्न द्वारा श्राद्ध) होगा।

आमश्राद्धम्

ॐ विष्णुर्विष्णुर्हरिर्हरिस्त्रिराचम्य। दीपं प्रज्वाल्य सामग्रीं सम्पाद्य, तर्पणकर्म कृत्वा, वामहस्तगतं जलं दक्षिणहस्तेनालोडयेत् -

अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा।

यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः॥

इति मन्त्रेणाभिमन्त्रय, **ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनात्विति** जलं शिरसि दत्वा, कुशतिल जलान्यादाय संकल्पं कुर्यात् - **अद्येत्यादि अमुकगोत्रस्य पितुर्वसुस्वरूपस्यामुक शर्मणः सांवत्सरिकैकोद्दिष्टश्राद्धतिथौ (महालयपरपक्षे श्राद्धतिथौ वा) यमयातनाद्युपस्थित-प्राणाप्यायनकामनायै वैकुण्ठलोकावाप्तये आमश्राद्धं करिष्ये।**

ततः अञ्जलिं बद्ध्वा -

देवताभ्यः पितृभ्यश्च महायोगिभ्य एव च।

नमः स्वाहायै स्वधायै नित्यमेव नमो नमः॥

इति त्रिर्जप्त्वाऽपसव्येन भूमौ शंख चक्रं विलिख्य तत्र कर्मपात्रं संस्थाप्य तस्मिन् मोटकान् क्षिपेत् -

पवित्रेस्थो वैष्णव्यौ सवितुर्वः प्रसव उत्पुनाम्यच्छिद्रेण पवित्रेण सूर्यस्य रश्मिभिः।

ततः जलम् -

शन्नो देवी रभिष्ट्य आपो भवन्तु पीतये, शं योरभिस्रवन्तु नः।

ततः तिलान् -

ॐ तिलोसि सोमदैवत्यो गोसवो देवनिर्मितः।

प्रत्नमद्भि पृक्तः स्वधया पितृन् लोकान् प्रीणाहिनः स्वाहा।

तत्पश्चात् तूष्णीं भूत्वा गन्धाक्षतपुष्पाणि च निक्षिपेत्।

ततस्त्रिगुणेन कुशेन समालोडयेत् -

ॐ यद्देवा देव हेडनं देवा सश्च कृमा वयम्।

अग्निर्मा तस्मादेव सो विश्वान् मुञ्चन्वंप हसः॥

ॐ यदि दिवा यदि नक्तमेना सि चकृमा वयम्।

वायुर्मा तस्मादेव सो विश्वान्मुञ्चन्त्वः हसः॥

ॐ यदि जाग्रद्यदि स्वप्न एना सि चकृमा वयम्।

सूर्यो मा तस्मादेव सो विश्वान्मुञ्चन्त्वः हसः॥

ततस्त्रिगुणेन तेन कुशेन सामग्रीं च सिक्त्वाऽपसव्येन कुशतिलजलान्यादाय आसनं दद्यात् **-अद्यामुक गोत्रस्य वसुस्वरूपस्यामुक शर्मणः पितुरामश्राद्धे इदमासनं ते स्वधा।**

ततः मोटकं संस्थाप्य सव्येन इदमासनमास्यताम् इति वदेत्।

ततः तिलान्दत्वा **ॐ अपाहता असुरा रक्षां सि वेदिषदः। पितरमहमावाहिष्ये** इति वदेत्।

अनन्तरं अञ्जलिं बद्ध्वा आवाहनम् -

ॐ उशन्तस्त्वा नि धी मह्युशन्तः समिधीमहि ।

उशन्नुशत आ वह पितृन्हविषे अत्तवे॥

ततोऽर्घपात्रे मोटकान् क्षिपेत्-

पवित्रेस्थो वैष्णव्यौ सवितुर्व्वः प्रसव उत्पुनाम्यच्छिद्रेण पवित्रेण सूर्यस्य रश्मिभिः।

ततः जलम् -

शन्नो देवी रभिष्ट्य आपो भवन्तु पीतये, शं योरभिस्रवन्तु नः।

ततः तिलान् -

ॐ तिलोसि सोमदैवत्यो गोसवो देवनिर्मितः।

प्रत्नमद्भि पृक्तः स्वधया पितृन् लोकान् प्रीणाहि नः स्वाहा।

तत्पश्चात् तूष्णीं भूत्वा गन्धाक्षतपुष्पाणि च निक्षिपेत्।

ततः तदर्घपात्रं वामहस्ते निधाय तद्गतं पवित्रं परिवेषणपात्रे निधाय जलेन सिक्त्वाऽधो मुखेन दक्षिणहस्तेनाछाद्य पठेत् -

या दिव्या आपः पयसा सम्बभूवुर्या आन्तरिक्षा उत पार्थिवीर्याः।

हिरण्यवर्णा यज्ञियास्ता न आपः शिवाः शं स्योनाः सुहवा भवन्तु ॥

ततः - **अद्यामुकगोत्रे वसुस्वरूपास्मत्पितृन् अमुकशर्मन् महालया परपक्षे आमश्राद्धे (सांवत्सरिकैकोद्दिष्ट तिथौ वा) एषोऽर्घस्ते स्वधा।**

तदर्घजलेन पितरं संस्नाप्य **अर्घ प्रत्यर्घमस्तु** इति परिवेषणपात्रस्थं पवित्रं पुनरर्घपात्रे निधाय,

पित्र्यस्थानमसि इत्युक्त्वा तदासनं वामतो न्युब्जीकुर्य्यात् ।

पुनः- **पितृभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः** इति मंत्रेण पितृपूजनं विधाय, मोटकतिलजलान्यादाय पितृतीर्थेन - **अद्यामुकगोत्रवस्वरूपामुकशर्मन् पितरश्राद्धे पूजनविधावेतानि गन्धाक्षत-पुष्प-धूप- दीप-नैवेद्य-ताम्बूल-दक्षिणा-वासांसि ते स्वधा** इति।

ततः परिवेषणपात्रे जलेन वामावर्तमण्डलं कृत्वा तत्र अन्नं परिवेष्य, पितृदक्षिणपार्श्वे साज्यं जलपात्रं निधाय, दक्षिणहस्तेनाधोमुखेन परिवेषणपात्रमालभ्य-

ॐ मधुव्वाता ऋतायते मधुक्षरन्ति सिन्धवः। माध्वीर्नः सन्त्वोषधीः॥

ॐ मधुनक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिवं रजः। मधु द्यौरस्तु नः पिता ॥

ॐ मधुमान्नो वनस्पतिर्मधुमाँ2 अस्तु सूर्यः । माध्वीर्गावो भवन्तु नः ॥

ततो वामहस्तं चाधोमुखं दक्षिणहस्ताधः कृत्वा -

ॐ पृथिवी ते पात्रं द्यौरपिधानं ब्राह्मणस्य मुखे अमृते अमृतं जुहोमि स्वाहा।

ॐ इदं विष्णुर्विचक्रमे त्रेधा निदधे पदम्। समूढ़मस्य पां सुरे स्वाहा।

ततो दक्षिणाङ्गुष्ठेन-

कृष्णगव्यमिदं रक्ष मदीयम्। इदमन्नम् (अन्न दिखायें) **इमा आपः** (जल दिखायें) **इदं हविः** (अन्न दिखायें)। इति प्रदर्शयन्,

अन्नोपरि तिलान् विकीर्य - **ॐ अपहता असुरा रक्षाꣳसि वेदिषदः।**

ततः मोटकतिलजलान्यादाय- **अद्यामुकगोत्राय वसुस्वरूपाय अमुकशर्म्मणे पित्रे, आमश्राद्धे इदमन्नं सोपकरणं ते स्वधा** इति समर्पयेत् । ततोञ्जलिं बद्ध्वा पठेत्-

ॐ मधुव्वाता ऋतायते मधुक्षरन्ति सिन्धवः । माध्वीर्नः सन्त्वोषधीः॥

ॐ मधुनक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिवꣳ रजः । मधु द्यौरस्तु नः पिता ॥

ॐ मधुमानो वनस्पतिर्मधुमा अस्तु सूर्यः । माध्वीर्गावो भवन्तु नः ॥

ॐ मधु मधु मधु ।

अन्नहीनं क्रियाहीनं विधिहीनं च यद्भवेत् तत्सर्वमच्छिद्रमस्तु ।

अन्नोपरि जलेन- **शिवा आपः सन्तु।**

पुष्पेण- **सौमनस्यमस्तु।**

अक्षतेन- **अक्षतं चारिष्टं चास्तु।**

ततः कुशतिलजलान्यादाय - **अद्यामुकगोत्राय वसुस्वरूपायाऽमुक शर्मणे पित्रे आमश्राद्धे दत्ते एतदन्नपानादिकमक्षय्यमस्तु।**

अनन्तरं सव्येन सपरिवारं पुष्पोपायनहस्तो भूत्वा प्रार्थयेत्-

ॐ गोत्रं नो वर्धताम्। दातारो नोभिवर्धन्तां वेदाः सन्ततिरेव च। श्रद्धा च नो मा व्यगमद् बहुदेयञ्च नोऽअस्तु। अन्नं च नो बहु भवेद् अतिथींश्च लभेमहि। याचितारश्च नः सन्तु। मा च याचिष्म कञ्चन। एताः सत्याशिषः सन्तु पितुः प्रसादात्।

तत **आमश्राद्धसम्बन्धिसोपस्करदक्षिणामान्नेभ्यो नमः** इति सम्पूज्य।

दानसंकल्पः- **अद्येत्यादि अद्यामुकगोत्रस्य वसुस्वरूपास्यामुकशर्मणः पितुः प्राणाप्यायनकामनायै आमश्राद्धकर्मणः सांगत्वसिद्धये प्रतिष्ठार्थमिमानि सोपस्करदक्षिणानि आमन्नानि प्रजापतिदैवतानि अमुकामुकगोत्रभ्यो ब्राह्मणेभ्यो विभज्य दातुमुत्सृजे।**

प्रार्थना-

अन्नमेव सदा लक्ष्मीरन्नमेव जनार्दनः। अन्नं ब्रह्माखिलत्राणमस्तु मे जन्म-जन्मनि।

तत अपसव्येन पतितवामजानुः पितृविसर्जनं कुर्यात् -

ॐ आ मा वाजस्य प्रसवो जगम्यादा मा द्यावापृथिवी विश्वरूपे।

आ मा गन्तां पितरा मातरा च मा सोमो अमृतत्वेन गम्यात्।

तत सव्यं भूत्वा अर्घचालनम्, दीपनिर्वापणं विधाय प्रार्थयेत्-

यस्य स्मृत्या च नामोक्त्या तपो यज्ञक्रियादिषु।

न्यूनं सम्पूर्णतां याति सद्यो वन्दे तमच्युतम्॥

प्रमादात्कुर्वतां कर्म प्रच्यवेताध्वरेषु यत्।

स्मरणादेव तद्विष्णोः सम्पूर्णं स्यादिति श्रुतिः॥

कायेन वाचा मनसेन्द्रियैर्वा बुद्ध्यात्मना वा प्रकृतेः स्वभावात्।

करोमि यद्यत्सकलं परस्मै नारायणायेति समर्पयामि॥

इति जलं समर्पयेत् ।

ततः पितरश्राद्धे वारत्रयं जपेत् -

देवताभ्यः पितृभ्यश्च महायोगिभ्य एव च।

नमः स्वाहायै स्वधायै नित्यमेव नमो नमः॥

अनन्तरं बलित्रयं दद्यादिति शम्।

अथ पुरुषसूक्तम्

हरिः ॐ सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्। स भूमि ँ सर्वतस्पृत्वाऽत्यतिष्ठद्दशाङ्गुलम्।।1।। पुरुष एवेद ँ सर्व यद् भूतं यच्च भाव्यम्। उतामृतत्वस्येशानो यदन्नेनातिरोहति।।2।। एतावानस्य महिमातो ज्यायाँश्च पूरुषः। पादोऽस्य विश्वा भूतानि त्रिपादस्यामृतं दिवि।।3।। त्रिपादूर्ध्व उदैत्पुरुषः पादोऽस्येहाभवत्पुनः। ततो विष्वङ् व्यक्रामत्साशनानशने अभि।।4।। ततो विराडजायत विराजो अधि पूरुषः। स जातो अत्यरिच्यत पश्चाद् भूमिमथो पुरः।।5।। तस्माद्यज्ञात् सर्वहुतः सम्भृतं पृषदाज्यम्। पशूँस्ताँश्चक्रे वायव्यानारण्या ग्राम्याश्च ये।।6।। तस्माद्यज्ञात् सर्वहुत ऋचः सामानि जज्ञिरे। छन्दा ँसि जज्ञिरे तस्माद्यजुस्तस्मादजायत।।7।। तस्मादश्वा अजायन्त ये के चोभयादतः। गावो ह जज्ञिरे तस्मात्तस्माजाता अजावयः।।8।। तं यज्ञं बर्हिषि प्रौक्षन् पुरुषं जातमग्रतः। तेन देवा अयजन्त साध्या ऋषयश्च ये।।9।। यत्पुरुषं व्यदधुः कतिधा व्यकल्पयन्। मुखङ्किमस्यासीत् किम्बाहू किमूरू पादा उच्येते।।10।। ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद् बाहू राजन्यः कृतः। ऊरू तदस्य यद् वैश्यः पद्भ्या ँ शूद्रो अजायत।।11।। चन्द्रमा मनसो जातश्चक्षोः सूर्यो अजायत। श्रोत्राद् वायुश्च प्राणश्च मुखादग्निरजायत।।12।। नाभ्या आसीदन्तरिक्ष ँ शीर्ष्णो द्यौः समवर्त्तत। पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकाँ २ अकल्पयन्।।13।। यत् पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत। वसन्तोऽस्यासीदाज्यङ्ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः।।14।। सप्तास्यासन् परिधयस्त्रिः सप्त समिधः कृताः। देवा यद्यज्ञन्तन्वाना अबध्नन् पुरुषम्पशुम्।।15।। यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्। ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः।।16।।

इति पुरुषसूक्तम्

अथ श्रीसूक्तम्

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्रजाम्। चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह।।1।। तां म आवह जातवेदो लक्ष्मीमनपगामिनीम्। यस्यां हिरण्यं विन्देयं गामश्वं पुरुषानहम्।।2।। अश्वपूर्वां रथमध्यां हस्तिनाद-प्रमोदिनीम्। श्रियं देवीमुपह्वये श्रीर्मा देवी जुषताम्।।3।। कां सोस्मितां हिरण्यप्राकारामार्द्रां ज्वलन्तीं तृप्तां तर्पयन्तीम्। पद्मे स्थितां पद्मवर्णां तामिहोपह्वये श्रियम्।।4।। चन्द्रां प्रभासां यशसा ज्वलन्तीं श्रियं लोके देवजुष्टामुदाराम्। तां पद्मनेमिं शरणं प्रपद्ये अलक्ष्मीर्मे नश्यतां त्वां वृणे।।5।। आदित्यवर्णे तपसोऽधिजातो वनस्पतिस्तव वृक्षोऽथ बिल्वः। तस्य फलानि तपसा नुदन्तु या अन्तरा याश्च बाह्या अलक्ष्मीः।।6।। उपैतु मां देवसखः कीर्तिश्च मणिना सह। प्रादुर्भूतोऽस्मि राष्ट्रेऽस्मिन् कीर्तिमृद्धिं ददातु मे।।7।। क्षुत्पिपासामलां ज्येष्ठामलक्ष्मीं नाशयाम्यहम्। अभूतिमसमृद्धिं च सर्वां निर्णुद मे गृहात्।।8।। गन्धद्वारां दुराधर्षां नित्यपुष्टां करीषिणीम्। ईश्वरीं सर्वभूतानां तामिहोपह्वये श्रियम्।।9।। मनसः काममाकूतिं वाचः सत्यमशीमहि। पशूनां रूपमन्नस्य मयि श्रीः श्रयतां यशः।।10।। कर्दमेन प्रजा भूता मयि सम्भव कर्दम। श्रियं वासय मे कुले मातरं पद्ममालिनीम्।।11।। आपः सृजन्तु स्निग्धानि चिक्लीत वस मे गृहे। नि च देवीं मातरं श्रियं वासय मे कुले।।12।। आर्द्रां पुष्करिणीं पुष्टिं पिङ्गलां पद्ममालिनीम्। चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह।।13।। आर्द्रां यः करणीं यष्टिं सुवर्णां हेममालिनीम्। सूर्यां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह।।14।। तां म आवह जातवेदो लक्ष्मीमनपगामिनीम्। यस्यां हिरण्यं प्रभूतं गावो दास्योऽश्वान्विन्देयं पुरुषानहम्।।15।। यः शुचिः प्रयतो भूत्वा जुहुयादाज्यमन्वहम्। सूक्तं पञ्चदशर्चञ्च श्रीकामः सततं जपेत्।।16।।

इति श्रीसूक्तम्

अथ रुद्रसूक्तम्

हरि: ॐ नमस्ते रुद्र मन्यव उतो त इषवे नम:। बाहुब्भामुत ते नम:।।1।। या ते रुद्र शिवा तनूरघोराऽपापकाशिनी। तया नस्तन्वा शन्तमया गिरिशन्ताभि चाकशीहि।।2।। यामिषुं गिरिशन्त हस्ते बिभर्ष्यस्तवे। शिवां गिरित्र तां कुरु मा मा हि॰सी: पुरुषं जगत्।।3।। शिवेन वचसा त्वा गिरिशाच्छा वदामसि। यथा न: सर्वमिज्जगदयक्ष्म॰ सुमना असत्।।4।। अध्यवोचदधिवक्ता प्रथमो दैव्यो भिषक्। अहीँश्च सर्वाञ्जम्भयन्त्सर्वाश्च यातुधान्योऽधराची: परा सुव।।5।। असौ यस्ताम्रो अरुण उत बभ्रु: सुमङ्गल:। ये चैन॰रुद्रा अभितो दिक्षु श्रिता: सहस्रशोऽवैषा॰हेड ईमहे।।6।। असौ योऽवसर्पति नीलग्रीवो विलोहित:। उतैनं गोपा अदृश्रन्नदृश्रन्नुदहार्य: स दृष्टो मृडयाति न:।।7।। नमोऽस्तु नीलग्रीवाय सहस्राक्षाय मीढुषे। अथो ये अस्य सत्वानोऽहं तेभ्योऽकरं नम:।।8।। प्रमुञ्च धन्वनस्त्वमुभयोरार्त्न्योर्ज्याम्। याश्च ते हस्त इषव: परा ता भगवो वप।।9।। विज्यं धनु: कपर्दिनो विशल्यो बाणवाँ२ उत। अनेशन्नस्य या इषव आभुरस्य निषङ्गधि:।।10।। या ते हेतिर्मीढुष्टम हस्ते बभूव ते धनु:। तयास्मान्विश्वतस्त्वमयक्ष्मया परिभुज।।11।। परि ते धन्वनो हेतिरस्मान्वृणक्तु विश्वत:। अथो य इषुधिस्तवारे अस्मन्नि धेहि तम्।।12।। अवतत्य धनुष्ट्व॰ सहस्राक्ष शतेपुधे। निशीर्य शल्यानां मुखा शिवो न: सुमना भव।।13।। नमस्त आयुधायानातताय धृष्णवे। उभाभ्यामुत ते नमो बाहुब्भ्यां तव धन्वने।।14।। मा नो महान्तमुत मा नो अर्भकं मा न उक्षन्तमुत मा न उक्षितम्। मा नो वधी: पितरं मोत मातरं मा न: प्रियास्तन्वो रुद्र रीरिष:।।15।। मा नस्त्वोके तनये मा न आयुषि मा नो गोषु मा नो अश्वेषु रीरिष:। मा नो वीरान् रुद्र भामिनो वधीर्हविष्मन्त: सदमित् त्वा हवामहे।।16।।

इति रुद्रसूक्तम्

शुद्ध इष्टकाल ज्ञानार्थ इष्ट स्थान के सूर्योदय बनाने की विधि

सूर्योदय से जन्म काल तक के समय को इष्टकाल कहा जाता है। इसे प्राय: घटीपलात्मक काल में निकाला जाता है। किसी भी इष्ट स्थान का इष्टकाल बनाने के लिए वहां के सूर्योदय काल की आवश्यकता होती है। अत: जन्मकालीन स्टैण्डर्ड समय मे से वहां के स्टैण्डर्ड सूर्योदय को घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है। इस कारण किसी भी स्थान के स्टैण्डर्ड सूर्योदय को बनाना महत्त्वपूर्ण है।

किसी भी स्थान के स्टैण्डर्ड सूर्योदय को निकालने के लिए वहां के अक्षांश, उस दिन की क्रान्ति, वेलान्तर और रेखांश की आवश्यकता होती है। छ: घण्टे में चरकाल संस्कार करने पर स्थानीय सूर्योदय बनता है तथा स्थानीय सूर्योदय में वेलान्तर व रेखान्तर का संस्कार करने पर वहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनता है।

उदाहरण - 1 जुलाई 2018 को दिल्ली का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनाना है। दिल्ली का उत्तरी अक्षांश 28: 39 अंश कला है। रेखांश 77: 12 पूर्व है। क्रान्ति सारिणी द्वारा इस दिन की उत्तरा क्रान्ति 23: 8 प्राप्त हुई। रेखांश 77:12 का भारतीय मानक रेखांश (82:30) से अन्तर 5: 18 है। जिसे चार से गुणा करने पर 21 मिनट 12 सैकण्ड रेखान्तर प्राप्त होता है। जो मानक रेखांश से कम (पश्चिम) होने के कारण धनात्मक है। उपर्युक्त उपकरणों द्वारा स्टैण्डर्ड सूर्योदय का साधन आसानी से किया जा सकता है।

स्थानीय सूर्योदय साधन - पंचांग में दी गई अक्षांश तथा रेखांश के द्वारा चर मिनटादि निकालना चाहिए। जैसे दिल्ली के अक्षांश 28: 39 तथा क्रान्त्यंश 23 अंश के नीचे चर मिनट 53: 38 तथा 24 अंश के नीचे 56 19 लिखा हुआ है अभीष्ट चर क्रान्ति 23: 8 का लाना है। अत: अभीष्ट चर मिनट निकालने के लिए निम्नलिखित प्रकार से अनुपात किया-

यदि 1 अंश क्रान्त्यन्तर (24 - 23 = 1) में चर मिनट (56: 19 - 53:38 = 2:41) मिलते हैं तो क्रान्त्यंशान्तर (23: 8-

23: 0 = 0:8) में क्या मिलेगा?

$\frac{2:41 \times 0:8}{1:00}$ = 00:21:28 मिनटादि

इसका 23 क्रान्त्यंश के चर मिनट 53:38 में जोड़ने पर 53 मिनट 59 सैकण्ड अभीष्ट चर हुआ।

चर संस्कार विधि - चर का साधन करने पर यदि उत्तरा क्रान्ति व उत्तरी अक्षांश हों तो चरमिनटादि छः घण्टे में घटाने पर एवं दक्षिणा क्रान्ति व उत्तरी अक्षांश हो तो चरमिनटादि जोड़ने पर स्थानीय सूर्योदय होता है। जैसे हमारे भारतवर्ष में सर्वत्र उत्तरी अक्षांश हैं। अतः यहां उपर्युक्त प्रकार से स्थानीय सूर्योदय का साधन किया जाता है। इसी प्रकार उत्तरा क्रान्ति व दक्षिण अक्षांश हो तो छः घण्टे में चरमिनटादि जोड़ने पर तथा दक्षिणा क्रान्ति व दक्षिणी अक्षांश हो तो छः घण्टे में चरमिनटादि घटाने पर स्थानीय सूर्योदय होता है। जैसे आस्ट्रेलिया का दक्षिणी अक्षांश है वहां पर इसी प्रकार से स्थानीय सूर्योदय क्रान्ति की दिशानुसार साधन करना चाहिए। स्थानीय समय से तात्पर्य धूप घड़ी द्वारा बतलाये जाने वाले समय से है।

हमारे उदाहरण के अनुसार 1 जुलाई को क्रान्ति उत्तरा है तथा अक्षांश भी उत्तरी है, अतः पूर्वोक्त साधित अभीष्ट चर मिनटादि का छः घण्टे में ऋणात्मक संस्कार किया जाएगा।

  6:00:00
- 0:53:59
  5:06:01 स्थानीय सूर्योदय

वेलान्तर व रेखान्तर संस्कार - वेलान्तर सारिणी में दिए हुए मिनटादि ऋणात्मक या धनात्मक मान को संस्कारित करने पर तथा रेखान्तर मिनटादि को मानक रेखा से अपना स्थान पूर्व में होने पर ऋण तथा पश्चिम में होने पर धन संस्कार करना चाहिए। पूर्वोक्त उदाहरण में 1जुलाई को वेलान्तर सारिणी से 3:38 (+) मिनटादि वेलान्तर प्राप्त हुआ है। इसका संस्कार स्थानीय सूर्योदय में करने पर - 5:06:01
+0:03:38
5:09:39

इसमें रेखान्तर मिनट 21:12 का संस्कार भारतीय मानक रेखा से दिल्ली के पश्चिम में होने के कारण धनात्मक करने पर -

05:09:39
+00:21:12
05:30:51 स्वल्पान्तर से 5:31 स्टैण्डर्ड सूर्योदय है।

विशेष - प्रतिदिन का स्पष्टान्तर (रेखान्तर एवं वेलान्तर का संस्कार) पंचांग में दिनमान के बाद स्टैं. अं. कॉलम में अंकित किया गया है। स्थानीय सूर्योदय समय में इस स्पष्टान्तर का संस्कार करने पर भी स्टैंडर्ड सूर्योदय प्राप्त होता है। इस पंचांग में दिए गए सभी घण्टामिनटात्मक समय भारतीय स्टैंडर्ड टाईम में है। जो हमारे हाथ घड़ी या प्रचलित व्यावहारिक समय के अनुसार है।

इष्टकाल साधन - सूर्योदय से जन्म काल तक के समय को इष्टकाल कहते है। इसे प्रायः घटीपलात्मक काल में निकाला जाता है। इष्टकाल साधन के निम्नलिखित नियम हैं -

1. यदि जातक का जन्म सूर्योदय के पश्चात् दोपहर 12बजकर 59 मिनट तक हो तो प्राप्त स्टैंडर्ड सूर्योदय के मान को जन्मकालीन स्टैण्डर्ड समय में से घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है।

उदाहरण - जातक का जन्म दिनांक 1जुलाई 2018 को दिल्ली में प्रातः12 बजकर 58 मिनट में हुआ। तब निम्नलिखित प्रकार से इष्टकाल साधन किया जाएगा -

जन्म समय - 12:58
सूर्योदय - - 05:31
07:27

इस 07:27 मान को 2.5 से गुणा करने पर 18:37:30 घटीपलात्मक मान प्राप्त हुआ। यही इष्टकाल होगा।

2. यदि जातक का जन्म दोपहर 1:00 बजे से रात्रि 12 बजकर 59 मिनट तक हो तो जन्म समय में 12 घण्टे जोड़कर उसमें से स्टैंडर्ड सूर्योदय के

मान को घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है।

उदाहरण - जातक का जन्म दिनांक, 1जुलाई 2018 को दिल्ली में रात्रि 09 बजकर 58 मिनट में हुआ। तब निम्नलिखित प्रकार से इष्टकाल साधन किया जाएगा -

जन्म समय - 09:58+12:00=21:58

21:58

सूर्योदय - - 05:31

16:27

इस 16:27 मान को 2.5 से गुणा करने पर 41:07:30 घटीपलात्मक मान प्राप्त हुआ। तब यही इष्टकाल होगा।

3. यदि जातक का जन्मरात्रि 1:00 बजे से दूसरे दिन के सूर्योदय से पूर्व तक हो तो जन्म समय में 24 घण्टे जोड़कर उसमें से स्टैंडर्ड सूर्योदय के मान को घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है।

उदाहरण - जातक का जन्म दिनांक 2 जुलाई 2018 को प्रात: 05 बजकर 30 मिनट में हुआ। क्योंकि 2 जुलाई के सूर्योदय 05:31 बजे से पूर्व का जन्म है अत: 1 जुलाई 2018 के सूर्योदय से इष्टकाल की गणना होगी। तब निम्नलिखित प्रकार से इष्टकाल साधन किया जाएगा -

जन्म समय - 05:30+24:00=29:30

29:30

सूर्योदय - - 05:31

23:59

इस 23:59 मान को 2.5 से गुणा करने पर 59:57:30 घटीपलात्मक मान प्राप्त हुआ। तब यही इष्टकाल होगा।

4. यदि ठीक सूर्योदय काल का जन्म हो तो इष्टकाल 00घटी00पल होगा। जैसे पूर्वोक्त 2 जुलाई को 5:31 सूर्योदय के समय में ही जन्म होने पर इष्टकाल 00:00 जानना चाहिए।

नैसर्गिक पंचांग से इष्ट स्थान का तिथ्यादि घटीमान साधन

नैसर्गिक पंचांग के तिथि, नक्षत्र, योग एवं करण की घटियों में सामान्यत: स्पष्ट देशान्तर घटी (धन या ऋण) का संस्कार करने से इष्ट स्थान के तिथ्यादि घटी मान प्राप्त होते हैं। देशयोरन्तरं देशान्तरम्। अर्थात् दो देशों (स्थान विशेष) का अन्तर ही देशान्तर होता है। यह देशान्तर रेखांश एवं अक्षांश भेद से दो प्रकार का होता है। इन दोनों के आधार पर ही स्पष्ट देशान्तर साधन करना चाहिए। इस हेतु सर्वोत्तम विधि यह है कि नैसर्गिक पंचांग में दिल्ली का सूर्योदय स्टैण्डर्ड टाइम में दिया ही गया है। अब अभीष्ट दूसरे स्थान का भी स्टैण्डर्ड सूर्योदय साधन करना चाहिए। फिर दोनों स्थानों के स्टैण्डर्ड सूर्योदयों (घण्टा व मिनट में)का अन्तर निकाल कर उसे ढ़ाई से गुणाकर घटी पलात्मक बनायें। तत्पश्चात् घटीपलात्मक इस अन्तर को दिल्ली के तिथ्यादि मान (घटीपलात्मक)में धन या ऋण संस्कार कर दूसरे स्थान का तिथ्यादि मान (घटीपलात्मक) प्राप्त होता है। यदि अभीष्ट स्थान दिल्ली से पूर्व की ओर होगा तो नैसर्गिक पंचांग के घटीपलात्मक तिथ्यादि मान में धन संस्कार होगा। यदि अभीष्ट स्थान दिल्ली से पश्चिम है तो नैसर्गिक पंचांग के घटीपलात्मक तिथ्यादि मान में ऋणसंस्कार करना चाहिए।

उदाहरण- दिनांक 13 अप्रैल 2021 को नैसर्गिक पंचांग से हमें गढ़वाल (अक्षांश 30:15 उत्तर तथा रेखांश 79:30 पूर्व) का तिथ्यादि घट्यादि मान ज्ञात करना है। 13 अप्रैल 2021 को दिल्ली का स्टैण्डर्ड सूर्योदय 6 बजकर 02 मिनट है। अब गढ़वाल का स्टैण्डर्ड सूर्योदय साधन करते हैं।

गढ़वाल के रेखांश 79:30 (पूर्व) का भारतीय मानक रेखांश 82:30पूर्व से अन्तर 3 अंश है। इसे 4 मिनट से गुणने पर रेखान्तर +12 मिनट हुआ।

गढ़वाल का चरमान साधनविधि - 13 अप्रैल को क्रान्ति सारिणी में देखने पर 9:8:17 क्रान्त्यंश मिलते हैं। अब चर सारिणी का प्रयोग करते हैं। सारिणी में गढ़वाल के अक्षांश 30:15 का क्रान्त्यंश नहीं दिये गये है। अत: सर्वप्रथम 30 अंश अक्षांश में 9 अंश क्रान्त्यंश के 20:59 मिनटादि चर तथा 31अंश अक्षांश में 9अंश क्रान्त्यंश के 21:50 मिनटादि चर को लेते हैं। फिर इनकी सहायता से 30:15अक्षांश में 9 अंश क्रान्त्यंश का मिनटादि चर अनुपात से ज्ञात करते हैं। यदि (31-30=)एक अंश अक्षांशान्तर में 9 अंश के क्रान्त्यंशों

का अन्तर (21:50-20:59=) 0:51 मिनटादि प्राप्त होता है तो (30:15-30=) 00:15 अंशादि में क्या?

0:51 x 00:15 = 0:121:45 मिनटादि अथवा 0:13स्वल्पान्तर से
1:00

उपर्युक्त मान को 30अक्षांश के चरमान में जोड़ने पर 30:15 अक्षांश के 9 क्रान्त्यंश का चरमान 21:22 मिनटादि प्राप्त हुआ।

अब इसी प्रकार से 30:15अक्षांश में 10 अंश क्रान्त्यंश का मिनटादि चर अनुपात से ज्ञात करते हैं। 30 अंश अक्षांश में 10 अंश क्रान्त्यंश के 23:22 मिनटादि चर तथा 31अंश अक्षांश में 9अंश क्रान्त्यंश के 24:21 मिनटादि चर को लेते हैं। फिर इनकी सहायता से 30:15अक्षांश में 10 अंश क्रान्त्यंश का मिनटादि चर अनुपात से ज्ञात करते हैं। यदि (31-30=)एक अंश अक्षांशान्तर में 10 अंश के क्रान्त्यंशों का अन्तर (24:21-23:22=) 0:59 मिनटादि प्राप्त होता है तो (30:15-30=) 00:15 अंशादि में क्या?

0:59 x 00:15 = 0:14:45मिनटादि अथवा 0:15स्वल्पान्तर से
1:00

उपर्युक्त मान को 30अक्षांश के चरमान में जोड़ने पर 30:15 अक्षांश के 10 क्रान्त्यंश का चरमान 23:37 मिनटादि प्राप्त हुआ।

अब 30:15 अक्षांश के 9 अंश क्रान्त्यंश तथा 10 अंश क्रान्त्यंश के चरमान का अन्तर (23:37-21:22=)2:15मिनटादि प्राप्त हुआ। परन्तु हमें 9:8:17 क्रान्त्यंश के चरमान अभीष्ट हैं। अतः पुनः अनुपात से अभीष्ट चरमान प्राप्त करते हैं। यदि (10-9=)एक अंश क्रान्त्यंशान्तर में चरान्तर (23:37-21:22=)2:15मिनटादि प्राप्त होता है तो अभीष्टान्तर (9:8:17-9=) 00:8:17 अंशादि में क्या?

2:15 x 00:8:17 = 0:18:38मिनटादि अथवा 0:19स्वल्पान्तर से
1:00

उपर्युक्त मान को 9 क्रान्त्यंश के चरमान में जोड़ने पर अभीष्ट क्रान्त्यंश का चरमान 21:41 मिनटादि प्राप्त हुआ।

गढ़वाल का स्टैण्डर्ड सूर्योदय साधन - गढ़वाल के अक्षांश उत्तरी हैं। 13 अप्रैल को उत्तरा क्रान्ति होने के कारण उपर्युक्त चरमान को 6 घण्टे में घटाने पर 5:38:19 स्थानीय सूर्योदय हुआ। इसमें 13 अप्रैल के बेलान्तर संस्कार +00:27 मिनटादि का संस्कार करने पर 5:38:46 हुआ। इसमें +12 मिनट रेखान्तर संस्कार करने पर 5:50:46 स्टैण्डर्ड सूर्योदय मान प्राप्त हुआ। स्वल्पान्तर से 13 अप्रैल 2021 को 5बजकर 51 मिनट गढ़वाल का स्टैण्डर्ड सूर्योदय है। इसी प्रकार अन्य स्थानों का भी स्टैण्डर्ड सूर्योदय निकाला जा सकता है।

तिथ्यादि मान परिवर्तन - दिल्ली व गढ़वाल के स्टैण्डर्ड सूर्योदयों का अन्तर (6:02-5:51=) 00:11 घण्टा मिनटात्मक हुआ। इसे ढ़ाई से गुणा करने पर 0:27 स्वल्पान्तर से घट्यादि अन्तर हुआ। क्योंकि अभीष्ट स्थान गढ़वाल, दिल्ली से पूर्व की ओर है। अतः दिल्ली के घट्यादि प्रतिपदा तिथिमान 10:34 में उपर्युक्त 0:27 घट्यादि मान को जोड़ने पर गढ़वाल का घट्यादि तिथिमान 11:01 आ गया। इसी प्रकार दिल्ली के नक्षत्रादि घटीमान में उपर्युक्त घट्यादि स्पष्ट देशान्तर का संस्कार करने से गढ़वाल का मान प्राप्त हो जायेगा। 13 अप्रैल को पंचांग के घट्यादि मान दिल्ली व गढ़वाल में इस प्रकार से होंगे-

तिथ्यादि	**दिल्ली में घट्यादि मान**	**गढ़वाल में घट्यादि मान**
प्रतिपदा तिथि	10:34	11:01
अश्विनी नक्षत्र	20:36	21:03
विष्कुम्भ यांग	22:56	23:23
बव करण	10:34	11:01

विशेष - भारतीय मानक समय में दिये गये तिथ्यादि के घण्टा मिनटात्मक मान भारतवर्ष के सभी स्थानों के लिए एक समान ही रहेंगे। अभीष्ट देश के सूर्यादि ग्रहों का साधन अपने स्थानीय इष्टकाल तथा ग्रहपंक्ति पर से करना चाहिए। इसके लिए देशान्तर संस्कार की आवश्यकता नहीं है। लग्न और दशम लग्न का साधन अभीष्ट देश (स्थान विशेष)के इष्टकाल से करना चाहिए। कुछ पञ्चाङ्गों में स्थानीय सूर्योदय दिया रहता है एवं कुछ पञ्चाङ्गों में स्टैण्डर्ड सूर्योदय। किस पञ्चाङ्ग में स्थानीय सूर्योदय दिया गया है? इसको जानने का सरल तरीका यह है कि जिस पञ्चाङ्ग के सूर्योदय एवं सूर्यास्त के मानों का योग 12 घण्टे या 24 घण्टे आता है, उसमें स्थानीय सूर्योदय दिया है। स्थानीय सूर्योदय में बेलान्तर एवं रेखान्तर का संस्कार (स्पष्टान्तर संस्कार) करने से स्टैण्डर्ड सूर्योदय होता है। दो देशों (स्थानों) के स्टैण्डर्ड सूर्योदयों का अन्तर ही स्पष्ट देशान्तर होता है।

चौघड़िया मुहूर्त्त

रविवार		चन्द्रवार		भौमवार		बुधवार		गुरुवार		शुक्रवार		शनिवार	
दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि
उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ
चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग
लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग	शुभ
अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर	काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत
काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत	अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर
शुभ	लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग
रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग	चर	अमृत	काल
उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ

गण्डमूल नक्षत्रों के चरण फल

नक्षत्र / चरण	अश्विनी	अश्लेषा	मघा	ज्येष्ठा	मूल	रेवती
प्रथम चरण	पितृ कष्ट	सुख	मातृ कष्ट	भ्रातृ कष्ट	पितृ कष्ट	लाभप्रद
द्वितीय चरण	सुख	धन हानि	पितृ कष्ट	भ्रातृ कष्ट	मातृ कष्ट	सुखद
तृतीय चरण	सुयोग	मातृ कष्ट	सुखद	मातृ कष्ट	धन हानि	शुभ
चतुर्थ चरण	सुखद	पितृ कष्ट	शुभ	शरीर कष्ट	सौख्यम्	कष्ट

शिव वास

वर्तमान तिथि गुणा 2 को 5 से जोड़कर 7 से भाग देने पर प्राप्त शेष एकादि होने पर क्रमशः शिव का वास निम्नानुसार जानें।

शेष	शिव वास	फल
1	कैलाश	श्रेष्ठ
2	गौरी सह	श्रेष्ठ
3	वृषभ पर	श्रेष्ठ
4	सभा में	सामान्य
5	ज्ञान वेला	श्रेष्ठ
6	क्रीड़ा में	नेष्ट
0	श्मशान में	मृत्यु

अग्निवास विचार

शुक्ल प्रतिपदा से इष्ट तिथि पर्यन्त जो संख्या आये उसमें सूर्यादि वार संख्या मिलाकर 1 जोड़ें फिर प्राप्त संख्या में 4 से भाग देनें पर शेष 3 व 0 हो तो अग्निवास भूमि पर शुभ होता है तथा 1 शेष बचे तो स्वर्ग में प्राण नाशक और शेष 2 रहने पर अग्निवास पाताल में धन नाशक होता है, ऐसा जानना चाहिए।

– ग्रहों की दान वस्तुएं, दान का समय एवं हवन समिधा ज्ञानार्थ चक्र –

ग्रह	दान वस्तुएं	दान समय	होम समिधा
सूर्य	माणिक, सुवर्ण, ताम्र, गेहूं, गुड़, घी, रक्तपुष्प, केशर, मूंग, लाल गाय, लालवस्त्र, लाल चन्दन	सूर्योदय	अर्क
चन्द्र	मोती, सुवर्ण, रजत, चावल, मिश्री, दही, श्वेतपुष्प, शंख, कर्पूर, श्वेत बैल, श्वेतवस्त्र, श्वेतचन्दन,	सन्ध्या	पलाश
भौम	मूंगा, सुवर्ण, ताम्र, मसूर, गुड़, घी, रक्तकेशर, केशर, कस्तूरी, लाल बैल, रक्तवस्त्र, लालचन्दन,	दिन की 2घटीशेष	खदिर
बुध	पन्ना, सुवर्ण, कांस्य, मूंग, खांड, घी, सर्वपुष्प, हाथीदांत, कर्पूर, शस्त्र, हरितवस्त्र, फल	दिन की 5घटीशेष	अपामार्ग
गुरु	पुखराज, सुवर्ण, कांस्य,दाल/चना, खांड, घी, पीतपुष्प,हल्दी, पुस्तक, घोड़ा, पीतवस्त्र, पीतफल	सन्ध्या	अश्वत्थ
शुक्र	हीरा, सुवर्ण, रजत, चावल, मिश्री, दूध, श्वेतपुष्प, सुगन्ध, दधि, श्वेत घोड़ा, श्वेतवस्त्र, श्वेत चन्दन	सूर्योदय	उदुंबर
शनि	नीलम, सुवर्ण, लोहा, उड़द, कुलथी, तेल, कृष्णपुष्प, कस्तूरी, कृष्णान्न, भैंस, कृष्णवस्त्र, उपानह	मध्याह्न	शमी
राहु	गोमेद, सुवर्ण, सीसा, तिल, सरसों, तेल, कृष्णपुष्प, खड्ग, कम्बल, घोड़ा, नीलावस्त्र, शस्त्र	रात्रि	दूर्वा
केतु	लहसुनिया, सुवर्ण, लोहा, तिल, सप्तधान्य, तेल, धूम्रपुष्प, नारियल, कम्बल, बकरा, धूम्रवस्त्र, शस्त्र	रात्रि	कुशा
मुन्था	भौम, सुवर्ण, चांदी, चावल, सुवर्ण, घी, श्वेतपुष्प, कपूर, मिश्री, श्वेतवस्त्र, श्वेतचन्दन,हाथीदांत	मुन्थेश काल	–

अंग स्फुरण फल – मनुष्य के शरीर के किसी भी अंग में अचानक स्फुरण होने पर प्राचीन आचार्यों द्वारा शुभाशुभ ज्ञान विधि कही गई है, परन्तु यदि स्फुरण निरन्तर लम्बे समय तक होता रहे तो वह वायुविकार से सम्बन्धित होता है, उस स्फुरण द्वारा शुभाशुभ फल नहीं जानना चाहिए। यदि अंग में स्फुरण अत्यल्प काल के लिए हो तो वह भावी शुभाशुभ का बोधक होता है। सामान्यतया स्त्री का वामांग तथा पुरुष का दक्षिणांग स्फुरण शुभ माना जाता है। अंग स्फुरण का फल निम्नलिखित प्रकार से जानना चाहिए–

स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल
मस्तक	भूमिलाभ	भृकुटि	धनप्राप्ति	कण्ठ	आभूषण	पृष्ठ	पराजय
बाहुप्रदेश	प्रियप्राप्ति	ललाट	स्थानलाभ	नासिका	सुगन्धलाभ	ग्रीवा	शत्रुभय
नाभि	स्त्रीनाश	गुप्तांग	प्रियप्राप्ति	नेत्र	प्रियदर्शन	कान	आयुवृद्धि
स्कन्ध	मित्रभेंट	कुक्षि	सुप्रीति	जंघा	हानिप्रद	कपोल	स्त्रीसुख
वक्ष	विजय	कटि	प्रियप्राप्ति	घुटना	शत्रुसन्धि	भ्रूमध्य	सुखप्राप्ति
अधर	प्रियप्राप्ति	हृदय	इष्टसिद्धि	हस्त	धनप्राप्ति	पाद	स्थानप्राप्ति

नवग्रह शान्ति उपाय

सूर्य

वैदिक मन्त्र ॐ आकृष्णेन रजसा वर्त्तमानो निवेशयन्नमृतम्मर्त्यञ्च हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्।।

सूर्य गायत्री आदित्याय विद्महे प्रभाकराय धीमहि तन्नो सूर्य: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ घृणि सूर्याय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं ह्रौं सूर्याय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं स: सूर्याय नम:।।

जप संख्या 7000 (सप्तसहस्राणि)

ग्रहाणामादिरादित्यो लोकलक्षणकारक:।
विषमस्थानसम्भूतां पीड़ां दहतु मे रवि:।।

चन्द्र

वैदिक मन्त्र ॐ इमन्देवाऽअसपत्नं सुवध्वं - महते क्षत्राय महते ज्यैष्ठ्याय महते जानराज्यायेन्द्रस्येन्द्रियाय। इमममुष्य पुत्रममुष्यै पुत्रमस्यै विशऽएष वोऽमी राजा सोऽमोस्माकं ब्रह्मणानां राजा।।

चन्द्र गायत्री ॐ अमृताङ्गाय विद्महे कलरूपाय धीमहि तन्नो सोम: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ सों सोमाय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं क्लीं सोमाय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ श्रां श्रीं श्रौं स: चन्द्रमसे नम:।।

जप संख्या 11000 एकादशसहस्राणि

रोहिणीश: सुधामूर्त्ति: सुधागात्रो सुधाशन:।
विषमस्थानसम्भूतां पीड़ां दहतु मे विधु:।।

भौम

वैदिक मन्त्र ॐ अग्निर्मूर्द्धादिव: ककुत्पति: पृथिव्याऽअयम्। अपां रेतां सि जिन्वति।।

भौम गायत्री ॐ अङ्गारकाय विद्महे शक्तिहस्ताय धीमहि तन्नो भौम: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ अं अङ्गारकाय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ हूँ श्रीं भौमाय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ क्रां क्रीं क्रौं स: भौमाय नम:।।

जप संख्या 10000 (दशसहस्राणि)

भूमिपुत्रो महातेजा जगतो भयकृत्सदा।
वृष्टिकृद-वृष्टिहर्ता च पीड़ां दहतु मे कुज:।।

बुध

वैदिक मन्त्र ॐ उद्बुध्यस्वाग्ने प्रतिजागृहि त्वमिष्टापूर्त्ते स ठं सृजेथामयं च अस्मिन्त्सध स्थेऽअध्युत्तरस्मिन् विश्वे देवा यजमानश्च सीदत।।

बुध गायत्री ॐ सौम्यरूपाय विद्महे वाणेशाय धीमहि तन्नो सौम्य: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ बुं बुधाय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं श्रीं श्रीं बुधाय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय नम:।।

जप संख्या 9000 (नवसहस्राणि)

उत्पातरूपी जगतां चन्द्रपुत्रो महाद्युति:।
सूर्यप्रियकरो विद्वान पीड़ां दहतु मे बुध:।।

गुरु

वैदिक मन्त्र ॐ बृहस्पतेऽअतियदर्योऽ अर्हाद्युमद्विभाति क्रतुमज्जनेषु यद्दीदयच्छ वसऽऋतप्रजाततदस्मासु द्रविणं धेहि चित्रम्।।

गुरु गायत्री ॐ आङ्गिरसाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो जीव: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ बृं बृहस्पतये नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं क्लीं हूँ बृहस्पतये नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:।।

जप संख्या 19000 एकोनविंशतिसहस्राणि

देवमन्त्री विशालाक्ष: सदालोकहितेरत:।
अनेकशिष्यै: सम्पूर्ण: पीड़ां दहतु मे गुरु:।।

शुक्र

वैदिक मन्त्र ॐ अन्नात् परिस्रुतो रसं ब्रह्मणा व्यपिबत्क्षत्रम्पय: सोमं प्रजापति:। ऋतेन सत्यमिन्द्रियं विपान ठं शुक्रमंधसऽइन्द्रस्येन्द्रियमिदं पयोऽमृतम्मधु।।

शुक्र गायत्री ॐ भृगुजाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो शुक्र: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ शुं शुक्राय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं श्रीं शुक्राय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ द्रां द्रीं द्रौं स: शुक्राय नम:।।

जप संख्या 16000 (षोडशसहस्राणि)

दैत्यमन्त्री गुरुस्तेषां प्राणदश्चमहाद्युति:।
प्रभुस्ताराग्रहाणां च पीड़ां दहतु मे भृगु:।।

शनि

वैदिक मन्त्र ॐ शन्नो देवीरभिष्टऽआपो भवन्तु पीतये। शंय्योरभिस्रवन्तु न:।।

शनि गायत्री ॐ भगभवाय विद्महे मृत्युपुरुषाय धीमहि तन्नो शनि: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ शं शनैश्चराय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:।।

जप संख्या 23000 (त्रयोविंशतिसहस्राणि)

सूर्यपुत्रो दीर्घदेहो विशालाक्ष: शिवप्रिय:।
मन्दचार: प्रसन्नात्मा पीड़ां दहतु मे शनि:।।

राहु

वैदिक मन्त्र ॐ कयानश्चित्रऽआभुवदूती सदावृध: सखा कया सचिष्ठया व्वृता।।

राहु गायत्री ॐ शिरोरूपाय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो राहु: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ रां राहवे नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं ह्रीं राहवे नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं स: राहवे नम:।।

जप संख्या 18000 (अष्टादशसहस्राणि)

महाशीर्षो महावक्त्रो महाद्रंष्ट्रो महायशा:।
अतनुश्चोर्ध्व केशश्च पीड़ां दहतु मे तम:।।

केतु

वैदिक मन्त्र ॐ केतुं कृण्वन्न केतवे पेशो मर्य्याअपेशसे समुषद्भिरजायथा:।।

केतु गायत्री ॐ पद्मपुत्राय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो केतु: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ कें केतवे नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं ऐं केतवे नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ स्रां स्रीं स्रौं स: केतवे नम:।।

जप संख्या 18000 (अष्टादशसहस्राणि)

अनेकरूपवर्णश्च शतशोऽथ सहस्रश:।
उत्पात रूपी घोरश्च पीड़ां दहतु मे शिखी।।